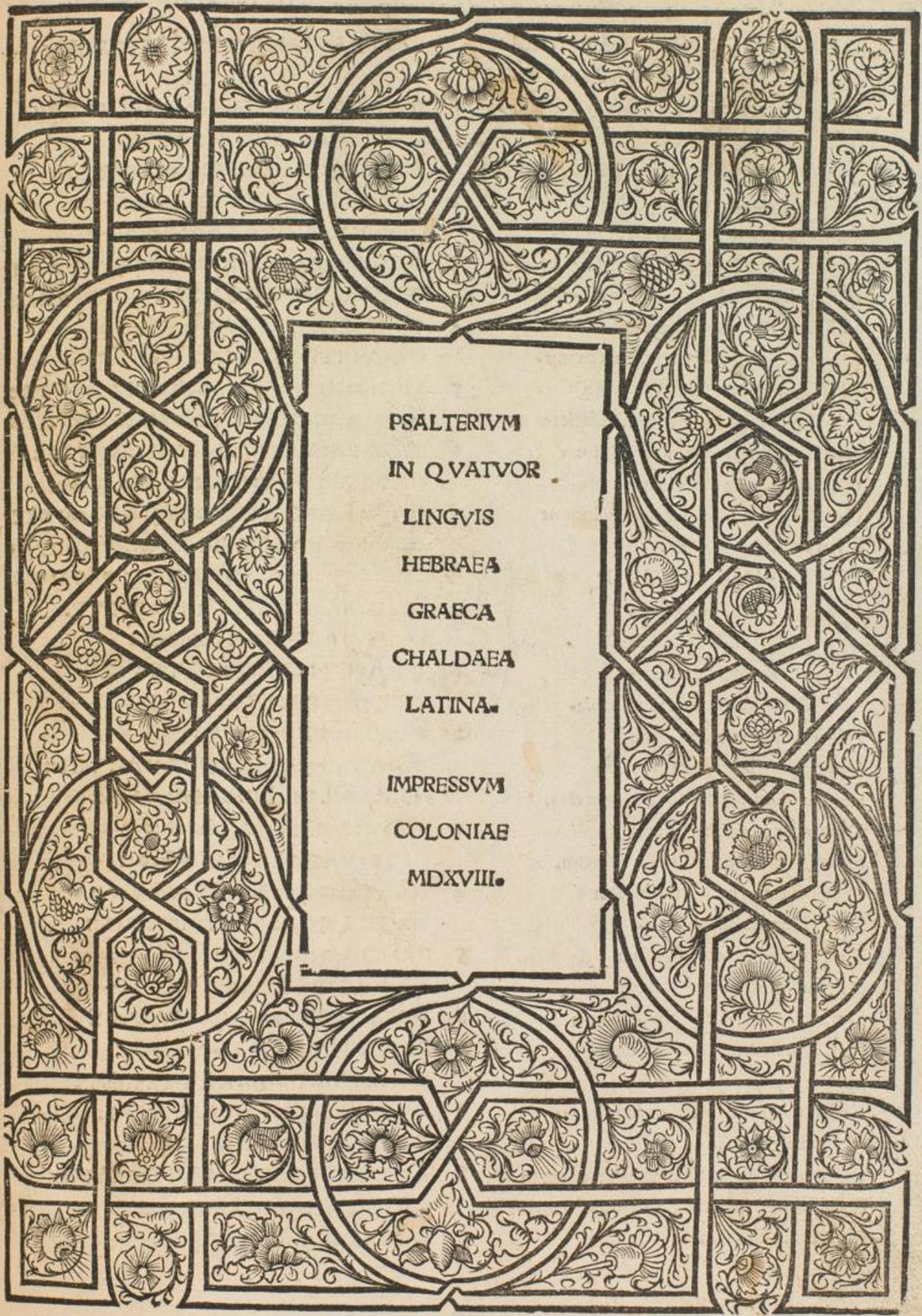


I

Bibl. Th. I. A. 91 (Jwk.)

v. 316



PSALTERIVM
IN QVATVOR
LINGVIS
HEBRAEA
GRAECA
CHALDAEA
LATINA

IMPRESSVM
COLONIAE
MDXVIII.

DAVID PROPHE TAE ET RE
GIS MELOS. PSALMI.



B Eatus vir qui nō abiit in cōsilio im
& in uia peccatorū nō stetit: (pioꝝ
& in cathedra pestilētiæ non sedit.

Sed in lege domini uoluntas eius :
& in lege eius meditabitur die ac nocte.
Et erit tāq̄ lignū quod plātātū ē sec⁹ decursus
quod fructū suū dabit in tpe suo. (aquaꝝ
Et folium eius non defluet:
& omnia quæcūq; faciet prosperabuntur.
Non sic impij non sic:
sed tāq̄ puluis quē proicit uētus a facie terræ.
Ideo non refurgunt impij in iudicio:
neq; peccatores in consilio iustorum.
Quoniā nouit dominus : iam iustorum:
& iter impiorum peribit.

SINE TITULO
APVD HE
BRAEOS.

Varefremuerunt gentes:
9 & populū medicati sunt inania.
Astiterunt reges terræ:
& principes conuenerunt in vnum
aduersus dñm: & aduersus christum eius.
Dirumpamus uincula eorum:
& proiciamus a nobis iugum ipsorum.
Qui habitat in caelis irridebit eos:
& dominus subfannabit eos.
Tunc loquetur ad eos in ira sua:
& in furore suo conturbabit eos.
Ego autem constitutus sum rex ab eo:
super sion montem sanctum eius:
praedicans praeceptum eius.
Dominus dixit ad me filius meus es tu:
ego hodie genui te.
Postula a me & dabo tibi gentes hæreditatem
& possessionem tuā terminos terræ. (tuam:
Reges eos in uirga ferrea:

መዘን: ልግረሁት: እግዚአብሔር: ወለርሐኛ:
እግዚአብሔር:

- 1 ዐ ብፁዕ: ብእሌ: ዘእሐረ: ብወብረ: ረሌህኛ::
ወዘእኛመ: ወስተ: ፍፍተ: ኃጥላኛ::
ወዘእናበረ: ወስተ: መንበረ: መስተሰልቆኛ::
- 2 ዘይእሙ: ሕገ: እግዚአብሔር: ሠወረቱ::
ወዘሕገ: ሃያብብ: መህለተ: ወሌሊት::
- 3 ወይከወኛ: ስመ: ዕፅ: እኛተ: ትክልት: ኅበ: ሙኃዘ:
እኛተ: ትሁብ: ፍሪሃ: ባረኪሃ :: ሠይኒ::
- 4 ወጳጽላኒ: እይትናገፍ::
ወከሎ: ዘገብረ: ደኔጽወ::
- 5 አሶ: ስመዘ: ኃጥላኛ: አሶ: ስመዘ:: ሞድ::
ይእሙ: ስመ: መሪት: ዘይግሕፍ: ናፍኩ: እግዚአብሔር:
- 6 ወበእኛተዘ: እይትናሠሎ: ረሌህኛ: እግዚአብሔር:
ወእኛተ: ወስተ: ወብረ: ጸድቆኛ::
- 7 እስመ: ሃለወር: እግዚአብሔር: ፍፍቶመ: ለጸድ:
ወፍፍቶመ: ለኃጥላኛ: ትጠፍእ:: ሠቆኛ::
ትንቢት: ዘይግድት: ሳዕለ: እግዚአብሔር: ወሳዕለ: መሌ
ሀ: እስመ: ሕለዩ: አሕዛብ: ደዕርግዎ:
ለጸድ: ወይግደዎዎ::
- 1 B ለወኛት: አንገላጉ: እሕዛብ::
ወሕዛብኒ: ናበቡ: ከኛቶ::
- 2 ወተንሠሎ: ናገሠተ: ግድር::
ወመላእክትኒ: ተጋብሎ: ወሰሌህመ: ኅብረ::
ሳዕለ: እግዚአብሔር: ወሳዕለ: መሌሐ::
- 3 ናበተክ: እግዚአብሔር: መላእክህመ::
ወንገድ: እግዚአብሔር: አረህቶመ::
- 4 ዘይናብር: ወስተ: ስይይ: ደሠሕቆመ::
ወእግዚአብሔር: ደሳለቆ: ሳዕሌህመ::
- 5 ስበ: ደናዕመ: በመህቱ::
ወበመህቱ: ሃወሐመ::
- 6 ወአንኩ: ተሠዋዎኩ: ናጉሠ: ሳዕሌህመ::
በጸድ: በደብረ: መቆይኩ::
ከመ: እንግር: ትእዛዘ: ለእግዚአብሔር::
- 7 እግዚአብሔር: ደቡላኒ: ወልደዎ: አኛተ:
ወአኛ: ሞድ: ወለደኩክ::
- 8 ስአል: እግዚአብሔር: እሁበክ: አሕዛብ: ለርሕትክ::
ወወኩናኒክ: እስክ: እጽናል: ግድር::
- 9 ወትረእይመ: በበትረ: ኅዲኛ::

ΔΑΒΙΔ ΠΡΟΦΗΤΟΥ ΚΑΙ ΒΑΣΙΛΕΩΣ
ΜΕΛΟΣ



Ακάρειος ἄνηρ ὃς οὐκ ἐπορεύθη ἐν βουλῇ ἀσε
καὶ ἐν ὁλώ ἀμαρτωλῶν οὐκ ἔση· (βωμ·
κ) ἐπὶ καθέλευσιν λοιμῶν οὐκ ἐκάθισεν·

Ἄλλ' ἦ ἐν τῶ νόμῳ κυρίου ὁ θελήμαξ ἀντῶν·
κ) ἐν τῶ νόμῳ αὐτοῦ μελετήσῃ ἡμέρας καὶ νυκτῶς·
καὶ ἔσαι ὡς ὁ ξύλον ὃ πεφυτευμένον παρὰ τὰς λιεξοδύξ
ὃ τ' κερπὸν αὐτοῦ δώσῃ ἐν κχιρῶ αὐτοῦ· (τῶν ἰδλάδωμ·
καὶ ὁ φύλλον αὐτοῦ ἔκ ἀποξηρῆσεται·
κ) πᾶν τὰ ὅσα ἀν ποιῆ καθενὸ λωθῆσεται·
Οὐχ οὕτως οἱ ἀσεβῆις οὐχ οὕτως·
ἀλλ' ἡ ὡσὶ χνῶς ὃν ἐκρίπη ὃ ἀνεμ' ἀπὸ προσώπου ἡξ γῆξ·
Διὰ τῶτο ἔκ ἀνασῆσονται ἀσεβῆις ἐν κρίσει·
ὃν λὲ ἀμαρτωλοὶ ἐν βουλῇ δικαίωμ·
Ὅτι γινώσκῃ κύριος ὁ δόμ δικαίωμ·
κ) ὁ δὸς ἀσεβῶν ἀπολεῖται·

ἌΝΕΓΙΓΡΑΦΟΣ
ΓΑΡ ἘΒΡΑΙ
ΟΙΣ

Νατὶ ἐφ' ἐξῆσ ἐδνη,
κ) λαοὶ ἐμελέτησῃ κενά·

Γαρέσῃσ οἱ βχοιλῆις τῆξ γῆξ·
καὶ οἱ ἀρχοντες οὐνήθησῃ ἐπιτοαυτο·
κατὰ τῶ κυρίξ κ) κατὰ τῶ χριξῶ αὐτῶ·
Διὰ βῆξωμ ἐν τῶν δλομῶν αὐτῶμ·
καὶ ἀπορρῆ φωμ ἐν ἡμῶν ἰὸν ζυγῶν αὐτῶμ·
Ὁ καλοκῶμ ἐν οὐρανοῖξ ἐκγέλασε λαὶ αὐτοῦ·
κ) ὁ κύριος ἐκμνήρει αὐτῶξ·
Τῶτε λαλήσῃ πρὸξ αὐτῶξ ἐν οργῇ αὐτῶξ·
καὶ ἐν τῶ θυμῶ αὐτῶ ταράξῃ αὐτῶξ·
Ἐγὼ δὲ κατέσάθην βχοιλῆνξ νφ αὐτοῦ·
ἐπὶ σίωμ οροξ ἰο αγιοῦ αὐτοῦ·
λιχγγέλλων ἰο πρὸξ αγμα κυρίου·
Κύριος εἶπε πρὸξ με νιοξ μόν εἶ ξν·
ἐγὼ σήμερον γεγέννηκά σε·
Ἄλῆσαι παρ' ἐμῶν κ) λῶσῶσ οἱ ἔθνη ἡν κληρονομία σου·
καὶ τὴν κατὰσχῆσιν σου ἰα πέρατα ἡξ γῆξ·
Γοιμανῆιξ αὐτῶξ ἐν ῥάβλ φσι δηῆξ·

קְרָה הַיְהוּדִים

שָׂרִי דְאִישׁ אֲשֶׁר לֹא הָלַךְ בְּעַצְתּוֹ
בְּדַרְךְ חַטָּאִים לֹא עָמַד (רְשָׁעִים)
בְּמִשְׁכַּב לְצִיס לֹא יָשָׁב·



כי אם בתורת יהוד חפצו
ובתורתו יהגה יוסול ליה·
והיה כעץ שתול על פלג מים
אשר פרו יתן בעתו·
ועליו לא יבול·
וכל אשר יעשה יצליח·
לא כהרשעים·
כי אם כמוץ אשר תרפנו רוח·
על כן לא יקמו רשעים במשפט·
וחטאים בעדת צדיקים·
כי יודע יסוד דרך צדיקים
ודרך רשעים תאבד·

ב' 3

הַיְהוּדִים רָשָׁעִים
וְלֹא מִים יִהְיֶה רִיק·

יתצבו מלכי ארץ
ורוזנים נוסדו יחד
על יסוד ועל משיחו·
בנתקה את מ סרות ימו
ונשליכה ממנו עבת ימו·
יושב בשמים ישחק
אדני ילעג למו·
או ידבר אלימו באפו
ובכרונו יבהלמו·
ואני בסכתי מלכי
על ציון הר קדשי·
אכפרה אל חק
על אסר אלי בני איתך
אני היום ילדותך
שאל ממני ואתנה גוים בנחלתך
ואחזקתך אפסי ארץ·
תרועם בשבט ברזל

2 η

& tanquam uas figuli confringes eos.
 Et nunc reges intelligite:
 erudimini qui iudicatis terram.
 Seruite domino in timore:
 & exultate ei cum tremore.
 Apprehēdite disciplinā ne quando irascat dñs:
 & pereatis de uia iusta.
 Cum exarserit in breui ira eius:
 beati omnes qui confidunt in eo.

¶ Psalmus Dauid quando fugiebat a facie
 Abesalom filij sui. III (bulāt me:
 d Omne qd multiplicati sunt qui tri
 multi insurgūt aduersum me)

Multi dicunt animæ meæ:
 non est salus ipsi in deo eius.
 Tu autē domine susceptor meus:
 gloria mea & exaltans caput meum.
 Voce mea ad dominum clamaui:
 & exaudiuit me de monte sancto suo.
 Ego dormiui & soporatus sum:
 & exurrexi quia dominus suscepit me.
 Non timebo milia populi,
 circumdantis me:
 exurge domine saluum me fac deus meus.
 Qm̄ tu percussisti oēs aduersantes mihi sine
 dentes peccatorū contriuisisti. (causat
 Dñi est salus: & sup populū tuū bñdictio tua.
 In fine in hymnis Psalmus Dauid. III.
 c Vm̄ inuocārē exaudiuit me de iusticie
 in tribulatiōe dilatasti mihi. (meq:
 Misere mei & exaudi orationem meā.
 Filij hominum usq; quo grati corde:
 ut qd diligitis uanitatē, & quæritis mēdaciū.
 Et scitote qm̄ mirificauit dñs sanctū suū:
 dñs exaudiet me, cū clamauero ad eum.
 Irascimini & nolite peccare, (cōpūgimini
 quæ dicitis in cordib⁹ uīris: & in cubilib⁹ uīris
 Sacrificate sacrificiū iusticiæ, & sperate in dño:
 multi dicūt quis ostēdit nobis bona.

ወክሶ: ጥዋ፡ ለብሐር: ተቆጠቆጡሙ።
 10 ወይላዜጅ: ለገሠተ: ለብወ።
 ወተገሠጹ: ኩሉክሶ: ለገ: ተኅጋጋ፡ ለወደር።
 11 ተቆጥሮ: ለእግዚአብሔር: በፍርሃት።
 ወተሐወዮ: ለጥ: በረሀዳ።
 12 አጽጋዕዋ: ለጥበብ: ከሶ: ለይቶሶህ: ለእግዚአብ
 ወእትትሐጉሉ: ለጥፍፍተ: ጽደቆ። ሠሔር።
 13 ሶበ: ለደቶ: ፍጡፍ: ሶህ።
 ብጹህ፡ ኩሉሶ: ለገ: ተወከሉ: ጥ።
 መዘሙር: ዘደዊት: ዘላሶ: ጥ፡ ለጥጋጸ:
 አቤሌሉ።
 1 ጥ እግዚአ: ለበዘኃ: ለገ: ይሳቆደ።
 ብዙኅ፡ ቆሙ: ሳህሌ።
 2 ብዙኅ፡ ይቤሉ፡ ለፍጥረት።
 አደደኅኅ: ለጥግኅ።
 3 አጥተክ: ለእግዚአ: ወከካይ፡ አጥተ።
 ክብር፡ ወመላሳተ: ርህሰ።
 4 ቆሉ፡ ኅበ: ለእግዚአብሔር: ጸራኅ።
 ወከጥህ፡ ለጥደብረ: መቆይኩ።
 5 አጥተክ: ስከብኩ: ወጥጥኩ።
 ወተገሠጸክ: ለከሶ: ለእግዚአብሔር: አጥጋላ።
 6 አይኔርህ: ለጥላላ፡ አሐዘክ።
 ለገ: ለጥ፡ ወቆሙ: ሳህሌ።
 ተገሠጸ: ለእግዚአ: ለጥግኅ፡ ወላደኅ።
 7 ለከሶ: አጥተ: ቆሠፍከሶ: ለኩሉሶ: ለገ: ይግረፍ
 ከፍጥረት: ለጥጥላጥ: ለበርክ። ሠፊ: በከጥ።
 8 ዘእግዚአብሔር: አደኅ፡ ሳህሌ: ሐዘክክ: በረከት
 ፍጥ፡ ዘላኩ፡ ጥ፡ መዘሙር: ዘደዊት። ሠከ።
 1 ህ ሶበ: ጥ፡ ለእግዚአብሔር: ከጥህ፡ ጥ
 ወላጥጋይ፡ ለጥ፡ ለጥ። ሠቆ።
 2 ተህሀላ፡ ወከጥህ፡ ጥ፡ ለጥ። ሠፊ: ለበክሶ።
 3 ደቆ፡ ለገሰ: ለሶ: ሐደ፡ ለከክ: ለእግዚአ: ተኅብ
 ለጥ፡ ተኅቆራ: ከጥ፡ ወተሐከወ: ሐከተ።
 4 አላጥ፡ ከሶ: ተክብሐ: ለእግዚአብሔር: በጥ።
 ለእግዚአብሔር: ይከጥህ፡ ሶበ: ጥ፡ ጥ፡ ኅቤሁ።
 5 ተጥ፡ ወእተኅ፡ ሐ፡ ሠፊ: ለጥ፡ ለጥ።
 ወከጥህ: በሐክሶ: ወከተ: ወከካይ፡ ለ
 6 ሠፊ: ለጥ፡ ጥ፡ ጥ፡ ወተወከሉ: በእግዚአብሔር።
 ብዙኅ፡ ለገ: ይቤሉ: ሶበ: ጥ፡ ጥ፡ ሠፊ: ሠፊ።

οὐ σκένη κέραιέως συντρέψῃς αὐτόν.
 Καὶ νῦν βασιλεῖο σύνετε,
 Γαίλευσθε πάντες οἱ κρίνοντες ἡμῶν γῆμ.
 Δουλέυσατε τῷ κυρίῳ ἐμ φόβῳ,
 καὶ ἀγαλλιᾶσθαι αὐτῷ ἐμ τρέμῳ.
 Δραξάσθε παιδείας μήποτε ὀργισθῆ κνρίω.
 καὶ ἀπολείψθε ἐξ ὄλθ Δικαίως.
 Ὅταν ἐκκαυθῆ ἐμ λαχὶ ὁ θυμὸς αὐτῶ,
 μακάριοι πάντες οἱ πεποιθότες ἐπ' αὐτῷ.
 ¶ Υἱὰ λῶς τῷ Δαβὶλ, ὅσοι ἐ ἀπελίλασκα ἐμ ἀπὸ προ-
 σῶτων Ἀβραάμ τῶν υἱῶν αὐτοῦ.

γ
 Υἱε τί ἐπ' ἀθύνθησαρ οἱ θλίβοντές με.
 κ
 πολλοὶ ἐπαίνεσανται ἐπ' ἐμ.
 Πολλοὶ λέγουσι τῆ ψυχῆ μου.
 ὅτι ἐσὶ σωτηρία αὐτῷ ἐμ τῷ θείῳ αὐτοῦ. **Διαψαλμα.**
 Σὺ δὲ κύριε ἀντιλήψου με εἰ.
 Δόξα μου καὶ ὑψώσθαι τὴν κεφαλὴν μου.
 Φοῦν μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα,
 καὶ ἐπήκουσέ μου, ἐξ οὐρανοῦ ἁγίου αὐτοῦ.
 Ἐγὼ δὲ ἐκοιμήθην καὶ ὑπνώσα.
 ἐξηγέσθην ὅτι κύριος ἀντιλήψεταιί μου.
 Ὅν φοβήθησάμην ἀπὸ μνησάδων λαοῦ
 τῶν κύκλω συνέπιπτε μέγαν μοι.
 ἀνάσα κύριε σῶσάμ με ὁ θεὸς μου.
 Ὅτι σὺ ἐπ' ἰλάξασ πάντας ἰουδ ἐχθραίνοντάς μοι μάταιως.
 ὁ λόγος ἀμαρτωλῶν συνέτριψας.
 Τὸν κύριον ἡ σωτηρία καὶ ἐπὶ τ' λαὸν σου ἡ ἐν λογιᾶσ.
 ¶ Εἰς τὸ τέλος ἐν ὕμνοις ψαλμὸς τῷ Δαβὶλ. **Δ**
 ἐ
 ἐν τῷ ἐπικαλεῖσθαι με ἐπήκουσάσ μου ὁ θεὸς ἡσ
 ἐ
 ἐν θλίψῃ ἐπλάηνας με (δικαιοσύνης μου.
 οἰκίρησόν με, καὶ ἐισάκουσάμ ἡσ προσευχῆσ μου.
 Υἱοὶ ἀνθρώπων ἕως ποῦτε βαρυνάσθαι,
 ἵνα τί ἀγαπᾶτε ματαιότητα, καὶ ζητεῖτε ψένδος.
 Καὶ γινώτε ὅτι ἐθανμάσωσε κύριος τ' ὄσιον αὐτοῦ.
 κύριος ἐισακούσεται με ἐν ἡῶ κερραγένοι με πρ' αὐτοῦ.
 Ὁργίσεθε καὶ μὴ ἀμαρτάνετε. (μῶν καταρνῆγτε.
 ἀ λέγετε ἐν ταῖσ καρδίαισ ὑμῶν, ἐπὶ ταῖσ κείταισ ὑ-
 θύσατε θυσίαν δικαιοσύνης καὶ ἐλάϊσατε ἐπὶ κύριω.
 πολλοὶ λέγουσι, τίς ἀξίει ἡμῶν ἰα ἀγαθά.

ככלי יתור תנפסם :
 ועתה מלכים הש כילו
 הוסדו שפטי ארץ :
 עבדו את יי כיראה
 ויילו ברעה :
 בשקו בר פן יאנף
 ותאכדו דרך :
 כי יבער במעט אפן
 אשכי כל חוסי בו :
 קמור ליהוד בכתחו מפני
 אבשלום בנו :
 הוד מה רבו צרי
 רבים קמים עלי :
 רבים אמרים לנפשי
 אין ישועתה לו באלדים סלה :
 ואתה יהוד מן בעדי
 ככורי ומרים ראשי :
 קול יאל יהוד אקרא
 ויענני מהר קדשו סלה :
 אני שכבתי ואישנה
 הקיצות כי יהוד יסמכני :
 לא אקרא מריכות עם
 אשר סביב שתו עלי :
 קומה יהוד הושיעני אל די
 כי הכית את כל איבי לחי
 שני רשעים שברת :
 ליהוד הושיעה על עמך ברכתך סלה :
 למנצח בנינות מזמור ליהוד :
 קרא ענני אל די צדקי
 בצר הרחבת לי
 חנני ושמע תפילתי :
 בני איש עד מה כבודי לכלמה
 תאהבון ריק תבקשו בוב סלה :
 ודע כי תפלה יהוד חסיד לו
 יהוד ישמע בקראי אליו :
 דוד ואל תחטאו
 אמרו כל בבכם על משפכם דודו סלה :
 וכו וכו צדק ובטחו אל יהוד :
 רבים אמרים מי יראנו טוב

Signatum est super nos humen vultus tui domine
 dedisti lætitiā in corde meo. (ci sunt
 A fructu frumētū: uīni, & olei sui multiplicas
 In pace in idipsum dormiā & requiescā.
 Quoniam tu domine singulariter in spe: constituiti me.
 In finē, p̄ ea q̄ hereditatē cōsequi. Psal. Dauid
 Erba mea auribus percipe domine: V
 intellige clamorem meum.
 Intende uoci orationis meæ:
 rex meus, & deus meus.
 Quoniam ad te orabo domine:
 mane exaudies uocem meam.
 Mane astabo tibi & uidebo:
 quoniam non deus uolens iniquitatē tu es.
 Neque habitabit iuxta te malignus:
 neque permanebunt iniusti ante oculos tuos.
 Odisti omnes qui operantur iniquitatem:
 perdes omnes qui loquuntur mendacium.
 Virū sanguinū & dolosū abominabit dominus
 ego autē in misericordia tua. Introibo in domum tuam
 adorabo ad templū sanctū tuū in timore tuo.
 Domine deduc me in iusticiam tuam:
 propter inimicos meos: dirige in cōspectu tuo.
 Quoniam non est in ore eorum ueritas: (uīa meā
 cor eorum vanum est.
 Sepulchrum patens est guttur eorum
 linguis suis dolose agebant:
 iudica illos deo. Decidat a cogitationibus suis
 secū dū multitudinem impietatum eorum expelle
 quoniam irritauerunt te domine. (cos
 Et latentur omnes qui sperant in te,
 in æternū exultabunt: & habitabis in eis.
 Et gloriabunt in te omnes qui diligunt nomē tuū:
 quoniam tu benedices iusto.
 Domine ut scuto bonę uolūtatis tue: coronasti nos.
 In finē in hymnis, p̄ octaua. Psal. Dauid VI.
 Omine ne in furore tuo arguas me:
 neque in ira tua corripas me.
 Misere mei domine quoniam infirmus sum:

7 + V O F: N A O L S: N C V S: T R N: A G H A: :
 O O R E H: T F W H T: O H T: A N S: :
 8 A F F L: N C S E: O O E F: O F N A: N H S: :
 9 N H O F: R T: A H N N: O A S O F: :
 10 A H S: A Z T: A G H A: N T H F: Q H T T N: A F R C
 F X G: N A Z T: T O C R: S H S C: H R E T: : M H S: :
 1 E F O P: A R O A: A G H A: :
 O A R: F C A P: :
 2 O A R O A S: F A: A A T P: :
 Z T W P S: O A F O N P: :
 3 A H S: A N H: A R A: A G H A: :
 N X Q H: N O U S: F O P: :
 4 N X Q H: A F O F: F R G H: O A H T C A: A H: :
 A H S: A H Z H: A F O H: H V S O Y: F A F C: :
 5 O A E S F C: A N F Z: F H A H: :
 O A E S N C: V G O F Z: F R S: A O E Z T H: :
 6 X A A H: A G H A: N A S: T O C T: V S O Y: :
 O T T F C S: A H A S: A A: E S F: H H T: :
 7 N A S: R F: O T H O F: P H F C C: A G H A N H C: :
 O A Z H: N N H S: O H L T H: 8 A N O A: N T H: :
 O A H G R: O H T: R C H: S O F R H H: N A L V T H: :
 9 A G H A: O C H S: N X R F H: :
 O N A Z T: X O A T P: A C T O: F S T P: F R G H: :
 10 A H S: A O P: R F F: O H T: A C V S: :
 O A R S S: H Z F: :
 11 H S: S O F N C: N W T: T C O F S: :
 O X A H O: N A H S T V S: :
 H Z F S: A G H A: 12 O E R F: N O E F S: :
 O N H S: N H S: H N A S: H R S: :
 A H S: A O L C H: A G H A: :
 13 O E T B W H: N H: N A S: A A: E T F H A H: :
 A V O F: E T H W F: O T F R C: A O L V S: :
 14 O E T G H H: N H: N A S: A A: F A F C: H S O H: :
 A H S: A Z T: T O C R: A X R F: :
 15 A G H A: H S: O A T: W S C: N A O H S: :
 F X G: H H N H T: N A Z T: A O F Z T: S H S C: H R E T: :
 1 Z A G H A: N S O V T H: A T F W A S: :
 O N S O W F T H: A T T W X S: :
 2 T W U A S: A G H A: A H S: F O E: A S: :

Ἐσμεν ὡς ἠέφη ἡμᾶς τὸ φῶς τῶν προσώπων σου κύριε.
Ἐλωκας ἐν φρεσὺν ἡμῶν εἰς τὴν καρδίαν μου.

Ἄπὸ καρπῶν σίτου διμῶν καὶ ἐλαίῳ ἀντῶν ἐπληθύνθησαν ἡμῶν.
Ἐμείνην ἐπὶ τὸ αὐτὸ κοιμηθήσομαι, καὶ ὑπνώσω.

Ὅτι σὺ κύριε κατὰ μόνους ἐπὶ ἐλωίδι κατ' ὀκισάσ με.

¶ Εἰς τὸ γὰρ ὑπὲρ ἡμῶν κληρονομία σου ἡ ἀλάμ τῶν δάκρυων. Ἐ
ἀέματα μὲ ἐνώπιόν σου κύριε.

τ συνες τῆς καρδίας μου,

πρόσχευ ἡ φωνὴ τῆς λεησεως μου.

ὁ βασιλεὺς μὲ καὶ ὁ θεὸς μὲ.

Ὅτι πρὸς σε προσεύξομαι κύριε.

τὸ πρῶτον εἰσακίσου τῆς φωνῆς μου.

τὸ πρῶτον παρὰ κείνου σοὶ καὶ ἐπὶ ὄψομαι.

ὅτι οὐκ ἔστι θεὸς ἄνομος σὺ εἶ.

Ὁν παρὰ κείνου σοὶ πονηρομένου.

(οὐκ)

ὅτι ἐλεημένους ἱππάρχοντες κατέναντι τῶν ὀφθαλμῶν

Ἐμίσους πάντας τὸς ἐργαζομένους τῆς ἀνομίας.

ἄπο λείψαντας τὸς λαλοῦντας τὸ ψέδος.

Ἄνδρα ἀιμάτων καὶ δόλιον βλεψέται κύριος.

ἐγὼ δὲ ἐν ἡμῶν πληθὺν τὴν ἐλέος σου. Εἰσελένομαι εἰς τὸ οἶκόν σου

προσκύνησά σοι ἵνα ἁγίω σου ἐμφοβώσ σου.

(οὐκ)

κύριε ὀλιγίστη με ἐμ τῆς δικαιοσύνης σου.

ἐνεκα ἡμῶν ἐχθρῶν μὲ κατέυθυνον ἐνώπιόν σου ἡμῶν ὁ δὲ ἴσως.

Ὅτι οὐκ ἔστι ἐμ τῷ σώματι ἀντῶν ἀλίθια,

ἡ καρδία ἀντῶν μαρτία.

τὰρος ἀνεωγμένους ὁ λάβρυξ ἀντῶν.

ταῖς γλώσσαις ἀντῶν ἐδολίστην,

κρίνον ἀντῶν ὁ δὲ ἀποπεσάωσαν ἀπὸ τῆς δικαιοσύνης ἀντῶν.

κατὰ τὸ πλῆθος τῶν ἀσεβειῶν ἀντῶν ἐξώσαν ἀντῶν,

ὅτι παρὰ κείνου σοὶ κύριε.

καὶ ἐν φρεσὶν ἡμῶν πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπὶ σέ.

εἰς αἰῶνα ἀγαλλίασονταί καὶ κατασκηνώσῃς ἐν αὐτοῖς

καὶ καυχῆσονται ἐμ σοὶ οἱ ἀγαπῶντες τὸ ὄνομα σου.

ὅτι σὺ ἐν λόγῳ σου δικαιοσύνη.

κύριε ὡς ὅταν ἐν δόκιμῳ ἐξεφάνωσας ἡμᾶς.

¶ Εἰς τὸ γὰρ ὑπὲρ ἡμῶν ὁ γὰρ ἡμῶν ἀλάμ τῶν δάκρυων.

κ ἔριε μὴ γὰρ θνήσκῃς ἐλέγξῃς με.

κ μὴ δὲ τῆς οργῆς σου παλιένωσας με.

Ἐλέησά με κὲ ὅτι ἀσθενὴς εἰμι.

נסת עלינו אור פנתה יי :

נתת שמחה בלב :

מעד וגנסות ירושם רבו :

בשלוס יחדו אשכנה ואיש :

כי אתה יי לבד לבסח תושיבני :

למנצח אל חנח לות מזמור לדוד :

ברר האזנה יי :

כינה דגיגי :

דקשיבה לקול שועי :

מלכי ואל די :

כי אל יה אתפללי יי :

בקר השמע קלי :

בקר אערך לה ואצפה :

כי לא אל חפץ רשע אתה :

לא יורה רע :

לא יתצבו הוללים לנגד עיניך :

שנאת כל בעלי און :

האבד דברי בוב :

איש דמים ומרמה יתעב יי :

ואני ברב חסדך אבוא ביתך :

אשתחוה אל היכל קדשך ביראתך :

יהוד יחני בצדקתך :

למען שורר הושר לכני דרפק :

כי אין בפיהו נכונה :

קרבים הוות :

קדר כחות גרנס :

לשונם חליקון :

האשימם יי אל רים יפלו ממעוזותיהם :

ברב כושעיהם הדיחמו :

בירמו בך :

וישמחו כל חוסי בך :

לעולם ירננו ותסך עלימו :

ועלצו בך ארבי שמך :

כי אתה תברך צדיק :

וי כצנה רצון העשורנו :

למנצח בנגינות על השמינית מזמור לדוד :

הוד אל באפק תוכיחני :

ואל בחמתך תיסרני :

חפני יי כי אמלל אני :

a. iii

sana me dñe qm̄ conturbata sunt ossa mea.
 Et anima mea turbata est ualde:
 sed tu domine usquequo.
 Cōuertere domine & eripe animam meam:
 saluum me fac propter misericordiam tuam.
 Quoniam nō est in morte qui memor sit tui:
 in inferno autem quis confitebitur tibi?
 Laboraui in gemitu meo,
 lauabo per singulas noctes lectum meum:
 lachrymis meis stratum meum rigabo.
 Turbatus est a furore oculus meus:
 inueteraui inter omnes inimicos meos.
 Discedite a me oēs qui operamini iniquitatē:
 quoniam exaudiuit dñs uocem fletus mei.
 Exaudiuit dominus deprecationem meam:
 dominus orationem meam suscepit.
 Erubescāt & cōturbent̄ uehemēter oēs inimici
 cōuertant̄ & erubescāt ualde uelociter. (mei:
 ¶ Psalmus Dauid quem cantauit domino pro
 uerbis Chusi filij Iemeni. VII.
 Om̄ine deus meus in te speraui:
 d saluū me fac ex oib⁹ psequētib⁹ me &
 Neqñ rapfat ut leo animā meā: (liberame.
 dum nō est qui redimat neq; qui saluū faciat.
 Domine deus meus si feci istud:
 si est iniquitas in manibus meis.
 Si reddidī retribuētibus mihi mala:
 decidam merito ab inimicis meis inanis.
 Persequat̄ inimic⁹ animā meā & cōprehēdat.
 & conculcet in terra uitam meam:
 & gloriam meam in puluerem deducat.
 Exurge domine in ira tua:
 & exaltare in finibus inimicorum meorum.
 Et exurge dñe de⁹ me⁹ in p̄cepto quod māda
 & synagoga populorū circundabit te. (sū:
 Et propter hanc in altum regredere:
 dominus iudicat populos.
 Iudica me domine secundū iusticiam meam:
 & secundū innocentiam meā super me.

1 0 6. 0. 8. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

ἰκασί με κύριε ὅτι ἐταράχθη τὰ ὄσα μου·
 καὶ ἡ ψυχὴ μου ἐταράχθη σφόδρα,
 καὶ ὄν κύριε ἕως πότε,
 ἔπισθε φὸν κύριε θῆσαι τὴν ψυχὴν μου·
 σώσον με ἔνεκεν τῶν ἐλέους σου·
 ὅτι οὐκ ἔσιν ἐν τῷ θανάτῳ ὁ μνημονεύων σου·
 ἐν δὲ τῷ ἄλλῃ τίς ἐξομολογήσεται σοί,
 ἔκοτίκα ἐν τῷ σενάγμῳ μου·
 λόνσω καὶ ἐκάσκη νύκτωρ τὴν κλίνην μου,
 ἐν δάκρυσι μου τὴν σρωμνὴν μου βρέξω·
 ἔταράχθη ἀπὸ θυμῶν ὁ ὄρθαλμός μου·
 ἐπαλαιώθη ἐν πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς μου·
 ἀπόστη ἀπ' ἐμοῦ πάντες οἱ ἐργαζόμενοι ἴην ἀνομία·
 ὅτι εἰσήκουσε ἕως τῆς φωνῆς τῶ κλαυθμῶν μου·
 ἤκουσε ἕως ἡνὶς λεήσῃς μου·
 κύριος τὴν πρὸς ἐμοὶ ψυχὴν μου πρὸς λέξασθε·
 αἰσχυνθήσαν καὶ ταράχθησαν πάντες οἱ ἐχθροὶ μου·
 ἀποστροφέησαν καὶ κτήσονται θυμὸν σφόδρα λιπατάχθη·
 ἢ γὰρ τῷ Δαβὶλ ἐρῆσε τῷ κῶ ὑπὲς ἡῶν λῶ ὡμ χῶς
 νῆς ἰε μείνι.

ἤγειρε ὁ θεὸς με ἐπὶ σέη ληπία·
 σώσον με ἐκ πάντῃ τῶ δαιμονίων με, καὶ ἔνοσά με·
 μὴ ποτε ἀρπάσῃ ὡς λέων τὴν ψυχὴν μου·
 μὴ ὄντος λυτρουμένου μὴ δὲ σώσαντος·
 κύριε ὁ θεός μου εἰ ἐποίησα τούτο·
 εἰ ἐστὶ ἀδικία ἐν χερσὶ μου,
 εἰ ἀνταπέδωκα τοῖς ἀπταστολιδόνσι μοι κακὰ,
 ἀκούεσθε μοι ἄρα ἀπὸ τῶ ἐχθρῶν μου κενός·
 καταλιώξαι ἄρα ὁ ἐχθρὸς ἡμῶν ψυχὴν μου καὶ καταλάσσει·
 καὶ καταπατήσῃ εἰς γῆν ἡμῶν ζαῖν μου·
 καὶ τὴν δόξαν μου εἰς χῶν κατασκηνώσῃ·
 ἀνάσθη κύριε ἐν ὄργῃ σου·
 ἠψώθη ἐν πῆσι πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς σου·
 καὶ ἐξεγέρθητι ἕως ὅθ' ἐν πρὸς ἀγαθῶν ἡμῶν ἐνετρίλω·
 καὶ συνατῶν ἡμῶν κυκλώσει·
 καὶ ὑπὲρ ἡμῶν εἰς ὕψος ἐπίσειψον·
 κύριος κρινεῖ λαός·
 κρινεῖ μοι κύριε κατὰ τὴν δικαιοσύνην μου·
 καὶ κατὰ τὴν ἀκακίαν μου ἐπέμοι.

דבאי כבודי עמי
 ונפשי נברלה מאד
 ואהיה יחיד עד בתי
 שונה ידל גה נפשי
 הושיעני למען חסדך
 כי אין בשמות ונה
 בשאול מי יודו לך
 ינעתי באנדותי
 אשקה בנל לילה קשת
 בדמעות ערשי אמוק
 עששה מכע עיני
 ערקת בנל צורתי
 סרה כמני כל בעל און
 כי שמעתי קול בקיני
 שמעתי קול חנות
 יתהפתי ירקת
 יבשו ויבהלו מאד כל איבי
 ישכרו יבשו רגע
 שגון לנדך אשר שר לי על דברי
 כוש בן ימיני
 הוד איתי בה חסדתי
 הושיעני מכל ידפי וחצילני
 כן יטרף נארה נפשי
 כרקואן מציל
 ואלך אם עשית זאת
 אם יש עול בנפי
 אם אמלתי שלם רע
 ואחלצה צורתי רנקם
 יחך איוב נפשי וישג
 וירמס לי ארץ חיי
 וכבודי לעפר ישכן סלה
 קומה ית באנק
 דנשא בערות צורתי
 ועורח אלי משכט צות
 ועית לאתם סתוככך
 ועליה למרום שכה
 יתן ידיו עמי
 ינפסו ית צדקת
 וכתמי עלי

Consumetur nequicia peccatorum,
 & diriges iustum:
 scrutans corda & renes deus.
 Iustum adiutorium meū a dominos
 qui saluos facit rectos corde.
 Deus iudex iustus,
 fortis & patiens:
 nūquid irascetur per singulos dies.
 Nisi cōuersi fueritis gradium suū uibrauit:
 arcum suū eccendit, & parauit illum.
 Et in eo parauit uasa mortis:
 sagittas suas ardentibus effecit.
 Ecce parturit iniusticiam:
 & cōcepit dolorem, & peperit iniquitatem.
 Lacū aperuit & effodit eum:
 & incidit in foueam quam fecit.
 Conuertetur dolor eius in caput eius:
 & in uerticē ipsius iniquitas eius descendet.
 Confitebor dño secundū iusticiam eius:
 & psallam nomini dñi altissimi.
 Victori pro torcularib⁹ Pfam⁹ David. VII.
 d Omīne dñs noster: q̄ admirabile est
 nomen tuū in uniuersa terra.
 Qm̄ eleuata est magnificētia tua super coelos.
 Ex ore infantū & lactētū perfecisti laudem:
 propter inimicos tuos:
 ut destruas inimicum & ultorem.
 Qm̄ uidebo coelos opera digitorum tuorū:
 lunam & stellas quæ tu fundasti.
 Quid est homo q̄ memores eius:
 aut filius hominis quoniam uisitas eum?
 Minuisti eū paulominus ab angelis,
 gloria & honore coronasti eum:
 & cōstituisti eū super opera manū tuarū.
 Omnia subiecisti sub pedibus eius,
 oues & boues uniuersas:
 in super & pecora campū.
 Volucres cœli & pisces maris:
 qui perambulant semitas maris.

10 P 3 A 6: λ η Ρ σ: Α 3 Γ Α Ζ: :
 Ο τ ζ τ ϩ σ: Α Χ Ρ Φ Ζ: :
 Ε λ τ ζ: Α Π: Ο η Α Ρ τ: λ 2 Η λ η ϩ ζ: :
 11 λ α ζ: Ε λ Ρ Α Ζ: λ 2 Η λ η ϩ ζ: :
 Η Ρ Ρ 4 Γ σ: Α Γ τ ϩ ζ: Α Π: :
 12 λ 2 Η λ η ϩ ζ: σ η ϩ ζ: Χ Ρ Φ: :
 3 Ρ Δ: Ο σ η τ ϩ 2 η: :
 Ο λ Ρ σ Χ λ: σ ζ η τ: η Α: λ α λ: :
 13 Ο λ σ η: λ τ σ Ρ 7 η σ: η Ε Ε: Ε σ α η η: :
 Φ η τ ζ: Ο τ ζ: Ο λ η τ ϩ Ρ Ο: :
 14 Ο λ η τ ϩ Ρ Ο: Ρ τ: η σ η: Η Ε Φ τ Δ: :
 Ο λ η σ υ ζ: λ Α: Ε ζ Ε: 2 Π ζ: :
 15 5 Υ: η σ: Π ϩ σ η: :
 Ο θ ζ η: Π χ ο ζ: Ο Ο Α Ρ: 3 Ω λ τ: :
 16 2 Π: η ζ Ρ: Ο Ε η Ρ: :
 Ο Ε Ο Ρ Φ: Ο η τ: 2 Π: Η 7 Π ζ: :
 17 Ο Ε 7 Π λ: Χ σ υ: Ε Π: Ε λ η: :
 Ο τ Ο Ε Ρ: ϩ σ η υ: Ε Π: Ε σ υ: :
 18 λ 7 ζ: Α λ 2 Η λ η ϩ ζ: Π η σ: Χ Ρ Φ: :
 Ο λ Η σ ζ: Α η σ: λ 2 Η λ η ϩ ζ: Α ϩ Δ: :
 4 Χ 8: Π λ ζ τ: σ η η τ η τ: σ η σ ζ: Η Ρ Ρ τ: :
 1 Α 2 Η λ η: λ 2 Η λ ζ: Ρ Φ: τ η η η: η σ η:
 Π η Α: σ Ρ ζ: : Π α Ρ τ: :
 2 λ η σ: τ Α ϩ Α: ο Π Ρ: η η η τ η: σ α ο Δ τ: η
 3 λ σ λ β: Ε Φ Φ: Ο η η σ τ: λ η τ ϩ Ρ η: η η η
 Π λ ζ τ: Χ ο λ: : μ τ: :
 η σ: τ ζ μ τ: Α Χ ο λ: Ο Α 7 ζ λ: :
 4 λ η σ: ζ λ λ: η σ Ρ τ: 2 Π ζ: λ Χ η ϩ η: :
 Ο ζ 3: Ο η Ρ η η τ: Η Α λ η: η ζ ζ η: :
 5 σ ζ τ ζ: Ο λ τ: η η λ: η σ: τ Η η ζ: :
 Ο σ ζ τ ζ: λ 2 Α: λ σ η Ρ Ο: η σ: τ η σ ζ: :
 6 η σ: λ η σ η: λ σ ο λ η η η: :
 η η η: Ο η η η τ: η Α ο η: :
 Ο υ λ σ η: Ε Π: η Α: 2 Π ζ: λ Ρ Ρ η: :
 7 Ο η Α: λ 2 ζ ζ η: Α τ: τ η τ: λ 2 ζ υ: :
 λ η 2 ζ ζ: Ο η Α: λ α υ σ τ: :
 Ο υ Ε λ: λ ζ η η: Η 7 Ε Φ: :
 8 λ ο Ρ λ: η σ Ε ζ: Ο υ υ η τ: η η ζ: :
 Ο Η ζ: Ρ η σ ζ: Ο η τ: 4 ζ τ: η η ζ: :

Domine dominus noster: quod admirabile est nomen tuum in uniuersa terra.

In fine pro occultis fili. Psalmus David IX.

Confitebor tibi domine in toto corde meo: narrabo omnia mirabilia tua.

Lætabor & exultabo in te: psallam nomini tuo altissime.

In conuertendo inimicum meum retrosum: infirmabuntur & peribunt a facie tua.

Quoniam fecisti iudicium meum & causam meam: sedisti super thronum qui iudicas iusticiam.

Incepisti gentes & perijt impius: nomen eorum delesti in eternum: & in seculum seculi.

Inimici defecerunt framee in finem: & ciuitates eorum destruxisti.

Perijt memoria eorum cum sonitu: & dominus in æternum permanet.

Parauit in iudicio thronum suum: & ipse iudicabit orbem terrarum in æquitate: iudicabit populos in iusticia.

Et factus est dominus refugium pauperum: adiutor in oportunitatibus in tribulatione.

Et sperent in te qui nouerunt nomen tuum: quoniam non dereliquisti querentes te domine.

Psallite domino qui habitat in sion: annunciate inter gentes studia eius.

Quoniam requirens sanguinem eorum recordatus est: non est oblitus clamorem pauperum. (micis meis)

Miserere mei domine: uide humilitatem meam de inis.

Qui exaltas me de portis mortis: ut annunciem omnes laudationes tuas: in portis filiarum sion.

Exultabo in salutaribus tuis: infixæ sunt gentes in interitu quem fecerunt.

In laqueo isto quem absconderunt: comprehensus est. Cognosce domine iudicia faciens: (pes eorum) in opibus manuum suarum: comprehensus est peccator.

Conuertantur peccatores in infernum: omnes gentes quæ obliuiscuntur deum.

9 ለግዚአጌላ፡ ለግዚአጌላ፡ ጥፍ፡ ተከብሱ፡ ስወክ፡ በኩሉ፡ ጥፍር።

ፋጻፍ፡ በእጅጉ፡ ግብአት፡ ወልድ፡ መከራ፡ ዘጸዊት።

1 ፀ ለገደ፡ ለክ፡ ለግዚአጌላ፡ በኩሉ፡ ልብዎ።

ወእግር፡ ኩሉ፡ ስብሐተክ።

2 እትፌሳህ፡ ወእትሰላሳ፡ በክ።

ወእዜወር፡ ለስወክ፡ ልሁል።

3 ስብ፡ ገብአ፡ ጸላእትዎ፡ ድጋሪሆሙ።

ይዎዎዎ፡ ወይትሰላሳ፡ ለጥፍዎ፡ ገጽክ።

4 እስመ፡ ገበርክ፡ ሊተ፡ ፋትሰዎ፡ ወበዋልዎ።

ወገበርክ፡ ደብ፡ መገበርክ፡ መከፍ፡ ጸዎ።

5 ገሠጽኮሙ፡ ለእሰዘብ፡ ወተሰላሳ፡ ረሲህ፡ ገ።

ወደወሰከክ፡ ስጥሙ፡ ለህላሎ፡ ህላዎ።

6 ፀርክ፡ ተገደረ፡ በኩሉ፡ ለጸሎ።

ከላህ፡ ገሪሆሙ፡ ገሠተክ።

7 ወትስዕር፡ ዘክርሙ፡ ግብር።

ወእግዚአጌላ፡ በሰላሳ፡ ደገበር፡ ለህላዎ።

8 ወእስተደለዎ፡ መገበር፡ ለከፍ።

ወወላቱ፡ ደካፍ፡ ለህላዎ፡ በጸዎ።

ወደካፍ፡ ለእሰዘብ፡ በርትዕ።

9 ወከፍ፡ ለግዚአጌላ፡ በሰላሳ፡ ወስካዎ፡ ለጸዎ።

ወገደላህሆሙ፡ ወላቱ፡ በጊዜ፡ ወገደላህሆሙ።

10 ወይትፍክሉ፡ በክ፡ ኩሉ፡ ለሉ፡ ያፌቆረ፡ ስመክ።

እስመ፡ እተገደረ፡ ለእሉ፡ ያገሠክ፡ ለግዚአጌላ።

11 ዘወረ፡ ለእግዚአጌላ፡ በሰላሳ፡ ዘገደረ፡ ወስተ፡ ጸዎ።

ወገደላህሆሙ፡ ለእሰዘብ፡ ወገደረ።

12 እስመ፡ ተከሰረ፡ ዘይትገሠሠ፡ ደጥሙ።

ወእረስህ፡ ለወገደላህሆሙ፡ ለጸዎ።

13 ተህህላ፡ ለግዚአጌላ፡ ወርሉ፡ ዘክመ፡ ያላገላ።

14 ዘገላህላ፡ ለግዚአጌላ፡ ጥፍ።

ክመ፡ እግር፡ ኩሉ፡ ስብሐተክ።

በእግር፡ ለወላቱ፡ ጸዎ።

15 ወገደላህሆሙ፡ በእድሜትክ።

በገላ፡ ለእሰዘብ፡ በገላ፡ ዘገብረ።

16 ወበይላቱ፡ መሠገርት፡ እጅጉ፡ ግብአት፡ ተከፍ፡ ለግ

17 ያላዎር፡ ለግዚአጌላ፡ በሰላሳ፡ ገበር፡ ፋትሰዎ።

ወበገብረ፡ እደደህ፡ ተከፍ፡ ገላ።

18 ደግብአ፡ ግብአት፡ ወስተ፡ ለላላ።

ወኩሉ፡ ለእሰዘብ፡ ለሉ፡ ደረሰዎ፡ ለእግዚአጌላ

κύριε ο κύριος ημών, ὡς θανμάσοις ῥονόμασος ἐκ πλάκ
 τῆ γῆ.
 Εἰς το θελόν πέρε τ κενφίωμ ρν νιζ Ψαλιος ῥ Δαβιδ. θ
 Ξομολογήσομαι σοι κύριε ἐμ ὅλη καρδία μου.
 Διηγήσομαι πάντα τὰ θανμάσοιά σου.
 Ἐνφρανθήσομαι κὶ γαλλισομαι ἐμ σοι.
 φιλῶ τῶ ὀνόματί σου ψισε.
 Ἐμ τῶ ἀποσεραφῆναι τ ἐχθρῶν μου εἰς τὰ ὀπίσω.
 ἀσενησοσι κὶ ἀπολῶνται ἀπὸ προσώπου σου.
 Ὅτι ἐποίησας ἡμ κρείσσιν μου κὶ ἡμ λιίσιν μου.
 ἐκάθισας ἐπὶ θρονου ὁ κρείσσιν ἡμ Δικαιοσύνημ.
 Ἐπετίμησας ἔθνεσι κὶ ἀπώλετ ὁ ὄσε βίβ.
 ῥονόμασος ἐξήλειψας εἰς τ' αἰῶνα κὶ εἰς τ' αἰῶνα ῥ αἰῶν
 τῶν ἐχθρῶν ἐξήλειψας αἰ ῥομφαίαι εἰς τέλος.
 καὶ πόλις καθείλες.
 Ἀπώλετο ῥ μνημόσυνομ ἀνρῶ μετ' ἡχῶ.
 καὶ ὁ κύριος εἰς ῥ αἰῶνα μένη.
 Ἡτοίμασας ἐμ κρείσσιν τ' θεονομ ἀντρῶν.
 κὶ ἀντρῶ κρινεῖ τῆμ οἰκσ μένημ ἐμ Δικαιοσύνημ
 κρινεῖ λαοὺς ἐμ ἐνθῆγη.
 κὶ ἐγένετ κύριος καταφυγῆ τῶ πεινήτι.
 βουδοῦς ἐμ ἐνκαίρισις ἐμ θλίψεσι.
 καὶ ἐλωισάτωσαμ ἐπὶ σοι οἱ γινώσκοντες ῥ ὀνόμασος
 ὅτι οὐκ ἐγκατέλιπες ῥους ἐκζητῶντας σε κύριε.
 Ὑάλατε τῶ κνείῳ τῶ κατ' ἰκοῦνι ἐμ σιῶμ.
 ἀναγγεῖλατε ἐμ κῆς ἐλθῆσι τὰ ἐπιτίλιεν ματα ἀντρῶν.
 Ὅτι ὁ ἐκζητῶμ τὰ αἵματα ἀντ' ἐμ ἡμῶ.
 οὐκ ἐπέλατρε ῥις κρεσυ γῆς τῶμ πεινήτωμ.
 Ἐλέησομ με κύριε ἵλε ἡμ ἰαπίνωσιμ μου, ἐκ τ' ἐχθρῶν μου
 ὄνφῶμ με ἐκ τῶμ πυλῶμ τῶ θανάτῶ.
 ὅπως ἀμ ἐξαγγεῖλω πάσας τὰς σινεσῆς σου.
 ἐμ ἰαῖς πύλαις τῆς θυγατρῶς σιῶμ.
 Ἀγαλλισομεθα ἐπὶ τῶ σωτηρίῳ σου.
 ἐνεπάγησαμ ἔθνη ἐμ Δικαιοσύνη κ' ἐποίησαμ.
 Ἐμ παγίδι ἰάντη κ' ἐκρυψαμ, συνελήφθη ὁ πόνος ἀντ' .
 Γινώσκειται κύριος κ' αἵματα ποιῶμ.
 ἐμ τοῖς ἐργοῖς τ' χερῶν ἀντ' συνελήφθη ὁ ἀμαρτωλῶς.
 Ἀποστραπήωσαμ οἱ ἀμαρτωλοὶ εἰς ἴου ἄλυμ.
 πάντα τὰ ἔθνη, ἵα ἐπιλαγθαρόμεμα ῥο θεῶ.

יְהוָה יְהוָה מֶלֶךְ מִלְּפָנֶיךָ יְהוָה
 כְּכֹל רָצוֹן
 לְמַנְצֵחַ עַל מוֹת לְבַן מוֹסֵר לְדָת
 וְדָה יְיָ בְּכֹל לְבָבִי
 אֲסַפְּרָה כָּל נִפְלְאוֹתֶיךָ
 אֲשַׁמְחָה וְאֶעֱלֶצֶה בְךָ
 אֹמְרָה שִׂימְךָ עַל יוֹן
 בְּשׁוֹב אִיבֵי אַחֲרֵי
 דְבַשׁ לֹו וַיֵּאבְדוּ מִפְּנֶיךָ
 כִּי עָשִׂיתָ מִשְׁפָּטִי דִינִי
 יִשְׁכַּח לְכֹסֶף שׁוֹפֵט צָדִיק
 אָעֲרַת גּוֹיִם אֲבוֹת רָשָׁע
 שִׁמְסֵם מִחַת לְעוֹלָם וְעַד
 הָאֲדוֹמִים תִּמְו חֲרָבוֹת לְנִצְחָה
 וְעָרִים נִתְּשָׁת
 אֲכַד וְזָכַרְס הַמָּה
 וַיִּשָּׁלַע עוֹלָם שָׁב
 בּוֹנֵן לְמִשְׁפָּט כֶּסֶף
 וְהוּא שִׁפְט תָּבֵל בְּצַדִּיק
 יִדּוֹן לְאֵמֶס בְּסִי שְׂרָיִם
 וַיְהִי יְיָ מִשְׁגֵּב לְבָךְ
 מִשְׁגֵּב לְעֵתוֹת בְּצַרָה
 וַיִּבְחָחוּ בְךָ יְדַע שִׁמְךָ
 כִּי לֹא עֹבֵת דְרָשִׁיךָ יְיָ
 זְמַר לְיְיָ יִשְׁבַּ צִּיּוֹן
 הַגִּידוּ בְעַמִּים עַל לִחְתִּי
 כִּי דִרְשׁוּ דַמִּים אֹתָם וְזָכַר
 לֹא שִׁכַח צַדִּיק עַנְיִים
 הַגִּנְנִי יְיָ רָאָה עַנְיִי מִשְׁנֵאֵי
 מִרְמָסִי מִשְׁעָרֵי מוֹת
 לְמַעַן אֲסַפְּרָה כָּל תְּהִלָּתֶיךָ
 בְּשַׁעֲרֵי בֵּית צִיּוֹן
 אֲגִידָה בִּישׁוּעָתֶךָ
 מִכְּעוֹזִים בְּשִׁדְת עֲשׂוֹ
 בְרִשְׁת־וֹ מִמְּנוּ נִלְהַפֶּה רַגְלָם
 בּוֹרַע יְיָ מִשְׁפָּט עֲשֵׂה
 בְּפַעַל כְּפִיּוּ נֹקֵשׁ רָשָׁע הַגִּיּוֹן סִלְהֵ
 יִשְׁבוּ רָשָׁעִים לְשִׁאוֹלָה
 כָּל גּוֹיִם שִׁכְחִי אֱלֹדִים
 b i

Οὐκ εἰς τέλος ἐπιλησθήσεται ὁ πτωχός·
 ἢ ὑπομονὴ τὴν πενήτων οὐκ ἀπολείπεται εἰς τέλος·
 Ἀνάσθη κύριε μὴ κραταίους· ὡς ἄνθρωπος·
 κριθήτωσαν ἔθνη ἐνώπιόν σου·
 Κατάσσει κύριε νομοθέτην ἐπ' ἀνθρώπων·
 γνώτωσαν ἔθνη, ὅτι ἄνθρωποι εἰσιν·
 ἵνα τί κύριε ἀφῆσθαι μακροθύμη·
 ὑπερβάς ἐν ἐνκαίριαις ἐν θλίψεσι·
 ἐν τῶν παρηφανέσεων· ἡ ἀσεβῆ ἐμπνέεται ὁ πτωχός·
 συναβάνονται ἐν λιανολοίσι οἱ διαλογίζονται·
 ὅτι ἐπαινεῖται ὁ ἀμαρτωλὸς ἐν ἰαῖς ἐπιθυμίαις τῆς ψυχῆς
 καὶ ὁ ἀδικὸς ἐν λογιῶν· (χθὲς ἀνθρώπων·)
 Παρώξυνε τὸ κύριον ὁ ἀμαρτωλός·
 κατὰ τὸ πλῆθος τῆς ὀργῆς ἀνθρώπων οὐκ ἐκζητήσῃ·
 οὐκ εἰσι ὁ θεὸς ἐνώπιον αὐτῶ·
 βεβηλῶνται αἱ ὁδοὶ αὐτῶ ἐν παντὶ καιρῶ·
 ἄνταναιρεῖται τὰ κρίματά σου ἀπὸ προσώπου αὐτῶ·
 πάντων τ' ἐχθρῶν αὐτῶ κατακρινέουσι·
 εἶπε γὰρ ἐν καρδίᾳ αὐτῶ ὅτι μὴ σαλευθῶ ἀπὸ γενεᾶς εἰς
 γενεᾶν ἀνεὺν καιρῶ·
 οὐκ ἄρα τὸ σῶμα αὐτῶ γέμει καὶ πικρίας καὶ δόλου·
 ὑπὸ τῆς γλώσσης αὐτῶ κόπος καὶ πόνος·
 ἐγκάθεται ἐμελέα μετὰ πλοσίου·
 ἐν ἀποκρυφοῖς τὸ ἀποκτεῖναι ἀθώων·
 οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶ εἰς τὸ πένητα ἀποβλέψουσι·
 ἐνελεῖν ἐν ἀποκρυφῶ, ὡς λέων ἐν τῇ μάνδρα ἀνῆ·
 ἐνελεῖν τὸ ἀρῶσθαι πτωχῶν·
 ἀρῶσθαι πτωχῶν ἐν τῷ ἐλκύναι αὐτοῦ·
 ἐν τῇ παγίλι αὐτοῦ ταπεινώσῃ αὐτοῦ·
 κύνει καὶ πεσεῖν ἐν τῷ ἀνθρώπῳ κατακρινέουσι τὴν πηνίω·
 εἶπε γὰρ ἐν καρδίᾳ αὐτῶ ἐπιλέλθαι ὁ θεός·
 ἀπέσχεψε τὸ πρόσωπον αὐτῶ, τὸ μὴ βλέπειν εἰς τέλος·
 Ἀνάσθη κύριε ὁ θεός μετ' ὑψοθῆτω ἡ χεὶρ σου·
 μὴ ἐπιλάθῃ τὸ πένητων σου εἰς τέλος·
 εἶκερ τίνος παρώξυνε ὁ ἀσεβῆς τὸν θεόν·
 εἶπε γὰρ ἐν καρδίᾳ αὐτῶ οὐκ ἐκζητήσει·
 βλέπεις ὅτι σὺ πόνου καὶ θυμοῦ κατανοεῖς·
 τὸ παραλῶναι αὐτοῦ εἰς χεῖρας σου·
 σοὶ ἐγκαταλέληπται ὁ πτωχός·

כִּי לֹא לִנְצַח יִשְׁכַּח אֲבִיּוֹן
 תִּקְוַת עֲנִיִּים תֵּאבֵד לְעַד
 קוֹמָה יֵשׁ אֶל יַעַן אֲבִיּוֹן
 יִשְׁפֹּטוּ גּוֹיִם עַל פְּנֵיהֶּ
 שִׁיתַּח יֵשׁ מוֹרָה לָהֶם
 יַדְעוּ גּוֹיִם אֲבִיּוֹן הֵמָּה סֵלָה
 מָה יִהְיֶה תַעֲמֵד בְּרִחוֹק
 תַעֲלִים לְעֵתוֹת בְּצָרָה
 בְּאִזְוֹת רָשָׁע יִדְלַק עֵינֶיךָ
 יִתְפָּשׂוּ בַמּוֹמוֹת וּוּ חֲשָׁבוּ
 כִּי הִלֵּל רָשָׁע עַל תְּהִיָּתוֹ בְּפִשָׁן
 וּבִצְעֵ בְרֵךְ
 בְּאֶפְסֵי רָשָׁע
 כְּגִבַּת אַפּוֹ בַל יִדְרֹשׁ
 אֵין אֱלֹדִים כָּל מוֹמוֹתָיו
 יִחַל וְדַרְכּוֹ בְכָל יַעַת
 סוֹחַם מִשְׁפָּטֶיךָ מִנְגָדוֹ
 כָּל צוֹרְרוֹ יִפְיַח בְּהֶם
 אָמַר בְּלִבּוֹ בְּלִי אֲמוּנָה לְיָדוֹ
 אִשֶׁר לֹא בָרַע
 אֵלֶיהָ יִפְיֵהוּ מִלֹּא וּמִרְמוֹת וְתוֹךְ
 תַחַת לְשׁוֹנוֹ עֵמֶל וְאֶן
 יִשָּׁב בַּמְאָרֵב דַּעֲרִים
 בַּמִּסְתָּרִים יִחַלֵּךְ נֶקֶד
 עֵינָיו לְחִלְכָה וְצַפְנוֹ
 יֵאָלֵב בַּמִּסְתָּר כְּאֶרְיָה בַסֶּכֶה
 יֵאָרֹב לְחֹשֶׁף עֵינָי
 לְחֹשֶׁף עֵינָי בַּמִּשְׁכּוֹ
 בַרְשָׁתוֹ יִדְכָה
 יִשָּׁח וּנְפֵל בַּעֲצוּמוֹת חֲלָפָאִים
 אָמַר בְּלִבּוֹ שִׁכַח אֵל
 הִסְתִּיר פְּנָיו בַּל רָאָה לְנִצָּח
 קוֹמָה יֵשׁ אֶל נִשְׂא יוֹדֵךְ
 אֵל תִּשְׁכַּח עֵינָיִם
 עַל מָה נֶאֱפָר רָשָׁע אֱלֹדִים
 אָמַר בְּלִבּוֹ לֹא תוֹרֵשׁ
 רָאִתָּה כִּי אֵתָּה עֵמֶל וּכְעַם תְּבִישׁ
 לְתַת בְּיָדֶךָ
 עֲלִיךָ יַעֲזֹב חִלְכָה

orphano tu eris adiutor.
 Contere brachium peccatoris & maligni:
 quaeretur peccatum illius & nō inuenietur.
 Dñs regnabit in aeternū & in seculū seculi:
 peribitis gentes de terra illius.
 Desyderium pauperum exaudiuit dominus:
 preparatiōē cordis eorum audiuit auris tua.
 Iudicare pupillo & humili:
 ut non apponat ultra magnificare se homo su
 per terram

In finem Psalmus David. X.

N dño cōfido quō dicitis animae meae:
 i transmigra in montem sicut passer.

Quoniam ecce peccatores intenderunt arcū:
 parauerunt sagittas suas in pharetra:
 ut sagittent in obscuro rectos corde.

Quoniam quae perfecisti destruxerunt:
 iustus autem quid fecit.

Dominus in templo sancto suo:
 dominus in caelo sedes eius.

Oculi eius in pauperem respiciunt:
 palpebrae eius interrogant filios hominum.

Dominus interrogat iustum & impium:
 qui autē diligit iniquitatē odit animā suam.

Pluit super peccatores laqueos: (eorum.
 ignis sulphur & spiritus procellarū pars calicis

Quoniam iustus dominus & iustitias dilexit:
 aequitatem iudicat vultus eius.

In finem pro octaua Psalmus David. XI.

Aluum me fac dñe quā defecit sanctus:
 s quā diminutae sūt vitates a filiis hoīm.

Vana locuti sunt unusquisque ad proximū suū:
 labia dolosa in corde & corde locuti sunt.

Disperdat dominus uniuersa labia dolosa:
 & linguam magniloquam.

Qui dixerunt linguā nostrā magnificabim⁹:
 labia nostra a nobis sunt:

quis noster dñs est? Propter miseriam inopū
 & gemitum pauperum:

ፀላኝተኛ: ረደአሁ: ለእገላ: ጸወተ።

39 ቃጥቅጥ: ስዝራዕቶ: ለኃጥእ: ወለእኩይ: (ብ:።
 ወጥተኃሠሠ: ኃጢአቱ: በእኝተአሁ: ወአጥተረከ

40 ደኝገሠ: እግዚአብሔር: ለህለጭ: ወለህለጭ: ህ
 ወይቶሐጉሉ: አሕዛብ: እወደር:። ሠለጭ:።

41 ፍተወቶሙ: ለኃይደደደ: ስወህ: እግዚአብሔር:።
 ወሕሊኛ: ለሰሙ: አጽወአት: እዝኔ:።

42 ፍተሐ: ለኃይደደ: ወለእገላ: ጸወተ።።
 ከሙ: አይደግሙ: እኝከ: እገላ: እመሕዖው: አሰበ

ዩ: አፍሆሙ: በደበ: ወደር:።
 ፍጻጭ: ስብሐት: መዘመር: ዘይዊት: በእኝተ: ስጸዕት:።

1 I በእግዚአብሔር: ተወከላኩ: እር: ትብላዎ: ለ
 አህይላ: ወከተ: አደባር: ከሙ: ስፍ:። ሠኝፍስዮ:።

2 እከሙ: ናሁ: ኃጥአኝ: ወስቁ: ቃከትሙ:።
 ወአከተደለው: አሕጽቲሆሙ: ወከተ: ወጥኝጽቲሆ

ከሙ: ደኝደፍወ: ለርቱህ: ለብ: በጽወጪት:። ሠሙ:።
 3 እከሙ: ናሁ: ዘእኝተ: ሠራዕከ: እመኝቱ: ኃሠቱ:።

ወጸደቅከ: ወኝተ: ገብረ:።
 4 እግዚአብሔር: ወከተ: ጽርሕ: መቆዶሙ:።

እግዚአብሔር: ወከተ: ስጪይ: መኝበረ:።
 5 ወአሰይኝቲሆኒ: ኃብ: ኃይደደ: ደኔጽራ:።

ወቀረኝብቲሆኒ: ሆተቶ: ለእገላ: እመሕዖው:።
 6 እግዚአብሔር: ሆተቶ: ለጸደቅ: ወለኃጥእ:።

ወዘከ: አፍቀራ: ለህሙፍ: ጸላላ: ኃፍሶ:።
 7 ደዘኝወ: መሀግር: ለሰላ: ኃጥአኝ:። ስሙ:።

እሳት: ወተይ: መኝኔከ: ህወሎ: መክፈላት: ጽዮህ
 8 እከሙ: ጸደቅ: እግዚአብሔር: ወጸደቅ: አፍቀረ:።

ወርተሰከ: ትረእዮ: ገጽ:።
 ፍጻጭ: ስብሐት: መዘመር: ዘይዊት: በእኝተ: ስጪአት:።

1 IO አደኃኝኝ: እግዚአ: እከሙ: ኃጥአኝ: ኃር:።
 ወወሕይ: ህይጻፍት: እጥእገላ: እመሕዖው:።

2 ከኝቶ: ደትናገራ: አሕደ: ወከላ: ከላኦ:።
 በከኝፍረ: ጥሕሉት: በላብ: ወበላብ: ደትናገራ:።

3 ደህይጭኝ: እግዚአብሔር: ለከኝፍረ: ጥሕሉት:።
 ወለላኝ: እኝተ: ተህቢ: ኃቢቢ:።

4 እላ: ደብሉ: ኃህቤ: ለከኝፍረ:።
 ወከኝፍረኝኝ: ኃቤኝ: እመኝቱ:። ስለኃይደደደ:።

መኔ: ወእቱ: እግዚአኝ:። 5 በእኝተ: ስጪጥሙ:
 ወበእኝተ: ገህርሙ: ለሙቁሕኝ:።

ἐφ' ἧν ἄνθρωπος βουθός.
 σύντριψον τὸν βασιλῆα τῶ ἀμαρτωλοῦ καὶ πονηροῦ.
 ζήνησεται ἡ ἀμαρτία αὐτοῦ καὶ οὐ μὴ ἐννεθῆ.
 Κύριος βασιλεύς ἐστὶν τῶ αἰῶνα, καὶ εἰς τῶ αἰῶνα τῶ αἰῶνα.
 ἀπολείψει ἔθνη ἐκ τῆς γῆς αὐτοῦ.
 τῆν ἐπιθυμίαν τῶν πεινητῶν ἐποίησας κύριε.
 τῆν ἐτοιμασίαν τῆς καρδίας αὐτῆ προσέοχε τὸ οὖν σου.
 κείνοι οὐρανῶ καὶ ταπεινῶ.
 ἵνα μὴ ᾤσονται ἐπὶ τοῦ μεγαλυνοῦ ἀνθρώπου ἐπὶ
 τῆς γῆς.

Εἰς τὸ τέλος Υαλμὸς τῶ Δαβὶλ
 Γὶ ἰσχύϊα ἐπέποιθα πῶς ἐξεῖτε ἡ ψυχῆ μου.
 μεγαλαυνοῦ ἐπὶ τὰ ὄρη ὡς σρονθίον.
 ὅτι ἰδὼν οἱ ἀμαρτωλοὶ ἐρέτειναν ἰσχυρῶν,
 ἠτοιμασάντων βῆλα εἰς φασέτερον.
 τὸ κατατοξεύσασαι ἐν σκοτομνῆ ἰσχυροῦ ἐνθεῖς τῆ καρδία.
 ὅτι ἄν κητιθῆσῶ ἀντὶ καθεῖλον.
 ὁ δὲ Λικαῖος ἦν ἐποίησε,
 κύριος ἐν νῶν ἁγίῳ ἀντῶ.
 κύριος ἐν οὐρανῶ ὁ θεοῦ ἀντῶ.
 οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶ εἰς τὸν πένητα ἐπιβλέψονσι.
 τὰ βλέφαρα αὐτῶ ἐξετάζει ἰσχυροῦ τῶ ἀνθρώπων.
 κύριος ἐξετάζει τὸν Λικαῖον καὶ τὸν ἄσεβῆ.
 ὁ δὲ ἀγαπῶν ἡμῶν ἀδικίαν μισεῖ ἡμῶν ἐάντις ψυχή.
 ἔπιβραβεῖ ἐπὶ ἀμαρτωλοῦ παγίλια.
 πνεῦ καὶ ἰσχυρῶ καὶ πνεῦμα καὶ ἰσχυρῶ ἡ μερὶς ἰσχυροῦ ποιεῖς αὐτῶ
 ὅτι Λικαῖος κύριος καὶ Λικαῖοσύνος ἡγάπησεν.
 ἐνδύτησας εἶλε τὸ προσώπου αὐτοῦ.

Εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῆς οὐλῆς ψαλμὸς τῶ Δαβὶλ
 Ὡσὸν με κύριε ὅτι ἐκλέλοιπε μοι οὐσία.
 ὅτι ὠλιγόησα ἅσι ἀληθῆ ἀπὸ τῶν ἁγίων τῶ ἀνθρώπων.
 Μάταια ἐλάλησα ἑκατὸς πρὸς τὸν πλησίον αὐτῶ.
 χεῖλη δόλια ἐν καρδία καὶ ἐν καρδία ἐλάλησα κακά.
 ἔξολοθρεύσασαι κύριε πᾶν τὰ χεῖλη τὰ δόλια.
 γλώσσα τῆν μεγαλοθυμόνα.
 τὸν εἰπόντα τῆν γλώσσα ἡμῶν μεγαλυνοῦμεν.
 τὰ χεῖλη ἡμῶν παρήμῃ ἐσι.
 τῆσῃ ἡμῶν κύριε ἐοσῃ.
 ἔνεκεν τῆς ταλαιπωρίας τῶν πτωχῶν.

יְתִים אֶתְּהִי עוֹרֵר :
 שָׁבַר זְרוּעַ רִשְׁעֵי
 וְרַע תְּדַרְוֶה רִשְׁעוֹ בְּלֹא תִמְצָא :
 יִהְיֶה מִלֶּךְ עוֹלָם וָעֶד
 אֲכַדְוֶה גוֹיִם מֵאַרְצוֹ :
 תִּמְאֹת עֲנִיִּים שְׂמַעַת יְהוָה
 תִּכְבֵּן לְפָנַי תִּקְשִׁיב אָזְנוֹךָ :
 לְשִׁשְׁט יִתּוֹם וְיָתֵם
 בְּלֹא יִסְיֶף עוֹרֵךְ לְעֵרֶץ יִכְנֹשׁ מִן-
 יָא :
 לְמִצְחָ לְדָוִד
 יְהוָה חֶסֶד יִתִּי אֵיךְ תִּאֲמְרוּ לְנַפְשִׁי
 נֹדִי הֲרַמְסֵ צְפוּר :
 כִּי הִנֵּה הִרְשָׁעִים וְרִכְכוּן קִשְׁתֹּת
 כִּוְנָנוּ חַצְצֵם עַל יָתֵךְ
 לְיִרְוֹת בְּמֹוֹ אֶפְלֵ לְיִשְׁרָיִל לֵב :
 כִּי הַשְׁתּוֹת יִהְיֶיךָ
 צִדִּיק מִהַ בַּעַל :
 יְהוָה בְּהִיבֵל קִדְשׁוֹ
 יִהְיֶה בְּשָׁמַיִם כִּסְאוֹ
 עֵינָיו יִחוּן
 עֲפַעְפִּי יִכְחַטּוּ בְּנֵי אָדָם :
 יְהוָה צִדִּיק יִבְחֹן וְרִשְׁעֵי
 וְאֵהָב חֶסֶד שְׂנֵאָה נַפְשׁוֹ
 יִמְטֵר עַל רִשְׁעִים פַּחַם :
 אִשׁ וְהִפְרִית וְרוּחַ וְלַעֲבוֹת מִגַּת כֹּסֶס :
 כִּי צִדִּיק יִשְׁצַדֵּק אֶתְּךָ
 יִשְׂרָאֵל יִחוּ פְנִימוֹ :
 לְמִצְחָ עַל הַשְׂמִינִית מוֹמֹר לְדָוִד :
 הַשִּׁיעָה יְיָ כִּי גָמַר חֶסֶד
 כִּי פִסּוּ אֲמוֹנִים מִבְּנֵי אָדָם :
 שׁוֹא יִדְבְּרוּ אִישׁ אֶת רַעְיוֹ
 שִׁפְתַּי תִּלְקוֹת בְּלֵב וּלְבַב יִדְבְּרוּ :
 יִכַחַת יְיָ בְּלֹא שִׁפְתֵי הַלְקוֹת
 לְשׁוֹן מִדְּבַרֵּת גְּדִלוֹת :
 אֲשֶׁר אֲמָרוּ לְלִשְׁנֵנוּ נִגְבְּיָה
 שִׁפְתֵינוּ יִכּוּ אֶתְנוּ
 מִי אֲדוֹן לָנוּ : מִשְׁרַע עֲנִיִּים
 מֵאַנְקַת אֲבוֹתֵינוּ
 b ij

νῦν ἀνάσσω καὶ λέγω κύριος.
Θησομαι ἐμ σωτηρίῳ· παρερησάσομαι ἐμ ἀνθρώπῳ
τὰ λογία κυρίου, λογία ἀγνά·
ἀργύριον πεπρωμένον λοκίμιον ἡ Γῆ,
κεκαθαρσμένον ἐπιπλάσσεις.
Σὺ κύριε φυλάξαις, καὶ ἡμᾶς καὶ διατηρήσεις ἡμᾶς·
ἀπὸ τῆς γεμεῖς ταύτης καὶ εἰς τ' αἰῶνα.
Κύκλω ἰάσεβας περιπατῶσι·
κατὰ τὸ ὕψος οὐρανῶν ἐπλωθήσας τὸν νοῦν τ' ἀνθρώπων.

Εἰς τὸ τέλος ψαλμὸς τῷ Δαβὶδ.

Ὡς πότε κύριε ἐπιλήσῃς με εἰς ἑλπίδα,
ὡς πότε ἀπιστέψῃς τὸ πρὸσωπόν σου ἀπ' ἐμοῦ.
Ἐως τίνος θήσομαι βλάσ ἐμ ψυχῇ μου·
ὀδύνας ἐμ καρδίᾳ μου ἡμέρας καὶ νυκτός.
Ἐως πότε ὑψωθήσεται ὀχθρὸς μου ἐπ' ἐμέ·
ἐπίβλεψον εἰσάκουσον μου κύριε ὁ θεός μου.
φώτισον τὸν ὀφθαλμὸν μου μήποτε ὑπνώσω εἰς θάνατον·
μήποτε εἰποι ὀχθρὸς μου ἰσχυρὰ πρὸς ἄνθρωπον.
Οἱ θλιβονεῖς με ἀγαλλιάζονται ἐμ σαλευθῶ,
ἐγὼ δὲ ἐπὶ τῷ ἐλεῶ σου ἠλπίσα.
Ἀγαλλιάσεται ἡ καρδίᾳ μου ἐπὶ τῷ σωτηρίῳ σου,
ἄσω τῷ κυρίῳ τῷ ἐνεργηθέντι με·
καὶ ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τὸ ὕψιστον.

Εἰς τὸ τέλος ψαλμὸς τῷ Δαβὶδ.

Ἰατέμ ἀφρω ἐμ καρδίᾳ ἀνθρώπου ἐστὶ θεός.
Διεφθάρσαν καὶ ἐβλέψοντες ἐν ἐπισηλευμασίν
ὄνκ ἐσι ποιῶν χρηστότητα.
Κύριος ἐκ τῶν οὐρανῶν διέκνυψεν ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων
θεώσωμα,
τὸ εἰδῶν εἰ ἐσι συνίωμ ἢ ἐκζητῶν τ' ἔσομα.
Γάντες ἐξέκλιναμ ἅμα ἠχερώθησαμ·
ὄκ ἐσιμ ποιῶν χρηστότητα, ὄκ ἐσιμ ἕως ἐνός.

עשה אקום ואמר יהוה
אשית כישע יפיה לו
אמרות וט אמרות טהורות
כסף צרוף בעליל לראש
מוקד שבעתים
אתה וט תשמרם תצרכנו
מן הדור וזו לעולם
סביב רשעים יתהלכו
ברם זלות לבני אדם
למצח מוסר לדוד

ד אנה וט ת שבחני בצח
עד אנה תסתיר את פניך ממני
עד אנה אשית עצות בנפשי
יגון כל בני יומם
עד אנה יהם אויבי עלי
הביטה ענני וט אל דר
האירח עיני פן אישן המות
פן יאמר אויבי יבלתינו
צרי גילו כי אמוט
ואני בחסדך בטחתי
יגל לבני בישועתך
אשירה ליהוד כי גמל עלי

למצח לדוד
מר נבל כל בו אין אל דים
השחיתו התעיבו עלי ילה
אין עשה טוב
יהוה משמים וט שקיף עלי בני
לראות היש משכיל הרש את אל דים
הכל סר יחזו נאל חו
אין עשה טוב אין גם אחוד

Vertical text in the left margin, likely a list of page numbers or references, including numbers like 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100.

Οὐχὶ γινώσκονται πάντες οἱ ἐργαζόμενοι ἡμῶν ἀνομίαν·
ἰεσοῦντες τὸ λαὸν μου ἐν βρώσει ἄστυν.

Τὸν κύριον οὐκ ἐπέκαλεσάντο·
ἰκεῖ ἐλειλίλασαν φόβω, οὐδ' οὐκ ἦν φόβος·

Ὅτι κύριος ἐμ γενεᾷ δικαίων,
βουλήν πτωχῶ καὶ ἠσυχύνατε·

ὁ δὲ κύριος ἐλπίς ἀντῶν ἐστίν·
Τίς σώσει ἐκ σιῶν ἢ σωτήριον τῷ Ἰσραὴλ·

ἐν τῷ ἐπιπέσει κὶν ἡν ἀιχμαλωσίαν Ἰσραὴλ ἀνῆλθε·
ἀγαλλιάσεται ἰακώβ κὶ ἐνφρανθήσεται Ἰσραὴλ·

Εἰς τὸ τέλος Ὑαλμὸς τῷ Δαβὶλ·

Υἱε, τίς παροικήσει ἐν τῷ σκηνώματί σου·
ἢ τίς κατασκηνώσει ἐν ὄρει ἁγίῳ σου·

Γοβενόμενος ἁμῶν· κὶ ἐργαζόμενος δικαιοσύνην·
λαλῶν ἀληθείας ἐν καρδίᾳ ἀντῶν·

ὅς οὐκ ἐλόλωσεν ἐν γλώσσῃ ἀντῶν·
καὶ οὐκ ἐποίησε ἴψ πλησίον ἀντῶν κακόν·

κὶ οὐκ ἐλιώσθη οὐκ ἐλαβὲν ἐπὶ ἑῷ ἔγγιστον ἀντῶν·
ἔξουθενώται εἰσώπιον ἀντῶν ὠνηνόμενος·

τοὺς δὲ φοβουμένους τὸν κύριον λοξάζει·
Ὁ ὁμνύον τῷ πλησίον ἀντῶν κὶ οὐκ ἀθεῖ,

τὸ ἀεγύριον ἀντῶν οὐκ ἐλωκεν ἐπὶ τὸ κάσ·
κὶ λῶσα ἐπάθους οὐκ ἐλαβὲν·

Ὁ παθῶν ἰκάντα οὐκ ἀλευθήσεται εἰς τὸ αἰῶνα·
Στηλογραφία τῷ Δαβὶλ·

Υἱε, τίς παροικήσει ἐν τῷ σκηνώματί σου·
ἢ τίς κατασκηνώσει ἐν ὄρει ἁγίῳ σου·

ὅτι τὰ γὰρ οὐκ ἔχεις ἐν χερσίν·
τοῖς ἀγίοις τοῖς ἐν τῇ γῆ ἀντῶν·

ἐθανάτωσεν ὁ κύριος πάντα τὰ θελήματα ἀντῶν ἐν αὐτῷ·
ἔπληθύνθησαν αἱ ἀσθενεῖαι ἀντῶν μετὰ τὰντὰ ἐλαχύναν·

οὐ μὴ συναγάγῳ ἰσ συναγάγῳ ἀντῶν ἐξ αἰμάτων·
οὐδὲ μὴ μνησθῶ τῶν ὀνομάτων ἀντῶν λιλὰ χηλέων μου·

κύριος μετὰ τῆς κληρονομίας μου, κὶ τοῦ ποτηρίου μου·
ὅν ἐὶ ὁ ἀποκαθίσω τῆμ κληρονομίαν μου ἐμοί·

Σχοινία ἐπέπεσε μοι ἐν τοῖς κρηθίσι μου·
κὶ γὰρ ἡ κληρονομία μου κρηθίστη μοι ἐστίν·

ἐν λυγρῶ τῷ κύριον τὸ συνετίσαστά με·
ὅτι οὐκ ἐπέκαλεσάντο τὸν κύριον οὐδ' οὐκ ἦν φόβος·

ὅτι οὐκ ἐπέκαλεσάντο τὸν κύριον οὐδ' οὐκ ἦν φόβος·
ὅτι οὐκ ἐπέκαλεσάντο τὸν κύριον οὐδ' οὐκ ἦν φόβος·

ὅτι οὐκ ἐπέκαλεσάντο τὸν κύριον οὐδ' οὐκ ἦν φόβος·
ὅτι οὐκ ἐπέκαλεσάντο τὸν κύριον οὐδ' οὐκ ἦν φόβος·

חל לא ידע כל - פעלי און
אכלי עמי אכלו לחם

יהוד לא קראו
שם פחדו פחד

כי אל דים בדור צדיק
עצת עני תבישו

כי יט מחסו
מי יתן מציון ישועת ישראל

בשוב יט שבות עמו
יהל יעקב ישמח ישראל

מומור לדוד
הוד מי יהוד באחלה

ומי ישכן כהר קדשך
הולך תמים ופעל צדק

דבר אמת כלבבו
לא רגל על לשנו

לא עשה לרעהו רעה
ודרפה לא נשא על קדו

בבזה בעיניו נמאס
ואת יראי יט יבד

נשבע לרע ולא ימר
בכפו לא נתן בנשך

ושחד על נקי לא לקח
עשה אלה לא ימוט ל עולם

מכתם לדוד
כרני אל כי חסיתי בך

אמרת לי יהוד אדני אתה
מוכתי כל עליך

לקדושים אשר בארץ המה
ואדירי כל חפצי במ

ירבו עצבותם אחר מהרו
בל אסיד נספיהם כדם

ובל אשא את שמותם על שפתי
יהוד מנת חלקי וכוס

אתה תומך גורלי
הבלים נפלו לי בנעמים

אף נעלת שפתי עלי
אברך את יט אשר יעצני

אברך את יט אשר יעצני
אברך את יט אשר יעצני

אברך את יט אשר יעצני
אברך את יט אשר יעצני

אברך את יט אשר יעצני
אברך את יט אשר יעצני

אברך את יט אשר יעצני
אברך את יט אשר יעצני

eripe animam meam ab impijs:
francam tuam ab inimicis manus tuas
Domine a paucis de terra
diuide eos in uita eorum:
& de absconditis tuis adimplet⁹ est uenter eorū.
Saturati sūt fili's & diuiserūt reliqas suas puulis
Ego at̄ i iusticia appebo cōspectui tuo: (suis
fatiabor cum apparuerit gloria tua.
¶ In finem puero domini David: quæ locutus
est dño uerba cantici huius: in die qua eripuit
eum dñs de manu omniū inimicorū eius & de
manu Saul & dixit. XVII. (me⁹.
d Iligā te dñe fortitudo mea: (liberator
dñs firmamēcū meū & refugiū meū &
Deus meus adiutor meus: & sperabo in eum.
Protec. me⁹ & cornu salut. meæ & suscep. me⁹.
Laudās iuocabo dñm & ab inimicis meis salu⁹
Circūdederunt me dolores mortis: (croæ
& torren: es iniquitatis conturbauerūt me.
Dolores inferni circūdederunt me:
preoccupauerunt me laquei mortis.
In tribulatione mea inuocaui dominum:
& ad deum meum clamaui.
Et exaudiuit de templo sancto suo uocē meā:
& clamor me⁹ in cōspectu ei⁹ introiuit in aures
Commota est & contremuit terra: (eius
fundamenta montiū conturbata sunt:
& commota sunt quoniam iratus es eis.
Ascendit fumus in ira eius:
& ignis a facie eius exarsit:
carbones succensī sunt ab eo:
Inclinauit cœlos & descendit:
& caligo sub pedibus eius.
Et ascendit super cherubin & uolauit:
uolauit super pennas uentorum.
Et posuit tenebras latibulum suū:
in circuitu eius tabernaculum eius:
tenebrosa aqua in nubibus aeris.
Preg fulgure in cōspectu eius nubes transierūt:

ወባለሐ: እጭህ: ለፍጥነት::
ክርክር: ሳህለ: ፀር: እደክ::
14 እግዚአብሔር: እጭህ: ለፍጥነት:
ፍጥነት: በሐይማኖት::
እጭህ: ለፍጥነት: ጸግቦት: ከረሃብ::
15 ጸግቦት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
16 ወለጸግቦት: በጸግቦት: እግዚአብሔር: ለፍጥነት:
ወለጸግቦት: በጸግቦት: ለፍጥነት:
ፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ግዚአብሔር: በፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ዚአብሔር: እጭህ: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
እግዚአብሔር: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
1 I ጊ ለፍጥነት: እግዚአብሔር: ለፍጥነት:
እግዚአብሔር: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
2 ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
3 መለመደ: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
4 እግዚአብሔር: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
5 ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
6 ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
7 ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
8 ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
9 ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ተሰውኩ: እግዚአብሔር: ለፍጥነት:
10 ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ተሰውኩ: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
11 ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
12 ተጸህፍ: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
13 ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:
14 ወፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት: ለፍጥነት:

ἔνσα ἴηρ ψυχῆ μου ἀπὸ ἀσεβῶν .
 ἐμφυλίας οὐκ ἀπὸ ἐχθρῶν τῆς χειρὸς οὐκ .
 Κύριε ἀπὸ οὐλίγων ἀπὸ γῆς .
 λιχιέρισον ἀντὸν ἐν τῇ ζωῇ ἀντῶν .
 καὶ τὸ κεκρυμμένον οὐκ ἐπλήθυνῆν ἡ Γαστήρ ἀντῶν . (ἀντῶν)
 Ἐχούσασθαι οὐκ ἔστιν καὶ ἀνεκὰ τὰ κατάλοιπα ῥίσι νιπίοις
 Ἐγὼ δὲ ἐν Λικκισούνη ἀφῆσομαι τῷ προσώπῳ οὐκ .
 χούσασθαι ἐν τῷ ἀφῆναι μοι τῆρ Λοῦξου οὐκ .
 Εἰς τὸ τέλος τῷ παιδί κυρίως τῷ Δαβὶλ, ἀ ἐλάλησε-
 τῷ κυρίως ῥίσι λογῶν τῆς φωνῆς ταύτης, ἐν ἡμέρῃ καὶ ἐξέρ-
 ατο ἀντῶν ὁ κύριος ἐκ χειρὸς πάντων τῶν ἐχθρῶν ἀντῶν, καὶ
 ἐκ χειρὸς Σαούλ, καὶ εἶπε .
 Ἡ Γαῖσῶ σε κύριε ἡ ἰσχὺς μου .
 κύριος σε ἐξέσωσά με καὶ καταφυγῆ με, καὶ ἐν σῆς μου .
 Ὁ θεὸς μου βῆθος με, καὶ ἐλπίω ἐπάντῳ .
 Ὑπερσπία με, καὶ κέρως σωτηρίας με καὶ ἀνιλήπια με
 Ἄνε τι καλέσομαι τὸ κύριον καὶ ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου σωθήσομαι .
 Γεῖσομαι με ὡς λίθες θανάτου .
 καὶ χεῖμαχοι ἀνομίας ἐξετάραξά με .
 Ὡδίνες ἄδον περὶ κύνκλωσά με .
 περὶ φασά με παγίδες θανάτου .
 Καὶ ἐν τῷ θλίβεσθαι με ἐπεκαλεσάμην τὸ κύριον .
 καὶ ὤσος τοῦ θεοῦ μου ἐκέκραξα .
 Ἦκουσεν ἐκ ναοῦ ἁγίου αὐτοῦ φωνῆς μου . (ἀντῶν)
 καὶ ἠκούσθη με ἐνώπιον αὐτοῦ εἰσελεύσεται εἰς τὰ ὦτα
 καὶ ἐσαλεύσθη καὶ ἤμπετος ἐγενήθη ἡ γῆ .
 καὶ ἦχθη μέλισσά τῶν ἐχθρῶν ἐταράχθησαν .
 καὶ ἐσαλεύθησαν ὅτι ὡς γένη ἀντῶν ὁ Σεός .
 Ἄνεβη καπνὸς ἐμὸς γῆ ἀντοῦ .
 καὶ ὤσος ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ καταφλέγησεται .
 ἀνθρώπους ἀνήθησαν ἀπὸ αὐτοῦ .
 καὶ ἐκλιγερσανοὺς καὶ κτεβί .
 καὶ γίνωπος νῶστος πόλας ἀντῶν .
 καὶ ἐπέβη ἐπὶ χεῖρας ἐμὰς καὶ ἐπετάσθη .
 ἐπετάσθη ἐπὶ τῶν ἐν γῶν ἀνέμων .
 καὶ ἐθετο σκόρος ἀπὸ κεφαλῆ ἀντῶν .
 κύκλω αὐτῶν ἡ σκυρῆ αὐτῶν .
 σκοτεινὸν ὕλωσ ἐν νεφέλαις ἀέρω .
 Ἀπὸ τῆς ἡλαν γήσεως ἐνώπιον αὐτῶν ἀνέφελοι λίθου

פלטה ומשי מרשע
 חרקה ממתיס ידך
 וטמתיס מחלך
 חלקס בחיים
 וצמנה תמלא בטנם
 ישבעו בניס וחנוי חויתרם לעול ליהם
 אני בצדק אחזה פניך
 אשבעה בקריץ תמונתך
 למצח לעבד יט לדור אשר דבר ליהוד א
 את דברי חשיקה הזאת ביום הציל יט א
 ארתו מכרבל אוביו ומן ש
 שגור ויאמר
 רחמך יט חוקי
 יהוד סלעי ומצודתי ומפלטי
 אלי צורי אפסה בו
 ממני וקרן ישעי משגבי
 ומהלל אקרא וימן אויבי אנשע
 כי אפפני חבלי מות
 ונדחלי בליעל זבעתני
 חבלי שאול סכבוני
 קדמוני מוקשי מות
 בצר לי אקרא יהוד
 ואל אל די אשוע
 ישמע מחבלו קולי
 וישועתי לפניו תבא באזניו
 ותגעש ותרעש הארץ
 ומסו ירדו ירגון
 ותגעשו כי חרקה לו
 עלה עשן כאפו
 ואש מפיו ותאכל
 אחרים בערו ממנו
 ויחשמו ירד
 וערפל תחת רגליו
 וירכב על פרחי בעע
 והא על פני רח
 ישת חשך חתרו
 רכיבתו סתו
 חשכת מים עבי שחקים
 מנה ויגיו עביו עברו
 c i

grando & carbones ignis:
 Et intonuit de caelo dominus: (ignis
 & altissim⁹ dedit uocē suā grando & carbones
 Et misit sagittas suas & dissipauit eos:
 fulgura multiplicauit & cōturbauit eos.
 Et apparuerūt fontes aquarum:
 & reuelata sunt fundamēta orbis terrarū.
 Ab increpatione tua domine:
 ab inspiratione spiritus irae tuae.
 Misit de summo & accepit me:
 & assumpsit me de aquis multis.
 Eripuit me de inimicis meis fortissimis:
 & ab his qui oderūt me qm̄ cōfortati sūt super
 Frequenter me in die afflictionis meae: (me.
 & factus est dominus protector meus.
 Et eduxit me in latitudinem:
 saluū me fecit quoniam uoluit me.
 Et retribuet mihi dñs secūdū iusticiā meam:
 & secūdū puritatē manū meae: retribuet mihi
 Quia custodiui uias domini: (hi.
 nec impie gessi a deo meo.
 Quoniā omnia iudicia eius in cōspectu meo:
 & iusticias eius non repuli a me.
 Et ero immaculatus cum eo:
 & cōseruabo me ab iniquitate mea:
 Et retribuet mihi dñs secūdū iusticiā meam:
 & secundum puritatem manuum mearum:
 in conspectu oculorum eius.
 Cum sancto sanctus eris:
 & cum uiro innocente innocens eris.
 Et cum electo electus eris:
 & cum peruerso peruerteris.
 Quoniā tu populū humilem saluū facies:
 & oculos superbiorum humiliabis.
 Qm̄ tu illuminas lucernā meam domine:
 deus meus illumina tenebras meas.
 Quoniam in te eripiar a temptatione:
 & in deo meo transgrediar murum.
 Deus meus impolluta uia eius:

ወበረድ: አፍሐመ: እሳት::
 15 ወላጎቹ ጉድ: እግዚአብሔር: በሐይቅት::
 ወላግ: ወግ: ወግ: ወግ:
 16 ኢረዳ: አሕፃህ: ወዘረወረ::
 አብዛኛ: መገረቅታህ: ወሐሐሙ::
 17 አስተርአዎ: አጎቅዕተ: ገደቅት::
 ወተከላተ: መሸረተተ: ህገላዎ::
 18 ወእግተግህጽከ: እግዚአ::
 ወእግላስተጎረከ: መግተከ::
 19 ኢረዳ: እግላርደዎ: ወኃላላ::
 ወተመጠወኒ: እግላር: ብዙሳ::
 20 ወአድጎኒ: እግላርደዎ: ጽጌህግ::
 ወእግላስተጎረከ: እስግ: ደጌላላ::
 21 ወበጽሐኒ: በዕለተ: ወጎደቤዎ::
 ወሐላኒ: እግዚአብሔር: ወስክደዎ::
 22 ወእወግላኒ: ወስተ: መርጎብ::
 ወአድጎኒ: እስግ: ደጌቆደዎ::
 23 ዎላስደዎ: እግዚአብሔር: በስመ: ጽደቆዎ::
 ወደጌደዎ: በስመ: ጎደሐ: እደደዎ::
 24 እስግ: ግላር: ግላር: ግላር: ግላር: ግላር:
 ወእላበስከ: ለእግላርደዎ::
 25 እስግ: ከላ: ከላ: ከላ: ከላ: ከላ: ከላ:
 ወጽደቆዎ: አርሐክ: እግላር::
 26 ወእስወዎ: ጎደሐ: ወስላህ::
 ወእተህግ: እግላር: ግላር: ግላር:
 27 ዎላስደዎ: እግዚአብሔር: በስመ: ጽደቆዎ::
 ወደጌደዎ: በስመ: ጎደሐ: እደደዎ::
 በቆደዎ: አዕደጎታህ::
 28 ወስላ: ጽደቆ: ትጽደቆ::
 ወወስላ: ብእላ: ጎደሐ: ጎደሐ: ትከወዎ::
 29 ወወስላ: ግላር: ግላር: ግላር: ግላር:
 ወወስላ: ጠዋደ: ትጠዋደ::
 30 እስግ: አጎተ: እግዚአ: ተደጎረ: ለጠጠጣ: ትሐት:
 ወተጎረጎረ: ለአዕደጎተ: ህብደዎ::
 31 እስግ: አጎተ: ተበርህ: ግላር: ግላር: እግዚአ:
 አግላርደዎ: ጎበርህ: ጽላሙተዎ::
 32 እስግ: ብስ: እድጎኒ: እመጎሐት:
 ወበእግላርደዎ: እተገደዎ: ለህረግተ:
 33 ለእግላርደዎ: ጎደሐ: ግላር:

χάλαζα καὶ ἀνθεάκεις πνεύς.
 καὶ ἐβρόνθῃσεν ἐξ οὐρανοῦ ὁ κύριος.
 καὶ ὁ ὕψιστος ἐλάωκε φωρὴν αὐτοῦ.
 Ἐξέπεσε βέλη καὶ ἐσκορπίσεν ἀνθρώπους.
 καὶ ἀσπράχας ἐπληθύνει καὶ συνετάραξεν ἀνθρώπους.
 καὶ ὠφθησαν αἱ τρηταὶ τῶν ὑψίστων.
 καὶ ἀνεκαλύφθη τὰ θεμέλια τῆς οἰκουμένης.
 Ἀπὸ ἐπιτιμῆσεώς σου κύριε.
 ἀπὸ ἐμπαγέσεως πνεύματος ὀργῆς σου.
 Ἐξάστειλε με ἐξ ὕψους καὶ ἔλαβέ με.
 προσέλαβέ τό με ἐξ ὑψίστων πολλῶν.
 ῥύσεται με ἐξ ἐχθρῶν μου ἁνατῶν.
 καὶ ἐκ τῶν μισούντων με ὅτι ἐσερεώθησα ὑπὲρ ἐμέ.
 Προέφθασα με ἐν ἡμέρα κακώσεώς μου.
 καὶ ἐγένετο κύριος ἀντισηρίγμα μου.
 καὶ ἐξήγαγέ με εἰς πλατυσμόν.
 ῥύσεται με ὅτι ἠσέλησέ με.
 καὶ ἀναπολώσει μοι κύριος κατὰ τὴν δικαιοσύνην μου
 καὶ κατὰ τὴν καθαριότητα τῶν χειρῶν μου ἀναπολώσῃ μοι
 ὅτι ἐφύλαξα τὰς ὁδοὺς κυρίου.
 καὶ οὐκ ἠσέθησα ἀπὸ τοῦ θεοῦ μου.
 ὅτι πάντα τὰ κρίματα αὐτῶν ἐνώπιόν μου.
 καὶ τὰ δεικνύματα αὐτοῦ οὐκ ἀπέσθησα ἀπὸ ἐμοῦ.
 καὶ ἐσομαι ἁμώμοσ μετ' αὐτῶν.
 καὶ φυλάξομαι ἀπὸ τῆς ἀνομίας μου.
 καὶ ἀναπολώσει μοι κύριος κατὰ τὴν δικαιοσύνην μου
 καὶ κατὰ τὴν καθαριότητα τῶν χειρῶν μου,
 ἐνώπιόν τ' ἐφθάλμων αὐτοῦ.
 Μετὰ ὁσίων ὁσίων ἐσὼ.
 καὶ μετὰ ἀνθρώπων ἀθῶν ἀθῶσ ἐσὼ.
 καὶ μετὰ ἐκλεκτῶν ἐκλεκτῶσ ἐσὼ.
 καὶ μετὰ σβεβλῶν διασρέψεις.
 ὅτι οὐ λαὸν ταπεινῶσ ὤσει.
 καὶ ὀφθαλμοῦσ ὑπερηφάνων ταπεινώσει.
 ὅτι οὐ φωτιεῖσ λυχνῶν μου κύριε.
 ὁ θεὸσ μου φωτιεῖσ τὸ σκοτόσ μου.
 ὅτι ἐμσοῖ ῥύσῃσ μοι ἀπὸ πειρατηρίου.
 καὶ ἐν τῷ θεῷ μου ὑπερβήσομαι τεῖχος.
 ὁ θεὸσ μου ἁμώμοσ ἢ ὁσλοσ αὐτῶν.

כְּדֶרֶךְ וְחַלִּי אֲשׁ
 וְרַעַם בְּשָׁמַיִם יְהוָה
 וְעַל יוֹן יָתֵן קוֹלוֹ בְּדֶרֶךְ וְחַלִּי אֲשׁ
 וַיִּשְׁלַח חֲצוֹ וַיִּפְּצֵם
 וּבְרָקִים רַבִּים וַיְהַמֵם
 וַיִּרְאוּ אֲפִיקֵי מַיִם
 וַיִּגְלוּ מוֹסְדוֹת תְּבֵלַת
 מִגַּעַרְתֶּךָ יְהוָה
 מִפְּשֵׁמֶת רוּחַ אַפְּךָ
 וַיִּשְׁלַח מִמַּרוֹם יַקְהֵנִי
 וַיִּמְשָׁנִי מִמַּיִם רַבִּים
 וַיִּצִלֵּנִי מֵאֹיְבֵי
 עֵוָה וּמִשְׂנָאֵי כִּי אֲמַצֵּן מִמֶּנִּי
 וַיְקַדְּמֵנִי בְיוֹם אִירִי
 וַיְהִי יְהוָה לִּי מִשְׁעַן לֵי
 וַיִּצְאֵנִי לְמַרְחָב
 וַיַּחֲלֵצֵנִי כִּי חֲפָצֵי בַי
 יִגְמֵלֵנִי וְלֹא כִּצְדִיק
 כִּבְרוּיָדִי וַיִּשִׁיב לִי
 כִּי שִׁמְרֵתִי בְרַכִּי יְהוָה
 וְלֹא רָשַׁעְתִּי מֵאֵלֶיךָ
 כִּי כָל מִשְׁפָּטֶיךָ לִנְגֹהִי
 וַחֲקִיתִי לֹא אֲסִיר מִנִּי
 וְאַהֲרֵי תַמִּים עֵינָי
 וְאַשְׁתַּמֵּר מֵעֵינֵי
 וַיִּשָּׁבֵב לִי כִצְדִיק
 כִּבְרִי יְדִי
 לִי גֵר עֵינָי
 עַם חֲסִיד תִּתְחַסֵּךְ
 וְעַם צָבָר תַּמִּים תִּתַּמֵּם
 עַם גֹּבֵר תִּתְפַּרֵּךְ
 וְעַם עֲקָשׁ תִּתְחַתֵּל
 כִּי אַתָּה עַם עֵינֵי תוֹשִׁיעַ
 וְעֵינִים רַמוֹת תִּשְׁפִּיל
 כִּי אַתָּה תֵאֵר גֵּרֵי יְהוָה
 אֵלֶיךָ וַיָּגִיחַ שֵׁשׁ כִּי
 כִּי כֶּךָ אֲרַץ יְהוָה
 וּבְאֵלֶיךָ אֲרַלֵּג שׁוֹר
 הֵאֱלֵךְ תַּמִּים וְדָרְכֵנו

eloquia domini igne examinata:
 protector est oim sperantium in se:
 Quonia quis deus preter dominum:
 aut quis deus preter deum nostrum:
 Deus qui precinxit me uirtute:
 & posuit immaculatam uiam meam.
 Qui pfectit pedes meos tanquam ceruorū:
 & super excelsa statuens me.
 Qui docet manus meas ad prelium:
 & posuisti ut arcum geream brachia mea,
 Et dedisti mihi protectionē salutis tue:
 & dextera tua suscepit me.
 Et disciplina tua correxit me in finem:
 & disciplina tua ipsa me docebit.
 Dilatasti gressus meos subtus me:
 & non sunt infirmata uestigia mea.
 Persequar inimicos meos & comprehēdā illos:
 & non conuertar donec deficient.
 Confringam illos nec poterunt stare:
 cadent subtus pedes meos.
 Et precinxisti me uirtute ad bellum:
 & supplantasti insurgentes in me subtus me.
 Et inimicos meos dedisti mihi dorsum:
 & odientes me disperdidisti.
 Clamauerunt nec erat qui saluos faceret
 ad dominum: nec exaudiuit eos.
 Et cōminuā eos ut puluerē ante faciem uenti:
 ut lutum platearum delebo eos.
 Eripies me de contradictionibus populū:
 constitues me in caput gentium.
 Populus quē non cognoui seruiuit mihi:
 in auditu auris obediuit mihi.
 Filij alieni mentiti sunt mihi:
 filij alieni inueterati sunt:
 & claudicauerunt a semitis suis.
 Viuit dominus & benedictus deus meus:
 & exaltetur deus salutis meę.
 Deus qui das uindictas mihi:
 & subdis populos sub me:

34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51

34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51

τὰ λόγια κυρίου πεποιημένα.
 ὑπερασπίσθη ἐς πάντων τῶν ἐλπίζοντων ἐπ' αὐτούς.
 ὅτι τίς θεὸς ὡς ἐξ τοῦ κυρίου.
 ἢ τίς θεὸς πληρὸς τοῦ θεοῦ ἡμῶν,
 ὁ θεὸς ὁ περιζωννύων με δυνάμει.
 καὶ ἔθετο ἄμωμον τὴν ὁλομὴν μου.
 καταστιζόμενος τοὺς πόδας μου ὡσεὶ ἐλάφον.
 καὶ ἐπὶ τὰ ὑψηλὰ ἵσῶν με.
 διλάσκων χεῖρας μου εἰς πόλεμον.
 καὶ ἔθον τοξὸν χαλκοῦν τοὺς βραχίονάς μου.
 καὶ ἐδωκάσ μοι ὑπερασπισμὸν σωτηρίας.
 καὶ ἡ δειξιὰ σου ἀντέλαβέτό μου.
 καὶ ἡ πάλαι σου ἀνώρθωσέ με εἰς τέλος.
 καὶ ἡ παιδεία σου, ἀντή με διδάξῃ.
 ἔσωσάντων τὰ δικάσιμά μου ὑποκάτω μου.
 καὶ οὐκ ἠορένησε τὰ ἰχθυή μου.
 καταλιώξω τοὺς ἐχθρούς μου καὶ καταλύσω αἰκοντούς.
 καὶ οὐκ ἀποσραφήσομαι ἕως ἂν ἐκλήρωσιν.
 ἐκθλίψω αὐτούς καὶ οὐκ ἴσθονται σῆναι.
 πεσόντων ὑπὸ τοὺς πόδας μου.
 καὶ περιεζώσας με δυνάμει εἰς πόλεμον.
 συνεπόλισας πάντας τοὺς ἐπιανισμένους ἐπ' ἐμὲ ὑποκάτω μου.
 καὶ τοὺς ἐχθρούς μου ἐδωκάσ μοι νότον. (τῶμα)
 καὶ τοὺς μισούντας με ἐξολόθρευσας.
 ἐκέκραξα καὶ οὐκ ἦν ὁ σῶζων,
 πρὸς κύνειν καὶ οὐκ εἰσῆκονεν αὐτῶν.
 καὶ λεπτυνῶ αὐτούς ὡς κύνων κατὰ πρόσωπον ἀνέμου.
 ὡς πηλὸν πλατεῖων λεανῶ αὐτούς.
 ῥῖσκα με ἐξ ἀντιλογίας λαῶν.
 κατακρίσεις με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν.
 λαὸς οὐκ ἔγνω ἐδίδασκέ μοι.
 εἰς ἀκοὴν ὁρίου ὑπέκασέ μου.
 υἱὸν ἀλλοτρίου ἐφύσαντό μοι.
 υἱὸν ἀλλοτρίου ἐπαλαίωθασα.
 καὶ ἐχώλανα ἀπὸ τῶν τριβῶν αὐτῶν.
 Ζῆ κύνειν καὶ ἐν λογιῶν ὁ θεός.
 καὶ ὑψώθητ' ὁ θεός τῆς σωτηρίας μου.
 ὁ θεός ὁ δικάσων ἐκδικήσεις ἐμοί.
 καὶ ὑψώσας λαὸν ὑψέ με.

אמרת יהוה צדקה
 מן הוא לכל החסים בו
 כי מי אלו מבלעדי יהוה
 ומי צור וולתי אל דינו
 האל המאזני חיל
 ויתן תמים ורפי
 משות רגלי כאילות
 ועל כמותי יעמידני
 מלמד ידי למלחמה
 ובחמה קשת נחשה ורועתי
 ויתן לי מן ישעך
 וימנה תסעך
 וענתך תרביני
 תרחיב צעדי תחתך
 ולא מעד קרסלי
 אדך אויבי ואשיגם
 ולא אשוב עד כלותם
 אמתצם ולא יכלו קום
 יפלו תחת רגלי
 ותאזני חיל למלחמה
 תכריע קמי תחתך
 ואיבי בתמה לי ערך
 ומשנאי אצמיתם
 ישועו ואין מושיע
 על יהוה ולא ענם
 ואשחקם כעפר על פני רח
 כמיט חוצות ארקם
 תפלטני מרבי עם
 תש מני לראש גוים
 עם לא ידעתי יאבדוני
 לשמעאון ישמעו לי
 בני נכר יכתשו לי
 בני נכר יבלו
 ויחרגו מסגרות ידם
 וי יהוה וברוך צור
 וירום אל די ישעי
 האל חנותן נקמות לי
 וידבר עמים תחתך

Liberatoꝝ meus de inimicis meis iracundis
 Et ab insurgentibus in me exaltabis me:
 a uiro iniquo eripies me.
 Propterea confitebor tibi in nationibus dñe
 & nomini tuo psalmū dicam.
 Magnificans salutes regis eius:
 & faciens misericordiā christo suo:
 dauid & semini eius usque in seculū.
 In finem Psalmus Dauid. XVIII.
 Celi enarrant gloriam dei:
 & opera manū ei⁹ annūciat firmamē
 Dies diei eructat uerbum: (cum.
 & nox nocti indicat scientiam.
 Nō sūt loquētes neq; sermones: quorū nō audiat
 In oēm terrā exiuit son⁹ eorū: (uoces eorū.
 & in fines orbis terrę uerba eorum.
 In sole posuit tabernaculum suum:
 & ipse tanq; sponsus procedēs de thalamo suo.
 Exultauit ut gigas ad currendam uia:
 a summo coelo egressio eius.
 Et occursum eius usq; ad summū eius:
 nec est qui se abscondat a calore eius.
 Lex domini immaculata cōuertens animas:
 testimonium domini fidele: sapientiam prestā
 paruulis.
 Iusticię domini rectę legitificātes corda:
 præceptum domini lucidum illuminans oculos.
 Timor dñi sc̄tus permanēs in seculū seculi:
 iudicia dñi uera iustificata in semetipsa.
 Desyderabilia sup aurū & lapidem preciosoꝝ:
 & dulciora super mel & fauū. (multum
 Etenim seruus tuus custodit ea:
 in custodiendis illis retributio multa.
 Delicta quis intelligit:
 ab occultis meis munda me:
 & ab alienis parce seruo tuo.
 Si mei nō fuerint dñati tunc immaculat⁹ ero:
 & emundabor a delicto maximo.

H. E. Q. A. H. S. : A. P. X. A. X. T. P. : P. Z. H. P. Z. :
 52 O. H. P. L. O. A. S. : A. P. X. A. : P. S. : A. O. L. P. :
 A. P. N. A. L. : L. G. U. : Q. A. H. S. :
 53 N. A. Z. T. H. : A. G. : A. H. : N. O. H. T. : A. H. H. N. : A. G. H. A. :
 O. A. H. P. S. : A. H. P. H. :
 54 H. P. V. L. P. : A. S. P. Z. Z. T. : Z. T. M. :
 O. E. T. N. C. : P. H. L. T. : A. S. H. U. :
 A. P. P. T. : O. A. H. C. A. : A. H. H. : A. U. A. P. :
 G. X. S. : S. H. S. C. : H. P. P. T. :
 1 I. T. H. G. P. T. : E. S. T. C. : H. N. I. H. T. : A. G. H. A. N. I. H. C. :
 O. T. N. L. : A. P. P. U. : P. P. P. A. : H. G. P. T. :
 2 O. A. T. : A. O. A. T. : T. T. M. O. : S. N. N. :
 O. L. A. T. : A. L. A. T. : T. P. P. O. : Q. N. N. :
 3 A. G. N. : S. T. L. : O. A. G. N. : S. N. N. : H. A. T. H. P. V. : P. A. S. :
 4 O. H. T. : H. A. : P. P. C. : O. O. A. : S. T. L. S. :
 O. A. H. H. : A. P. S. S. : U. A. P. : N. X. H. : S. N. N. S. :
 5 O. O. H. T. : T. H. E. : U. S. S. : P. A. P. T. :
 O. O. A. T. H. : H. S. : S. C. U. P. : H. E. O. O. A. : A. P. P. C. H. :
 6 E. T. L. M. H. H. : H. S. : E. C. Q. H. : H. E. O. C. P. : G. S. T. :
 A. P. A. P. S. S. : H. G. E. : S. P. S. :
 7 O. A. H. H. : A. P. S. S. : H. G. E. : P. A. T. O. :
 A. G. N. : H. E. T. Z. Q. A. : A. P. A. H. N. : P. H. :
 8 H. T. : A. A. G. H. A. N. I. H. C. : Z. X. H. : O. E. S. S. E. T. : A. S. G.
 H. P. U. : A. A. G. H. A. N. I. H. C. : A. S. Z. : O. P. M. N. N. :
 H. P. S. T. :
 9 H. S. Z. U. : A. A. G. H. A. N. I. H. C. : C. T. O. : O. P. H. T. L. M. H. : A. N. :
 T. A. H. H. : A. A. G. H. A. N. I. H. C. : N. L. U. : O. P. N. C. U. : A. O.
 E. Z. T. :
 10 L. Z. U. : A. A. G. H. A. N. I. H. C. : Z. X. H. : O. P. H. P. : A. U. A. P. :
 G. T. H. : A. A. G. H. A. N. I. H. C. : P. P. P. : O. C. T. O. : G. N. L. :
 11 O. E. T. L. T. O. : A. P. O. C. T. : O. A. P. O. Z. P. : H. N. C. :
 O. E. P. O. P. : A. S. U. C. : O. H. H. C. :
 12 O. T. N. C. H. H. : P. V. P. N. :
 O. N. U. G. N. T. : E. T. U. H. E. : N. H. Z. :
 13 A. H. H. T. : S. X. : E. L. N. P. :
 A. P. G. N. A. T. P. : A. Z. X. H. Z. :
 O. A. P. S. N. C. : S. H. H. : A. T. N. C. H. :
 14 O. A. S. H. : A. P. S. P. Z. : O. A. T. : G. H. : Z. X. H. : A. H. O. Z. :
 O. A. Z. X. H. : A. P. V. Q. E. : Z. M. A. T. P. :

ὁ ἔνσῃ μου ἐξ ἔχθρῶν με ὀρίλαμι.
 Ἀπὸ τ' ἐπανισαμέμων ἐπέμει ὑψώσεις με.
 ἀπὸ ἀνδρῶν ἀλίλων ἐνσαί με.
 Διὰ τούτο ἐξμολογήσομαι σοι ἐμ' ἐθνεσι κύνει.
 καὶ τῶ ὀνόματί σου ψαλῶ.
 Μεγαλύνω τὰς σωτηρίας τῶ θειοῦ.
 καὶ ποιῶν ἔλεος τῶ χριστῶ ἀνθῶν.
 τῶ λαβίλ καὶ τῶ σπέσματι αὐτῶν ἕως αἰῶνος.
 Εἰς τέλος ψαλμὸς τ' λαβίλ. 11
 Ἰουρανοὶ διηγῶνται δόξαν θεῶν.
 ὁ ποιητὴρ δὲ χεῖρ αὐτοῦ ἀναγγέλλει τ' σεβέωμα
 ἡμέρα τῆ ἡμέρα ἐρευνεταί ἔθμα.
 καὶ νύξ νυκτὶ ἀναγγέλλει γνῶσιμ. ἐναὶ ἀνθῶν.
 Οὐκ εἰσι λαλιὰ ἰου δὲ λόγοι ὧν οὐχὶ ἀκούονται αἰ φω-
 ξισ πᾶσαι τῆ γῆ ἐξίληθον ὀφθόγγος αὐθῶν.
 καὶ εἰς τὰ πέρατα τῆς οἰκουμένης τὰ ἔθματα αὐθῶν.
 Ἐμ τῶ ἡλίῳ ἐθερ τ' σκίνωμα αὐθῶν.
 καὶ αὐτὸς ὡς νυμφίος ἐκπορευόμενος ἐκ πασῶν αὐθῶν.
 Ἀγαλλιάσεται ὡς γίγας δραμῆμ ὀλοῦ.
 ἀπ' ἀκρον τοῦ οὐρανοῦ ἡ ἐξοδος αὐθῶν.
 καὶ τὸ κατάντημα αὐθῶν ἕως ἀκρον τοῦ οὐρανοῦ.
 καὶ οὐκ ἐσιμ ὡς ἀποκρυβῆσεται τῆς θεῆμης αὐθῶν.
 Ὁ νόμος κυρίου ἀμωμος ἐπιερέφωμ ψυχὰς.
 ἡ μετρητὴ κυρίου ποιητὴ σοφισσον-
 σα νῆσιχ.
 τὰ δικαιοῦματα κυρίου ἐνθεά ἐνφραίνοντα κερλίμ.
 ἡ ἐμτολὴ κυρίου τηλαυγῆς φωτῆσους α
 ὀφθαλμοῦς.
 Ὁ φόβος κυρίου ἀγνὸς δεικνύων εἰς αἰῶνα αἰῶνος.
 τὰ κείματα κυρίου ἀληθινὰ, δεδικαιωμένα ἐπὶ τ' ἀντῶ.
 Ἐπιθυμῆτα ὑπέρε χερσίμ καὶ λίθου τῆμιου πωλνῆς.
 καὶ γλυκῆρεα ὑπέρε μέλι καὶ κηρίου.
 καὶ γὰρ ὁ δούλος σου φυλάσσει ἀνθῶν.
 ἐμ τῶ φυλάσσειμ ἀνθῶν ἀνθῶν πωλοσῆς πωλνῆ.
 Γραπῆματα τίς συνήσῃ.
 ἐκ τῶν κενφίωμ μεσ καθάρισίμ με.
 καὶ ἀπὸ ἀλλοτριῶμ φείσαι τῶ δούλος.
 Ἐὰν μὴ μεσ κατακυριεύσῃ, τῶτε ἀμωμος ἔσομαι.
 καὶ καθάρισίμ με ἀπὸ ἀμαρτίας μεγάλης.

מפלי טי מאיבי אף
 מן קמי חרומני
 מאיש חמם תצלני
 על כן אודך בגוים יהוד
 ולשמך אומרה
 מגדל ישועות מלכו
 ועשה חסד למשיחו
 לדוד ולרעו עד עולם
 למנצח מומור לדוד
 שמים מספרים כבוד אל
 ומעשה ידיו מגיד הרקיע
 יום ליום יביע אמר
 ולילה ללילה יחיה דעת
 אין אומר ואין דברים בלי נשמע קולם
 בכל הארץ יצא קום
 ובקצה תכל מליהם
 לשמש שם אהל פהם
 והוא אכחתן יצא מחפתו
 וישש כגבור לחץ ארח
 מקצה השמים מוצאן
 ותקופתו על קצתם
 ואין נסתת מחמתו
 תורת יהוד תמימה שבת נפש
 ערוות יהוד נבי מנורם
 מחכימת פתי
 פקודי יי ישראלים שמיחיל לב
 מצות יהוד בפרה
 מאירת עינים
 יראת יי טהרה עמדת לעד
 משפטי יי אמת צדקו יחנה
 הפחדים מורב ומפן רב
 ומתוקים מדבש ונפת צופים
 גם עבדך נוהר פהם
 בשמרים עקב רב
 שגיא אות מי יבין
 מנסתרות נקני
 גם מודים חשוד עבדך
 אל ימשלו בי אין איתם
 ונקיתי מפשע רב

Et erunt ut complacent eloquia oris mei:
& meditatio cordis mei in cōspectu tuo semp̄
Domine adiutor meus: & redemptor meus.
In finem Psalmus Dauid. XIX.

Xaudiat te dñs in die tribulationis:
e protegat te nomen dei Iacob.
Mittat tibi auxiliū de sancto:
& desion tueatur te.
Memor sit omnis sacrificij tui:
& holocaustum tuum pingue fiat.
Tribuat tibi secundum cor tuum:
& omne consiliū tuum confirmet.
Letabimur in salutarī tuo:
& in nomine dei nostri magnificabimur:
Impleat dominus omnes petitiones tuas:
nūc cognoui qm̄ saluum fecit dñs christū suū.
Exaudiat illum de cœlo sancto suo:
in potentatibus salus dexteræ eius.
Hi in curribus & hi in equis:
nos autem in nomine dei nostri inuocabim⁹.
Ipsi obligati sunt & ceciderunt:
nos autem surreximus & erecti sumus.
Domine saluum fac regem:
& exaudi nos in die qua inuocauerimus te.
In finem Psalmus Dauid. XX.

d Omne in uirtute tua letabitur rex:
& sup̄ salutare tuū exultabit ueniēter.
Desyderium cordis eius tribuisti ei:
& uoluntate labiorum eius non fraudasti eum.
Qm̄ p̄uenisti eū ī benedictionib⁹ dulcedinis:
posuisti in capite ei⁹ coronā de lapide p̄cioso.
Vitam petijt a te & tribuisti ei:
longitudinē dierū in seculū & in seculū seculi.
Magna est gloria eius in salutarī tuo:
gloriā & magnū decorem impones super eū.
Qm̄ dabis eū in benedictionē in seculū seculi:
Iustificabis eū in gaudio cum vultu tuo.
Quoniā rex sperat in domino:
& in misericordia altissimi nō cōmouebitur.

15 O E H O Z: N O L: F A: A G P:
O M A: S: A: P R Z: F E: Q P: O A T: P H: A: Z H:

16 A G H: A P: Z E: A P: O S P: Y Z P:
F X Q: S H S: G: H R P: T:

1 I H E H O H: A G H A: N H C: N O A T: P Z E N
O E F P: A H: N S: A A P A H: P O F H: P H:

2 O E L S: A H: Z F S: T: A S P R H:
O A P K P Z: E T O H F H:

3 O E H H C: A H: H A: S M P O T H:
O P T A A: A H: F C A S H:

4 P U N H: A G H A: N H C: H H S: A N H:
O E L K P: A H: H A: S M P Z T H:

5 O Z T L: U H: N A P Y S T H:
O Z V L: N H S: A G H A: N H C: A P A H S:

6 O E L K P: A H: A G H A: N H C: H A: N A T H:
E L H: A A S C H: H S: A P S: A G H A: N H C:

7 O E H M P: A P H S: S P R H:
N Y L A: A P Y S T: P A S:

8 A S Z T H: N A F C H: O N H Z G A T:
O Z H S H: S V L: N H S: A G H A: N H C: A P A H

9 A S Z T H: T V P K: O O P H:
O Z H S H: T Z U A S: O Z F O S:

10 A G H A: A P Y S: A Z T M:
O H P U S: N O A T: Z E O U H:

F X Q: S H S: G: H R P: T:

1 H A G H A: N Y E A H: E T L U H: Z T M:
O N H S: E T H W E: N A P Y S T H:

2 F T O T: S F H: O U N H:
O H A A T: H S F L U: A H A A H:

3 A H S: N X H H: N O L H T: W S E:
O A Z N C H: A H A A: E N: C A H: H A P O Z F: H H

4 H E O: H A A H: O U N H:
A S P H: S P O A: A U A S: U A P:

5 V L E: H H C: N A P Y S T H:
H H C: O H N H T: O H H:

6 A H S: O U N H: N L A T: A U A S: U A P:
O T H T L M H: N H U T: G H H:

7 A H S: T O H A: Z T M: N A G H A: N H C:
O A E T U O H: N O H Z T: A A P A:

καὶ ἔσονται εἰς ἐνδοκίαν ἡ λογία τῶ σὸμάτος μου·
καὶ ἡ μελέτη τῆς καρδίας μου ἐνώπιόν σου Δικαπάνης·
κύριε βοηθῆ μου καὶ λυτρωτά μου·

Εἰς τὸ τέλος ψαλμὸς τῷ Δαβὶδ·

Παύσαι σε κύριος ἐν ἡμέραις ἁλίφωσ.

Ἐν ὑπερασπίσει σου τὸ ὄνομα τῶ θεοῦ ἰακώβ·

Ἐξήκουσέ με σοὶ βοηθάμεν ἄγιον·

καὶ ἐκ σὺν ἀντιλαβοῦτό σου·

Μνησθε μὴ πάσης θυσίας σου·

καὶ τὸ ὀλοκαύτωμά σου πιαμάτω·

Δώη σοὶ κύριος κατὰ τὴν καρδίαν σου·

καὶ πᾶσαν τὴν βουλήν μου πληρῶσαι·

Ἀλλὰ λισσώμεθα ἐπὶ τῷ σωτηρίῳ σου·

καὶ ἐν ὀνόματι κυρίου θεοῦ ἡμῶν μετὰ λημνησόμεθα

Πληρῶσαι κύριος πάντα τὰ αἰτήματά σου·

ὡς ἐγὼν ὅτι ἔσωσε κύριος τὸν χεῖρῶν αὐτῶν·

Ἐπικουρεταὶ αὐτοῦ ἐξ οὐρανοῦ ἅγιον αὐτοῦ·

ἐν σιναεῖαις ἡ σωτηρία τῆς δεξιᾶς αὐτῶν·

ὄντοι ἐν ἄρμασι καὶ ὄντοι ἐν ἵπποις·

ἡμεῖς δὲ ἐν ὀνόματι κυρίου θεοῦ ἡμῶν ἐπικαλεσόμεθα·

Αὐτοὶ σινεπολίσησαν καὶ ἔπεσον·

ἡμεῖς δὲ ἀνέσημεν καὶ ἀνορθώσημεν

Κύριε σώσον τὸν βασιλέα

καὶ ἐπικουροὺς ἡμῶν ἐν ἡμέραις ἐπικαλεσόμεθά σε

Εἰς τὸ τέλος ψαλμὸς τῷ Δαβὶδ·

Χεῖρ ἐν τῇ σιναεῖ ὅ ἐνφρανθήσεται ὁ βασιλεὺς

καὶ ἐπὶ τῷ σωτηρίῳ σου ἀγαλλιάσεται σφόδρα·

Τὴν ἐπιθυμίαν τῆς καρδίας αὐτοῦ ἔδωκας αὐτῷ·

καὶ τὴν θέλησιν τῶν χειρῶν αὐτοῦ ὅνκ ἐσέρεσας αὐτοῖς·

Ὅτι προσέφρασας αὐτοῦ ἐν ἐνδοκίαις χρηστότητος·

ἐθῆκας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ σέφνον ἐκ λίθου τιμίου·

ζώην ἡτήσασθαι καὶ ἔδωκας αὐτῷ·

μακροτήτα ἡμερῶν εἰς αἰῶνα αἰῶνος·

Μεγάλη ἡ δόξα αὐτοῦ ἐν τῷ σωτηρίῳ σου·

δόξα καὶ μεγαλοπρεπείην ἐπιθήσῃς ἐπ' αὐτοῖς·

Ὅτι δώσας αὐτῷ ἐνδοκίαν εἰς αἰῶνα αἰῶνος·

ἐνφρανεῖς αὐτοῦ ἐν χάριτι μετὰ τῶ προσώπῳ σου·

Ὅτι ὁ βασιλεὺς ἐλπίζει ἐπὶ κύριον·

καὶ ἐν τῷ ἐλέει τῶ ὑψίστου ὃν μὴ σαλευθῆ·

יהוה לרצון אמרי-פי

והיין לבי לפניך

יהוה צורי וגואלי

למנצח מזמור לדוד

ענה יי ביום צרה

ישנכך שם אל די יעקב

ישלח עורך מקדש

ומציון יסעדך

וזכר כל מנהתיך

ועולתך ידשנה סלה

יתן לה כל בכך

וכל עצתך ימלא

ברכה בשועתך

ובשם אל דינו נרגל

ימלא יי כל משאלותיך

עמה ידעתי כי הושיע יי משיוח

יענה משמי קדשו

ברכות ישע ימינו

אלה ברכב ואלה בסוסים

ואנחנו בשם יי אל דינו נזכיר

המה פרעו ונפלו

ואנחנו קמנו ונתעודד

יהוה הושיעה רמלך

יעננו ביון כראנו

למנצח מזמור לדוד

היך בעוך ישמח מלך

ובישועתך מה יגל מאד

תצות לבי נתתה לו

ואשרת שפתיו כל מנעת סלה

כי תקדמנו ברכות טוב

תשית לראשו עטרת פז

חיים ישאל ממך נתתה לו

אורך ימים עולם ועד

גדול כבודו בשועתך

חוד וחדר תשה עלי

כי תשיתו ברכות לעד

תחנהו בשמחה את פניך

כי המלך בטח ביהוה

ובהסד עליון כל ימוט

כ

Inueniatur man⁹ tua omnibus inimicis tuis:
 dextera tua inueniat omnes qui te oderunt:
 Pones eos ut clibanū ignis in tēpore vult⁹ tui:
 dñs in ira sua cōturbabit eos: & deuorabit eos
 Fructum eorum de terra perdes: (ignis:
 & semen eorum a filijs hominū.
 Quoniā declinauerunt in te mala:
 cogitauerunt cōsilia que nō potuerūt stabilire.
 Quoniam pones eos dorsum:
 in reliquijs tuis preparabis vultum eorum.
 Exaltare domine in uirtute tua:
 cantabimus & psallemus uirtutes tuas.

In finē pro susceptione matutina Psalmus
 David. XXI (reliquisti:

d Eus de⁹ me⁹ respice in me quare me de
 lōge a salute mea uerba delictorū meorū:
 Deus meus clamabo per diem & nō exaudies:
 & nocte & non ad insipientiam mihi.
 Tu autem in sancto habitas: laus israel.
 In te sperauerunt patres nostri:
 sperauerunt & liberaisti eos.
 Ad te clamauerunt & salui facti sunt:
 in te sperauerunt & non sunt confusi.
 Ego autem sum uermis & nō homo:
 opprobriū hominum & abiectio plebis.
 Omnes uidentes me deriserunt me:
 locuti sunt labijs & mouerunt caput.
 Sperauit in domino eripiat eum:
 saluū faciat eum quoniam uult eum.
 Quoniam tu es qui extraxisti me de uentre:
 spes mea ab uberibus matris meae:
 in te proiectus sum ex utero.
 De uentre matris meae deus meus es tu:
 ne discesseris a me. Quia tribulatio proxima est:
 & non est qui adiuuet.
 Circumdede runt me uiculi multi:
 tauri pingues obsederunt me.
 Aperuerunt super me os suum:
 sicut leo rapiens & rugiens.

8 ትርከቦሙ: እይክ: ለኩሎሙ: ፀርክ::
 ወትረከቦሙ: እይክ: ለኩሎሙ: ጸላእትክ::
 9 ወትረከቦሙ: ከመ: እትኑ: እሳት: ለጊዜ: ገጽክ::
 እግዚአ: በመሆኑክ: ሁሉሙ: ወትብላገሙ: እ
 10 ወፍሪሆሙ: ክፍር: እጥፍር:: ሠላት::
 ወዘርእሙ: እጥእጊላ: እጥሐዎ::
 11 እከመ: ጭጭ: ለፍጥ: ሳህሌክ::
 ወሐለዩ: ጥክረ: እት: እይክ: ለ: ህጻኑ::
 12 ወተገብአሙ: ድረሆሙ::
 ወተከተደሉ: ገጽክ: ለጊዜ: መፍትክ::
 13 ተለፈክ: እግዚአ: በኃይሉክ::
 ንኤብሐ: ወኃይሉ: ለጽኑክ::
 ፍጽጭ: በእት: ተወክሎ: እት: ስብሐት: መዝሙር:
 ዘደግት::
 1 ነዐ አጥላከዎ: አጥላከዎ: ናጽረኒ: ወለጥጥት: ኃደ
 ርሐቅ: እጥላድ: ሳጥጥ: ቀለ: ኃጢአትዎ:: ሠገኒ::
 2 አጥላከዎ: ጸረኃኩ: ኃይክ: ሳጥጥ: ወአክግህክ::
 ወሌሊትዎ: ቅድጫክ: ወአኃላይክ::
 3 ወእትክ: ወከት: ቅድሳክ: ተኃደር: ስብሐ: እከራ
 4 ከዎክ: ተወክሎ: አበጥኑ:: ሠኤል::
 ተወክሎክ: ወአድኃክሙ::
 5 ኃይክ: ጸርኑ: ወድኃኑ::
 ከዎክ: ተወክሎ: ወአይትኃይራ::
 6 እትክ: ሳጥ: ወአክ: ስብሐ::
 ወእት: በኃይክ: ስብሐ: ወትሐት: በወከት: ሕዝብ::
 7 ኩሎሙ: እለ: ደራእዎ: ደትቃጽኑ::
 ደብሎ: በክፍሪሆሙ: ወደሐው: ርእሶሙ::
 8 ተወክሎ: በእግዚአብሔር: ለዎድኃኑ::
 ወዎድኃኑ: አመ: ደኔቅዎ::
 9 እከመ: እት: አውግእክ: እጥከርሠ::
 ወተከላኩክ: እትክ: ሀለውክ: ወከት: አጥጥት: እጥ
 ሳህሌክ: ተገደፍኩ: ወከት: እጥጥት:: ሠዎ::
 10 እጥከርሠ: እጥ: እት: አጥላከዎ::
 እትርሐቅ: እጥኑ: ስብሐ: አጥጥት: እትጥጥ
 እከመ: አጥ: ዘይረዎአኒ:: ሠዎጥ::
 12 ሆገድኒ: አላህጥት: ብዙ ኃኑ::
 ወአኃኑ: አከዎር: ስብሐት::
 13 ወአብቅዎ: አላህሙ: ሳህሌዎ::
 ከመ: እትበላ: ዘጽኑኑ: ለመደግ::

Ἐνεσθη ἡ χεὶρ σου πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς σου·
 ἢ λέξια σου ἐνεθί πάντας τοὺς μισούντας σε·
 Ὅτι θιθεὶς ἀνθρώπος κλίβανον πυρὸς καίροντος προσώπου σου
 κύριος ἐργάτης αὐτοῦ συνλαβέσει αὐτὸν· καὶ καταφάγεται
 τὸν κερπὸν αὐτοῦ τῆς γῆς ἀπολείπει· (αὐτὸς τὸ πῦρ·
 καὶ τὸ σπέρμα αὐτοῦ ἀπὸ νιῶν ἀνθρώπων)
 Ὅτι ἐκλίναρ εἰς σε κκκκ·
 μελογίσαντο βεβλᾶς, αἰς δὲ μὴ λύνωνται·
 Ὅτι θιθεὶς αὐτὸς νῶτον
 ἐν τοῖς περὶ λοιποῖς σου ἐριμάσθης τὸ πρόσωπον αὐτοῦ·
 Ὑψώθητι κύριε ἐν τῇ συνάμαρ σου·
 ἄσομεν καὶ φάλομεν τὰς συνάμαρ σου·
 εἰς τὸ τέλος ὑψώσεως τῆς ἀντιλήψεως τῆς ἐσθλῆς
 Ἰαλμὸς τῷ Δαβὶδ· κκ· (με·
 ὁ θεὸς ὁ θεός μου πρόσχευ μοι ἵνα τί ἐγκατέλιπες
 μακρὰν ἀπὸ τῆς σωτηρίας μου οἱ λόγοι τῆς παρακλήσεως
 ὁ θεός μου κεκράξαμαι ἡμέρας καὶ οὐκ εἰσακούσῃ· (ματ μ·
 καὶ νικηθὼς καὶ οὐκ εἰς ἀνοιχθῆ μοι·
 σὺν δὲ ἐν ἀγίῳ καθοικῆς ὁ ἔπαινος τῶ Ἰσραὴλ·
 ἐπὶ σοὶ ἠλπισαὶ οἱ πατέρες ἡμῶν·
 ἠλπισαν καὶ ἐβένσω αὐτούς·
 γὰρ σε ἐκέκραξαν καὶ ἐσώθησάν·
 ἐπὶ σοὶ ἠλπισαὶ καὶ κατασχῆθησαν·
 ἐγὼ δὲ εἰμι σκώλιξ καὶ ὄφις ἀνθρώπου·
 ὄφις ἀνθρώπων καὶ ἐξουθενήμα λαοῦ·
 γάντες οἱ θεωροῦντες με ἐξέμνησάν με·
 ἐλάλησαν ἐν χίλεσι, ἐκίνησαν κεφαλῆν·
 ἠλπισαὶ ἐπὶ κύριον, ἐσώσω αὐτοῦ·
 σωσάτω αὐτοῦ ὅτι δέλη αὐτοῦ·
 Ὅτι σὺ ὁ ἐκσπάσας με ἐκ γαστροῦ·
 ἠέλιπς μου ἀπὸ μᾶς τῆς μητροῦ μου·
 ἐπὶ σε ἐπερέφην ἐκ μητροῦ·
 ἀπὸ γαστροῦ μητροῦ μου θεός μου εἶσόν,
 μὴ ἀποσῆσ ἄνω ἐμοῦ· Ὅτι ἐλίπισ ἐγγύς·
 ὅτι οὐκ ἐσὶν ὁ βυθὸς μοι·
 περιεκύκλωσάν με μύσχοι πολλοί·
 ἴαυθοι πύοις περισόχον με·
 ἠνοιξάν ἐπὶ με τὸ σῶμα αὐτοῦ·
 ὡς λέων ἀβυσσῶν καὶ ὠρνόμενος·

תמצא ידך ל כל איבתך
 ימנה תמצא שונאיך
 תשי תמו כחנור אש לעת בניך
 יהיה באפו יבלעם ותאכלם אש
 פרסו מארץ תאבך
 חרעם מבני אדם
 כי נטו עליך רעה
 חשבו מומה כל יוכלו
 כי תשי תמו שכם
 כמיתריך תכוון על פניחם
 רומה יהיה בעיך
 בשירה ונומרה גבורתך
 כב
 ל מנצח על יד ידך
 מוסור לך ידך
 אלי אלי למה עזבתני
 רחוק מי שועתי דברי שאותי
 אלי אקרא ומס ולא תענה
 ולילה ולא דמיה לי
 ואמה קרוב יושב תחלות ישראל
 בך בטחו אבותינו
 בטחו ותפלטמו
 אליך ועקרו ומלטו
 בך בטחו ולא בולשו
 ואנכי תולעת ולא איש
 חרפת אדם ובווי עם
 כל ראי ל עיני לך
 יפשיחו בשפה יגיעו ראש
 אל אל יפל טהו
 בצל הו פי חפץ בו
 כי אתה גוחי מבטן
 מבטחי על שדי אמי
 עליך השל כתי מרחם
 מבטן אמי אלי אתה
 אל תרחק ממני כי צרה קרובה
 כי אין עוזר
 סבכוני פרים רבים
 אפירי בשן קתוני
 פצו עלי כיהם
 ארניה שרף ושאג

ὡς ὄψωρ ἐξεχύνθη καὶ λισσοκορπίσθη πᾶσα τὰ ὄ-
σά μου.

Ἐγενήθη ἡ καρδία μου ὡσεὶ κίβητος ἠηκόμενος ἐν μέσσοις
ἔξηρανθῆν ὡς ὄψωρ ἡ ἰσχύς μου. (τῆς κοιλίας μου.)

καὶ ἡ γλῶσσοί μου κεκόλληται τῷ λάβυρινθῷ μου.

καὶ εἰς χόρῳ θανάτου κατήγαγές με.

Ὅτι ἐκύνκλωσάν με κύνες πολλοί.

συναγωγή πωνηθέντων περιέχομαι με.

Ὡνεξάν χείρας μου καὶ πόδας μου.

ἐξηριθμήσαν πάντα τὰ ὄσα μου.

Αὐτοὶ δὲ κατένευσάν καὶ ἐπέειπον με.

λιμερίσασθε τὰ ἰμάτιά μου ἐάν τις.

καὶ ἐπὶ τερματισμῷ μου ἐβάλου κλῆρον.

Σὺ δὲ κύριε μὴ μακρύνῃς τὴν βοήθειάν σου ἀπ' ἐμοῦ.

εἰς τὴν ἀνῆλιψίαν μου πρόσχες.

Ἔνσαι ἀπὸ βρομφαίας τῆς ψυχῆς μου.

καὶ ἐκ χειρὸς κυνὸς τὴν μονοῦ ἐνὶ μου.

Σῶσόν με ἐκ σώματος λέοντος.

καὶ ἀπὸ κερᾶτων μονοκερῶν τὴν ταπεινώσίμ μου.

Διηγῆσομαι τὸ ὄνομά σου τοῖς ἀδελφοῖς μου.

ἐν μέσσοις ἐκκλησίας ὑμνήσω σε.

Οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον αἰνέσατε αὐτῷ.

ἄπαν τὸ σπέρμα ἰακώβ λοξάσατε αὐτῷ.

φοβηθήτω δὴ ἀπάντῳ ἄπαν τὸ σπέρμα ἰσραὴλ.

ὅτι οὐκ ἐξουλένωσεν οὐδέ προσώχθησεν τῇ λέξει τῶν

οὐδὲ ἀπέσβεψε τὸ πρόσωπον αὐτῶ ἀπ' ἐμοῦ. (πλοχῶν)

καὶ ἐν τῷ κέκραγέ μου πρὸς αὐτῶν εἰσηκούσε μου.

Γὰρ ὁσὸν ὀρεῶνός με ἐν ἐκκλησία με γὰρ ἐξομολογη-

τάς εὐχὰς μου ἀπολώσω ἐμώπιον τῶν φοβῶν (σομαί σοι.)

φάγονται πένητες καὶ ἐμπλησθήσονται. (μέμωρ ἀνάνη)

καὶ αἰνέσουσι κύριον οἱ ἐκζητοῦντες αὐτῷ.

ζήσονται αἱ καρδίαι αὐτῶν εἰς αἰῶνα αἰῶνος.

ἠμνησθῶνται καὶ ἐπὶ κηραφήσονται πρὸς κύριον πάντες ἅπαντα

ἅπαντα τῆς γῆς.

καὶ προσκύνουσιν εἰώπιον αὐτοῦ πᾶσαι αἱ πατριά τῆς γῆς.

Ὅτι τὸ κύριον ἡ βασιλεία.

καὶ αὐτὸς λισσοῖται τῶν ἐθνῶν.

Ἐφχαρὸν καὶ προσεκύνουσιν πάντες οἱ ὄντες τῆς γῆς.

εἰώπιον αὐτοῦ προσπεσόντι πάντες οἱ καλὰ βαίνοντες ἐς γῆν

כַּמִּים נִשְׁפָּקוּ יְהוָה יִפְתָּח רֹחֲוֹ

כָּל-עֲצָמוֹתַי

יְהוָה לִבִּי פְדוּנָה נִמְס בְּתוֹךְ מַעֲי

יָבֵשׁ בְּחָרֶשׁ כְּחִי

וְלִשׁוֹנִי מִדְּבַק מִלְקָחַי

וְהָעֵפֶר מוֹת תִּשְׁפָּתֵנִי

כִּי סִבְבוּנִי כָּל-כַּיִּים

עֵרַת מַרְעִים הַקִּפּוּנִי

כִּי אֶרְוֶה יְדֵי וְרַגְלֵי

אֶסְפָּר כָּל-עֲצָמוֹתַי

הֵמָּה יִבְטוּ וְיִרְאוּ-כִּי

יִחַלְקוּ בְּגֵדֵי לֵהֶם

וְעַל-לְבוּשֵׁי יִפְלוּ גִזְרֵי

וְאַתָּה יְיָ אֱלֹהֵי הַתְּרַחֵק

אֵילֹתַי לְעֵרְוַתִּי חוֹשֶׁה

הַצִּלְה מִחֶרֶב נַפְשִׁי

מִיַּד כָּל-יְחִידָתִי

הוֹשִׁיעֵנִי מִפִּי אֲרִיָּה

וּמִקִּרְנֵי רַאמִּים עֵנִי תִּנֵּי

אֶסְפָּרָה שִׂמְךָ לְאַחַי

בְּתוֹךְ קְהֵל אֱהֵל לֵךְ

יִרְאֵי יְיָ הַלְלוּהוּ

כָּל-זֶרַע יַעֲקֹב בְּבֹהוּ

וְגִוְרוֹ מִמֶּנּוּ כָּל-זֶרַע יִשְׂרָאֵל

כִּי לֹא-בֹהַ וְלֹא-שַׁקָּץ עֲנֹת עֲנִי

וְלֹא הִסְתִּיר פְּנֵי מִמֶּנּוּ

וּבְשִׁעוֹ אֵלָיו שָׁמַע

מֵאַחַךְ תְּהִלָּתִי בְּקִהְלֵךְ

בְּדַרְיָ אֶשְׁלֵם נֶגְדִי יִרְאוּ

יֵאָכְלוּ עֵינָיו וְיִשְׁבַּעוּ

יְהַלְלוּ יְיָ דַרְשֵׁיו

יְחִי לְבַבְכֶם לְעֵד

וַיִּכְרְוּ וַיִּשְׁבוּ אֶל-יְהוָה

כָּל-אֲפְסֵי אֲרֶץ

וַיִּשְׁתַּחֲוּוּ לִפְנֵי-כָּל-מִשְׁפְּחוֹת גּוֹיִם

כִּי לַיהוָה הַמְּלֻכָּה

וּמֹשֵׁל בַּגּוֹיִם

אֲכַלּוּ וַיִּשְׁתַּחֲוּוּ כָּל-דַּשְׁנֵי אֲרֶץ

לִפְנֵי יְיָ וַיִּכְרְעוּ כָּל-יְהוּדֵי אֲפֶרַי

Et anima mea illi uisuet:
& semen meum seruiet ipsi.
Annūciabitur domino generatio uētura:
& annūciabunt coeli iusticiam eius:
populo qui nascetur quē fecit dominus.
psalmus Dauid. XXII.

d Omin⁹ regit me & nihil mihi deerit:
in loco pascuæ ibi me collocauit.
Sup⁹ aqua refecit me: educauit me:
animam meam conuertit. Deduxit me sup⁹
propter nomen suum. (semitas iusticiæ:
Nā & si ambulauero in medio tūbre mortis:
nō timebo mala, quā tu mecum es.
Virga tua & bacul⁹ tuus: ipsa me cōsolata sūt.
Parasti in conspectu meo mensam:
aduersus eos qui tribulant me.
Impingitasti in oleo caput meum:
& calix meus inebriās q̄ preclarus est.
Et mīa tua subsequer⁹ me: oīb⁹ dieb⁹ uite meę.
Et ut ihabitē in domo dñi: in lōgitudinē dieę.
Psalm⁹ Dauid in prima sabbati. XXIII.

d Omini est terra & plenitudo eius:
orbis terrarū & uniuersi q̄ habitāt ī eo.
Quia ipse super maria fundauit eum:
& super flumina præparauit eum.
Quis ascendet in montem domini:
aut quis stabit in loco sancto eius?
Innocēs manibus & mundo corde:
qui non accepit in trano animam suam:
nec iurauit in dolo proximo suo.
Hic accipiet benedictionem a domino:
& misericordiā a deo salutari suo.
Hæc est generatio quærentium eum:
quærentium faciem dei Jacob.
Attollite portas principes uestras:
& eleuamini portę eternales,
& introibit rex gloriæ.
Quis est iste rex gloriæ:
dominus fortis & potens:

33 ወኃቆስዖ፡ ሎቱ፡ ተሰዩ።
ወዘር እዖ፡ ሎቱ፡ ይትቆኗይ።
34 ትዜኃወ፡ ለእግዚአብሔር፡ ትወልድ፡ እኛተ፡ ትመ
ወይዘኃወ፡ ጽዮቆ፡ ዘአሁ። ሠጽ።
ሕዝብ፡ ዘይተወለዱ፡ ዘገብረ፡ እግዚአብሔር።
መዘመር፡ ዘደዊት።
1 ጽፀ እግዚአብሔር፡ ይረእዖ፡ ወአለቦ፡ ዘዖኃዎ
ወስተ፡ ብሔር፡ ሠሆር፡ ህዖ፡ ዮኃዖረ። ሠጽ።
2 ወኃበ፡ ጸዖ፡ ህረቆት፡ ሕፀኗ።
ወጫ፡ ለኃቆስዖ፡ 3 ወመርሐኗ፡ ቆኖተ፡ ጽዮቆ።
በእኛተ፡ ስመ፡ ዘአሁ።
4 እመኗ፡ ሕርኩ፡ ጸእከለ፡ ጽዮሎተ፡ ጽት።
እይረህ፡ ለእኩይ፡ እስመ፡ እኛተ፡ ወስሌዖ።
5 በትርከ፡ ወከስተወከ፡ እጸኛተ፡ ገሠጸ።
6 ወሠሪዕከ፡ ጸእዩ፡ በቆዮጫ።
በእኛጸሪህሙ፡ ለእለ፡ ይህቆዩ።
7 ወእጽሐዮከ፡ በቆብእ፡ ርእስዮ።
ጽዮህኗ፡ ጽኑህ፡ ወዖረዊ። ሠጽ።
8 ወሕረትከ፡ ይተለወ፡ በኩሎ፡ መዮህለ፡ ሕይወት
9 ከመ፡ ተኝብረ፡ ቤቶ፡ ለእግዚአብሔር፡ ለኃዮሕ፡ መ
መዘመር፡ ዘደዊት፡ ዘቆይጫት፡ ስኝበት። ሠዮህለ።
1 ጽገ ለእግዚአብሔር፡ ወድር፡ በወለእ።
ወህለቆ፡ ወኩሎ፡ እለ፡ ይኝብረ፡ ወስኑት።
2 ወወእቱ፡ በባሕር፡ ህረረ።
ወበአቆላግ፡ ወእቱ፡ አጽኝህ።
3 መኑ፡ ዮህርግ፡ ወስተ፡ ይብረ፡ እግዚአብሔር።
ወመኑ፡ ይቆወ፡ ወስተ፡ ወከኑ፡ መቆይኩ።
4 ዘኛጽሕ፡ ልቡ፡ ወኛጽሕ፡ እይዮህ።
ወዘእኗ፡ ሕኛቶ፡ ሳህለ፡ ናቆስ።
ወዘእመሐለ፡ በጉሕሎት፡ ለቤጽ።
5 ወእቱ፡ ይኝሠእ፡ በረከተ፡ እቆኑ፡ እግዚአብሔር።
ወህህሎኑ፡ እቆኑ፡ እግዚአብሔር፡ አቆላኩ።
6 ዘቲ፡ ትወልድ፡ ተኃሦ፡ ሎቱ።
ወተኃሠሠ፡ ገጽ፡ ለአቆላከ፡ ዮህቆብ።
7 አርኃወ፡ ኖኃተ፡ መኳኝት።
ወይተረኃዮ፡ ኖኃት፡ እለ፡ እቆፍፍረት።
ወይባእ፡ ኝጉሠ፡ ስብሐት።
8 መኑ፡ ወእቱ፡ ዘኛቱ፡ ኝጉሠ፡ ስብሐት።
እግዚአብሔር፡ ኃዮህ፡ ወጽኑህ።

καὶ ἡ ψυχὴ μου ἀνὴρ ζῆ.
καὶ τὸ σπέρμα μου λουλένσφ ἀνὴρ.
ἀναγγελήσεται ἰσὺς κυρίου γενεὰ ἡ ἐρχομένη.
καὶ ἀναγγελοῦσι τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ.
λαῶ τῶ τεχνισομένω ὡρ ἐποίησε ὁ κύριος.

Υαλμός τῶ λαβίλ. κβ

Υγιος ποιμαίνῃ με καὶ ὁ δὲ με ὑπερήσει.
κ εἰς τόπον χλοῆς ἐκεῖ με κατεσκήνωσε.
ἐπὶ ἕλατος ἀναπαύσεως ἐξέθρεψέ με.
τὴν ψυχὴν μου ἐπέσρεψεν. ὠδήγησέ με ἐπὶ τρεῖς λι-
εῖσε κερ τῶ ὀνομάσας αὐτοῦ (καιουῖνης).

Ἐὰρ γὰρ καὶ πορευθῶ ἐν μέσῳ σκιάς θανάτου.
ὁ φοβηθῆσομαι κακὰ, ὅτι οὐ μετ' ἐμὸν εἶ.
Ἡ βλάβος σου καὶ ἡ σαρκηρία σου ἀνταί με παρεκάλεσαν.
Ἡ ῥίμασος ἐνώπιόν μου τράπεζον.
ἐξεναντίας τῶ λιβόντων με.
Ἐλίπανος ἐν ἐλαίῳ τὴν κεφαλὴν μου.
καὶ ἡ πατήριός σου μεθύσκει με ὡσεὶ κραθισον. (ζῶης μου)
καὶ ἡ ἐλπίς σου καταλιώξῃ με, πάσας τὰς ἡμέρας τῆς
καὶ ἡ κατωκίῃ με ἐν οἴκῳ κυρίου. ἕς μακροθῆλα ἡμερῶν

Υαλμός τῶ λαβίλ τῆς μίας σαββῶτων. κγ

Ὁ κύριος ἡ γῆ καὶ ἡ πᾶσι κτίσμα αὐτοῦ.
τ ἡ οἴκησέν ἡ καὶ πάντες οἱ καρικοῦντες ἐν αὐτῇ.

Ἄνθρωπος ἐπὶ θαλάσσοις ἐδεμελίωσεν αὐτήν.
καὶ ἐπὶ ποταμῶν ἠτοίμασεν αὐτήν.
Τίς ἀναβίσεται εἰς ῥόδον τῶ κυρίου.
ἢ τίς σῖσεται ἐν τόπῳ ἁγίῳ αὐτοῦ.
Ἄδωος χερεὶ καὶ καρδίᾳ τῆ καρδία,
ὅς οὐκ ἐλάβεν ἐπὶ ματαίῳ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ.
καὶ ὁ κῶμος ἐπὶ δολῶ τῶ πλησίον αὐτοῦ.
Ὁντος λήφεται ἐν λογίῳ παρὰ θεοῦ σωτῆρος αὐτοῦ.
καὶ ἐλεησύνην παρὰ θεοῦ σωτῆρος αὐτοῦ.
Ἄντη ἡ γενεὰ ζῆρῶντων τοῦ κυρίου.
ζῆρῶντων τὸ πρόσωπον τῶ θεοῦ ἰακώβ.
Ἄρατε πύλας οἱ ἀρχόντες ὑμῶν,
καὶ ἐπάραθτε πύλας αἰωνίους.
καὶ εἰσελεύσεθαι ὁ βασιλεὺς τῆς δόξης.
Τίς ἐστὶν ὁ βασιλεὺς τῆς δόξης.
κύριος κραταίος καὶ δυνατός.

נבמשו לא תיה
וע עכד
יספד לארבי לדור
זבאו ויגידו צדקתו
לעם נולד כי עשה
מומור לדור

הד רעי לא אחר
בנאות וישא ירביצני
על מי מנוחות ינהלני
בפשי ישוכב יגחני במעגלי צדק
למען שמו
אם כי אלך בגיא צל מות
לא אירא רע כי אתה עמדי
שבתך ומשענתך המה יגחמני
תעריך לפני שלחן
גד צורתי
השנת בשמן ראשי
כוס ירויה אן טוב
וחסד ירחמני כל ימי חיי
ושכתי בבית יי לארץ ימים
לדור מומור

כב

כג

יהוד הארץ ומלואה
תבל וישכי בה
כי הוא על ימים יסרת
ועל גהרות יכוננה
מי יעלה בבר יהוד
דמי יקום במקום קדשו
נקי כפסוכר לבב
אשר לא נשא ל שוא נפשי
ולא נשבוע למרמה
ישא כרכה מאת יהוד
וצדקה מא לרי ישעו
זהו דור דורשו
מבקשי פניך יעקב סלה
ישאו שערים ראשיכם
והנשאו כתי עולם
ויבא מלך המבוד
מי זה מלך המבוד
יהוד עיון וגבור

d ij

dominus potens in praelio
 Attollite portas principes uestras,
 & eleuamini portae aeternales:
 & introibit rex gloriae.
 Quis est iste rex gloriae:
 dominus uirtutum ipse est rex gloriae:
 Psalmus Dauid. XXIII.
 D re dñe leuau animam meā: de^o me^o
 a in te confido non erubescam.
 Neq; irrideant me inimici mei:
 etenim uniuersi qui sustinēt te nō confundent.
 Cōfundātur omnes iniqua agentes supuacue,
 Vias tuas domine demonstra mihi:
 & semitas tuas edoce me.
 Dirige me in ueritatē tua
 & doce me: quia tu es deus saluator meus
 & te sustinui tota die.
 Reminiscere miserationum tuarū domine:
 & misericordiarū tuarū quae a saeculo sunt:
 Delicta iuuentutis meae: & ignorātiās meas ne me
 Secūdū mīam tuā memēto mei tu: (minis.
 propter bonitatem tuam domine.
 Dulcis & rectus dominus:
 ppter hoc legem dabit delinquentibus in uia.
 Diriget mansuetos in iudicio:
 docebit mites uias suas.
 Vniuersae uiae domini misericordīa & ueritas:
 requirētib⁹ testamentū eius & testimonia eius.
 Propter nomen tuum domine
 propiciaberis peccatō meo: multum est enim.
 Quis est homo qui timet dominum:
 legem statuit ei in uia quam elegit.
 Anima eius in bonis demorabitur:
 & semen eius haereditabit terram.
 Firmamentū est dominus timentib⁹ eum:
 & testamentum ipsius
 ut manifestetur illis.
 Oculi mei semper ad dominum:
 quoniā ipse euellet de laqueo pedes meos:

እግዚአብሔር: ኃያል: በወሰተ: ፀብዕ::
 9 አርጋው: ጥንተ: መኳኒት::
 ወይትረኃዋ: ጥንተ: እለ: እጥፍጥረት::
 ወይባእ: ንጉሠ: ስብሐት::
 10 መኣ: ወእቱ: ዝኛቱ: ንጉሠ: ስብሐት::
 እግዚአብሔር: አጥላከ: ኃያላኛ: ወእቱ: ዝኛቱ: ን
 መዝሙር: ዘዳዩት:: ፐጉሠ: ስብሐት::
 1 ኸፕ ኅቤከ: እግዚአ: አንቆይዎኩ: ናፍስ: አጥላኪ
 ወኪያከ: ተወከላከ: አይትኃኔር: ለህለጥ:: (P::
 2 ወእይስቁኒ: ጸላትዎ::
 እስመ: ኩሎሙ: እለ: ይኔኔውከ: ወእይትኃኔር::
 3 ለይትኃኔር: ኩሎሙ: እለ: ይኔብሱ: ዘላኔ::
 4 ፍኖተከ: እግዚአ: አጥረኒ::
 ወአሸረ: ዘአከ: ጥሀረኒ::
 5 ወጥረከኒ: በጽዮኑ::
 ወጥሀረኒ: እስመ: አንተ: አጥላኪ: ወመደኅኒዎ::
 ወኪያከ: እኔ: ኩሎ: አረኒ::
 6 ተዘከር: ህህልከ: እግዚአ::
 ወጥረከኒ: እስመ: ለህለጥ: ወእቱ::
 7 ኃጢአትዎ: ዘበኛእከዎ: ወእበደዎ: እትዘክር: ለተ::
 8 ወበከመ: ህህልከ: ተዘከረኒ::
 በእንተ: ጥሀረከከ: እግዚአ::
 9 ኄርኒ: ወጽዮኒ: እግዚአብሔር::
 በእንተዘ: ይመርሖሙ: ፍኖተ: ለእለ: ይስከቱ::
 10 ወይጭሮሙ: ፍኖት: ለዎሃዎ::
 ወይኤጥሮሙ: ፍኖት: ለላቡባኛ::
 11 ኩሎ: ፍኖቱ: ለእግዚአብሔር: ህህል: ወጽዮኑ::
 ለእለ: ሃሳው: ሕን: ወስጥሶ::
 12 በእንተ: ስጥከ: እግዚአ:: ፐእቱ::
 ወስረይ: ለተ: ኩሎ: ኃጢአትዎ: እስመ: ብኩኅ: ወ
 13 መኣ: ወእቱ: ብእኔ: ዘይኔሮህ: ለእግዚአብሔር::
 ወይመርሖ: ፍኖተ: እንተ: ኅርዎ::
 14 ወናፍሶህ: ወስተ: ሠናይ: ተኅደር::
 ወዘርኡህ: ይወርስዎ: ለጥደር::
 15 ኃይሎሙ: ወእቱ: እግዚአብሔር: ለእለ: ይኔሮህ::
 ወስጥህ: ለእግዚአብሔር: ለእለ: ይኔውፅዎ::
 ወሕንህ: ይጭሮሙ::
 16 አፅይኛትዎከ: ዘላኔ: ኅብ: እግዚአብሔር::
 እስመ: ወእቱ: ይባላሐኛ: እመስገርቲ: ለእገሪዎ::

κύριος δυνατός ἐν πολέμοις.
 Ἄρατε πύλας οἱ ἀρχαῖτες ὑμῶν,
 καὶ ἐπάρεθτε πύλας αἰώνιοι.
 καὶ εἰσελεύσεται ὁ βασιλεὺς τῆς δόξης.
 Τίς ἐσὶν οὗτος ὁ βασιλεὺς τῆς δόξης.
 κύριος τῶν δυναμέων ἀνθρώπων ὁ βασιλεὺς τῆς δόξης.
 Χαλμὸς τῶν λαβίλων. κλ
 Ρὸς σε κύριε ἡρατὴν ψυχῆ μου ὁ θεός μου
 ἐπὶ σοὶ ᾤψασα, μὴ κατὰ χυθὲν εἰς τὸ αἶψον
 Μὴ δὲ καταγελασάτωσάν με οἱ ἐχθροί μου.
 καὶ γὰρ πάντες οἱ ὑπομένοντές σε ὄν μὴ καταχυνθῶ -
 Λιχνηθῶσάν με οἱ ἀνομῶντες διακενήσ. (σμ)
 Τὰς ὁλοὺς σε κύριε Γνώρισον μοι.
 καὶ ἡσυχίαν σε διλάξω με.
 Ὁλιγίσον με ἐπὶ τὴν ἀλήθειάν σου,
 καὶ διλάξω με ὅτι ἐὶ ὁ θεός ὁ σωτὴρ μου.
 καὶ σε ὑπέμνησα ὅλην τὴν ἡμέραν.
 Μνήσθητι τῶν δικημάτων σου κύριε.
 καὶ ἴα ἐλέησον ὅτι ἀπὸ τῶν αἰώνων εἰσὶν.
 Ἀμαρτίας νεότητός μου καὶ ἀγνοίας μου μνήσθητι.
 κατὰ τὸ ἐλεος σου μνήσθητι μου ὄν.
 ἔνεκεν τῆς χρηστότητός σου κύριε.
 Χρησὸς καὶ εὐθὺς ὁ κύριος,
 διὰ ἴστο νομοθετήσει ἀμαρτάνωντας ἐν ὁλώ.
 Ὁλιγίσει πρεῖς ἐν κρίσει.
 διλάξει πρεῖς ὁλοὺς αὐτῶ.
 Γὰρ αἱ αἰὲς κύριος ἐλεος καὶ ἀλήθεια.
 καὶ ἐκζητήσει τὴν δικαιοσύνην αὐτῶ, καὶ ἴα μαρτυρεῖ αὐτῶ.
 ἔνεκεν τῶν ὀνομάτων σου κύριε,
 καὶ ἴα ἴα ἀμαρτία μου πολλὴ γὰρ ἐστίν.
 Τίς ἐσὶν ἀνθρώπος ὁ φοβούμενος τὸν κύριον.
 νομοθετήσει αὐτῶ ἐν ὁλώ καὶ ἡσυχίαστο.
 Ἡ ψυχὴ αὐτῶ ἐν ἀγαθῶν ἀνλισθήσεται.
 καὶ τὸ σῶμα αὐτῶ κληρονομήσει γῆν.
 κραταίωμα κύριος τῶν φοβούμενων αὐτῶ.
 καὶ ἡ δικαιοσύνη αὐτῶ,
 ἀμύσει αὐτοῖς.
 Οἱ ὀφθαλμοί μου διὰ πάντος πρὸς τὸν κύριον.
 ὅτι ἀνθρώπος ἐκπαῖς ἐκ παγίλου τῶν πόδας μου.

יהוד צבור מלחמה
 שאו שערים ראשיכם
 ושאו פתחי עולם
 וכא מלך הכבוד
 מי הוא זה מלך הכבוד
 יהוד צבאות הוא מלך הכבוד סלה : כה
 ליהוד
 אליך יתנפשי אשא
 אליך כן בטחתי אל אבונא
 אל יעלצו איבי לי
 גם כל קוֹך לא יבשן
 יבשו הכהנים ריקם
 תרכיב ית הודיעני
 וארחתיק למדני
 תדריכני באמתך
 ולמדני כי אתה אל דרי ישע
 אותך קוֹתי כל היום
 זכר רחמיך יהוד
 וחסדך כי מעולם רמה
 חסאת נעורי ופשעי אל תזכר
 כחסדך ובר לי אמתך
 למען טובך יהוד
 טוב וישר יהוד
 על כן יורה חסאים בדרך
 ידרך עניים במשפט
 וילמד עניים דרכו
 כל ארחות ית חסד ואמת
 לפשרי בריתו ועדתיו
 למען שמך יהוד
 וסלחת לעוני כי רב הוא
 מי זה האיש ירא יהוד
 יורט בדרך יבחר
 נפשו בטוב תלין
 תרעו יירש ארץ
 סוד יהוד ליראנו
 ובריתו
 להודיעם
 עיני תמיד אל יהוד
 כי הוא יוציא מן שפת רגלי :
 d iij

Respice in me & miserere mei:
 quia unctus & pauper sum ego.
 Tribulationes cordis mei multiplicatae sunt:
 de necessitatibus meis erue me.
 Vide humilitatē meā & laborem meum:
 & dimitte uniuersa delicta mea.
 Respice inimicos meos quoniam multiplicati sunt:
 & odio iniquo oderunt me.
 Custodi animam meam & erue me:
 non erubescam quoniam speraui in te.
 Innocentes & recti adhaeserunt mihi:
 quia sustinui te domine.

Libera deus israel: ex omnibus tribulationibus suis.
 Psalmus David. XXXV.

Vdica me domine quoniam ego in innocentia mea ingressus sum:
 & in domino sperans, non infirmabor.
 Proba me domine & tenta me:
 ure renes meos & cor meum.
 Quoniam misericordia tua ante oculos meos est:
 & complacui in ueritate tua.
 Non sedi cum consilio uanitatis:
 & cum iniqua gerentibus non introibo.
 Odiui ecclesiam malignantiū:
 & cum impijs non sedebo.
 Lauabo inter innocentes manus meas:
 & circumdabo altare tuum domine.
 Ut audiam uocem laudis tuae:
 & enarrem uniuersa mirabilia tua.
 Domine dilexi decorem domus tuae:
 & locum habitationis gloriae tuae.
 Ne perdas cum impijs deus animam meam:
 & cum uiris sanguinum uitam meam.
 In quorum manibus iniquitates sunt:
 i dextera eorum repleta est muneribus.
 Ego autem in innocentia mea ingressus sum:
 redime me domine & miserere mei.
 Pes enim meus stetit in directo:
 in ecclesijs benedicam te domine.

17 ƷKϸ: αὐτὸς: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 18 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 19 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 20 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 21 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 22 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 23 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 1 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 2 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 3 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 4 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 5 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 6 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 7 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 8 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 9 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 10 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 11 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:
 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 12 ἔστιν: ἡ λησὸς: ὁ ἴδιος: ὁ τὸ ἴδιον: ἔστιν: ἡ
 ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς: ὁ πῶς:

Ἐπίβλεψον ἐπέμει καὶ ἐλέησόν με·
 ὅτι μονογενὴς καὶ ὡτῶχος εἰμι ἐγώ·
 Αἰθλίφεις τῆς καρδίας μου ἐπληθύνθησαν·
 ἐκ τῶν ἀναγκῶν μου ἐξάγαγέ με·
 Ἰλέτην ταπείνωσίν μου καὶ τὸ κόπον μου·
 καὶ ἄφες πᾶσας τὰς ἀμαρτίας μου·
 Ἰλέτην τοῦ ἐχθροῦ μου ὅτι ἐσπληθύνθησαν·
 καὶ μῖσος ἀλικῶν ἐμίσησάν με·
 Φύλασον τὴν ψυχὴν μου καὶ ἔνσταί με·
 μὴ κατασχινθῆιμι ὅτι ἠλώπισα ἐπὶ σέ·
 Ἄκακοι καὶ ἐνθῆς ἐκολλῶντό μοι·
 ὅτι ὑπέμεινά σε κύριε·

Δύτρωσαι ὁ θεὸς τὸ ἱσραὴλ, ἐκ πασῶν τῶν θλιφέντων ἄνθρωπων·

Ψαλμὸς τῷ Δαβὶδ·

Κ
 Ρῖνον μοι κύριε ὅτι ἐγὼ ἐμ' ἀκακίαν μου ἐπόρευ-
 σην·

καὶ ἐπὶ τῷ κυρίῳ ἐπίσταμαι, ὃν μὴ ἀσθενήσω·
 Δοκίμασον με κύριε καὶ ὁφθαλμοὺς μου·
 πύξωσον τοὺς νεφροὺς μου καὶ τὴν καρδίαν μου·
 Ὅτι ἡ ἐλεος σου κατέναντι τῶν ὀφθαλμῶν μου ἐστίν·
 καὶ ἐνηρέησά με ἐν τῇ ἀληθείᾳ σου·
 Οὐκ ἐκάθισα μετὰ συνελερώων ματαιότητος·
 καὶ μετὰ πικρὰ νομούντων ὃν μὴ εἰσελθῶ·
 Ἐμίσησα ἐκκλησίαν πονηρομένων·
 καὶ μετὰ ἀσεβῶν ὃν μὴ καθίσω·
 Νίφομαι ἐν ἀθώοις τὰς χεῖρας μου·
 καὶ κενώσω τὸ θυσιαστήριόν σου κύριε·
 τοῦ ἀκούσαι με φωνῆν αἰνεσεως σου·
 καὶ ἀληγοῦσαι πάντα τὰ δαυμασία σου·
 Κύριε ἠγάπησά ἐν πρεπείῳ οἴκῳ σου·
 καὶ τόπον σκηνώματος δόξης σου·
 Ἦν συναπολέσῃς μετὰ ἀσεβῶν τὴν ψυχὴν μου·
 καὶ μετὰ ἀνθρώπων αἱμάτων τὴν ζωὴν μου·
 Ὡς ἐν χερσὶν αἰωνομίαι·
 ἢ λέξια ἀνθρώπων ἐπληροῦσθαι λόγων·
 Ἐγὼ δὲ ἐν ἀκακίᾳ μου ἐπορεύσθην·
 λῦτρωσάί με κύριε καὶ ἐλέησόν με·
 Ὁ πούς μου ἐστὶν ἐν εὐθύτητι·
 ἐν ἐκκλησίαις ἐνλωγῆσά σε κύριε·

שָׁנָה אֵלַי יְהוָה
 כִּי יַחֲדוּ עֵינַי אֲנִי
 צְדוֹת לִבִּי הִרְחִיבוּ
 מִמְצוּקוֹתַי הוֹצֵאנִי
 רָאה עֵינַי וְעִמְלִי
 וְשֵׂא לִבְל חֲשֹׁאתִי
 רָאה אֲבִי כִי רָבוּ
 וְשָׂנֵאת חֲמַס שׂוֹנְאוֹנֵי
 שְׁמֵרָה נַפְשִׁי וְהַצִּילֵנִי
 אֶל אֲבוֹשׁ כִּי חֲסִיתִי בְךָ
 חַס וְיִשְׁר יִצְרֶנִי
 כִּי קוֹחִיךָ

פדה אלדדים את ישראל בכל צדוֹתיו :

לְדוֹד

כֹּו

כִּי אֲנִי

שְׁ

בְּחַמֵּי הַלֵּכְתִּי

וְכִי הָיִיתָ בְּמַחְתִּי לֹא אֶמְעָר

בְּחַנְנִי יְהוָה וְנִסְתִּי

צַדִּיק כְּלִיּוֹתַי וְלִבִּי :

כִּי חֲסִידֶךָ לִנְדוּ עֵינַי

וְהִתְהַלַּכְתִּי בְּאֱמִיתוֹךָ :

לֹא יִשְׁכַּחְתִּי עִם-מַתִּי שְׂוֹא

וְעַם-נַעַל מִים לֹא אֲבֹא :

שְׂנֵאתַי קָהַל מַרְעִים

וְעַם רַשָּׁעִים לֹא אֲשִׁב :

אַרְחֹץ בְּנִקְיוֹן כַּפַּי

וְאֶסְבֹּבָה אֶת מוֹבְחַן יְהוָה :

לִשְׁמַע בְּקוֹל תְּהִלָּה

וְלִסְפָּר כָּל נִפְלְאוֹתֶיךָ :

יְהוָה אֶהְבֵּתִי מֵעוֹן בֵּיתְךָ

וּמְקוֹם מִשְׁכַּן כְּבוֹדֶךָ :

אֶל-תֵּאֱסֹף עִם-חֲשָׁאִים נַפְשִׁי

וְעַם אֲנָשִׁי רַמִּים חַיִּי :

אֲשֶׁר בִּידְיָהֶם זִמָּה

נִמְיָנָם מִלֵּאֵה שְׁחָד :

וְאֲנִי בְּחַמֵּי אֵלֶיךָ

כִּדְבַר יְהוָה :

רַגְלִי עָמְדָה בְּמִשְׁוֹר

בְּמִקְהָל יַם אֲבִרְךָ יְהוָה :

Psalms David priusq; liniretur. XXVI.

O minis illuminatio mea: & salus mea quem timebo.

Dñs p̄tector uite meę: a quo trepidabo. (as: Dñi app̄piāt sup me nocētes: ut edāt carnes me Qui trib. me inī. mei: ip̄i infir. sūt & ceciderūt: Si cōsistāt adu. me castra: nō timebit cor meū. Si exurgat aduersū me p̄cliu: i hoc ego sp̄abo. Vnam petij a domino hanc requi

ram:

ut inhabitē in domo dñi oib⁹ dieb⁹ uite meę.

Vt uideam uoluntatem domini:

& uisitem templum eius. (malorum:

Qm̄ abscondit me in tabernaculo suo in die protexit me in abscondito tabernaculi sui.

In petra exaltauit me:

& nōc exaltauit caput meū sup iimicos meos.

Circuui & immolaui in tabernaculo eius:

hostiam uociferationis

cantabo & psalmū dicam domino.

Exaudi dñe uocē meam qua clamat ad te:

miserere mei & exaudi me. Tibi dixi cor meū exquisiuit refacies mea:

faciem tuam domine requiram:

Ne auertas faciem tuam a me:

ne declines in ira a seruo tuo.

Adiutor meus esto ne derelinquas me:

neq; despicias me: deus salutaris meus.

Qm̄ pater me⁹ & m̄ mea dereliquerūt me: dominns autem assumpsit me.

Legē pone mihi domine in uia tua:

& dirige me i semita recta p̄pter inimicos me⁹

Ne tradideris me in aīas tribulatiū me: (os=

qm̄ insurrexerūt in me testes iniqui:

& mentita est iniquitas sibi.

Credo uidere bona domini: in terra uiuētū.

Expecta dominum,

uiriliter age & confortetur cor tuum:

& iustine dominum.

HP̄T: HΛZ̄NΛ: ET̄ΦOΛ:

1 T̄Z̄ Λ̄ḠHΛ·N̄H̄C: P̄N̄C̄V: A. T. : O P̄P̄Z̄Z̄: Φ̄Z̄T̄Z̄: P̄L̄C̄V̄Z̄: Π P̄P̄Z̄ḠḠ:

2 Λ̄ḠHΛ·N̄H̄C: Φ̄λ̄σ̄σ̄: ĀH̄ĒŌT̄P̄: ŌΦ̄Z̄T̄Z̄:

3 ḠN̄: ĒΦ̄C̄N̄Z̄: Λ̄N̄P̄Z̄: ĒN̄ĀV̄Z̄: M̄ḠP̄:

4 X̄ŌΛ̄T̄P̄H̄: Λ̄Ā: ĒN̄Φ̄ĒZ̄: Λ̄σ̄Z̄T̄: P̄H̄σ̄: ŌŌP̄

5 λ̄σ̄Z̄: X̄·N̄ĀZ̄: T̄V̄P̄Z̄: Λ̄ĒL̄C̄V̄Z̄: Ā·N̄P̄: IĪΦ̄:

6 Ōλ̄σ̄Z̄: C̄ĒZ̄: X̄ŌΛ̄T̄: ĀZ̄H̄: N̄T̄: T̄ŌH̄ĀN̄:

7 ĒH̄T̄: H̄ĀĀH̄Ō: ĀΛ̄ḠHΛ·N̄H̄C: ŌH̄P̄V̄: Ā·Z̄·M̄M̄: Π P̄ŌĀ: H̄ĒŌT̄P̄:

H̄σ̄: λ̄·Z̄·C̄: N̄B̄: ĀΛ̄ḠHΛ·N̄H̄C: N̄H̄·Ā: σ̄

8 ŌH̄σ̄: P̄C̄λ̄P̄Z̄: H̄P̄W̄ŌC̄: ĀΛ̄ḠHΛ·N̄H̄C:

ŌH̄σ̄: λ̄X̄σ̄·Ē: ŌH̄T̄: N̄B̄T̄: σ̄Φ̄ĒH̄:

9 λ̄H̄σ̄: Z̄·N̄ĀZ̄: ŌH̄T̄: P̄ĀĀT̄: N̄ŌĀT̄: ŌZ̄ĒN̄

ŌH̄ŌZ̄Z̄: N̄Ō·Z̄·N̄Ā: P̄ĀĀT̄: IĪP̄:

10 ŌĒN̄: H̄·H̄·H̄: ĀĀV̄ĀZ̄:

Z̄Ū: Ēλ̄H̄: ĀĀV̄Ā: λ̄ḠHΛ·N̄H̄C: ĒN̄: X̄ŌΛ̄T̄P̄:

11 ĀĒH̄: ŌP̄ŌH̄: ŌH̄T̄: Ē·N̄T̄·Z̄Ū:

σ̄M̄P̄ŌT̄: ŌP̄N̄·N̄: ĀT̄:

λ̄H̄·N̄H̄: Ōλ̄H̄C̄: ĀΛ̄ḠHΛ·N̄H̄C:

12 H̄ŌV̄Z̄: λ̄ḠHΛ·N̄H̄C: H̄H̄ĀĀH̄: Z̄·N̄H̄:

T̄·H̄ŪĀZ̄: ŌH̄ŌV̄Z̄: Ī3 ĀH̄: Ē·N̄ĀH̄: Ā·N̄P̄:

Ō·Z̄·W̄M̄H̄: ḠX̄H̄:

ḠX̄: H̄·ĀH̄: Ā·Z̄·M̄M̄: λ̄ḠHΛ·N̄H̄C:

14 Ōλ̄T̄·Ā·T̄: ḠX̄H̄: λ̄ŌZ̄P̄:

Ōλ̄T̄·T̄·ḠZ̄H̄: λ̄ŌḠ·N̄C̄H̄: T̄ŌŌ·V̄H̄:

15 Z̄ĒH̄: H̄·Z̄Z̄: Ōλ̄T̄·ḠĒZ̄:

Ōλ̄T̄·T̄·V̄P̄P̄Z̄: ĀŌH̄P̄: Ōσ̄Ē·Z̄Z̄P̄:

16 λ̄H̄σ̄: ĀN̄P̄: Ōλ̄ŌP̄: ḠĒZ̄:

Ōλ̄ḠHΛ·N̄H̄C: T̄ŌH̄Z̄:

17 ŌC̄H̄Z̄: λ̄ḠHΛ·N̄H̄C: C̄T̄H̄:

ŌŌC̄H̄Z̄: C̄T̄T̄: C̄T̄ŌH̄: IĪĀZ̄T̄: X̄ŌΛ̄T̄P̄:

18 Ōλ̄T̄·σ̄ŌŌZ̄: ĀZ̄C̄H̄: ĀĀĀ: ĒN̄Φ̄ĒZ̄:

λ̄H̄σ̄: Φ̄σ̄: ĀŌĀP̄: H̄ĀŌT̄: V̄Īσ̄Ḡ:

ŌH̄H̄T̄: C̄λ̄H̄: V̄Īσ̄Ḡ: ΠN̄·N̄H̄C: H̄P̄P̄Z̄:

19 λ̄T̄·Āσ̄Z̄: H̄σ̄: λ̄C̄Ā·Ē: W̄S̄Ē·P̄: ĀΛ̄ḠHΛ·N̄H̄C:

20 ŌT̄·H̄Z̄·ŌŌ: ĀΛ̄ḠHΛ·N̄H̄C:

T̄·V̄ḠM̄: ŌĀP̄Z̄Ō: ĀN̄H̄:

ŌT̄·H̄Z̄·ŌŌ: ĀΛ̄ḠHΛ·N̄H̄C:

Psalms ipsi David. XXVII. (me:
 D te dñe clamabo de? me? ne filea: a
 a ne quando taceas a me: & assimilabor
 descendētibus in lacum.

Exaudi dñe uocē deprecatiōis mæ dū oro ad te:
 dū extollo manus meas ad tēplū sanctū tuū.
 Ne simul tradas me cum peccatoribus:
 & cum operātibz iniquitatē ne perdas me.
 Qui loquūtur pacem cum proximo suo:
 mala autem in cordibus eorum.

Da illis secundum opera eorum:
 & secundū nequitia adinventionū ipforum.
 Secundum opera manuū eoz: tribue illis:
 redde retributionē eorum ipsis.

Qm nō intellexerunt opera dñi:
 & in opera manuum eius
 destrue illos: & nō edificabis eos.

Benedict? dñs: qm exaudiuit uocē deprecationis
 Dñs adiutor me? & protector meus: (mea:
 & in ipso sperauit cor meum & aditus sum.
 Et reslorui caro mea:

& ex uoluntate mea confitebor ei.

Dominus fortitudo plebis suæ:
 & protector saluationū christi sui est. (ti tue:
 Saluū fac populū tuū dñe & benedic heredita
 & rege eos & extolle illos usque in æternum.

Psal. Da. ī cōsumationē tabernaculi XXVIII.

Ferte domino filij dei:

a afferte domino filios arietum.

Afferte domino gloriam & honorem:
 afferte domino gloriā nomini eius:
 adorete dominū in atrio sancto eius.

Vox domini super aquas:
 deus maiestatis in tonuit:
 dominus super aquas multas.

Vox domini in uirtute:
 uox domini in magnificentia.

Vox domini cōfringentis cedros:
 & confrinet dominus cedros libani.

συστολῆς: ΗΡΕΤΕ:

Ποσειδῶν:

1 ΗΛ ΤΩΝ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

2 ΗΡΕΤΕ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΗΡΕΤΕ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

3 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

4 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

5 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

6 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

7 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

8 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

9 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

10 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

11 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

12 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΟΥΚ ΕΙΣ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

συστολῆς: ΗΡΕΤΕ: ΗΡΕΤΕ: ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

1 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

2 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

3 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

4 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

5 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

6 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ
 ΑΓΓΕΛΟΝ: ΚΑΙ ΤΩΝ: ΑΓΓΕΛΟΝ: ΟΥΚ ΕΙΣ

Ψαλλὸς τῷ Δαβὶδ. κζ (πῆσος ἀπέμδ
 π Ρὸς σέ κύριε κεκράξομαι, ὁ θεὸς μὲ μὴ παραιοιω-
 μήσωτε παραιοιωτῆσος ἀπέμδ. καὶ ὁμιλώησομαι τοῖς
 καταβαίνουσιν εἰς λάκκον. (θαί με πρὸς σέ·
 εἰσάκου κύριε τῆς φωνῆς τῆς λεησεώς μου, ἐν τῷ λεέσ-
 ἐν τῷ αἰεθμ με χρεας μὲ πρὸς νόον ἄτῳ σου.
 Μὴ συνελκύσῃς με μετὰ ἀμαρτωλῶν·
 καὶ μετὰ ἐθ' αἰουένων ἀδικίῃ μὴ συναπολέσῃς με·
 τῶν λαλῶντων εἰρήνη μετὰ τ' ὀλησίον αὐτῶν·
 κακὰ δὲ ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν·
 Δὸς αὐτοῖς κύριε κατὰ τὰ ἔργα αὐτ'·
 καὶ κατὰ τὴν πονηρίαν τ' ἐπιτηλενμάτων αὐτῶν·
 κατὰ τὰ ἔργα τ' χερῶν αὐτ' δὸς αὐτοῖς·
 ἀπόλος τὸ ἀνταπόλοιμα αὐτ', αὐτοῖς·
 Ὅτι οὐ συνήκαμ εἰς τὰ ἔργα κυρίου,
 καὶ εἰς τὰ ἔργα τ' χερῶν αὐτῶν·
 καθελθὼς αὐτὸς καὶ οὐκ οἰκοδομήσεις αὐτὸς·
 ἐν λογιῆσος κύριος ὅτι εἰσῆκεσε τῆς φωνῆς τῆς λεησεώς μου
 κύριος βοηθὸς μου καὶ ὑπερασπιστῆς μου·
 ἐπ' αὐτῶν ἠλπισῆν καὶ κελία μου καὶ ἐβοηθήθημ·
 καὶ ἀνεθαλερῆ σάρεξ μου·
 καὶ ἐκ θελήματός μου ἐξομολογήσομαι αὐτῶν·
 κύριος κραταίωμα Ἰσραὴλ αὐτῶν·
 καὶ ὑπερασπιστῆς τ' σωτηρίῳ τῶν χερῶν αὐτῶν ἐστί·
 Σῶσον τ' λαόν σου καὶ ἐν λόγῳ σου τὴν κληρονομίαν σου,
 καὶ ποιμανὸν αὐτῶν ἕως Ἰσραὴλ αἰῶνος·

Ψαλλὸς τῷ Δαβὶδ ἐξ ὀδῶν σιχαμῆθ. κη

Ἐνεγκάτε τῷ κυρίῳ υἱοὶ θεῶν·
 ἐνεγκάτε τῷ κυρίῳ υἱὸς κειῶν·
 Ἐνεγκάτε τῷ κυρίῳ λῶξαρ καὶ τιμῆν,
 ἐνεγκάτε τῷ κυρίῳ λῶξαρ ὀνόματι αὐτῶν·
 προσκυνήσατε τῷ κυρίῳ ἐν ἀνλῆ ἀγία αὐτῶν·
 φωνὴ κυρίος ἐπὶ τ' ἠλάτωρ·
 ὁ θεὸς τῆς λέξις ἐβροντῆσε,
 κύριος ἐπὶ ἠλάτωρ πολλῶν·
 φωνὴ κυρίος ἐν ἰσχυί·
 φωνὴ κυρίου ἐν μεγαλοπεπέφῃ·
 φωνὴ κυρίου συνθρονοντος κέλερος·
 καὶ συντρέφει κύριος τὰς κέλερος τῶν λιβάνων·

(תתני) כח לך
 לך יי אקרא צורי אל תתרחש
 פן תתרחש ממני ונתשלתני
 עם יודי בוך :

שמע קול תחנוני בשועי אלתך
 בנשאי ידיו אל דביר קדשך :
 אל תשכני עם רשעים
 ועם פעלי און
 רברי שלום עם רעים
 ורעה בלבבם :
 תן להם כפעלים
 ודמע כעל ליהם
 כמעשה דיהם תן להם
 תשב ומולם להם :
 כי לא יבינו אל פעלות יהוד
 ואל מעשה ידיו
 יהרסם ולא יבנם
 ברוך יי כי שמע קול תחנוני :
 יהוד עיי ומני
 בו בסטה לגבי ונעורתי
 ויעלה לבי
 ומשירי אודנו :
 יהוד עוי למו
 ומעוז ישועות משיחו הוא :
 הושיעה את עמך וברך את נחלתך
 ורעים ונשאם עד העולם :
 מזמור לדוד

כס

בו ליהוד בני אלים
 הבו ליהוד כבוד ועו :
 הבו ליהוד כבוד שמן
 השתחוו ליהוד בהדרת קדש :
 קול יהוד על המים
 אל הכבוד הרעים
 יהוד על מים רבים :
 קול יהוד בפח
 קול יהוד בהדר :
 קול יהוד שוכר ארזים
 וישבר יהוד את ארזי הלבנון :

Et cōminuet eas tanq̄ uitulū libanīz
 & dilectus quēadmodū filius unicorniumz
 Vox domini intercidētis flammā ignis:
 uox domini concutientis desertum:
 & cōmouebit dominus desertū cades
 Vox domini preparātis ceruos:
 & reuelabit condensa:
 & in templo eius omnes dicent gloriā
 Dominus diluuiū inhabitare facit:
 & sedebit dominus rex in æternū.
 Dñs uirtutem populo suo dabit:
 dominus benedicet populo suo in pace.
 Psal. cātici in dedicatiōe dom⁹ Da. XXIX.
 Xaltabo te dñe qm̄ suscepisti me:
 nec delectasti inimicos meos sup me.
 Dñe deus me⁹ clamaui ad te: & sanasti me.
 Dñe eduxisti ab inferno animā meam:
 saluasti me a descēdentibus in lacum.
 Psallite domino sancti eius:
 & cōfitemini memorię sanctitatis ei⁹. (ei⁹.
 Qm̄ ira in indignatiōe ei⁹: & uita in uolūtate
 Ad uesperz demorabit̄ flet⁹: & ad mat. letitia.
 Ego at̄ dixi ī abūd. mea: nō mouebor ī eternū.
 Dñe ī uolūtate tua: p̄stitisti decori meo ȳtutē.
 Auertisti faciē tuā a me: & fact⁹ sū cōturbat⁹.
 Ad te dñe clamabo: & ad deū meū dep̄cabor.
 Quę utilitas ī s̄g. meo: dū desc. ī corruptōez.
 Nūquid cōfitebit̄ tibi puluis: aut anūciabit̄ ue
 Audiuit dñs & misert⁹ est mei: (ritatē tuā
 dominus factus est adiutor meus.
 Cōuertisti plāctum meum in gaudiū mihi:
 cōcidisti faccū meū, & circūdedisti me læticia.
 Ut cātem tibi gloria mea & nō cōpungar:
 dñe deus me⁹ in eternum cōfitebor tibi.
 In finē Psalmus Dauid pro extasi. XXX.
 N te dñe speraui nō cōfūdar in eternū:
 in iusticia tua libera me & eripe me.
 Inclina ad me aurē tuā: accelera ut eruas me.
 Esto mihi in deū protectorem:

6 ዐዎገድ፡ከመ፡ላህመ፡ሊባኖክ፡፡
 ወፍቁርክ፡ከመ፡ወልድ፡ዘአሐይ፡ቀርኦ፡፡
 7 ቃለ፡እግዚአብሔር፡ይመትር፡ኗደ፡እሳት፡፡
 ቃለ፡እግዚአብሔር፡ዎድለቀልቆ፡ለገደ፡፡
 ዐዎድለቀልቆ፡እግዚአብሔር፡ለሐቅለ፡ቃደክ፡፡
 8 ቃለ፡እግዚአብሔር፡ዎጸኛሆመ፡ለኃዋሳት፡፡
 ወይከሥት፡አህዋመ፡፡
 ወበጸርሐ፡ኩሉ፡ይብላ፡ከብሐት፡፡
 9 እግዚአብሔር፡ዎከተጋብአ፡ለጠዋ፡አይዳ፡፡
 ደኗብር፡እግዚአብሔር፡ወይኗግሥ፡ለህለ፡፡
 10 ወይሁቦመ፡እግዚአብሔር፡ኃይለ፡ለላዘድ፡፡
 እግዚአብሔር፡ይባርከመ፡ለሐዘድ፡በአላ፡፡
 ፍጻጭ፡መዘመር፡ጠላሌት፡ለተሐድሶ፡ቤቱ፡ለደዊት፡፡
 1 ገፀ አአኩተከ፡እግዚአ፡እከመ፡ተወከፍከኗ፡፡
 ወከላተ፡ጸላሌ፡አረክይከኗ፡፡ ስፊ፡፡
 2 እግዚአ፡አጥላከዎ፡ጸራላኩ፡ኅቤከ፡ወተህሀላከ
 3 እግዚአ፡አወግእከ፡እጥሌአል፡ለኗፍአዎ፡፡
 ወአድኅኛከኗ፡እጥሌአ፡ይወርይ፡ወከተ፡ግብ፡፡
 4 ዘወራ፡ለእግዚአብሔር፡ጸድቃኦ፡፡
 ወግኛዎ፡ለዘክኗ፡ቅድሳቱ፡፡
 5 እከመ፡መቆሠፍት፡እጥሌቱ፡ሐይወ፡እጥሌቅደ፡፡
 6 በወኤት፡ይደወፅ፡በከይ፡ወበጸባሕ፡ፍሥሐ፡፡
 7 አኛከ፡እቤ፡በተደላዎ፡አይትሀወብ፡ለህለ፡፡
 8 እግዚአ፡በከወረትከ፡ሀባ፡ኃይለ፡ለሐይወትዎ፡፡
 9 ጭጥክ፡ገእከ፡ወኮኛኩ፡ደኛጉፅ፡፡
 10 ኅቤከ፡እግዚአ፡ጸራላኩ፡ኅብ፡አጥላከዎ፡እከአል፡፡
 11 ወኛተ፡ዎከላጥ፡ደወዎ፡ለእመ፡ወረድኩ፡ወከተ፡ጭ
 12 መራትኦ፡ዎአጥኛከ፡ወይኛግር፡ጸድቃከ፡፡ ስፊ፡፡
 13 ከወህ፡እግዚአብሔር፡ወተህሀላኗ፡፡
 ወኮኛኗ፡እግዚአብሔር፡ረደአዎ፡፡
 14 ጭጥከ፡ላሕዎ፡ወአከተሌህከከኗ፡፡
 ከጠጥከ፡ሠቅዎ፡ወሐህተ፡አቅኛተከኗ፡፡
 15 ከመዘ፡እዜወር፡ለከ፡ክብርዎ፡ወአይደኛግፅ፡፡
 እግዚአ፡አጥላከዎ፡እገኗ፡ለከ፡ለህለ፡፡
 መዘመር፡ዘደዊት፡ዘበተደፍ፡ከመዘ፡ወአቱ፡በከላሌ፡፡
 1 ወከዎከ፡ተወከላኩ፡እግዚአ፡ወአይትኃሌር፡፡
 ወበጸድቃከ፡አኛግሌኗ፡ወባላሐኗ፡፡ (ለህለ፡፡
 2 አጽዋእ፡እዘኛከ፡ኅቤዎ፡ወፍጡኛ፡አድኅኛ፡፡
 3 ኩኛኗ፡አጥላከዎ፡ወመድኅኛዎ፡፡

καὶ λεπυνεῖ ἀντὸς ὡς τὸν μόσχον τῆς λίβανου.
καὶ ὁ ἡγαθὸς μερὸς ὡς υἱὸς μονοκεράτου.
φωνὴ κυρίου διακόπτοντες φλόγα πνεύμα.
φωνὴ κυρίου συσσειήσας ἔρημον.
καὶ συσσειήσει κύριος τὴν ἔρημον κάλλους.
φωνὴ κυρίου καθαριζομένη ἐλάφους.
καὶ ἀποκαλύψῃ δρυμῶν,
καὶ ἐν τῷ μαῶ ἀντὸς πᾶσι τοῖς λέγει λόξαι.
κύριος τὸ κατακλυσμὸν κἀρικίει.
καὶ κἀδεῖται κύριος ἐλαιὸν εἰς τὸν αἰῶνα.
κύριος ἰσχυρὸς τῷ λαῷ ἀντὸς δώσει.
κύριος ἐν λογιῶσι τοῦ λαοῦ ἀντὸς ἐρῆσεν.

Υαλμὸς ὡς λῆς τὸ ἐγκαινισμὸς τὸ οἶκον τῷ λαβιδ

Υώσω σε κύριε ὅτι ὑπέλαβες με. κθ
καὶ ὄνκ ἐν φρεσίν μου ἔχθρους μου ἐδῶκέ με.

κύριε ὁ θεὸς μου ἐκέκρυφα πρὸς σέ, καὶ ἴασω με.
κύριε ἀνηγάγες ἐξ ἄλου τὴν ψυχὴν μου.
ἔσωσάς με ἀπὸ τῶν κἀλαβαίνοντων εἰς λακκοῦ.
Υάλατε τῷ κυρίῳ οἱ ὅσοι αὐτὸς.
καὶ ἔξομολογεῖσθε τῇ μνήμῃ τῆς ἁγιοῦντος αὐτὸς.
Ὅτι ἐργὴ ἐν τῷ θυμῷ αὐτὸς καὶ ζωὴ ἐν τῷ θελήματι αὐτὸς
τὸ ἐσπερῶ ἀνλιθῶσεται κλαυθμὸν καὶ ἔσθ' ἡ πρῶτ' ἀγαλλίασις
Ἐγὼ δὲ ἔπα ἐν τῇ ἐνθυσίᾳ μου μὴ σαλευθῶ εἰς τὸ αἰῶνα.
κύριε ἐν τῷ θελήματι ὁ παρῆσχ' τῷ κάλλει δυνάμις.
Ἄπῳσε φῶς δὲ τὸ πρῶτον ὁ ἄπῳ ἐμῶν καὶ ἐγενήθη με-
τ' ἐσκέ κἀκράξου καὶ πρὸ τ' ἔμ μ' ἐλεησῶ. (ταβατ' μένος.
Τὸς ἀφῆλεν ἐν τῷ αἰμαλίῳ ἐν τῷ κἀλαβαίνοντι εἰς δια-
μὴ ἐξομολογήσεται σοὶ ὡς ἡ ἀναγγελητῆρ ἄληθ' ὁ σφθραῖμα

Ἦκουσε κύριος καὶ ἠλέησέ με.
κύριος ἐγενήθη βοθρὸς μου.
Ἐσσε φῶς τῆς κοπετῆρ μ' εἰς χαρῶν ἐμοί.
ἀι ἐρῆξας τὸ σάκκου καὶ περιέζωσάς με ἐν φροῦνῃ.
Ὅπως ἄρ' ἔλαξ' σοὶ ἡ λῶξαι καὶ ὄν μὴ κατανυγῶ.
κύριε ὁ θεὸς μου εἰς τὸ αἰῶνα ἐξομολογήσομαι σοί.

¶ Εἰς τὸ τέλος φάλμους τῷ λαβιδ ἐκσάσεως. λ
Γι' οὐκ ἐν ἡλιπία μὴ καταποχυνθεῖν εἰς τὸ αἰῶνα
ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου εὔσάι με καὶ ἐξελοῦ με.
κλίνομ' πρὸς με τὸ οὖν ὁ ἰσχυρὸς τῶ ἐξελέσθαι με.
Τειτῶ μοι εἰς δεξιῶν ὑπεραποψισμ.

וירקדם כמו על לבנון
ושריון כמו בן זאמים
קח ויחוב להבות אש
קח ויחול מדבר
יחול וימכר קרש
קח ויחולל אילות
והשש יערות
ובחילו כלו אמר כבוד
יהוד למבול יושב
וישב וימך לעולם
יהוד עוז לעמו יתן
יהוד יכרך את עמו בשלום
מוסור שר חנכת הבית ליהוד
רוסמך ויכי רלייתי
ולא שמחת אבי לי
יהוד אל רי שועתי אל יהוה ונתפאני
יהוד העלית מן שאול נפש
קיייתי מוהדי בור
זמרו ליהוד חסידיו
והוד לזכר קדשו
כי רגע באפו היום ברוצנו
בערב לזין בבי ול בקר רפה
ואני אמרתי בשלי בל אמוט לעולם
יהוד ברוצנה העמדתה להררי עוז
הסמרת פניה חיותי נבחר
אל יהוה אקרא ואל אדני אתחנן
מה מצע פומי ברוחתי אל שחת
יהוד עפר סוגיד אמתך
שמע ויחנני
יהוד היה עוזר לי
הכנת מספודי למחול לי
פתחת שקי ותאזוני שמחה
למען זמרה כבוד ולא ירם
יהוד אל די לעולם אודך
למנצח מוסור ליהוד
ב וי חסיתי אל אבושה לעולם
בצדקתך פלטיני
הטה אלי אונק מחרה הצילני
היה לי לצור מעוץ

& in domū refugij: ut saluum me facias.
 Quā fortitudo mea & refugium meū es tu:
 & propter nomē tuū deduces me & enutries me.
 Educes me de laqueo hoc quē abscederūt mihi
 quoniam tu es protector meus (hi:
 In manus tuas commendo spiritum meū:
 redemisti me domine deus ueritatis.
 Odisti obseruantes uanitates: superuacue.
 Ego autem in domino speraui:
 exultabo & lætabor in misericordia tua.
 Quoniam respexisti humilitatem meā:
 saluasti de necessitatibus animā meam.
 Nec conclusisti me in manibus inimici:
 statuisti in loco spaciofo pedes meos.
 Misere mei domine quoniam tribulor:
 conturbatus est in ira oculus meus,
 anima mea & uenter meus.
 Quoniam defecit in dolore uita mea:
 & anni mei in gemitibus.
 Infirmata est in paupertate uirtus mea:
 & ossa mea conturbata sunt.
 Super oēs inimicos meos factus sū opprobriū.
 uicinis meis ualde:
 & timor notis meis.
 Qui uidebant me foras fugerunt a me:
 obliuioni datus sum tanquam mortuus a corde.
 Factus sum tanquam uas perditū: (in circuitu
 quā auditui uituperationē multos: commorantiū
 In eo dū conuenirēt simul aduersum me:
 accipere animā meā consiliati sunt.
 Ego autem in te speraui domine,
 dixi deus meus es tu:
 in manibus tuis sortes mee:
 Eripe me de manibus inimicorum meorum:
 & a persequentibus me.
 Illustra faciem tuā super seruum tuū:
 saluum me fac in misericordia tua:
 domine nō confundar quā iuuocaui te.
 Erubescat impij & deducatur in infernum:

4 𐌰𐌆𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 5 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰:
 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 6 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰. 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 7 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 8 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰. 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰. 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰. 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰:
 9 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰:
 10 𐌰𐌰. 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰:
 11 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰:
 12 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 13 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰:
 14 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰:
 15 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 16 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 17 𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 18 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 19 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 20 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 𐌰𐌰. 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰:
 21 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰: 𐌰𐌰𐌰:

καὶ εἰς οἶκον κατὰφυγῆς τῶν σωσάι με·
 Ὅτι κραταίωμα μου καὶ καταφυγή μου εἶ σὺ·
 καὶ ἐνεκεν τοῦ ὀνόματός σου ὀλιγησθήσεται με καὶ λιχθεύσεται με·
 Ἐξέλιξέ με ἐκ παγίλλου Ἰακώβου καὶ ἐκρυψάμεν με·
 ὅτι σὺ εἶ ὁ ὑπερασπιστής μου κύριε·
 εἰς χεῖρας σου παραθήσομαι τὸ πνεῦμά μου·
 ἐλυτρώσω με κύριε ὁ θεὸς τῆς ἀληθείας·
 ἐμίσησας τοὺς λιανυλάσοντας ματαιώθησας λιανεύησας·
 Ἐγὼ δὲ ἐπὶ τῷ κυρίῳ ἠλπίσα·
 ἀγαλλιάσομαι καὶ ἐνφρονηθήσομαι ἐπὶ τῷ ἐλέει σου·
 Ὅτι ἐπέλεσε ἐπὶ τῆν ἰασηνωσίμ μου·
 ἔσωσας ἐκ τῶν ἀναγκῶν τῆν ψυχήν μου·
 καὶ ἐσυνέκλησάς με εἰς χεῖρας ἐχθρῶν·
 ἐσῆσας ἐμὲνυχώσας τοὺς πόδας μου·
 Ἐλέησον με κύριε ὅτι θλιβόμαι·
 ἐταράχθη ἐν θυμῷ ὁ ὀφθαλμός μου·
 ἡ ψυχή μου καὶ ἡ γαστήρ μου·
 Ὅτι ἐξέλιπε ἐν ὀλίγῃ ἡ ζωή μου·
 καὶ τὰ ἔτη μου ἐν στεναγμοῖς·
 ἠσθένησα ἐν πτωχείᾳ καὶ ἰσχύς μου·
 καὶ τὰ ὄσα μου ἐταράχθησαν·
 Πέρα πάντας ἴσους ἐχθρῶν μου ἐγενήθη ὀνήλιος
 καὶ τοῖς γένεσι μου σφόδρα·
 καὶ φόβος τοῖς γνωστοῖς μου·
 Ὅι θεωροῦντες με ἐξώφευγον ἀπέμει·
 ἐπελίθησαν ὡσεὶ νεκρὸς ἀπὸ κἀβλίας·
 Ἐγενήθη ὡσεὶ σκενὴ ἀπολωλός·
 ὅτι ἠκαστα φόβου πολλῶν παρεκόνοντ' κυκλόθεν·
 Ἐμὴ ἐπνευναχθῆναι ἀντὸν ἀμα ἐπέμει·
 τὸ λαβῆναι τὴν ψυχήν μου ἐξ ἐλευσάνου·
 Ἐγὼ δὲ ἐπὶ σοὶ κύριε ἠλπίσα·
 εἶπα ὅτι εἶ ὁ θεός μου
 ἐμὴ τοὺς χεῖροί σου εἰ κληροί μου·
 ῥυσάι με ἐκ χερῶν ἐχθρῶν μου·
 καὶ ἐκ τῶν καταλιπόντων με·
 ἐπίφανου τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὸν λαόν σου·
 σώσον με ἐν τῷ ἐλέει σου·
 κύριε μὴ κατασχνυθῆναι ὅτι ἐπεκαλεσάμην σε·
 ἠισχνυθῆναι ἀσεβείας καὶ καταχθῆναι εἰς ἄδου·

לְבֵית מַצוֹת לְהוֹשִׁיעַנִי
 כִּי סֵלַע וּמַצוֹתַי אַתָּה
 וְלִמְעַן שִׁמְךָ תִּנְחַנְי וְתִנְהַלְנִי
 תִּצְרַאֲנִי מִיָּשָׁת וְיִמְכַנְנִי לְךָ
 כִּי אַתָּה מַעֲזִי
 בְּיַד אֶבְרָת רֹחִי
 וְיָדֹת אוֹתִי יִשְׁאֵל אִמַת
 שִׁנְאָתִי חֲשֵׁמְרִים הַבְּלִי שִׁנְאָתִי
 וְאֲנִי אֵל יִשְׁמַחֲתִי
 אֲגִלְהָה וְאֲשַׁמְחָה בְּיַדְךָ
 אֲשֶׁר רָאִיתָ אֶת עֵינַי
 יָדַעְתָּ בְּצוֹת נַפְשִׁי
 וְלֹא תִסְתַּרְתַּנִּי בְּיַד אוֹיְבִי
 דַּעְמָתְךָ בְּמַרְחֵב רַחֲמֵי
 חַנּוּנִי יִשְׁפֹּר לִי
 עֵשֶׂה בְכַעַס עֵינַי
 בְּנַפְשִׁי וּבְמַנִּי
 כִּי כָלוּ בְּיָדֶיךָ דַּי
 וְשָׁנֹתֵי בְּאֵנוֹתָה
 בְּשֵׁל בְּעוֹנֵי כְּחַל
 וְעַצְמִי עֵשֶׂה שׁוֹ
 מִכָּל צָרָתִי הִיִּתִי תַרְפִּיעַ
 וְלִשְׁכַנִּי מֵאֵד
 וּפְחַד לִמְדַעִי
 דַּי בְּחוֹץ יָדֶיךָ מַמְנִי
 וְשִׁבְחָתִי כִמֵּת מֵלֵב
 הִיִּתִי כְכֹלִי אֶבֶד
 כִּי שִׁמְעָתִי דַבַּר רַבִּים מִגוֹר מִסְּבִיב
 כַּהֲוִסְדָם יַחַד עֲלֵי
 לְקַחֲת נַפְשִׁי וּמַנִּי
 וְאֲנִי עֲלֶיךָ בְּשַׁחֲתִי יְהוָה
 אִמְרָתִי אֵלֵדִי אַתָּה
 בְּיַד עֲתוֹתֶיךָ
 הַצִּילֵנִי מִיַּד אוֹיְבֵי
 וּמִלִּפְנֵי
 הֲאִירָה פְנֵיךָ עַל-עַבְדְּךָ
 הוֹשִׁיעַנִי בְּחַסְדְּךָ
 יַחַד אֵל-אֲבוֹשָׁח כִּי קָרָאתִיךָ
 יִכְשֹׁל רַשְׁעִים יִדְמֹל לְשֹׁאֵל

inuita sunt labia dolosa.

Qui loquitur aduersus iustum iniquitate
in superbia & in abusione.

Qua magna multitudo dulcedinis tue dñe:
qua abscondisti timentibus te.

Perfecisti eis qui sperant in te:
in cōspectu filiorum hoīm. (batione hoīm)

Abscondes eos in abscondito faciei tue: a cōtur
Protege eos in tabernaculo tuo: a cōtradicti. linguarum.

Benedict⁹ dñs qm̄ mirificauit miam suā mihi:
in ciuitate munita. (facie oculorū meorū.

Ego autē dixi in excessu mēis me: p̄cedē sū a
Ideo exaudisti uocem orationis meę: dum cla
marem ad te.

Diligite dñm omnes sancti eius:
quoniā ueritatem requirit dominus:

& retribuet abundanter facientibus superbiā.
Viriliter agite & confortetur cor uestrū:

omnes qui speratis in domino.
Psalmus Dauid intellect⁹. XXXI.

B Eat quorū remissę sunt iniquitates:
& quorū tecta sunt peccata.

Beatus uir cui non imputauit dñs peccatū:
nec est in spiritu eius dolus.

Quoniā tacui in ueterauerūt ossa mea:
dum clamaretota die.

Qm̄ die ac nocte grauata ē sup me man⁹ tua:
cōuersus sum in erūna mea dū configi spina.

Delictū meū cognitū tibi feci: & iniusticiā meā
Dixi cōfitebor aduersū me in: (nō abscondi.

iusticiam meā domino:
& tu remisisti impietatem peccati mei. (tūno

Pro hac orabit ad te oīs sanct⁹ in tēpore opor⁹
Verū tñ in diluuiō aquarū multarū: ad eū nō ap

Tu es refugium meū a tribulacōe (proximabūt.

tionē que circumdedit me:
exultatio mea erue me a circumdantibus me.

Intellectū tibi dabo & iusticiā te in uia hac qua
firmabo super te oculos meos. (gradieris

ALAZ: AHSZ: YHSH:
22 AL: SZH: VSH: SH: SZH:
NHSH: SHSH:

23 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

24 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

25 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

26 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

27 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

28 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

29 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

30 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

31 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

1 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

2 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

3 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

4 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

5 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

6 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

7 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

8 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

9 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

10 SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:
SHSH: SHSH: SHSH: SHSH:

ΜΗ γίνεσθε ὡς ἵππος καὶ ἡμίονος· οἷς οὐκ ἔστι συνέσις·
 Ἐν κημῶ καὶ χαλινώ τὰς διαγόνους ἀντ' ἀγέλης·
 τῶν μὴ ἐγγυζόντων πρὸς σέ·
 Πολλοὶ αἱ μάστιγες τῶ ἀμαρτωλοῦ·
 τὸν δὲ ἐλπίζοντα ἐπι κύνειον ἔλεος κυκλώσει·
 Ἐνφρανθήτε ἐπὶ κύνειον καὶ ἀγγλιᾶσθε δίκαιοι·
 καὶ καυχᾶσθε πάντες οἱ ἐν δυνάμει τῆ καρδίας·
 Υαλμ τῶ Δδ· ἀνεπίγραφος παρ' ἐβραίοις. λβ
 α γαλλιᾶσθε δίκαιοι ἐν κύνειον·
 τοῖς ἐνθέσι παρ' ἐπὶ αἰνεοῖς·
 Ἐξομολογήσθε τῶ κύνειον ἐν κισσῶρα·
 ἐν ψαλλῆσι καὶ λεκαχοῦσι ψάλλετε αὐτῶ·
 Ἄσατε αὐτῶ ἄσμα καινόν·
 καλῶς ψάλλετε αὐτῶ ἐν ἀλαλαγμῶ·
 Ὅτι ἐνθεὸς ὁ λόγος τῶ κύνειον·
 καὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐν πίσει·
 Ἄγαπᾶ ἔλεημοσύνην καὶ κρείσιμον κύνειον·
 τῶ ἔλεος κύνειον πληθύνει ἡ γῆ·
 τῶ λόγῳ κύνειον οἱ οὐρανοὶ ἐσεβώθησαν·
 καὶ τῶ πνένματι τῶ σώματος αὐτοῦ, πᾶσα ἡ δύναμις αὐτοῦ·
 συναγωγὴ ὡσὶ ἄσκον ὑδάτων θαλάσσης·
 τὴ δὲ ἐν θησαυροῖς ἀβύσσους·
 φοβήθη τὸν κύνειον πᾶσα ἡ γῆ·
 ἀπ' αὐτοῦ δὲ σαλευθήτωσαν πάντες οἱ κατοικοῦντες τῆ γῆ·
 Ὅτι αὐτοῦ ἔειπε καὶ ἐγενήθησαν· (οἱ κακῶν)
 αὐτοῦ ἐνετέλλαν καὶ ἐκτίσθησαν·
 κύνειον διασκεδάσει βελάς ἐδυνῶν·
 ἀθετεῖ δὲ λογιόμους λαῶν·
 καὶ ἀθετεῖ βελάς ἀρχόντων·
 Ἡ δὲ βελή τῶ κύνειον εἰς τὸν αἰῶνα μένει·
 λογιόμοι τοῖς καρδίας αὐτοῦ εἰς γενεάν καὶ γενεάν·
 Μακάριον ὁ ἔδνος οὐ ἐστὶ κύνειον ὁ θεὸς αὐτοῦ·
 λαὸς ἦν ἐξελέξατο εἰς κληρονομίαν αὐτοῦ·
 Ἐξ οὐρανοῦ ἐπέβλεψε κύνειον·
 ἰλε πάντας τὸς υἱοὺς τ' ἀνθρώπων·
 Ἐξ ἐτοίμων κατοικηθεῖς αὐτοῦ·
 ἐπέβλεψε ἐπὶ πάντας τὸς κατοικοῦντας τῆ γῆ·
 Ὅπλάσας καταμόνας τὰς καρδίας αὐτῶν·
 ὁ οὐρανὸς εἰς πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ·

אֵל-תְּהִי כְמוֹת בְּפֶתַח אֵין הַבַּיִת
 בְּמִתְקַן עֵדִין לְכָל אֶם
 בַּל קָרוֹב אֵלֶיךָ
 רַבִּים מְכַאֲבִים לְרִשָׁע
 וְהַבּוֹטֵחַ בַּיהוָה תִּסְבְּבֵנו
 שְׂמַחוּ בַיהוָה וְיִלּוּ צְדִיקִים
 וְהִרְנִינוּ בְּלִישְׁרֵי לֵב
 לָא

נְנו צְדִיקִים בַּיהוָה
 לִישְׁרִים נִאֻה תְּהִלָּה
 הוֹדוּ לַיהוָה בְּכִנּוֹר
 בְּנֶבֶל עֲשׂוּר וּמְרוֹלוֹ
 שִׁיר לֹ שִׁיר חֲדָשׁ
 הִשְׁכֵּנוּ בְּגַן בְּתוֹרְעָה
 כִּי יִשְׂרָאֵל יִהְיֶה
 וְכָל-מַעֲשָׂיו בְּאֵמוּנָה
 אֱהִיב צְדָקָה וּמִשְׁפָּט
 חֶסֶד וְיֵשׁ מִלֵּא אֶה אֶרֶץ
 בְּדַבַּר יְיָ שָׁמַיִם נִעֲשׂוּ
 וּבְרִיחַ פִּיּוֹ כָּל-צְבָאִם
 כָּפֶס בְּנֵד מִי הַיָּם
 נִתַּן בְּאַצְרוֹת תְּהוֹמוֹת
 יִרְאוּ מִיָּהוָה כָּל-הָאָרֶץ
 מִמֶּנּוּ יִגְוָרוּ כָּל-יֹשְׁבֵי תְּבֵל
 כִּי-הוּא אֱמַר וַיְהִי
 הוּא צִוְהוּ וַיַּעֲמֵד
 יִהְיֶה הַפִּיר עֲצַת גּוֹיִם
 הִנְיָא מִחֲשָׁבוֹת עַמִּים
 עֲצַת יְיָ לְעוֹלָם תִּעֲמֹד
 מִחֲשָׁבוֹת לִבּוֹ לִדְרֹתָהּ
 צְדִיקֵי הַגּוֹי אֲשֶׁר יֵשׁ אֵלֶיךָ
 הַעֲם בָּחַר לְנַחֲלָה לּוֹ
 מִשָּׁמַיִם הִבִּישׁ יְהוָה
 רָאָה אֶת-כָּל-בְּנֵי הָאָדָם
 מִמֶּכּוֹן שְׁבֵתוֹ
 הִשְׁמִיחַ אֵל-כָּל-יֹשְׁבֵי הָאָרֶץ
 הַיּוֹצֵר יְהוָה לִבָּם
 בְּמִבְּיַן אֵל-כָּל-מַעֲשֵׂיהֶם

ὄν ὠφετὰ βασιλεὺς δὴα πολλὰ δυνάμει·
 καὶ γίγασ ὄν σωθῆσεται ἐν πλήθει ἰσχύος αὐτοῦ·
 γενεὴς ἵππος εἰς σωτηρίῳ·
 ἐν λε πλήθει δυνάμεος αὐτοῦ ὄν σωθῆσεται·
 ἰλουὶ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ τὸν φοβούμενον αὐτόν·
 τοῖς ἐλπίζουσιν ἐπὶ τὸ ἔλεος αὐτῶν·
 ἔνδοξοι ἐκ θανάτου τὰς ψυχὰς αὐτῶν·
 καὶ διασφαι αὐτοὺς ἐν λιμῶ·
 ἢ λε ψυχὴ ἡμῶν ὑπομένει τῶ κυρίῳ·
 ὅτι βωθὸς καὶ ὑπερασπιστὴς ἡμῶν ἐστίν·
 ὅτι ἐν αὐτῶ ἐνφρανθῆσθαι ἡ καὶ δία ἡμῶν·
 καὶ ἐν τῶ ὀνόματι τῶ ἀγίου ἡ λπίσμενα·
 γένου κέ τὸ ἔλεος οὐ ἐφῆμας·
 καθάπερ ἡ λπίσμεν ἐπὶ σέ·
 Ὑαλιμὸς ἰω Δαδ, ὁποῦ ἡ λλοῖωσε τὸ πρόσωπ^{ον} αὐτοῦ ἐν ἀγγέ
 ἡ Ἀβιμέλεχ καὶ ἀπέλυσε αὐτοῦ καὶ ἀπῆλθε· λγ
 ἔ
 λια παντοῦ ἢ ἀνεοῖς αὐτοῦ ἐν τῶ σώματι μ^α·
 ἐν τῶ κυρίῳ ἐπαινεθῆσεται ἡ ψυχὴ μ^α·
 ἀκασάτωσιν πρᾶξι καὶ ἐνφρανθῆτωσιν·
 Μεγαλύνθη τὸ κυρίου σὺν ἐμοί·
 καὶ ὑψώσω με τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐπὶ τὸ ἄν^θ·
 ἐξέζητησά τὸν κυρίου καὶ ἐπὶ κ^α σέ μ^α·
 καὶ ἐκ πασῶν θλίψεων μ^α ἐρῶ σά τ^ο με·
 προσέθετε πρὸς αὐτόν καὶ φωτίσθητε·
 καὶ τὰ πρόσωπα ὑμῶν μὴ καλίσχυνθῆ·
 ὄντος ὁ πλοῦτος ἐκέκασε καὶ ὁ κ^α εἰσῆκεσεν αὐτοῦ·
 καὶ ἐκ πασῶν τ^η θλίψεων αὐτοῦ ἐσώσεσιν αὐτοῦ·
 Παρεμβλεῖ ἀγγελὸς κυρίου·
 κύνλω τ^η φοβούμενων αὐτοῦ καὶ ἔνεται αὐτοῦ·
 Γένουσιν καὶ ἴλεθε ὅτι χεῖρ^ος ὁ κυρίου·
 μακάριος ἀνὴρ^ος ἐλπίζετ^α αὐτοῦ·
 φοβῆθητε τὸν κυρίου πάντες οἱ ἄγιοι αὐτοῦ·
 ὅτι οὐκ ἐστὶν ὑσέβημα ἰδοὺ φοβούμενοῖς αὐτοῦ·
 Γλῶσσοι ἐπὶ ἰσχυροσιν καὶ ἐπὶ ἰσχυροσιν·
 οἱ δὲ ἐκζητῶντες τὸ κ^α δὲ ἐλαττωθῆσιν τ^α παντοῦ ἀγαθῶ·
 Δέντε τέκνα ἀκασάτε μ^α·
 φόβου κυρίου διλάτω ὑμῶν·
 Τίς ἐστὶν ἀνθρώπου ὁ δέλωσ ζωνῆ^ο·

אין המלך נושע ברב-חיל
 גבור לא ינצל ברב-ח
 ישרהסם לתשועה
 וברוב-חילו לא ימלט
 הנה עין יי אל יראו
 למיחלים לחסדו
 להציל ממות נפשם
 ולהיותם ברעב
 נפשינו חכמה ליהוד
 עורנו ומגננו הוא
 כי בו ישמה לבנו
 כי בשם קדשו במחנו
 יהי הסוד יי עלינו
 באשר יחלנו לך
 לדת בשנותו אר-טעמו לפני
 אבימלך וירשהו לך
 ברכה את יהוד בכל-עת
 תמיד תהלתו בפי
 ביהוד תתהלל נפש
 ישמעו עבדים וישמחו
 גדלו ליהוד את
 ונתמקה שמו ידו
 דרשתי את יי ועבני
 ומכל-מגרותי הצילני
 הביטו אליו ונהתו
 ופניהם אל יחפרו
 זה עני קרא ויהוד שמע
 ומכל-צרותיו הושיעו
 חנה מלאך יהוד
 סביב ליראו ויחלצם
 טעמו וראו כי טוב יהוד
 אשרי הגבר יחסה בו
 יראו את יי קדשו
 כי אין מחסור ליראו
 כפירים רשו ורעבו
 וירשו יי לא יחסרו כל-טוב
 לכו בנים שמעו לי
 יראת יי אל מדכם
 מי האיש החפץ תים

diligit dies uidere bonos
 Prohibet linguam tuā a malo
 & labia tua ne loquantur dolum
 Diuertere a malo & fac bonum
 inquire pacē & persequere eam
 Oculi domini super iustos
 & aures eius in preces eorum
 Vultus autē dñi super facientes mala
 ut perdat de terra memoriā eorum
 Clamauerūt iusti & dominus exaudiuit eos
 & ex oibus tribulationib⁹ eorū liberauit eos
 Iuxta est dñs his qui tribulato sunt corde
 & humiles spiritu saluabit
 Multae tribulationes iniustorum
 & de omnibus his liberabit eos dominus
 Custodit dominus omnia ossa eorū
 unum ex his non conteretur
 Mors peccatorum pessima
 & qui oderunt iustum delinquent
 Redimet dñs animas seruorum suorū
 & nō delinquent omnes qui sperant in eo

Psalmus ipsi Dauid. XXXIII.

i Vdica domine nocentes me:
 expugna impugnātes me. (mihī.
 Apphēde arma & scutū: & exurge ī adiutoriū
 Effūde framēā & cōclude aduersus eos qui pfe
 dic aīe meae, sal⁹ tua ego sum. (quunt me:
 Cōfundātur & reuerant quærētes aīam meā.
 Auertantur retrorsum & confundantur: cogit
 tantes mihi mala.
 Fiant tāquam puluis ante faciem uentī:
 & angelus domini coartans eos.
 Fiat uia illorum tenebrae & lubricū:
 & angelus domini persequens eos.
 Qm̄ gratis absconderunt mihi interitū laquei
 supuacue exprobrauerūt animā meā. (sui:
 Veniat illi laqueus quem ignorat:
 & captio quam abscondit, apprehendat cum:
 & in laqueum cadat in ipsum.

OPLB: ECLE: SPOT: WSP:
 14 HQL: AN: LPH: LPH:
 OHS: LPH: LPH: LPH:
 15 THL: LPH: LPH: LPH:
 LPH: LPH: LPH:
 16 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 17 LPH: LPH: LPH: LPH:
 HPH: LPH: LPH:
 18 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 19 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 20 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 21 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 22 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 23 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:

HPH:
 1 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 2 LPH: LPH: LPH: LPH:
 3 LPH: LPH: LPH: LPH:
 4 LPH: LPH: LPH: LPH:
 5 LPH: LPH: LPH: LPH:
 LPH: LPH:
 6 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 7 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 8 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 9 LPH: LPH: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:
 OHL: LPH: LPH:

ἀγαπῶν ἡμέρας ἰλεῖμ ἀγαθὰς.
 Πάντοῦ τῆς γλώσσοῦ σου ἀποκακῶς.
 καὶ χεῖλ σου τὸ μὴ λαλῆσαι δόλον.
 Ἐκκλίνομ ἀποκακῶς καὶ πείσομαι ἄλαθον.
 Ζήτησον εἰρημὴν καὶ εὐξοίαν ἀντὶς.
 Ὁφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ δίκαιον.
 καὶ ὦτα αὐτοῦ εἰς λέγουσιν αὐτῶν.
 Πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιοῦντας κακὰ.
 τὸ ἐξολοθρευῆσαι ἐκ γῆς τὸ μνημόσυνον αὐτῶν.
 Ἐκείραξον οἱ δίκαιοι καὶ ὁ κύριος εἰσέκουσεν αὐτῶν.
 καὶ ἐκ πασῶν τῶν θλίψεων αὐτῶν ἐξέλευσεν αὐτούς.
 Ἐγγὺς κύριος τοῖς συντριμμείοις τῆς καρδίας.
 καὶ τὸν ταπεινὸν τῶ πνεύματι σώσει.
 Πολλὰ ἀιθλίψεις τῶν δικαίων.
 καὶ ἐκ πασῶν αὐτῶν ἐνσταί ἄνθρωπος ὁ κύριος.
 Φυλάσσει κύριος πάντας τὰ ὅσα αὐτῶν.
 ἐν ἐξ αὐτῶν ὃν συντριβήσεται.
 Θάνατος ἀμαρτωλῶν πορνῆς.
 καὶ οἱ μισῶντες τὸν δίκαιον πλημμελήσουσι.
 ἀνθρώπου κύριος ψυχὰς δούλων αὐτοῦ.
 καὶ ὃν μὴ πλημμελήσουσι πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπ' αὐτοῦ.
 Ὑαλμός τῶ λαβίλ. λα λ η
 Ἰκχσοῦ κύριε τὸν ἀδικούντα με.
 πολεμῶσόν μου τὸν πολεμῶντά με. (μον)
 Ἐπιλαβὸν ὄπισθον καὶ θυρεὸν καὶ ἀνάστηθι εἰς τὴν βοήθειάν μου.
 Ἐκχεὼν εὐφρασίην καὶ συγκλήσον ἐξ ἐναντίας τῆς καρδίας μου.
 εἰσω τῆ ψυχῆς μου σωτηρίαν ὡς εἰμι ἐργά. (με)
 ἀποχυνθίωσάν μου καὶ ἐνηραπήτωσάν μου οἱ ζητούντες τὴν ψυχὴν μου.
 ἀποσφαθίωσάν μου εἰς τὰ ὀπίσω καὶ κατεσχυνθίωσάν μου οἱ λογι-
 ζόμενοι μοι κακὰ.
 Γενθίωσάν μου ὡς ἰχθὺς κατὰ πρόσωπ ἄνέμου.
 καὶ ἄγγελος κυρίου ἐκθλίβων αὐτούς.
 Γενθίωσάν μου ὅλοι αὐτῶν σκότος καὶ ὀλιγόσημα.
 καὶ ἄγγελος κυρίου κατὰ διώκων αὐτούς.
 Ὅτι λωρεῶν ἔκεν ψαῖον μοι διαφθορῶν παγίλων ἀνθρώπων.
 μάτην ὠνείλισάν μου τὴν ψυχὴν μου.
 Ἐλθέτω ἀντὶς παγίον ἡμῶν γινώσκει.
 καὶ ἡ δόξα ἡμῶν ἔκεν φεσνλλαβέτω ἀντὶς.
 καὶ ἐμὴ παγίλι περθεῖται ἐμ' ἀντὶς.

אלה ימים הראות טוב
 בצר לשונך ברע
 ושמך מדיבר מרמה
 סור מרע ועשה טוב
 בקש שלום ורחמים
 עניו אל צדיקים
 ואוניו אל שועתם
 פני יהוד בעשי רע
 לחכרות מארץ זכרם
 צעקו ויהוד שמע
 ומכל צרותם הצילם
 קרוב יל לנשברי לב
 ואת הנאי רוח יושע
 רבות רעות צדיק
 ומכלם יצילנו יהוד
 שמר כל עצמותיו
 אחת מהם לא נשברה
 תמותת רשע רעה
 ושנאי צדיקים יאשמו
 פנה יל נפש עכרת
 ולא יאשמו כל החוסים בו
 לרח
 יבה יהוד את ירבי
 לחם את לחמי
 החזק מן וצפה וקומה בעורתי
 והרק חנית וספור לקראת רדפי
 אמור לנפשי ישועתך אני
 יבשו ויכלמו מבקשי נפשי
 יקמו ויחזרו ויהי נפתי
 חשבי רעתי
 יהיו כמוץ לפני רוח
 ומלאך יל דחה
 יהי דרפם השך ויהי קלות
 ומלאך יל דרפם
 כי חנם סמנו לי שחת רשתם
 חנם חפרו לנפשי
 ותבואה שאפה לא ידע
 ורשתו אשר טמן תלפוח
 בשאפה יכל רוח

Anima autem mea exultabit in domino:
 & delectabitur in salutari suo.
 Omnes ossa mea dicent:
 domine quis similis tibi.
 Eripiens inopē de manu fortiorum eius:
 egenā & pauperē a diripientibus cum.
 Surgentes testes iniqui:
 quæ ignorabam, interrogabant me.
 Retribuebāt mihi mala pro bonis:
 sterilitatem animæ meæ.
 Ego autē cū mihi molesti essent: induebar cilis
 Humiliabā in ieiunio animam meā: (cio.
 & oratio mea in sinu meo conuertē. (bam:
 Quasi proximū & quasi fratrem nrm sic cōplace
 quasi lugēs & cōtristatus sic humiliabar.
 Et aduersum me latati sunt & cōuenerunt:
 cōgregata sunt super me flagella & ignorauī.
 Dissipati sunt nec compuncti:
 tentauerūt me: subsanauerūt me subsanatiōe
 frenduerunt super me dentibus suis.
 Domine quando respicies
 restitue animā meam a malignitate eorum:
 a leonibus unicam meam.
 Confitebor tibi in ecclesia magna:
 in populo graui laudabor. (iniquē:
 Nō supergaudeāt mihi qui aduersantur mihi
 qui oderunt me gratis & annuūt oculis.
 Quoniā mihi quidem pacifice loquebātur:
 & in iracūdia terræ loquentes dolos cogitabāt.
 Et dilatauerunt super me os suū:
 dixerūt euge euge. uiderunt oculi nostri.
 Vidisti domine ne fideas:
 domine ne discedas a me:
 Exurge & intende iudicio meo:
 deus meus & dñs meus in causam meam.
 Iudica me domine secundū iusticiam tuam:
 dñe deus meus & non supergaudeant mihi.
 Nō dicāt in cordibus suis euge euge aīæ nræ:
 nec dicant deuorabimus eum.

10 ƆƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ:
 11 ƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ:
 12 ƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆƆ:
 13 ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ:
 14 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ:
 15 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 16 ƆƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ:
 17 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 18 ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ:
 19 ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 20 ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆ:
 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 21 ƆƆƆ: ƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆ:
 22 ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆ
 ƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 23 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆ:
 ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 24 ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 25 ƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 26 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆƆ:
 27 ƆƆƆ: ƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ:
 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ:
 28 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆ: ƆƆ
 ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ: ƆƆƆƆ

Ἡ δὲ ψυχὴ μὲ ἀγαλλιόσεται ἐπὶ τῷ κρείσσῳ·
 τρεφθήσεται ἐπὶ τῷ σωτηρίῳ αὐτοῦ.
 Πάντα τὰ ὅσα μὲ ἐρῶσι·
 κύριε κύριε τίς ὁμοίός σοι;
 ῥυόμενος πλῶχον ἐκ χερῶν σεβαστέρων αὐτοῦ·
 καὶ πλῶχον καὶ πένιτα ἀπὸ τῶν λιχαραζόντων αὐτοῦ·
 ἄνασάντες μοι μάστιγες ἀλικοί·
 ἄσκέγιασκού ηρώτων με.
 Ἄνταπελίλωσάν μοι πονηρὰ ἀντὶ ἀγαθῶν·
 καὶ ἀτεχνίαν τῆ ψυχῆ μου.
 Ἐγὼ δὲ ἐν τῷ αὐτῷ παρενοχλήσω μοι· ἐνελευόμην σάκκ
 καὶ ἐταπείνω ἐν νησίδά τῆ ψυχῆ μου. (κομ.)
 καὶ ἡ προσευχὴ μου, εἰς κόλπον μου ἀποσβεσθήσεται.
 ὡς πλησίον ὡς ἀλεφουρὴ μετέρου ὄντως ἐνεβόσω·
 ὡς πενθῶν καὶ σκυθραπάζω ὄντως ἐταπείνω με·
 καὶ κατ' ἐμὲ ἐνφρανθήσων καὶ συνήχθησων·
 συνήχθησων ἐπ' ἐμὲ μάστιγες, καὶ ἄσκέγια μου.
 Διεσχίσθησων καὶ ὄν κατενύγησων,
 ἐπείρασόν με ἐξεμνηστέρωσόν με μνηστέρωσόν με·
 ἐβύβησων ἐπ' ἐμὲ τὸς ὀδόντας αὐτῶν.
 Κύριε ποτε ἐπέφθ
 ἀποκατάσων τῆ ψυχῆ μου ἀπὸ κακουργίας αὐτῶν·
 ὡς ὀδόντων τῆ μονογενῆ μου.
 Ἐξομολογήσομαι σοὶ ἐν ἐκκλησίᾳ πολλῇ·
 ἐν λαῷ βιβλίου αἰνεῶ σε.
 Μὴ ἐπιχαρήσων μοι οἱ ἐχθροὶ κίνουνοί μου ἀλίκως·
 οἱ μισούντες με λωῶσων καὶ λιανένοντες ὀφθαλμοῖς.
 Ὅτι ἐμοὶ μὲν εἰρήνικα ἐλάλον·
 καὶ ἐπ' ὄργην λόλως διελογίζον·
 καὶ ἐπλάτνω ἐπ' ἐμὲ ῥοσμά αὐτῶν·
 εἶπὼν ἔν γε ἔν γε εἶλον οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν.
 εἶλες κέ μὴ παρὰ σιωπῆσός·
 κύριε μὴ ἀποσησάπτε μὲ.
 Ἐξεγέρθητι κέ πρόσχεσ τῆ κίβωδ μου·
 ὁ θεός μου καὶ ὁ κύριός μου εἰς τῆν δίκην μου.
 Κεῖνόν μοι κέ κατὰ τῆν δικαιοσύνην σου·
 κύριε ὁ θεός μου καὶ μὴ ἐπιχαρήσων μοι.
 Μὴ εἰπώσων ἐν καρδίαις αὐτῶν ἔν γε ἔν γε τῆ ψυχῆ ἡ·
 μὴ δὲ εἰπώσων κατεπώσωμεν αὐτοῦ. (μῶν.)

ונפשי תגיל ביהוה
 : תשעתי בשועתו
 כל עצמתי תאמנה
 יהוד מ' כמון
 מצול עני מדוק ממנו
 ועני ואביו מגילו
 יקומן עדי חמס
 אשר לא ידעתו ישאלוני
 ישל מוני רעה תחת טובה
 שכול לנפשי
 ואני בתלותם לכושי שר
 עמתי בצום נפשי
 ותפלתי על חיקי תשוב
 כרע כאח לי תהלהלכתי
 כאבל אם קדר שחותי
 ובצלעי שמחו וגאסו
 גאסו עלי גבים ולא ידעתני
 קרעו ולא דמו
 בחנפי לעי מעי
 חרוק עלי שנימו
 צדני במה תראה
 השיבה נפשי משואהם
 מספרים יח דתי
 אורה בקהל רב
 בעם עצום אחל לך
 אל ישמחו לי איבי שקר
 שגאי חסם יקראו עין
 כי לא שלום ידברו
 ועל הועי ארץ דברי מרמות יחשבו
 ורחו בו עלי פיהם
 אמרו האח האח האח ראתה עינינו
 ואיתה אל תחרש
 צדני אל תרוק ממני
 העינה וקצה למשפטי
 אל די ואדני לרבי
 שפשני בצדק
 יהוד אל די ואל ישמחו לי
 אל יאמרו כל בם האח נפשינו
 אל יאמרו בלענהו
 f i

Αισχυνθείσασιν καὶ ἐντραπέουσιν ἅμα οἱ ἐπιχαιρόντες ἰοῖς
ἐρυσσάσασιν αἰσχύνῃ καὶ ἐντροπῇ οἱ με- (κακοῖς με
γαλοῦρημονύχτες ἐπὶ μέ. (σοῦνῃ με

Ἄγαλλιάσασιν καὶ ἐνφρανθήσασιν οἱ θέλοντες ἴην δίκαια
καὶ ἐπαίωσιν δίκαιον μετὰ γὰρ ἡ δόξα κύριος.
οἱ θέλοντες ἴην εἰρήνην τῷ δούλῳ αὐτοῦ.
καὶ ἡ γλῶσσά μου μελετήσει ἴην δίκαιοσύνη σου.
ἐλπίθῃ ἡμῶν καὶ ἐσπαινοῦ σου.

Εἰς τὸ τέλος τῶ παύλι τῷ κυρίῳ Δαβὶδ. λῆ

Ἡοῖο παρὰ νόμος ἵσ ἀμαρτάνειν ἐν ἐαυτῷ.

Φ ὄνκ ἐστὶ φόβος θεοῦ ἀπέναγι γὰρ ἐφ' ἑαυτῶν αὐτῶ

Ὅτι ἐλόλωσεν ἐρωπιον αὐτῶ.

τῶ ἐνδοξίῃ τῆς ἀνομίας αὐτῶ καὶ μισησάι.

τὰ ἔμματα τῶ σώματος αὐτῶ ἀνομία καὶ δόλος.

ὄνκ ἠβὼν λήθῃ συνιέναι τῶ ἀγαθύναι.

Ἀνομία με λογίσαστο ἐπὶ τῆς κοίτης αὐτῶ.

παρεστὶ πάσῃ ὁδῷ ὄνκ ἀγαθῆ.

κακία δὲ ὄνκ παρὰ ὄνκ.

Κύριε ἐν τῷ ὄνκ τὸ ἐλεός σου.

καὶ ἡ ἀληθεία σου ἕως τῶ νεφέλων.

Ἡ δίκαιοσύνη σου ὡς ὄρη θεοῦ.

τὰ κρίματά σου ὡς ὄρη πολλῆ.

Ἄνθρωπος καὶ κτήνη σώσεις κύριε.

ὡς ἐπλήθυνας τὸ ἐλεός σου ὁ θεός.

Οἱ δὲ υἱοὶ γὰρ ἀνθρώπων ἐν σκέπῃ γὰρ πτερυγῶν σου ἐλ-

μεθυσθήσονται ἀπὸ πλῆθους οἴκου σου. (πλοῦσι

καὶ τὸ κῆρυξ σου ἡσυχία σου ποιεῖς ἀνθρώπους.

Ὅτι παρὰ σοὶ ζωὴ καὶ ζωὴ.

ἐν τῷ φωτὶ σου ὄνκ ὄνκ.

Γαρά τεινοῦ τὸ ἐλεός σου ἵσ γινώσκουσί σε.

καὶ τὴν δίκαιοσύνην σου ἵσ ἐν δέσει τῆ καρδίας.

Μὴ ἐλθέτω μοι πόνος ὑπερηφανίας.

καὶ χεῖρ ἀμαρτάνων μὴ σαλευσάι με.

Ἐκεῖ ἐπέσθη πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τῆς ἀνομίας.

ἐξώσθησαν καὶ ὄνκ μὴ λύνωνται σῆσαι.

Ψαλλῶς τῷ Δαβὶδ. λς

Ἡ καρδία μου ἐν τῷ σπλάγχθονι μου.

μηδὲ ζήλον σου ποιῶντας τῆς ἀνομίας.

Ὅτι ὡς εἰ χόρτος ταχὺν ἀπαξηθεὶς σῆναι.

יְשׁוּ וַיִּחְפְּרוּ יַחַד שְׂמֵחֵי רַעְיִי

יִבְשׁוּ בְשׁוֹר כְּשׁוֹר וּכְבִלְמָה

הַמְגִדִים עָלַי :

יָרַנו וַיִּשְׂמְחוּ חֲפָצֵי צַדִּיק

וַיֹּאמְרוּ תַמִּיד יִגְדַל יְהוָה

הַחֲפָצֵי שְׂלוֹם עַבְדּוֹ :

וְלִשְׁבִי תִהְיֶה צַדִּיקָה

כָּל הַיּוֹם תִּהְלַחַךְ :

לְמַנְצַח לְעַבְדֵי יְהוָה לְדוֹד :

אִם פִּשַׁע לְרַשָּׁע בִּקְרִיב לְבִי

אִין פִּתַח אֵלִים לְנֶגַד עֵינָיו :

כִּי חָלִיק אֵלָיו בְּעֵינָיו

לְמַצָּא עֵוֹנוֹ לְשֹׂא :

דַּבְרֵי פִיו אִין וּמְרַמֶּה

חֶדְלֵל לְהַשְׂכִּיל לְהַטִּיב :

אִין יִחְשָׁב עַל-מִשְׁכָּבוֹ

יִתְצַב עַל-דַּרְךְ לֹא-טוֹב

רַע לֹא יִמָּאס :

יְהוָה בְּהַשְׂמִים חֲסִדָּה

אִמוֹתָה עַי-שִׁחְקִים :

צַדִּיקָתָה כְּהַרְרֵי-אֵל

מִשְׁפָּטֶיךָ תִּהְיֶה רַבָּה

אִדם וּבְהֵמָה תוֹשִׁיעַ יְהוָה :

מִה יִקְרַח חֲסִדָּה אֵלִים

וּבְנֵי אִדם בְּצַל כְּנַפְיָה יִחְסִיִּין :

יִרְוִין מִדָּשֵׁן בֵּיתָה

וּנְחַל עֲרֵבִיךָ תִּשְׁקֶם :

כִּי עֲמָה מְקוֹר חַיִּים

בְּאוֹרָה כְּרֵאָה-אוֹר :

מִשׁוֹךְ חֲסִדָּה לְיִדְעָה

וּצַדִּיקָתָה לְיִשְׁרֵי-לֵב :

אֵל-תְּבוֹאֲנֵי רַחֵם אֲוָה

וְיִדְרֹשׁ עַיִם אֵל-תְּנִידָנִי :

שִׁם נִפְלוֹ פַעַל יִאִין

יַחַד וְלֹא יִכְלֹקוּם :

לְדוֹד

לְתַתְּחֹר בְּמַרְעִים

אֵל-תִּקְנָא בְּעַיִ עוֹלָה :

כִּי כְתָצִיר מִהַרָּה יִמְלִין

א ה

& quæadmodū olera herbarum cito decident •
 Spera in domino & fac bonitatem:
 & inhabita terram
 & pasceris in diuitijs eius •
 Delectare in dño: & dabit tibi petitiōes cordis
 Reueda domino uiam tuam (cui •
 & spera in eo: & ipse faciet •
 Et educet quasi lumen iusticiam tuam:
 & iudicium tuum tanquā meridiem:
 subditus esto domino & ora cum •
 Noli emulari in eo qui prosperatur i uia sua:
 in homine faciente iniusticias •
 Desine ab ira & derelinque furorem:
 noli emulari ut maligneris:
 Quoniā qui malignatur exterminabuntur:
 sustinentes autē dñm ipsi hereditabunt terrā •
 Et adhuc pusillum & non erit peccator:
 & queres locum eius & non inuenies •
 Mansueti autē hereditabunt terram:
 & delectabuntur in multitudine pacis •
 Obseruabit peccator iustum:
 & stridebit super eum dentibus suis •
 Dominus autem irridebit eum:
 quoniā prospicit quod ueniet dies eius •
 Gladium euaginauerunt peccatores:
 intenderunt arcum suū •
 Ut decipiant pauperem & inopem:
 ut trucident rectos corde •
 Gladius eorum intret in corda ipsorum:
 & arcus eorum confringatur •
 Melius est modicum iusto:
 super diuitias peccatorum multas •
 Quoniā brachia peccatorum conterentur:
 confirmat autem iustos dominus •
 Nouit dominus dies immaculorum:
 & hereditas eorum in æternum erit •
 Non confundetur in tempore malo:
 & in diebus famis saturabuntur:
 quia peccatores peribunt •

1 **Θησο: εσαδαθα: θσοα: φμεζ: εορεφ: ::**
 2 **†οηα: πλγηλκ-πθς: ογνσ: ωσρ: ::**
ορζρεζη: επ: ορεφ: ::
οεζλρη: επ: πθα: ::
 3 **†εμθ: πλγηλκ-πθς: οεσπθ: ηλθ: α**
 4 **ημτ: αλγηλκ-πθς: φστη: :: μπθ: ::**
ο†οηα: οτε: ολτε: εγπσ: οη: ::
 5 **ορσφα: ησο: πσγζ: ορεφθ: ::**
οφτθηζ: ησο: σσδα: ::
γσε: αλγηλκ-πθς: οτξσρε: ::
 6 **ολτθζυ: αθα: ηεεα: πθ: εοτε: ::**
οαθα: ηπλ: ηεγπσ: σσθ: ::
 7 **ερε: ασσπ: ορεφ: οφφθ: ::**
ολτθζυ: ησο: †θμσφ: ::
 8 **λησο: λθ: ρζμσ: εμζο: ::**
ολαθ: ετθγμσ: ολγηλκ-πθς: λσζτε: εο
 9 **οεε: ερετ: λεγθ: ζφλ: :: μζθπ: ορεφ: ::**
†ζμμ: ολτθζηπ: σσθ: ::
 10 **ορρρζθ: εοεπ: ορεφ: ::**
οετθμθ: ππθ: ε: ηαφ: ::
 11 **ρητθεε: ζφλ: ορεφθ: ::**
ορθφ: ηζεε: αθαε: ::
 12 **ολγηλκ-πθςθ: εθθθ: ::**
λησο: λφρεφ: λλφε: ησο: πθθ: οατε: ::
 13 **ηεεσ: σδαθ: ζφλζ: ::**
οοθφ: φθφσ: ::
 14 **ησο: εθτθφ: οσρεε: οαφθηζ: ::**
οησο: εεγθσσ: οετεεζ: απ: ::
 15 **ηεεσ: εηλ: οητ: αοσ: ::**
οετφφφ: λθθεεσ: ::
 16 **εεεη: ερετ: ηπρεφθ: ::**
λφπθ: πθα: ζφλζ: ::
 17 **λησο: ετφθφ: εεεσ: οζφλζ: ::**
ρξζσσ: λγηλκ-πθς: ορεφθ: ::
 18 **ορλφε: λγηλκ-πθς: φστ: ζεθθ: ::**
οαεαφ: ολτε: εθθφσ: ::
 19 **ολετθεε: πσπθα: ληρτ: ::**
οεεγπ: πσπθα: ζεπ: ::
 20 **ολετθεε: πσπθα: ληρτ: ::**
οζφλζθ: ετθθτε: ::

Inimici uero dñi mox ut honorificati fuerit & deficientes quēadmodū fum⁹ deficiēt. (exaltati: Mutuabitur peccator & non soluet: iustus autem miseretur & retribuet. Quia benedicentes ei hereditabunt terram: maledicentes autem ei disperibunt. Apud dominū gressus hominis dirigentur: & uiam eius uolet. Dum ceciderit non collidetur: quia dominus supponit manum suam) Junior fui etenim senuti: & non uidi iustum derelictum: nec semen eius querens panem. Tota die miseretur & commodat: & semen eius in benedictione erit. Declina a malo & fac bonum: & inhabita in sæculum sæculi. Quia dominus amat iudicium: & non derelinquet sanctos suos in æternum conseruabuntur. Iniusti punientur: & semen impiorum peribit. Iusti autem hæreditabunt terram: & inhabitabunt in sæculum sæculi super eam. Os iusti meditabitur sapientiam: & lingua eius loquetur iudicium. Lex dei eius in corde ipsius: & non supplantabuntur gressus eius. Considerat peccator iustum: & querit mortificare eum. Dñs autem nō derelinquet eū in manib⁹ eius: nec damnabit eum cum iudicabitur illi. Expecta dominū & custodi uiam eius: & exaltabit te ut hæreditate capias terram: cum perierint peccatores uidebis. Vidi impiū supexaltatū: & eleuatū sicut cedros Et transiit & ecce non erat (libani. quæsiui eum & non est inuentus locus eius. Custodi innocentiam & uide æquitatem)

21 ወጸለእቸክ: ለእግዚአብሔር: ሶበ: ከብረ: ወተለ
 P⁹ ልቆ: ወይጠፍኦ: ከመ: ጠከ: ሕህሉ::

22 ደትሌቆክ: ንጥእ: ወሌይዲዲ::
 ወጸቸክ: ደቆክር: ወይሁብ::

23 እከመ: እለ: ደባርከወ: ደወርከወ: ለወደር::
 ወእለክ: ደረግወወ: ደህረወ::

24 እጥፋ: በእግዚአብሔር: ደጸገዐ: ስረቲ: ለክብለ::
 ለዘይዲቆቶ: ፍፍፍ: ሌደፍደ::

25 እመደ: ወደቶ: ሌይደገግዐ::
 እከመ: እግዚአብሔር: ደክወቆ: እይሁ::

26 ወርዘወኩሂ: ወረሰእኩ::
 ወጸቸክ: ዘይተገደፍ: ሌርሌኩ::
 ወዘርኦ: ሌይደፍከ: እክለ::

27 ወኩሉ: ሌዲረ: ደቆክር: ወይሌቆክ::
 ወዘርኦ: ወከተ: በረከት: ደህሉ::

28 ተገሐክ: እጥእኩይ: ወግበር: ወሃደፍ::
 ወትጅብር: ለህለመ: ህለወ::

29 እከመ: ጸደቆ: ደሌቆር: እግዚአብሔር::
 ወሌይገደፍ: ለጸደቆፍ::
 ወለህለወ: ደህቆወ::

30 ወይተቆሌሉ: ለጸጸሐፍ::
 ወይህረ: ዘርሌሉ: ለንጥእፍ::

31 ወጸቸክ: ደወርከወ: ለወደር::
 ወይጅብር: ወከተ: ለህለመ: ህለወ::

32 ሌሪህ: ለጸደቆ: ደትግህር: ጥበበ::
 ወሌከ: ደጅብብ: ጸደቆ::

33 ወሐገ: እጥላኩ: ወከተ: ለወ::
 ወሌይደግዐ: ዘኩገህ::

34 ደከተጅይፍ: ንጥእ: ለጸደቆ::
 ወይዲቆቶ: ደቆተሉ::

35 ወሌይደግ: እግዚአብሔር: ወከተ: እይሁ::
 ወሌይመወላ: ሶበ: ደትጥቆህ::

36 ተህገሶ: ለእግዚአብሔር: ወዕቆብ: ፍፍፍ::
 ወደህሌደክ: ከመ: ትረከ: ለወደር::
 ወትራሌ: ከመ: ደህረወ: ንጥእፍ::

37 ርሌክወ: ለንጥእ: ህብደ: ወተለህለ: ከመ: ጸርዘ:
 ወሶበ: እገብእ: ንጠእክወ:: ሕህሉ::

38 ንሠሠኩ: ወሌረከብኩ: መከፍ::
 39 ዕቆብ: ደፍሃተ: ወትራሌ: ጸደቆ::

Οι δὲ ἔχθροι τοῦ κυρίου ἀμὲν τῶν Λοξοθηνῶν αὐτῶν καὶ ὁ
ἐκλείποντες ὡς κατὸν ἔξελιπον. (ψαθῆναι.)

Δαιρίζεται ὁ ἀμαρτωλὸς καὶ οὐκ ἀποτίσει.

ὁ δὲ δίκαιος οἰκτερίζει καὶ δίδωσιν.

Ὅτι εἰ ἐνλογούντες αὐτῶν κληρονομίᾳσιν γῆν·

εἰ δὲ καταρῶμενοι αὐτῶν, ἐξολοθρευθήσονται.

Γὰρ κυρίου τὰ δικάσματα ἀνθρώπων κατενθύνεται·

καὶ τὴν δόλῳ αὐτῶν θελήσει σφῶδρα.

Ὅταν πέσῃ ἐν καταραχθῆσεται.

ὅτι κυρίου ἀντισηρίζει χεῖρα αὐτοῦ.

Νεώτερος ἐγενόμην καὶ γὰρ ἐγήρασα·

καὶ οὐκ εἶλον δίκαιον ἐγκαταλελημμένον.

ὁ δὲ τὸ σῶμα αὐτοῦ ζητοῦμαι ἀρετῶν.

Ὅλην τὴν ἡμέραν ἐλεῖ καὶ δαιρίζει ὁ δίκαιος.

καὶ τὸ σῶμα αὐτοῦ εἰς ἐνλογίᾳσιν ἐστί.

Ἐκκλινόμενος ἀπὸ κακοῦ καὶ ποίνου ἀγαθῶν·

καὶ κατασκηνῶ εἰς αἰῶνα αἰῶνος.

Ὅτι κυρίου ἀγαπᾷ κρίσιν,

καὶ οὐκ ἐγκαταλείψῃ τοὺς δίκαιους αὐτῶν·

εἰς αἰῶνα φυλαχθήσονται.

Ἄνομοι δὲ ἐκλιωθήσονται.

καὶ σπέρμα αὐσῶν ἐξολοθρευθήσεται.

Δίκαιοι δὲ κληρονομήσουσιν γῆν·

καὶ καλοσκηνώσουσιν εἰς αἰῶνα αἰῶνος ἐπάντην.

Στομα δίκαιου μελεήσει σοφίαν·

καὶ ἡ γλῶσσά αὐτῶν λαλήσει κρίσιν.

Ὁ νόμος τοῦ θεοῦ αὐτῶν ἐν καρδίᾳ αὐτῶν·

καὶ οὐκ ἔσθωκε λίσσεται τὰ δικάσματα αὐτῶν.

Κατανοεῖ ὁ ἀμαρτωλὸς τὴν δίκαιον·

καὶ ζητεῖ τὸ θανατῶσαι αὐτοῦ.

Ὁ δὲ κυρίως δὲ μὴ ἐγκαταλείποι αὐτῶν εἰς ἡμέρας αὐτῶν
ὁ δὲ οὐκ ἐγκαταλείπει αὐτῶν ὅταν κρίνηται αὐτῶν.

Ἵπομεινωτὸν κυρίου καὶ φύλαξεν τὴν δόλῳ αὐτῶν·

καὶ νύφωσιν σε τῶν κατακληρονομήσουσιν γῆν·

ἐν τῶν ἐξολοθρευέσθαι ἀμαρτωλῶν ὅψιν.

Ἐίλωσιν τὰ σέβη ἡ περὶ φόνου καὶ ἐπαισόμενον ὡς ἡσέ·

καὶ παρῆλθεν καὶ ἰσὺν οὐκ ἦν. (λεον τῶν λιβάνων)

καὶ ἐθήσασιν αὐτῶν καὶ οὐκ ἐνεθήσθη ὁ τόπος αὐτῶν.

Φύλασσε ἀκακίαν καὶ ἰσὺν ἐν δυνάμει.

וְאֵיבֵי יְיָ בִּיקֶר כְּחַם בָּלֵי

בְּעֵשֶׂן בָּלוּ :

לְוַת רַשָׁע וְלֹא יִשְׁלֹם

וְצַדִּיק חֲנוּן וְנוֹתֵן :

כִּי מִבְּרֵכְיִי יִירָשׁוּ אֲרָץ

וּמִקְלָלֵי יוֹפְרָתוֹ :

כִּי יִהְיֶה מִצְעָדֵי נְבִיר כּוֹנֵן

וְדַרְכּוֹ יִדְפֹץ :

כִּי יִפֹּל לֹא יִשְׁלֵם

כִּי יִשֶׁם סוֹמֵךְ יָדוֹ :

צַעַר הַיְהוּדִים אֶם יִקְרָא

וְלֹא יִבְרָא יְצַדִּיק נְעוּב

וְזַעַר מִבְּקֶשׁ לְחַם :

בְּלִי הַיּוֹם חֲנוּן וּמִלֶּנֶה

וְזַעַר לְבָרֶכְיָה :

סוֹר מִרַע וְעֵשֶׂה טוֹב

וְשִׁכַן לְעוֹלָם

כִּי יִשֶׁ אֱהָב מִשְׁפָּט

וְלֹא יַעֲזוֹב אֶת הַסְּדֵי

לְעוֹלָם בְּשִׁפְרָה

וְזַעַר רַשָׁעִים נִכְרַת :

וְצַדִּיקִים יִרְשׁוּ אֲרָץ

וְיִשְׁכְּנוּ לְעַד עֲלֵיהָ :

כִּי צַדִּיק יִהְיֶה חֶכְמָה

וְלִשְׁנוֹ תִּדְבַר מִשְׁפָּט :

הַזֹּרֵת אֶל דְּוִי כָּל בֶּן

לֹא תִמְעַד אֲשֵׁרֵיוֹ :

צוּפָה רַשָׁע לְצַדִּיק

וּמִבְּקֶשׁ לְבִמִיתוֹ :

יִהְיֶה לֹא יַעֲזוֹבֵנו בְּיָדוֹ

וְלֹא יִרְשִׁיעֵנו בְּהַשְׁפָּטוֹ

קָה אֶל יְיָ וְשִׁמְרֵה רֶכֶּוֹ

וְיִרְוִמְמֵה לְרֵשֶׁת אֲרָץ

בְּבִרְתֵי רַשָׁעִים תִּרְאֶה :

כִּי יִתִּי רַשָׁע עֲרִץ וּמִתְעַרָּה בְּאוֹרֵי רַעְיָן :

וְיַעֲבֹר וְהִפָּה אֵינֵנו

וְאִבְקֵשׁהוּ וְלֹא נִמְצָא :

שָׁמֵר תָּם וְרָאָה יִשְׁרָאֵל

Vertical text in the left margin, likely a commentary or index, containing various Greek letters and symbols.

Quia dixi nequē sup̄ gaudeam mihi inimici mei:
 & dū cōmouētur pedes mei: sup̄ me magna lo
 Qm̄ ego in flagella parat⁹ sum: (quati sunt:
 & dolor meus in conspectu meo semper.
 Quoniā iniquitatem meam annunciao:
 & cogitabo pro peccato meo.
 Inimici aut̄ mei uiuūt & cōfirmati sūt sup̄ me:
 & multiplicati sunt qui oderunt me iniquē.
 Qui retribuūt mala p̄ bonis:
 detrahebāt mihi qm̄ sequebar bonitatem?

(a me,

Ne derelinquas me dñe de⁹ me⁹: ne discesseris
 Intēde in adiutoriū meū dñe: de⁹ salutis meae.

In fine p̄ idichū canticū Dauid. XXXVIII.

Idi custodiā uias meas: ut nō delinquā in
 d Posui ori meo custodiā: (lingua mea

cūm confisteret peccator aduersum me.

Obmutui & humiliatus sum:

& silui a bonis:

& dolor meus renouatus est.

Concaluit cor meum intra me:

& in meditatione mea exardescet ignis.

Locut⁹ sum in lingua mea: notū fac mihi dñe

Et numerū dierū meorū quis est: (finem meū.

ut sciam quid desit mihi.

Ecce mensurabiles posuisti dies meos:

& substantia mea tanq̄ nihilum ante te.

Verūtamē uniuersa uanitas oīs homo trīuēs.

Veruntamē in imagine pertransit homo:

sed & frustra conturbatur.

Thefauriscat: & ignorat cui congregabit ea?

Et nunc que est expectatio mea nōne domin⁹:

& substantia mea apud te est.

Ab omnibus iniquitatibus meis erite me:

opprobrium insipienti dedisti me.

Obmutui & non aperui os meum

quoniam tu fecisti:

amoue a me plagas tuas:

A fortitudine manus tuæ ego defeci:

17 ለከመ: ለቤ: ለትረከዎ: ለላት: ጸላለዎ::
 ወለመ: ጸላለዎ: ለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

18 ለከመ: ለተከ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

19 ወለመ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

20 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

21 ለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

22 ለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

1 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

2 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

3 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

4 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

5 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

6 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

7 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

8 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

9 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

10 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

11 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

12 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

13 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

14 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:
 ወለከመ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ: ጸላለዎ:

Ὅτι εἶπα μίσητε ἐπιχαιρώσι μοι οἱ ἐχθροί μου·
 καὶ ἐμὴν τῶν σαλευθῆναι πόδας μου ἐπεὶ με ἐμεγαλοῦσεν ἡ μοῖρα·
 Ὅτι ἐγὼ εἰς μάστιγας εἶμιμος· (1ησζμ.)
 καὶ ἡ ἀλγὴ μου καὶ ἐμὴν τῶν μου ἐσὶν ἀδικημάτων μου·
 Ὅτι τὴν ἀνομίαν μου ἐγὼ ἀναγγελάω·
 καὶ μεμνησώμενος ὑπέστης τῆς ἀμαρτίας μου·
 οἱ δὲ ἐχθροί μου ζῶσι καὶ κεκραταίωσιν ὑπέστης ἐμὴν·
 καὶ ἐπληθύνθησαν οἱ μισοῦντές με ἀδικῶς·
 οἱ ἀνταποδιδόντες μοι κακὰ ἀντὶ ἀγαθῶν μου·
 ἐνλίβεθαι με ἐτὶ κατεδίωκον ἀγαθῶν μου·

Μὴ ἐγκαταλίπῃς με κύριε ὁ θεός μου· μὴ ἀποστῆς ἀπ' ἐμοῦ·
 πρόσχες εἰς τὴν βοήθειάν μου καὶ ἐκ τῆς σωτηρίας μου· (μζ)
 εἰς τέλος τῶν ἡμερῶν μου ὡς τὴν ἀδικίαν μου·
 ἵνα φυλάξῃς τὰς ὁδούς μου· τὸ μὴ ἀμαρτάνω με
 ἐθέμην ἡσώματι μου φυλάκην· (ἐν γλώσσῃ μου·)

ἐμὴν τῶν σουσῆναι τῶν ἀμαρτημάτων ἐναντίον μου·
 Ἐκωφώθη καὶ ἐταπείνωθη·
 καὶ ἐοίγησά ἐξ ἀγαθῶν μου·
 καὶ τὸ ἀλγὴν μου ἀνεκαίνισθαι·
 Ἐδεδμάνθη ἡ καρδία μου ἐντός μου·
 καὶ ἐμὴν τὴν μελέτην μου ἐκκαυνθήσεται πῦρ·
 Ἐλάλησά ἐμὴν γλώσσῃ μου· γνώρισόν μοι τὸ πέρας μου·
 καὶ τὸ ἀξιόμορον τῆς ἡμέρας μου τίς ἐσὶν·
 ἵνα γινώσκῃς τὸ ὑπερῶν ἐγὼ·
 Ἰλου παλαιάσθησαν τὰς ἡμέρας μου·
 καὶ ἡ ὑπόστασις μου ὡσεὶ οὐθεμὴν ἐμὴν τῶν μου·
 Πληρὰ τὰ σὺμπαντα μαλακίης πᾶς ἀνθρώπου ζῶντος·
 ἐμὴν τῶν ἐμὴν εἰκόνι ἀδικημάτων μου ἐνέεται ἀνθρώπου·
 πλὴν ματὴρ ἰατρῶν ἐσθλαί·
 Ὁσάκις ζῆλον καὶ γινώσκῃς ἵν' ἰσχυρῶς ἀντά·
 καὶ ὑπὸ τῆς ὑπόστασίν μου οὐχὶ κύριος·
 καὶ ἡ ὑπόστασις μου πᾶσα ἐσὶν ἐμὴν·
 ἀπὸ πᾶσων τῶν ἀνομιῶν μου ἐνδοξάμην·
 ὅτι οὐκ ἀφρονεῖς ἐλπίσας με·
 Ἐκωφώθη καὶ οὐκ ἠνοίξα τὸ σῶμα μου·
 ὅτι οὐκ ἐδοκίμασας·
 ἀποστῆσον ἀπ' ἐμοῦ ἵνα μὴ μάστιγας εἶμιμος·
 ἀπὸ γὰρ τῆς ἰσχύος τῆς χειρὸς σου, ἐγὼ ἐξέλιπον·

כִּי אָמַרְתִּי פֶן-יִשְׁמְחוּ-לִי
 בְּמִוֹט רַגְלִי עַל-הַדְּיָלוֹת
 כִּי-אֲנִי לְצַלַּע פִּכּוֹן
 וּמִכְאוּבוֹ נִגְדִי תִמְדֹד
 כִּי-עֲוֹנוֹ אֶתֵּד
 אֲדַאֵם מִחַטָּאתַי
 וְאִיבֵי חַיִּים עֲצַמוּ
 וּרְבוּ שִׁנְאֵי שִׁקְרִי
 וּמִשְׁלֵמֵי רַעַת תַּחַת טוֹבָה
 יִשְׁטַנּוּנֵי תַחַת הַדִּיקֵי טוֹב

אֶל-תַּעֲזֹבֵנִי יְיָ אֱלֹהֵי אֵל תִּרְחַק מִמֶּנִּי
 חוֹשֶׁה לְעֵזְרִי אֲדֹנָי תִּשְׁוַעֲתֵי
 לְמַנְצֵה לְיַחְזִקוֹן מִמּוֹד לְדוֹד
 מִרְתִּי אֲשַׁמְרֶה דְרָכֵי מַחְסוֹא
 אֲשַׁמְרֶה לִפְנֵי מַחְסוֹם (בְּלִשׁוֹנִי)

בְּעַד רִשְׁעֵי לִבִּי
 בְּאֲלֻמֹּתַי דוֹמִית
 הַחַשְׁתִּי מִטוֹב
 וּמִכְאוּבוֹ נִגְדִי
 חֶסֶד לִפְנֵי בְּקִרְבִי
 בְּחַגְגֵי תִכְעַר אֲשֶׁר
 דְּבַרְתִּי בְּלִשׁוֹנִי הַדִּיקֵנִי יְיָ קִצְי
 וּמִדַּת רַמִּי מִה־הָיָא
 אֲרַעַת מִה־דָּלַל אֲנִי
 חֶסֶד טַפְחוֹת נִתְחַתַּם
 וְדָלַל בְּאֵזֶן נִתְחַתַּם
 אֲנִי כֹל-הַכֹּהֵל כֹּל-אָדָם נִצְבֵּן סִלְיָה
 אֲנִי כֹל-בְּצֵלִים יִתְחַלַּק אִישׁ
 אֲנִי הַכֹּהֵל יִדְמִין
 יִצְבֹּר וְלֹא יִרְעַם מִי-אֲסַפֵּם
 יַעֲתֶה מִה־קוֹרֵתִי יְהוָה
 תוֹחַלְתִּי לֹךְ הָיָא
 מִכֹּל פִּשְׁעֵי הַצִּלְוִי
 חֶרְפַת נֶכֶל אֶל-תִּשְׁיַמְנֵי
 בְּאֲלֻמֹּתַי לֹא-אֶפְתַּח פִּי
 כִּי-אֶתְּהַעֲשִׂיתִי
 הִסַר מֵעַלִּי נִגְעַךְ
 מִתְחַרַּת יִדָּה אֲנִי כֹל-יָתִי

in increpatōib⁹ ppter iniquitatē corripuisti hoīem:
 Et tabescere fecisti sicut araneā animam eius:
 ueruntamē uane conturbatur omnis homo.
 Exaudi orationē meā dñe: & deprecationē meā.
 aurib⁹ percipe lachrymas meas. Ne fileas
 quoniam aduena ego sum apud te:
 & peregrinus sicut omnes patres mei.
 Remitte mihi ut refrigerer:
 priusquam abeam & amplius non ero.
 In finem Psalmus Dauid. XXXIX.
 Xpectans expectaui dominum:
 & intendit mihi.
 Et exaudiuit preces meas:
 & eduxit me de lacu miseriæ:
 & de luto fecis.
 Et statuit supra petram pedes meos:
 & direxit gressus meos.
 Et immisit in os meum canticum nouum:
 carmen deo nostro.
 Videbunt multi & timebunt:
 & sperabunt in domino.
 Beatus uir cuius est nomē dñi spes eius:
 & nō respexit in uanitates & infanias falsas.
 Multa fecisti tu dñe deus meus mirabilia tua:
 & cogitationib⁹ tuis nō est qui similis sit tibi.
 Annūciaui & locut⁹ sum multiplicati sūt sup
 Sacrificiū & oblationē noluisti: (numerum
 aures autem perfecisti mihi.
 Holocaustum & pro peccato non postulasti:
 tunc dixi ecce uenio.
 In capite libri scriptum est de me:
 ut facerem uoluntatē tuam: deus meus uolui:
 & legem tuam in medio cordis mei.
 Annūciaui iusticiam tuam in ecclesia magna:
 ecce labia mea non prohibebo:
 domine tu scisti. Iusticiam tuam
 non abscondi in corde meo: ueritatem tuam
 & salutare tuum dixi. (consilio multo.
 Nō abscondi misericordiā tuā & ueritatē tuā: a

n t 7 u i x h : n l z t : u m a t : t h a q h : a h n
 14 o s n o h : h s o : h l t : a s q t : : u l a : :
 o q h t : h z t : e t u o n : h a : h n l a : :
 15 h o u i z : l 7 h l a : x l t p : o h l a t p : :
 o k x o u i z : k z n o p : 16 o l t x o s o z : :
 l h o : l a h l : a s : o h t : o p e r : :
 o s 7 e : h s o : h a : a n e p : :
 17 h h t z : h s o : a b c f : :
 h l z n a : l h c : t n : l e 7 n l a : :
 f x o : o h s o c : h e p e t : :
 1 o u e t h : o t h n o : a l 7 h l a n h c : :
 h o u i z : o t o p m i z : :
 2 o h o u i z : o l a : l a l a t p : :
 o k o t a z : l o v h o t : h c t o s : :
 o l o x n e c : a o u o : :
 3 o k o t z : o h t : h h : a l 7 l p : :
 o k z n z : a s o h e p : :
 4 o o e p : o h t : a e p : h n h t : h e h : :
 h n h t u : a l o a n z : :
 5 e c l a p : n h z z : o e f c u : :
 o l t e h a : n l 7 h l a n h c : :
 6 n o u : n l a : h h o : l 7 h l a n h c : t o h o t : :
 o h l s x z : o h t : h z t : o h t : o u i t : o h h t : :
 7 n h z : n o c h : l 7 h l a : l o a n p : o z n l n : :
 o k o r : h e s o h a : a h l a s h : :
 8 a e l l a n : o s 7 e n : o n h z : l o t o t : :
 9 o m u o t : o o c o z : a l o p e r : :
 a o h : a z x h : a t : :
 10 o m u o t : h n l z t : u m a t : a w o c n : :
 o l t : z h : a n : s p : o x l n : :
 11 o h t : c l a h : o x h o t : t x h l a : n l z t a p : :
 h s o : l z 7 e : l o p e h : o h c n : a o a n p : :
 o h 7 n z : n o l a n a : h c m p : :
 12 h s o n : x e p h : a s o o n z : v n l e : :
 o s u : a h o a h n : o t o e p : :
 l 7 h l a : a l a n : t a o c : 13 x e p p : :
 o l u o l a n : o h t : a n p : e u l e n : :
 o s 7 e n : a e z s t h : : p n l e : :
 14 o l h o c n : u i u a n : o o h z t h : l o h n c : v

In hoc cognoui quoniam noluisti me
quonia non gaudebit inimicus meus super me
Me autem propter innocentiam suscepisti
& confirmasti me in conspectu tuo in aeternum
Benedictus dominus deus israel
a seculo & usque in seculum fiat fiat.

In fine intellectus filius chore Psalmus. XLI.

Vēadmodū defyderat ceruus ad fōtes
Quia defyderat anima mea ad te deus. (quarum
Sitiuit animam meam ad deum fontem uiuum
quando ueniā & apparebo ante faciem dei
Fuerunt mihi lachryme meae panes die ac nocte
dum dicitur mihi quotidie ubi est deus tuus
Haec recordatur sum & effudi in me animam meam
quoniam transibo in locum tabernaculi admi-
rabilis usque ad domum dei.

In uoce exultationis & confessionis: sonus epulantis.

Quare tristis es anima mea: & quare conturbas me.

Spera in deo quonia adhuc confitebor illi:

salutare uultus mei & deus meus.

Ad me ipsum anima mea conturbata est:

propterea memor ero tui: (co-

de terra iordanis & hermonim a monte modis

Abyssus abyssum uocat: in uoce charactarum tuarum.

Ora excelsa tua & fluctus tui: super me transierunt.

In die mandauit dominus misericordiam suam: &

nocte canticum eius.

Apud me oratio deo uitae meae:

dicam deo susceptor meus es tu.

Quare oblitus es mei: & quare contristatus incedo:
dum affligit me inimicus.

Dum confringuntur ossa mea (mei)

exprobrauerunt mihi: qui tribulant me inimici

Dum dicunt mihi per singulos dies ubi est deus tuus:

quare tristis es anima mea & quare conturbas me.

Spera in deo quoniam adhuc confitebor illi:

salutare uultus mei & deus meus.

Psalmus David. XLII.

1. Vdica me deus & discerne causam meam:

12. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo
O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

13. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

14. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

1. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

2. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

3. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

4. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

5. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

6. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

7. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

8. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

9. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

10. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

11. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

12. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

13. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

14. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

15. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

16. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

17. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

18. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

19. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

20. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

21. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

22. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

23. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

24. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

25. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

26. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

27. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

28. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

29. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

30. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

31. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

32. O non latet in conspectu tuo: in conspectu tuo

ἐν τούτῳ ἐγνώμ' ὅτι τεθέληκός με·
 ὅτι οὐ μὴ ἐπιχαρῆ ὁ ἐχθρὸς μου ἐπ' ἐμέ·
 Ἐμοῦ δὲ Δία τῆρ' ἀκακίαν ἀντελάβον·
 καὶ ἐβελίωσάς με ἐνώπιόν σου εἰς τὸν αἰῶνα·
 Ἐν λογιῶσι κύριος ὁ θεὸς Ἰσραὴλ·
 ἀπὸ τῶν αἰῶνος καὶ εἰς τὴν αἰῶνα, γένοιτο γένοιτο·
 εἰς τὸ τέλος εἰς σύνεσιν τοῖς υἱοῖς κορέψαμιός· **μὰ**
Νηρόπου ἐπιποθεῖ ἢ ἐλάφ' ἐπὶ ἴσας τῆρας τῶν υἱῶν·
 οὕτως ἐπιποθεῖ ἢ ψυχὴ μου πρὸς σέ ὁ θεός·
 Ἐλίψασθ' ἡ ψυχὴ μου πρὸς τὸν θεόν ἵνα ἰσχυροῦ τὸν ζῶντα
 πότε ἤξω καὶ ὀφθῆσομαι τῷ προσώπῳ τῷ θεῷ·
 Ἐγενήθη τὰ δάκρυά μου ἐμὲ ἄσπετος ἡμέρας καὶ νυκτὸς·
 ἐν τῷ λέγεσθαί μοι καθ' ἑκάστην ἡμέραν, πῶς εἰμι ὁ θεός σου·
 ταῦτα ἐμνήσθην καὶ ἐξέχεα ἐπ' ἐμέ τῆρ' ψυχῆ μου·
 ὅτι λιελευσομαι ἐν τῷ ὄρει σκηνῆς θανάτου ἕως τῷ οἴκῳ
 τῷ θεοῦ·
 Ἐμφωνῶ ἀγαλλίασός μου καὶ ἐξομολογήσεώς ἡχος ἐσοθά ζωντος
 ἵνα ἴδῃ περὶ λυπῆς ἡ ψυχὴ μου καὶ ἵνα ἴδῃ συνταράσσος με·
 Ἐλπίσω ἐπὶ τῷ θεῷ ὅτι ἐξομολογήσομαι ἀντὶ τῶ·
 σωτηρίου τῷ προσώπῳ μου καὶ ὁ θεός μου·
 πρὸς ἐμάντην ἡ ψυχὴ μου ἐταράχθη·
 Δία τοῦρ' μνησθήσομαι σου·
 ἐκ γῆς Ἰσραὴλ καὶ ἐμοι εἶμι ἀπὸ ὄρεος μικροῦ·
 Ἄβυσσος ἄβυσσος ἐπικαλεῖται ἄς φωνῆ τ' καταράσσος σου·
 πάντες οἱ μετρωσίμοί σου καὶ τὰ κύματα σου, ἕπε μὲ Διὸς·
 ἡμέρας ἔρτε λείτῃ κύριος ὁ θεός σου καὶ νυκτὸς ὡς ἴδῃ
 ἀντὶ
 πάρεμοι· προσεῦχ' ἡ τῶ θεῷ τῆς ζωῆς μου·
 ἐπὶ τῷ θεῷ ἀντίληψίω μου εἶ·
 Δία ἴδῃ με ἐπέλαθς, καὶ ἵνα ἴδῃ σκυθροπάζω μου πορεύωμαι·
 ἐν τῷ ἐκθλίβω τὸν ἐχθρὸν·
 ἐν τῷ καταθλάσθαι τὰ ὄσα μου,
 ὡς εἶμι τὸν με οἰχθροῖ μου· **(σος)**
 ἐν τῷ λέγειν ἀντὶς μοι καθ' ἑκάστην ἡμέραν, πῶς εἰμι ὁ θεός σου
 ἵνα ἴδῃ περὶ λυπῆς ἡ ψυχὴ μου καὶ ἵνα ἴδῃ συνταράσσος με
 Ἐλπίσω ἐπὶ τῷ θεῷ, ὅτι ἐξομολογήσομαι ἀντὶ τῶ
 σωτηρίου τῷ προσώπῳ μου καὶ ὁ θεός μου·
 Υαλίως τῷ Δαβὶδ ἀνεπίγραφος παρ' ἐβραίοις· **μβ'**
κ Ρῖνον μοι ὁ θεός, καὶ Δία σου τῆρ' Δία μου,

כִּזְמוֹתַי כִּי חֲסַתְךָ כִּי
 כִּי לֹא יָדַע אֲבִי עָלַי
 וְאֲנִי בְּתַמִּי תִּמְכַּתְךָ כִּי
 וְתִצְיָכְנִי לְפָנֶיךָ לְעוֹלָם
 בְּהוֹרֵךְ יְיָ אֱלֹהֵי יִשְׂרָאֵל
 מִתְעוֹלָם וְעַד הָעוֹלָם אָמֵן וְאָמֵן
מב לְמַצְחַח מִשְׁכֵּל לְבִנְיָ קִרְח
 אֵיל תְּעַרְגַּ עַל אֲפִיקֵי מַיִם
 כִּן נַפְשִׁי תְעַרְגַּ אֵילֵיךָ אֱלֹהִים
 צְמָאָה נַפְשִׁי לְאֱלֹהִים לֹא אֵל הִי
 מִתִּי אֲבֹא וְאֶרְאֶה פְּנֵי אֱלֹהִים
 הַיּוֹתָה לִי וְדַמְעַת לֶחֶם וּמֶם וּלְיָהּ
 בְּאִמְרֵי אֱלֹהֵי כָל הַיּוֹם אֵיךָ אֱלֹהֵיךָ
 אֵלֶּה אֲזַכְּרָה וְאֲשַׁכַּח עָלַי נַפְשִׁי
 כִּי יִעָבֶר בְּפָנֶיךָ יְיָ
 עַד בֵּית אֱלֹהִים
 בְּקוֹל רִנָּה וְתוֹרָה תִּסְמַן חוֹנֵן
 מִהַ תִּשְׁלַח תִּחְתִּי נַפְשִׁי וְתַהֲמִי עָלַי
 הַחֲלִי לְאֱלֹהִים כִּי עוֹד אֲדַבֵּר
 וְשִׁעוֹת פָּנִי וְאֱלֹהֵי
 עָלַי נַפְשִׁי תִשְׁתַּחֲחַח
 עַל כִּן אֲזַכְּרָה
 מֵאֲרָץ יְהוּדָה וְחַרְמוֹנִים מִהַר מִצְעַר
 תְּהוֹם אֵל תְּהוֹם קוֹרָא לְקוֹל צְנוּרָה
 כָּל מִשְׁבְּרֵיךָ וְעַל יְדֵי עֲבָרֵי
 יוֹמָם יִצְוָה יְיָ וְיִתְּרוֹ
 וּבִלְיָה שִׁירָה
 עַמִּי תִפְלֶה אֵל חַי
 אֲמַרְהִי לֹא סִלְעִי
 לְמַה שֶׁכִּתְּנִי לְמַה קָדַר אֵילֵיךָ
 בְּלַחֲץ אֲנִי
 בְרַצָּח בְּאַצְמוֹתַי
 חַרְמוֹנֵי אֲרָרְךָ
 בְּאִמְרֵי אֱלֹהֵי כָל הַיּוֹם אֵיךָ אֱלֹהֵיךָ
 מִהַ תִּשְׁלַח תִּחְתִּי נַפְשִׁי וְתַהֲמִי עָלַי
 הַחֲלִי לְאֱלֹהִים כִּי עוֹד אֲדַבֵּר
 וְשִׁעוֹת פָּנִי וְאֱלֹהֵי
ש פָּסַנִי יְיָ לְדִים וְרִיבָה רִיבִי
 g ii)

de gente non sancta:
 ab homine iniquo & doloso erue me.
 Quia tu es de⁹ fortitudo mea:
 quare me repulisti & quare tristis incedo:
 dum affligit me inimicus.
 Emitte lucem tuam & ueritatem tuam:
 ipsa me deduxerunt & adduxerunt in montem sanctum
 & in tabernacula tua. (Etum tuum:
 Et introibo ad altare dei:
 ad deum qui legitimat iuuentutem meam.
 Confitebor tibi in cithara deus deus meus:
 quare tristis es anima mea & quare conturbas me.
 Spera in deo quoniam adhuc confitebor illi:
 salutare uultus mei & deus meus.

In fine p filijs chore ad intellectum. XLIII.

d Eus auribus nostris audiui mus:
 pres nri annunciau erunt nobis. (antiqs.
 Op⁹ quo l operat⁹ es in dieb⁹ eor⁹: & in dieb⁹
 Manus tua gētes disperdidit & plantasti eos:
 afflixisti populos & expulisti eos.
 Nec enim in gladio suo possederunt terram:
 & brachium eorum non saluauit eos.
 Sed dextera tua & brachiū tuū & illuminatio
 quoniā cōplacuiisti in eis. (uultus tui:
 Tu es ipse rex meus & deus meus:
 qui mandas salutes iacob.
 In te inimicos nostros uentilabimus cornu:
 & in noie tuo spernem⁹ insurgentes in nobis.
 Non enim in arcu meo sperabo:
 & gladius meus non saluabit me.
 Saluasti enim nos de affligentibus nos:
 & odientes nos confundisti.
 In deo laudabimur tota die:
 & in nomine tuo confitebimur in seculum:
 Nunc autem repulisti & confundisti nos:
 & non egredieris deus in uirtutibus nostris.
 Auertisti nos retrosum post inimicos nostros:
 & qui oderunt nos diripiebant sibi.
 Dedisti nos tanquam oues escarum:

λφθηηη: οθυζ: λφκρφ:
 λφθηηη: υαυ: οκρθθ: οαθζ:
 2 λησ: λζτ: λφθηη: οφρ:
 Αφζτ: τφρζ: οαφζτ: τηη: λζθ:
 θη: ρσρρζ: οαφ:
 3 λη: ηφρζ: οκρφ:
 λφθηη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 4 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 5 λη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 Αφζτ: τφρζ: οαφζτ: οαφζτ:
 6 λη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:

κρθ: ηρθ: φρθ:

1 υη ληηη: ηαυ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 2 ηηη: ηηηη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 3 ληη: ηηηη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 υηη, οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 4 ηηη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 5 ηηηηη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 ληηη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 6 ληη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 ηηηηη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 7 ηηη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 8 ηηη: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 9 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 10 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 11 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 12 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:
 13 οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ: οαφζτ:

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or translation, running vertically down the left side of the page.

ἔξ ἑσθνοῦ οὐχ ὀσίον •
ἀπὸ ἀνθρώπων ἀλίκου καὶ δουλοῦ ἐνδοίμε •
Ὅτι οὐ εἶ ὁ θεὸς κραταίωμα μου •
ἵνα τί ἀπόσω με, καὶ ἵνα τί σκυθραπάζωμ πορευόμενοι,
ἐν τῷ ἐκθλίβεϊν ἡμᾶς ἐχθροί •
ἔξ ἡμῶν ἡμῶν φῶς σου καὶ τὴν ἀλήθειάν σου •
ἀντὶ τοῦ ὅτι ἠγάπησάν ἡμᾶς καὶ ἡγάγησάν με εἰς ἄσπερον ἄγιόν σου •
καὶ εἰς τὰ σκηνώματα σου •
καὶ εἰσελεύσομαι πρὸς τὸ θυσιαστήριον τῶν θεῶν •
πρὸς τὸν θρόνον ἡμῶν ἐμφροίνοντα τὴν νεότητά μου •
ἔξ ἡμῶν ἡμῶν αἰσίου ἐν κίθαρα ὁ θεὸς ὁ θεός μου •
ἵνα ἵππεδὸν ἡμῶν εἰς ψυχὴν μου καὶ ἵνα ἵππεδὸν ἡμῶν συνταράσσεις με •
ἔλπισον ἐπὶ τὸν θεόν, οἱ ἐξ ἡμῶν ἡμῶν αἰσίου ἀντὶ τοῦ •
σωτηρίου τῶν προσώπων μου καὶ ὁ θεός μου
Εἰς τὸ τέλος τῶν ἡμερῶν μου εἰς συνέσιμ • • • • •
ὁ θεός ἐν τῶν ἡμερῶν ἡμῶν ἡμῶν αἰσίου •
οἱ πατέρες ἡμῶν ἀνήγαγον ἡμῶν •
ἔργον ὁ εἰς τὸν ἡμῶν ἡμῶν αἰσίου ἀντὶ τῶν ἡμερῶν ἡμῶν αἰσίου
ἡμῶν αἰσίου ἐξ ἡμῶν ἡμῶν αἰσίου καὶ κληρονομήσας ἀντὶ τοῦ •
ἐκείνων λαοῦ καὶ ἐξέβαλες ἀντὶ τοῦ
Ὁν γὰρ ἐν τῶν ἡμῶν αἰσίου ἀντὶ τῶν κληρονομήσας ἡμῶν •
καὶ ἐχθροῦ ἀντὶ τοῦ ἡμῶν αἰσίου ὁ θεός ἡμῶν αἰσίου
Ἀλλ' ἡμῶν αἰσίου καὶ ἐχθροῦ ἡμῶν αἰσίου ὁ θεός ἡμῶν αἰσίου τῶν προσώπων σου
ὅτι ἐν τῶν ἡμῶν αἰσίου ἀντὶ τοῦ •
Σὺ εἶ ἀντὶ τοῦ ἡμῶν αἰσίου καὶ ὁ θεός μου •
ὅ ἐν τῶν ἡμῶν αἰσίου τῶν προσώπων σου ἡμῶν αἰσίου •
Ἐν σοὶ τὸν ἡμῶν αἰσίου καὶ ἐξ ἡμῶν ἡμῶν αἰσίου τῶν προσώπων σου ἡμῶν αἰσίου •
καὶ ἐν τῶν ἡμῶν αἰσίου τῶν προσώπων σου ἡμῶν αἰσίου •
Ὁν γὰρ ἐπὶ τῶν ἡμῶν αἰσίου ἐλπῶ • • • • •
καὶ ἡμῶν αἰσίου τῶν προσώπων σου ἡμῶν αἰσίου •
ἔσωσας γὰρ ἡμῶν αἰσίου ἐκ τῶν ἐχθροῦ ἡμῶν αἰσίου •
καὶ τοὺς μισῶντας ἡμῶν αἰσίου κατήσχυνας •
Ἐν τῶν ἡμῶν αἰσίου ἐπαινεθήσεσθε ὅλην τὴν ἡμέραν •
καὶ ἐν τῶν ἡμῶν αἰσίου ἐξ ἡμῶν ἡμῶν αἰσίου τῶν προσώπων σου ἡμῶν αἰσίου •
Νυνὶ γὰρ ἀπόσω καὶ κατήσχυνας ἡμῶν αἰσίου •
καὶ ὁ θεός ἡμῶν αἰσίου ὁ θεός ἐν τῶν ἡμῶν αἰσίου τῶν προσώπων σου ἡμῶν αἰσίου •
Ἀπέσει τῶν ἡμῶν αἰσίου εἰς τὰ ὀπίσω παρὰ τοὺς ἐχθροῦ ἡμῶν αἰσίου •
καὶ οἱ μισῶντες ἡμῶν αἰσίου λιπέσονται ἀντὶ τοῦ •
Ἐλπίσας ἡμῶν αἰσίου ὡς πρὸς τὰ ἡμῶν αἰσίου •

מד

מגו לא תמיד
מאיש מרמה ועולה תפלטני
כי אתה אל די מעוני
למה ונתתני למה קדר אתה לך
בלחץ אויב
שלח אורך ואמתך
דמה יתחוני יביאני אל הר קדשך
ואל משכנותיך
ואבואה אל מזבח אלהים
אל אל שמחת גילי
ואורך בכבוד אלהים אלהי
מה תשחחתי נפשי ומה תהמי עלי
הוחילי לאלהים כי עוד אודנו
ישועות פני ואלהי
למנצח לבני קרה משכיל
לדים באזנינו שמענו
אבותנו ספרו לנו
פעל פעלת בימיהם בימי קדם
אתה ירך גוים הורשת ותטעם
תרע לאמים ותשלחם
כי לא בתרפם ירשו ארץ
והועם לא תושעה למו
כי ימנה והועה ואור פניך
כי רציתם
אתה הוא מלכי אלהים
צוה ישועות יעקב
בך צרינו נצח
בשמה גבוס קמינו
כי לא בקשת אבטח
וחרבי לא תושעני
כי תושיעתנו מצרינו
ומשנאנו הבישות
באלהים הללנו כל היום
ושמך לעולם נודה סלה
אף ונתת ותכלימנו
ולא תצא בצראותינו
תשיבנו אחור מני צר
ומשנאנו שסו למו
תתנו כצאן מאכל

καὶ ἐν τοῖς ἔθνεσι λιέσθησθε ἡμᾶς.
 Ἀπέλαξτε λαὸν οὐκ ἔγνωσεν ἡμῶν.
 καὶ οὐκ ἦν πλῆθος ἐν τοῖς ἀλλοτρίοις ἡμῶν.
 ἔθνος ἡμᾶς οὐδέ τις τοῖς γένεσιν ἡμῶν.
 μνηστεισθῆναι καὶ χλευασθῆναι τοῖς κύκλωσιν ἡμῶν.
 ἔθνος ἡμᾶς εἰς παρὰ βόλην ἐν τοῖς ἔθνεσι.
 κίνησον κεφαλῆς ἐν τοῖς λαοῖς.
 Ὅλην τὴν ἡμέραν ἢ ἑμπερὸν ἡμῶν κατενόησεν ἡμεῖς.
 καὶ ἡ αἰσχρὴ τὸ πρὸς ὡς μετέκλυψέ με.
 Ἀπὸ φωνῆς οὐδέ τις ἰδὼν κατὰ λαλῶντος.
 ἀπὸ πρὸς ὡς ἐχέθην καὶ ἐκλιώκοντος.
 Ταῦτα πάντα ἤλθεν ἐφ' ἡμᾶς καὶ οὐκ ἐπελαθόμεθα ὅς
 καὶ οὐκ ἠελίχισαμεν ἐν τῇ λιανθῆσθαι ὅς.
 καὶ οὐκ ἀπέσκηψεν τὰ ὀπίσθην καὶ ἐλίσσῃ ἡμῶν.
 καὶ ἐξέκλινας τὰς τρίβους ἡμῶν ἀπὸ τῆς ὁδοῦ ὅς.
 Ὅτι ἐταπείνωσας ἡμᾶς ἐν τῷ πᾶσι κακώσεως.
 καὶ ἐπεκάλυψεν ἡμᾶς οὐκ ἔσθλα θανάτου.
 εἰ ἐπελαθόμεθα τὸ ὄνομα τῶν θεῶν ἡμῶν.
 καὶ εἰ λιπελάσαμεν χεῖρας ἡμῶν πρὸς θεοῦ ἀλλώτριου.
 Οὐχὶ ὁ θεὸς ἐκζητῆσαι ταῦτα,
 ἀντὶς γὰρ γινώσκῃ τὰ κρύφια τῆς καρδίας.
 Ὅτι ἐνεκά ὅς θανατῶμεθα ὅλην τὴν ἡμέραν.
 ἐλογίσθημεν ὡς πρὸς βλάστησιν σαφῆς.
 Ἐξεγέρθητι ἵνα τί νῦν τοῖς κύριε.
 ἀνάστηθι καὶ μὴ ἀποώσῃ εἰς τέλος.
 ἵνα τί τὸ πρὸς ὡς ὅς ἀποσερέψῃ.
 ἐπίλανθῆσθαι τῆς πτωχείας ἡμῶν καὶ τῆς θλίψεως ἡμῶν.
 Ὅτι ἐταπείνωσθαι εἰς χεῖρ ἢ ψυχὴ ἡμῶν.
 ἐκὼ λήσθαι εἰς γῆν ἢ γὰρ ἡμῶν.
 Ἀνάστα κύριε βοήθησον ἡμῖν.
 καὶ λύθησθε ἡμᾶς ἐνεκεν τῶ ὀνόματός σου.
 εἰς τὸ τέλος ὡς τὰ ἀλλοιωθῆσθαι τοῖς νόμοις Κορῆ εἰς
 οὐνεσιμ ὡς ἡν ὑπὲρ τῶ ἀγαπῆσθαι. μολ
 Ἐνεκῆσθαι τὸν καρδία μου λόγον ἀγαθόν.
 λέγω ἐγὼ τὰ ἔργα μου βασιλεῖ.
 Ἡ γλώσσα μου κάλαμος γεραμμάτωσθαι οὐκ ἔγραψον.
 Ὡς αἰὲς κάλλει παρὰ τοῖς υἱοῖς ἰσὺν ἀνθρώπων.
 ἐξεχύθη ἡ χάρις ἐν χεῖλεσί σου.
 ἵνα ἰσὺν ἐν λόγῳ σε ὁ θεὸς εἰς τὸν αἰῶνα.

וְבָגַדְתִּים וְרִתְּנוּ
 תָּמַכְרָעָם בְּלֹא-הֶיְהוּ
 וְלֹא-יִדְבְּקוּ בְּמַחֲרֵיהֶם
 תִּשְׁמַנְךָ חֲרֻפָּה לְשִׁבְנֵינוּ
 לְעַג וְקִלְס לְסִבִּיבוֹתֵינוּ
 תִּשְׁמַנְךָ מִשֵּׁל בָּגָדִים
 מִנְרָאשׁ בְּלֹא-אֵמִים
 כָּל-הַיּוֹם בְּלִמְתִּי נִגְרָה
 וּבִשְׁתִּי פָנִי כִסְתָנִי
 מִקוֹל מַחֲרָף וּמִגִּדְף
 מִפָּנֵי אוֹיְבֵי מַתְנַקִּים
 כָּל-זֹאת בְּאַחֲנוּ הִיא שְׂכָחְנוּךָ
 וְלֹא שָׁקַרְנוּ בְּבִרְיֹתְךָ
 לֹא-נִסְתָּר אַחֲוֹר לְבָנוּ
 וְתַמֵּ אֲשׁוּרְנוּ מִפִּי אֲדָחֶךָ
 כִּי דִבַּרְתָּנוּ בְּמַקוֹם תַּחֲנִים
 וְתַבַּסְתָּ עָלֵינוּ כְּצִלְמוֹת
 אִם-שְׂכָחְנוּ שֵׁם אֱלֹהֵינוּ
 וְנִפְרַשׁ כִּפְיֵנוּ לְאֵל-יָרֵךְ
 הִיא אֲדֹרִים יִתְקַר-זֹאת
 כִּי-הוּא יִדַע תַּעֲלִמַת לֵב
 כִּי-עֵלְיוֹךָ הוֹרֵגְנוּ כָּל-הַיּוֹם
 נִחַשְׁנוּ כַּצֶּאֱן מִבְּחָה
 עֲרַה לְמַה תִּישֵׁן אֲדָנִי
 הִקִּיצָה אֵל-תִּתְנַח לְנִצָּח
 לְמַה פָּנִיךָ תִּסְתַּר
 תִּשְׂכַּח עֵינֵינוּ וְלֹא-חֲצִינוּ
 כִּי שָׁחָה לְעַפְרָה נִבְשָׁנוּ
 דִּבַּרְתָּ לְאַרְץ בְּטַבְּנוּ
 קוֹמָה עֲזַרְתָּה לְבָנוּ
 וּפְרִינוּ לְמַעַן חֲסִדְךָ

לְמַנְצַח עַל-שְׁשָׁנִים לְבָנֵי קַרְיָה
 מִשְׁכִּיל שִׁיר יְהוֹדוֹת
 חֵשׁ לְבִי דְבַר טוֹב
 אָמַר אֲנִי מַעֲשֵׂי לְפִלְךָ
 לִשְׁוִי עַם סוֹפֵר מִהִיר
 יִבְנֶת מִבְּנֵי אָדָם
 הַעֲזַק חֵן בְּשִׁפְתוֹתֶיךָ
 עַל-כֵּן בִּרְכֵךְ אֱלֹהִים לְעוֹלָם

Περιζώσαι ἡν ῥομφαίᾳ ο, ἐπὶ ἡμῶν ο ΛΥΝΑΤΕ.
 Τῆ ὠραϊότητι σου καὶ τῶ κάλλει σου.
 καὶ ἐντεινῆ κὶ κατενολοῦν κὶ βασιλένε.
 Ἐνεκεν ἀληθείας κὶ πρᾶξιότητος κὶ δικαιοσύνης.
 καὶ ὁδηγήσει σε θανμασῶν ἡ λεξία σου.
 Τὰ βέλη σου ἠκονημένα λυνατέ.
 λαοὶ ὑπὸ κάτω σου πεσόνται.
 ἐν καρδίᾳ τῶν ἐχθρῶν τῶ βασιλέως.
 Ὁ θεοὺς σου ὁ θεὸς εἰς ἡμῶν αἰῶνα τῶ αἰῶνος.
 ἑάβλος ἐν θύτητος, ἡ ἑάβλος ἡν βασιλείας σου.
 Ἠγάπησας δικαιοσύνην καὶ ἐμίσησας ἀνομίαν.
 Λιάτῳ ἔχεισέ σε ὁ θεὸς ὁ θεὸς σου,
 ἔλαιμ ἀγαλλιάσεως πρὸς τοὺς μετόχους σου.
 Σμύνα καὶ σακτὴ κὶ κασιὰ ἀπὸ τῶν ἰματίων σου.
 ἀπὸ ἐχθρῶν ἔλεφαντίνων ἐξώμ ἐν φρονίμ σου.
 θυγατέρες βασιλέων ἐν τῆ ἡμῶν σου.
 Παρέση ἡ βασιλίσσα ἐκ λεξιῶν σου.
 ἐν ἰματισμῶ διαχρύσω, περιβεβλημένη πεποικιλμένη
 ἄκασον θυγατέρες κὶ ἡλε, κὶ κλίην τοῦ σου.
 κὶ ἐπιλάθῃ τῶ λαῶ σου κὶ τῶ οἴκῳ τῶ πατρῶος σου.
 καὶ ἐπιθυσμησὲ ὁ βασιλεὺς τῶ κάλλους σου.
 οὐτὶ αὐτὸς ἐστὶ κέντρῳ σου.
 κὶ πεσοκυνήσῃ αὐτῶ. Καὶ θυγαῆς ἡν ἐν δώροις.
 το πρῶτον σου λιτανένουσι οἱ πλοῖοι τῶ λαῶ.
 Γάσῃ ἡ δόξα ἡν θυγαῆς τῶ βασιλέως ἐσωδερ.
 ἐν κροσσῶσι χερσῶν περιβεβλημένη πωποικιλμένη.
 ἀπενεχθήσονται τῶ βασιλεὶ παρθενοὶ ὀπίσω αὐτῆς.
 αὐτῶ πλοῖον αὐτῆς ἀπενεχθήσονται σοι.
 ἀπενεχθήσονται ἐν ἐνφροσύνη κὶ ἀγαλλιάσει.
 ἀχθήσονται εἰς ναὸν βασιλέως.
 Ἀντὶ τῶν πλοῶν σου ἐγενήσασιν υἱοὶ σου.
 κατασχεῖς αὐτῶ ἀρχοντας ἐπὶ πᾶσαν τῆν γῆν.
 Μνησθήσονται τῶ ὀνοματῶ σου ἐν πάσῃ γενεᾷ κὶ γενεᾷ.
 Διὰ τῶ λαοὶ ἐξομολογήσονται σοι
 εἰς ἡμῶν αἰῶνα, κὶ εἰς ἡμῶν αἰῶνα τῶ αἰῶνος.
 Εἰς ἡμῶν ἡν ἔπῃ καὶ ἡν ἔπῃ κενφίωρ ἡν μέ
 θεὸς ἡμῶν καὶ ἀφῆν καὶ λύνναμις.
 ὁ θεὸς ἐν ἡμῶν εἰς ταῖς ἐνδύσεσιν ἡμῶν ἐφέλα.
 Διὰ τῶ ὄν φοβηθῶσιν ἐν τῶ ταράσσεσθαι τῆν γῆν.

תגור חרבה על יבנה גפני
 הודך והרבה :
 והרבה על חרכב
 על דבר אמת וענה צדק
 ותורה נוראות ימינה :
 חציו שנונים
 עמים תחתיה יפלו
 בלב אבי המלך :
 בסאת ארזים עולם ועד
 ישבט מישור ישבט מלכותך :
 אהבת צדקת שגא רשע
 על כן משחק ארזים אל דרך
 שגן ששון מחברך :
 מר ואהלות קציעות כל בגדותיה
 מן היכלי שגן מגן שמחוקך :
 בנות מלכים ביקרותך
 נצבה שגל לימינה
 בכתם אופיר :
 שמע יבת וראי הושי אונך
 ושכחי עמך ובית אבך :
 ותאו המלך יפיק
 כי הוא אדונך
 והשתחו לך : ובת צר במנחה
 פניך יחלו עשרי עם :
 כל כבודה בת מלך פנימה
 מששצות וחב לבושה :
 לרקמות תוכל למלך בתולות אחריה
 רעותיה טובאות לך :
 תוכלנה בשמחות וגיל
 תבאנה פה כל מלך :
 תחת אבטיה יהיו בנותך
 תשתמו לשרים בכל הארץ :
 אוקירה שמה בכל דור ודור
 על כן עמים יהודוך
 לעולם ועד :
 למנצח לבני קרח על עלמות שיכ :
 לדים לנו מתה ועו
 עזרה בצרות נמצא מאד :
 על כן לא נירא בהמיר מאד :

καὶ μετατίθεσθε ἑμὴ ἐν κερταίοις ἑθλοσῶν.
 ἤκουσθε καὶ ἐταράχθησθε τὰ ἔθνη ἀντῶν.
 ἐταράχθησθε τὰ ἔθνη ἐν τῇ κερταϊοῦντι ἀντῶ.
 τὸν ποταμὸν τὰ ὄρηματα ἐνφραίνοντι τὴν πόλιν Ἰσθῶ.
 ἠγάσθη τὸ σκῆνωμα ἀντῶ ὄν φισος.
 Ὁ θεὸς ἐν μέσῳ ἀντῶν καὶ ὄν σαλευθήσεται.
 ἐκθῆσεται ἀντῆ ὁ θεὸς πρὸς πρῶτῃ πρῶτῃ.
 ἐταράχθησθε ἔθνη, ἐκλίνασθε κραιλέϊαι.
 ἔλασθε φωνῆ ἀντῶ ὄν φισος, ἐσαλευθήνη γῆ.
 Κύριος τῶν ἑθλῶν μεθῆμῶν.
 ἀντιλήπτορ ἡμῶν ὁ θεὸς ἰακῶβ.
 Δεῦτε καὶ ἴλετε τὰ ἔργα τοῦ θεῶ.
 ἃ ἔθετο τέρατα ἐπὶ τῆς γῆς.
 ἀνταναιεῶν πολέμων μέχρη τῶν περὶ τῶν τῆς γῆς.
 Τέξῃ συντρέφει καὶ ὄν ἑθλοσῶν ὄπλομ.
 καὶ θυεῶν κατακάνσει ἐν τῶν.
 Σχολάσατε καὶ γῆνῶτε, ὅτι ἐγὼ εἰμι ὁ θεὸς,
 ἠφῶθησθε ἐν τοῖς ἔθνεσιν ἠφῶθησθε ἐν τῇ γῆ.
 Κύριος τῶν ἑθλῶν μεθῆμῶν.
 ἀντιλήπτορ ἡμῶν ὁ θεὸς ἰακῶβ.
 Εἰς Ἰσθῶ ἠπὲρ τῶν ἠπῶν κορεθῶ λῆμῶ.
 ἀντὰ τὰ ἔθνη κερτῆσατε χεῖρας.
 ἀλαλάξατε τῶν θεῶ ἐν φωνῇ ἀγαλλιάσεως.
 Ὅτι κύριος ἠφισος, φοβερός,
 βασιλεὺς μέγας, ἐπὶ πάσαν τὴν γῆν.
 ἤπεταξέ λαοὺς ἡμῶν καὶ ἔθνη ὑπὸ τὸν πόλεμῶ ἡμῶν.
 ἔξελεχτο ἡμῶν τὴν κληρονομίαν ἑαντῶ.
 τὴν καλλομένη ἰακῶβ ἠφῶθησθε.
 ἠνέθη ὁ θεὸς ἐν ἀλαλαγμῶ.
 κύριος ἐν φωνῇ σαλωιγγος.
 ἤλασθε τῶν θεῶ ἡμῶν, ἤλασθε.
 ἤλασθε τῶν βασιλεῶ ἡμῶν, ἤλασθε.
 Ὅτι βασιλεὺς πάσης τῆς γῆς ὁ θεὸς.
 ἤλασθε συννετῶς ἑθλοσῶν ἐν τῇ ἑθλῶ.
 ὁ θεὸς κέρηται ἐπὶ τῶν ἁγίων ἀντῶν.
 ἤρχοντες λαῶν σὺν ἡμῶν μετὰ τῶν θεῶν ἑθλοσῶ.
 ἐπὶ τῶν θεῶν κερταίοις, τῆς γῆς σφῶρα ἐπὶ ἡμῶν.

κς

וְכַמּוֹס הָיִים בְּלִבְיָמִים :
 יִהְיֶה יְהוָה מִיָּמִין :
 יִרְעֶשׂוּ הָרִים בְּנֶאֱוָתוֹ סֵלָה :
 יִתְרַפְּצוּ בְּיַד יְשׁוּעָתוֹ עֵדֵי אֱלֹהִים :
 קִדְשׁ מִשְׁכַּנִּי עֲלִיּוֹן :
 אֱלֹהִים בְּקִרְבָּה בְּלִבְיָמִים :
 יִעֲרַח אֱלֹהִים לְפָנֹת בְּקִרְ :
 הַמּוֹת גּוֹיִם מִמּוֹ מַמְלָכוֹת :
 בָּתָן בְּקוֹלוֹ תִּמְוֶה אֶרֶץ :
 יִהְיֶה צְבָאוֹת עִמָּנוּ :
 מִשְׁבַּב לִנּוֹ אֱלֹהֵי יַעֲקֹב סֵלָה :
 לִכְנוֹתוֹ מִכַּעֲלוֹת יְהוָה :
 אֲשֶׁר שָׁם שְׁמוֹת בְּאֶרֶץ :
 מִשְׁבִּית מִלְחָמוֹת עַד קֶצֶה הָאָרֶץ :
 קִשְׁתֵּי יִשְׂרָאֵל וְקַבְצֵי חַיֵּי :
 עֲגֻלוֹת יִשְׂרָאֵל בְּאֶשׁ :
 הִרְפוּ וְדַעוּ כִּי אֲנִי אֱלֹהִים :
 אֲרוֹם בְּגוֹיִם אֲרוֹם בְּאֶרֶץ :
 יִהְיֶה צְבָאוֹת עִמָּנוּ :
 מִשְׁבַּב לִנּוֹ אֱלֹהֵי יַעֲקֹב סֵלָה :
 לְמַנְצָה לְבָנֵי קַרְחַ מוֹמֹר :
 לִי הַעֲפִים תִּקְעוּ בָרֶךְ :
 חֲרִיעוּ לְאֱלֹהִים בְּקוֹל רִנָּה :
 כִּי יֵשׁ עֲלֵינוּ נִרְאָ :
 מִלְחָמוֹת עַל כָּל הָאָרֶץ :
 יִדְבַר עַמִּים תְּדַחֵנוּ וְלֵאמִים תַּחַת רַגְלֵינוּ :
 יִבְחַר לִנּוֹ אֵת נַחַל תִּיבֵנוּ :
 אֵת גְּאוֹן יַעֲקֹב אֲשֶׁר אָרַב סֵלָה :
 עֲלֵה אֱלֹהִים בְּתוֹרַעָה :
 יִהְיֶה בְּקוֹל שׁוֹפָר :
 וּמְרוֹ אֱלֹהִים וּמְרוֹ :
 וּמְרוֹ לְמַלְכֵנוּ וּמְרוֹ :
 כִּי מִלְחָמָה בְּכָל הָאָרֶץ אֱלֹהִים :
 וּמְרוֹ מִשְׁכִּיל : מִלְחָמָה אֱלֹהִים :
 עַל גּוֹיִם :
 אֱלֹהִים יֵשֶׁב עַל כִּסֵּא קִדְשׁוֹ :
 נְדִיבֵי עַמִּים נְדִיבֵי עַמִּים :
 אֱלֹהֵי אֲבֹתֵהֶם :
 כִּי לְאֱלֹהִים מִגְּנֵי אֶרֶץ מֵאֹד נַעֲלָה : מַח

h i

Ψαλμός δαλνθ τοις νιοις κορε, λευθρα σαββατς. μ 3
εγας κυριος η αινετος σφοδρα.
μ
εμ πολη τς θες ημων εμ ος αγιαντς.

Ενριζωα γαλλιαματι πασης της γης
ου σιωμ τα πλενα τς βορεα.
η πολις τς βασιλειος τς μεγαλας.

Ο θεος εμ ταϊς βαρεσιρ αυτης γινωσκειται οταν ανηλαμ
Οτι ιλου οι βασιλεις της γης σνηχθη (βανηται αυτης.
Ανρι ιλουτες εως εθανμασσυ. (α· λιηλθος επι ρ αυρ
εταραχθησαν, εσα λευθρασ, θεομ εωελαβετο αντς
Εκρ ωλινες ως τικτουςης.

εμ πνευματι βιαίω σνηρι φς πολια θαρες.
καθαπερ ηκασαμ εμ ουτως και ιλουεμ.
εμ πολη κυριος τ λυνάμεωμ, εμ πολη τς θες ημων.
ο θεος εθεμελιωσεν αυτην εις τ αιωνα.

Υπελαβωμεν ο θεος το ελεος σς, ε νμεσω τς ναο σς
κατα ρ ονομα σς ο θεος, ουτως η αινεσις σς εωι τα πε-
δικαιουσνης πληρης η λεξια σς. (εατα της γης.

Ενφρανητω ερος σιωμ,
η αγαλλιασθωσα αι θυγατερες της ισραλιας.
εγκεμ τωμ κριματωμ σς κυριε.

Κυκλωσατε σιωμ η περιλαβετε αυτην.
ληγησασθε εμ τωις πνευμοις αυτης.
θεσε τας καρδιας υμων εις την λυνάμην αυτης,
και καταλιελεσθε τας βαρες αυτης.

εως αν ληγησθε εις γενεαμ ετεραμ.
Οτι οντος εσιμ ο θεος ημων,
εις τημ αιωνα η εις τημ αιωνα των αιωνος.
ανρς ποιμανει ημας εις τους αιωνας.

Εις το τέλος ρις νιοις Κορε ψαλμός. μ 4
α
κοσατε ταυτα παντα τα εδνη.

ενωτισασθε παντες οι καρικωντες της δικου-
Οι γε γηγενεις η οι νιοι τ ανδρωπωμ. (μενημ.
εωι το ανρ πλοσιος η πνευμς.

Το σομα μς λαλησφ σοφιαμ.
η η μελετη της καρδιας μς σνεσιμ.
Κλινω εις παραβολημ ρ ονς μς.
ανοιξω εμ ψαλθηια ρ πρεβλημα μς.

Ινα τι φοβσμαι εμ ημερα σονηα.

שיר מומור לבני קרח :
הול יי ומהלל מאד
בעיר אלהינו דר קדשו :

יפה נוף משוש כל הארץ
הר ציון ידבתי צפון
קרית סלך רב :

אלהים בארמנותיה נודע למשגב :
כי הנה המלכים נועדו עברו יחדו :
המה ראו בן המהו
נבחרו נחפזו : רעה אחותם
שם חיל ביולדה :

ברוח קדים תשבר אניות תרשיש :
כאשר שמענו בן ראינו
בעיר יי צבאות בעיר אלהינו
אלהים יכוננה עד עולם סלה :

נמינו אלהים חסדך בקרב היכלך :
כשמוך אלהים בן תהלתך על קצוני ארץ
צדק מלאה ימיך :

ישמח יי ציון
תגלה בנות יהודה
למען משפטיך :

סבו ציון והקפוח
ספרו מגדליה :
שיתו לבכם לחילה
בסגו ארמנותיה

למען תספרו לדור אחרון :
כי זה אלהים אלהינו
עולמועד

מ
הוא ינהגנו עלמות :
למנצח לבני קרח מומור :
מען זאת כל העמים

ש
האזינו כל יי שבי חלד :
אם בני אדם אם בני איש
יהו עשיר ואביון :

פי דבר חכמות
והגות לבי תבונות :
אטה למשל אונר
אפתח בכנור חיותי :

למה אירא בימי רע
h ij

ἡ ἀνομία τῆς πνεύματος με κινλώσῃ με.
 Οἱ πεποιθότες ἐπὶ τῆς ἀνυμνίας αὐτῶν.
 καὶ ἐπὶ τῶν ἁλθῆ τῶν πλεόντων κενώμενοι.
 ἄλλήλους ὄν λυθῶσαι, λυθῶσεται ἀνθρώπος;
 ὄν λῶσῃ τῶν θεῶν ἐξίλασμα ἑαυτῶ.
 Καὶ τὴν ἡμέραν τῆς λυθῶσεως τῆς ψυχῆς αὐτῶ.
 καὶ ἐκοπίασεν εἰς τὸν αἰῶνα καὶ ζῆσεται εἰς τέλος.
 ὄν κούφεται καταφθοράν.
 ὄταν ἰδῇ σαρκοῦς ἀποθνήσκοντας.
 ἐπὶ τοσαύτων ἀφροῶν καὶ ἀνδρῶν ἀπολῶνται.
 Καὶ καταλέψουσιν ἀλλοτείοις τὰ πλεόντων αὐτῶν.
 καὶ οἱ τῶν αὐτῶν οἰκία αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα.
 Σκηνώματα αὐτῶν εἰς γενεάν καὶ γενεάν.
 ἐπεκαλέσαντο τὰ ὀνόματα αὐτῶν ἐπὶ τῶν γαίῶν.
 Καὶ ἀνθρώπος ἐν τιμῇ ὡς ὄν συνήκε.
 παρεσυνέβληθη τοῖς κτήνεσι τοῖς ἀνοήτοις καὶ ὁμοιωθῆ ἀνθρώποις.
 Ἄντη ἡ δόξα αὐτῶν σκάνδαλον ἀνθρώποις.
 καὶ μετὰ ταῦτα ἐν τῶ σώματι αὐτῶν ἐνδοκίμοις
 ὡς περὶ αὐτῶν ἐν ἀλλῇ ἔθετο, δαίμονες ποιμαντῶν ἀνθρώπων.
 καὶ κατακυριεύουσιν αὐτῶν οἱ ἐνθεοὶ τῶ πνεύματος.
 Καὶ ἡ ἐσθῆθ αὐτῶν παλαιωθήσεται ἐν τῶ ἀλλῇ. ἐκ τῆς δόξης
 Πληρῶς θεός λυθῶσεται τὴν ψυχὴν μὲν ἐκ (ἡς αὐτῶν ἐξώθησθαι).
 Μὴ φοβῶσθαι ὅταν κληθῆσθαι ἀνθρώπων. (Χρῆσθαι ἀλλῇ, ὅτι λαμβάνει μὲν
 ἡ δόξα πληθυνθῆ ἡ δόξα τῶ οἴκῳ αὐτῶ.
 Ὅτι ὄν ἐν τῶ ἀποθνήσκον αὐτῶν ληφεται τὰ πάντα.
 ὄν δὲ συγκαταθίσσεται αὐτῶ ἡ δόξα αὐτῶ.
 Ὅτι ἡ ψυχὴ αὐτῶ ἐν τῇ ζωῇ αὐτῶ ἐνλογηθήσεται.
 ἐξομολογήσεται σοὶ ὄταν ἀγαθούνησιν αὐτῶ.
 εἰσελεύσεται ἕως γενεῶν πατέρων αὐτῶν.
 ἕως αἰῶνος ὄν κούφεται φῶς.
 Καὶ ἀνθρώπος εἰς τιμῇ ὡς ὄν συν-
 ἤκε. (ἀνθρώποις.)
 παρεσυνέβληθη τοῖς κτήνεσι τοῖς ἀνοήτοις, καὶ ὁμοιωθῆ
 Ὑαλμός τῶ ἀσφ. μῶ
 εἰς θεῶν κύριος ἐλάλησεν καὶ ἐκάλεσεν ἡμῶν ἡμῶν.
 Ἄπο ἀνατολῶν ἡλίου μέχρι δυσμῶν.
 ἐκ οὐρανῶν ἐν πνεύματι τῆς ὡραίου τῆς αὐτῶ.
 Ὁ θεός ἐμφανῶσ ἡξεί.
 Ὁ θεός ἡμῶν καὶ ὄν παρὰσιωπιῶσεται.

עון עקבי יסופני
 הבטחים על חילם
 וברכ עשרם יתהללו
 אח לא פדה יפרה איש
 לא יתן לא לדים כפרו
 ויקר פדיון נפשם
 ויהל לעולם ויחי עור לנצח
 לא יראה השחת
 כי יראה חכמים ימותו
 יחד כסיל כבער יאברו
 ועזבו לאחרים חילם
 קרבם בתים לעולם
 משכנותם לזר וזר
 קרא בשמותם עלי אדמות
 ואדם ביקר בל ילין
 נמשל כבהמות נרמו
 והדרם כסל למו
 ואחרים כפיהם ירצו סלה
 כצאן לשאול שתו מות ירעם
 וחדוכם ישרים לבקר
 וצורם לבלות שאול מוכל לו
 אך אל דים יפרה נפשי מיד שגול כי
 אל תרא כי יעשיר איש (יקחני סלה)
 כי ירפה כבוד ביתו
 כי לא כמותו יקח חפל
 לא יחד אחריו וכבודו
 כי נפשו בחייו יברך
 ויודך כי תשיב לך
 תבא עד דור אבותיו
 עד נצח לא יראו אור
 וילך ביקר
 יבן
 נמשל כבהמות נרמו
 מזמור לאסף
 ל אל דים ידבר ויקרא ארץ
 ממרחק שמש עד כבואו
 מציון מכל ל יפי
 אל דים הופיא יבא
 אל דינו ואל יחרחש
 h ij

Ignis in conspectu eius exardescet:
 & in circuitu eius tempestas ualida.
 Aduocauit coelum defursum:
 & terram discernere populum suum.
 Congregate illi sanctos eius:
 qui ordinant testamentum eius sup sacrificia.
 Et annuntiabunt celi iusticiam eius:
 quoniam deus iudex est.
 Audi populus meus & loquar:
 israel & testificabor tibi:
 deus deus tuus ego sum.
 Non in sacrificijs tuis arguam te:
 holocausta aut tua in conspectu meo sunt semp.
 Non accipiam de domo tua uitulos:
 neque de gregibus tuis hircos.
 Quoniam meae sunt omnes feræ filiarum:
 iumenta in montibus & boues.
 Cognoui omnia uolatila caeli:
 & pulchritudo agrî mecum est.
 Si esuriero non dicam tibi:
 meus est enim orbis terræ & plenitudo eius.
 Nūqd māducabo carnes taurorū: aut sāguinē
 Immola deo sacrificiū laudis: (hircorū potabo,
 & redde altissimo uota tua.
 Et inuoca me in die tribulatiōis: eruā te & hos
 Peccatori autem dixit deus: (nōrificabis me.
 quare tu enarras iusticias meas:
 & assumis testamentum meum per ostuum.
 Tu uero odisti disciplinam:
 & proiecisti sermones meos retrorsum.
 Si uidebas furem currebas cum eo:
 & cum adulteris portionē tuam ponebas.
 Ostuum abundauit malicia:
 & lingua tua cōcinnabat dolos.
 Sedens aduersus fratrem tuū loquebaris:
 & aduersus filiū matris tuæ ponebas scādālū:
 hæc fecisti & tacuisti.
 Existimasti inique quod ero tui similis:
 arguam te & statuam contra faciem tuam.

4 אֱלֹהִים: עֲלֵי עַמּוֹתָי: יִשְׂרָאֵל: יִשְׂרָאֵל: יִשְׂרָאֵל:
 5 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 6 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 7 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 8 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 9 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 10 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 11 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 12 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 13 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 14 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 15 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 16 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 17 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 18 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 19 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 20 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 21 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:
 22 אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים: אֱלֹהִים:

ἔνδρα ἑνώπιον αὐτῶν κἀνήσεται·
 καὶ κίχλω αὐτῶν κατὰ γῆρας φολεῖ·
 ἔρεκα λέσεται ἡ ἄρα ἡ ἀνά·
 καὶ τὴν γῆν τῶν διακρίνει τὸ λαὸν αὐτῶν·
 συναγάγεται αὐτῶν ἡ ἄρα ἡ ἀνά·
 ἡ δὲ διακρίνει τὴν διακρίνει αὐτῶν ἐπὶ θυσίαις·
 καὶ ἀναγγελοῦσιν οἱ ἄρα οἱ τὴν διακρίνει αὐτῶν·
 τίς θεὸς κριτὴς ἐσὶν·
 ἄκουσον λαὸς μὲν καὶ λαλήσω σοι·
 ἰσοβαλὴ καὶ διακρίνει σοι·
 ὁ θεὸς ὁ θεὸς σου εἰμι ἐγώ·
 οὐκ ἐπὶ ταῖς θυσίαις σὺ ἐλέγξῃ σε·
 ἡ δὲ ὀλοκαυτώματα σὺ ἐνώπιον μου ἐσὶ διακρίνει·
 οὐκ ἐξ ἑμοῦ ἐκ τῶν οἴκων σου μούσχος·
 οὐκ ἐξ ἑμοῦ ἐκ τῶν οἴκων σου χιμῶδες·
 ὅτι ἐμὰ ἐσὶ πάντα τὰ θηρία τῶν ἀγρῶν·
 κτήνη ἐν ἡσίοι καὶ βόες·
 ἔγνωκα πάντα τὰ πετεινά τῶν ἀγρῶν·
 καὶ ὡραίοις ἀγρῶν μετ' ἐμοῦ ἐσὶν·
 ἔσθω πτερόεντα ὡς ἐμοῦ ἐσὶν·
 ἐμὴ γὰρ ἐσὶν οἴκων μου καὶ τὸ πλῆρωμα αὐτῆς·
 ἔσθω κρέα τῶν ἀγρῶν ἡ αἷμα τῶν ἀγρῶν τρώωμαι·
 οὐκ ἐπὶ τῶν θυσίαν ἀνεύσεως·
 καὶ ἀπόλοισ τῶν ὑψίστων τὰς ἐνυχίας σου·
 καὶ ἐπὶ κάλεσάι με ἐν ἡμέρᾳ θλίψεως σου· καὶ ἐξελοῦμαι
 τῶν δὲ ἀμικτωλῶν εἶπεν ὁ θεός· (σε καὶ δλοξάσῃς με·
 ἵνα ἡ σὺ ἐκ λινῆ τὰ δικαιώματά μου·
 καὶ ἀναλαμβάνεις τὴν διακρίνει μου διὰ σώματος σου·
 σὺ δὲ ἐμίσησας παιδείαν·
 καὶ ἐξέβαλες ἡσίοι μου εἰς τὰ ὄπισθον·
 εἰ θεώσεις κλέπτην συνέτρεχες αὐτῶν·
 καὶ μετὰ μοιχῶν τὴν μερίδα σου ἐτίθῃς·
 τὸ σῶμα σου ἐπλεόνασε κακίας·
 καὶ ἡ γλώσσά σου περιέπλεκε δολιοφροσύνης·
 καθήμενος κατὰ τὸ ἀδελφῶν σου κατελάλει·
 καὶ κατὰ τὸν νότον τῆς μητρὸς σου ἐτίθεις σκάνδαλον·
 ταῦτα ἐποίησας καὶ ἐσέγησας·
 ἔπελαβες ἀνομίαν ὅτι ἐσομαι σοὶ ὁμοίος· (τίσας σου
 ἐλέγξω σε καὶ παροξυνήσω κατὰ τὸ ὄπισθον σου τὰς ἀμαρ-

אש- לפניו תאכל
 וסביביו נשערה מאד
 וקרא אל השמים מעל
 ואל הארץ לזון עמו
 אספו לי חסידו
 כרתו בריתי עלי זבח
 ויגידו שמים צדקו
 כי אלדים שפט הוא סלה
 שמעה עמי ואברה
 ישראל ואעידה בך
 אלהים אל דך אנכי
 לא על זבחוק אוכילך
 ועל תוק לנגדי תמיד
 לא אקח מביתך פר
 ממכל אתך עתקים
 כי לי כל חית-יער
 בהמות בהרתי אלה
 ידעת כל עוף הרים
 וזו שדי עמדי
 אם ארעב לא אומר לך
 כי לי תכל ומלאה
 האוכל בשור אבירים תדם עתקים אשתה
 זבח לאלדים תורה
 ושלם לעליון כדריך
 וקראני ביום צרה אחלצך ותכבדני
 ולרשע אמר אלהים
 מה לך לספר חקך
 ותשא בריתי עלי זבח
 ואתה שבאת מוסר
 ותשלך דברי אחרים
 אם ראית גיב ותרח עמו
 ועם מבאפם חלוקך
 פיה שלחת כרעה
 ולשונך תצמיד מרמה
 תשכ באחיק תדבר
 בכן אמן תתן דפי
 אלה עשית והחרשתי
 דמית היות אחיה כמוך
 אוכילך ואערסה לעיניך

Intelligite hec qui obliuiscimini deum:
 nequando rapiat & non sit qui eripiat.
 Sacrificium laudis honorificabit me:
 & illic iter quo ostendam illi salutare dei.
 In fine Pſal. Dauid cum ueniret ad eum Naſ
 ſhan ppheta: qm̄ intrauit ad Berſabee. L.
 m̄ Iſerere mei deus: ſecundū magnā miſiam tuā.
 Et ſecundā multitudinē miſerationū tuarū:
 Ampli⁹ laua me ab iniquitate mea: (dele iniqui
 & a peccato meo munda me. (ratem meā.
 Quoniā iniquitatem meam ego cognoſco:
 & peccatum meum contra me eſt ſemper.
 Tibi ſoli peccaui & malum coram te
 feci: (iudicaris.
 ut iuſtificeris in ſermonib⁹ tuis & uincas cum
 Ecce enim in iniquitatibus cōceptus ſum:
 & in peccatis concepit me mater mea.
 Ecce enim ueritatem dilexiſti:
 incerta & oculta ſapientię tuę manifeſtaſti mihi.
 Aſperges me domine hyſopo & mundabor:
 lauabis me & ſuper niuem dealbabor.
 Auditui meo dabis gaudium & letitiā:
 & exultabunt oſſa humiliata.
 Auerte faciem tuam a peccatis meis:]
 & omnes iniquitates meas dele.
 Cor mundum crea in me deus:
 & ſpiritu rectum innoua in uiſceribus meis.
 Ne propiciā me a facie tua:
 & ſpiritu ſanctum tuum ne auferas a me.
 Redde mihi letitiā ſalutaris tui:
 & ſpiritu principali confirma me.
 Docebo iniquos uias tuas:
 & impij ad te conuertentur.
 Libera me de ſanguinib⁹ de⁹ de⁹ ſalutis meę:
 & exultabit lingua mea iuſticiā tuā. (de tuā:
 Dñe labia mea aperies & os meū anūciabit lau
 Quoniā ſi uoluiffes ſacrificiū dediſſem: utiq; q
 holocauſtis non delectaberis.
 Sacrificium deo ſpiritus contribulatus:

23 ለብወ: ዘኛተ: ኩልንሙ: እለ: ትረከዕወ: ለእግረላብ
 ወእመለኮክ: ደመስግ: ወለሰባ: ዘያዳኝ: (ከር::
 24 መሠዋዕተ: ክብርት: ትኡብሐኝ: ፒሉብሐር::
 ህዋ: ፍፍተ: እኛተ: ባቲ: ለርላዎ: ለደኅፍተ: ለእግረ
 ፍጻዌ: መዝሙር: ዘደዊት: እመ: መጽሐ: ኅቤህ: ናታኝ: ና
 ቢይ: ዘእመ: ቦላ: ኅቤህ: ለእባሳቢ::
 1 ሂ ተህህላኝ: እግረላ: በከመ: ሰበዎ: ህህላክ::
 2 ወበከመ: ብዝኃ: ጭረት: ከ: ደግሐስ: ኃጢአትዎ::
 3 ስጽበኝ: ወእጽጽሐኝ: እግረላትዎ::
 ወእግረላባዎ: እጽጽሐኝ::
 4 እስመ: ለሰዎ: ለላግር: ንጋይዎ::
 ወኃጢአትዎ: ጭደዎ: ወእጥ: በኩሉ: ጊዜ::
 5 ለከ: ለባሕት: ትኩ: እበከኩ: ወእኩዎ: ባጭደዎ:
 ገበርኩ::
 ከመ: ትጽደጭ: በኃቢብከ: ወትጭ: በኩሉ: ናኝ::
 6 እስመ: ናህ: በኃጢአት: ተፀኝኩ::
 ወበህመዎ: ወለደተኝ: እግረዎ::
 7 እስመ: ናህ: ጽደግ: ለግግርኩ::
 ዘላይት ናብ: ግሩላ: ግብብከ: ለይደህኝ::
 8 ትኝካኝ: በእካብ: ወእጽጽሐ::
 ተኅፅበኝ: እግረላ: ሰጸገዎ::
 9 ቲከግህኝ: ትግሥሐት: ወሐህተ::
 ወይትፌሥሐ: ለሰጸግ: ጽደግ::
 10 ልግ: ገደከ: እግረላትዎ::
 ወይግሐስ: ለተ: ኩሉ: እበሳዎ::
 11 ለቤ: ንጽሐ: ግግር: ለተ: እግረላ::
 መኝላከ: ርጉህ: ሐደከ: ወስተ: ከርሥዎ::
 12 እትግደላኝ: እግረላ: መ: ገደከ::
 ወመኝላከ: ጭደከ: ለተ: ሰጸግ: እግረላ: ሰጸግ::
 13 ሰከዎ: ግሥሐ: ወለደኅፍተከ::
 ወበመኝላከ: ለዘዘ: ለጽኝግኝ::
 14 ከመ: እግረላ: ለኃግላኝ: ግግርከ::
 ወረኪህኝ: ደትመዎ: ኅቤከ:: ፒኝትዎ::
 15 ለደኅፍተኝ: እግረላ: ለእግረላ: ለግረላ: መደኅ
 ደትፌሥሐ: ለእግረላ: በጽደግ: ዘላከ: 16 እግረላ:
 ትኩሥት: ከናግርዎ: ወለግረላ: ጸደግ: ከብሐትከ::
 17 ሰበከ: ሌግደከ: መሠዋዕተኝ: እግረላ: ግረላ::
 ወጽኝሐኝ: ለተወግር::
 18 መሠዋዕተ: ለእግረላ: ግረላ: መኝላከ: ጸደግ::

cor contritum & humiliatum deus non despicias:
Benignefac domine in bona uoluntate tua sicut:
ut edificentur muri hierusalem.

Tunc acceptabis sacrificium iusticie
oblaciones & holocausta:

tunc imponent super altare tuum uisulos.

In fine intellectus David cum uenit Doek Idu
meus & nunciauit Sauli & dixit: uenit David
in domum Abimelech. LI.

Vid gloriaris in malicia: qui potens es
in iniquitate. Tota die

iniusticia cogitauit lingua tua:
sicut nouacula acuta fecisti dolum.

Dilexisti maliciam super benignitatem:
iniquitatem magis loqui quam aequitatem.

Dilexisti omnia uerba precipitatis: lingua domus
Propterea deus destruet te in fine: (Iosa.
euellet te & emigrabit te de tabernaculo tuo
& radicem tuam de terra uiuentium.

Videbunt iusti & timebunt:

& super eum ridebunt & dicent:

ecce homo qui non posuit deum adiutorem suum.
Sed sperauit in multitudine diuitiarum suarum:
& preualuit in uanitate sua.

Ego autem sicut oliua fructifera in domo dei:
speraui in misericordia dei:
in eternum & in seculum seculi.

Confitebor tibi in seculo quia fecisti: (Ictōr: tuorē
& expectabo nomen tuum quoniam bonum est in conspectu

In fine intellectus David per Amelech. LII.

Ixit insipiens in corde suo: non est deus.

Corrupti sunt & abominabiles facti sunt
non est qui faciat bonum. (in iniquitatibus:

Deus de celo prospexit super filios hominum:
ut uideat si est intelligens aut requirens deum.

Omnnes declinauerunt simul inutiles facti sunt
non est qui faciat bonum: non est usque ad unum.

Non scient omnes qui operantur iniquitatem:
qui deuorant plebem meam ut cibum panis.

ΔΠ: ΤΗ: Τ: ΟΡΡΥ: Α. Ε. Ο. Ζ. Ζ: Α. Γ. Η. Α. Π. Η. Δ. Δ: :

18 ΑΩΣΡ: Α. Γ. Η. Α: Π. Μ. Ο. Ζ. Τ. Η: Α. Ρ. Ρ. Ζ: :

Θ. Ε. Τ. Η. Σ. Χ: Α. Ζ. Γ. Ε. Υ: Α. Α. Ρ. Γ. Η. Δ. Φ: :

19 Α. Σ. Τ. Ω. Φ. Γ: Σ. Μ. Ρ. Ο. Τ: Χ. Ρ. Φ: :

Σ. Ο. Γ. Α. Ζ: Φ. Γ. Ο. Σ. Ζ: :

Α. Α. Υ: Ρ. Υ. Γ. Γ. Β: Φ. Η. Τ: Φ. Μ. Ρ. Ο. Η: Α. Ο. Υ. Φ. Τ: :

Φ. Χ. Ο. Β: Η. Η. Α. Α. Φ. Ε: Η. Ρ. Φ. Τ: Η. Α. Σ. Σ. Χ. Α: Ρ. Ε. Φ: Α.

Ρ. Θ. Φ: Ο. Σ. Γ. Ε: Α. Η. Α. Θ: Ο. Ε. Β. Α. Ρ: Θ. Χ. Α: Ρ. Φ. Τ: Β. Τ:

Α. Α. Β. Ο. Β. Η: :

1 Υ. Ο. Α. Φ. Ζ. Τ: Ε. Η. Ο. Γ: Ξ. Ρ. Θ: Π. Α. Η. Ρ: :

Θ. Ε. Β. Θ. Θ: 2 Η. Α. Α: Α. Α. Ζ: :

Ξ. Μ. Α. Τ: Η. Α. Ρ: Α. Π. Η: :

Η. Σ. Σ. Α. Ε: Π. Α. Η: Γ. Π. Γ. Η: Η. Π. Α: :

3 Α. Π. Ρ. Γ. Η: Α. Η. Τ: Α. Φ. Ω. Σ. Ε. Τ: :

Θ. Τ. Β. Θ. Θ: Α. Φ. Τ. Ξ. Π. Π: Χ. Ρ. Φ: :

4 Θ. Α. Φ. Γ. Η: Η. Α. Ρ: Σ. Γ. Ε: Α. Η. Σ: Σ. Η. Φ. Σ: :

5 Π. Α. Ξ. Τ. Η: Ε. Σ. Μ. Τ. Η: Α. Γ. Η. Α. Π. Η. Δ. Δ: Α. Η. Α. Γ: :

Θ. Ε. Σ. Θ. Η. Η: Θ. Ρ. Β. Α. Η. Η: Α. Φ. Β. Τ. Η: :

Θ. Μ. Ζ. Ο. Η. Ζ: Α. Φ. Ρ. Ζ: Η. Ρ. Φ. Ζ: :

6 Ε. Γ. Α. Ρ: Χ. Ρ. Φ. Ζ: Θ. Ε. Φ. Γ. Η: :

Θ. Ε. Η. Η. Φ: Α. Ο. Β. Ο. Υ: Θ. Ε. Β. Α. Ρ: :

Σ. Φ: Π. Α. Α: Η. Α. Ζ. Η. Ρ: Α. Α. Γ. Η. Α. Π. Η. Δ. Δ: Ζ. Ρ. Α. Ο: :

7 Θ. Τ. Α. Φ. Σ: Π. Π. Η. Ξ: Π. Ο. Α: :

Θ. Τ. Α. Ρ. Α: Π. Η. Ξ. Τ: :

8 Α. Ξ. Η: Η. Σ. Ο. Θ: Η. Ε. Τ: Μ. Σ. Ε: Θ. Η. Τ: Β. Τ: Α. Γ. Η. Α.

Θ. Τ. Θ. Η. Θ. Η: Π. Φ. Η. Ζ. Τ. Η: Α. Α. Γ. Η. Α. Π. Η. Δ. Δ: Α. Η. Δ. Δ: :

Α. Β. Α. Φ: Θ. Α. Β. Α. Σ: Β. Α. Φ: :

9 Α. Γ. Ε: Α. Η: Α. Β. Α. Φ: Α. Η. Σ: Γ. Π. Γ. Η: Α. Τ: :

Α. Η. Β. Θ: Α. Φ. Η. Ζ. Τ. Η: Α. Η. Σ: Ω. Σ. Ε. Τ. Η: Ξ. Π: Χ. Ρ.

Φ. Χ. Ο. Β: Η. Α. Σ: Σ. Χ. Α: Η. Η. Α. Α. Φ. Ε: Η. Ρ. Φ. Τ: Α. Φ. Ζ. Η: :

1 Υ. Β. Ε. Π. Α: Α. Π. Ρ: Π. Α. Ε: Α. Θ. Ρ: Α. Γ. Η. Α. Π. Η. Δ. Δ: :

2 Ξ. Η. Γ: Θ. Ζ. Η. Α: Π. Β. Γ. Ρ. Σ: :

Α. Θ. Ρ: Η. Ε. Γ. Π. Γ: Α. Ω. Σ. Ε. Τ: Π. Η. Ρ. Θ: :

3 Α. Γ. Η. Α. Π. Η. Δ. Δ: Ξ. Ο. Χ: Α. Φ. Η. Θ. Ε: Ε. Π: Α. Γ. Α: Α. Σ.

Η. Σ: Ε. Γ. Α. Ε: Α. Σ. Ο. Ρ: Μ. Π. Π: Η. Ρ. Ξ. Φ: Α. Α. Γ. Η. Α.

4 Η. Α. Ρ: Α. Ζ. Ρ: Θ. Α. Π. Ζ: Υ. Α. Θ: Α. Π. Η. Δ. Δ: :

Α. Θ. Ρ: Η. Ε. Γ. Π. Γ: Α. Ω. Σ. Ε. Τ: Α. Θ. Ρ: Θ. Α. Α. Η. Ε: :

5 Θ. Α. Ρ. Α. Φ. Γ: Η. Α. Ρ. Σ: Γ. Π. Γ. Τ: Υ. Σ. Ρ. Ξ: Π. Η. Θ: :

Α. Α: Ε. Θ. Α. Φ. Θ. Σ: Α. Η. Η. Π. Ρ: Η. Σ: Π. Α. Β: Α.

καὶ ἰσχυρὸν συντελεστέον ἐν τῇ τελευτῇ αὐτοῦ ὁ θεὸς ἐξ-
ἤρατόν σου κύνει ἐν τῇ ἐνδοκίᾳ σου ἡμῶν. Δευνώσθ
καὶ οἰκοδομηθῆτω τὰ τεῖχη ἱερῶν σου ἡμῶν.
Τότε ἐνδοκίσεις θυσίᾳ δικαιοσύνης.
ἀναφορὰν καὶ ὀλοκαυτώματα.

Τότε ανοίσοις ἐπὶ τὸ θυσιαστήριόν σου μόσχους.
Εἰς τὸ τέλος συνέσεως τῷ Δαβὶδ, ἐν τῷ ἐλθεῖν Δω
νικτὶ ἰδρυμαίῳ καὶ ἀναγγεῖλαι τῷ Σαδὸλ καὶ εἰκεῖν αὐτῷ
ἀπῆλθε Δαβὶδ εἰς τὸ οἶκόν σου Ἰσραὴλ.

Ἰ ἐγκανχᾶ ἐν κακίᾳ ὁ Δυνατός.
Ἄνομίαν ὀληρτήν ἡμέρῳ,
ἀδικίαν ἐλογίσατο ἡ γλῶσσά σου.
ὡσὸν ἐνεῖν ἡκονημένου ἐπίνοσας δόλου.
Ἡγάπησας κακίαν ὑπὲρ ἀγαθοσύνην.
ἀδικίαν ὑπέρ το λαλῆσαι δικαιοσύνην.
Ἡγάπησας πάντα ἔθνη καταποντισμῶν, γλῶσσόν σου
Διὰ τὸ ὅτι δὲς καθελεῖσέ εἰς τέλος. (λίαν.)

ἐκτίλαισε καὶ μεθάνασεν εὐδοκίαν ἀποσκηνώματός σου,
καὶ τὸ εἶζωμά σου ἐκ τῆς γῆς ζώντων.
Ὁφονται δίκαιοι καὶ φοβηθήσονται.
καὶ ἐπ' αὐτῶν γελάσονται καὶ ἐξοίσι.
Ἰλὺς ἀνθρώπου, ὅσον ἐθετο τὸν θεὸν βοηθὸν αὐτῶ.
Ἀλλ' ἐπὶ ἡλπισίῳ ἐπὶ τῷ πλῆθει τῶν λόγων αὐτῶ.
καὶ ἐνεδυναμώθη ἐπὶ τῇ ματαίότητι αὐτῶ.
Ἐγὼ δὲ ὡσὸν ἐλαία κατάκαρπος ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ θεοῦ.
ἡλπισα ἐπὶ τὸ τέλος τῶν θεῶν.
εἰς τὴν αἰῶνα καὶ εἰς τὴν αἰῶνα τῶν αἰῶνων.

Ἐξομολογήσομαι σοὶ εἰς τὴν αἰῶνα ὅτι ἐποίησας.
καὶ ὑπομένω τὸ ὄνομά σου ὅτι χηρὸν ἐναρήριον τὸ οἶόν σου

Εἰς τὸ τέλος ὑπέρ Μαελεθ συνέσεως τῷ Δαβὶδ. μβ
Ἰσραὴλ ἀφ' ὧν ἐν καρδίᾳ αὐτῶ. ὅτι ἐσι θεός.

Διεφθάρησαν καὶ ἐβλέψθησαν ἐν ἀνομίαις.
ὄνκ ἐσι ποταμῶν ἀγαθῶν.

Ὁ θεὸς ἐκ τῶν οὐρανῶν λιέκυσεν ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων.
τὸ ἰλεῖν εἰ ἐσι συντόν, ἢ ἐκζητῶν τὸν θεόν.

Γάντες ἐξέκλιναρ, ἅμα ἠχερώθησαν.
ὄνκ ἐσι ποταμῶν ἀγαθῶν, ὄνκ ἐσιρ ἕως ἑνός.

Ὅνκ ἰ γνωσονται πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν,
οἱ κατεσθίωντες τὸν λαόν σου ἐν βρώσει ἄετος.

לב-נסבר ונדכה אלרים לאקה
חטיבה ברצונך את ציון
תבנה חומות ירושלם
או תחפץ וכתבי צדק
עלה וכליל

אז ועל על-מזבח פרים :
לב-נסבר ונדכה אלרים לאקה
חטיבה ברצונך את ציון
תבנה חומות ירושלם
או תחפץ וכתבי צדק
עלה וכליל

התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור

התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור

התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור

התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור

התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור

התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור

התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור
התהלה ברעה הגבור

Deum non intocauerunt

illie trepidauerunt timore: ubi non erat timor.

Quoniam deus dissipauit ossa eorum qui ho-
minibus placent :

confusi sunt quonia deus spreuit eos.

Quis dabit ex syon salutare israel:
cum atterit deus captiuitatem plebis suae:
exultabit iacob & letabitur israel.

In fine i carmib⁹ intellect⁹ Da. cu uenisset cis
phei & dixissent Saul: none Da. abscondit⁹ est

d Eus i noie tuo saluu me fac: LIII. (apud
& in uirtute tua iudica me. (nos.

Deus exaudi orationem meam:

auribus percipe uerba oris mei.

Quonia alieni insurrexerunt aduersum me:

& fortes quiesierunt animam meam:

& non proposuerunt deum ante conspectu suu.

Ecce deus adiuuat me:

& dominus susceptor est anime mee.

Auerte mala inimicis meis:

& in ueritate tua disperde illos.

Voluntarie sacrificabo tibi:

& cofitebor nomini tuo domine: qm bonu est.

Quoniam ex omni tribulatione eripuisti me:

& super inimicos meos despexit oculus meus.

In fine in carminibus intellectus Da. LIII.

Xaudi deus orationem meam:

e & ne despexeris deprecationem meam:

intende mihi & exaudi me. (batus sum :

Contristatus sum in exercitatioe mea: & cotur-

a uoce inimici: & a tribulatione peccatoris.

Quonia declinauerunt in me iniquitates:

& in ira molesti erant mihi.

Cor meum conturbatum est in me:

& formido motis cecidit sup me. (metenebre.

Timor & tremor uenerunt sup me: & cotexerunt

Et dixi quis dabit mihi pennas sicut columbe.

& uolabo & requiescam.

Ecce elogau fugiens: & mansi in solitudine.

6 O A L A T H A N T H E C I S A R O S O P O S S I P A U I T O S S A E O R U M Q U I H O M I N I B U S P L A C E N T C O N F U S I S U N T Q U O N I A D E U S S P R E U I T E O S .

O N U P : L C U : O T L T O S : H A A S : T L S O S :

7 A H S O : A T H A N T H E C I S H Z O : A O K O T U S : A S P R A P Z :

O T S F Z : A H S O : A T H A N T H E C I S A G N C O S :

8 S A : E U N I : A O K P Z : S P F Z T : A A H C A Q S : A S O : S M : A T H A N T H E C I S E T : A H H R :

E T L U I A H : P O S T I : O E T H W E : A H C A Q S :

4 X O S : H N A A O C : H R E T : H A S O : S P A : H L O P Z : O E N A P O : A A A Q : T U S : P E T : E T A Q A : A N S :

1 V T A T H A N T H E C I S A R O S S I :

O N S R A H : S T H : A T :

2 A T H A : H O V I Z : X A T P :

O A K O A : S O : A Z P :

3 A H S O : S N L Z : S O S : A O A P :

O S P A Z : S W M P : A S F H P :

O L L H E P O : A A T H A N T H E C I S S P O S O S :

4 T U S : A T H A N T H E C I S E L P A Z :

O A T H A P : P P A S : A S F H P :

5 O E S E M : A A H T : E N : X A A T P :

O N K F H : W L O S :

6 H A O S P P : A W O S : A H :

A T Z : A H O H : A T H A : A H S O : W S E :

7 A H S O : A O N A : O Z E N P : A P A Z H Z :

O L A P T : V E Z P : N X A A T P :

4 X O S : H N A A O C : H N A A O C :

1 V V A K O A Z : A T H A : X A T P :

O A T T V P P Z : H A A T P :

S K L Z : O H O V I Z :

2 T H T H : O R Z T O H : O T H P O H :

A O S A : X A A : O A O M P P : S T A :

3 A H S O : S P P : A V S O S : A O A P :

O S O S : A O A P : P S Z H O Z :

4 O R Z T O S : A N P : N A O A P :

O S K A Z : P Z O E : S T :

5 S C U T : O L V E : A A H Z : O P A S Z : X A S T :

6 O A N S O S : E U N I : H Z L : H S O : E T I :

A M L C : O A O S :

7 T U S : A L H S : T S T A : O N T H : O H T : N P O :

Προς Λεχοίμη τῷ θεῷ, ὃν σώσονται με.
 ἀποδολιγοφυχίας καὶ ἀποκαταιγίλος.
 καταπόντισον κύριε καὶ καταλίελε τὰς γλώσσας αὐτῶν.
 ὅτι εἶδον ἀνομίαν καὶ ἀντιλογίαν ἐν τῇ πόλει.
 ἡμεῖς καὶ νυκτὸς κυκλώσθ' αὐτὴν ἐπὶ τὰ τέχνη ἀντὶς.
 καὶ ἀνομία καὶ κόπος ἐν μέσῳ αὐτῆς καὶ ἀδικία.
 καὶ οὐκ ἐξέλιπεν ἐκ τῶν πλατῶν αὐτῆς τόκος καὶ δόλος.
 ὅτι εἰδὼ ἔχθρος ὤνειλίσε με, ὑπὴνευκα ἄμ.
 καὶ εἰ ὁ μισῶν με ἐπ' ἐμὲ ἐμεγαλορρημόνησεν ἐκρέθημ ἄμ
 σὺ δὲ ἀνθρώπε ἰσοφύχε. (ἀπ' αὐτῶν.)
 ἠγάπησάν μου καὶ γινώσκον μου.
 ὅς ἐπιταυτὸ ἐγλύκαιάς μοι ἐλέσματα.
 ἐν τῷ οἴκῳ τῶ θεοῦ ἐπορεύθημεν ἐν ἀνομία.
 ἐλθέτω ἡ θάνατος ἐπ' αὐτοὺς καὶ καταβητώσασθε εἰς
 αὐτοὺς ζῶντες.
 ὅτι πονηρία ἐν ταῖς παροικίαις αὐτῶν, ἐν μέσῳ αὐτῶν.
 ἐγὼ πρὸς τὸν θεὸν ἐκέκραξα καὶ ὁ κύριος ἐισήκουσέ με.
 ἔσπερας καὶ πρῶτον καὶ μεσημβρίας λιπήσονται,
 καὶ ἐπαγγελῶ καὶ εἰσακούσεται τῆς φωνῆς μου.
 ἀνθρώσεται ἐν εἰρήνῃ τὴν ψυχὴν μου ἀπὸ τῆς ἐγγιζούσῃ μοι
 ὅτι ἐν πολλοῖς ἠέσαν ἄνθρωποι ἐμὴν.
 εἰσακούσεται ὁ θεὸς καὶ ταπεινώσθ' ἀνθρώπους.
 ὁ ὑπάρχων πρὸ τῶν αἰώνων.
 ὃν γὰρ ἐσιμ' ἀνθρώπων ἀντάλλαγμα.
 ὅτι οὐκ ἐφύβηθον τὸν θεόν.
 ἐξέτεινε τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐν τῷ ἀπολιθῶσαι.
 ἔβη βίβασον τὴν λιανότητα αὐτῶν,
 λιμερίσθησαν ἀπὸ οὐ γῆς τῶ προσωπῶν αὐτῶν.
 καὶ ἠγάπησαν αἱ καρδίαι αὐτῶν.
 ἠπαλύνθησαν οἱ λόγοι αὐτῶν ὑπὲρ ἐλαίου.
 καὶ ἄνθρωποι εἰσὶ βολίβητες.
 ἐπίβητον ἐπὶ κύριον τὴν μέριμνά σου καὶ ἄνθρωποι σε λιανῶν
 ὡς εἰς τὸ αἰῶνα σάλευ τῶ δικαίου. (θεῶν.)
 σὺ δὲ ὁ θεὸς, κατὰ ξῆς ἀνθρώπων εἰς φρεσὶς δικαιοδορίας.
 ἄνδρες αἰμάτων καὶ δολιότητος ὃν μὴ μῖσεύσασθε τὰς ἡμετέρας
 ἐγὼ δὲ κύριε ἐλπῶ ἐπὶ σέ. (μέρας αὐτῶν)
 εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν λαῶν τῶν ἀπὸ τῶν ἁγίων μεμακρυν-
 μένων τῶν δαβείων εἰς σηλογραφίαν ὅποτε ἐκράτησαν ἄν-
 θρώπων αἰαλλοφύλοι ἐν Γεῦ.
 μὲ

אֲחִישָׁח מִפְּלִיטָה
 מִרוּחַ סַעַר מִסַּעַר
 כִּלְעֵ אֲדָנִי כִּלְעֵ לְשׁוֹנִים
 כִּי רָאִיתִי חֶמְס וְרִיב בְּעִיר
 יוֹמָם וְלַיְלָה יִסְבְּבוּהָ עַל-חֻמוֹתֶיהָ
 וְאִן וְעַמִּל בְּקִרְבָּהּ : הִוֹת בְּקִרְבָּהּ
 וְלֹא-יָמִישׁ מִרְחוּבָהּ תוֹךְ וּמְרֻמָּהּ :
 כִּי לֹא אֵינִי יְחֻרְפְּנִי וְאֲשָׂא
 לֹא-מִשְׁנֵאֵי עַלִּי הַקִּדְיָל וְאֶפְתָּר מִפְּנֵי
 וְאַתָּה אֲנֹשׁ כְּעַרְפָּךְ
 אֲלֹפִי וּמִיָּדַעִי :
 אֲשֶׁר יִחְדוּ נִמְתִּיק סוֹד
 בְּבֵית אֱלֹדִים נִהְלַךְ בְּרֻגְשׁ :
 יִשִּׁי מוֹרֶת עַל-יָמוֹ יִרְוִי
 שְׂאוֹל חַיִּים
 כִּי-רַעִוֹת בְּמִקְרָם בְּקִרְבָּם :
 אֲנִי אֶל אֱלֹדִים אֶקְרָא וַיְהִדֵד יוֹשִׁיעֵנִי :
 עֵרֵב וְיִקְרַר וְצַרְרִים אֲשִׁיחָה
 וְאֲמַתָּה וְשִׁמְעֵ קוֹלִי :
 פִּדְהָ כִּשְׁלוֹם נַפְשִׁי מִקִּרְבָּהּ לִי
 כִּי בְרַבִּים הָיוּ עֲמָדַי :
 יִשְׁמַע אֵל וְיִעַנֵם
 וְיִשְׁבַּר קֶדֶם סֵלָה
 אֲשֶׁר אֵין חֵלִיפוֹת לָמוֹ
 וְלֹא-יִרְאוּ אֱלֹדִים :
 שְׁלַח יָדָיו בְּשֵׁל וּמָוִן
 חֵלֵל בְּרִיתוֹ :
 חֵלֵקוּ מִחֲמֵאוֹת פִּינוּ
 וּקְרַב-לָבוֹ
 רַבּוֹ רַבְרִיו מִשְׁמֵן
 וְהִמָּה פֶתִיחוֹת :
 הַשִּׁלְךָ עַל-יְיָ יִהְיֶה וְהוּא יִבְרַכְךָ
 לֹא יִתֵּן לְעוֹלָם מוֹט לְצַדִּיק :
 וְאַתָּה אֱלֹדִים תִּתְרוּדֵם לְבֵאֵר-שַׁחַת
 אֲנָשִׁי דָמִים וּמְרֻמָּה לֹא-יִחַצוּ זִמְתָּם
 וְאֲנִי אֶכְרַשׁ-בְּךָ :
 לְמַנְצָה עַל-יּוֹנָת א
 אֶלֶם רַחֲוֹקִים לְדִקְרָה
 מִכְתָּם בָּאָהוּ אוֹתוֹ פִּלְשֵׁתִים בְּגַת :
 י ה

Λησού με ὁ θεὸς ὅτι κατέπαθόν με ἄνθρωπος·
ὅλην τὴν ἡμέραν πολεμῶν ἐθλιψέ με.

Κατεπάθον με οἱ ἐχθροί μου ὅλην τὴν ἡμέραν·
ὅτι πολλοὶ οἱ πολεμοῦντές με ἄπο ὑψῶς ἡμέρας οὐ
ἐγὼ δὲ ἐλπῶ ἐπὶ σέ. (φωβηθήσομαι)

Ἐν τῷ θεῷ ἐπαινέσω τὸν λόγον μου·
ἐπὶ τῷ θεῷ ἠλπίσα, ὃν φοβηθήσομαι ἵη ποιήσῃ μοι σάξ·
Ὅλην τὴν ἡμέραν τὸν λόγον μου ἐβλελεύσομαι·
κατ' ἐμὸν πάντες οἱ λιαλοῖστές μου ἀντὼν εἰς κακόν.

Παροικῶσαι καὶ κατὰ κενύψισιν·
ἄνθ' οἱ τὴν ψῆφον μου φωλάξοι.
Καθάπερ ὑπέμηνον τὴν ψυχὴν μου·
ὑπερτὸ μέδονος ὡσεὶς ἀντὸς·
ἐμ' ὅτ' ἢ λάξ κατὰ ξίς.

Ὁ θεὸς τὴν ζωὴν μου ἐξήγγιλά σοι·
ἔδοξά σοι λακέρνα μου ἐνώπιόν σου ὡς καὶ ἐμ' ἐπαγγελία
ἐπίσειψισιν οἱ ἐχθροί μου εἰς τὰ ὠπίω. (σ·)

Ἐν ἡ ἡμέρᾳ ἐπικαλέσομαι σε·
ἵλασ' ἐγὼ ὅτι θεὸς μου εἶ σὺ.

Ἐπὶ τῷ θεῷ αἰνέσω ἑμὲ·
ἐπὶ τῷ κυρίῳ αἰνέσω λόγον·
ἐπὶ τῷ θεῷ ἠλπίσα ὃν φοβηθήσομαι ἵη ποιήσῃ μοι ἄνθρωπος
Ἐμ' ἐμὸν ὁ θεὸς ἐνχαίρει ἀπολύσων αἰνεσῶς σου·
Ὅτι ἐρῶ τὴν ψυχὴν μου ἐκ θανάτου·

τὸν ὄφθαλμόν μου ἀπο λακέρνας·
καὶ τὸν πόδα μου ἀπο ὀλισθήματος·
Ἐναρξήσομαι ἐνώπιόν κυρίου ἐμ' φωτὶ ζῶντων·
Εἰς τὸ τέλος ἡλιαφθέρης ἡ δόξα εἰς ἡ λογραφίαν ἐμ' ἡ
ἀντ' ἀπολιθεύσας ἀπο προσώπ σου λ, εἰς τὸ σπλάγιον.

Λησού με ὁ θεός, ἔλεησόν με·
ὅτι ἐπί σοι πέποιθεν ἡ ψυχὴ μου. ρς

καὶ ἐμ' ἐμ' σκίαν τῶν πτερυγῶν σου ἐλπῶ·
ἕως ὃν παρέλθῃ ἡ ἀνομία.

Κεκαρξάμαι πρὸς τὸν θεόν τὴν ὑψίστην
τοῦ θεοῦ τὸν ἐνεργηθέντά με·
Ἐξάπτεσθ' ἐμ' ἐξ ὄνου καὶ ἐσώσ' με·
ἐλακέρεισ' ἐν ὄφθαλμοῖς τοῖς καταπατούντάς με·
Ἐξάπτεσθ' ἐμ' ὁ θεός ὅτι ἐλεῶς ἀντὸ καὶ τὴν ἀληθείαν ἀντὸ·
καὶ ἐρῶ τὴν ψυχὴν μου ἐκ μέσος σκύνων.

נני אלהים כי שפני אנכי
כל היום לחס יתקצני

שפני שוכרי כל היום
כי רבים לחמים לי מרום יום אירא
אני אלהיך אבטח
באלהים אהלל דבר
באלהים בטחתי לא אירא מה יעשה
כל היום דברי יעצבו
עלי כל מחשבתם לרע יגורו יצפוני

המה עקבי ישמרו
באשר קו נפשי
על און פלט למו
באר עמים ודור
אלהים ינוי ספרת
אתה שימה דמעתי בנאך הלא בספרתה
אז ישבו אויבי אחר
ביום אקרא
זה ידעתי כי אלהים לי
באלהים אהלל דבר
ביות אהלל דבר
באלהים בטחתי לא אירא מה יעשה אדם
עלי אלהים דבריך אשלים תדוה לך (לי)
כי הצלת נפשי ממות

הלא רגלי מהיה
לחתה לך לפני אלהים באור החיים ינו
למנצח אלהי שחת לך מכתב ב
בכרחו מפני שאול במערה
נני אלהים חנני
כי כה חסיה נפשי

ובצל כנפך אהסה
עד עבר הוות
אקרא לאלהים עליך
לא אגמר עלי
ישלח משמים ניוש יעני
חרף שאפי סלה
ישלח אלהים חסדו ואתו
נפשי בתוך לבאים

dormiui conturbatus .
 Filij hominū dentes eorū arma & sagittę
 & lingua eorum gladius acutus.
 Exaltare super coelos deus:
 & super omnem terram gloria tua .
 Laqueum parauerunt pedibus meis :
 & incuruauerunt animam meam
 Foderunt ante faciē meā foueam : & inciderunt
 Paratum cor meum deus : (in eam .
 paratum cor meum : cantabo & psalmū dicam :
 Exurge gloria mea :
 exurge psalterium & cythara :
 exurgam diluculo .
 Confitebor tibi in populis domine :
 & psalmum dicam tibi in gentibus .
 Qm̄ magnificata est usq; ad coelos misericor
 & usq; ad nubes ueritas tua . (dia tua :
 Exaltare super coelos deus :
 & super omnem terram gloria tua .
 In finē ne disperdas Da . in tituli inscriptiōe .
 I uere utiq; iusticiā loquimini : LVII .
 recte iudicate filij hominum .
 Etenim in corde iniquitates opamini in terra :
 iniusticias manus uestre concinnant .
 Alienati sunt peccatores a vulua :
 errauerunt ab utero locuti sunt falsa .
 Furor illis secundū similitudinem serpentis :
 sicut aspidis furdę & obturantis aures suas .
 Que non exaudiat uocem incantantium :
 & uenefici incantantis sapienter .
 Deus conteret dentes eorum in ore ipsorum :
 moles leonum confringet dominus .
 Ad nihilum deuenient tanquā aqua decurrens :
 intendit arcum suum donec infirmentur .
 Sicut cera quę fluit auferentur :
 supercecidit ignis & non uiderunt solem .
 Priusquā intelligerent spinę uestre rhamnum :
 sicut uincentes sic in ira absorbet eos .
 Legabitur iustus cum uiderit uindictam :

ወናዎኩ: ድንገት።
 6 ደቂቅ: እገለ: እመሕያወ: ስኒኒሆሙ: ሰጽ: ወኩ
 ወልሳዎሙ: በሊሕ: መጥባሕት: ሠናት: ሠናት:
 7 ተለገለ: እግዚአብሔር: መልዕልተ: ሰጽያት:
 ወበኩሉ: ወደር: ስብሐቲሁ:
 8 መሠገርት: አስተደለወ: ለእገሪዎ:
 ወቀጽዕዋ: ለናፍሰዎ:
 9 ከረዩ: ግብ: ቅድጻዎ: ወወደቁ: ወከቴቱ:
 10 ጥቡዕ: ለብዎ: እግዚአ:
 ጥቡዕ: ለብዎ: እኩብሕ: ወእዜዎር:
 11 ወይትኒህእ: ክብርዎ:
 ወይትኒህእ: በመዝሙር: ወበመሰጠኛ:
 ወእትኒህእ: በጸባሕ:
 12 እገኒ: ለከ: በውስተ: አሕዛብ: እግዚአ:
 ወእዜዎር: ለከ: በውስተ: ሕዝብ:
 13 እስመ: ህቢዎት: እስከ: ሰጽያት: ወሕረትከ:
 ወእስከ: ደመናት: ጽድቅከ:
 14 ተለገለ: እግዚአብሔር: መልዕልተ: ሰጽያት:
 ወበኩሉ: ወደር: ስብሐቲሁ:
 ፍጹጽ: አቲወሰኛ: ዘደዊት: ለርእዮ: መጽሐፍ:
 1 ሃጊ እመክ: ለጸገጽደቁ: ትኒቡ:
 ወርቅህ: ትኩረት: ደቂቅ: እገለ: እመሕያወ:
 2 እስመ: በለብክሙ: ኃጢአተ: ትገብረ: በደባ: ወደ
 ወጽላሐተ: ደግሞ: እደዊክሙ: ሠናት:
 3 ተኒህረ: ኃጥላኛ: እጸጋጸኛ:
 ወእጥከርህ: ስሕተ: ወኒባዎ: ሕሐተ:
 4 ወመጥቅሙ: ከመ: ሕመዘ: ለርጭ: ወደር:
 ወከመ: ለርጭ: ወደር: ጽድቅ: እዘኒሃ:
 5 እኛተ: አትከወዕ: ቀለ: ዘይሬቆዎ:
 እኛዘ: ደሠርዎ: መሠርደ: ጠቢብ: ሠናት:
 6 እግዚአብሔር: ደክብር: ስኒኒሆሙ: በውስተ: ለፋ
 ወደክብር: እግዚአብሔር: ጥረኪሆሙ: ለእናብሕ
 7 ወዮኒስረ: ከመ: ጸይ: ዘይትከገወ:
 ወደጭስቁ: ቀስቶ: እስከ: ያደክኖሙ:
 8 ወዮኒስቁ: ከመ: ሰጥዕ: ዘይትከገወ:
 ወደቆት: እስት: ወእርእክዎ: ለጸሐይ:
 9 ዘእኛብለ: ደትገወቆ: ሃክክሙ: ሕለተ: ስኒ:
 ከመ: ሕያዎት: በመጥቅ: ደውጣክሙ:
 10 ደትኬህሕ: ጸድቆ: ሰባ: ደሬእ: በቀለ:

κοιμηθη θελαρα γμενος .

Υιοι ανθρωπων οι ολοντες αυτων οπλα κη βελη
κη γλωσσα αυτων μαχαιρα οξεια .

Υψωθητι επι τους υρανους θεος .

κη επι πασα τη γη η λοξα σου .

Γαυλια ηριμασαμ τω σοσιμα .

κη κατεκαμψαμ την ψυχημα .

Ωρηξη προ προσωπωμα σου ενοπεσομ εις αυτωμ .

Ετοιμη η καρδια σου ο θεος ,

ετοιμη η καρδια σου ασομαι κη ψαλω εμ τη λοξημα .

Εξεγεθη η λοξα σου ,

εξεγεθη ψαλθειου κη κισαρα ,

εξεγεθη σομα ορθου .

Εξομολογησομαι σοι εμ λαοις κυριε .

ψαλω σοι εμ ενουε .

Οτι εμεγαλυνθη εως των υρανων το ελεος σου .

κη εως των νεφελων η αληθεια σου .

Υψωθητι επι τους υρανους θεος .

κη επι πασα τη γη η λοξα σου .

Εις το θελον διαφθερησ θω διαβιη εις σηλογαφιαν κη

Ι αληθως αρα δικαιοσυνη λαλητε .

ενθειασ κρινετε υιοι των ανθρωπων .

Και γαρ εμ καρδια ανομιας εργαζεσθε εμ τη γη

αλικια αι χειρεσ υμων συμπλεκουσιν .

Απηλλοτριωθησαμ οι αματωλοι απο μηρας .

επλανηθησαμ απο γαστροσ , ελαθησαμ ψευδη .

Θυμοσ ανρισ κατα τημ ομοιωσιμ τω οφρωσ .

ωσει ασπιλοσ κωφισ κη βυσσησ θω οτα αντησ .

Ητισ ουκ εισακκοσεται φωνησ εωα λονιωμ .

φαρμακωσ τε φαρμακενομενη παρα σοφωσ .

Ο θεοσ συνιριψη τονσ δολοντασ αυτων εμ θω σοματι ανιωμ

θασ μυλασ των λεονιωμ συνετλασεμ ο κυριοσ .

Εξολεωθησονται ωσει υδωρ διαπορευομενομ .

εμτενει το θυμ αυτωσ εωσ ουκ ασομνησουσιν .

Ωσει κηροσ τα κεισ ανηναιρεθησονται .

επισε πωρ εω αυτουσ κη ουκ εισομ τον ηλιομ .

Προ τωσ συνιεναι τασ ακανθασ υμων τημ εσμνησ .

ωσει ζωνιασ ωσει εμ οργη καταπιεται ανθουσ .

Ενφρανησεται δικαιοσ οταμ ηλη εκ ληθησ .

ששכבה לרשעים

בבני אדם שנידם תנית ותצים

ולשונם הרב חרה :

דומה על השמים ארזים

על כל הארץ כבודך :

קשת הכינו לפעמי

בכף נפשי

כרו לפני שיחה נפלו בתוכה סלה :

בכון לבי ארזים

בכון לבי אשירה ואפרה :

עורה ככורי

עורה הככל וכנור

אעירה שחר :

אודך בעמים ארזי

אזמרה כל אמים :

כי יזלעד שמים חסדך

ועד שחקים אמתך :

דומה על שמים ארזים

על כל הארץ כבודך :

למצח אל תשחת לבוד מכתם

אמנם אלם צדק תדברון

ה משרים תשפטו בני אדם :

אף בלב עולת תפעלון בארץ

המס ידכם תפלוסון :

וזרו שעים מרחם

תעו מבטן דברי כוב :

חמת למו פדמות

חמת נחש כמו פתן חרש יאמם אנו :

אשר לא ישמע לקול מל חשים

דובר דברים מחרם :

אלדים הרס שנימו כפימו

זל תעות כפירים נתן יהוד :

ימאסו כמו מים ותהלכו למו

ידרך חציו כמו ותמלו :

כמו שבלול תמס יהלך

כפל אשת כל חו שמש :

במס יבינו סרותים אפוד

כמו חי כמו חרון יסערנו :

ישמח צדיק כי דוה בכם

manus suas saturabit in sanguine peccatoris.
 Et dicet homo si utiq; est fructus iusto:
 utiq; est deus iudicans eos in terra.
 In finē ne dispēdas Da. ī tituli īscriptiōe qm̄ mi
 sit Saul & custodiuit domū ei⁹ ut īterficeret eū,
 Ripe me de inimicis meis de⁹ me⁹: LVIII.
 & ab insurgentibus in me libera me.
 Eripe me de operantibus iniquitatem:
 & de uiris sanguinum salua me.
 Quia ecce ceperunt animam meam:
 irruerunt in me fortes.
 Neq; iniquitas mea neq; peccatum meū dñe:
 sine iniquitate cucurri & direxi.
 Exurge in occursum meum & uide:
 tu domine deus uirtutum deus israel.
 Intende ad uisitandas omnes gentes:
 nō miserearis omnib⁹ qui operātur iniquitatē.
 Cōuertē ad uesperā & famē patienī ut canes:
 Ecce loquē ī ore suo: (& circuibūt ciuitatē
 & gladius in labijs eorum:
 quoniā quis audiuit. Et tu dñe deridebis eos:
 ad nihilum deduces omnes gentes.
 Fortitudinem meam ad te custodiam:
 quia deus susceptor meus ē.
 deus meus misericordia eius p̄ueniet me⁹
 Deus ostendit mihi super inimicos meos:
 ne occidas eos: neqñ obliuiscanī populi mei.
 Disperge illos in uirtute tua:
 & deponē eos proteciōr meus domine.
 Delictum oris eorum sermonē labiorū īpsorū:
 & comprehendantur in superbia sua.
 Et de execratōe & mēdacio anūciabū ī cōsū
 ī ira cōsumationis & nō erūt. (matione)
 Et scient quia deus dominabitur iacob:
 & finīū terræ. (nes: & circuibūt ciuitatē.
 Cōuertētur ad uesperā & famē patietur ut canes
 Ipsi dispergentur ad manducandum:
 si uero non fuerint saturati & murmurabunt.
 Ego autem cantabo fortitudinem tuam:

O. E. T. Q. U. O. N. I. A. S. U. P. E. R. I. M. I. C. O. S. M. E. O. S. :
 11 O. E. T. Q. U. O. N. I. A. S. U. P. E. R. I. M. I. C. O. S. M. E. O. S. :
 O. R. A. T. I. O. N. E. S. :
 O. R. A. T. I. O. N. E. S. :
 1 V. T. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 2 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 3 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 4 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 H. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 5 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 6 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 7 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 8 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 O. H. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 9 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 10 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 11 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 12 H. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 13 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 14 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 O. P. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 15 O. P. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 16 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 17 A. S. P. E. R. T. I. S. :
 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :
 18 O. A. S. P. E. R. T. I. S. :

τὰς χεῖρας αὐτῶν νίφεται ἐν τῷ αἵματι τῶ ἀμάρτανου.
καὶ ῥεῖ ἄνθρωπος, εἰ ἄρα ἐστὶ καρπὸς τῶ δικαίου.
ἄρα ἐστὶν ὁ θεὸς κριτὴν αὐτῶν ἐν τῇ γῆ.

Εἰς ῥτέλ μὴ διαφθείρης τῶ δικαίῳ εἰς σιλογραφίαν
ὅποτε ἀπέσῃ λ σὰ λ κὶ ἐφύλαξε τὸ οἶκον τὸ θανάτῳ αὐτῶν.
Ξελοῦ με ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου ὁ θεός. μὴ
κὶ ἐκ τῶν ἐπανισταμένων ἐπέμε, λυτρώσαι με.

Ῥύσαι με ἐκ τῶν ἐργαζομένων τῆν ἀνομίαν.
κὶ ἐξ ἀνθρώπων αἱμάτων σώσον με.
Ὅτι ἰδοὺ ἐθήξεν σὰν τῆν ψυχὴν μου.
ἐπέθεν ῥεπέ με κραταίαι.

Ὅντιν ἀνομία μου, οὐτε ἡ ἀμαρτία μου κύριε
ἀνευ ἀνομίας ἔλασμον κὶ κατένθηνα.
Ἐξεγέθητι εἰς συνάντησίν μου κὶ ἴλε.

καὶ οὐ κύριε ὁ θεός τῶ δυναμῶν ὁ θεός τῶ ἰσραήλ.
Γρόσχος τῶ ἐπισκέψασθαι πάντα τὰ ἔθνη.
μὴ οἰκτιρήσῃς πάντας ῥους ἐργαζομένους ἀνομίαν.

Ἐπιστρέψου εἰς ἐσπέραν, κὶ λιμώξου ὡς κύ κὶ κυκλώ.
Ἰδοὺ ἀντὶ ἀποφθέξουσιν ἐν τῷ σώματι αὐτῶν (σοσο πόλιμ).
κὶ ῥομφαία ἐν χεῖρας αὐτῶν,
ὅτι τίς ἠκούσε, καὶ οὐ κύριε ἐκγελάσῃς ἀνθρώπου.

Ἐξλενάσῃς πάντα τὰ ἔθνη.
Τὸ κράτος μου πρὸς σέ φυλάξω.
ὅτι οὐ ὁ θεός ἀντιλήπτωρ μου εἶ,
ὁ θεός μου ῥέλεος ἀντὶ προσβάσῃ με.

Ὁ θεός μου λείξῃ μοι ἐν χεῖρας ἐχθρῶν μου.
μὴ ἀποκτείνῃς ἀνθρώπου, μὴ ποτε ἐπιλάβωνται τὸ νόμος σου.
Διασκορπίου ἀνθρώπου ἐν τῇ δυναμῶν σου.
κὶ κατάγαγε ἀνθρώπου ὁ ὑπερασπιστής μου κύριε.

Ἄμαρτια σώματος αὐτῶν, λόγος χεῖρας αὐτῶν.
καὶ οὐ ληφθήτωσαν ἐν τῇ ὑπερφανίᾳ αὐτῶν.
καὶ ἐξ ἄρας κὶ ψεύδους διαγγελησονται ἐν συντελείᾳ.
ἐν ὄργῃ συντελέσῃς καὶ οὐ μὴ ὑπάξῃς.

καὶ γινώσκονται ὅτι ὁ θεός λεοσπύσει τὸ ἰακώβ.
καὶ τῶν περῶν τῆς γῆς.
Ἐπιστρέψου εἰς ἐσπέραν, κὶ λιμώξου ὡς κύ κὶ κυκλώ

Ἄντοι διασκορπίσθησονται τὸ φαγεῖν. (σοσο πόλιμ)
ἔσῃ δὲ μὴ χορτασθῶσι κὶ γογγύσῃσι.
Ἐγὼ δὲ ἄσομαι τῇ δυναμῶν σου.

פעמי ויורחך בדם הרשע :
ויאמר אדם אך פרי לצדיק
אך יש אלים שפטים בארץ :
נס

לסנצח אל תשדת לך מכתם
בשלה שאלו וישמרו את הבית לרמיתו
צילני מאיבי אלהי

מימתקומי תשגבני :
הצילני מפעלי און
ומאנשי דמים הושיעני

כי רנה ארבו לנפשי
וגורו עלי עים
לא פשעי ולא הסאתי יהוה :

בלי עון ירוצון ויכוננו
עורה לקראתי וראה :
ואתה ואלדים צבאות אלהי ישראל

תקיצה לפקד כל הגוים
אל תחן כל בשרי און סלה :
וישובו לערב יהמו ככלב ויסוכבו עיר :

הנה יביעון בפייהם
תרכות בשבתותיהם
כי מי שמע : ואתה וישחק למו

תלע ל כל גוים :
עון אלהי אשמה
כי אלים משגבני :

אלהי חסדו יקדמני
אלדים יראני בשררי :
אל תהרגם ופן ישכחו עמי

הניעבו בחלק
והורידמו מגבני ארני :
חטאת פיו דבר שפתימו

וילמדו כאונם
ומאלה ומכחש יספרו : כלה
בחסה כלה ואינימו

וידעו כי אלים מושל ביעקב
לא אפסי הארץ סלה :
וישובו לערב יהמו ככלב ויסוכבו עיר :

המה ינועון לאכל
אם לא ישבעו וילנו :
ואני ישיר עון

& exaltabo mane misericordiam tuam.
 Quia factus es susceptor meus
 & refugium meum: in die tribulationis meae.
 Adiutor meus tibi psallam:
 quia deus susceptor meus es:
 deus meus misericordia mea.

In finē p his qui cōmutabuūt in tituli inscrip-
 ptione Dauid, in doctrinā, cū succendit Mesopotamiā
 Syriā, & Syriā Sobal, & cōuertit Iosab, & percussit Edom in ualle salinag, xij. milia.

d Eus repulisti nos & destruxisti LIX.
 irat⁹ es & misere⁹ es nobis. (nos:

Commouisti terram & conturbasti eam:
 sana contritiones eius quia commota est.
 Ostendisti populo tuo dura:
 potasti nos uino compunctionis.
 Dedisti metuentibus te significationem:
 ut fugiant a facie arcus.
 Ut liberentur dilecti tui:
 saluum fac dextera tua & exaudi me.
 Deus locutus est in sancto suo:
 Ietabor & partibor sicut himam:
 & conuallem tabernaculorum meribor.
 Meus est galaad & meus est manasses:
 & effraim fortitudo capitis mei.
 Iuda rex meus:
 moab olla spei meae.

In idumeam extendam calciamentū meum:
 mihi alienigenę subditi sunt.
 Quis deducet me in ciuitatem munitam:
 quis deducet me usq; in idumeam.
 Nonne tu deus qui repulisti nos:
 & non egredieris deus in uirtutibus nostris.
 Da nobis auxilium de tribulatione:
 quia uana salus hominis.
 In deo faciemus uirtutem:
 & ipse ad nihilum deducet tribulātes nos.

In finē in hymnis Dauid. LX.

e Xaudi deus deprecationem meam:

λ τ β υ ι θ̄: π ρ α θ̄: π ρ θ̄ λ ζ τ η: ::
 19 λ η σ: η ζ η ζ: φ η η ε ρ: ::
 φ χ ω ζ ρ: π ο λ τ: φ ζ ρ β ρ: ::
 20 λ ρ λ ρ: λ ζ τ: ω λ η: λ η φ ρ: λ φ ρ η ρ: ::
 λ η σ: λ φ ρ η ρ: φ φ η η ε ρ: λ ζ τ: ::
 λ φ ρ η ρ: φ λ τ: υ ι υ α ρ: ::
 φ ρ ω: η λ α: τ π υ ε: υ ε ρ: λ γ λ ρ: σ ρ ρ θ̄ φ: η ρ ρ τ̄:
 λ τ φ π ρ ρ τ̄: η λ σ: λ ω ν ρ: σ η ρ ω φ ρ: η ρ γ ρ: η
 η π α: ω τ σ ε μ: ρ ω φ η: φ φ τ λ: π ρ α η τ υ φ: η
 α λ ζ: ν ω γ τ: ω β ρ: ::

1 υ θ λ γ η λ: η ρ φ η ζ: φ ζ ω τ η ζ: ::
 φ η φ η ζ υ: ω τ υ ι υ α η ζ: ::
 2 λ ρ λ φ λ φ: λ φ ρ γ: φ υ η: ::
 φ β φ η η: φ η λ: λ η σ: λ ζ φ α φ λ τ̄: ::
 3 φ λ γ λ ρ η σ: υ θ η τ: λ η η η η: ::
 φ λ η τ ε η ζ: φ ε ζ: σ ρ ζ γ θ: ::
 4 φ ω υ η η σ: τ λ φ ρ τ: λ λ α: ε β γ υ η: ::
 η σ: ρ φ η η: λ φ η ρ: φ η τ̄: ::
 5 φ ε ρ γ ζ: φ φ ζ ζ η: ::
 λ ρ γ ζ: π ρ ρ ζ η: φ η φ ν ζ: ::
 6 λ γ η λ φ η λ: ζ π π: π σ φ ρ η: ::
 λ τ β υ ι θ̄: φ λ τ η β α: φ υ γ η: ::
 φ λ η β γ: α υ ρ ρ τ: ρ α τ̄: ::
 7 η λ ρ: φ λ τ: η α λ ρ: φ η λ ρ: φ η β: ::
 φ λ φ λ φ: φ η η η: γ λ η ρ: ::
 8 φ ε υ ρ: ζ τ λ υ ρ: ::
 φ φ α η: η υ ζ: τ η γ ρ: ::
 9 ε π: λ ρ φ ρ η: λ η φ η: σ η ε ρ ρ: ::
 λ τ: ε η ζ ρ: λ λ φ λ: ::
 10 σ ζ: ε ω η ρ ζ: υ η ζ: φ φ φ: ::
 φ σ ζ: ε σ γ η ζ: λ η η: λ ρ φ ρ η: ::
 11 λ η ζ: λ ζ τ: λ γ η λ: η η ρ φ η ζ: ::
 φ λ τ φ θ λ: λ φ ρ η ζ: φ η λ: γ ε α ζ: ::
 12 υ π ζ: λ ρ λ τ: λ φ ζ ρ β ρ: ::
 φ η ζ τ: τ λ φ ρ: π η η λ: ::
 13 π λ γ η λ φ η λ: ζ η η γ: γ ε λ α: ::
 φ ω λ τ: ρ ζ η ρ σ: λ λ α: ε η φ ρ ζ: ::
 φ ρ ω: η γ λ τ: η ρ ρ τ̄: ::

1 λ φ υ ε: λ φ ρ η ρ: λ λ λ τ ρ: ::

[Marginal notes in a smaller script, likely a commentary or alternative translation, partially legible.]

καὶ ἀγαλλιάσομαι ὅτι πρῶτον ἔλεός σου.

Ὅτι ἐγενήθησθε ἀντιλήπτορες μου.

καὶ καταφυγὴ μου ἐν ἡμέραις θλίψεώς μου.

Βοηθός μου εἶ, σοὶ ψαλῶ.

ὅτι ὁ θεὸς ἀντιλήπτορες μου εἶ,

ὁ θεός μου ἔλεός μου.

Εἰς τὸ τέλος τοῖς ἀλλοιωθησομένοις εἰς σηλογοραφίαν τῶν
Δαβὶδ εἰς Διδαχὴν· ὅποτε ἐνεπύρισε τὴν Μεσοποταμί-
αν συνείας καὶ τὴν συνείαν σοβῶν καὶ ἐπέσειε φεμῖν ἰσάβ καὶ ἐπῶ-
ταξε τὸ δῶμα ἐν τῇ φάραγγι τῆ ἀλλ' δώλεκ χιλιάδ' αὐτῶν.

Δεὸς ἀπώσω ἡμᾶς καὶ καθέλιεσ ἡμᾶς. μδ'

ὡργισθῆς καὶ ἀκτείσεισ ἡμᾶς.

Συνέσεσ τὴν γῆν καὶ συνετάραξας ἀντὴν·
ἰάσαι τὰ συντριμμάτα ἀντὴς ὅτι ἐσαλεύθη.

Ἐλεῖξας τῶν λαῶν σε σκληρὰ·

ἐπότισας ἡμᾶς οἶνον κατανύξεως·

Ἐλωκας τοῖς φοβημένοις σε σημεῖωσιν·

τῶ φυγῆν ἀπο προσώπου τοῦ σου.

Ὅπως ἀν' ἐνδοξωσιν οἱ ἀγαπηταί σου·

σῶσον τῇ δεξιᾷ σου καὶ ἐπάκουσόν μου.

Ὁ θεὸς ἐλάλησεν ἐν τῷ ἁγίῳ ἀντὶς,

ἀγαλλιάσομαι καὶ Διὰ μετῶ οἰκῆμα·

καὶ τὴν κοιλάδα τῶν σκηνῶν Διὰ μετῶσιν.

Ἐμὸς ἐστὶ γαλακτὶ καὶ ἐμὸς ἐστὶ μαινάσσης·

καὶ ἐφραῖμ κραταίωσις τῆς κεφαλῆς μου.

Ἰουδας βασίλειός μου.

μὴ βλάβῃς τῆς ἐλπίδος μου.

Ἐπὶ τὴν ἰδυσμαίωσιν ἐκτενωσὶ ὑπόδημά μου·

ἐμοὶ ἀλλόφρονι οὐ πετάγησιν.

Τὶς ἀπαξί με εἰς πόλιν περιουχίης·

ἢ τὶς ὠληθίωσ με ἕως τῆς ἰδυσμαίας;

Ὀυκὶ σὺ ὁ θεὸς ὁ ἀπαωσάμενος ἡμᾶς·

καὶ οὐκ ἐξελεύσῃ ὁ θεὸς ἐν ταῖς λυνάμεσιν ἡμῶν.

Δὸς ἡμῖν βοήθειαν ἐκ θλίψεως.

καὶ ματαίωσ ὡς τῆς ἀνθρώπων.

Ἐν τῷ θεῷ ποιήσομεν λυνάμεν.

καὶ ἀντὶς ἐξέσωσ ἡμᾶς τὸν θλιβόντα ἡμᾶς.

Εἰς τὸ τέλος ἐν ἕμνοις τῶν Δαβὶδ.

Ἐ Ἰσακονομὸς ὁ δεὸς τῆς δεξιῆς μου.

ואדנו לבקר חסדך

כי היית משגב לי

ומנוס ביום צר לי

עני אליך אזברה

כי אל דים משגב

אליך חסדך

למנצח על שושן עדות מכתם לך

ללמד בהצותו את ארם נהרים ואת א

ארם צובה וישב יואב ויך את ארם בנהיא

מלה שנים עשר אלף

לדים ונחתנו פראתנו

אנפתת שוכב לנו

הרע שמה ארץ פצמתה

רפה שכרית כי משה

הראית עמך קשה

השקיתנו ויך תרעלה

נתתה לי ראיך גם

להתנוסס מפני קשש סלה

למען יחלצוך יד יריך

הושיעה ומינה ועננו

אל דים והבר בקדשו

אעל לך אחת לך שכם

ועמק סבות אמדך

לי גדע ערולי מנשה

ואפרים מעוז ראשי

יהודה מהקקרי

מואב סיר רחצי

על אדום אש לך בעלך

על פלשת התרועעי

מי יובילני עיר מצור

מי נחני עד אדום

הלא אתה אל דים ונחתנו

ולא תצא אל דים בצבאותינו

הכה לנו עזרת מצר

ושוא תשועת ארם

באל דים נעשה חילך

זהו יבוס צרנו

ס

למנצח על נגינת לך

מעה אל דים רנתך

intende orationi mee.

A finibus terre ad te clamaui dū anxiaret cor
in petra exaltasti me. (meum:

Deduxisti me quia factus es spes mea:
rursus fortitudinis a facie inimici.

Inhabitabo in tabernaculo tuo in secula:
protegar in uelamento alarum tuarum.

Quoniam tu deus meus exaudisti orationem meam:
dedisti hereditatem timentibus nomen tuum.

Dies super dies regis adijcies: annos eius
usque in diem generationis & generationis.

Permanet in aeternum in conspectu dei:
misericordiam & ueritatem eius quis requirit?
Sic psalmum dicam nomini tuo in seculum seculi:
ut reddam uota mea de die in diem.

In finem pro didichum Psal. David. LXI.

Omne deo subiecta erit anima mea:
ab ipso enim salutare meum.

Nam & ipse deus meus & salutaris meus:
susceptor meus non mouebor amplius.

Quousque irruitis in hominem:
interficitis uniuersi uos:

tanquam parieti inclinato & maceriae depulsa.
Veruntamen precium meum cogitauerunt repellere:
cucurri in siti:

ore suo benedicebant: & corde suo maledicebant.

Veruntamen deo subiecta esto anima mea:
quoniam ab ipso patientia mea.

Quia ipse deus meus & saluator meus:
adiutor meus non emigrabo.

In deo salutare meum

& gloria mea:

deus auxilij mei & spes mea in deo est.

Sperate in eo omnis congregatio populij:
effundite coram illo corda uestra:

deus adiutor noster in eternum.

Veruntamen uani filij hominum:

mendaces filij hominum in stateris:

ut desipiant ipsi de uanitate in idipsum.

ΘΑΚΦΑΞ:ΧΛΤΡ::

2 ΑΦΑΚΣΤΑ:ΦΡΕ:ΚΖΟΥ:ΥΒΗ:ΩΝ:ΦΠΧΞ:
ΘΑΦΑΠΖ:ΑΔΥΔΗΞ:: ΜΔΠΡ:

3 ΟΣΖΗΗΞ:ΑΗΣ:ΤΗΔΡ:ΟΖΗΞ::
ΑΥΔΡ:ΚΖΟ:ΦΡΣ:ΓΧ:ΚΑΛ::

4 ΑΣΠΕ:ΩΤΗ:ΑΥΛΑΦ::
ΘΑΤΗΡΖ:ΠΚΑΛΤ:ΝΣΛΗ::

5 ΑΗΣ:ΑΖΤ:ΑΦΑΠΡ:ΑΩΘΗΞ:ΧΛΤΡ::
ΦΟΥΠΗΣ:ΩΗΤ:ΑΛΑ:ΕΔΕΥΗ::

6 ΑΦΟΑΤ:ΟΑΤ:ΕΘΗΗ:ΖΤΛ:ΥΣ:ΥΣ::
ΑΗΗ:ΣΦΟΑ:ΤΦΑΡ:ΤΦΑΡ::

7 ΟΕΣΠΕ:ΑΥΛΑΦ:ΦΡΣ:ΑΥΗΑΠΩ::
ΣΖ:ΡΥΜΜ:ΥΙΛΑ:ΦΚΡΦ::

8 ΗΣΗ:ΑΗΦΕ:ΑΗΦΗ:ΑΥΛΑΦ::
ΗΣ:ΤΟΥΞ:ΤΩΖΤΡ:ΗΛΑ:ΑΔΖ::

ΦΣΘ:ΗΠΑΖΤ:ΑΡΤΦ:ΣΗΣΕ:ΗΡΕΤ::

1 ΚΟ ΑΒΞ:ΑΛΥΗΑΠΩ:ΤΓΞ:ΣΦΑΡ::
ΑΗΣ:ΥΒΥ:ΣΡΥΖΤΡ::

2 ΑΗΣ:ΘΑΤ:ΑΦΑΠΡ:ΟΣΡΥΖΡ::
ΦΘΑΤ:ΖΡΑΡ:ΟΑΕΤΥΘΗ:ΑΗΑΖ::

3 ΑΗΗ:ΑΛΗΞ:ΤΥΩΣ:ΑΘΑ:ΠΛΑ::
ΦΤΦΤΑΦ:ΗΑΗΣ::

ΗΣ:ΑΖΦΤ:ΚΖΘΖΤ:ΘΗΣ:ΦΦΦ:ΖΑΔ::
4 ΟΑΗΤ:ΣΗΖ:ΕΗΥΖ:ΗΠΕΡ::
ΩΕΚΗ:ΠΚΦΑΡ::

ΠΑΖΥΣ:ΕΡΥΖ:ΟΠΑΠΣ:ΕΖΓΣ::
5 ΟΑΗΤ:ΑΛΥΗΑΠΩ:ΤΓΞ:ΣΦΑΡ::
ΑΗΣ:ΥΒΥ:ΤΗΖΡ::

6 ΑΗΣ:ΘΑΤ:ΑΦΑΠΡ:ΟΣΡΥΖΡ::
ΟΖΡΑΡ:ΘΑΤ:ΑΕΤΥΘΗ::

7 ΠΑΥΗΑΠΩ:ΣΡΥΖΤΡ::
ΟΠΑΥΗΑΠΩ:ΗΠΕΡ::
ΑΦΑΗ:ΖΡΑΤΡ:ΟΤΗΖΡ:ΑΥΗΑΠΩ::

8 ΤΟΗΑ:ΑΤ:ΗΑΗΣ:ΑΥΠΖ:ΑΗΗΠ::
ΟΑΥΟ:ΑΠΗΣ:ΦΡΕΥ::
ΘΑΥΗΑΠΩ:ΘΑΤ:ΖΡΑΣ::

9 ΟΑΗΤ:ΗΖΤ:ΗΑ:ΡΦΦ:ΑΖΑ:ΑΣΗΡΦ::
ΑΑΡΡΖ:ΡΦΦ:ΑΖΑ:ΑΣΗΡΦ:ΟΕΥΦΦ:
ΑΣΖΕΑ:ΑΦΑΖΤ:ΩΗΤ:ΗΖΤ:ΗΣ: (ΣΡΑ

Θ::

προσχεστῆ προσευχῆ μὲν.
 Ἀπὸ τῆ περὰ τῆς γῆς, πρὸς σὲ ἐκέκραξα· ἐν τῷ ἀκηνάϊσθι
 ἐν πέτρᾳ ὑψώσας με. (τῆ καρδία μὲν,
 ὠλήγησάς με ὅτι ἐγενήθης ἐλπίς μου.
 πνεύγες ἰσχύος ἀπὸ προσώπου ἐχθρῶν.
 Παροικίῳ ἐν τῷ σκηνώματι σὺ εἶς ἅνους αἰῶνας·
 σκεπασθήσομαι ἐν τῇ σκέπῃ τῶν πτερύγων σου.
 Ὅτι οὐδὲ θεὸς εἰσέκοσας τῶν ἐνχῶν μου.
 Ἐλωκας κληρονομίᾳ τοῖς φοβημένοις τὸ ὄνομά σου.
 Ἡμέρας ἐφῆμέρας τῶν βασιλείων προσθήσῃς τὰ ἐπιάντῳ.
 ἕως ἡμέρας γενεᾶς καὶ γενεᾶς.
 Διαμενῆ εἰς ἅμ αἰῶνα ἐνώπιον τῶ θεῶ.
 ἔλεος καὶ ἀληθεία ἀντῶ τίς ἐκζητήσει,
 ὄντως ψαλῶ τῶν ὀνόματι σου εἰς τὸς αἰῶνας.
 τῶ ἀπολῶναι με ἵσ ἐν χάρι μὲν ἡμέρας ἐξ ἡμέρας·
 εἰς τὸ τέλος ἐν ἡμέραις ἰλιθῶν ψ τῶ δόξ. ξα
 ὕχι τῶ θεῷ ὑποτάγησεται ἡ ψυχὴ μου.
 ὡς ἀντῶ γὰρ τὸ σωτήριόν μου.
 Καὶ γὰρ ἀντῶ θεός μου καὶ σωτὴρ μου.
 ἀντιλήπτωρ μου ὃ μὴ σαλευθῶ ἐπὶ πλεῖον.
 Ἐὼς ποτε ἐπιτίθεσθε ἐπ' ἀνθρώπων.
 φονεύετε πάντες ὑμεῖς.
 ὡς ἰχθῶ κεκλιμένῳ καὶ φεαγμῶ ὡς μεῖω.
 Πλήρ τῆρ ἡμῆρ μὲν ἐβόλεν ἄνωσασθαι.
 ἔλεα μου ἐν δόξ,
 τῶ σώματι ἀντῶ ἐν λόγῳ, καὶ τῆ καρδία ἀντῶ κατεῶν.
 Πλήρ τῶ θεῷ ὑποτάγησεται ἡ ψυχὴ μου.
 ὅτι ὡς ἀντῶ ἡ ὑπόμονη μου.
 Ὅτι ἀντῶ θεός μου καὶ σωτὴρ μου.
 ἀντιλήπτωρ μου ὃν μὴ μετανασένω.
 Ἐπὶ τῶ θεῷ τὸ σωτήριόν μου,
 καὶ ἡ δόξ μου.
 ὁ θεός τῆς βοήθειας μου, καὶ ἡ ἐλπίς μου ἐπὶ τῶ θεῷ.
 Ἐλπίσατε ἐπ' αὐτῶν ὡς ἅσιν συναγωγὴ λαῶν.
 ἐσχέατε ἐνώπιον ἀντῶ τὰς καρδίας ὑμῶν,
 ὅτι ὁ θεός βοήθης ὑμῶν.
 Πλήρ μάταιοι οἱ υἱοὶ τῶ ἀνθρώπων.
 ψευδεῖς οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων ἐν ζυγαῖς,
 ἡ ἀδικία ἀντῶ ἐκ ματαιότητος ἐπιφανῆ.

חקשׁוּבָה תִּפְלִיתִי :
 מִקְצֵה הָאָרֶץ אֵלֶיךָ אֶקְרָא בְּעֶשֶׂךָ לִבִּי
 בְּצוּר יְרוּם מִמֶּנִּי
 תִּנְחַנֵּי : כִּי הָיִיתָ מִחֶסֶד לִי
 מִדָּל עַד מִפְּנֵי אֲוִיב :
 אֲנִי וְהָיִיתָ כְּאֵלֶיךָ עוֹלָמִים
 אֶחְסֶה בְּסִתְרוֹ כִּנְפֶיךָ סֵלָה :
 כִּי אֲתַחֵם אֶל־דִּים שִׁמְעַת לִנְדָרֶיךָ
 בַּתַּח יִרְשֶׁת יִרְאֵי שִׁמְךָ :
 יָמִים עַל־יָמֵי מַלְךָ תוֹסֶף שְׁנוֹתָיו
 כְּמוֹ דוֹר וְדוֹר :
 יֵשֵׁב עוֹלָם לִפְנֵי אֱלֹדִים
 חֶסֶד וְאֵמֶת מִן יִצְרָחֵל :
 כֵּן אֲזַמְרָה שִׁמְךָ לְעַד
 לְשִׁלְמֵי נְדָרֶיךָ יוֹם יוֹם :
 לְמִבְּצָחַ עַל יְהוָה וְתוֹן מִזְמוֹר לְדָוִד :
 הַאֵל־אֱלֹדִים הוֹמִיָה נִפְשִׁי
 מִמֶּנִּי יִשׁוּעִתִי : א
 אַךְ הוּא צוּרִי וְיִשׁוּעִתִי
 מִשִּׁבְיָ לֹא אֲמוֹס רַבָּה :
 עַד אֵיךָ תִּהְיֶה תוֹתוֹ עַל־אִישׁ
 תִּרְצַחֻ כָּל־כֶּסֶם
 כְּקִיר פֶּשֶׁתִּי יִדָּר הַחַיִּיה :
 אַךְ מִשְׁאֵתֵךְ יַעֲצוֹן לְהַדִּיחַ
 יִרְצוֹ כֹּבֵב
 כִּפְיוֹ יִבְרָכֻ וּבִקְרַבֵּם יִקְלָלוּ סֵלָה :
 אַךְ לֹא־לִדִּים הוֹמִיָה נִפְשִׁי
 כִּי־מִמֶּנִּי תִקְרִי :
 אַךְ הוּא צוּרִי וְיִשׁוּעִתִי
 מִשִּׁבְיָ לֹא אֲמוֹס :
 עַל־אֱלֹדִים יִשְׁעִי
 וְכִבְדִּי
 צוּר עוֹי מִחֶסֶד בְּאֱלֹדִים :
 בְּשִׁחוֹ בּוֹ בְּכָל־עַתָּה יַעַם
 שִׁבְבוּ לִפְנֵי : לִבְכַכֶּם
 אֱלֹדִים מִחֶסֶד לִנְוֹ סֵלָה :
 אַךְ הַכֹּל בְּנֵי־אָדָם
 כּוֹבֵב בְּנֵי־אִישׁ בְּמֵאֲבָנִים לְעוֹלָת
 חֶמְדָּה מִהַכֹּל יִחַד :
 k i

Nolite sperare in iniquitate:
 & rapinas nolite concupiscere:
 diuitiꝫ si affluant nolite cor apponere.
 Semel locut⁹ est deus duo hec audiui:
 quia potestas dei est:
 & tibi domine misericordias:
 quia tu reddis unicuique iuxta opera sua.
 In finē Pfalm⁹ David, cū esset ī deserto Iudæe.
 Eus de me⁹: ad te de luce uigilo. LXII.
 Sicut in te anima mea:
 Multipliciter tibi caro mea.
 In terra deserta inuia & inaquosa:
 sic in sancto apparui tibi:
 ut uiderem uirtutem tuam & gloriam tuam.
 Quoniā melior est misericordia tua sup uitas:
 labia mea laudabunt te.
 Sic benedicam te in uita mea:
 & in nomine tuo leuabo manus meas.
 Sicut adipe & pinguedine repleatur aīa mea:
 & labijs exultationis laudabit os meum.
 Sit memor fui tui super stratum meum:
 in matutinis meditabor in te: ga fuisi adiutor
 Et in uelamento alarū tuarū exultabo: (me⁹.
 adhesit anima mea post te:
 me suscepit dextera tua.
 Ipsi uero in uanum quiesierunt animam meā:
 Introibunt in inferiora terræ:
 tradētur in manus gladij:
 partes uulpsium erunt.
 Rex uero letabitur in deo:
 laudabuntur omnes qui iurant In eo:
 quia obstructum est os loquentium iniqua.
 In finem Pfalmus David. LXIII.
 Audi deus orationē meā cū deprecor:
 a timore inimici eripe animam meā.
 Protexisti me a conuentu malignantium:
 a multitudine operantium iniquitatem.
 Quia exaceruerunt ut gladiū linguas suas:
 intenderunt arcum rem amaram:

h̄s: o l̄ t̄ h̄ l̄ o p̄: a v̄ s̄ v̄:
 10 o l̄ t̄ t̄ a s̄ z̄ o: a v̄ l̄ ē:
 n̄ o d̄: a l̄ s̄: n̄ h̄ s̄: a t̄ o n̄ e: a n̄ h̄ s̄:
 11 o v̄ l̄: s̄ n̄ n̄: a q̄ h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄: o h̄ z̄ t̄: h̄ s̄: h̄ s̄ o
 a h̄ s̄: h̄ a q̄ h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄: u i u d̄: u n̄:
 o h̄ l̄ a n̄: a q̄ h̄ l̄ a: v̄ l̄ o:
 a h̄ s̄: a z̄ t̄: t̄ a l̄ e p̄: a n̄ a: n̄ h̄ s̄: o q̄ n̄ l̄:
 s̄ h̄ s̄ c̄: h̄ e p̄ t̄: a s̄: u a: o h̄ t̄: n̄ e p̄: a l̄ a p̄ h̄:
 1 x b a q̄ o n̄ p̄: a q̄ o n̄ p̄: a n̄ l̄ e u: v̄ n̄ h̄:
 2 x o a t̄: s̄ q̄ n̄ p̄: a n̄:
 a c̄: a h̄ z̄ h̄: a n̄: u o p̄:
 3 n̄ o p̄ l̄: n̄ e p̄: v̄ n̄: a o n̄: o b o: s̄ l̄:
 h̄ s̄ h̄: n̄ s̄ o p̄ e h̄ h̄: a h̄ t̄ c̄ l̄ a e n̄ h̄:
 h̄ s̄: a l̄ o c̄: v̄ l̄ o n̄: o h̄ n̄ h̄ t̄ h̄:
 4 a h̄ s̄: e v̄ e h̄: a q̄ h̄ l̄ e o: u i u d̄ h̄:
 h̄ s̄ q̄ l̄ p̄: e h̄ n̄ h̄:
 5 h̄ s̄ h̄: a n̄ c̄ h̄ h̄: n̄ h̄ l̄ e o t̄ p̄:
 o n̄ h̄ s̄: h̄ l̄ a n̄: a s̄ u a l̄: a l̄ e p̄:
 6 h̄ s̄ h̄: a q̄ h̄ n̄ h̄: o l̄ a q̄ a z̄ t̄ o: x q̄ n̄ t̄: s̄ q̄ n̄
 h̄ s̄ q̄ l̄ p̄: a u a h̄ t̄: e h̄ n̄ h̄: a h̄ o n̄: u n̄:
 7 o n̄ o q̄ h̄ n̄ l̄ p̄ z̄: a h̄ h̄ z̄ h̄:
 n̄ x o h̄: a s̄ n̄ n̄: a n̄: a h̄ s̄: o h̄ z̄ h̄ z̄: z̄ e l̄ p̄:
 8 o l̄ t̄ v̄ h̄ a: n̄ x o a t̄: h̄ s̄ h̄:
 t̄ a o t̄: s̄ q̄ n̄ p̄: e v̄ l̄ o:
 a t̄ h̄: t̄ h̄ a t̄ z̄: p̄ s̄ z̄ h̄:
 9 a s̄ z̄ t̄ h̄: a n̄ z̄ t̄: v̄ u u p̄: a s̄ q̄ n̄ p̄:
 a l̄ e n̄ h̄: o h̄ t̄: s̄ u s̄ o p̄ t̄ v̄: a o p̄ e c̄:
 o l̄ e q̄ n̄ h̄: o h̄ t̄: a l̄: h̄ e p̄:
 h̄ q̄ a: h̄ s̄ k̄ a: a l̄ e n̄ h̄:
 10 o z̄ z̄ u h̄: e t̄ h̄ u i h̄: n̄ a q̄ h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄:
 o l̄ e h̄ n̄ c̄: h̄ a: h̄ e o h̄ a: n̄ p̄ u:
 a h̄ s̄: e t̄ h̄ e p̄: a q̄: h̄ e s̄ n̄ n̄: v̄ s̄ o p̄:
 q̄ x o: s̄ h̄ s̄ c̄: h̄ e p̄ t̄:
 1 x g h̄ h̄ v̄ z̄: a q̄ h̄ l̄ a: x a t̄ p̄: h̄ h̄ a o n̄: v̄ n̄
 a q̄ t̄ h̄ h̄ t̄: x o h̄: a l̄ e v̄ s̄: a s̄ q̄ n̄ p̄: u n̄:
 2 o h̄ o l̄ z̄: a s̄ o a t̄ o: a l̄ a n̄ p̄ z̄:
 o l̄ a q̄ n̄ h̄ t̄ o: a n̄ n̄ c̄ t̄: v̄ s̄ o p̄:
 3 a a: a n̄ o h̄: a h̄ s̄ o: h̄ s̄: a c̄ e: o p̄ e c̄:
 o o u a q̄: o h̄ t̄ o: a n̄ n̄ l̄ z̄: o z̄ c̄:

[Faint marginal notes in a smaller script, likely a commentary or glossary, partially obscured by the main text.]

ut sagittent in oculis immaculatum
 Subito sagittabunt eum & non timebunt :
 firmauerunt sibi sermonem nequam .
 Narrauerunt ut absconderent laqueos :
 dixerunt quis uidebit eos .
 Scrutati sunt iniquitates :
 defecerunt scrutantes scrutinyo .
 Accedet homo ad cor altum :
 & exaltabitur deus .
 Sagittæ paruulorū factæ sunt plage eorum :
 & infirmatæ sunt contra eos linguæ eorum .
 Conturbati sunt omnes qui uidebant eos :
 & timuit omnis homo .
 Et annunciauerunt opera dei :
 & facta eius intellexerunt .
 Letabitur iustus in domino :
 & sperabit in eo :
 & laudabuntur omnes recti corde .
 In fine Psal. Da. canticū Hieremie & Ezechielis
 & de populi trāsmigratōe cū inciperet pficisci .
 E decet hymnus deus in sion . LXIII .
 & tibi reddetur uotum in hierusalem .
 Exaudi orationē meā : ad te omnis caro ueniet .
 Verba iniquorum preualuerunt super nos :
 & impietatibus nostris tu propiciaberis .
 Beatus quem elegisti & assumpsisti :
 inhabitabit in atrijs tuis .
 Replebimur in bonis domustuaræ :
 sanctum est templū tuū mirabile in equitate .
 Exaudi nos deus salutaris noster :
 spes omnium finium terræ :
 & in mari longe .
 Preparans montes in uirtute tua
 accinctus potentia :
 qui conturbas profundum maris :
 sonum fluctuū eius .
 Turbābuntur gentes & timebunt :
 qui habitant terminos a signis tuis :
 exitus matutini & uesperæ delectabis .

ከመ: ይቅጥሉ: ለጌዳ: ስ: በጸዕጊት::
 4 ግብተ: ይገደብሁ: ወላይሁ::
 ወላዎጽጌ: ለሎ: ገረ: ለከፍ::
 5 ወተሰከረ: ይሁብኦ: ለሎ: መሠገረት::
 ወይቤሉ: ለሰባ: ዘይራዕፍ::
 6 ወኃሠሠፍ: ለገሰፍ::
 ወኃሰፍ: ለገደ: ይራዕፍ: ወይወግፍ::
 7 ወይበወላ: ስብላ: በሰብ: ዕሙቅ::
 ወይትሌገላ: ለግዚአብሔር::
 8 ከመ: ስጌዳ: ይቅጥሉ: ከ: መቅሠፍት::
 ወደከመ: ለሰፍ: ሰላሳሌሆመ::
 9 ወደገገፍ: ከሎ: ለሎ: ለሎ: ለሎ: ለሎ::
 ወይሁ: ከሎ: ስብላ::
 10 ወገረ: ግብተ: ለግዚአብሔር::
 ወላይሁ: መግባር::
 11 ይትሌህ: ስጌዳ: ጸደቅ: በላግዚአብሔር::
 ወይትግሉ: ስብላ::
 ወይከብረ: ከሎ: ለሎ: ለሎ: ለሎ: ለሎ::
 ፍጻሜ: መዘመር:
 ዘደግት::
 1 ጸገ ለከ: ይደሉ: ለግዚአብሔር: ስብላ: በጸደቅ::
 ወላከ: ይትሌሁ: ጸደቅ: በላደራሳሌፍ::
 2 ስላሳ: ጸሎተ: ከሎ: ለሎ: ዘሠጋ: ዘመጽአ: ኃይከ::
 3 ገረ: ገረ: ገረ: ገረ: ገረ: ገረ::
 ወኃሠላት: ስጌዳ: ለሎ: ለሎ: ለሎ::
 4 ብፁ: ስጌዳ: ይቅጥሉ: ወዘተ: ወከፍ: ስጌዳ::
 ወዘላኃይርከ: ወከተ: ለሰጸደከ::
 5 ጸገብ: ስጌዳ: ለግዚአብሔር: ስብላ::
 ቅደስ: ጸሎተ: ወመገደር: በጸደቅ::
 6 ስላሳ: ስጌዳ: ስጌዳ: ወመገደር: ስጌዳ::
 ተከፍሆመ: ለከሎ: ለሎ: ለሎ: ለሎ: ለሎ::
 ወላላላ: ወከተ: ስጌዳ: ስጌዳ::
 7 ለጸገሰሎ: ለጸደቅ: በኃይላከ::
 ወቅጥጥ: ለሎ: ለሎ: በኃይላ::
 ዘሆወከ: ለጸገብ: ስጌዳ::
 ወመገ: ይትገፍ: ለጸደቅ: ስላሳ::
 8 ይደግግፍ: ስጌዳ: ስጌዳ: ወይሁ::
 ስጌዳ: ይትገፍ: ወከተ: ለጸገፍ: ለጸገፍ: ለጸገፍ::
 ይወፅኦ: በጸገብ: ወከርከ: ይትሌህ: ስጌዳ::

[Marginal notes in a smaller script, likely a different dialect or a commentary, partially obscured and difficult to transcribe.]

τὸ κατὰ τοξένος ἀποκρύφους ἀμώμα·
 ἔξάπινά κατατοξένος ἀνὴρ, καὶ φοβήσονται·
 ἐκραταίωσάν ἐαντὶς λόγου πονηρῶ·
 Διηγῆσαν τὸ κενύται παγίδια·
 εἴπωρ, τίς ὀφεται αὐτούς ;
 ἔξερεννήσαν ἀνομία·
 ἔξελιπὼρ ἔξερεννῶντες ἔξερεννήσεις·
 Γεοσελεύσεται ἀνθρώπος καὶ καρδία βλαθεῖα·
 καὶ ὑφώσεται ὁ θεός·
 Βέλος νηπιώμ ἐγενήσασάν ἀι πληγαὶ ἀντῶ·
 καὶ ἐξηθένησαν ἐπ' αὐτῶσ ἀι γλώσσα ἀντῶ·
 Ἐταράχθησαν πάντες οἱ θεωροῦντες αὐτῶσ·
 καὶ ἐφοβήθη ὡσ ἀνθρώπος·
 καὶ ἀνήγγλασαν τὰ ἔργα τῶ θεῶ·
 καὶ ἵα ποιήματα ἀντὶς συνήκαν·
 Ἐνφρανήσεται δίκαιος ἐμ τῶ κρείω·
 καὶ ἐλωπεῖ ἐπ' αὐτῶ·
 καὶ ἐπαίνεθῆσονται πάντες οἱ ἐνθεῖς τῆ καρδία·
 Εἰς τὸ ἱεὺ ἱεὺ Δ' ἁλὶ ἱερεμῖς καὶ ἱερεκίηλ καὶ ἱεὺ λα
 οὐ τῆσ παρικίας, ὅτε ἐμελλομ ἐκπορεύεσθαι·
 Οἱ παρῆσαι ἔμνος ὁ θεός ἐμ σῶμ·
 καὶ σοὶ ἀποδοθήσεται ἐνχὴ ἐμ ἱερασάλημ·
 Εἰσάκασαν παροενηκῆσ με παρὸς ὅε παρὰ σῶσ ἔξῃ·
 Λόγοι ἀνόμων ὑπερεδυνάμωσαν ἡμῶσ·
 καὶ ταῖσ ἀσεβείαισ ἡμῶσ οὐ ἰλάσῃ·
 Μακάριος ὁ ἔξε λέξω καὶ παροελάβω·
 κατὰ σκηνῶσ ἐμ ταῖσ ἀνλαῖσ·
 Πλησθησ μεθα ἐμ τοῖσ ἀγαθοῖσ τῶ οἴκον σα·
 ἄγιος ὁ ναός σα, θαυμασὸσ ἐμ δίκαιοσύνῃ·
 Ἐπακκασαν ἡμῶσ ὁ θεός ὁ σωτήρ ἡμῶσ·
 ἠέλωισ πάντων τῶ παρῆσαι τῆσ γῆσ·
 καὶ τ' ἐμ θαλάσση μακρῶσ·
 Ἐπιμάζωσ ἐμ τῆ ἰσχύϊ ἀντῶ·
 παρῆσαι ἐμ δινασεία·
 Ο συνταράσσ τὸ κύμα τῆσ θαλάσσης·
 ἠχος κυμάτω ἀντὶς τῆσ ὑποσῆσεται ;
 Ταράσθησονται τὰ ἔθνη καὶ φεβήσονται·
 οἱ καρρικοῦντες ἵα παρῆσαι ἀπο τῶσ σημεῖω σα·
 Ἐξόδοσ παρῆσαι καὶ ἐσπέρας τέρψασ·

לירות במסתרים תם
 פתאום יהו ולא יראו ;
 יחוקו למו דבר רע
 יספרו לשמון מוקשים
 אמרו מי יראה לנו ;
 יחפשו עולות
 טמנו חפש מהפש
 וקרב איש ולב עמק ;
 וירם אל דים
 חץ פתאום היו מכותם ;
 ויכשילו על ימו לשונם
 יתנודדו כל ראה בם ;
 ויראו כל אדם
 ויגידו פעל אל דים
 ומעשהו השכילו ;
 ישמח צדיק ביהוה
 וחסה בו
 ויתהללו כל ישרי לב
 למנצח מן מור
 שיר ;

סה

ה דמיה תהלה אל דים כציון
 ולך ישלם נדר ;
 שומע תפלה עדיך כל בשר יבאו ;
 דברי עונות גברו מני
 פשענו אתה תכפרם ;
 אשרי תבחר ותקרב
 ישכון בצריך
 בשבעה בטוב ביתך
 קדש היכלך ; גוראות בצדק
 הענינו אל די ישעינו
 מבטח כל קצוי ארץ
 נים לחקים ;
 מכין הרים בכחו
 גאור בגבורה ;
 משכיח שאון ימים
 שאון גליתם
 והמוך לאמים ; ויראו
 ישבי קצות מאותותיך
 מוצאי בקר וערב תרנין ;

ὡς τίκεται κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρὸς.
 ἔντως ἀπολῶνται οἱ ἀμαρτωλοὶ ἀπὸ προσώπου ᾧ θεῷ.
 Καὶ οἱ δίκαιοι ἐνφρανθήτωσαν,
 ἀγαλλιάσθωσαν ἐνώπιον ᾧ θεῶν.
 τερφθήτωσαν ἐν ἐνφρασίῳ.
 Ἄσατε τῷ θεῷ, ψάλατε τῷ ὀνόματι αὐτοῦ.
 ὁλοποιήσατε τῷ ἐπιθετικῷ ἐπὶ ἄνω· ᾧ ὄνομα ἄνω.
 Καὶ ἀγαλλιάσθε ἐνώπιον αὐτοῦ,
 ταραχθήτωσαν ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ.
 πατὴρ ὁ θεὸς αὐτῶν, καὶ κριτὴν τῶν κηρῶν.
 Ὁ θεὸς ἐν ἑσπέρῳ αὐτοῦ.
 Ὁ θεὸς καρικίδη μονοτρόπος ἐν οἴκῳ.
 Ἐξέγωμ πεπεδημένους ἐν ἀνδράσιν.
 ἑμίσιος ἑνὸς παραπικραίνοντος ἑνὸς καρικιδντῆς ἐν ἰάφοις.
 Ὁ θεὸς ἐν τῷ ἐκπροένεσθαί σε ἐνώπιον ᾧ λαῶν σε.
 ἐν τῷ διαβαίνειν σε ἐν τῇ ἐρήμῳ.
 Ἦν ἐσέσθη καὶ γὰρ οἱ ὄντα ἐσάξασθαι,
 ἀπὸ προσώπου ᾧ θεῶν ᾧ σιῶ.
 ἀπὸ προσώπου ᾧ θεῶν ἰσραὴλ.
 Βροχὴν ἐκούσιον ἀφορέεις ὁ θεὸς τῇ κληρονομίᾳ σε.
 καὶ ἡσείησε, ἂν δε κατηγίω αὐτῆ.
 Τὰ ζῶα σε καρικίδειν ἐν αὐτῇ.
 ἡμίμασος ἐν τῇ κηροσότητι σε τῷ πτόχω ὁ θεός.
 κύριος δωσὶ ἔμμα ἑνὸς ἐναγγελιζομένοις, δυνάμει δολ-
 ὄθαι λένυς τῶν δυνάμεων ᾧ ἀπλητῶν. (λῆ.)
 τῇ ἀσάωτητι τῶ οἴκῳ δολοσάισα σὺ λα.
 Ἐσὺ κοιμησῆτε ἀνα μέσῳ τῶν κληρῶν,
 πένευγες περησερῶς περησερῶμεναι.
 καὶ ἴα μεταφρενα ἀνῆς ἐν χλωροσῆτι κηροίς.
 Ἐν τῷ δολοσάισα ᾧ ἐπασάισα θαι λῆς ἐπ' αὐτῆς.
 χινοσάισα ἐν σε λῶν.
 Ὁσος ᾧ θεῶν ὄσος πῆν.
 ὄσος τετυρωμένῳ ὄσος ὄσος.
 Ἰνα τί ὑπολαμβάνετε ὄσος τετυρωμένῳ.
 τὸ ὄσος ὄσος ἐν δολοσάισα ὄσος καρικίδη ἐν αὐτῶ.
 καὶ γὰρ ὁ κύριος κατασάισα ὄσος εἰς τέλος.
 τὸ ὄσος ᾧ θεῶν μυροσάισα, χιλιάδες ἐν δηνότῳ.
 ἐνέικος ἐν αὐτῆς ἐν εἶναι ἐν τῷ ἀγία.
 ἀνέικος εἰς ἕξος ἡχμαλώτενας εἰχμαλωσίαν.

בְּחַסְדֵי מַלְאָכָיו
 יִכְרֹתוּ שְׁעֵי מַלְאָכָיו
 וְעַתָּה יִשְׁמְחוּ
 וְיִעֲלֶצוּ לִפְנֵי אֱלֹהִים
 וְיִשְׂשׂוּ בְשִׂמְחָה
 שִׂירוּ לְאֱלֹהִים וּמְתוֹ שִׁמּוֹ
 מִלֵּו לְרַכֵּב בְּעֲרֹכֹת בְּהִשְׁמֹ
 וְעֲלִיו לְפָנָיו
 אֲבִי יִתְּמִים וְהִן אֲלֵמֹנֹת
 אֱלֹהִים בְּמַעַן קָדְשׁוֹ
 אֱלֹהִים מוֹשִׁיב יְחִידִים בְּיַתְה
 מוֹצֵא אֲסָרִים בְּכּוֹשֵׁרוֹת
 אֵין סוֹרְרִים שְׂכַנּוּ חַיְתָּה
 אֱלֹהִים בְּצִאתְךָ לִפְנֵי עַמְּךָ
 בְּצִעְדְךָ בִישִׁמוֹן סֵלָה
 אֲרַךְ יְשׁוּעָה אֵין שְׂעִים נִשְׁשׂוּ
 מַלְאָכָיו אֱלֹהִים וְהַסִּיב
 מַלְאָכָיו אֱלֹהִים אֱלֹהֵי יִשְׂרָאֵל
 אֲשֶׁם נִכְרֹת תִּנְיָף אֱלֹהִים נִחְלָתְךָ
 וְנָלֵא אֵת הַבּוֹנֵנְתָה
 חִתְךָ שְׂבוֹבָה
 תִּכּוֹן בְּשִׁבְתְּךָ לְעֵי אֱלֹהִים
 אֲדַבְּרֵי יִתְּן אִמְרֵי הַמַּבְשִׁירוֹת צְבָא רַב
 מִלְּכֵי צְבָאוֹת יְהוָה וְיִהְיֶה
 וְנֹת בֵּית תְּחִלָּה שְׁלָל
 אִם תִּשְׂכַּח בֵּין שְׁפֵתַיִם
 כִּנְפֵי יוֹנָה נִחְפָּה בְּכַסְפָּךָ
 וְאֲבָרְתִּיה בִּירְקֵךָ חֲרוֹץ
 בְּפִרְשׁוֹ שְׁבִי מִלְּכִים בַּח
 תִּשְׁלַח בְּצִלְמוֹן
 הִר אֱלֹהִים הִר בְּשֵׁן
 הִר אֲבָנִים הִר בְּשֵׁן
 לְמַה תִּרְצוֹן הִרִים אֲבָנִים
 הִר חֲמַד אֱלֹהִים לְשִׁבְתְּךָ
 אֵין שְׂכַח לְנֶפֶשׁ
 רַכֵּב אֱלֹהִים רַב־תִּים אֲלֵפֵי שְׂנָאן
 אֲדַבְּרֵי בְּכֵן בְּקִרְשׁוֹ
 עֲלִית לְמָרוֹם שְׁבִית שְׂבִי

Ελαβες Λομαγια εν ανθρωποις·
υψος απεθονησας εν κατασκινωσσει·
Κυριος ο θεος εν λογηις·
εν λογηις κυριος ημεσων και θημεσων·
καθενολωσσι ημιν ο θεος τ σωτηριω ημ·
ο θεος ημων ο θεος εν σωσει·
και εν κυρις κυρις αι διεξοδοι εν θανατων·
Πλην ο θεος συνθλασθη κεφαλαις εκθεσων αντων·
κορυφη τριχος διαπορευομενων εν πλημμελεια αντη·
Ειπε κυριος εκ βασαις ετισρεψω·
ετισρεψω εν θυσιας διαλασσης·
Οπως αν βαφη ο πους ος εν αιματι·
η γλωσσα τ κυνων ος εχθεσων παρ αντων·
Εσθωθησιν αι πορειαι ος ο θεος·
αι πορειαι εν θεο με εν βασιλεως εν εν τω αγιω·
Προφθασαν αρχοντες εχομενα φαλλοιων·
εν μεσα νεανιωων τυμπανιστριων·
Εν εκκλησιας εν λογηιτε τ θεου·
κυριου εκ παγωρ ισραηλ·
Εκει βενιαμιν νεωτερος εν εκσαση·
αρχοντες ισραηλ ημοιες αντων·
αρχοντες ραβλων αρχοντες νεφθαλημ·
Εντειλαι ο θεος τη δυναμει ος·
δυναμωσων εν ο θεος ο καταεργασω εν ημιν·
Απο εν ναο ος επι ιερουσαλημ·
σοι εισοι βασιλεις δωρα·
Επιτιμοσιν ης θηριος εν καλαμς·
η συναγωγη των ταυρων εν ταϊς διαμαλεισι των λαων·
εν εγκλησθηναι ενς δελοκιμασμενος τω αργυριω·
Διχοκοπισων ενθνη τα ενς πολεμους δελοντα·
ηξει προεβρις εξ αιγυπτου·
αιθιοπια προφθασθη χειρα αυτης τω θεω·
Αι βασιλεια ης γης ασατε τω θεω·
ψαλατε τω κυριω·
τω ετισρεψω θεοτι ετισ τ ουρανου·
εν ουρανου κατα ανακλας·
Ιδου λωσθη τη φωνη αντων φωνη δυναμειος·
διστε λωσων τω θεω·
Επι τ ισραηλ η μεγαλοπρεπεια αντων·

לקחת מתנות באדם
ואף סודרים ל שכן
יה אלים
ברוך אדני יום יום
יעמס לנו האל ישועתנו סלה
האל לנו אל למושעות
וליהוד אדני למות תוצאות
אך אלים ימחך ראש איביו
קדקד שעל מתהלך באשמו
אמר אדני מבשן אשיב
אשיב ממצלותים
למען תמחך הגלך בדם
ל שון בלבך מאיבים מנתו
לאו הליכותך אלים
תליכות אלי מלכי בקדש
קדמו שרים אחר נגנים
בתוך עלמות תופפות
במקהלות ברנו אלים
אדני ממקור ישראל
שם בנימן צעיר הודם
שרי יהודה המפתם
שרי זבולן שרי נפתלי
ציה אדני עוב
עתה אלים זו פעלת לנו
מהיכלך על ירושלים
לך יובילו מלכים שיי
וער חית קנה
עדת אפירים בעגלי עמים
מתרפס ברצי בקס
בזר עמים קרבות יחפצו
אתיו תשמינים מני מצרים
כוש תרוץ ידיו לאלים
ממלכות חאך שירו לאלים
ומרו אדני סלה
לרכב בשמי
שמי קדם
הן יתן קרלו קול עלו
תנו עו לאלים
על ישראל אמותו
I I

& uirtus eius in nubibus

Mirabilis deus in sanctis suis: (bi fug: deus israel ipse dabit uirtutē & fortitudinē ple: benedictus deus. LXVIII.

In finē p his q cōmutabūt Psa. ipsi David.

Altum me fac deus quoniam intrauerunt aque usq ad animā meam.

Infix sum in limo pfundi: & nō est substācia. Veni ī altitudinē maris: & tēpestas dimerit me: Laborauī clamās rauē factē sunt fauces meę: defecerit ocli mei dū spō ī deū meū. (me gētis. Mfiplicati sūt sup capillos capitis mei: q odeit Confortati sunt qui persecuti sunt me inimici quæ non rapuī tunc exoluebam. (mei iniuste: Deus tu scis insipientiam meam:

& delicta mea a te nō sūt abscondita. (tutū:

Nō erubescāt in me q expectāt te dñe: dñe uirs Non confundantur sup me: qui querūt te deus Qm̄ propter te sustinui opprobriū: (israel. operuit confusio faciem meam.

Extraneus factus sum fratribus meis: & peregrinus filijs matris meæ.

Quoniā zelus domus tuæ comedit me:

& opprobria exprobrantiū tibi ceciderunt sup

Et operui in ieiunio animam meam: (me. & factū est in opprobriū mihi. (parabolā.

Et posui uestimētū meū ciliciū: & factus illis ī Aduersū me loquebātur qui sedebāt in porta: & in me psallebant qui bibebant uinum.

Ego uero orationem meam ad te domine: tempus beneplaciti deus.

In multitudine misericordiæ tuæ exaudi me: in ueritate salutis tuæ.

Eripe me de luto ut non infingar: libera me ab his qui oderunt me: & de profundis aquarum.

Non me demergat tempestas aque: neque absorbeat me profundum: neque urgeat super me puteus os suum.

Θ υ λ α ρ υ : λ η η : ε σ σ τ η :

38 σ ζ η ς : λ γ η λ α π η ς : π α θ α : φ ε ρ α ζ υ :

α φ ρ η η : λ η ζ ε δ α : ω λ τ : ε υ π η : γ ε λ α : ο κ ζ

ο ε τ ρ α ζ η : λ γ η λ α π η ς : ε υ π η : α η η η :

κ ρ θ : π λ ζ τ : λ α : τ η ν ε : η ε ρ η :

1 ε τ α ρ γ ε ζ : λ γ η λ α : λ η η σ : π κ η ζ : ε ρ α

λ η η : σ φ η ρ : π ρ :

2 ο μ ν λ η : ω η τ : υ σ φ : φ α ε : ο γ ε λ α : α δ η

3 π κ η η : ω η τ : ε θ ο φ : ρ η η ζ : ο ν ο α : λ η η

4 ω ζ ε η : π η δ η : ο η υ η ζ : τ ε υ ρ : μ σ ζ :

ε η η σ : α θ ε ζ τ ρ : λ ζ η : λ ε ε φ : α α φ ρ η ρ :

5 π η γ : λ φ η ο ζ τ : ε λ η ρ : λ α : ε ρ α α ζ : π η ζ

6 κ ζ υ : θ ε ρ : λ α : ε λ ω ε ζ : π ν σ θ : μ τ :

ο η λ ε υ λ η η : ε τ ε ρ ε ζ :

7 α λ η : λ γ η λ α : τ α φ ε : ο π ε ρ :

ο λ ε τ γ ρ λ : λ φ ε η : ζ μ λ τ ρ : μ ρ ε ζ :

8 ο λ ε τ ζ ε ζ : π ρ : λ α : ρ ζ ω η : λ η λ : λ η λ :

9 ο λ ε γ η ζ : π ρ : λ α : ε ε ε φ η : α φ ρ η η : λ η ζ

10 λ η η σ : π λ ζ τ α η η : τ ν η η η : ε λ α τ : μ ε δ :

ο η ε ζ ζ : γ ε λ τ : γ κ ρ :

11 η σ : ζ η ζ : η ζ η φ σ : α α γ ε ρ :

ο ζ γ ε : α ε φ ε : λ η ρ : ο λ φ ρ :

12 λ η η σ : φ ζ α τ : η τ η : π α ν ε :

τ ο ε ζ τ σ : α λ α : ε τ ε ρ ζ η : ο ε φ : ο θ α ρ :

13 ο φ ε λ η η φ : π κ φ : α ζ φ η ρ :

ο η ε ζ : ε λ α τ :

14 ο α π η η : ω φ : ο η ζ η φ σ : ζ γ ζ :

15 α θ α ρ : ε η φ υ : λ α : ε ζ π ζ : ω η τ : α ζ φ κ :

ο η ρ ρ : ρ γ α ε : λ α : ε η τ ρ ε : ο ε ζ :

16 ο α ζ η : π κ α τ ρ : γ η : λ γ η λ α π η ς :

μ υ α : α λ γ η λ α π η ς : π γ η υ :

17 λ ζ η : π η γ : μ υ α η :

η φ ν ε : η π α ε ζ : σ ρ γ ε ρ :

18 ο α ρ γ ε ζ : λ φ ν φ υ φ : η σ : λ ε η η ζ :

ο α ζ γ ε ζ : λ φ κ α λ τ ρ :

ο λ φ φ ρ ρ : ε ρ :

ο λ η η φ σ ζ : ν ο α : ε ρ :

19 ο λ ε ζ η ζ : φ α ε :

ο λ ρ η ε : α ε υ : ν η φ τ : ο θ α ρ :

Handwritten marginal notes in a cursive script, likely a later translation or commentary, running down the right edge of the page.

Exaudi me dñe qm̄ benigna est m̄ia tua:
 secundū multitudinē miserationū tuarū respice
 Et ne auertas faciē tuā a puero tuo: (ce i me
 quoniam tribulor uelociter exaudi me.
 Intende animæ meæ & libera eam:
 propter inimicos meos eripe me.
 Tu scis improperium meum
 & confusionem meam: & reuerentiā meam.
 In cōspectu tuo sunt omnes qui tribulant me:
 improperium expectauit cor meū & miseriā.
 Et sustinui q̄ simul cōtristareī & nō fuit: & qui
 Et dederūt ī escā meā fel: (cōsolareī & nō iueni.
 & in siti mea potauerunt me aceto.
 Fiat mensa eorum coram ipsis in laqueum:
 & in retributiones & in scandalum.
 Obscurentur oculi eorum ne uideant:
 & dorsum eorum semper incurua.
 Effunde super eos iram tuam:
 & furor iræ tuæ comprehendat eos.
 Fiat habitatio eorum deserta:
 & in tabernaculis eorū non sit qui inhabitet.
 Quoniam quem tu percussisti persecuti sunt:
 & super dolorē vulnerum meorū addiderunt.
 Appone iniquitatem super iniquitatem eorū:
 & non intrent in iusticiā tuam.
 Deleantur de libro uiuentium:
 & cum iustis non scribantur.
 Ego sum pauper & dolens:
 salus tua deus suscepit me.
 Laudabo nomen dei cum cantico:
 & magnificabo eum in laude.
 Et placebit deo super uictulum nouellum:
 cornua producentem & ungulas.
 Videant pauperes & letentur:
 quærite deum & uiuet anima uestra.
 Quoniam exaudiuit pauperes dominus:
 & uinctos suos non desepxit.
 Laudent illum cœli & terra:
 mare & omnia reptilia in eis.

20 ἡ φωνή: ἡ ᾠδή: ἡ ἦσος: ἡ ψαλμὸς: ἡ ᾠδή: ἡ ᾠδή:
 ὁ πῶς: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 21 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 22 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 23 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 24 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 25 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 26 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 27 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 28 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 29 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 30 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 31 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 32 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 33 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 34 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 35 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 36 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 37 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 38 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 39 ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:
 ὁ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος: ἡ ἦσος:

Εἰσακούσῃ μὲς κύνει ὅτι χερσὶν ᾧ ἔλεός σου·
 κατὰ τὸ πλῆθος τῶν δικτημῶν σου, ἐπιβλέψον ἐπέμει.
 Μὴ ἀποσέψῃς τὸ πρόσωπόν σου ἀπὸ τῶ παιδός σου·
 ὅτι θλίβομαι, ταχὺ ἐπάκουσόν μου·
 πρόσχες τῇ ψυχῇ μου καὶ λυτρώσαι ἀντήν.
 Ἔνεκα τῆς ἰσχυροῦ μου ἐνόςαι με·
 σὺ γὰρ γινώσκεις τὸν ὀνειδισμόν μου·
 καὶ τὴν αἰσχύνην μου καὶ τὴν ἐντροπὴν μου·
 Ἐναντίον σου πάντες οἱ θλίβοντές με·
 ὀνειδισμὸν προσελοίασερ ἡ ψυχὴ μου καὶ τὰ λαίποριον·
 καὶ ὑπέμεινα συλλυπέμεναι καὶ ὄχνησιξῆ καὶ πῶσακα·
 καὶ ἔλωκαν εἰς τὸ βρῶμά μου χολήν· (λῶντ καὶ οὐχ ἐνδομ
 καὶ εἰς τὴν λιψὴν μου ἐπότισόν με ὄξος·
 γεννηθῆν ἡ ἰσάπεζα ἀντ' ἐνωπίου ἀντ' εἰς παγίλα·
 καὶ εἰς ἀναπόλοισιν καὶ εἰς ἐκκίνδαλον·
 Σκοιοθῆν ὄξου οἱ ὀφθαλμοὶ ἀντ' τῶ μὴ βλέπειν·
 καὶ τῶν ἀντῶν λιπαρῶν σὺ κάμψου·
 ἔκχευ ἐπ' ἀντῶν τὴν ὀργὴν σου·
 καὶ ὀ θυμὸς τῆς ὀργῆς σου κατὰ λάβοι ἀντῶν·
 γεννηθῆν ἔπανλις ἀντ' ἠρημωμένη·
 καὶ ἐμὴς οἰκνῶμασιρ ἀντῶν μὴ ἐσὼ ὀ καριῶν·
 Ὅτι ἐμὴ ἐπάταξας ἀντὶ κατεδίαξου·
 καὶ ἐπὶ τῶ ἀλγος τῶ βανμάτωρ μου προσέθηκα·
 Γέσθεις ἀνομίαιρ ἐπὶ τῇ ἀνομίᾳ ἀντῶν·
 καὶ μὴ εἰσελθέτωσιν ἐμὴ δίκαιοσύνη σου
 ἔξληφθῆν ὄξου ἐκ βίβλου ζώντων·
 καὶ μετὰ δίκαιων μὴ γεαφθῆν ὄξου·
 Γτωχος καὶ ἀλγῶν εἰμὶ ἐγὼ·
 ἡ σωτηρία σου ὀ θεὸς ἀντελάβετό μου·
 Αἰνέσω τὸ ὄνομα τῶ θεοῦ μετ' ὀφθῆς·
 μεγαλυνῶ ἀντ' ἐμὴ αἰνέσθ·
 καὶ ἀρεσθῆν θεῶν ὑπέρ μοχῶν νέου·
 κέρατὰ ἐκφέρομα καὶ ὀσάλας·
 Ἰλέτωσιν πτωχοὶ καὶ ἐνφρανθῆν ὄξου·
 ἐκζηήσατε τῶν θεῶν καὶ ζήσεθαι ἡ ψυχὴν ἡμῶν·
 Ὅτι εἰσῆκεσε ἰσὺν πενήτων ὀ κύριος·
 καὶ τῶν πεπελιμένων ἀντῶ οὐκ ἐξελένωσεν·
 Αἰνεσάτωσιν ἀντ' οἱ ὀνθανοὶ καὶ ἡ γῆ·
 θάλασσα καὶ πάντὰ τὰ ἐρποντὰ ἐμὴ ἀντῆ·

עניני יי כי טוב חסדך
 כרב רחמיק פנה אלי
 ואל תסתור פניך מעבודך
 כי צר לי מהדעני
 קרבה אל גפשי ואל ת
 למען איכי פדני
 אתה יודעת חרפתי
 ובשתי וכלמת
 גודך כל צרתי
 חרפה שכרה לי וי אנושה
 ואקרה לבד ואין ולמנתמים ולא מצאתי
 ויתנו בברותי ראש
 ולצמאי בשקוני חמץ
 יהי שלחנם לפניך לכח
 ולשלומים למוקש
 תחשכנה עיניךם מראות
 ומתניךם תמיד המער
 שפך עליהם ועמך
 ותרון אפק ושיגם
 תהי מירותם נשמה
 באהלהם אל יהי יושב
 כי אתה אשר הבית רחמי
 ואל סכאב חל לך יספרו
 תנה עון על עונם
 ואל יבאו בצרקהך
 ומחומספר חיים
 ועס צדיקים אל יכתבו
 ואני עני וכואב
 ישועתך אל דים תשיבני
 אהללה שם אל דים בשיר
 ואגדלנו בתודה
 ותישכ ליהוד משור פך
 מרקן ומפרים
 דאנו ענוים ומשמחו
 דרשי אל דים ויהי לבבכם
 כי שומע אל אבולנים
 ואת אסיריו לא בזה
 יהל לזהו שמים וארץ
 ימים וכל דמש בם
 I ii

Quoniam deus saluam faciet sion:
& ædificabuntur ciuitates iudæ.
Et inhabitabūt ibi: & hereditate acquirēt eam.
Et semen seruatorum eius possidebit eam:
& diligēt nōmē ei⁹ habitabūt in ea. (eū dñs.)
In finē Psal. Da. in rememoratiōe q̄ saluū fecit

d Eus in adiutoriū meū intēde: LXIX.
domine ad adiuuandum me festina.

Cōfundāt & reuertantur: q̄ querūt aīam meā.
Auertantur retrorsum & erubescant: qui uolūt
mihī mala. (euge euge.

Auertantur statim erubescētes: qui dicunt mihī
Exultent & letentur in te omnes qui querūt te:
& dicant semper magnificetur dominus:
qui diligunt salutare tuum.

Ego uero egenus & pauper sum:
deus adiuua me. (reris.

Adiutor me⁹ & liberator me⁹ es tu: dñe ne mo
Psalms David filiorum Ionadab & priorū
captiuorum. LXX.

i Ne te dñe speraui nō cōfundar in eternū:
in iusticia tua libera me & eripe me.

Inclina ad me aurem tuam: & salua me.
Esto mihi in deum protectorem:

& in locum munitum ut saluum me facias.
Qm̄ firmamentū meū: & refugiū meū es tu.

Deus meus eripe me de manu peccatoris:
& de manu contra legem agentis & iniqui.

Quoniam tu es patientia mea domine:
domine spes mea a iuuentute mea.

In te domine confirmatus sum ex utero:
de uentre matris meæ tu es protector meus.

In te cantatio mea semper:
tanquam prodigium factus sum multis:
& tu adiutor fortis.

Repleatur os meum laude
ut cantem gloriam tuam:
tota die magnitudinem tuam.

Ne projicias me in tempore senectutis:

40 λησ: λρ: γσ: λγηλ: πθβ: λκρζ:
Θετθσξ: αθβζ: ευε:

41 εσ: πζ: υρ: Θεθεηφ:

42 Θηκα: λγ: ηε: ηθ: εσ: ηεφ:

Θλα: εα: φζ: ησθ: πγρζ: Θηετ:

43 Ηεφ: ηεφ: πλζ: τθηζ: λρ: γσ: λγηλ:

1 εθ λγηλ: Θητ: ζεατρ:

ληλ: λφφζ: ζεατρ:

2 ετ: ββ: ζε: Θεγθζ: λλ: πγμφ: λσφηρ:

3 Θεγθη: εγζυφ: Θετ: ββ: λλ: σθζ:

ληρ: αθβρ: πε: ηε: λζθθ: λζθθ:

4 ηεγθη: εγζυφ: πζηβ: τββε: λλ:

5 ηετβ: μθ: Θετθμφ: ηρ: λρ: λλ: πγμ:

Θεβρ: ηαβ: υβ: ληλ: πθβ: (η: ληλ:

ληλ: εαφε: λρ: γσ: τθ: ηρ: λρ: ζη:

6 λζη: εεε: Θεηηη: λζ:

Θληλ: πθβ: εζεαζ: πθλττβ:

7 ζεατρ: Θεηηεφ: λζτ: λγηλ: λφηρ:

ηεφ: ηεφ: λρ: λρ: λρ: λρ:

αλλ: λφε: τεφφ:

1 ε ηρθ: τθθθ: λγηλ: Θετ: ββ: η

Θηεφθ: λζγβ: Θηαθ: ηεφφ:

2 λφφ: λησθ: γβρ: Θεφ: λρ: γσ:

3 ηρ: εε: λφηρ: Θεφ: λρ:

Θητ: πθβ: εε: ησ: τρ: γσ:

4 λησ: γεαφ: Θεφ: λζτ:

5 λφηρ: λρ: γσ: λφλρ: βφλζ:

Θλφλρ: υεφ: Θεφ:

6 λησ: λζτ: τθεφ: λγηλ:

ληλ: τθθ: ηεφ: λφλρ:

7 Θεηη: λρ: πθθ: ηεφ: λρ:

Θηεφ: Θεφ: λζτ: ηρ: ζη:

8 Θεφ: ηεφ: ηρ: λρ: λρ:

ησ: ββ: ηεφ: ηεφ: ηεφ:

Θλζτ: ζεατρ: Θεφ:

9 Θελ: λρ: ηθθ: ηρ:

ησ: ληθ: λρ: τθ:

Θηρ: λρ: λρ: ηθθ: ηρ:

10 λτ: γεβ: ησφθ: ληλ:

cum defecerit uirtus mea ne derelinquas me.
 Quia dixerunt inimici mei mihi:
 & qui custodiebant animam meam
 consilium fecerunt in unum. Dicentes
 deus dereliquit eum:
 persequimini & comprehendite eum:
 quia non est qui eripiat.
 Deus ne elongeris a me:
 deus meus in auxilium meum respice.
 Confundant & deficiat detrahentes anime mee:
 operiant confusione & pudore qui querunt mala
 Ego autem semper sperabo: (mihi)
 & adijciam super omnem laudem tuam.
 Os meum annuntiabit iusticiam tuam:
 rota die salutare tuum.
 Quoniam non cognoui literaturam
 introibo in potentias domini:
 domine memorabor iusticie tue solius.)
 Deus docuisti me a iuuentute mea
 & usque nunc pronuntiabo mirabilia tua.
 Et usque in senectam & senium: de ne dereli-
 quas me.
 Donec annuncie brachiū tuū: generatiōi omni
 Potentiam tuā & iusticiā tuā: (que uetura est,
 deus usque in altissima que fecisti magnalia:
 deus quis similis tibi.)
 Quas ostendisti mihi tribulationes multas
 & conuersus uiuificasti me: (& malas:
 & de abyssis terræ iterum reduxisti me.
 Multiplicasti magnificentiam tuam:
 & conuersus consolatus es me.
 (ritatem tuam deus:
 Nam & ego confitebor tibi in uasis psalmi ues
 psallam tibi in cythara sanctus israel.
 Exultabunt labia mea cum cantauero tibi:
 & anima mea quam redemisti.
 Sed lingua mea tota die meditabit iusticiā tuā:
 cū confusi & reueriti fuerit q̄ querit mala mihi.
 In Salomonē psalm⁹. LXXI.
 d̄ Eus iudicium tuum regi da:

ΘΑΣΥ: ΨΑΦ: ΨΕΛΡ: ΑΤ: ΨΡ: ΨΕΛΡ: ΑΦ: ΑΝΡ:
 11 ΑΗΣ: ΣΠΡ: ΑΘΛΡ: ΧΑΛΤΡ:
 ΘΛΑΥ: ΡΨΜΡ: ΑΣΦΑΡ:
 ΨΑΗΖ: ΨΕΖ: 12 ΘΕΒΑ:
 ΨΡ: ΑΓΗΛΑΠΗΘ:
 ΡΖΖΦ: ΟΤΛΨΗΦ:
 ΑΗΣ: ΑΑΡ: ΗΡΡΨ:
 13 ΑΦΑΗΡ: ΑΤΣΗΦ: ΑΦΣΡ:
 ΑΦΑΗΡ: ΣΚΣ: ΟΗΤ: ΖΕΛΑΤΡ: ΠΑΡ:
 14 ΡΤΨΕΖ: ΟΡΨΗΖ: ΑΛ: ΡΗΤΦΡΕΡ: ΑΣΦ
 ΘΛΑΠΗ: ΨΖΤ: ΟΨΗΖ: ΑΛ: ΕΒΦΡ: ΑΤ:
 15 ΟΑΞΗ: ΗΑΒ: ΑΛΒΘΗ: ΑΓΗΛΑ: ΜΗΘΣ:
 ΟΛΒΑΗ: ΕΠ: ΗΑ: ΑΠΗΤΗ:
 16 ΑΑΡ: ΕΣΖΣ: ΚΡΦΗ:
 ΟΗΑ: ΑΑΖ: ΑΡΨΤΗ:
 17 ΑΗΣ: ΑΡΑΦΣ: ΤΖΑΖ:
 ΑΠΘΑ: ΠΨΕΛ: ΑΓΗΛΑΠΗΘ:
 ΑΓΗΛΑ: ΑΗΘΣ: ΚΡΦΗ: ΑΠΗΤΗ:
 18 ΟΣΘΣΗΖ: ΑΦΑΗΡ: ΑΦΣΑΗΡ:
 ΑΗΗ: ΕΛΗ: ΑΣΖΣ: ΑΠΗΤΗ:
 19 ΑΗΗ: ΑΛΥΦ: ΟΛΖΑ: ΑΤ: ΨΡ: ΨΕΛΡ: ΑΦΑΗΡ:
 20 ΑΗΗ: ΑΣΖΣ: ΟΗΖΟΤΗ: ΑΤ: ΟΑΡ: ΗΕΣΤ
 21 ΨΕΛΑΗΖ: ΟΚΡΦΗΖ: ΜΑ:
 ΑΓΗΛΑ: ΑΗΗ: ΑΣΡΦ: ΓΠΣΗ: ΟΛΡΤ:
 ΑΓΗΛΑ: ΣΒ: ΗΘΗ:
 22 ΑΗΣ: ΑΣΑΕΗΖ: ΗΘΣ: ΟΦΖΡΒ: ΠΗΤ:
 ΟΤΣΡΤΗΖ: ΟΑΗΡΦΘΗΖ:
 ΟΛΦΦΑΡ: ΦΡΣ: ΗΘΠ: ΑΦΘΑΗΖ:
 23 ΟΑΠΗΨΗ: ΑΚΡΦΗ:
 ΟΓΑΛΗ: ΨΗΤΒ: ΜΗΖ:
 ΟΛΦΦΑΡ: ΦΡΣ: ΗΘΠ: ΑΦΘΑΗΖ:
 24 ΟΑΣΥ: ΑΓΖ: ΑΗ: ΠΣΡΡ: ΟΗΣΣ: ΑΡΡΦΗ:
 ΑΗΦΣ: ΑΗ: ΑΦΑΗΡ: ΠΣΗΨ: ΦΡΗ: ΑΗΖΒ
 25 ΡΤΒ: ΜΗΖ: ΗΣΦΣΡ: ΑΠ: ΑΗΦΣ: ΑΗ:
 ΟΑΣΦΑΡ: ΑΣΤ: ΑΡΨΖ:
 26 ΟΥΡ: ΑΑΖΡ: ΡΣΠΗ: ΚΡΦΗ: ΗΑ: ΑΑΖ:
 ΡΠ: ΤΨΣ: ΟΨΗΖ: ΑΛ: ΡΨΑ: ΑΤ: ΑΗΡ:
 ΠΑΖΤ: ΑΡΦΣ:
 1 80 ΑΓΗΛΑ: ΗΣΣΗ: ΟΡ: ΑΣΖΜ:

[Faint marginal notes in a smaller script, likely a commentary or glossary, partially obscured by the binding.]

& iusticiam tuam filio regis :
 Iudicare populum tuum in iusticia:
 & pauperes tuos in iudicio.
 Suscipiant mōtes pacē populo: & colles iusticiā.
 Iudicabit pauperes populi:
 & saluos faciet filios pauperum :
 & humiliabit calumniatorem.
 Et permanebit cum sole |
 & ante lunam: in generatione & generationem.
 Descendet sicut pluuia in uellus:
 & sicut stillicidia stillantia super terram.
 Orietur in diebus eius iusticia
 & abundantia pacis: donec auferatur luna.
 Et dominabitur a mari usque ad mare:
 & a flumine usque ad terminos orbis terrarū .
 Coram illo procident aethiopes:
 & inimici eius terram lingent.
 Reges tharsis & insule munera offerent:
 reges arabum & saba dona adducent.
 Et adorabunt eum omnes reges terræ:
 omnes gentes seruient ei.
 Quia liberabit pauperem a potente:
 & pauperem cui non erat adiutor.
 Parcet pauperi & inopī:
 & animas pauperum saluas faciet.
 Ex usuris & iniquitate redimet animas eorum:
 & honorabile nomen eorum coram illo.
 Et uiuet & dabitur ei de auro arabiaē:
 & adorabunt de ipso semper:
 tota die benedicent ei.
 Erit firmamentum in terra
 in summis montium:
 superextolletur super libanum fructus eius :
 & florebut de ciuitate sicut fenum terræ.
 Sic nomen eius benedictum in sacula:
 ante solem permanet nomen eius .
 Et benedicentur in ipso omnes tribus terræ:
 omnes gentes magnificabunt eum.
 Benedictus dominus deus israel:

Θ Π Ρ Φ Η Σ : Α Θ Δ Ρ : Ξ Γ Λ Ω :
 2 Η Σ : Ε Ψ Ξ Ω : Α Η Η Π Η : Ν Κ Ρ Φ ::
 Θ Λ Ξ Ρ Ψ Η : Ν Φ Τ Η ::
 3 Ε Ψ Θ Η Γ : Α Ρ Ω Γ : Ο Λ Θ Γ Γ : Η Ω Σ : Η Η Π Η ::
 4 Η Ξ Ξ : Ν Κ Ρ Φ : Ξ Ρ Ψ : Η Η Π Η ::
 Ο Α Ρ Ψ Ξ Ω : Α Ρ Φ Ψ : Θ Η Η Ξ Η ::
 Ο Α Ω Η Γ : Α Θ Π Ε ::
 5 Ο Ε Θ Ξ Η : Θ Η Α : Θ Η Ε ::
 Λ Φ Ψ Ρ Σ : Ο Γ Ω : Α Τ Θ Δ Ρ : Τ Θ Δ Ρ ::
 6 Ο Ε Θ Γ Ρ : Η Σ : Μ Δ : Θ Η Τ : Θ Φ Γ ::
 Θ Η Σ : Ξ Μ Π Θ Π : Η Ρ Ξ Μ Π Θ Π : Ε Ν : Θ Ρ Γ ::
 7 Ο Ε Λ Ω Γ : Κ Ρ Φ : Ν Σ Ψ Θ Λ Ω ::
 Θ Π Η Ψ : Η Ω Φ : Λ Η Η Π Ξ Δ Γ : Ο Γ Ω ::
 8 Ο Ε Ψ Ξ Ξ : Λ Φ Ω Η Γ : Λ Η Η : Ω Η Γ ::
 Ο Λ Φ : Α Φ Ω Γ : Λ Η Η : Α Κ Ξ Δ : Υ Λ Φ ::
 9 Ε Ξ Ξ Ξ : Φ Ρ Ψ Ω : Λ Τ Ρ Ξ Ρ ::
 Θ Ξ Ω Λ Ψ Ω : Η Σ Ρ : Ε Φ Θ Ξ ::
 10 Ξ Ξ Λ Ψ Τ : Τ Γ Η Η : Ο Ρ Η Ψ Τ : Α Ω Ξ : Ψ Π Θ Η ::
 Ξ Ξ Λ Ψ Τ : Α Ω : Θ Ψ Γ Π : Ξ Ρ : Ψ Σ Κ Η ::
 11 Ο Ε Η Ξ Ε : Α Ψ : Η Ψ : Ξ Ξ Λ Ψ Τ : Θ Ρ Γ ::
 Ο Ε Ψ Ψ Ψ Ψ : Α Ψ : Η Ψ : Α Η Η Π Η ::
 12 Λ Η Σ : Α Ρ Ψ Ξ : Α Ξ Ξ Ε : Λ Φ Λ Ρ : Η Ε Ψ Ξ Γ Α ::
 Α Φ Η Η Ξ : Η Α Δ Ρ : Ξ Ξ Ξ ::
 13 Ο Ε Θ Η Η : Ξ Ρ Ψ : Θ Θ Η Η Ξ ::
 Ο Ρ Ψ Ψ Ξ : Ξ Ξ Η : Ξ Ξ Ξ ::
 14 Λ Φ Γ Ε : Ο Λ Φ Τ Λ Γ Δ Τ : Ψ Ρ Ψ Ξ : Α Ξ Ψ Ξ ::
 Θ Η Π Γ : Η Σ : Ν Ψ Ψ Ψ Ψ ::
 15 Ο Ρ Η Ρ : Ο Ε Ψ Π Θ : Λ Φ Θ Γ Φ : Α Ξ Π ::
 Θ Η Δ Δ : Ε Ξ Δ Ρ : Ν Λ Ξ Ξ Λ Ω ::
 Θ Η Ψ : Α Δ Ξ : Ε Ψ Ψ Ξ Ξ ::
 16 Ο Ε Η Θ Ξ : Θ Η Η Η : Α Η Ψ : Θ Ρ Γ ::
 Θ Η Τ : Α Γ Λ Η Τ : Α Ρ Ω Γ ::
 Ο Ε Ξ Θ Ξ : Λ Φ Α Γ Η : Φ Ξ Ξ ::
 Ο Ε Π Ψ Δ : Θ Η Τ : Ψ Ξ Γ : Η Σ : Ψ Θ Ξ : Θ Ρ Γ ::
 17 Ο Ε Η Θ Ξ : Ε Ξ Η : Η Σ : Α Ψ Α Φ ::
 Λ Φ Ψ Ρ Σ : Θ Η Ε : Ψ Ψ : Η Σ ::
 18 Ο Ε Ψ Ω Ξ : Ν Ψ : Η Ψ : Α Η Η Π : Θ Ρ Γ ::
 Ο Ρ Η Τ Π Θ Λ Φ : Η Ψ : Α Η Ψ : Η Η Π Η ::
 19 Ε Ψ Ω Ξ Η : Λ Ξ Η Α Π Η Γ : Α Φ Ω Η : Λ Η Γ Ξ Δ ::

qui facit mirabilia solus.

Et benedictum nomen maiestatis eius

in aeternum :

& replebitur maiestate eius ois terra fiat fiat

Defecerunt hymni Dauid filij Iesse. Psalms
mus Afaph. LXXII.

Vam bono israhel deo: his qui recto sunt

¶ Mei autē pene moti sunt pedes: (corde.

pene effusi sunt gressus mei.

Quia zelauī super iniquos:

pacem peccatorum uidens.

Quia non est respectus mortis eorum:

& firmamentum in plaga eorum.

In labore hominum non sunt:

& cum hominibus non flagellabuntur.

Ideo tenuit eos superbia:

operti sunt iniquitate & impietate sua.

Prodiit quasi ex adipe iniquitas eorum :

transierunt in affectum cordis.

Cogitauerunt & locuti sunt nequiciam:

iniquitatem in excello locuti sunt.

Posuerunt in caelum os suum :

& lingua eorum transiuit in terra.

Ideo conuertetur populus meus hic;

& dies pleni inuenientur in eis.

Et dixerunt quomodo scit deus:

& si est scientia in excello.

Eccē ipsi peccatores & abundantes

in saeculo: obtinuerunt diuitias

Et dixi ergo sine causa iustificauī cor meum:

& laui inter innocentes manus meas.

Et fui flagellatus tota die:

& castigatio mea in matutinis.

Si dicebam narrabo sic :

ecce nationem filiorum tuorum reprobauī.

Existimabam ut cognoscerem :

hoc labor est ante me.

Donec intrem in sanctuarium dei:

& intelligam in nouissimis eorum.

ΗΓ·ΠΖ: ΣΖ·ΠΖ: ΓΗ·Τ·Τ::

20 Ο·Ε·Τ·Π·Ζ·Η: Η·Σ: Η·Π·Η·Τ·Σ::

Α·Υ·Α·Φ: Ο·Α·Υ·Α·Σ: Υ·Α·Φ::

Ο·Ε·Φ·Α·Λ: Η·Π·Η·Τ·Σ: Η·Λ: Ο·Ε·Ζ: Α·Ε·Η·Ζ: Α

Ψ·Δ·Φ: Η·Ρ·Φ·Τ: Σ·Ψ·Δ·Ε: Η·Θ·Δ·Ρ: Ξ·Ξ·Ε: Σ·Η·Σ·Ε: Η

Ρ·Φ·Τ: Η·Α·Η·Φ::

1 Ε·Β Φ·Φ: Ξ·Ε: Α·Γ·Η·Α·Π·Η·Ε: Α·Λ·Η·Ζ·Λ·Δ: Α

2 Α·Τ·Η: Η·Φ: Η·Σ: Η·Λ·Φ·Τ·Ζ·Τ·Γ: Α·Γ·Δ·Ρ::

Ο·Η·Φ: Η·Σ: Η·Λ·Φ·Ρ·Τ·Θ: Η·Η·Γ·Ρ::

3 Α·Η·Σ: Φ·Γ·Ο·Η: Α·Ο·Α: Ψ·Φ·Α·Ζ::

Η·Α·Φ·Σ: Ε·Λ·Ε·Ρ: Α·Υ·Θ·Ε·Ρ·Ζ::

4 Α·Η·Σ: Α·Δ·Π·Σ: Α·Η·Τ: Α·Φ·Τ·Σ::

Ο·Λ·Ψ·Ε·Α: Α·Σ·Φ·Ω·Φ·Τ·Σ::

5 Ο·Π·Χ·Θ·Ε: Α·Η·Σ: Ο·Ρ·Θ::

Ο·Α·Τ·Φ·Η·Ζ: Φ·Η·Α: Η·Π·Λ::

6 Ο·Π·Λ·Ζ·Τ·Η: Α·Ψ·Η·Σ: Τ·Ο·Π·Τ::

Ο·Τ·Υ·Θ·Φ·Φ: Α·Ψ·Μ·Α·Τ·Σ: Ο·Α·Υ·Σ·Θ·Υ·Σ::

7 Ο·Ε·Θ·Ε·Λ: Η·Σ: Α·Φ·Α·Ζ·Τ·Ο: Ψ·Μ·Α·Τ·Σ::

Ο·Ξ·Α·Ε: Α·Φ·Τ·Ο·Π·Τ: Α·Π·Σ::

8 Ο·Η·Α·Ρ: Ο·Σ·Π·Θ: Η·Ζ·Τ::

Ο·Σ·Π·Θ: Υ·Σ·Θ: Ο·Η·Τ: Α·Ε·Ρ·Φ::

9 Ο·Α·Ζ·Π·Ζ: Ο·Η·Τ: Η·Θ·Ε: Α·Δ·Υ·Σ::

Ο·Α·Ζ·Ρ·Η·Θ: Ο·Η·Τ: Ο·Ρ·Ε·Ζ: Α·Η·Γ·Σ::

10 Ο·Π·Λ·Ζ·Τ·Η: Ε·Τ·Σ·Ρ·Θ: Η·Η·Π·Ρ: Α·Φ·Η·Ρ::

Ο·Ε·Τ·Ζ·Η·Π: Φ·Ρ·Φ: Σ·Φ·Θ·Δ: Π·Α·Ο·Υ·Σ·Σ::

11 Ο·Ε·Π·Α: Α·Ε: Ρ·Α·Φ·Ε: Α·Γ·Η·Α·Π·Η·Ε::

Ο·Ρ·Ξ: Η·Ρ·Α·Φ·Ε: Π·Α·Ε·Ρ·Φ::

12 Ψ·Υ: Α·Η: Ψ·Φ·Α·Ζ: Ε·Τ·Ε·Γ·Υ::

Ο·Α·Υ·Α·Φ: Ρ·Ξ·Ζ·Ο·Φ: Α·Π·Ο·Υ·Σ::

13 Ο·Λ·Π: Η·Ζ·Τ·Υ: Α·Ζ·Τ: Α·Ρ·Ρ·Φ·Φ: Α·Δ·Π·Ρ::

Ο·Ξ·Θ·Π·Α: Π·Ζ·Ξ·Η: Α·Ρ·Φ·Ρ::

14 Ο·Η·Ζ·Η: Φ·Ω·Ε: Η·Λ·Ε: Α·Ε·Ζ::

Ο·Η·Α·Ε·Ρ·Ξ: Π·Φ·Α·Η::

15 Η·Π: Α·Π·Υ: Ψ·Π·Π·Η: Η·Σ·Η::

Ψ·Υ: Ω·Ζ·Ο·Η: Α·Τ·Θ·Δ·Ρ: Ρ·Φ·Φ·Η::

16 Ο·Τ·Θ·Η·Φ·Η: Η·Σ: Α·Λ·Φ·Ε::

Ο·Η·Ζ·Τ·Η: Χ·Θ: Ο·Λ·Τ: Π·Φ·Ρ·Θ·Ρ::

17 Α·Η·Η: Α·Π·Θ·Λ: Ο·Η·Τ: Σ·Φ·Ρ·Η: Α·Λ·Η·Α·Π·Η·Ε:

Η·Σ: Α·Λ·Φ·Ε: Ρ·Ψ·Ζ·Τ·Σ::

Π·Ε·Η·Ζ::

Π·Ε·Τ·Υ·Σ: Δ·Π::

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or a second translation, running vertically down the right edge of the page.

ὁ ποιῶν θανάτου μόνος.

καὶ ἐν λογιμένῳ τὸ ὄνομα τῆς δόξης αὐτοῦ.

εἰς τὸν αἰῶνα καὶ εἰς τὸν αἰῶνα τῶν αἰῶνων.

καὶ πληρώσεται τῆς δόξης αὐτοῦ πᾶσα ἡ γῆ γενεὴ γενεῆ

ἔξελιπον οἱ ὕμνοι λαβὴν τῶν νύκτων ἰεσοῦ.

ψαλμοὶ Ἰωάννου.

ο β

Σάγαθός ὁ θεὸς Ἰωάννου ἰσοῦ καὶ καθελίας

ἡμῶν ἡμεῖς δὲ παρὰ μικρὸν ἔοικεν ἡμῶν οἱ πόδες.

παρὸλίγου ἔξεχύθη ἡ λαβὴ μακάριος.

Ὅτι ἐζηλώσα ἐπὶ τοῖς ἀνόμοις.

εἰς τὴν ἀμαρτωλῶν θεωρῶν.

Ὅτι ἐκείνη ἀνάνευσις ἐν τῷ θανάτῳ αὐτῶν.

καὶ σεβώμα ἐν τῇ μάστιγι αὐτῶν.

ἐν κόποις ἀνθρώπων οὐκ εἰσὶ.

καὶ μετὰ ἀνθρώπων οὐκ ἐπιγινώσκονται.

λαβὴ τὸ ἐκείνησιν ἀνάνευσις ἡπερ φανία αὐτῶν εἰς τέλος.

περιβάλλον ἀλικίαν καὶ ἀσεβίαν αὐτῶν.

ἔξελένεται ὡς ἐκ σέατος ἡ ἀλικία αὐτῶν.

διηλοῦσιν εἰς λιθάσι καθελίας.

διενόησαν καὶ ἐλάλησαν ἐν πονηρίᾳ.

ἀλικίαν εἰς τὸ ὕψος ἐλάλησαν.

ἔθεντο εἰς θανάτου τὸ σῶμα αὐτῶν.

καὶ ἡ γλώσσα αὐτῶν διηλοῦσιν ἐπὶ τῆς γῆς.

διὰ τὸ ἐπιβρῆ ἡ λαβὴ ἡμῶν ἐν τῷ ὕψει.

καὶ ἡμεῖς πληρεῖς ἐνδοξασονται ἐν αὐτοῖς.

καὶ εἶπον ὡς ἔγνω ὁ θεός.

καὶ εἶ ἐν τῷ ὕψει ἐν τῷ ὕψει.

ἰδοὺ οὗτοι ἀμαρτωλοὶ καὶ ἐνδοξασονται.

εἰς τὸν αἰῶνα κατέσχευον τὸν πόδα.

καὶ εἶπα ἄρα ματαίως ἐδικαίωσα τὴν καθελίαν ἡμῶν.

καὶ ἐν τῷ ὕψει ἐν τῷ ὕψει τὰς χεῖρας ἡμῶν.

καὶ ἐγενόμην μεμαστιγμένον ὅλην τὴν ἡμέραν.

καὶ ὁ ἔλεγχός ἡμῶν εἰς τὰς ποταμούς.

εἶ ἔλεγον διηλοῦσιν οὕτως.

ἰδοὺ τῆς γενεᾶς τῶν νύκτων ὁ θάνατος ἐπιθήκας.

καὶ ὕψος λαβὴν τῶν ὕψων.

τὸ τοῦ κόποις ἐστὶν ἐνώπιόν ἡμῶν.

ὡς ὅτι εἰσελθὼν εἰς τὸ ἀγαθὸν τῶν θεῶν.

καὶ οὐκ εἰς τὰ ἔσχατα αὐτῶν.

עשה נפל אות לבדו :

וכבוד שם כבודו

לעולם

וימלא כבודו את כל הארץ אמן ואמן :

כלו תפלות בוד בן ישי :

מזמור לאסף

ך טוב לישראל אלהים לבדו :

ואני כמעט נסתי רגלי (לבב :

כאין שפכה אשרי :

כי קנאתי בהוללים

שלום רשעים אראה :

כי אין חרצבות למותם

וכריא אולם :

בעמל אנוש אינימו

ועמלים לא ינגעו :

לכן ענקתמו אלה

יעשה שית חמס למו :

יצא מחלב עינימו

עברו משכיות לבב :

ימקו וידברו ברע

עשה ממחום דברו :

שתו בשמים פיהם

ולשונם תהלך בארץ :

לכן ישוב עמו הלוך

ומי מלא ימצו למו :

ואמר אכה ידע אל

ויש דעה בעליון :

הנה אלה רשעים ושליו

עולם השגו חיל :

אך ריק ופיתוי לבב

וארץ בנקיון כפי :

ואהי נגוע כל היום

ותוכחתי לבקרים :

אם אמרת אספרה כמו

הנה דור פניך בגדתי :

ואחשבה לדעת זאת

עמל הוא בעיני :

עד אבוא אל מקדשי אל

אכינה לאחריתם :

Πλήμνια ἰατρικῆς ἀπολιότητος ἀντῶν ἐθῶν ἀνθρώπων κακὰ·
 κατεβάλες ἀνθρώπους ἐμὴν ἑπάρσηναι.
 ὣς ἐγένοντο εἰς ἐρημωσίμ·
 ἐξάπινά· ξέλιπον ἀπόλοντο διὰ τὴν ἀνομίαν ἀντῶν·
 ὡσεὶ ἐνὶ ὕδατι ἐξεγερμένοις·
 κύνει ἐμ τῆ πόλει σὸ τῆμ εἰκόνα ἀνθρώπων ἐξέσλενώσθης·
 Ὅτι ἐξέκαυθη ἡ καρδία μου καὶ οἱ νεφροὶ μου ἠλλοιώθησαν·
 Ἐὰ γὰρ ἐξέσλενωμένος καὶ σκῆνωμ·
 κτηνώδης ἐγενήθημ παρὰ σοί,
 καὶ γὰρ διασπαστὸς μετὰ σὸ.
 Ἐκράτησας τῆς χερσὸς τῆς δεξιᾶς μου
 καὶ ἐμ τῆ βελῆ σὸ ὠλήθησάς με·
 καὶ μετὰ δόξης παροσελάβησ με·
 Τί γὰρ μοὶ ὑπέσχεσθαι ἐμ τῶ ἔρανω·
 καὶ παρὰ σὸ τί ἠδελύθησάσ ἐπὶ τῆς γῆς·
 Ἐξέλιπεν ἡ καρδία μου καὶ ἡ σὰρξ μου ὁ θεὸς ἡσ καρδίας μου
 καὶ ἡ μερίς μου ὁ θεὸς εἰς τὴν αἰώνια·
 Ὅτι ἰδοὺ οἱ μακρύνοντες ἑαυτοὺς ἀπὸ σὸ ἀπολούνται·
 ἐξωλοθρῆσας πάντας καὶ παρενόντας ἀπὸ σὸ
 Ἐμοὶ δὲ ἡ προσκολλησάσθαι ἰδοὺ θεῶν ἀγαθῶν εἰμ·
 τίθεσθαι ἐν τῶ κύνει τῆμ ἐλπίδα μου·
 Τὸ ἐξαγγῆλαί με πάσας ἰατρικὰς αἰνεσεις σὸ,
 ἐμ ἰατρικὰς πύλαις τῆς θυγατρὸς αἰώμ·

Συνέσεως τῶ ἀσάφ· ο γ

Να ἴδῃ ο θεὸς ἀποσώσῃ εἰς τέλος·

ὁ θεὸς ἰδοὺ θυμὸς σὸ ἐπὶ πρεβάτα νομῆς σὸ·

Μὴ σῶσθαι τῆς συναγωγῆς σὸ ἡσ ἐκτίσῃ ἀποσάφης·
 ἐλυτρώσῃσ ἀβελῆμ κληρονομίας σὸ·
 Ὅρος αἰώμ ἰδοὺ ὁ καλεσάσθαι εἰς ἀνθρώπων·
 ἔπαυται τὰς χεῖρας σὸ ἐπὶ τὰς ὑπερηφανίας ἀνθρώπων εἰς ἴελ
 Ὅσα ἐπονηρέυσάσθαι ὁ ἐχθρὸς ἐμ τῶ ἀγγίω σὸ·
 καὶ ἐνεκαυχήσαντο οἱ μισοῦντές σε, ἐν μέσῳ ἡσ ἐορῆς σὸ
 ἔθεντο τὰ σημεῖα ἀντῶν σημεῖα καὶ σκῆνωσσημ·
 ὡς εἰς τῆμ ἐξολεμ ὑπεράνω·
 Ὡς ἐμ δένδρῳ ζύλωμ, ἀξίναις ἐξέκοψαμ ἰατρικὰς θυρῶν ἀνθρώπων
 ἐν πελέκῃ καὶ λαξευτήριῳ κατέραξαμ ἀνθρώπων· (ἐπὶ τανύ
 Ἐνεπύρισσαμ ἐμ πυρὶ ἡ ἀγίασθριου σὸ·
 εἰς τῆμ γῆμ ἐβίβλωσσημ ἡ σκίνωμα ἰδοὺ ὀνόματός σὸ·
 εἶπον ἐμ ἡ καρδία ἀντῶν ἀνθρώπων ἐπιρῶσθαι

אך בחלקות תשיית לַמֶּלֶךְ
 הפלחם לַמֶּשֶׁאֲוֹת
 אך הוֹלֵל שָׁמָּה
 כְּרָגַע סָפִי תַמוֹן בְּלִהוֹת
 כַּחֲלוֹם מִבְּקִי
 אֲדַבְּרֵי בַעֲרִיר צִלְמִם תִּכְוֶה
 כִּי יִתְחַמֵּץ לִבִּי וְכִלְיוֹתַי אֲשַׁתְּוֹנֶן
 וְאֲנִי בַעַר וְלֹא אֲדַע
 בְּהַמּוֹת הַיִּיְתִי עִמָּךְ
 וְאֲנִי תַמִּיד עִמָּךְ
 אֲחֻזֶּה בְּיַד יְמִינִי
 בַעֲצָתְךָ תִּנְחַנֵּן
 וְאַחַר כְּבוֹד תִּקְחֵנִי
 מִי לִי בַשָּׁמַיִם
 וְעִמָּךְ לֹא חִפְצָתִי בְּאֶרֶץ
 כִּלְהֵ שְׂאֵרֵי וְלִבִּי צוּר לִבְכִי
 וְחִלְקֵי אֱלֹדִים לְעוֹלָם
 כִּי הִפְתָּ רַחֲמֶיךָ יֶאֱבֹד
 הַצַּמְתָּ כֹּל זִוְגָה סָמָךְ
 וְאֲנִי קִרְבַּת אֱלֹדִים לִי טוֹב
 שְׁתִּי בְּאֲדָנִי וְלֹא מִחֶסֶד
 לְסַפֵּר כֹּל מִלְּאֲבוֹתַי
 ע

מִשְׁכִּיל לְאַרְבָּע

מה אֱלֹדִים וְנִחַת לְנַצַּח
 יַעֲשֶׂן אֶפְרַיִם בְּצִאֵן מִרְעֵיתְךָ
 זְכֹר עֲדַתְךָ קִנִּית קָדִים
 אֲלֵת שִׁבְטֵי נַחֲלֹתְךָ
 הִר צִיּוֹן וְהִי שִׁכְנֵת בּוֹ
 הַרְיִמָה בַעֲמִידָה לַמֶּשֶׁאֲוֹת נַצַּח
 כֹּל הַרְעֵ אֹיִב בַּקֶּדֶשׁ
 שְׂאֵנו צִרְיֹה בְּקִרְבֵּי מוֹעֵד
 שְׁמוֹ אֹתוֹתֵם אֹתוֹת יִדְעֵה
 בְּמִבְּיָא לְמַעַלָּה
 בְּסִבְבָּן עַצְוֹת קִרְוֹמוֹת
 בְּכִשְׁלֵי וְכִלְפוֹת הַלְמוֹן
 לְשִׁלְחוֹ כְּאֵשׁ מִקְדָּשְׁךָ
 לְאַרְץ חִלְלוֹ מִשְׁבַּן שְׁמֶךָ
 אֲמָרוּ בְּלִבָּם נִינָם יִתְּ

m ij

quiescere faciam⁹ omnes dies festos dei a terra
 Signa nostra non uidimus
 iam non est propheta:
 & nos non cognoscer amplius.
 Vt⁹ quo deus improperebit inimicus:
 irritat aduersarius nomen tuum in finem.
 Vt quid auertis manum tuam
 & dexteram tuam: de medio sinu tuo in finē.
 Deus autem rex noster ante saecula:
 operatus est salutem in medio terrae.
 Tu confirmasti in uirtute tua mare:
 contribulasti capita draconum in aquis.
 Tu confregisti capita draconis:
 dedisti eum escam populis aethiopum.
 Tu dirupisti fontes & torrentes:
 tu siccasti fluuios ethan.
 Tua est dies & tua est nox:
 tu fabricatus es auroram & solem.
 Tu fecisti omnes terminos terre:
 aetatem & uer tu plasmasti ea.
 Memor esto huius
 inimicus impropereauit domino:
 & populus insipiens incitauit nomen tuum.
 Ne tradas bestijs animas confidentium tibi:
 & animas pauperum tuorum ne obliuiscaris in finē.
 Respice in testamentum tuum:
 quia repleti sunt qui obscurati sunt terre domib⁹
 Ne auertat humilis fact⁹ confusus: (iniquitatu.
 pauper & inops laudabunt nomen tuum.
 Exurge de⁹ iudica causam tua: (sunt tota die.
 memor esto improperioꝝ tuorum: que ab insipiente
 Ne obliuiscaris uoces inimicorum tuorum:
 superbia eorum qui te oderunt ascendit semp.
 In finē ne disspdas uel corrupas Pf. cāfici Asaph
 Onfitebimur tibi deus LXXIII.
 cōfitebimur: & inuocabim⁹ nomē tuū.
 Narrabimus mirabilia tua:
 cum accepero tempus
 ego iusticias iudicabo.

37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 1 2

37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

Λεύτε κη καγαπάνσωμεμ πάσας γας εορίας τδ θεδ σδ
 Τά σμηδάντων ονκ ειλόμεμ. (τδ γηδ)
 ονκ εσιμ εγι ποροφής,
 καί ημάς ον γνώσεται ετι.
 Έως ποτε ο θεος ονδλιεί ο εκδρος,
 παροξυνή ο νπειαντίος τδ ονομά σς εις τέλος.
 ίνα ηί αποσεφείσ τήμ χδρά σς.
 κη ημ λεξίαμ σς εκ μέσ τδ κόλπσ σς εις τέλος.
 Ο λεδρος βασιλενς ημάμ πορο αιώνοσ.
 εηγάσατο σωηερίμ εμ μέσ τήσ γησ.
 Σν εκραταίωσας εμ τή δυνάμδ σς ημ δάλασσμ.
 ον οννελεφας τας κεφαλὰσ γωμ λεσκόνημ επί τδ νδλα-
 Σν οννεθλασσας τήμ κεφαλήμ τδ λεσκόνητοσ. (τδσ.)
 ελακκας άντδμ βρωμά λαοίσ τοίσ αίθιοφι.
 Σν λιερέησας πηγὰσ κη χδμοσζσσ.
 ον εχέχνας ποσλμδσ ηθάμ.
 Σν εσιμ η ημέρα, κη ον εσιμ η νύξ.
 ον καθερίσωφάνσιμ κη ηλιμ.
 Σν έσώησας πάντα τὰ βρωσία τήσ γησ.
 θεροσ κη εσε ον έπλοασ άντα,
 μνησθηγι θανήσ.
 Εκδρος ονείλισε τ κνείεσ.
 κη λαοσ αφρωμ παροξυνε το ονομά σς.
 Μη παρὰ λωσ κησ θηείσ ψυχνμ έξομολογσμένημ σοι.
 τωμ ψυχωμ τ πενήτ σς μη έπιλαθκ εις τέλοσ.
 Έπίβλε φμ εις τήμ λιαθνήμ σου.
 οτι επλνεώνσμη ει εσκοτισμείνι τήσ γησ οικαμ άνομιωμ.
 Μη αποσεφητώ τελασ φνομείνοσ καθκοχνημμείνοσ.
 πολωκοσ καί τωίνεσ ανέσσεσ τδ ονομά σς ον.
 Άνάσα ο δειοσ, λικάσσημ τήμ λίκημ σου.
 μνησθηγι τν ονειλδσμόν σς, τν υπο αφρονοσ όλημ τήμ η-
 Μη έπιλαθκ τήσ φωνήσ τ ίκετωμ σου. (μέσαμ.)
 ην περιφανία τ μισόντ σε, άνεβη λιαπανήσ.
 Εις τδ τέλ μη λιαφθέρησ, τδ ασσφ ψδωλησ. οδ
 εξομολογσμέσα σοι ο δειοσ.
 εξομολογσμέσα σοι, κη επικαλεσομεθα το ένθ
 Διηγέσομαι πάντα τὰ θανμάσία σς. (μάσ.)
 οταμ λαβω κχιεμ,
 έγω ενδύτησ κρηώ.

שרבו כל מועדי אל בארץ
 אבותינו לא ראינו
 אין עוד נביא
 ולא אמתנו יודע עמה
 עד כתי אלדים יחרף צר
 ינאץ אוב שמך לנצח
 למה תשיב ירך
 ויסינה מקרב הוקך בלה
 ואלדים כלכי מקדם
 פועל ישועות בקרב הארץ
 אתה פוררת בעוק ים
 שכרת ראשי תנינים על דמים
 אתה רצפת ראשי לוחות
 תתנהו סכל לעם לצים
 אתה בקעת מעין ונחל
 אתה הובשת גברות איתן
 לך יום אף לך לילה
 אתה הבינות מאור ושמש
 אתה רצבת כל גבולות ארץ
 קיץ וחרף אתה יצרתם
 זכר זאת
 אוב דרך ים
 ועם נבל נאצו שמך
 אל תמן לחית נפש תורק
 הית עניך אל תשכח לנצח
 הפס לברית
 כי כל אומם שכני ארץ נאות חסם
 אל ישכב בך נכלם
 עני ואביון יהללו שמך
 קובה אלדים ריבה ריבך
 זכר חרפתך מני נבל כל היום
 אל תשכח קול צרריך
 שאון קמיה עליה תמיד
 למנצח אל תשחת מזמור לארץ שיר
 ה ורינו לך אלדים
 ה הודינו וקרוב שמך
 ספרו נפל אותך
 כי אקח מוער
 אני משרים אשפט
 m ij

Ἐτάραχ' ἡ γῆ καὶ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ·
 ἐγὼ ἐσερέωσα τὸν σὺλον αὐτῆς·
 εἶπα τοῖς παρανομοῖσι μὴ παρανομῆτε·
 καὶ τοῖς ἀμαρτάνουσι μὴ ὑψώτε κεράς·
 μὴ ἐπαίρετε εἰς ὑψος τὸ κεράς ὑμῶν·
 καὶ μὴ λαλήτε κατὰ τὸ θεῶν ἀδικίαν·
 Ὅτι οὐτε ἐξ ἐξόλων οὐτε ἀπὸ λυσισμῶν οὐτε ἀπὸ ἐρήμων
 ὅτι ὁ θεὸς κριτὴς ἐστίν· (θερέων)
 Τὸν κρηταίην νοὶ καὶ τὸν τερμῦν ὑψοί·
 ὅτι ποτήριον ἐν χερί κυρίου,
 οἴνου ἀκράτου πολλῆς κεράσματος·
 καὶ ἐκλινετ' ἐκ τούτου εἰς τούτο·
 πολλοὶ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν οὐκ ἐξεκείνωσιν·
 Πῶνοι πάντες οἱ ἀμαρτωλοὶ τῆς γῆς·
 ἐγὼ δὲ ἀγαλλιάσομαι εἰς τ' αἰῶνα·
 ψαλμὸς δαυὶδ·
 καὶ πάντα τὰ κεράτα τ' ἀμαρτωλῶν συνθλάσω·
 καὶ ὑψώσεται τὸ κεράς τῶν δικαίων·
 εἰς τὸ τέλος ἐν ὑμνοῖς ψαλμὸς δαυὶδ πρὸς τὸ ἀσύνετον
 Νῶτος ἐν τῇ ἰσραὴλ ὁ θεός·
 ἐν τῷ ἰσραὴλ μέγα τὸ ὄνομα αὐτοῦ·
 καὶ ἐγενήθη ἐν εἰρήνῃ ὁ τοσὺτος ἀνθρώπων·
 καὶ τὸ καρποκτηρίον ἀνθρώπων ἐμισώμην·
 Ἐκεῖ συνέτριψε τὰ κράτη τ' ἰσραὴλ·
 ὅπλον καὶ ῥομφαία καὶ πόλεμον·
 Φωτίξεν τὸν θάνατον ἀνθρώπων·
 ἀπὸ οὐρανῶν αἰωνίως·
 Ἐταράχ' ἡσασα πάντες οἱ ἀσύνετοι τῆς κληρονομίας·
 ὕψωσαν ὑπὸν ἀνθρώπων, καὶ ἔχ' ἔνθεον ὄλεον·
 πάντες οἱ ἀνδρες τῶν πολλῶν τὰς χεραῖν αὐτῶν·
 ἀπὸ ἐπιτιμῆσεως τοῦ θεοῦ ἰακώβ·
 ἐν ἔσχατον οἱ ἐπιβόηκοι τῆς ἰσραὴλ·
 Σὺ φεβερσὶ εἶ,
 καὶ τίς ἀντισησεται σοὶ ἀπὸ τότε ἡ δόξα σου·
 ἐκ τῶν οὐρανῶν ἡκίστας κρείσισιν·
 Ἦν ἐφειβήθη καὶ ἠσάσασα,
 ἐν τῷ ἀναστῆναι εἰς κρείσισιν τ' ἰσραὴλ·
 ἐν σώσει πάντας τὸν πᾶσαν τῆς γῆς·

כְּמַיִם אֶרֶץ וּבִלְיוֹשְׁבֶיהָ
 אֲנֹכִי תַכְתִּי עַמּוּדֵיהָ סֵלָה
 אִמְרָתִי לְהוֹלִים אֶל תְּחִלָּתָהּ
 וְלִרְשָׁעִים אֶל תְּרִימוֹ קֶרֶן
 אֶל תְּרִימוֹ לְמִרוֹם קַרְנֵם
 תִּכְבְּרוּ בַצֹּאֵר עֲתָק
 כִּי לֹא מִמוּצָא וּמִמַּעֲרָב וְלֹא מִמִּדְבַּר הַרִים
 כִּי אֶל דִּים שׁוֹפֵט
 זֶה יִשְׁפִּיל זֶה יָרִים
 כִּי כֹס בְּיַד יְיָ
 וְיִין חֲמַר מִלֹּא מִסֶּךָ
 זֶה יִגְדֵּל זֶה יִמְצוֹ
 יִשְׁתַּחֲוֶה לְרַשְׁעֵי אֶרֶץ
 וְאֲנִי אֲגִיד לְעוֹלָם
 אֲזַמְרָה לְאֵל דֵּי יַעֲקֹב
 וְכֹל קַרְנֵי רַשְׁעִים אֲנֹעַ
 תִּרְוַם מִנְהָ קַרְנוֹת צִדִּיק
 לְמַנְצָח בְּנֵי יְנוּחַת מִזְמוֹר לְאַחַף שִׁיר
 וְדַע בְּיַהֲוָה אֱלֹדִים
 בְּיִשְׂרָאֵל גְּדוֹל שְׁמוֹ
 דַּיְהִי בְשָׁלֵם סֶכֶן
 וְיַעֲוֹתוּ בְצִיּוֹן
 שְׁמָה שִׁבַּר רַשְׁפִּי קִשְׁתֹּת
 מִן וְחָרֵב וּמִל חֲמָה סֵלָה
 צִאֹר אֲתָה אֲדִיר
 סִבְרֵי טָרֶף
 אֲשַׁחֲוֶה לְוִ אֲבִירֵי לֵב
 בְּמוֹ שִׁנְתֶם וְלֹא מִצֹּאֵר
 כֹּל אֲנָשִׁי חִיל יְדֵיהֶם
 מִעֲרַתְךָ אֵל דֵּי יַעֲקֹב
 גִּרְתָּם וְרַכֵּב וְסוֹס
 אֲתָה נִרְאָה אֲתָה
 וּמִי עֵמֶד לְפָנֶיךָ מִצֹּאֲפֶךָ
 מִשְׁמִים הַשְׁמַעַת הַיָּן
 אֶרֶץ יִרְאָה וְשִׁקְטָה
 בְּקוֹם לְמִשְׁפַּט אֱלֹדִים
 לְהוֹשִׁיעַ כָּל עַמּוֹי אֶרֶץ סֵלָה

Ὅτι ἐμὸν μῦθον ἀνθρώπων ἐξομολογήσεται σοί·
 καὶ ἐγκατάλημμα ἐν θυμῷ σου εὐδοκίᾳ σου·
 Ἐνέασθαι καὶ ἀποδοῦναι κυρίῳ ἰσχυρῶν ἡμῶν·
 πάντες οἱ κύκλω ἀντὶ τοῦ οἴσου σου ἄδωρα·
 τῶν φοβερῶν καὶ ἀφαιρουμένων πνευμάτων ἀρχόντων·
 φοβερῶν παρὰ τοῖς θεοῖς λευκοῖς τῆς γῆς·
 εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ ἰσθμοῦ, φάλαγγος τῶν ἀσπίδων· ὅς
 ὦν ἡ μὲν πρὸς κύριον ἐκέκραξα·
 φωνῆ μου πρὸς τὸν θεόν, καὶ προσέειπεν μοι·
 Ἐμὴ ἐξάδω φέως μου τὸν θεόν ἐξεζητήσῃ·
 ἰσχυρῶν μου νυκτῶν ἐμὰντίον αὐτοῦ, καὶ οὐκ ἠπατήσῃ·
 Ἀπηνήκατο παρὰ κληθῆναι ἡ ψυχὴ μου·
 ἐμνήσθην τὸ θεῶν καὶ ἐνφρανθῆναι·
 ἠλολέοχθα καὶ ὠλιγοψύχθη ὁ πνευμά μου·
 Γενοκατελάβοντο φηλακασοὶ ὀφθαλμοί μου·
 ἐταράχθην καὶ οὐκ ἐλάλησα·
 Διελογισάμην ἡμέρας ἀρχαίας·
 καὶ ἔτι οἰωνία ἐμνήσθην καὶ ἐμελέτησα·
 Νυκτὸς μετὰ τῆς κεφαλῆς μου ἠλολέοχθον καὶ ἔσκαλλε τὸ
 μῆν εἰς τοὺς οἰωνοὺς ἀποσέεται κύριος· (πνευμά μου
 καὶ ἂν προσέησθαι τὸ ἐνδοκίμοι ἔτι·
 ἢ εἰς τὸ ἴσον αὐτῶν ἀποκόψῃ συνειλέσει ἑμὴ ἀπογε
 μῆν ἐπιλήσει τὸ δικίον ὁ θεός· (νεὸς εἰς γενεάν,
 ἢ συνέξῃ ἐμὴ τῆσθε γῆ αὐτῶν τοὺς δικτιμῶς αὐτῶν·
 καὶ εἶπα νῦν ἠεξάμην·
 αὐτὴ ἡ ἀλλοίωσις τῆς λεξιᾶς τῶν ὑψίστων·
 Ἐμνήσθην τῶν ἐργῶν κυρίου·
 εἰ μνησθῶμαι ἀπὸ τῆς ἀρχῆς τῶν θαυμασίων σου·
 καὶ μελετήσω ἐμὴ πᾶσι τοῖς ἐργοῖς σου·
 καὶ ἐμὴ εἰς ἐπιτηλευμάσιν σου ἀλολέοχθῶ·
 Ὁ θεός ἐμὴ ἰσχυρῶν ἡλόος σου·
 ἰσχυρὸς θεός μέγας ὡς ὁ θεός ἡμῶν,
 οὐ εἶ ὁ θεός ὁ ποιῶν θαυμασία
 Ἐγνώρισας ἐμὴ τοὺς λαοὺς τῆς δυνάμει σου·
 ἐλυτρώσῃ ἐμὴ τῶν βραχίων σου τὸν λαόν σου·
 τὸν υἱὸν ἰακώβ καὶ ἰσάακ·
 εἰλοσῶ σε ὑλάτα ὁ θεός·
 εἰλοσῶ σε ὑλάτα καὶ ἐφοβήσῃ·
 Ἐταράχθῃσιν ἄβυσσοὶ πλῆθος ἡχῶν ὑλάτων·

כִּי חִמַּת אֲדָם תִּזְכֹּר
 שְׂאֵרֵי חַמּוֹת תִּתְקַדֵּר
 נָדָרוֹ וְשִׁלְמוֹ לִי תִתֵּן אֱלֹהִים
 כָּל-סִבְיָתוֹ יִזְכִּירוּ שֵׁי
 לְמוֹרָא וְקִצּוֹר תַּחַּת נְגִידִים
 גִּזְרָא לְמַלְכֵי אֶרֶץ
 לְמַנְצַח עַל-יְדֵי תִּתְקַן לְאַסְפֵּי מִזְמוֹר
 וְלֵי אֵל אֱלֹהִים וְאַצְעֻקָה
 קוֹלֵי אֵל-אֱלֹהִים וְהַאֲזִין אֵלַי
 בְּיוֹם צַדִּיקֵי אֲדָנִי הַרְשֵׁתִי
 יְדִי לִלְחֵם בְּצַרָה וְלֹא תִפְוֶה
 מֵאַנְהָה הַפַּחַם בְּפִשִׁי
 אֲזַכֵּרָה אֱלֹהִים וְאַרְמִיָּה
 אֲשֶׁר יַחַח וְתַתְּעַטְרֵךְ רוּחֵי סִלְהָ
 אַחֲזֵת שְׂמֵרוֹת עֵינַי
 בְּפַעַמְתִּי וְלֹא אֲדַבֵּר
 חֲשֵׁקֵת יָמִים מִקִּדְמָה
 שְׁנוֹת עוֹלָמִים
 אֲזַכֵּרָה בְּנַפְתִּי בְּלִלְחֵם עִם-לִבְבֵי אֲשֶׁר יַחַח
 הַלְעֵלֵמִים יִזְכַּח אֲדָנִי (וְיִחַפֵּשׂ רַחֲמֵי
 וְלֹא יוֹסִיף לְרַצּוֹת עוֹד
 הַאֲפֵס לְנַצַּח חֲסֵדוֹ אֲמַר לְדָר וְרוּחֵ
 הַשִּׁבַּח חַמּוֹת אֵל
 אִם-קִפְצָה בְּאֶף רַחֲמֵי סִלְהָ
 וְאֲמַר חַיִּים
 הִיא שְׁנוֹת יָמַי עַל יוֹן
 אֲזַכֵּר מַעַלְלֵי-יְהוָה
 כִּי-אֲזַכֵּרָה מִקִּדְמָה כָּל-אֶפְרַיִם
 וְהִנֵּחֵתִי כְּכֹל-פַּעֲלֶךָ
 וּבַעֲלִילֵתִיךָ אֲשֶׁר יַחַח
 אֱלֹהִים בְּקִדְשׁ בְּרַכְּךָ
 מִי-אֵל גָּדוֹל בְּאֱלֹהִים
 אַתָּה הָאֵל עֲשֵׂה פִלֵּא
 הַדְרֵעַת בְּעַמִּים עֲדָךְ
 צִאֲלֵת בְּרִיעַ עַמְּךָ
 בְּנֵי-יַעֲקֹב וְיוֹסֵף סִלְהָ
 בְּאוֹךְ מִים אֱלֹהִים
 בְּאוֹךְ מִים יַחֲלִילֵךְ
 אֶף יִרְגֵּוּ תַחֲמוֹת וְרַמּוֹ מִים עֲכֹת

φωνήν ἑλωκίμ' αἰ νεφέλαι· καὶ γὰρ ἰα βέλη σα λιαπο
 φωνή τῆς θεοῦ τῆς σα ἐμ τῶ τροχῶ. (βενόλια
 ἔφαναμ αἰ ἀσραπαί σα τῆ οἰκασμένη·
 ἔσαλεύθη καὶ ἐν θεομῶς ἐγενήθη ἡ γῆ.
 ἐμ τῆ θαλάσσει αἰ οἰοί σα·
 καὶ αἰ ἰεῖβοι σα ἐμ ἴλασι πολλοῖς·
 καὶ τὰ ἰχνη σα, οὐ γνωσθῶσονται·
 ὠλήθησας ὡς πρὸ βατα τῆ λαοῦ σα·
 ἐμ χεῖρὶ μαίνου καὶ ἀσρών.

Συνέσεως τῶ ἀσάφ.

63

ῶ Ροσέχετε λαός μου τῶ νόμου μου·
 κλίνατε ἰδοὺς ἡμῶν εἰς ἰα θήματα ἰδοὺς σωματός μου

Ἄνοιξω ἐμ παραβολαῖς τὸ σῶμα μου·
 φθέγγομαι προβλήματα ἀπὸ ἀρχῆς.
 Ὅσα ἠκόσασα καὶ ἐγνώμην ἀντά·
 καὶ οἱ πατέρες ἡμῶν ἀπηγάσαντο ἡμῖν·
 Ὅνκ ἐκρύβη ἀπὸ ἰαμ ἰεκνω ἀνθρώπων, εἰς γενεάμ ἐτέραμ·
 ἀπαγγέλλοντες τὰς ἀνέσεις τῶ κρυβῶ·
 καὶ τὰς ἀνυσιόσας ἀνθρώπων. καὶ τὰ θανμάσια ἀνθρώπων, ἃ ἔσασ
 καὶ ἀνέσασε μαρτυρίου ἐμ ἰακώβ. (ἠασ·
 καὶ νόμου ἐσετο ἐμ ἰσραήλ·
 Ὅσα ἐνετείλατο τοῖς πατέρασιν ἡμῶν·
 τῶ γνωρίσασ ἀντά τῶς νόμοις ἀνθρώπων·
 Ὅπως ἀμ γνῶ γενεὰ ἐτέρα·
 ἡνοὶ τεχνησόμενοι· καὶ ἀνασίσονται·
 καὶ ἀπαγγελοῦσιν ἀντά τῶς νόμοις ἀνθρώπων·
 ἵνα δῶνται ἐπὶ τῆ θεοῦ, τῆ ἐλπίλα ἀνθρώπων·
 καὶ μὴ ἐπιλάθωνται τῶν ἐργῶν τῶ θεοῦ·
 καὶ τὰς ἐντολάς ἀντῶ ἐκζητήσωσιν·
 ἵνα μὴ γένωνται ὡς οἱ πατέρες ἀνθρώπων,
 γενεὰ σκολία καὶ παραπεικράινουσα·
 Γενεὰ ἡτις οὐ κατένθνε τῆν καρδίαν ἐαντῆς·
 καὶ οὐκ ἐπισώθη μετὰ τῶν θεῶν τῶ πνεῦμα ἀντῆς·
 Ἵιοι ἐφραῖμ ἐντίνοντες καὶ λιαβάλλοντες ἔξοις·
 ἐσραφισαμ ἐμ ἡμέρα πολέμου·
 Ὅνκ ἐφύλαξαμ τῆν λιαθήκημ τῶν θεῶν·
 καὶ ἐμ τῶ νόμῳ ἀντῶν, οὐκ ἔβον λήθουσαμ πορβένεσαι·
 καὶ ἐπελάθον τῶν ἐνεργεσιῶν ἀνθρώπων·
 καὶ τῶ θανμάσιω ἀνθρώπων ὡμ ἐλέξην ἀνθρώπων·

קול נתנו שחקים אף תצחק יתהלכו
 קול רעמך בגלגל
 האירו ברקים תבל
 רגזה ותרגש הארץ
 בים ורכב
 ושביך במים רבים
 ועקבתך לא נודעו
 נחית כצאן עמד
 ביד משה ואהרן
 משכיל לאסף

עב

אזינה עמי תורתך
 הו אונכם לא אמרי פי
 אפתחה במשל פי
 אביעה דידות מני קדם
 אשר שמענו ונדעם
 ואבותינו ספרו לנו
 לא נכחד מבניהם לדור אחרון
 מספרים תהלות יי
 ועוזו ונפלאותיו אשר עשה
 ויקם עדות ביעקב
 ותורה שם בישראל
 אשר צוה את אבותינו
 להודיעם לבניהם
 למען ידעו ידור אחרון
 בנים וילדו יקמו
 ויספרו לבניהם
 וישימו באל דים כסלם
 ולא ישכחו מעל לי אל
 ומצותיו ינצרו
 ולא יהיו פאבתם
 דור סורר ומורה
 דור לא הבין לבו
 ולא נאמנה את אל רוחו
 בני אפרים נושקו רומי קשת
 הפכו ביום קרב
 לא שמרו ברית אלים
 ובתורתו מאנו ללכת
 וישכחו עלילתו
 ונפל אתו אשר הראם

Ἐναντίον ἡμῶν παύσαται ἀνθρώπων, ἃ ἐποίκασε θανάτῳ·
 ἐν γῆ αἰγυπῶ ἐν περλίῳ τάνεως.
 Διέβηξεν θάλασσαν καὶ λιηγαγεῖν ἀντὺν.
 παρεξήσθη ὕδατα ὡσεὶ ἄσκαρ.
 καὶ ὡλιγόσθη ἀνθρώπων ἐν νεφέλῃ ἡμέρας.
 καὶ ὅλην τὴν νύκτα ἐν φωτισμῷ πυρός.
 Διέβηξεν πύλας ἐν ἐρήμῳ.
 καὶ ἐποίησεν ἀνθρώπων ὡς ἐν ἀβύσσῳ πολλῶν.
 καὶ ἐξήγαγε ὕδατα ἐκ πέτρων.
 καὶ κατήγαγε ὡς ποταμούς ὕδατα.
 καὶ ἔρροεθερ ἔτι τῶ ἀμαρτάνῳ ἀνθρώπων.
 Γαρεπίκραναν τὴν ψῆσον ἐν ἀνύδρῳ.
 καὶ ἐξέπειρασάν τὴν θεῶν ἐν ταῖς καρδίαις ἀνθρώπων.
 τῶ ἀίτησαι βρώματα ταῖς ψυχαῖς ἀνθρώπων.
 καὶ κατελάλησαν τῶ θεῶ καὶ εἰπὼν·
 μή λυνήσεται ὁ θεὸς ἐτοιμάσαι ἡγάπεσον ἐν ἐρήμῳ·
 Ἐπεὶ ἐπάλαξε πέτραν καὶ ἐρένησθη ὕδατα καὶ χεῖμα ἔρεικα·
 μή καὶ ἄστρον λυνάται λυῖναι. (τεκλίνεσθαι)
 ἢ ἐτοιμάσαι ἡγάπεσον ἡμῶν λαῶν ἀντὺν,
 διὰ τῶν ἠκούσε κύριος καὶ ἀνεβήλετο.
 καὶ πῦρ ἀνέφθη ἐν ἰακώβ.
 καὶ ὄργη ἀνέβη ἐπὶ τοῦ ἰσραήλ.
 Ὅτι ἔκ ἐπίσευσεν ἐν τῶ θεῶ.
 ἔλε ἠλπίσθη ἐπὶ τῶ σωτηρίῳ ἀντὺν.
 καὶ ἐνετείλατο νεφέλαις ὕδατα ἀνῶθεν.
 καὶ θύρας ὕδατος ἀνέῳξε.
 καὶ ἔβρεξε ἐν ἀνθρώποις μάννα φαγεῖν.
 καὶ ἄστρον ὕδατος ἔδωκεν ἀνθρώποις.
 Ἄστρον ἀγγέλων ἔφαγε ἀνθρώπων.
 ἐπισιτισμὸν ἀπέσφλεν ἀνθρώποις εἰς ὀλιγομνήμην.
 Ἄπνησθη νότον ἐξ ὄψεων.
 καὶ ἐπήγαγε ἐν τῇ λυνάμῃ ἀντὺ λίβα.
 καὶ ἔβρεξεν ἐπ' ἀνθρώπων ὡσεὶ χνὸν σάρκας.
 καὶ ὡσεὶ ἄμμηθ θάλασσαν πετρίνα πτερωτά.
 καὶ ἐπέπεσον εἰς μέσον ἡμῶν παρεμβολῆς ἀνθρώπων.
 κύκλωσεν σκηνωμάτων ἀνθρώπων.
 καὶ ἔφαγον καὶ ἐνεπλήσθησαν σφόδρα.
 καὶ τὴν ἐπισυμμίαν ἀνθρώπων ἠνεγκεν ἀνθρώποις.
 ἔκ ἐσερήθησαν ἀπὸ τῆς ἐπισυμμίας ἀνθρώπων.

נגד אבות עשׂת פּלא
 בארץ מצרים שדה צען
 בקעים ויעבירם
 וישב מים כמו נד
 וינחם בעקן יומם
 וכל הלילה באור אש
 יבקע צורים במדבר
 וישק בתהומות רבה
 ויצא נזלים מסלע
 ויורד בנהרות מים
 ויוסיפו עוד לחטא לו
 למרות עליון בציה
 וינסו אל פלבבם
 לשאל לנפשם
 וידברו באלדים אמת
 היכול אל לערוך שלחן במדבר
 הן הפה צור ויווכחו מים וינקלו ים ישלכו
 הגם לחם יוכל לתת
 אם יכון שאר לעמו
 לכן שמעו ויתעבר
 ואש נשקה בעקב
 וגם אף עליה בני ישראל
 כי לא האמינו באלדים
 ולא כסחו בשועתו
 ויצו שחקים ממעל
 וכלתי שמים פתח
 ויסטר עליהם מן לאכל
 והן שמים נתן למן
 לחם אבירים אכל איש
 צדה שלח לחם לשבע
 יסע קדים בשמים
 וינהגו בעז תיסן
 וימזר עליהם בעפר שאר
 וכחו לימים עוף כנה
 ויפל בקרב מחנהו
 סביב למשכנתיו
 ויאכלו וישבעו מאד
 ותאותם יבא להם
 לא יורו מתאותם

Adhuc escę eorum erant in ore ipsorum:
 & ira dei ascendit super eos.
 Et occidit pingues eorum:
 & electos Israel impediuit.
 In omnibus his peccauerunt adhuc:
 & non crediderunt in mirabilibus eius.
 Et defecerunt in uanitate dies eorum:
 & anni eorum cum festinatione.
 Cum occideret eos querebant eum:
 & reuertebantur & diluculo ueniebāt ad eum.
 Et rememorati sunt quia de^s adiutor est eorū:
 & deus excelsus redemptor eorum est.
 Et dilexerunt eum in ore suo:
 & lingua sua mentiti sunt ei.
 Cor autem eorum non erat rectum cum eo:
 nec fideles habiti sunt in testamento eius.
 Ipse autem est misericors:
 & p̄pici⁹ fiet peccatis eorū & nō disperdet eos.
 Et abundauit ut auerteret iram suam:
 & non accendit omnem iram suam.
 Et recordatus est quia caro sunt:
 spiritus uadens & non rediens.
 Quotiens exacerbauerunt eum in deserto:
 in iram cōcitauerunt eum in iniquo.
 Et conuersi sunt & tentauerunt deum:
 & sanctum Israel exacerbauerunt.
 Non sunt recordati manus eius:
 die qua redemit eos de manu tribulantis.
 Sicut posuit in ægypto signa sua:
 & prodigia sua in campo taneos.
 Et conuertit in sanguinem flumina eorum:
 & imbres eorum ne biberent.
 Misit in eos cynomiam & comedit eos:
 & ranam & disperdidit eos.
 Et dedit erugini fructus eorum:
 & labores eorum locuste.
 Et occidit in grandine uineas eorum:
 & moros eorum in pruina.
 Et tradidit grandini iumenta eorum:

34 **ወእኛዝ፡ ህደ፡ መብልገግ፡ ወከተ፡ አረሀ፡።**
ወመጽአ፡ መቆሠፍተ፡ እገሊአብሔር፡ ሳህሌህ፡።
 35 **ወቀተሎ፡ መብዘሳቶ፡።**
ወአህቀጸ፡ ለሳሪያ፡ እስራኤል፡።
 36 **ወወከለ፡ ዝኒ፡ ህደ፡ አበኩ፡ ሎተ፡።**
ወአተአመኛዎ፡ በተአጥረህ፡።
 37 **ወኅልቆ፡ በከኛቱ፡ መዋህሊህ፡።**
ወኅለኔ፡ በጥጥአ፡ አመቲህ፡።
 38 **ወአመ፡ ደቀትሎ፡ ወእተ፡ አረ፡ ሆኃህዎ፡።**
ወይትመዋጡ፡ ወይገደኩ፡ ኅበ፡ እገዚአብሔር፡።
 39 **ወተዘከረ፡ ከመ፡ እገሊአብሔር፡ ወእቱ፡ ረደሊህ፡።**
ወእገዚአብሔር፡ ለህል፡ መደኅሂህ፡።
 40 **ወአፍቀረዎ፡ በአረሀ፡።**
ወከከወዎ፡ በልከኛ፡።
 41 **ወአኮኛ፡ ርቱ፡ ለዮ፡ በሳህሌህ፡።**
ወአተአጥኛዎ፡ በከደኔ፡።
 42 **ወወእቱከ፡ መከራ፡ ወእቱ፡።**
ወይከራ፡ ሎ፡ ኩሎ፡ ኃጢአቶ፡ ወአያጠፋ
43 ወያበዘሳ፡ መደጠ፡ መህቱ፡።
ወአያኖድድ፡ በኩሎ፡ መቆሠፍቱ፡።
 44 **ወተዘከረ፡ ከመ፡ ሠጋ፡ እጥኛቱ፡።**
መኛኔከ፡ እጥከመ፡ ወሳኦ፡ አይገብእ፡።
 45 **ጸመጠኛ፡ አጥህዎ፡ በገደዎ፡።**
ወወህክዎ፡ በበደዎ፡።
 46 **ወተመደጡ፡ ወአመከረዎ፡ ለእገዚአብሔር፡።**
ወወከክዎ፡ ለቆይከ፡ እስራኤል፡።
 47 **ወአተዘከረ፡ እይሁ፡።**
ዘአድኅኖ፡ እጥአይ፡ ጸሮ፡።
 48 **ዘገብረ፡ ተአጥረ፡ በግብጽ፡።**
ወመኛክረ፡ በከቆሎ፡ ጠኔዎከ፡።
 49 **ወረከዮ፡ ደመ፡ ለአፍሳሊህ፡።**
ወለአኛቆህቲህ፡ ከመ፡ አይከተዩ፡።
 50 **ወኔኛዎ፡ ሳህሌህ፡ አኮተ፡ ወበልሎ፡።**
ወቆርኖህተ፡ ወአርኩሶ፡።
 51 **ወወሀበ፡ ለአኖኩህ፡ ፍሪህ፡።**
ወተገባሮ፡ ለአኖጠ፡።
 52 **ወቀተሎ፡ ወይኖ፡ በበረዶ፡።**
ወበለኮ፡ ከመ፡ በአከከተዮ፡።
 53 **ወወሀበ፡ ለበረዶ፡ እኛከከህ፡።**

ἔτι τῆς βρώσεως ἔσθης ἐν τῷ σώματι ἀνθρώπων·
 καὶ ὄρη τῶν θεῶν ἀνέβη ἐπ' αὐτοὺς.
 καὶ ἀπέκτενον ἐν τοῖς πλείοσι ἀνθρώπων·
 καὶ ῥυτίδες ἐκλεκρῦν τὸς ἰσραὴλ συνεπόδησον·
 ἐν πᾶσι τοῖς ἡμαρτῶν ἐτι·
 καὶ ἔκ ἐπίσεισαν ἐν τοῖς θανάμοις ἀντῶν·
 καὶ ἐξέλιπον ἐν ματαϊότητι αἱ ἡμέραι ἀντῶν·
 καὶ τὰ ἐτη ἀντῶν μετὰ σωσθῆναι.
 ὅταν ἀπέκτενον ἀνθρώπους τότε ἐξεζητήσῃ ἀνθρώπων·
 καὶ ἐπίσεισον καὶ ὠρῶσθαι τὸν θεόν·
 καὶ ἐμνήσθαι οὐκ ὄνομα θεοῦ ἀντῶν ἐσι·
 καὶ ὁ θεὸς ὁ ὕψιστος λυθῶσθαι ἀνθρώπων ἐσι·
 καὶ ἠγάπησαν ἀνθρώπων ἐν τῷ σώματι ἀντῶν·
 καὶ τῆ γλώσση ἀντῶν ἐφύσησαν ἀντῶν·
 ἡ δὲ καρδία ἀνθρώπων ἔκ ἐνδία μετ' αὐτῶν·
 ἔλε ἐπίσεισαν ἐν τῇ λιανθικῇ ἀντῶν·
 ἄνθρωπος δὲ ἐσι οὐτιμωμῶν·
 καὶ ἰλάσκειται ταῖς ἀμαρτίαις ἀντῶν καὶ δὲ λιανθικῶν·
 καὶ πληθύνῃ τὸ ἀποσέφαι τὸν θυμὸν ἀντῶν·
 καὶ ἔκ ἐκκαύσει πᾶσαν τὴν οὐρανὴν ἀντῶν·
 καὶ ἐμνήσθαι οὐκ ὄνομα εἰσι·
 τὸν πνεῦμα πορεύομενον καὶ οὐκ ἐπίσεισον·
 ποσάκις παρεπίκρανον ἀνθρώπων ἐν τῇ ἐρήμῳ·
 παρεώρησαν ἀνθρώπων ἐν γῆ ἀνύλωσθαι·
 καὶ ἐπίσεισον καὶ ἐπίσεισαν τὸν θεόν·
 καὶ τοῦ ἀγίου τῶ ἰσραὴλ παρεώρησαν·
 καὶ ἐμνήσθαι τῆς χεῖρος ἀνθρώπων·
 ἡμέρας ἡς ἐλυθῶσαν ἀνθρώπους ἐκ χεῖρος θλίβοντος·
 ὡς ἐθετο ἐν αἰγύπτῳ τὰ σημεῖα ἀντῶν·
 καὶ τὰ τεράτια ἀνθρώπων ἐν πεδίῳ τάνεως·
 καὶ μετέσεισον φεμῆς αἵμα ῥυτίδες ἀνθρώπων·
 καὶ τὰ οὐβήματα ἀνθρώπων ὅπως μὴ πώσωσιν·
 ἔξαπέσεισον εἰς ἀνθρώπους κυνόμεναι, καὶ κατέφαγεν ἀνθρώπους·
 καὶ βάλθησαν καὶ λιανθικῶν ἀνθρώπων·
 καὶ ἐδάκε ἡ ἐξουσία ῥυτίδες ἀνθρώπων·
 καὶ ῥυτίδες πόντος ἀντῶν ἡ ἀκείλι·
 ἀπέκτενον ἐν χαλάσθαι τὴν ἀμπελον ἀνθρώπων·
 καὶ τὰς συκαμίνους ἀντῶν ἐν τῇ πᾶσιν·
 καὶ παρέδωκεν εἰς χαλάσθαι τὰ κτήνη ἀνθρώπων·

קצי

עוד אכלם בביתם :
 ויאף אלהים עליהם בהם :
 ויהרג במשפחותם :
 ובחורי ישראל הכריע :
 בכל זאת הטאו עוד :
 ולא האמינו בכל אתנו :
 ויכל בבל ימיהם :
 ושנותם בבבלה :
 אם הרגם ודרשנו :
 ושכנו שחר אל :
 וזכרו כי אלהים צורם :
 ואל עליון גאלם :
 ויבתוהו בביתם :
 ובלשונם יוכו לו :
 ולבם לא יגבון עמו :
 ולא יאמנו בכריתו :
 והוא רחום :
 יכפר עון ולא ישחית :
 והרבה להשיב אפן :
 ולא יער כל חמתו :
 ויזכר כי בשר המה :
 רוח הולך ולא ישוב :
 כמה ימרוהו במדבר :
 ועצבוהו בישימון :
 וישכו וינסו אל :
 וקרוש ישראל התוו :
 לא זכרו את ידו :
 יום אשר פדם מניצור :
 אשר שם במצרים אתתיו :
 וסוכתו בשדה צען :
 ויהפך לדם יאריהם :
 ויזליהם כל ישתיון :
 וישלח בהם עורב ויאכלם :
 ויצרדע ותשחיתם :
 ויתן להם סל יבולם :
 ויגיעם לארבה :
 ויתר בפחד גפנם :
 וישקמתם בחנמל :
 ויסגר לבדר בעירם :

καὶ ἦν ὑπὲρ ξίμ' ἀνθρώπων ἡσυχία.
 Ἐξάπεδον εἰς ἀνθρώπους ὄργην θυμῶν αὐτῶν.
 θυμὸν καὶ ὄργην καὶ ἐλίψιν
 ἀποσολὴν διὰ γυγλωμῶν πονηρῶν.
 Ὡλοποιήσε τρεῖς τῆς ὄργης αὐτῶν.
 οὐκ ἐφείσατο ἀπὸ θανάτου ἡσυχίαν αὐτῶν.
 καὶ ἰακίμην αὐτῶν, εἰς θάνατον σπένδλῃσε.
 καὶ ἐπάταξε πρῶτον πρὸς τὸν ἐν Γῆ ἀιγυπτίῳ.
 ἀπαρχὴν παντὸς ποῦνον αὐτῶν ἐν τοῖς σκηνώμασι χάμ.
 καὶ ἀπέχευ ὡς πρὸς βατὰ τῆς λαοῦ αὐτῶν.
 καὶ ἀνήγαγεν αὐτοὺς ὡσεὶ ποιμνίον ἐν ἐρήμῳ.
 καὶ ὠλήθησεν αὐτοὺς ἐπὶ τῷ ἁλὶ καὶ οὐκ ἐδέχθη
 καὶ τὸν ἐχθρὸν αὐτῶν ἐκάλυψε θάλασσα.
 καὶ εἰσηγαγεν αὐτοὺς εἰς ὄρος ἀγίασμα ἁγίου αὐτῶν.
 ὄρος τούτου ἐκτίσθη ἡ λεξιὰ αὐτῶν.
 καὶ ἐξέβαλεν ἀπὸ πρὸς ὄρους αὐτῶν ἐθνη.
 καὶ ἐκλήροτοσεν αὐτοὺς ἐν οὐρανοῖς κληροδοσίας.
 καὶ κατέσκηνωσεν ἐν τοῖς σκηνώμασι ἀνθρώπων, ἡσυχία φωνῶν τῶν
 καὶ ἐπέλασαν καὶ παρεπίκραναν τὸν θεὸν τὸν ὑψίστον. (Ἰσραὴλ)
 καὶ τὰ μαρτύρια αὐτῶν οὐκ ἐφύλαξαντο. (ἡλ.)
 καὶ ἀπέσεψεν καὶ ἠθέλησεν καὶ ὄσως καὶ οἱ πᾶτες αὐτῶν.
 μετεσφάρασαν εἰς τὸ πρὸς ὄρος βελόν.
 καὶ παρεργισαν αὐτῶν, ἐν τοῖς βουνοῖς αὐτῶν.
 καὶ ἐν τοῖς γλυπτοῖς αὐτῶν, παρεζήλωσαν αὐτῶν.
 ἠκρόεν ὁ θεὸς καὶ ὑπερέειλεν.
 καὶ ἐξολένωσεν σφάλαρα τὸν Ἰσραὴλ.
 καὶ ἀπώσατο τὴν σκηνὴν σιλωμ.
 σκηνώμα ὃ κατέσκηνωσεν ἐν ἀνθρώποις.
 καὶ παρέδωκεν εἰς αἰχμηλωσίαν τὴν ἰσχὴν αὐτῶν.
 καὶ τὴν κάλλοινην αὐτῶν, εἰς χεῖρας ἐχθρῶν.
 καὶ σπένδλῃσε εἰς βομφαίαν τὸν λαὸν αὐτοῦ.
 καὶ τὴν κληρονομίαν αὐτῶν ὑπερέειλεν.
 τοὺς νεανίσκους αὐτῶν, κατέφαγε πῦρ.
 καὶ αἱ παρθενοὶ αὐτῶν οὐκ ἠπενθήσαν.
 οἱ ἱερεῖς αὐτῶν ἐν βομφαίᾳ ἐπέσαν.
 καὶ αἱ χῆραι αὐτῶν οὐκ ἐκλάουσινται.
 καὶ ἐξηγέρθη ὡς ὁ ὑπὸ τῶν κύριος.
 ὡς λυγαίος καὶ κεκραπὸς ἀληκῶς ἐξ οἴνου.
 καὶ ἐπάταξε τοὺς ἐχθρὸν αὐτῶν εἰς τὰ ὄπισθεν.

ומקנהם לרשפים :
 וישלח בסחרון אפן
 עברה וועס וצרה
 משלחת מלאכי רעים :
 ילפס נתיב לאפן
 לא חשך ממות נפשם
 וחיתם לרבר הסגיר :
 ויך כל בכור במצרים
 ראשית אונים באהלי חם :
 ויסע בצאן עמו
 וינהגם בער במדבר :
 וינחם לבטח ולא פחדו
 ואת אויביהם פסה הים :
 ויביאם אל גבול קדשן
 הר זה קנתה ימימו :
 ויגרש מפניהם גוים
 ויפילם כחבל נחלה
 וישכן באהליהם שבטי ישראל :
 וינסו ומרו את אל דים עליון
 ועדתיו לא שמרו :
 ויסגו ויבדו פאתם
 בהפכו בקשת רמיה :
 ויכעיסוהו בכמותם
 ובפסילתם יקניאהו :
 שמע אלדים ויתעבר
 ומאס מאד בישראל :
 וישש משכן שלן
 אהל שכן באדם :
 ויתן לשבי עון
 ותפאתו ביד צר :
 ויסגר לחרב עמו
 ובנחלתו התעבר :
 בחוריו אכלה אש
 ובתולתיו לא הללו :
 בהניזו בחרב נפלו
 ואל מנתיו לא תבכינה :
 ויקץ כישן אדני
 כגבור סתרוקן מין :
 ויך צריו אחור
 n in

ὄφλος αἰώνιον ἐλάωμ ἀντίς.
 καὶ ἀπώσαστο τὸ σκῆνωμα ἰωσήφ.
 καὶ τὴν φυλὴν ἐφραΐμ οὐκ ἐξελέξατο.
 καὶ ἐξελέξατο τὴν φυλὴν ἰσραὴλ.
 ὁ θεὸς τὸ αἶμα ὁ ἠγάπησεν.
 καὶ ὠκοδόμησεν ὡς μονοκέρωτος τὸ ἁγίασμα αὐτῶ.
 ἐν τῇ γῆ ἐθεμελίωσεν αὐτὴν εἰς τὸν αἰῶνα.
 καὶ ἐξελέξατο λαβὴν τὴν δούλην αὐτῶ.
 καὶ ἀνέλαβεν αὐτὴν ἐκ τῶν ποιμνίων τῶν προβάτων
 ἐξοπίσθεν τῆς λοχουμένηων ἐλάβεν αὐτὴν.
 ποιμαίνων ἰακώβ τὴν δούλην αὐτῶ.
 καὶ ἰσραὴλ τὴν κληρονομίαν αὐτῶ.
 καὶ ἐποίησεν αὐτῶς ἐν τῇ ἀκακίᾳ τῆς καρδίας αὐτῶ.
 καὶ ἐν ἰακώβ συνέσειπὼν χερῶν αὐτῶ ὡς ἠήνησεν αὐτῶς.
 Ὑαλμὸς τῶ ἀσάφ. οὐ
 θεὸς ἠλθούσων ἔθνη εἰς τὴν κληρονομίαν σου.
 ἐμίανον τὸ ναοῦ τὸ ἁγίου σου.
 ἔθεντο ἱερουσαλήμ ὡς ὀπωροφυλάκιον.
 ἔθεντο τὰ θνησιμόσια τῶν δούλων σου θρώματα· τῆς πέτρῃ
 νοῖς τῶ ὄντανον.
 τὰς σάκεας τῶν ὀπίων σου τῆς θηλείας τῆς γῆς.
 ἐξέχεαν τὸ αἶμα ἀνθρώπων ὡς ἕλαιον κύνων ἐξουσαλήμ.
 καὶ οὐκ ἦν ὁ θάπτεον.
 ἐγενήθημεν ὄφλος τῆς γείτοσι ἡμῶν.
 μνηστειομὸς καὶ χλευασμὸς τῆς κύνων ἡμῶν.
 ἔως ὡστε κύριε ἐργασθήσῃ εἰς τέλος.
 ἐκκαυθήσεται ὡς τῶν ὀφθάλμων σου.
 εἰσέχων τὴν ἐργῆν σου ἐπὶ τὰ ἔθνη, ἵνα μὴ γινώσκοντα σε.
 καὶ ἐπὶ θρασιλείας, αἱ τὸ ὄνομα σου οὐκ ἐπεκαλέσαντο.
 Ὅτι κατέφαγον τὸ ἰακώβ καὶ τὸν ἴσραὴλ ἀντὶς ἠεμώσαντο.
 μὴ μνησθῆσιν ἡμῶν ἀνωμίων ἀρχαίων.
 ἰακώβ προκάλεσάμενος ἡμᾶς οἱ οὐκ ἐπίσταται.
 ὅτι ἐπὶ ὠχέυσασμεν σφοδρῶς.
 ἐκθήσαν ἡμῶν ὁ θεὸς ὁ σωτὴς ἡμῶν.
 ἔνεκεν τῆς λαβῆς ἰσραὴλ ὀνόματος σου κύριε εὐσάη ἡμᾶς.
 καὶ ἰλάσθητι ἰακώβ ἀμαρτίαις ἡμῶν ἔνεκεν τῶ ὀνόματος σου.
 μήποτε ἐπιπείσει τὰ ἔθνη πᾶσι τοῖς θεοῖς αὐτῶν.
 καὶ γινώσκοντες ἐν τῆς ἐσθῆσι ἐνώπιον τῶ σφθάλμων ἡμῶν.
 ἠέκλεισις τῶ ἀίματος τῶν δούλων σου τῶ ἐκκεχυμένον.

ἡρῶν ἐπὶ τὸν ἴσραὴλ
 ὡς ἡμᾶς ἀπὸ τῆς
 ὀφθάλμων σου ἰσραὴλ
 καὶ ἐξελέξατο τὴν φυλὴν ἰσραὴλ
 ὁ θεὸς τὸ αἶμα ὁ ἠγάπησεν
 καὶ ὠκοδόμησεν ὡς μονοκέρωτος
 τὸ ἁγίασμα αὐτῶ
 ἐν τῇ γῆ ἐθεμελίωσεν αὐτὴν
 εἰς τὸν αἰῶνα
 καὶ ἐξελέξατο λαβὴν
 τὴν δούλην αὐτῶ
 καὶ ἀνέλαβεν αὐτὴν
 ἐκ τῶν ποιμνίων τῶν
 προβάτων ἐξοπίσθεν
 τῆς λοχουμένηων
 ἐλάβεν αὐτὴν
 ποιμαίνων ἰακώβ
 τὴν δούλην αὐτῶ
 καὶ ἰσραὴλ τὴν
 κληρονομίαν αὐτῶ
 καὶ ἐποίησεν αὐτῶς
 ἐν τῇ ἀκακίᾳ τῆς
 καρδίας αὐτῶ
 καὶ ἐν ἰακώβ συνέσειπὼν
 χερῶν αὐτῶ ὡς ἠήνησεν
 αὐτῶς
 Ὑαλμὸς τῶ ἀσάφ
 θεὸς ἠλθούσων ἔθνη
 εἰς τὴν κληρονομίαν σου
 ἐμίανον τὸ ναοῦ
 τὸ ἁγίου σου
 ἔθεντο ἱερουσαλήμ
 ὡς ὀπωροφυλάκιον
 ἔθεντο τὰ θνησιμόσια
 τῶν δούλων σου
 θρώματα
 τῆς πέτρῃ
 νοῖς τῶ ὄντανον
 τὰς σάκεας τῶν
 ὀπίων σου τῆς
 θηλείας τῆς γῆς
 ἐξέχεαν τὸ αἶμα
 ἀνθρώπων ὡς ἕλαιον
 κύνων ἐξουσαλήμ
 καὶ οὐκ ἦν ὁ
 θάπτεον
 ἐγενήθημεν ὄφλος
 τῆς γείτοσι ἡμῶν
 μνηστειομὸς καὶ
 χλευασμὸς τῆς
 κύνων ἡμῶν
 ἔως ὡστε κύριε
 ἐργασθήσῃ εἰς
 τέλος
 ἐκκαυθήσεται ὡς
 τῶν ὀφθάλμων σου
 εἰσέχων τὴν ἐργῆν
 σου ἐπὶ τὰ ἔθνη
 ἵνα μὴ γινώσκοντα
 σε
 καὶ ἐπὶ θρασιλείας
 αἱ τὸ ὄνομα σου
 οὐκ ἐπεκαλέσαντο
 Ὅτι κατέφαγον
 τὸ ἰακώβ καὶ τὸν
 ἴσραὴλ ἀντὶς ἠεμώσαντο
 μὴ μνησθῆσιν ἡμῶν
 ἀνωμίων ἀρχαίων
 ἰακώβ προκάλεσάμενος
 ἡμᾶς οἱ οὐκ ἐπίσταται
 ὅτι ἐπὶ ὠχέυσασμεν
 σφοδρῶς
 ἐκθήσαν ἡμῶν ὁ
 θεὸς ὁ σωτὴς ἡμῶν
 ἔνεκεν τῆς λαβῆς
 ἰσραὴλ ὀνόματος σου
 κύριε εὐσάη ἡμᾶς
 καὶ ἰλάσθητι ἰακώβ
 ἀμαρτίαις ἡμῶν
 ἔνεκεν τῶ ὀνόματος σου
 μήποτε ἐπιπείσει
 τὰ ἔθνη πᾶσι τοῖς
 θεοῖς αὐτῶν
 καὶ γινώσκοντες
 ἐν τῆς ἐσθῆσι
 ἐνώπιον τῶ σφθάλμων
 ἡμῶν
 ἠέκλεισις τῶ ἀίματος
 τῶν δούλων σου
 τῶ ἐκκεχυμένον

Marginal notes in a smaller script, likely a commentary or translation, running vertically along the left edge of the page.

Introeat in cōspectu tuo gemit⁹ compeditorū
Secundū magnitudinem brachij tui :
posside filios mortificatorum
Et redde uicinis nostris septuplū in sinu corū:
improperiū ipsorū quod exprobrauerunt tibi
Nos autē popul⁹ tu⁹ & oues pascuē tuę: (dñe
confitebimur tibi in sæculū. (dem tuā
In genetiōe & generationē: ānūciabim⁹ laus
In finē pro his qui cōmutabunt testimoniū
Asaph. Psalmus pro Assyrijs. LXXIX.

vi regis Israel intende:

9 qui deducis uelut ouem Ioseph.

Qui sedes super cherubin: manifestare
coram effraim benjamin & manasse.

Excita potētā tuā & ueni: ut saluos facias nos.

Deus conuerte nos:

& ostende faciem tuam & salui erimus.

Domine deus uirtutum :

quousq; irasceris super orationem serui tui.

Cibabis nos panē lachrymarum :

& potū dabis nobis in lachrymis in mensurā.

Posuisti nos in cōtradictionē uicinis nostris :

& inimici nostri subfannauerunt nos.

Deus uirtutum conuerte nos:

& ostende faciem tuam & salui erimus.

Vineam de ægypto transtulisti:

ieicisti gentes & plantasti eam.

Dux itineris fuisti in conspectu eius:

& plantasti radices eius & impleuit terram.

Operuit montes umbra eius,

& arbuſta eius cedros dei.

Extendit palmites suos vsque ad mare: &

& vsq; ad flumen propagines eius.

Ut quid destruxisti maceriam eius:

& uindemiāt eā oēs qui prætergrediunt uia.

Exterminauit eam aper de sylua:

& singularis ferus depastus est eam.

Deus uirtutum cōuerrere :

respice de caelo & uide:

ደባእ: ቅድሜክ: ገህርጭ: ለሙቅሕኝ::

12 ወበከመ: ዕበዋ: መዘረዕትክ::

ተዛህሎሙ: ለደቂቅ: ቅቴላኝ::

13 ፍደዎሙ: ለገረኛ: ወስብሀ: ተ: ወስተ: ሕዕፍሙ::

ትዕይርቶሙ: ዘተህገረክ: እግዚአ::

14 ወኝሕኝክ: ሕዝብክ: አባግህ: መርህትክ::

ወኝገኛ: ለክ: ለህላፍ::

15 ወኝኛገር: ስብሐቲክ: ለተወልደ: ትወልደ::

ፍጻጫ: ዘበእኝተ: እለ: ተበህደ: ስወህ: ዘአሳፍ: መክ
ሙር: ዘበእኝተ: አሰርዎኝ::

1 ሮዛ ናላዊህሙ: ለእስራኤል: አጽወእ::

ዘይርዕዎሙ: ከመ: አባግህ: ሆኤፍ::

2 ዘይኛብር: ላዕለ: ከረቤል: አስተርአዎ::

በቅደመ: ኤፍራጦ: ወብኝዎ: ወወኛኤ::

3 አኝሥእ: ኃይለክ: ወኛህ: አደኅኛኛ::

4 አፍላክ: ኃዎላኝ: ልጠኛ::

አብርህ: ገጸክ: ላዕሌኛ: ወኝደኅኝ::

5 እግዚአ: አፍላክ: ኃዎላኝ::

እስክ: ጸእኤኦ: ትትመህዕ: ላዕለ: ጸሎተ: ገብርክ::

6 ወትኤስዎኛ: እስክ: አኝብዕኛ::

ወተሰተዎኛ: አኝብህኛ: በመስፍርት::

7 ወረክይክኛ: ናገረ: ለገረኛ::

ወተሰለቁ: ላዕሌኛ: ጸላእትኛ::

8 እግዚአ: አፍላክ: ኃዎላኝ: ልጠኛ::

አብርህ: ገጸክ: ላዕሌኛ: ወኝደኅኝ::

9 ህጸደ: ወይኝ: አፍላክ: አፍግብጽ::

ወክደደክ: አሕዛብ: ወተክልክ: ካዎህ::

10 ወዲሕክ: ፍኛተ: ቅድሜህ::

ወተክልክ: ስረዊህ: ወመልአት: ወደረ::

11 ወክደኛ: አደባር: ጸላሎተ::

ወአዕጽቃሂኛ: ከመ: አርዘ: እግዚአብሔር::

12 ወክፍሕ: አዕጽቃሂ: እስክ: ባሕር::

ወእስክ: አፍላግ: ሠርዓ::

13 ለወኝት: ትኝሥት: ጸቁኛ::

ወይበለህ: ኩሎ: ኃላኤ: ፍኛት::

14 ወአርኩስ: ሕረዊዎ: ሕቅል::

ወተርእዎ: እኝስክ: ገደፍ::

15 አፍላክ: ኃዎላኝ: ተመዋጥስ::

ኃወጽ: እፍክጸይ: ወረኤ::



Εἰσελθέτω ἐνώπιόν σου ὁ σέναντος τῶν πέπελιμένων·
 καὶ ἡμεγαλωσύνῃ τῶ βραχίονός σου·
 περιποιήσῃ τὸν υἱὸς ἡῶν τεθανατωμένων·
 ἀπολῶ τῶν γείτοσι ἡμῶν ἐπὶ ἀπλοσίονα εἰς τὴν κόλπον αὐτοῦ
 ἡμῶν ἐλίσσῃ αὐτὸν ὡς ἐλίσσῃ σε κύριε. (τῶν·
 ἡμεῖς δὲ λαὸς σου καὶ πρόβατα νομῆς σου·
 ἀνομολογοῦμεθα σοὶ ὁ θεὸς εἰς τὴν αἰῶνα·
 εἰς γενεὰν καὶ γενεὰν, ἐξ ἡγχελῶμεν ἡν αἰνεῖσιν σου·
 εἰς ἡὸς ἡεὸς ὑπὲρ ἡῶν ἀλλοιωθῶμεν μαρτύριον ἡῶν
 σου ἡαλμῶν ὑπὲρ τῶ ἀσπυρίον. δ.β.
 Γοιμαίνων ἡ ἰσραὴλ πρὸς σε·
 ὁ δὲ ἡῶν ὡσεὶ πρὸς βατὸν τοῦ ἰωσήφ·
 ὁ κἀθήμενος ἐπὶ τῶν χερσὶν βίμ ἐμφάνηθι·
 ἐναντίον ἐφραὶμ καὶ βενιαμὴν καὶ μανασσῆ·
 ἐξέγερσθ τῆν ἡννασειὰν σου καὶ ἐλθέ εἰς τὸ σῶσαι ἡμᾶς·
 ὁ θεὸς ἐπίσερε φωνῆμῶν·
 καὶ ἐπίφανον τὸ πρὸσωπόν σου καὶ σῶθῃσόμεθα·
 κύριε ὁ θεὸς τῶν ἡννάμεων·
 ἕως ποῦε ὁργίζῃ ἐπὶ ἡμῶν προσενχῆν ἡῶν ἡλῶν σου·
 ἡμῶν εἰς ἡμᾶς ἄρτον ἡακρῶν·
 καὶ πολιεῖς ἡμᾶς ἐν ἡακρῶσιν ἐμ ἡῶν·
 ἔδου ἡμᾶς εἰς ἀντιλογίαν τοῖς γείτοσι ἡμῶν·
 καὶ οἱ ἐχθροὶ ἡμῶν ἐμυκλήθησαν ἡμᾶς·
 κύριε ὁ θεὸς ἡῶν ἡννάμεων ἐπίσερε φωνῆμῶν·
 καὶ ἐπίφανον τὸ πρὸσωπόν σου καὶ σῶθῃσόμεθα·
 ἡμπελοῦ ἐξ αἰγύπτου μετῆρας·
 ἐξέβαλες ἐθνη καὶ κατεφύτευσας αὐτῆν·
 ὡλοποιήσας ἐμ πρὸς σε αὐτῆς·
 καὶ κατεφύτευσας ἡῶν εἰζας αὐτῆς καὶ ἐμπλήρωσε ἡν ἡν·
 ἔκαλυψεν ὀρη ἡ σκία αὐτῆς·
 καὶ αἱ ἀναδενδράδες αὐτῆς, τὰς κέλευς τῶν θεῶν·
 ἐξέτεινε τὰ κλήματα αὐτῆς, ἕως θαλάσσης·
 καὶ ἕως ποταμῶν ἡῶν πρὸς ἀνάλας αὐτῆς·
 ἵνα ἡ καθεῖλες ἡμῶν φραγμὸν αὐτῆς·
 καὶ τενγῶσιν αὐτῆν πάντες οἱ παραπορευόμενοι τὴν ὁδόν·
 ἔλυμῃσεν αὐτῆν ἡς ἐκ λευμῶν·
 καὶ μονίος ἀγείρος κατενεμῆσατο αὐτῆν·
 ὁ θεὸς τῶν ἡννάμεων ἐπίσερε φωνῆμῶν·
 καὶ ἐπίβλεψεν ἐξ ἡραῶν καὶ ἡλε·

תבא לפניך אנתה אסיה
 בגדל וזועך
 הותר בני תמותו
 והשב לשכנינו שבעתים אל - חיקם
 חרפתם אשר חרבוך יס
 ואנתהנו עמך וצאן מרעיתך
 נודה לך לעולם
 לדור ודור נספר תחלתך :
 למנצחה לשנים
 עדות לאסף מזמור
 עה ישראל חאזינה
 נה בצאן יוסף
 ישב הכרובים הופיעה
 לפני אפרים ובנימן ומנשה
 עוררה את גבורתך ולכה לישועתה לנו
 אלדים השיבנו
 והאר פניך ונושעה
 ארבי אלדים צבאות
 עד מתי עשנה בתפלת עמך
 האכלתם לחם המעה
 ותשקמו בדמעות שלישי
 תשימנו מדון לשכנינו
 ואיבינו ילעגו לנו
 אלדים צבאות השיבנו
 והאר פניך ונושעה
 זמן ממצרים תסיע
 הנה גשונים ותשעה
 פנית לפניך
 ותשרש שרשיה ותמלא ארץ
 כסו הרים צלה
 וענפיה ארוז אל
 תשלח קציריה עדרים
 ואל נהר יונקוניה
 למה פרצת גדריה
 וארוה כל עברי דרצך
 וכרסמה חזיר מער
 חיו שרי ירעה
 אלדים צבאות שוב נא
 הבט משמים וראה

και εδωκε ψαλιτην αμπελων ταντην·
 η καταρτισαι αυτην, ημ εφντενση η δεξια σου·
 η εδω νιου ανθρωπου εκραταιωσαρ σε αντω·
 εμπενυρισμενη ζωνει η ανεσκαμμενη·
 απο επιτιμωσεως του προσωπου σου απολυνθαι·
 γεννητω η χειρ σου επανδρα δεξιας σου·
 και επι νιου ανθρωπου εκραταιωσας σε αντω·
 και ε μη απωσωμεν απο σε·
 ζωσας ημας η η ονομα σου επικαλεσομεθα·
 κυριε ο θεος τ ληνάμεωρ επισρε φημας·
 η επιφανη η προσωπων σου η σωθσομεθα·

EIS TO TELOS NΩTEP TΩP ΛΗΝΩP ΨΑΛΜΟΣ ΔΩΔΗΣ ΤΩ ΔΑ-
 ΣΑΦ.

Γαλιλασε τω θεω τω βοηθω ημων·
 α αλαλαξατε τω θεω ιακωβ·
 λαβετε ψαλμον και λοτε τυμωανου·
 ψαλτηριου τρεπων μετ' ακιθαρας·
 σαλπιατε εν νεομηνια σαλωιγγι,
 εν ενσημα ημερα εορτης ημων·
 οτι προσερχμα τω ισραηλ εσι·
 και κριμα τω θεω ιακωβ·
 μαρτυριου εν τω ιωσηφ εδε το αντω·
 εν τω εξελθειν αυτου εκ γης αιγυπτου·
 Γλωσσου ημ εκ εγνωηκασεμ·
 επεσησεμ απο αρσεων του νωτον αυτου·
 αι χειρες αυτου εν τω κορινω· δουλενουσαμ·
 εν· δλιφει εσεκαλεσωμε ημ εβουσαμ ημ σε·
 εσηκουσα σου εν αποκρυφω καταγιγισος·
 εδοκιμασα σε εδω ν λατος αντιλογιας·
 ακουσαμ λαος μου ημ διαμαρτυρομαι σοι·
 ισραηλ εση ακουσεμ με·
 ουκ εσαι ημ σοι θεος προσφατος·
 ουλε προσκυνησεισ θεω αλλοτριω·
 εγω γαρ ειμι κυριος ο θεος σου·
 ο ανναγαγωμ σε εκ γης αιγυπτου·
 Πλανητη τοσομα σου, και πληρωσω αυτο·
 και ουκ ηκασεν ο λαος μου της φωνης μου·
 και ισραηλ ον προσεχε μοι. (ων αντων·
 και εξαπες ελα αυτους και ηα επι ηηλενμαλα τωμ καρδι

ופקדן פני אמת :
 וכנה אשר נסעה ימינה
 ועל בן אמצתה לה :
 שרופה באש כסוחח
 מגערת פניה יאבדו :
 תהי ידה על איש ימינה
 על בן אדם אמצת לה :
 ולא נסוג ממך
 ותחינו ובשמך נקרא :
 יהוד אלהים צבאות השוכנו
 האר פניה ונשעה :

פא

לִמְנוּחֵי עַל-
 רַחֲמֵי אֱלֹהִים עֲזִיבֵנו
 הֲרִיעוּ לְאֵלֹהֵי יַעֲקֹב :

שאו זמרה ותנו תה
 כנור נעים עם נבל :
 תקעו בחרש שופר
 בכסה ליום חגנו :
 כי חק לי ישראל הוא
 משפט לאלדי יעקב :
 עדות ביהוק שמו
 בצאתו על ארץ מצרים
 שפת לא ידעתי אשמע :
 הסירותי מסבל שכמו
 כפיו מדוד העבדנה :
 בצרה קראת ואחלצה
 אענה בסתר רעם
 אבחנוך על מי מריבה סלה :
 שמע עמי ואעזיה בך
 ישראל אם תשמע לי :
 לא יהיה כן אל-ור
 ולא תשתחוה לאל נכר :
 אנכי יי אלהיך
 המעלה מארץ מצרים
 הרחק פיר ואמל אהו :
 ולא-שמע עמי לקולי
 וישראל לא אבה לי :
 ואשל חוה בשירות לבים

ibunt in adiuventionibus suis.
 Si populus meus audisset me:
 israel si in uis meis ambulasset.
 Pro nihilo forsitan inimicos eorum humiliassem:
 & super tribulantes eos misissem manum meam.
 Inimici domini mentiti sunt ei:
 & erit tempus eorum in secula.
 Et cibauit illos ex adipe frumenti,
 & de petra melle saturauit eos.

Psalms Asaph. LXXXI.

d Eus stetit in synagoga deorum.
 in medio autem decem dii iudicat.

Vsq; quo iudicatis iniquitatem:
 & facies peccatorum sumitis:
 Iudicate egeno & pupillo:
 humilem & pauperem iustificate.
 Eripite pauperem & egenum:
 de manu peccatoris liberare.
 Nescierunt neq; intellexerunt in tenebris ambulat:
 mouebuntur omnia fundamenta terrae.
 Ego dixi dii estis:
 & filij excelsi omnes.

Vos autem sicut homines moriemini:
 & sicut vnus de principibus caderis.
 Surge deus iudica terram:
 quoniam tu hereditabis in omnibus gentibus.

Canticum Psalmus Asaph. LXXXII.

d Eus quis similis erit tibi:
 ne taceas neq; compefcaris deus.

Quoniam ecce inimici tui sonuerunt:
 & qui oderunt te exaltauerunt caput.
 Super populū tuum malignauerunt consiliū:
 & cogitauerunt aduersus sanctos tuos.
 Dixerunt uenite & disperdamus eos de gente:
 & non memoratur israel ultra.
 Quoniam cogitauerunt simul unanimiter
 aduersus te: testamentum disposuerunt:
 tabernacula Idumeorum & Ismaheliticę.
 Moab & Agareni:

12 ὁ πᾶς ἄστρον: ἡ γῆ: ἡ θάλασσα:
 13 ἡ σελήνη: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα:
 14 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 15 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:

1 Ἦν ὁ θεὸς ἰσχυρὸς ἐν ἡμέρῃ ἰσχυρίας:

2 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 3 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 4 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 5 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 6 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 7 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 8 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:

1 Ἦν ὁ θεὸς ἰσχυρὸς ἐν ἡμέρῃ ἰσχυρίας:

2 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 3 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 4 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 5 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:
 6 ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις: ἡ ἡμέρα: ἡ νύκτις:

[Marginal notes in a smaller script, likely a different translation or commentary, partially obscured by the binding.]

πορεύονται ἐν τοῖς ἐπιτηδείοις αὐτῶν·
 εἶ ὁ λαὸς μὴ κέσεται·
 ἰσραὴλ ταῖς ὁδοῖς μὴ εἰς πορεύσῃ·
 ἐν τῷ μηλενὶ ἀντὶ τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν ἐταπείνωσά·
 καὶ ἐπὶ τῶν θλίβοντάς αὐτὸς ἐπέβαλον ἄρτην χιτῶνά·
 οἱ ἐχθροὶ κυεῖς ἐφύσαντο αὐτῶ·
 καὶ ἔσαι ὁ καιρὸς αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα·
 καὶ ἐφώμισεν αὐτὸς ἐκ σέατος ζυροῦ·
 καὶ ἐκ πείρας μέλι ἐχόρησεν αὐτοῖς·
 Ὑαλμὸς τῶ ἀσάφ·

ω α

Θεὸς ἔση ἐν συναγωγῇ Σεῶν·
 ἐν μέσῳ δὲ θεοῦ διακρινεῖ·
 ἕως οὗτε κρίνετε ἀδικίαν·
 καὶ πρὸσωπα ἀμαρτωλῶν λαμβάνετε·
 κρίνατε ὀφθαλμῶ καὶ πλωχῶ·
 ταπεινῶν καὶ πένητα δικαιοῦσατε·
 ἐξέλεσθε πένητα καὶ ζωχῶν·
 ἐκ χειρὸς ἀμαρτωλοῦ ἔρυσσθε αὐτῶν·
 οὐκ ἐγνώσαν ὅτι ἐσὶν ἡμεῖς ἐν σκοτει διαπορεύονται·
 σαλευθήσασιν πάντα τὰ θεμέλια τῆς γῆς·
 ἐγὼ εἶπα, θεοὶ ἐσε·
 καὶ υἱοὶ υἱοῦ πάντες·
 Ὑμεῖς δὲ ὡς ἀνθρώποι ἀποθνήσκετε·
 καὶ ὡς εἰσῶν ἀρχόντων πίστετε·
 ἀνάσσει ὁ θεὸς κρίνον ἡν γῆν·
 ὅτι ὄν κατακληρονομήσει ἐν πᾶσι τοῖς ἔθνεσι·

π β

Ω ἰλη ψαλμὸς τῶ ἀσάφ·
 Θεὸς τίς ὁμοιωθήσεται σοι·
 μὴ οὐ γένηται μὴ δὲ καταπρανῆς ὁ θεός·
 Ὅτι ἰλὸς οἱ ἐχθροὶ οὐκ ἤχησαν·
 καὶ οἱ μισοῦντες οὐκ ἔρασαν κεφαλῆν·
 ἐπὶ τῶν λαῶν οὐκ ἔσταν ἰσχυροὶ ἐν γῆν·
 καὶ ἐβλάσαντο κατὰ τῶν ἁγίων οὐ·
 εἶπαν λευθε καὶ ἐξολοθρευόμεν αὐτοῖς ἐξ ἔθνους·
 καὶ μὴ μνησθῆν ὄνομα ἰσραὴλ ἔτι·
 Ὅτι ἐβλάσαντο ἐν ὁμονοίᾳ ἐπὶ παντὶ·
 κατὰ οὐ διαθήκην διεθεντο·
 τὰ σινομάτια τῶν ἰσραηλῶν καὶ οἱ ἰσραηλῖται·
 Μωὰβ καὶ οἱ ἀγαρῶνοι·

ἵλכו בסועותיהם :
 לֹו עַמִּי שְׂמַע לִי :
 יִשְׂרָאֵל בְּדַרְכֵי יְהוָה לֹכְו :
 כַּמַּעַט אֹיְבֵיהֶם אֲכַנְיַע :
 וְעַל צַר־יהֶם אֲשִׁיב יָדַי :
 מִשְׁנֵאֵי וְיִכְחַשׁוּ לִי :
 וְיִהְיֶה עַתָּה לְעוֹלָם :
 וַיֹּאכִלְהוּ מִחֶלֶב חֶשֶׁה :
 וּמִצֹּר דָּבַשׁ אֲשִׁיבֵי עֵקֶה :
 מִזְמוֹר לְאַסָּף

פ ב

לְדַיִם נִצַּב בְּעַד־תְּאַ :
 בְּקִרְבֵּי אֵלֵי דַיִם יִשְׁפֹּט :
 עַד־מַתִּי תִשְׁפֹּטוּ עוֹלָ :
 וּפְנֵי רַשְׁעִים תִּשְׁאוּ־סֶלָה :
 שְׁפֹטוּ דַל וְיִתְּנוֹם :
 עֲנִי וְרַשׁ הַצְּדִיקוּ :
 בְּלִטּוֹ דַל וְאַבְיוֹן :
 מִדַּרְשָׁעִים הַצִּילֵו :
 לֹא יִדְעוּ וְלֹא יִבִּינוּ בַחֲשֹׁכֵה יִתְהַלְכוּ :
 יִמְשֹׁו כָּל מוֹסְדֵי אָרֶץ :
 אֲנִי אֲמַתִּי אֵלֵי דַיִם אַתֶּם :
 וּבְנֵי עֲלִיוֹן כָּלְכֶם :
 אֲבָן כַּאֲדָם תִּמְוֹתוֹן :
 וּכְאֲחַד הַשָּׂרִים תִּפְלוּ :
 קוּמָה אֵלֵי דַיִם שְׁפֹטָה הָאָרֶץ :
 כִּי־אַתָּה תִּנְחַל בְּכָל הַגּוֹיִם :
 שִׁיר מִזְמוֹר לְאַסָּף :
 לְדַיִם אֵלֵי דַמִּי לֵךְ :

פ ב

אֵל־תִּחַרְשׁוּ אֵל־תִּשְׁקֹט אֵל :
 כִּי־תִהְיֶה אֹיְבֵיךָ יְהִימוֹן :
 וּמִשְׁכַּנְיָךְ נִשְׁאוּרֹאשׁ :
 עַל עַמְּךָ יַעֲרִימוּ סוֹד :
 וְיִתְעַצּוּ עַל צַמְחֵיךָ :
 אֲמָרוּ לִכְו וּנְכַחֲדִים מִגּוֹי :
 וְלֹא יִזְכָּר שֵׁם יִשְׂרָאֵל עוֹד :
 כִּי נִוְעֲצוּ לְכָב יַחְדָּן :
 עַל־יָךְ בְּרִיכַתוֹ :
 אֱהִי אֲדוֹם וַיִּשְׁמַע אֱלֹהִים :
 מִיָּאֵב וְהָרִים :

o i

gebai & ammon & amalech
 alienigenę cum habitantibus tyrum.
 Etenim assur uenit cum illis:
 facti sunt in adiutorium filijs ioch.
 Fac illis sicut madian & cyfarg:
 sicut iabin in torrente cyfon.
 Dispererunt in endor:
 facti sunt ut steruus terrę.
 Pone principes eorum sicut oreb & geb:
 & gebee & salmana. Oēs principes eorum:
 qui dixerunt hereditate possideamus sanctuarij
 Deus meus pone illos ut rotam: (um dei.
 & sicut stipulam que est ante faciem uenti.
 Sicut ignis qui comburit syluam:
 & sicut flamma comburens montes.
 Ita persequeris illos in tempestate tuar:
 & in ira tua turbabis eos.
 Imple facies eorum ignominia:
 & querent nomē tuum domine.
 Erubescant & conturbentur in sæculum sæculi:
 & confundantur & percant.
 Ut cognoscant quia nomen tibi dominus:
 tu solus altissimus in omni terra.
 In finē ꝑ torcularibꝫ filijs Chorę Pf. LXXXIII.
 Vam dilecta tabernacula tua dñe uirtutū:
 9 cōcupiscit & deficit aīa mea in atria dñi.
 Cor meū & caro mea exultauerūt in deū uiuū:
 Etenim passer inuenit sibi domum:
 & turtur nidum sibi ubi ponat pullos suos.
 Altaria tua domine uirtutum:
 rex meus & deus meus.
 Beati qui habitant in domo tua:
 in sæcula sæculorum laudabunt te.
 Beatus uir cuius est auxilium abs te:
 ascensiones in corde suo disposuit:
 in ualle lachrymarum in loco quem posuit.
 Etenim benedictionē dabit legislator:
 ibunt de uirtute in uirtutem:
 uidebitur deus deorum in sion.

Σηλα: ΘΑΦΖ: ΘΛΘΛΦ:
 ΟΛΛΦΛ: ΦΗΛ: ΗΗΛΑ: ΩΕΛ:
 7 ΟΑΗΖΥ: ΞΩΖ: ΦΗΛΥΟ:
 ΟΗΖΦΟ: ΖΡΛΤ: ΑΡΦΦ: ΑΡΖ:
 8 ΖΗΡΟ: ΗΟ: ΦΡΡΦ: ΘΛΗΖ:
 ΟΗΟ: ΑΡΩΗ: ΠΛΑΖ: ΦΗΖ:
 9 ΟΕΗΖΟ: ΗΟ: ΛΑ: ΛΖΡΖ:
 ΟΕΗΖ: ΗΟ: ΣΟΖ: ΦΡΖ:
 10 ΖΗΡΟ: ΑΟΑΔΗΖΥΟ: ΗΟ: ΞΖΠ: ΟΗΠ:
 Η ΟΗ-ΠΥΔ: ΟΗΔΑΖ: ΟΗ-ΛΟ: ΣΑΔΗΖΥΟ:
 ΛΑ: Ε-Π-Α: ΖΟΕΗ: ΦΜΥΩΥ: ΑΛΖΛΑ-ΠΩΖ:
 12 ΑΦΑΗΡ: ΖΗΡΟ: ΗΟ: ΣΟΖ-Ζ-ΗΖ:
 ΟΗΟ: ΩΙΟΖ: ΦΡΟ: ΖΧ: ΛΑΖ:
 13 ΟΗΟ: ΛΑΖ: ΗΥΟΩ: ΖΕΟ:
 ΟΗΟ: ΖΠΔΑΔ: ΗΥΡΡΡ: ΑΡΑΖ:
 14 ΗΩΥ: ΑΡΡΟ: ΠΥΟΛΗ:
 ΟΥΟΟ: ΠΟΦΥΦΤΗ:
 15 ΦΑΛ: ΟΗΤ: ΖΡΟ: ΞΩΖ:
 ΟΡΛΦΖ: ΑΦΗ: ΛΖΗΛΑ:
 16 ΟΕΖΥΩΖ: ΟΕΖΥΟΗ: ΑΥΑΟΟ: ΩΑΦ:
 ΟΕΖΥΩΖ: ΟΕΖΥΩΗ:
 17 ΟΡΛΦΖ: ΑΟΗ: ΛΖΗΛΑ:
 ΗΟ: ΑΖΤ: ΗΗΖΤΗ: ΔΥΔ: ΕΠ: Α: ΦΡΖ:
 ΦΧΦ: ΗΠΛΖΤ: ΟΗΠ-ΠΤ: ΗΡΦΦ: ΦΖ: ΣΗΟΦ:
 1 ΤΓ ΦΦ: ΦΦΖ: Α-ΠΡΤΗ: ΛΖΗΛΑ: ΞΡΑΖ:
 ΤΔ ΜΗΤ: ΖΦΑΡ: ΠΑΦΦΕ: ΑΟΧΕΗ: ΛΖΗΛΑ:
 2 Α-ΠΡΖ: ΟΜΥΡΖ: ΤΔ ΜΗ: ΠΛΖΗΛΑ-ΠΩΖ: Η
 3 ΝΦΖ: ΖΗΠΤ: Α-Τ: ΒΤ:
 ΟΩΟΖΦΖ: ΞΠ: ΤΖ-ΠΖ: ΛΤ-ΛΥ:
 4 ΦΜΥΩΥ: ΛΖΗΛΑ: ΞΡΑΖ:
 ΖΤ-ΜΥΡΖ: ΟΑΦΑΗΡΖ:
 5 ΠΘ-ΩΖ: Η-ΛΟ: ΛΑ: ΕΖ-ΠΖ: ΟΗΤ: ΒΤΗ:
 ΟΑΥΑΟΟ: ΩΑΦ: ΕΛ-ΠΩΗ:
 6 ΠΘ-Ο: ΠΛΛ: ΗΛΦ-ΥΩΗ: ΖΡΛΤ: ΛΖΗΛΑ:
 ΟΗΕΥΑ: ΠΔΕ: ΗΠΑΟΑ:
 ΟΗΤ: ΦΑΖ: ΠΗΕ: ΠΩΖ: ΞΠ: ΩΖΟΗΟ:
 7 ΛΗΟ: ΣΟΦΥΖ: ΗΖ: ΕΥ-Π: ΠΖΗΤ:
 ΟΡΩΟΖ: ΛΦ-ΥΩΖ: ΟΗΤ: ΞΩΖ:
 ΟΡΗΤΕΛΑ: ΑΦΑΗ: ΑΩΑΗΤ: ΠΡΡΖ:

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or a different translation of the text on the opposite page.

Γεβὰλ καὶ ἄμμωρ καὶ ἄμαλῆκ .
 ἄλλοφυλοὶ μετὰ τῶν κατοικούντων τῆσιν .
 Καὶ γὰρ καὶ ἄσους συμπάρεγενέτο μετ' αὐτῶν .
 ἐγεινήθησαν εἰς ἀντίληψιν τοῖς νόμοις Λῶτ .
 Γόησιν ἀντίως ὡς τῆ μαλιὰμ καὶ τῶ σοσάρα .
 ὡς τῶ ἰαβεὶμ ἐν τῶ χειμάρρῳ κισσῶν .
 Ἐξωλοθρεύθησαν ἐν ἀενδῶν .
 ἐγεινήθησαν ὡσεὶ κόπρος τῆ γῆ .
 ὅς τὸς ἀρχοντας αὐτῶν ὡς τῶν ὠρεθ καὶ ζῆθ ,
 καὶ ζεβεὲ καὶ σαλμανᾶ πάντας τὸς ἀρχοντας αὐτῶν .
 Οἱ ἴντες εἶπον κληρονομήσωμεν ἐάν τις τὸ ἄλῆσῆριον τοῦ
 ὁ θεὸς μὲθ' αὐτῶν ὡς Ἰεσοῦμ . (θεῶς)
 ὡς καλὰ μὴ κατὰ πρόσωπον ἀνέμεν .
 Ὡσεὶ πῦρ ὁ δὲ φλέξει δένδρον .
 ὡσεὶ φλόξ ἡ κατακαύσει ὄρη .
 Ὅντως καταδιώξῃς ἀνθρώπους ἐν τῆ καταγιγίσει .
 καὶ ἐν τῆ ὀργῆ σου συναρξῇ εἰς αὐτούς .
 Γλήσωσιν τὰ πρόσωπα αὐτῶν ἀτιμίας .
 καὶ ζητήσουσι τὸ ὄνομά σου κύριε .
 Λιχνυθήτωσιν καὶ ταραχθήτωσιν εἰς τὴν αἰῶνα τῶν αἰῶνων
 καὶ ἐν τῆσιν ἀπῆτωσιν καὶ ἄπο οὐρανῶσιν .
 καὶ γνώτωσιν ὅτι ὄνομά σου κύριος .
 ὁν μόνος ὑψίστος ἐπὶ πάντων τῆν γῆν .
 εἰς τὸ ἴελος ὑπερ ἴων ληνῶν τοῖς νόμοις Κορὲ φαλμ . πγ .
 Σ ἀλαπῆλᾶ ἰα σκηνώματα ἐκ κύριε τῶν δυνάμεων
 ἔπιποθεὶ καὶ ἐκλείπει ἡ ψυχὴ καὶ εἰς τὸς ἀνθρώπους τὸ κρεῖ
 ἡ καρδία καὶ ὁ σῶξ καὶ ἡ γαλλίασάντο ἐπὶ θεῶν ζῶντα .
 καὶ γὰρ σευθίον ἐνεργεῖ αὐτῶν οἰκίαν .
 καὶ ἰσηγῶν νοσσίαν ἐάντην ὁ δὲ σῶξ τὰ νοσσία ἐάντην .
 τὰ θνοιασῆρῖα σου κύριε τῶν δυνάμεων .
 ὁ βασιλεὺς καὶ ὁ θεὸς καὶ .
 Μακάριοι οἱ κατοικούντες ἐν τῶ οἴκῳ σου .
 εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰῶνων ἀινέσοσί σε .
 Μακάριος ἀνὴρ ὃν ἐσὶ ἀντίληψις αὐτῶ παρὰ σοί .
 ἀναβάσῃς ἐν τῆ καρδίᾳ αὐτῶ δὲ θεῶν .
 εἰς τὴν καιλάδα τῶ κλαυθμῶνος εἰς τὸ ἴοπερ ἐν ἔθερ .
 καὶ γὰρ ἐν λογίᾳ δώσει ὁ νομοθετῆς .
 Πορεύονται ἐκ δυνάμεως εἰς δυνάμιμ .
 ἐφθῆσεται ὁ θεὸς τῶν θεῶν ἐν οἴκῳ .

גבֹל ועמון ועמלק
 פלשת עם ישבי צור
 גם אשור בלוח עמם
 היו זרוע לבני לוט סלה
 עשה להם כמדון כסֹבא
 כביך כנחל קשון
 כשמו בעין האר
 היו דמן לאדמה
 שיתמו נדיבמו כעורב וכואב
 וכוכח וכצל מגע כל נסיכמו
 אשר אמרו בירשה לנו את נאות אלדים
 אלדי שיתמו ככל גל
 כקש לִבְנֵי רוּחַ
 כִּאֲשֶׁר תִּכְעַר יַעֲר
 וכלהבה תלהת הרים
 כן תהפס כסערך
 וכסופתך תבחלם
 מלא פניהם קלון
 ויבקשו שמך יהוד
 יבשו ויבחרו עדיעד
 ויחפרו ויאבדו
 וידעו כי אתה שמך יי
 לכהן עליון על כל הארץ
 כד
 למבצח על האתית לבני קרח מזמור
 הדידות משפנותיך יי צבאות
 כקספה וגם כלתה כפשי לחצרות
 לִכְיֹוֹבֶשֶׁת וְיִרְנְנוּ אֶל־אֵל־חַיִּי : (יתור)
 גם צפור מצאה בית
 ורחור יקן ליה אשר שתה אפר חיה
 את מזבחוקיך יי צבאות
 מלכי ואבדי
 אשרי יושבי ביתך
 עוד יהללוך סלה
 אשרי אדם עוולו בכך
 מסלות בלבבם עכרי
 בעמק חפכא מען שיתוהו
 גם כרכות יעטה מורה
 ילכו מחיל אל חיל
 יראו אל אלדים כציון
 o η

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a different dialect or a commentary, running vertically down the left edge of the page.

Domine deus uirtutum exaudi oratione mea:
 auribus percipere deus iacob.
 Protector respice deus:
 & respice in faciem christi tui.
 Quia melior est dies una in atrijs tuis sup milia.
 Elegi abiectus esse in domo dei mei: magis
 quam habitare in tabernaculis peccatorum.
 Quia misericordia & ueritate diligit deus:
 gratiam & gloriam dabit dominus.
 Non priuabit bonis eos qui ambulat in innocetia:
 domine uirtutum
 beatus homo qui sperat in te.
 In fine filijs Chorae Pfalmus LXXXIII.
 b Ene dixisti domine terram tuam:
 auertisti captiuitatem iacob.
 Remisisti iniquitatem plebistue:
 operuisti omnia peccata eorum.
 Mitigasti omnem iram tuam:
 auertisti ab ira indignationis tue.
 Conuertere nos deus salutaris noster:
 & auerte iram tuam a nobis.
 Nunquid in aeternum irasceris nobis: (tionē.
 aut extends iram tuam a generatiōe in generas
 Deus tu conuersus uiuificabis nos:
 & plebs tua letabitur in te.
 Ostende nobis dñe misericordiam tuam:
 & salutare tuum da nobis.
 Audiam quid loquatur in me dominus deus:
 quoniā loquetur pacem in plebem suam.
 Et sup sanctos suos: & in eos qui conuertunt ad
 Veritatem appetimētes eum salutare ipsius: (cor.
 ut inhabitet gloria in terra nostra.
 Misericordia & ueritas obuauerunt sibi:
 iusticia & pax osculatae sunt.
 Veritas de terra orta est:
 & iusticia de caelo prospexit.
 Etenim dominus dabit benignitatem:
 & terra nostra dabit fructum suum.
 Iusticia ante eum ambulabit:

8 λ 2 Η λ : α φ ο η : γ ρ ο ζ : η θ υ ζ : κ λ τ ρ ::
 ο λ κ ρ λ ζ : α φ ο η : λ ρ ο φ η ::
 9 ο c λ ρ ζ : λ 2 Η λ : τ α φ σ τ ρ ::
 ο ζ κ ρ : γ ο η ρ : σ η ρ η :: π λ φ α λ ο φ ::
 10 λ η σ : τ ρ ε λ η : α θ ε : ο ρ τ : ω η τ : α ο ρ λ η ::
 11 α ρ η ρ κ η : λ τ η ρ φ : ω η τ : ο β τ : λ η λ α ρ η ρ ::
 λ φ λ ζ ο c : ω η τ : ο β τ : γ φ α ζ ::
 12 λ η σ : κ ρ φ : ο φ κ ρ τ : ρ ο ρ ρ : λ η λ α ρ η ρ ::
 λ 2 Η λ ρ η ρ : ε υ η : η η λ : ο φ η η ::
 13 λ η λ α ρ η ρ : λ ρ η τ ε ζ ρ σ : λ σ ο λ η τ : λ ο :
 λ η λ α : α φ ο η : γ ρ ο ζ :: ε ρ θ ω ζ : ο ρ φ υ τ ::
 η θ ο : η λ η : η τ ο η α : η ρ η ::
 κ ρ ε : η ρ ε φ : φ λ ο : σ η σ ρ : κ λ τ : η ρ ε φ ::
 1 Π υ τ υ υ α η : λ 2 Η λ : φ ρ ζ η ::
 ο ε φ η : ε φ υ : λ ρ ο φ η ::
 2 ο γ ρ ζ : γ ο λ α ρ σ : α ρ η η η ::
 ο η ρ ζ η η ρ : α ρ η η η ::
 3 ο γ ρ ζ : η ρ : σ ο ν τ η ::
 ο ε φ η : σ τ ω φ τ : σ ο ν τ η ::
 4 α λ ρ : α φ ο η ζ : ο σ ρ γ ζ ζ ::
 ο α φ : σ ο ν τ η : λ φ ζ ζ ::
 5 ο α υ α φ η : λ τ τ σ ο ν ν ζ ::
 ο λ τ ε ε : σ ο ν τ η : ο υ α : τ ο α ρ : τ ο α ρ ::
 6 α ζ τ : α φ ο η ζ : τ σ ρ ρ : ο α η ε ο ζ ::
 ο η η η η η : ε τ ε λ η : τ η η ::
 7 α c λ ρ ζ : λ 2 Η λ : υ η υ α η ::
 ο υ ο ζ : α φ ο η ζ : α ρ γ τ η ::
 8 α ρ λ : η ρ ζ ο ζ : λ 2 Η λ ρ η ρ : α φ ο η ρ ::
 λ η σ : ε τ η η : η ο σ : ο υ α : η η η :: π ο υ ::
 9 ο υ α : κ ρ φ ζ : ο ο υ α : λ ο : ε σ ε ρ : α ρ σ γ
 10 ο η η τ : φ λ η : α ρ γ τ η : α λ ο : ε λ ε υ φ ::
 η σ : ε γ ρ ζ : η η η η υ : ω η τ : φ ρ ζ ζ ::
 11 υ η υ α : ο c τ ο : τ ζ η η ::
 κ ρ φ : ο η ο φ : τ η ν η ::
 12 c τ ο η : λ φ ρ ζ : ω λ ρ τ ::
 ο κ ρ φ ζ : λ φ η η ρ : γ φ ρ ::
 13 ο λ 2 Η λ ρ η ρ : ε υ η : φ η λ ζ ::
 ο φ ρ ζ ζ : τ υ η : φ λ ο υ ::
 14 κ ρ φ : ρ η ο c : φ ρ ε υ ::

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or a second translation of the text on the opposite page.

Κύριε ὁ Θεὸς Ἰσὼν Δυνάμεων εἰσακούσων τῆς προσευχῆς μὲ
ἐνώπιον ὁ Θεὸς ἰακώβ.

ὑπερασπίσῃς ἡμῶν ἰσὲ ὁ Θεός.

καὶ ἐπίβλεψον εἰς τὸ πρόσωπον τοῦ Χριστοῦ σου. (λασ.)

Ὅτι κρείσσων ἡμέτερά μίαν ἐμὴν ἰσὺν λαῖς σου ὑπὲρ χιλιά-

ἔξελεξάμην παρεγγυηθῆναι ἐν Ἰσὼ οἴκῳ τοῦ Θεοῦ μὲ μᾶλλον

ἢ οἰκῆν με ἐν σιωνάμοισιν ἁμαρτωλῶν. (λαμ.)

Ὅτι ἔλεος καὶ ἀληθειᾶν ἀγαπᾷ Κύριος ὁ Θεός.

χάριμ καὶ δόξαν δώσῃ. Κύριος

ὁν σεβασθῆναι τὰ ἀγαθὰ τοῖς παρενομένοις ἐμὴν ἀκακία.

Κύριε ὁ Θεός τῶν Δυνάμεων.

μακρὸς ἀνθρώπος ἐπιζῶν ἐπὶ σέ.

Εἰς τὸ τέλος τοῖς νιῶν Κορὲ φαλμός. ω λ.

Υλοποιῶν κύριε τὴν γῆν σου.

ἀπέστρεψας τὴν ἀίχμη λαοῦ ἰακώβ.

Ἀφῆκας τὰς ἀνομίας τῶν λαῶν σου.

ἐκάλυψας πάσας τὰς ἁμαρτίας αὐτῶν.

κατέπανσας πάσας τὴν ὀργὴν σου.

ἀπέστρεψας ἀπὸ ὀργῆς θυμοῦ σου.

Ἐπίστρεψον ἡμᾶς ὁ Θεός τῶν σωτηριῶν ἡμῶν.

καὶ ἀπέστρεψον τὸ θυμὸν σου ἀφ᾽ ἡμῶν.

Μὴ εἰς τοὺς αἰῶνας ὀργισθῆς ἡμῶν.

ἢ λιπηνθῆς τὴν ὀργὴν σου ἀπὸ γενεᾶς εἰς γενεάν.

Ὁ Θεός σὺ ἐπίστρεψας ζωώσεις ἡμᾶς.

καὶ ὁ λαός σου ἐνφρανθῆσεται ἐπὶ σοί.

Δεῖξον ἡμῖν κύριε τὸ ἔλεός σου.

καὶ τὸ σωτήριόν σου δώσῃς ἡμῖν.

Ἀκούσασθαι τί λαλήσῃ ἐν ἐμοὶ κύριε ὁ Θεός.

ὅτι λαλήσῃ εἰρημὴ ἐπὶ τῶν λαῶν αὐτῶν.

καὶ ἐπὶ τοῖς ὀσίοις αὐτῶν καὶ ἐπὶ τοῖς ἐπιστρέφοντάς κερλίαν

Πληρὴ ἐγγύς Ἰσὼν φοβούμενων ἀντὶ τὸ σωτήριον αὐτῶν (ἐπ᾽ αὐ-

τῶν κατασκηνώσαι δόξα ἐν τῇ γῆ ἡμῶν. (τομ.)

Ἐλεος καὶ ἀληθῆς συνήνησάν.

δικαιοσύνη καὶ εἰρήνη κατεφιλήσαν.

Ἀληθῆς ἐκ τῆς γῆς ἀνέτελλε.

καὶ δικαιοσύνη ἐκ τῶν ὄρεων δόξα ἐκείνη.

καὶ γὰρ ὁ κύριος δώσῃ χερσότητα.

καὶ ἡ γῆ ἡμῶν δώσῃ τὸν καρπὸν αὐτῆς.

δικαιοσύνη ἐμὴν ἀντὶ τὸ προσεβόησέναι.

יהוה אלדים צבאות שמעה תפלתך

האזינה אל די יעקב סלה :

מגננו ראה אלדים

והבט פני משחק :

כי טוב יום בהצריך מאלה

בחרתי הסתופף בבית אלדי

מדור בארלי רשע :

כי שמשומגן יי אלדים

חן וכבוד יתן יהוה

לא ימנע טוב להולל כים בתמים :

יהוה צבאות

אשרי אדם בסתפק :

למנצח לבני קרח מזמור :

צית יי ארצך

שבת שבות יעקב :

בשאת עון עמך

כפית כל חטאתם סלה :

אספת כל עברתך

השבות סחרון אפק :

שוכנו אל די ישענו

והפר בעסק עמנו :

הל עולם האנף בנו

תמשך אפק לדר ודור :

הלא אמת תשוב תחיינו

ועמך ישחור בך :

הראנו יהוה חסדך

ושעך תתן לנו :

אשמעה מה ידבר האל יי

כי ידבר שלום אל עמו

ואל תסידיו ואל ישוכו לכסלה :

אך קרוב ליראו ישעו

לשכן כבוד בארצנו :

חסד ואמת נפשו

צדק ושלום נשקרו :

אמת מארץ תצמח

וצדק משמים נשקרף :

צדק יי יתן השוב

וארצנו תתן יבולה :

צדק לבניו יהוה

o ii

& ponet in uia gressus suos.

Oratio ipsi dauid. LXXXV.

ⁱ Inclina domine aurē tuā & exaudi me:
quoniam inops & pauper sum ego.

Custodi animā meā quoniā sanctus sum:
saluum fac seruū tuū deus me⁹ sperāre in te:
Miserere mei dñe qm̄ ad te clamaui tota die:
lætifica animam serui tui:

quoniā ad te domine animā meam leuaui.

Quoniam tu domine suauis:

& multę misericordię omnib⁹ inuocātibus te.

Auribus percipe domine orationem meam:

& intende uoci deprecationis meę.

In die tribulatiōis meę clamaui ad te: quia ex

Non est similis tui in dijs dñe: (audisti me

& non est secundum operata tua.

Omnes gentes quascūque fecisti: uenient

& adorabunt coram te domine:

& glorificabunt nomen tuum.

Quoniā magn⁹ es tu & faciens mirabilia:

tu es deus solus.

Deduc me domine in uia tua:

& ingrediar in ueritate tua:

Igetur cor meum ut timeat nomen tuum.¹

Confitebor tibi dñe deus meus in toto corde

& glorificabo nomen tuū in eternū. (meos

Quia misericordia tua magna est sup me:

& eruisti animā meam ex inferno inferiori.

Deus iniqui insurrexerunt super me:

& synagoga porētium quæsierūt animā meā:

& nō proposuerunt te in conspectu suo.

Et tu domine deus miserator & misericors:

patiens & multę misericordię & uerax.

Respice in me & miserere mei:

da imperium tuum puero tuo:

& saluum fac filium ancillę tuę.

Fac mecum signum in bono:

ut uideant qui me oderūt & cōfundantur:

qm̄ tu dñe adiuuisti me & consolatus es me.

OP. 4. P. 7. O. H. T. 4. P. T. A. H. C. ::

X. A. T. H. P. P. T.

1 Π Ε Α Κ Θ Λ : λ γ Η Α : λ Η Σ Η : γ Β Ρ : Ο Η Θ
λ Η Σ : Σ Β Ε : Ο Θ Η Η Σ : Α Σ ::

II V Z ::

2 Θ Φ Ω : Α Σ Φ Η Ρ : λ Η Σ : Ρ Φ Ψ : Α Σ ::

3 Α Ρ Ψ : Α Γ Η Γ Η : Α Φ Ω Η Ρ : Η Τ Θ Η Α : Η Ρ Η ::

4 Ψ Ψ Ψ : λ γ Η Α : λ Η Σ : γ Β Η : λ Χ Γ Ψ : Η Λ Ψ :

Ο Α Η Τ Λ Μ Θ : Α Σ Φ Η : Γ Η Γ Η ::

II A D L ::

λ Η Σ : γ Β Η : Α Ψ Φ Ψ Φ Ψ : Σ Φ Η Ρ ::

4 λ Η Σ : Σ Θ Η : Α Ψ Τ : λ γ Η Α : Ο Σ Η Τ Ψ Ψ Δ ::

Ο Π Η Ψ : Ψ Ψ Δ Η : Α Ψ Λ Ψ : λ Α : Ε Ψ Θ Ψ Η ::

5 Α Κ Θ Λ : λ γ Η Α : Χ Α Τ Ρ ::

Ο Σ Χ Γ : Φ Α : Η λ Α Τ Ρ ::

Π η ζ ::

6 Π Ο Α Τ : Φ Ψ Ε Ρ : Χ Ζ Ψ Η : γ Β Η : λ Η Σ : Η Θ

7 Α Δ Ρ : Η Ε Φ Η Α Η : λ Ψ Ψ : Α Θ Δ Η Ψ : λ γ Η Α ::

Ο Α Δ Ρ : Η Η Σ : Φ Γ Η Γ Η ::

8 Η Λ Ψ : Α Η Η Π : λ Α : Γ Η Γ Η : Ε Φ Ψ ::

Ο Ε Η Γ Ε : Ψ Ψ Ψ Η : λ γ Η Α ::

Ο Ε Ψ Π Η : Α Η Θ Η ::

9 λ Η Σ : Β Λ Ε : Α Ψ Τ : λ γ Η Α : Ο Τ Γ Η Γ : Σ Ψ Η Γ ::

Α Ψ Τ : λ γ Η Α Π Η Γ : Η Η Ψ Ψ Ψ Η : Β Λ Ε ::

10 Θ Γ Η Ψ : λ γ Η Α : Φ Ψ Ψ Η ::

Ο λ Η Γ : Π Ψ Ψ Ψ Η ::

Ε Ψ Ψ Μ Θ Ψ : Α Π Ρ : Α Ε Ζ Ρ : Η Θ Η ::

11 λ Γ Ψ : Α Η : λ γ Η Α : Π Η Λ : Α Ψ Ρ : Α Φ Ω Η Ρ ::

Ο λ Ψ Π Η : Α Η Θ Η : Α Β Λ Α Φ ::

12 λ Η Σ : Β Λ Ρ Ψ : Θ Η Ζ Ψ Η : Α Θ Λ Ρ ::

Ο Α Ρ Ψ Ψ Η : Α Σ Φ Η Ρ : λ Ψ Ψ Λ Δ : Α Ψ Ψ Ψ ::

13 Α Φ Ω Η Ρ : Β Θ Ψ Ψ Ψ : Ψ Ψ : Α Θ Λ Ρ ::

Ο Θ Ψ Ψ Ψ : λ Η Ψ Ψ : Ψ Ψ Ψ Ψ : Α Σ Φ Η Ρ ::

Ο λ Ζ Ψ Ψ Η : Ψ Ψ Ψ Ψ Ψ ::

14 Ο Α Ψ Ψ Ψ : λ γ Η Α : Σ Θ Η : Ο Σ Η Τ Ψ Ψ Δ ::

Γ Η Φ : Σ Ψ Ψ : Ο Π Η Ψ : Ψ Ψ Ψ Ψ Ψ : Ο Ψ Ψ Ψ ::

15 Σ Χ Γ : Α Θ Λ Ρ : Ο Τ Ψ Ψ Δ Ψ ::

Ψ Ψ : Ψ Ψ Λ : Α Γ Η Γ Η ::

Ο Α Ρ Ψ Ψ : Α Θ Δ Ε : Α Σ Ψ Ψ Ψ ::

16 Γ Η Γ : Θ Η Λ Ψ : Ψ Ψ Ψ Ψ Ψ : Α Ψ Ψ Ψ ::

Ο Ε Γ Α Ρ : Χ Α λ Ψ Ψ Ψ : Ο Ε Ψ Ψ Ψ Ψ ::

Η Σ : Α Ψ Τ : λ γ Η Α : Ζ Ψ λ Ψ Ψ : Ο Α Η Τ Λ Ψ Η Ψ Ψ ::

κὴ θηοὺ εἰς ὄλου τὰ λικθίματα αὐτῶ·

Προσευχὴ τῷ λαβίλ·

πέ·

κ Λίην κύριε ᾧ ὅς σε κὴ ἐπάκουσόν μου·
ὅτι πλωχὸς κὴ πένθος εἰμι ἐγώ·

φύλαξίμ τὴν ψυχὴν μου, ὅτι ὁσίοις εἰμι·
σῶσόν μου ὁ θεὸς μου, τὸν ἐλπίζοντα ἐπὶ σέ·
Ἐλέησον με κύριε, ὅτι πρὸς σέ κεκράξαμαι ὅλην τὴν ἡμέραν
ἐνφρανὸν τὴν ψυχὴν τῷ λαβίλ σου·
ὅτι πρὸς σέ ἤρα τὴν ψυχὴν μου·

Ὅτι σὺ κύριε κησὸς κὴ ἐπιφιλίας·
κὴ πολυέλεος πᾶσι κὴς ἐπικαλεσμένοις σε·

Εἰώτισαι κύριε τὴν προσευχὴν μου·
κὴ πρόσχεσ τῆ φωνῆ τῆς λεησεως μου·
Ἐν ἡμέρα θλίψεως μου ἐκεκράξα πρὸς σέ ὅτι ἐπικησασ μου
Ὅνκ ἐσὶν ὁμοίος σοι ἐν θεοῖς κύριε·
καὶ ὄνκ ἐσὶ κατὰ τὰ ἔργα σου·

Πάντα τὰ ἔθνη ὅσα ἐποίησας ἤξασ·
καὶ προσκυνήσουσιν ἐνώπιόν σου κύριε·

καὶ λαβασσὶ τὸ ὄνομά σου·
ὅτι μέγας εἶ σὺ καὶ πωρῶν θανμάσια·
σὺ εἶ ὁ θεὸς μόνος·

Ὁλήνησον με κύριε ἐν τῇ ὀλιῶ σου·
καὶ πορεύσουμαι ἐν τῇ ἀληθείᾳ σου·
ἐνφρανθῆτων καρδίᾳ μου τὸ φοβεῖσθαι τὸ ὄνομά σου·
Ἐξομολογήσουμαι σοι κύριε ὁ θεὸς μου ἐν ὀλη καρδίᾳ μου·
κὴ λαβασσὶ τὸ ὄνομά σου εἰς τὸν αἰῶνα·

Ὅτι τὸ ἔλεός σου μέγα ἐστὶ ἐμέ·
καὶ ἐξένσω τὴν ψυχὴν μου ἐξ ἄλου κατωτάτου·

Ὁ θεὸς παρᾶνομοι ἐπανήσαναμ ἐστὶ ἐμέ·
κὴ σφαναγωγὴ κρεταίωμ ἐζηήσαν ἡμ ψυχὴν μου
καὶ σὺ πρεβεν τὸ σε ἐρωπιῶν αὐτῶν·

καὶ σὺ κύριε ὁ θεὸς μου οἰκτίρωμ καὶ ἐλεήσωμ·
μακροθυμὸς κὴ πολυέλεος κὴ ἀληθίνος·

Ἐπίβλεψον ἐστὶ ἐμέ κὴ ἐλέησον με·
ὁσ τὸ κρᾶός σου τῷ παιλί σου·

καὶ σῶσον τὸν υἱὸν τῆς παιλίσκε σου·
Ἐοῖνον με τὸ ἐμὸν σμηθῶν εἰς ἀγαθῶν·

καὶ ἰλέτωσαμ οἱ μίσουνης με· κὴ αἰσχυνηθῶσαμ·
Ὅτι σὺ κύριε ἐβοήθησας μοι, κὴ παρεκάλεσας με·

19

וְשֵׁם לְרַךְ פְּעַמַּי
תְּפִלָּה לְדָוִד

שָׁה יְהוָה אֲנֹכְ עִנְיִי
כִּי עִנְיִי וְאֲבִיוֹן אֲנִי

שְׁמַר נַפְשִׁי כִּי תַסִּיד אֲנִי
דוֹשַׁע עַבְדְּךָ אֵתָה אֱלֹהֵי הַבּוֹטֵחַ אֵלֶיךָ

תַּנְנִי יְיָ כִּי אֵלֶיךָ אֶקְרָא כָּל הַיּוֹם
שְׁמַח נַפְשִׁי עִבְדְּךָ

כִּי אֵלֶיךָ אֲרִנִּי נַפְשִׁי אֲשָׂא
כִּי אֵתָה אֲרִנִּי טוֹבוֹתֶיךָ

דַּבַּר תַּסִּיד לְכָל קְרֹאֲךָ
דַּאֲוִיד בֶּן תְּפִלָּתִי

וְבִקְשִׁיבָה בְקוֹל מַחְנוֹנוֹתִי
כִּיּוֹם צָרָתִי אֶקְרָאָךָ כִּי תַעֲנֵנִי

אֵין כְּמוֹךָ בְּאֱלֹהִים אֲרִנִּי
וְאֵין כְּמַעֲשֶׂיךָ

כָּל גּוֹיִם אֲשֶׁר עָשִׂיתָ יְבוֹאוּ
וְיִשְׁתַּחֲוּוּ לְפָנֶיךָ אֲרִנִּי

וְיִכְבְּדוּ לְשִׁמְךָ
כִּי גָדוֹל אֵתָה וְעָשָׂה נִפְלְאוֹת

אֵתָה אֱלֹהִים לְבַדְּךָ
שׁוֹרְנִי יְיָ הַרְבֵּה

אֵתָה בְּאַמְתְּךָ
יַחַד לְבָבִי לְרֹאֵה שִׁמְךָ

אֲנֹכְ יְיָ אֱלֹהֵי כָּל לְבָבִי
דַּאֲכַפְדָּה שִׁמְךָ לְעוֹלָם

כִּי תַסִּיד גְּדוֹל עָלַי
וְהַצַּלְתָּ נַפְשִׁי מִשְׂאוֹל תַּחַתֶּיךָ

אֵל דִּים יוֹדִים קָמוּ עָלַי
וְעַתָּה עֲרִיצִים בְּקִשׁוֹ נַפְשִׁי

וְלֹא שְׂמוֹךְ לְגַגִּים
אֵתָה אֲרִנִּי אֵל רַחוּם וְחַנּוּן

אֲרַךְ אַפְסִים וְרַב תַּסִּיד וְאַמֶּת
פְּנָה אֵלַי וְתַנְנִי

וְהִנֵּה עֵינֶי לְעַבְדְּךָ
וְהוֹשִׁיעָה לְכֵן אֲמַתְךָ

עָשָׂה עִמִּי אוֹת לְטוֹבָה
וְרִאֵנוּ שׁוֹנְאֵי וְיָבִישׁוּ

19

כִּי אֵתָה יְיָ עֲזָרְתָנִי וְנִחַמְתָּנִי

Vndamenta eius in montibus sanctis :
E diligit dominus portas sion :

— super omnia tabernacula Jacob.

Gloriosa dicta sunt de te: ciuitas dei.

Memor ero raab & babylonis scientibus me.

• Ecce alienigenæ & tyr⁹ & populus ethyopiū:
hi fuerunt illi.

Nunquid sion dicet homo

& homo natus est in ea :

& ipse fundauit eam altissimus.

Dominus narrabit in scripturis populorum:

& principum horum qui fuerunt in ea.

Sicut letantium omnium: habitatio est in te.

Canticū Psalmi filijs Choræ in finem p Amas
lech ad respōdēdū intellectū Heman Israhelitæ.

d Omine de⁹ salutis meæ: LXXXVII.

in die clamaui & nocte coram te.

Intret in conspectu tuo oratio mea:

inclina aurem tuam ad prece[m] meam.

Quia repleta est malis anima mea:

& uita mea in inferno appropinquauit.

Estimatus sum cū descendētib[us] in lacum:

factus sum sicut homo sine adiutorio:

inter mortuos liber.

Sicut vulnerati dormientes in sepulchris:

quorum non es memor amplius:

& ipsi de manu tua repulsi sunt.

Posuerunt me in lacu inferiori:

in tenebrosis & in umbra mortis.

Super me confirmatus est furor tuus:

& omnes fluctus tuos induxisti super me.

Longe fecisti notos meos a me:

posuerunt me abhominacionem sibi.

Traditus sum & non egrediebar :

oculi mei languerunt p[ro] inopia:

Clamauit ad te domine :

rota die expandi ad te manus meas.

Nunquid mortuis facies mirabilis:

H R Q P: Q L: S H S C: Q V L T:

1 T P L S H L T T V: O H T: A P Q C: Q R Q Z:

P N R C Z: A Q H A T H C: A A S Q R: K P Z:

A Q H A: T V L Z U: A P Q T P:

2 S H C: S T C: N A Z T A H: U T Z: A Q H A T H C:

3 A H H C Z: A Z V T: O A Q N A Z: A A: P A Q C Z:

4 O S U: A A Q A: O M C H: O H H N: A T P Q P:

A A: T O A E: N U P:

5 A Q S: K P Z: E N A: H T A:

O T A A: T O A E: N O H T E:

O O A T: A V A: U I Z C:

6 A Q H A T H C: E S Q C S: A H H H: N O S R H C:

O A S O A A T U Z: A A: T O A E: N O H T E:

7 H S: Q W A H Z: H A S: A A: E S T C: O H T T H:

Q V L T: S H S C: H R Q P: Q L: Q X Q: H A S: O K

A: H N A A Q C: A Q Z: A H C Q A Q:

1 T P L A Q H A T H C: A Q O H: S R Q Z T P:

O A T P: X C Q H: Q T H: O A A T P Z: Q R Q H:

2 A T Q A: X A T P: Q R Q H:

A K Q A: A H S H: Q N: H A T P:

3 A H S: X Q N T: S Q A P: H H S:

O A Q X Q T: A Q T: H E O T P:

4 O T T A Q: O H A: A A: E O C E: O H T: V P Q T:

O H Z H: H S: T A A: H A Q N: Z R H:

Q V H: O H T: O O T Z:

5 H S: Q T A Q: O Q E C Z: A A: E H H H: O H T: S

A A: A H H C H S: A Q S C:

U Q H C:

A H S: A S Z T V: C H Q: A Q A E H:

6 O A Z N C Z: O H T: V H Q T: T H T:

O H T: K A S Q T: O K A A T: Q T:

7 A O A P: X Z V: S V T H:

O H A: S Q W Q T H: A Q X A H: A O A P:

8 A C H Q: A Q Z P: A A: P A Q C Z:

O Z H E H Z: C H H: N Q N U S:

9 A Q H Z: A A T P: S V A:

A O E Z T P Z: R H H: N T Q S H:

10 O X C Q H: Q N H: A Q H A:

H A: A A Z: A S A A: A R Q P: Q N H:

11 A A: A Q O T Z: T T C: S Z H Z H:

Τοῖς υἱοῖς Κορέ ψαλμὸς ὡδὴς. 25.

Ἰθὲ μὲ λιλίαν τῶν ἁγίων.

ἀγαπῶ κύριος τὰς πύλας οἴων.

ὑπὲρ πάντα τὰ σκηνώματα ἰακώβ.

Δεδοξασμένα ἐλάλησθαι περὶ σοῦ, ἡ πόλις τῶ θεοῦ.

Μνησθῆσομαι ἐλάβη καὶ βιβν λῶνος, ἥτις γινώσκουσί με.

Καὶ ἰλου ὀλλάρυλοι καὶ ἴνδες καὶ λαὸς ἰωρ ἀιθίωσων.

ἔντοι ἐγενήθησαν ἐκεῖ.

Μήτηρ οἴων ἐρεῖ ἄνθρωπος.

καὶ ἄνθρωπος ἐγενήθη ἐν αὐτῇ.

καὶ αὐτὸς ἐθεμελίωσεν αὐτὴν ὡς οὐρανόσφαιρα.

Κύριος διηγέσεται ἐν γροσφῇ λαῶν.

καὶ ἀρχόντων τῶν ἰωρ τῶν γεγεννημένων ἐν αὐτῇ.

ὡς ἐνφρασινομένων πάντων, ἡ κατοικία ἐν σοί.

Ὡδὴ ψαλμὸς τῶν υἱῶν Κορέ. εἰς τὸ γέλοσ ὑπὲρ μαελεθ ἰδ.

ἀποκριθῆναι, συνέσεως αἰθῶν ἰωρ ἰσραηλῆν. 26.

Υἱε ὀδῶν τῆς σωτηρίας μου,

ἡμέρας ἐκέκρεξα καὶ ἐν νυκτὶ ἐναρτίων σα.

Εἰσελθε τῶ εἰωπιῶν σου ἡ πόλις σου.

κλιῶν τῶ σα, εἰς τὴν δέξιν μου.

Ὅτι ἐπλῆσθη κακῶν ἡ ψυχή μου.

καὶ ἡ ζωὴ μου τῶ ἀλμῆ ἠγγίσει.

Προσελογίσθη μετὰ τῶ καθαροῦ ἰωρ εἰς λάκκον.

Ἐγενήθη ὡσεί ἄνθρωπος ἀβουδῆτος.

ἐν νεκροῖς ἐλεύθερος.

Ὡσει ἰσραηλῆται καθέδοντες ἐν ἰσφῶ,

ὡν οὐκ ἐμνήσθης ἔτι.

καὶ ἀντιέκ τῆς χειρὸς σου ἀπῶσθης σα.

Ἐθεντό με ἐν λάκκῳ κατωτάτῳ.

ἐν σκοτεινοῖς καὶ ἐν σκιά θανάτου.

Ἐπῶ μὲ ἐπῶσθῆναι ὀδῶν σου.

καὶ πάντας τοὺς μετεωρισμούς σου ἐπήγαγες ἐπῶ μὲ.

Ἐμάκρυνας τοὺς ἰσφῶς μου ἀπῶ μόν.

ἐθενθόμε βλεβλυγμα ἀντις.

Παρεδῶσθαι καὶ οὐκ ἐξεπορεύμην.

εἰ ὀφθαλμοί μου ἠσδῆνθον, ὡς ὀπωχείας.

Ἐκέκρεξα πόδες ὡς κύριε.

ὄλην τὴν ἡμέραν λιπέθη ὀα πρὸς ὡς τὰς χεῖράς μου.

Μη τῶν νεκροῖς ποιήσεις θαυμάσια.

לְבָנֵי קִרְחָה מְזִמֹּר שִׁיר

סודות בהררי קדש

אהב וי שיער ציון

מבדל משגנות יעקב

בכבודות מדבר פך עיר האלדים סלה

אזכיר רחב וכל ליוערי

הנה פלשת וצור עם פוש

זה ילד שם

ולציון ואמר איש

ואיש ילד פה

והוא כוננה עליון

יהוד יספר בכתוב עמים

זה ילד שם סלה וישרים

כחל לים כל מעני פך

פ

שיר מזמור לבני קרחה למנצח על-מ

פחלת לענות משכיל להימן האזרחי

הוד אל די וישועתי

יום צעקתי בלילה נהנה

תבא לפניך תפילתי

השח אונק לרפת

כיי שבעה ברעות נפשי

וחיי לשאל הגיעו

גחשכתי עם יודתי כור

הייתי כבדר אין איל

במתים חפשי

כמו חללים שכבי קבר

אשר לא זכרתם עוד

והמה מידך נהירו

שתני בבורת תחתיות

במת שפים כצלות

עלי ססה חמתך

וכל משבריו עמית סלה

חרתקת מידעי ממני

שתני תועבות למו

כל א ולא אצא

עני דאכה מני עני

קראתיך יהוד

בכל יום שחתתי אליך כפתי

תלמתים תעשה פלא

orbem terre & plenitudinem eius tu fundasti:
aquilonem & mare tu creasti.
Thabor & hermon in nomine tuo exultabunt:

tuum brachium cum potentia.
Firmetur man⁹ tua & exaltetur dextera tua:
iusticia & iudicium preparatio sedis tue.
Misericordia & ueritas præcedent faciem tuam:
beatus populus qui scit iubilationem.
Domine in lumine vultus tui ambulabunt:
& in nomine tuo exultabunt tota die:
& in iusticia tua exaltabuntur.

Quoniam gloria uirtutis eorum tu es:
& in bñplacito tuo exaltabitur cornu nostrum.

Quia domini est assumptio nostra:
& sancti Israel regis nostri.

Tunc locut⁹ es in uisione sanctis tuis:
& dixisti posui adiutorium in potente.
& exaltaui electum de plebe mea.

Inueni dauid seruum meum:
oleo sancto meo unxi eum.

Manus enim mea auxiliabitur ei:
& brachium meum confirmabit eum.

Nihil proficiet inimicus in eo:
& filii iniquitatis non apponet nocere ei.

Et concidam a facie ipsius inimicos eius:
& odientes eum in fugam conuertam.

Et ueritas mea & misericordia mea cum ipso:
& in nomine meo exaltabit cornu eius.

Et ponam in mari manus eius:
& in fluminibus dexteram eius.

Ipsè inuocauit me pater meus es tu:
deus meus & susceptor salutis meę,
Et ego primogenitum ponam illum:
excelsum præ regibus terre.

In æternum seruabo illi misericordiam meam:
testamentum meum fidele ipsi.

Et ponam in sæculum sæculi semen eius:
& thronum eius sicut dies cæli.

ΘΑΥΛΑΦΞ:ΠΘΔΑ:ΑΖΤ:ΑΖΛΗ::
ΑΗΓ:ΘΣΗΑ:ΑΖΤ:ΑΜΓΑ::

13 ΑΡΓ:ΘΑΓΑΖΞ:ΠΘΣ:ΗΑΗ:ΕΤΒΛΛΗ::
ΘΕΒ-ΠΗ:ΑΗΘΗ::

ΣΗΖΟΤΗ:ΘΗΑ:ΣΕΔ::

14 ΧΖΥΤ:ΛΕΗ:ΘΤΑΥΛΑΤ:ΡΑΖΗ::
ΑΤΗ:ΘΕΤΘ:ΤΡΑ:ΣΖΠΓΗ::

15 ΥΙΥΑ:ΘΚΡΦ:ΡΗΘΕ:ΦΡΣ:ΓΡΗ::
ΑΘΘ:ΑΗΠ:ΗΡΑΦΕ:ΡΑΡ::

16 ΛΓΗΑ:ΠΑΓΥΣ:ΓΑΗ:ΡΗΘΖ::
ΘΠΗΘΗ:ΕΤΒΛΛΗ:ΗΡΑ:ΑΑΖ::
ΘΠΚΡΦΗ:ΕΤΑΥΛΑ::

17 ΛΗΣ:ΘΗΑ:ΣΕΑΡ:ΑΖΤ::
ΘΠΥΥΔΗ:ΕΤΑΥΛΑ:ΦΕΖΣ::

18 ΛΗΣ:ΛΓΗΑ-ΠΗΓ:ΖΡΒΤΣ::
ΘΑΦΕΗ:ΛΗΖΒΑ:ΖΤΛΣ::

19 ΘΘΛΤ:ΑΑΖ:ΤΣΓΓΗΣ:ΠΖΛΕ:ΑΡΦΦΗ::
ΘΤΒ:ΛΛΑ:ΖΡΒΤ:ΠΑΘΑ:ΣΕΔ::
ΘΥΔΥΔΗ:ΑΖΡ:ΛΑΗΗΠΡ::

20 ΘΖΗΠΗΘ:ΑΡΡΤ:ΓΠΡ::
ΘΦΑΘΗΘ:ΦΠΑ:ΦΕΗ::

21 ΛΗΣ:ΛΡ:ΤΖΡΑ::
ΘΣΗΖΟΤΡ:ΤΧΖΠ::

22 ΘΑΡΠΦΘ:ΧΑΑ:ΠΑΘΑΥ::
ΘΑΡ:ΥΣΘ:ΑΡΡΓΦ:ΑΗΘΦΤ::

23 ΘΛΣΤΕΣ:ΑΘΖ:ΛΦΦΡΣ:ΓΡ::
ΘΑΖΗΕΣ:ΑΧΑΑΤ::

24 ΘΥΥΔΡΗ:ΘΚΡΦΡ:ΦΗΛΥ::
ΘΠΗΘΡ:ΕΤΑΥΛΑ:ΦΕΒ::

25 ΘΛΩΕΦ:ΘΗΤ:ΑΗΓ:ΛΕΥ::
ΘΘΗΤ:ΑΦΑΓ:ΡΑΒ::

26 ΘΘΛΤ:ΕΠΑΖ:ΑΡΡ:ΑΖΤ::
ΑΦΑΗΡ:ΘΖΑΡ:ΘΣΡΑΖΡ::

27 ΘΑΣΥ:ΠΗΡΑΡ:ΛΛΗΡ::
ΘΑΥΑ:ΛΦΣΓΛΥΤ:ΦΡΕ::

28 ΘΑΥΛΑΦ:ΑΥΦΠ:ΑΡΤ:ΥΥΔΡ::
ΘΣΛΣΖ:ΘΛΤ:ΑΗΡΖΡ::

29 ΘΛΛΑ:ΗΓΑ:ΑΥΛΑ:ΥΛΑΦ::
ΘΣΖΠΕΥ:ΗΣ:ΣΡΑΥΑ:ΑΑΡ::

ἡμῶν οὐκ ὀνομαζέμεθα καὶ ἡ πληρωμὴ αὐτῆς ὃν ἐθέμεν λέωσας.
τὴν βουραν καὶ τὴν θαλάσσαν ὃν ἐκτίσας
ὁ αἰὼν καὶ ἡ ἐρημία ἐν τῷ ὀνόματί σου ἁγία ἀλλήλων ἡμῶν.

ὁὖς ὁ βροχίωμ μετὰ λυνάσειας.
Κεῖται ὡθιτῶν ἡ χεὶρ σου, ἡ ψωθιτῶν ἡ λεξιὰ σου.
Δικαιοσύνη καὶ κρίμα ἐτοιμασία τῷ θρόνον σου.
Ἐλεός καὶ ἀλήθεια προπορεύονται πρὸ προσώπου σου.
μακάριος ὁ λαός ὁ γινώσκων ἀλάλατ' ἐμὴ.
Κνεῖε ἐμὴ φωνῆ τῷ προσώπῳ σου παρεύονται.
καὶ ἐμ τῷ ὀνόματί σου, ἀγαλλιάσονται ὅλην τὴν ἡμέραν.
καὶ ἐμ τῇ δικαιοσύνῃ σου ἡ ψωθήσονται.
ὅτι κτύπημα τῆς λυνάμεως αὐτῶν ὃν εἶ.
καὶ ἐμ τῇ ἐνδοκίᾳ σου ἡ ψωθήσεται τὸ κέρας ἡμῶν.
Ὅτι τῷ κνεῖον ἡ ἀντίληψις.
καὶ τῷ ἁγίῳ ἰσραὴλ βροχίωσεν ἡμῶν.
Τότε ἐλάλησεν ἐμ ὁσά τῷ νύϊός σου.
καὶ εἶπας ἐσέμνη βουραῖα ἐπὶ λυνάσει.
ἡ ψωσά ἐκλεκτῶν ἐκ τῷ λαῷ μου.
Ἐνεῖον λαβὴν καὶ λαβὴν μου.
ἐμ ἐλαίῳ ἀγίῳ μου ἐχρῖσα αὐτοῦ.
Ἡ γὰρ χεὶρ μου συνανθιλήφεται αὐτῶ.
καὶ ὁ βροχίωμ μου κατισχύσει αὐτοῦ.
Ὅν κώφε λήσει ἐχθρὸς ἐμ αὐτῶ.
καὶ νύϊος ἀνομίας σου προσθήσει τῷ κακῶσιν αὐτοῦ.
καὶ συναγκύσει ἀπὸ προσώπου αὐτῷ τὸν ἐχθρὸν αὐτῶ.
καὶ τὸν μισούντας αὐτὸν θροπώσωμαι.
καὶ ἡ ἀλήθειά μου καὶ ὁ ἐλεός μου μετ' αὐτῶ.
καὶ ἐν τῷ ὀνόματί μου ἡ ψωθήσεται τὸ κέρας αὐτῶ.
καὶ θήσωμαι ἐμ θαλάσῃ χεῖρα αὐτῶ.
καὶ ἐμ ποταμοῖς λεξιάν αὐτῶ.
αὐτὸς ἐπικαλέσεται με κατὴρ μου εἶ ὄν.
θεός μου καὶ ἀνθιλήψωρ ἡ σωτηρίας μου.
καὶ γὰρ πρὸς τὸν λαόν μου θήσωμαι αὐτοῦ.
ἡ ψωλήμ παρὰ τῷ βροχίωσιν τῆς γῆς.
εἰς τὸν αἰῶνα φυλάξω αὐτῶ ὁ ἐλεός μου.
καὶ ἡ ἀληθία μου ζωισθῆ αὐτῶ.
καὶ θήσωμαι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἀλήθεια ὁ σπέρμα αὐτῶ.
καὶ τὸν θεόν μου αὐτῶ, ὡς λαὸς ἡμέρας τῷ ὕδατι.

הכל ומלאה אתה יסדתם
צפון וימין אתה בראתם
תבור וחרמון בשמך ירננו

לך ורוע עם גבורה
תעז ירך תרום ימנה
צרק ומשפט מכון כסאך
חסד ואמת יקדמו פניהך
אשרי העם ידעי חרועת
יהוד באור פניהך יהלכון
בשמך יהלון כל היום
ובצדקתך ירמו
כי תפארת עמו אתה
וברצונך תרים קרבנו
כי ליהוד מנגנו
ולקדוש ישראל מלבנו
אז הברת בחזון לחסידך
ותאמר שותי עור על גבור
חרמותי בחור מעם
מצאתי הוד עבדי
בשמך קדשי ששחתיו
אשר ידי תכון עמו
אף ורועי תאמצנו
לא ישא אויב בו
וכן עולה לא יעננו
וכתותי מפניו צרתי
ומשנאיו אגוף
ואמונתו וחסדי עמו
ובשמך תרום קרבנו
ושמתי בים ידו
ובנחרות ימינו
הוא יקראני אבי אתה
אלי תור ישועתי
אף אני בכור אתנה
עליון למלכי ארץ
לעולם אשמור לו חסדך
וכריתני באמת לו
ושמתי לעד ירעו
וכסאו בימי שמים

Si autē derelinquerint filij eius legem meam :
 & in iudicijs meis non ambulauerint :
 Si iusticias meas prophanauerint :
 & mandata mea non custodierint :
 Visitabo in uirga iniquitates eorum :
 & in uerberibus peccata eorum .
 Misericordiam autē meā non dispergā ab eo :
 neque nocebo in ueritate mea .
 Neque prophanabo testamentum meum :
 & quæ pcedunt de labijs meis nō faciā irrita :
 Semel iurauī in sancto meo :
 si Dauid mentiar :
 semen eius in aeternum manebit .
 Et thronus eius sicut sol in conspectu meo :
 & sicut luna perfecta in aeternum :
 & testis in caelo fidelis .
 Tu uero repulisti & despexisti :
 distulisti christum tuum .
 Auertisti testamentum serui tui :
 prophanasti in terra sanctuarium eius .
 Destruixisti omnes sepes eius :
 posuisti firmamentum eius formidinem :
 Diripuerunt eum omnes transeuntes uiam :
 factus est obprobrium uicinis suis .
 Exaltasti dexteram deprimentium eum :
 Iustificasti omnes inimicos eius .
 Auertisti adiutorium gladij eius :
 & non es auxiliarius ei in bello .
 Destruixisti eum ab emundatione :
 & sedem eius in terra collisisti .
 Minorasti dies temporis eius :
 perdidisti eum confusione .
 Usquequo domine auertis in finem :
 exardescit sicut ignis ira tua .
 Memorare quæ mea substantia :
 nūquid enim uane cōstituisi oēs filios hoīm .
 Quis est homo qui uiuet & nō uidebit mortē :
 eruet animam suam de manu inferi .
 Vbi sunt misericordiae tuæ antiquæ domine :

31 **Θ**λσθ:ϣϣϣ:ϣϣϣ:θϣϣ:
 Θλθζ:πθσζϣ:
 32 **Θ**λσϣ:λϣθθ:μϣϣϣϣ:
 Θλϣϣθ:ϣλθθθ:
 33 **λ**ϣϣϣ:ππϣϣ:λϣμλϣϣ:
 Θπσϣωϣϣ:λππλϣϣ:
 34 **Θ**ϣϣΔϣθ:λϣθλλ:λϣϣϣϣ:
 Θλϣϣθθ:πϣϣϣϣ:
 35 **Θ**λϣϣθ:θ:θϣϣϣ:
 Θλϣϣθ:θθθ:λϣϣϣϣ:
 36 **θ**θλ:σθθθ:πϣϣθ:
 θσ:λϣϣϣ:λϣθθθ:
 Θθϣθ:λϣλϣ:ϣϣθ:
 37 **Θ**σϣπϣϣ:θσ:θθλ:πϣϣϣϣ:
 Θμλθθ:θσ:θϣθ:λϣλϣϣ:
 Θθθϣϣ:σλσϣ:πθθλ:
 38 **Θ**λθθ:σϣϣθ:θϣϣθ:
 Θλθθθλθ:λσθθθ:
 39 **Θ**ϣϣθ:μϣϣθ:λϣπϣθ:
 Θλϣθθθ:θθθ:θϣϣ:σϣϣθ:
 40 **Θ**ϣωθθ:θθ:θϣϣ:
 Θλθθθ:λϣϣϣ:σϣϣϣ:
 41 **Θ**θθθθ:θθ:θλθ:ϣϣθ:
 θθθ:πλθθ:λϣθ:
 42 **Θ**λθθθθ:θϣθ:θλ:
 Θλθθθθθθ:θθ:θλθθ:
 43 **Θ**ϣϣθ:λϣθθ:θλϣθ:
 Θλθθθθθ:πθθθ:θπλ:
 44 **Θ**θθθθ:λϣϣθθ:
 θϣθθθ:θθθ:θϣϣ:σϣϣθ:
 45 **Θ**λθθθθ:σϣϣθ:σϣπθ:
 Θθθθ:θθθθ:ϣϣλθ:
 46 **λ**θθ:θλθθ:λθλθ:θσϣθ:λθθθ:
 θλϣϣθ:θσ:λθθ:σϣθθ:
 47 **θ**θθθ:θϣθ:θλθ:ϣϣθ:
 θθ:λθθθ:λμθθ:λθθ:λλθ:λσθθθ:
 48 **σ**θ:θθθ:θϣθθ:θλϣλθ:λθθ:
 Θσθ:θϣϣθ:λϣθθ:λϣλθ:λλθ:
 49 **λ**θθ:θλθ:θθθθ:ϣϣθθ:λθλθ:

Ἐὰν ἐγκάτ' ἀλίπωσ' οἱ υἱοὶ αὐτῶ τὴν γόμεν μὲ·
 καὶ τοῖς κριμασί μὲ μὴ πορε νθώσιν·
 Ἐὰν τὰ λικνωμάτ' αὐτῶ μὲ βεθλώσῃ·
 καὶ τὸς ἐγτολὰς μὲ μὴ φυλάξῃ·
 Ἐπιόκε' φομοὶ ἐν βῶθλῳ τὰς ἀνομίας αὐτῶν·
 καὶ ἐμ' μάξι τὰς ἀδικίας αὐτῶν·
 Τὸ δὲ ἔλεός μου, ἐν μὴ λισκεδάσῃ ἀπαντῶν·
 ἐν δ' οὐ μὴ ἀδικώσῃ τῆ ἀληθείᾳ μὲ·
 οὐδ' οὐ μὴ βεθλώσῃ τὴν λισθήκην μου·
 καὶ τὰ ἐκπορευόμενα διὰ τ' ἡλεῶν μὲ οὐ μὴ ἀβεθῆσῃ·
 Ἄπαξ ὡμοσα ἐμ' ἰσ' ἀγίῳ μὲ·
 εἰ τῷ λαβίβ φένσομαι·
 ἢ σῶσέμα αὐτῶ εἰς τὴν αἰῶνα μένῃ·
 Καὶ ὁ θεὸς αὐτῶ, ὡς ὁ ἥλιος ἐναντίον μὲ·
 καὶ ὡς ἡ σελήνη καθητισμένη εἰς τὴν αἰῶνα·
 καὶ ὁ μάρτυς ἐμ' ἰσ' ἰσ' ἰσ'·
 Σὺ δὲ ἀπώσῃ καὶ ἐξενδένωσῃ·
 αἰε' βάλου τὴν χεῖρ σου·
 Κατέβρεξας τὴν λισθήκην τῶ δούλου σου·
 ἐβεθλώσας εἰς τὴν γῆν τὴν ἀγίασμά αὐτῶ·
 Καὶ δέιλεις πάντας τοὺς φραγμῶν αὐτῶ·
 ἔσθ' τὰ ὄχνημάτ' αὐτῶ λειλίθῃ·
 Διήρπασεν αὐτὴν πάντες οἱ λισθέντες ὄδῃ·
 ἐγενήθη ὄδῃ ὡς γείτωρ αὐτῶ·
 Ὑψώσας τὴν λειλίθῃ τῶν θλιβόντων αὐτὴν·
 εὐφρανῶν πάντας τοὺς ἐχθροὺς αὐτῶ·
 Ἀπέβρεξας τὴν βεθλίαν τῆς ἰσοφαιίας αὐτῶ·
 καὶ ἔκ' ἀντελάβῃ αὐτῶ ἐμ' τῷ πολέμῳ·
 Κατέλυσας ἀπο καθαρῆς μὲ αὐτῶ·
 Ἦ θεῶν αὐτῶ εἰς τὴν γῆν κατέβρεξας·
 Ἐμίχεννας ἰσ' ἡμέρας τῶ χρόνῳ αὐτῶ·
 κατέχευας αὐτῶ αἰσχύνῃ·
 Ἐὼς ποτε κύριε ἀπέβρεξῃ εἰς τέλει·
 ἔκκανθῆσαι ὡς πῦρ ἡ ὄρη σου·
 Μηνόσθῃ μὲ ἡν ὡσάσῃ·
 μὴ γὰρ μάτεως ἐκλίσας πάντας τοὺς υἱοὺς τ' ἀνθρώπων·
 Τίς ἐσὶν ἀνθρώπος ὅς θῆσαι καὶ ἐκ' ἔλαι· θάνατον·
 εὐσεῖται τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἐκ χεῖρῶ ἀδῶν·
 Γοῦν εἰοὶ ἰσ' ἔλεῃ ὅς ἰσ' ἀρχαῖα κύριε·

אֲדַע יַעֲזֹבוּ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל
 וְכַמִּשְׁפָּטֵי לֹא יִלְכְּדוּ
 אֲדַע יַחֲלִי יְחִלְלוּ
 וּמִצְוֹתַי לֹא יִשְׁמְרוּ
 וּפְקֻדֹתַי בְּשֹׁכְבֵי פְשָׁעֵם
 וּבְנֹנְעֵי עֵינָם
 וְחֶסֶד לֹא אֶפְרֵר מֵעַל
 וְלֹא אֶשְׁקֵר בְּאֵמֹנֹתַי
 לֹא אֶחַלֵּל בְּרִיתִי
 וּמִצְוֹתַי שֹׁכְבֵי לֹא אֶשְׁפָּה
 אֲחַת נֶפֶשׁ יַעֲזֹבוּ בְּקֻדְשִׁי
 אֲדַע לְהַרְדּוֹת אֲכֹב
 וְרַעַל לְעוֹלָם יִהְיֶה
 וְכִסְאוֹ בְּשָׁמַיִם נִקְרָא
 בְּרַחֵם יִכּוֹן עוֹלָם
 וְעַד בְּשֹׁחַר בְּאֵסֵן סֵלָה
 וְאַתְּהוֹנֵחַת וְתַמְסֵק
 הַתַּעֲבָרֵת עִם מִשְׁחָק
 בְּאַתְּהוֹנֵחַת בְּרִית עֲבֹדָה
 חֲלִילָת לְאַרְץ נֹחַר
 בְּרַצַּת כָּל אֲדָרְתֵינוּ
 שִׁמְתָה מִכְצִינֵינוּ סוֹחֵתָה
 שִׁחַתָה כָּל עֲבָרֵינוּ בְּרַךְ
 הִיא חֲרֻפָּה לְשֹׁכְבֵינוּ
 בְּרִימֵת יִסִּין אֲרֵינוּ
 הַשְׁמַחַת כָּל אֲוִיבֵינוּ
 אֶף הַתְּשִׁיב צוֹר חֲרָבוֹ
 וְלֹא תִקְרַמְתוּ בְּמַלְחָמָה
 הַשְׁבֵּת מִשְׁחָח
 וְכִסְאוֹ לְאַרְץ מִגְרָתָה
 הַקְּרַת יִמֵי עוֹלָם
 חֲעֵזֵת עַל יוֹבוֹשֵׁת סֵלָה
 עַד מָה יִשְׁתַּחֲתֵר לְנֶצַח
 וְתִכְעַר כְּמוֹ אִשׁ חֲמָתָה
 יִכְרֵ אֲנִי מָה
 חֲלֵד עַל מַה שֶׁוּא בְּרִאת כָּל בְּנֵי אָדָם
 מִיִּגְדָר יִחִיהֵ וְלֹא יִרְאֶה מוֹת
 יִסְלַט בְּפִשׁוֹ מִיִּד שְׁאוֹל סֵלָה
 אִיֵּה חֲסִידֶיךָ הַרְאֵשׁנִים אֲדָנִי

sicut irasti David in ueritate tuai
 Memor esto domine obprobrij seruoꝝ tuoꝝ:
 quod cōtinui in sinu meo multarū gentium.
 Quod exprobrauerunt inimici tui dñe:
 quod exprobrauerūt cōmurationē christi tui.
 Benedictus dominus in æternum: fiat fiat.
 Oratio Moisi hominis dei. LXXXIX.
 Omīe refugiu faci⁹ es nobis a gñatiōe
 Priusq̃ montes fierent (in gñationē,
 aut formaretur terra & orbis:
 a seculo & usque in seculum tu es deus.
 Ne auertas hominem in humilitatem:
 & dixisti conuertimini filij hominum.
 Quoniā mille anni
 ante oculos tuos: tanq̃ dies hesternæ que preter
 Et custodia in nocte: (ij.
 quæ pro nihilo habentur eorum anni erunt.
 Mane sicut herba transeat:
 mane floreat & transeat:
 uespere decidat induret & areseat.
 Quia defecimus in ira tua:
 & in furore tuo turbati sumus.
 Posuisti iniquitates nostras in conspectu tuo:
 sæculum nostrū in illuminatione vultus tui.
 Quoniā omnes dies nostri defecerunt:
 & in ira tua defecimus.
 Anni nostri sicut aranea meditabuntur:
 dies annoꝝ nostroꝝ in ipsis septuaginta anni.
 Si autem in potentatibus octoginta anni:
 & amplius eorum labor & dolor.
 Quā superuenit māuetudo: & corripiemur.
 Quis nouit potestatem iræ tuæ:
 & præ timore tuo iram tuam dinumerare.
 Dexteram tuam sic notam fac:
 & eruditos corde in sapientia.
 Conuertere domine usq; quo:
 & deprecabilis esto super seruos tuos.
 Repleti sumus mane misericordia tua:
 exultauim⁹ & delectati sum⁹ i oib⁹ dieb⁹ nris.

Hos hō dñ: A P P P: 7 P C h: n P P P:
 50 + H h C: λ 7 H A: H X A Δ Θ σ: A λ 7 n C: t h:
 H t o h f n: n h o z p: n h z: A h h n:
 51 H O A A: X O λ t h: λ 7 H A:
 O θ A A: λ n z t: σ h h h:
 52 E t o z h: λ 7 H A: n h C: A V A Q: A E n z: A E
 X A t: H σ h: H n λ h: λ 7 H A: n h C:
 i Π θ λ 7 A: X O z: h z h z: A t o o r: t o o r:
 2 H λ z n A: E Q Q: λ E n C: O E z h C: V A Q: O
 P P C:
 λ Q z E σ: V A Q: O λ h h: A V A Q: A z t: n σ:
 3 A t o o: A h n λ: A z h C:
 O t n: t o P n: z z z: λ n A: λ σ h P o:
 4 λ h σ: V A Q: t: o λ t: V i σ t:
 n z E z h: h σ: o A t: λ z t: t o o o: z o h z:
 5 O h V t: A A t:
 o z z: V i σ t t: n z E z V σ:
 6 n X o h: h σ: V i o C: P z o A f:
 n X o h: E W C o: o P z o A f:
 o h C h h: E o P z: P n h: o A z z o:
 7 λ h σ: z o A z: n σ V t h:
 o P z z o z: n σ z W f t h:
 8 o V i o h: z o A t z: z E z h:
 o V i o z z: o h t: n C z z: z K h:
 9 λ h σ: z o A z: h A z: o P o A z:
 o z o A z: n σ z W f t h:
 10 o V i o z z: h σ: V i z t: E h o z:
 o o P o A: V i σ t z: h n λ: h z o t:
 11 o λ o h: n h z: h o z p: V i o:
 o h E z z z: λ o h o: X o: o h o o:
 12 λ h σ: z o A z: P P y t: λ o z z: o t z W z z:
 13 o z: P A o C: z E A: o z W f t h:
 o λ o z C o: o V t h: z o z z:
 14 h σ h: A C A: P o z h:
 A o U z z: A n: n o n n:
 15 t o P o: λ 7 H A: λ h h: o λ h z:
 o t z n n: n λ z t: A 7 n C: t h:
 16 λ h σ: X 7 n z: n X o h: o h z t h:
 o t h V i h z: o t h W z z: n h A: o P o A z:

[Marginal notes in a smaller script, likely a different translation or commentary on the main text.]

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a different dialect or a commentary, running vertically down the left side of the page.

αὐμοσθε ἰὼ λὰ βίλ ἐρ τῆ ἀλῆσει ἄσ·
 Μνησθετι κύνειε τῶ ἐνειλιμοσ ἰὼμ λὰ λαμσ·
 ἔνπιχομ ἐμ ἰὼ κόλπω μσ πολλῶμ ἐθιῶμ·
 Οὐὼιείλισομ οἱ ἐχσεῖσ ἄσ κύνειε·
 Οὐὼιείλισομ τὸ ἀντάλλαγμα τῶ χρεῖσ σου·
 Ἐνλογητὸσ κύνειοσ εἰσ τῆ αἰῶνα γένειτο γένειο·
 Πρεσενχη Μῶυσεῖ ἀνθεῶπω τῶ Σεῶν· π.δ
 Ἰρεε καταφυγη ἠεγενήσῃ κῆμτῆ ἐμ γειεῖα κῆ γειεῖα
 * Γεῶ τὸν ὄση γεννησῆσαι καὶ παλασθῆσαι ἡμ γῆμ κῆ
 τῆμ οἰκουμένημ·
 καὶ ἀπο τὸν αἰῶνεσ κῆ ἕωσ τὸν αἰῶνεσ οὐ εἶ·
 Μῆ ἀποσεῖ φκσ ἀνθεῶπωμ εἰσ ἰαπεῖνωσμ·
 κῆ εἶπασ ἐπισεῖ φατε οἱ νιοῖ τ' αἰδρωῶμ·
 Ὅθι χίλια εἶτη
 ἐμ ὄφθαλμοῖσ σου κύνειε ὡσεῖ ἡμέρα ἠεχσεῖσ ἡτισ ἀμλ·σε
 καὶ φυλακῆ ἐμ νυκτί·
 Τὰ ἐξσ δεινώμαθα ἀντῶμ εἶτι ἔσονται·
 Ἰὸ παρῶ ὡσεῖ χλῆν παρῶ λθοι·
 τὸ παρῶ ἀνθῆσαι κῆ παρῶ λθοι·
 τὸ σπέρεσ ἀποπέρεσ σικληνεν·σεῖ ἡ κῆ ξησῆσθῆ·
 Ὅτι ἐξελίπομ ἐμ τῆ ὄρη σου·
 καὶ ἐμ τῶ θυμῶ σου ἐταραχθῆμ·
 Ἐσε τὰσ ἀνομίας ἡμῶμ ἐνατίωμ σου·
 εἰσῶμ ἡμῶμ εἰσ φωτισμομ τὸν προῶπον σου·
 Ὅτι πῶσαι αἱ ἡμέραι ἡμῶμ ἐξελίπομ·
 κῆ ἐμ ἡ ὄρη σου ἐξελίπομ·
 Τὰ ἐτήμῶμ ὡσεῖ ἀρσχη ἐμ ἐλέταμ·
 αἱ ἡμέραι τῶμ ἐτῶμ ἡμῶμ ἐμ ἀντῶσ ἐβλομηκοῖσ εἶτη·
 Ἐσρ δὲ ἐμ δυνασείσῃσ ὀγδονκοντα εἶτη·
 κῆ ἰὸ παλῆμ ἀνθῶμ κόποσ κῆ ποίεσ·
 Ὅθι ἐπῆλθε προῶνεσ ἐφῆμῶσ κῆ παλιενθῆμῶμ εῖθα·
 Τις γινώσκῃ τὸ κρῶτεσ ἡσ ὀρησ σου·
 κῆ ἄπο ἰὸ φέβον σου τῆ θυμῶ σου ἐξαριθμῆσασθῆ·
 τὸν δεξιῶμ σου ὄρωσ γινώσῃμ μαι·
 κῆ τῶσ πεπαιδμηῖνοσ τῆ καρδίῃ ἐμ σοφία·
 Ἐπίσε φεμ κύνειε ἕωσ ποῶτε·
 κῆ παρῶ κληθῆσῇ ἐπὶ τῶσ δαλῶσ σου·
 Ἐνεπλήσθῃμ τὸ παρῶ ἰὸν ἐλέεσ σου κύνειε·
 κῆ ἡγαλιασάμῃεθα κῆ ἐνφραῖθῃμ ἐμ πῶσαισ ἰαῖσ
(ἡμέρασ ἡμῶμ·

וְשָׁבַע לְדָוִד בְּאֹמְנֹתָהּ
 וְזָכַר אֲדָנִי חַרְפַּת עַבְדֶּיךָ
 שְׁאֵת בַּחֲקֵי כָּל רַבִּים עַמִּים
 אֲשֶׁר הִרְפוּ אֹיְבֶיךָ יְיָ
 אֲשֶׁר חָרְפוּ עַקְבוֹת מִשִּׁיחֶךָ
 בְּרוּךְ יְיָ לְעוֹלָם אָמֵן וְאָמֵן
 תְּפִלָּה לְמִשְׁה אִישׁ הָאֲלֹדִים
 דְּבִי מַעֲוֹן אֲמַתְּ הַיִּיתָ לָנוּ בְּדַר וְדוּר
 בְּסִרְיָהּ וְיָחִיד וְיָחִיד
 וְתַחֲלִיל אֲרָץ וְתַחֲלִיל
 וְמַעֲוֹלָם וְעַד עוֹלָם אֲמַתְּ אֱלֹהִים
 תִּשָּׁב אֲנוּשׁ עַד הַכֹּא
 וְתֹאמַר שׁוּבוּ בְנֵי אָדָם
 כִּי אֶלֶף שָׁנִים
 בְּעֵינֶיךָ כְּיוֹם אֲתִמּוּל כִּי יַעֲבֹר
 וְאֲשֶׁר־הָיָה בְּלֵילָה
 וְרַמְתֶּם שִׁנָּה יְהוָה
 בְּבִקְרַתְּ כַחֲצִיר יַחֲלֶף
 בְּבִקְרַתְּ יַצִּיץ וְיַחֲלֶף
 לְעֵרֶב יִמּוּלֵל וְיִבֶשׁ
 כִּי כְּלִינֹו בְּאֶפְסָה
 וּבְחַמְתְּהּ נִבְהַלְנוּ
 שֶׁחַ עוֹנֹתֵינוּ לְפָנֶיךָ
 עַל מִינוּ לְסֹאֵר פְּגִיחָה
 כִּי כָּל יָמֵינוּ פָּנּוּ
 בְּעַכְרָתְךָ כְּלָנוּ
 שִׁנִּינוּ כְּמֹו הַהֵךְ
 יָמֵינוּ שְׁנוֹתֵינוּ וְנִבְרַחֵם שְׁבַעִים שָׁנָה
 וְאִם בְּגִבּוֹרוֹתֵינוּ שְׁמוֹנִים שָׁנָה
 וְרַבִּים עַמִּים וְאִנּוּ
 כִּי יָגוּ חַיִּשׁ וְנַעֲוָה
 מִי יִזְרַע עוֹ אֶפְסָה
 וְכִי־אֲתָה עַבְרַתְּהָ לְמַטּוֹת
 יָמֵינוּ כִּן הוֹרַע
 וְנִבְיָא לְבַב חֲכָמָה
 שׁוֹבָה יְיָ עַד מֵתָה
 וְהַחֵס עַל עַבְדֶּיךָ
 שְׁבַעֲנוּ בְּבִקְרַת חַסְדֶּךָ
 וְנִבְנֶנָּה וְנִבְשָׁה מְחַהּ בְּכָל יָמֵינוּ
p ij

ἐνφρασηθῆμεν ἀνδρῶν ἡμεῶν ἐταπείνωσας ἡμᾶς,
ἐτῶν ἄν ἰλομεν κακά.

Καὶ ἰλε ἐπὶ τοὺς δούλους σου καὶ ἐπὶ τὰ ἔργα σου.
καὶ ὀλίγησεν τοὺς υἱοὺς αὐτῶν.

Καὶ ἔσῃ λαμπρότης κυρίας τῆς θεοῦ ἡμῶν ἐφῆμας.
καὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν ἡμῶν κατεύθυνεν ἐφῆμας.

καὶ τὸ ἔργον τῶν χειρῶν ἡμῶν κατεύθυνεν.
Αἶνος ὡς ἄλλῃ τῷ Δαβὶδ ἀνεπίγραφος παρὰ βραβείαις.

Κατοικῶν ἐν βομβείᾳ τῆς ὑψίστου.
ἐρ σκέπη τῆς θεοῦ τῶν οὐρανῶν ἀνλιθίσεται.

Ἐρεῖ τῷ κυρίῳ ἀντιλήτωρ μου εἶ.
καὶ καταφυγὴ μου, ὁ θεός μου ἐλπὼν ἐπάντῳ.

Ὅτι αὐτός ἐνέσταί σε ἐκ παγίλλοις θηρεντῶν.
καὶ ἀπολογὸν ἰατροχάλεον.

Ἐρ τοῖς μεταφρένοις αὐτῶ ἐπισκιάσει σοι.
καὶ ὑπότας πτέρυντας αὐτῶ ἐλπίς.

Ὅπῳ κυκλώσει σε ἡ ἀληθῆς αὐτῶ.
ἐν φοβῆσθαι ἀποφίεθαι νυκτερίνῳ.

Ἀποβέλουσιν περὶ ἡμέρας.
ἀποπράξῃς ἐρ σκότει διαπορευομένῳ.

ἀποουμπτώματος καὶ λαίμονιον μεσημβρινεῦ.
Προεῖται ἐκ τῆς κλίτους σου χιλίας,

καὶ μυριάς ἐκ δεξιῶν σου. πρὸς σὲ δὲ οὐκ ἔστι εἶ.
Πλήρῃς ὀφθαλμοῖς σου κατανοήσεις.

καὶ ἀνταποδοῖσιν ἀμαρτωλῶν ὄφει.
Ὅτι σὺ κύριε ἡ ἐλπίς μου.

καὶ ὑψίστου ἐξ καταφυγῆς σου.
Ὅν προσελεύσετε πρὸς σὲ κακά.

καὶ μάλιστα οὐκ ἔστι τῷ σκηνώματί σου.
Ὅτι τοῖς ἀγγέλοις αὐτῶ ἐντελεῖτε πρὸς σὲ.

τῶν διαφυλάξει σε ἐρ πᾶσαις ταῖς ὁδοῖς σου.
Ἐπὶ χειρῶν ἀρᾶσί σε.

μῆποτε προσκόψῃς πρὸς λίθον ἢ πρὸς πέτρα σου.
Ἐπὶ ἀσπίδα καὶ βραχίονα ἐπιβήσῃ.

καὶ καταπατήσεις λέοντα καὶ δράκοντα.
Ὅτι ἐπὶ μέσῃ ἡλπίσει καὶ ἐνδοξαῖ αὐτόν.

σκεπάζων ἄνθρωπον, ὅτι ἐγνωτὸν ὄνομα μου.
Κεκράξεται πρὸς με καὶ ἐσακούσομαι αὐτόν.

μετ' αὐτῶ εἰμι ἐρ θλίψει.

שְׁמַחְנוּ כִּי מוֹת עֲנִיתֵנו
שְׁנוֹת רְאוּנוּ רַעָה

וּבְרָאָה אֶל-עַבְדֶּיךָ פְּעֻלָּה
וַחֲתָרָה עַל-בְּנֵיהֶם

וַיְהִי נָעַם אֲדֹנָי אֶל-דִּינוֹ עֲלֵינוּ
וַמַּעֲשֵׂה דִינוֹ בּוֹנֵה עֲלֵינוּ

וַמַּעֲשֵׂה דִינוֹ בּוֹנֵהוּ
צא

שָׁב בְּסִתְרֵךְ עֲלֵינוּ
בְּצֵל שְׁרֵי יְהוָה יִתְלַנֵּן

אָמַר לַיהוָה מַחְסֵי
וּמְצוֹרֹתַי אֲדֹרֵי אֲבֹתַי בּוֹ

כִּי-הוּא יִצְיָלָה מִפֶּחַח יַקְנָשׁ
מִדְּבַר חַוּוֹת

בְּאֲבָרְתוֹ יִסְתַּבֵּל
וַתַּחַת כְּנַפְיוֹ תִּחְסֶה

צַהַר וְסוֹחַרָה אֲמִיתוֹ
לֹא-תִירָא מִפֶּחַח לִילָה

מִחַץ יַעֲוֵף יוֹמָם
מִדְּבַר בְּאִפְלֵ יִתְלַךְ

מִקְצֵב יִשׁוּר צְהָרִים
יִפֹּל מִצַּדָּה אֲלֶיךָ

וּרְכִבָּה מִיַּמִּינֶךָ אֲלֶיךָ לֹא יִגָּשׁ
בַּךְ בְּעֵינֶיךָ מִבְּיַט

וְשִׁלַּמַּת רַשָּׁעִים תִּרְאֶה
כִּי-אֲתָה יְיָ מַחְסֵי

עֲלֵינוּ שְׂמֵת מְעוֹנֶיךָ
לֹא תִאֲמָה אֲלֶיךָ רַעָה

וְנֹעַ לֹא יִקְרַב בְּאֲתָלֶיךָ
כִּי-מִלְּאֲכִיו יִצְוֶה-לָּךְ

לְשִׁמְרָה כָּכֵל-הַרְבִּיבָה
עַל כַּפְּיָם יִשְׁאוּנֶךָ

בְּן-תַּגּוּף בְּאֲבָן רָחֵלֶךָ
עַל-שִׁחֹל וּפְתוֹן תִּדְרֹךְ

תִּרְמַס כְּפִיר וַתִּינֵן
כִּי-כִי חֶשֶׁק וְדַאֲלִשְׁתָּהוּ

אֲשֶׁר-בְּהוֹרֵי יַדְעֵ שְׁמֵי
יִקְרַב לָּךְ וְיִאֲעַנְהוּ

עֲמוֹ אֲנֹכִי בְּצַרָה

eripiam eum & glorificabo eum.
Longitudine dierum replebo eum:
& ostendam illi salutem meam.

Psalms cantici in die sabbari. XCI.

Onum est confiteri domino:
& psallere nomini tuo altissime.

Ad annūciandum mane misericordiam tuam:
& ueritatem tuam per noctem.

In decachordo psalterio: cū cantico in cythara.
Quia delectasti me domine in factura tua:
& in operibus manuum tuarum exultabo.

Quā magnificata sunt opera tua domine:
nimis profundę factę sunt cogitationes tuę.
Vir insipiens non cognosceret:
& stultus non intelliget hæc.

Cum exorti fuerint peccatores sicut fennum:
& apparuerint oēs qui operantur iniquitatē.

Et intercant in sæculum sæculi:
tu autem altissimus in æternū dñe. (penibūt:
Qm̄ ecce inimici tui dñe qm̄ ecce inimici tui
& dispergentur oēs qui operant iniquitatē.

Et exaltabitur sicut unicornis cornu meum:
& senectus mea in misericordia uberi.

Et despexit oculus meus inimicos meos:
& insurgentibus in me malignantibus audiet
Iustus ut palma florebit: (auris mea.

sicut cedrus libani multiplicabitur.
Plantati in domo domini:

in atrijs domus dei nostri florebut.

Adhuc multiplicabuntur in senectā uberi:
& benepatientes erunt

ut annūciēt. Qm̄ rect⁹ dominus deus noster:
& non est iniquitas in eo.

Laus cantici David in die ante sabbarū. qm̄
fundata est terra. XCII.

Ominus regnauit decorē indutus est:
indut⁹ est dñs fortitudinē & p̄cinxit se.

Etenim firmauit orbē terrę q̄ non cōmouebit:
Parata sedes tuas:

ΑΡΨ: Θ Λ Ξ Π Θ ::

16 Α Ψ Ψ: Σ Ψ Θ Δ: Α Ψ Γ Ρ ::
Θ Α Γ Λ Ρ: Α Ρ Ψ Ψ Ψ ::

Σ Η Σ Γ: Σ Ψ Λ Ψ: Π Θ Α Ψ: Η Ψ Π Ψ ::

1 Ζ Θ Ε Ξ Ε Η: Ψ Α Ψ Ψ: Π Λ Γ Η Α Π Θ Γ ::
Θ Η Ψ Γ: Α Η Ψ Η: Δ Ψ Δ ::

2 Θ Ψ Ζ Λ: Π Ψ Α Η: Ψ Η Ψ Ψ ::
Θ Ψ Ψ Ψ: Π Λ Λ Ψ: Π Α Ψ Ψ ::

Π Α Ψ Ψ ::

3 Π Η: Ψ Ψ Γ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ: Σ Η Σ Γ: Θ Ψ Λ Ψ: Θ Ψ

4 λ Η Σ: Α Η Ψ Ψ: Ψ Η Ψ Ψ: λ Γ Η Α: Π Ψ Ψ Ψ ::
Θ λ Ψ Ψ Ψ: Π Ψ Ψ Ψ: λ Ψ Ψ Ψ ::

5 Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: λ Ψ Η Α ::
Θ Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ ::

6 Π λ Ψ: Α Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ ::
Θ Η Α Δ Ρ: Δ Π: λ Ψ Λ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ ::

7 Η Π: Ε Π Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Η Σ: Ψ Ψ Ψ ::
Θ Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ ::

8 Η Σ: Ε Ψ Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ ::
Θ Ψ Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ: λ Ψ Η Α ::

9 λ Η Σ: Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Ε Ψ Ψ Ψ ::
Θ Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ ::

10 Θ Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Η Σ: Η Α Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ ::
Θ Ψ Ψ Ψ: Π Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ ::

11 Θ Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Π Ψ Ψ Ψ ::
Θ Ψ Ψ Ψ: λ Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ: λ Ψ: Ψ

12 Ψ Ψ Ψ: Η Σ: Π Ψ Ψ Ψ: Ε Ψ Ψ Ψ :: Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ ::
Θ Ψ Ψ Ψ: Η Σ: Ψ Ψ Ψ: Η Α Ψ Ψ Ψ ::

13 Ψ Ψ Ψ: λ Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: λ Ψ Η Α Π Θ Γ ::
Θ Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ ::

14 Θ λ Ψ: λ Ψ Ψ: Ε Π Ψ Ψ: Π Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ ::
Θ Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ ::

15 Θ Ψ Ψ Ψ: Η Σ: Ψ Ψ Ψ: λ Ψ Η Α Π Θ Γ: Α Ψ Ψ Ψ ::
Θ Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Π Ψ Ψ Ψ ::

Π Θ Α Ψ: Η Ψ Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Η Ψ Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ
Ψ: Η Ψ Ψ Ψ ::

1 Ζ Β λ Ψ Η Α Π Θ Γ: Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ ::
Α Ψ Ψ: λ Ψ Η Α Π Θ Γ: Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ ::

2 Θ Ψ Ψ Ψ: Α Ψ Ψ Ψ: Η Σ: λ Ψ Ψ Ψ Ψ ::
Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: λ Ψ Η Α ::

3 Ψ Ψ Ψ: Ψ Ψ Ψ: λ Ψ Η Α ::

ἔξελεῖται αὐτὸν καὶ διεξάσῃ αὐτὸν.
μακρότητα ἡμέρας ἐμωλήσῃ αὐτὸν.
καὶ λείξῃ αὐτὸν ὡς σωτήριόν μου.

Χαλμὸς ὡδῆς εἰς τὴν ἡμέραν τῆς σαββάτου 5 α
Γαδὸν ἡ ἐξομολογέσθαι τῷ κυρίῳ.
καὶ ψάλλειν τῷ ὀνόματί σου ὕψιστε.

Τὸ ἀναγγελλέμεν τοῦ σωτῆρος ἔλεος σου.
καὶ τὴν ἀνάθειάν σου κατὰ νύκτα.
Ἐν δεκάχρον φάλθηριώ μετ' ὡδῆς ἐν κίθαρᾳ.
Ὅτι ἐνφρονᾷς με κύριε ἐν ᾧ ᾠοῦμαι ἡμέρας.
καὶ ἐν ταῖς ἐργαῖς τῶν χειρῶν σου ἀγαλλιάσομαι.
ὥς ἐμεγαλίθη τὰ ἔργα σου κύριε.
σφύρα ἐβασύθησάν ἐν διαιλογισμοῖς σου.
ἀνεῖρα ἡμεῶν ὄν γινώσκεται.

καὶ ἀσύνετος ἐν συνήσει γὰρ ἴσθαι.
Ἐν τῷ αἰτεῖλαι ἀμαρτωλοῦς ὡσεὶ χέριον.
καὶ λίκνυον πίνθησιν οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν.
Ὅπως ἂν ἐξολοθρευθῶσιν εἰς τὴν αἰῶνα τῶν αἰῶνων.
ἐν δὲ ὕψιστος εἰς τὴν αἰῶνα κύριε.
Ὅτι ἰδοὺ οἱ ἐχθροὶ σου κύριε, οἱ ἰδοὺ οἱ ἐχθροὶ ὁ ἀπολεῖται
καὶ διὰ σκοπιθῶσιν οἱ πίνθησιν οἱ ἐργαζόμενοι οἱ ἡμεῖς
καὶ ὑψαίησθαι ὡς μοικέρωτος ἡ κέρας μου. (σμ.)
καὶ ἡ γῆρας μου ἐν λαίῳ ᾧ ἴονι.

καὶ ἐπὶ δὲ ὁ ὀφθαλμὸς μου ἐν ταῖς ἐχθραῖς μου.
καὶ ἐν ταῖς ἐπανισταμένοις ἐπὶ με πονηρομένοις ὁ κέρας
δικαίως ὡς φωνῆς ἀνδρός. (τὸ δὲ μου)

ὡσεὶ κέρας ἢ ἐν τῷ λιβαίῳ πληθυνθήσεται.
Πεφνευμένοι ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου.
ἐν ταῖς ἀνλαῖς τῶ θεοῦ ἡμῶν ἐξανθήσονται.
ἔτι πληθυνθήσονται ἐν γῆρας ᾧ ἴονι.

καὶ ἐν παθοῦντας εἰσονται.
καὶ ἀναγγεῖλαι ὅτι ἐν δυνὸς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν.
καὶ ἔνθα ἐσὶν ἀδικίαι ἐν αὐτῶν.
εἰς τὴν ἡμέραν τὴν περὶ σαββάτου ὅτι κατὰ κίθαρ ἡ γῆ, αἰὶ ἀδὲ
τῷ λαβίῳ αἰετὶ γρηγορὸς παρὲς θρακίαις. 5 β

Κύριος ἐβασίλευσεν ἐν περὶ ἡμῶν εἰς δύνατον.
ἐν δύνατον κύριος δύνσμιον καὶ περιεζώσσο.
καὶ γὰρ ἐσερέασε τὴν οἰκωμένην ἡμῶν ἐκ αλενδθήσεται.
ἔτοιμος ὁ θεός σου.

אֲחֻזָּה וְאֶבְרָחָה
אֲרָךְ יָמַי אֲשֶׁר בִּיעָרְךָ
וְאֶרְאֶה בְּיָשׁוּעַתִּי

מְזַמֵּר שִׁיר לַיּוֹם הַשַּׁבָּת
וּבְלִי לַיהוָה
וְלִזְמַר לְשִׁירְךָ עָלַי יְיָ

לְהַגִּיד בְּכֹרֶתְךָ
וְאֶמְתַּח בְּלִילוֹת
עָלַי עֲשׂוּ וְעַל־כָּל עַל־הַיּוֹן בְּכֹנֹר
כִּי־שָׁמַחְתִּי וְיִפְעַלְךָ
בְּסַעֲשִׁיךָ אֲרָךְ
מִהַ־גָּדְלוֹ מֵעַתָּה יְיָ
מֵאֵד עַמְּךָ מִשְׁבַּתְךָ
אִישׁ־בַּעַר לֹא־יִדַע

וְכִסְלֵי לֹא־יִבִין אֶת־זֹאת
בְּפִרְחֵי רִשְׁעִים כְּמֹעַשׂ
וְיִצְא בַל־פְּעֵלֵי אֵין
לְהַשְׁמֵד עַוְיָעַד
וְאִתָּה מָרוֹם לְעוֹלָם יְיָ

כִּי־הִנֵּה אֵיבִיב וְיִפְהֵ אֵיבִיב יֶאֱכֹר
וְתִפְרֹד בַּל־פְּעֵלֵי אֵין
וְתִרְם כְּרֵאִים קְרֹנֵי
בְּלֹתֵי כִשְׁמֹן רַעֲנָן
וְתִפְשׁ עֵינֵי בְּשׁוּרֵי

בְּקָרְסִים עָלַי מְרַעִים תִּשְׁמַעְנָה אֲוֵנֵי
צִדִּיק בְּתִמְרוֹת זִכְרוֹן
כְּאֵרוֹ בַּל־כֹּנֹן יִשְׁתַּחֲוֶה
שָׁתוּלִים בְּבֵית־יְהוָה
בְּחַצְרוֹת אֵל־דְּנוּ יִפְרִיחוּ
עוֹד יִנּוּכוּן בְּשִׁבְתֵּי הַשָּׁמַיִם

וְכַעֲנִים יְהוָה
לְהַגִּיד כִּי־יִשְׁרָף אֲוֵנֵי
לֹא־עוֹלָתְךָ בּוֹ
אֵצ

הַדָּם הַזֶּה אֶת־לִבִּי
לִבִּי יְהוָה עוֹ הַתְּאוֹר
אֶת־תְּבוֹן תְּכַל בַּל־תִּמְשֹׁךְ
בְּכֹן בְּסֶאֱרָה

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

ἀπό τότε ἀπὸ τῶν αἰῶνων ὃν εἶ.
 Ἐπίσταμι οἱ ποταμοὶ κύριε.
 ἐπίσταμι οἱ ποταμοὶ φωνὰς ἀντῶν.
 Ἄρουσι οἱ ποταμοὶ ἐπιτρέφεις ἀντῶν.
 ἀπὸ φωνῶν ὑδάτων πολλῶν.
 θάυμαστοι οἱ μετεωρισμοὶ τῆς θαλάσσης.
 θαυμαστὸς ἐν ὑψηλοῖς ὁ κύριος.
 τὰ μακρὴν ἰάσον ἐπισώθησάν σου σφόδρα.
 Ἰσχύει ὁσ πρέπει ἀγίασμα κύριε, ὡς μακροὶ ἦν ἡμερῶν.

Υαλιμὸς τῶν λαβιλι τετραλι σαββάτῳ 5 γ.

θεὸς ἐκλιχθεῶν κύριος.
 θεὸς ἐκλιχθεῶν ἐπαρρησιάζομαι.

Ὑψώθητι ὁ κρείων τῆν γῆν.
 ἀπόλοσ ἀνὰ πόλοσιν τῆς ὑπερηφάνοις.
 Ἔως ποτε ἀμαρτωλοὶ κύριε.
 ἔως ποτε ἀμαρτωλοὶ καυχῶνται,
 φθέγγονται καὶ λαλήσουσι αἰκίαν.
 λαλήσουσι πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τῆν ἀνομίαν.
 τῶν λαῶν ὡς κύριε ἐταπείνωσάν.
 καὶ τῆν κληρονομίαν σου, ἐκαύωσαν
 χεῖρας καὶ ὀφθαλμοὺς ἀπέκτειναν.
 καὶ προσέλυτον ἐφόνευσαν.
 καὶ εἶπαν ὅτι ὁ θεὸς κύριος.
 ὅτι ἐσυνήσει ὁ θεὸς τῶν ἰσχυῶν.
 συνέθετε ἀφρονες ἐν τῶν λαῶν.
 καὶ μωροὶ, ποτε φρονήσατε.
 Ὁ φυτεύουσιν ἴσους, οὐχὶ ἀκούει,
 ἢ ὁ πλάσσει τὸν ὀφθαλμὸν, ὅχι κατὰ νοῦν,
 ὁ παιλίων ἔθνη, οὐχὶ ἐλέγξει,
 ὁ λιλάσκει ἀνθρώπων γῶσιν.
 Κύριος γινώσκει ἴσους λιλάσκει ἰσμούς ἀνθρώπων. ὅτι εἶπα
 Μακάριος ἀνθρώπος ὃν ὁ παιλίων κύριε. (μακάριοι.
 καὶ ἐκ τῶν νόμων σου λιλάσκει ἀντῶν).
 τῶν παρῖνα ἀντῶν ἀφῆμερῶν πονηρῶν.
 ἔως ὅσον τῶν ἀμαρτωλῶν βόθρος.
 ὅτι ὅτι ἀπώσεται κύριος τῶν λαῶν ἀντῶν.
 καὶ τῆν κληρονομίαν αὐτοῦ οὐκ ἐγκαταλείψει.
 ἔως ὅσον δικαιοσύνη ἐπιστρέψῃς εἰς κρίσιν.
 καὶ ἐχόμενοι αὐτῆς πάντες οἱ ἐνθεῖς τῆν καρδίαν.

כִּי מֵעוֹלָם אַתָּה :
 יְשׂאוּ נְהוֹת יְיָ :
 יְשׂאוּ נְהוֹת קוֹלֵם :
 יְשׂאוּ נְהוֹת דְּבָרִים :
 מִקּוֹלוֹת מַיִם רַבִּים :
 אֲדוּרִים מִשְׁבְּרֵי יָם :
 אֲדוּרִים בְּמַרוֹם יְהוָה :
 עֲדוּתְךָ נֶאֱמַנָה מֵאֵד :
 לְבִיתְךָ נֶאֱמַר קִדְשׁ יְיָ לְאַרְךָ יָמִים : :

לְנִקְמוֹת יְהוָה :
 אֵל נִקְמוֹת הוֹפִיעַ :
 וְנִשְׂא שִׁפְטֵי הָאָרֶץ :
 וְנִשְׂבַּב גְּמוֹל עַל-גְּאִים :
 עַד מַתִּי רִשְׁעִים יְיָ :
 עַד מַתִּי רִשְׁעִים יַעֲלוּ :
 יִבְיְעוּ וְדָבְרוּ עֲתָק :
 יִתְאֱמַרו כָּל-פְּעֻלֵי אָדָם :
 עֲמָךְ יְיָ יִרְכָּא :
 וְנִחַלְתָּךְ יַעֲנוּ :
 אֵל מִנְהַ וְגַר יִחַרְגֵנוּ :
 וְיִהְיוּ מִים יִרְצָחוּ :
 וְיִאֱמָרוּ לֹא יִרְאֶה יְיָ :
 וְלֹא יִבִּין אֱלֹהֵי יַעֲקֹב :
 בִּינוּ בְעַיִן בְּעַם :
 וְכִסְיִים מַתִּי תִשְׁכִּילוּ :
 וְנִשְׂעוּ אֶן הֲלֹא יִשְׁמַע :
 אִם-יִצַּר עֵינַי הֲלֹא יִבִּישׁ :
 וְיִסַּר גּוֹיִם הֲלֹא יִזְכֶּיךָ :
 וְהִלְמַד אֲדָם דַּעַת :
 יְהוָה יִרְעֵ מִחֲשָׁבוֹת אֲדָם כִּי-יִמְהַר הַקֵּל :
 אֲשֶׁר־יִדְבַּר אֲשֶׁר-תִּיַסְרֵנוּ יְיָ :
 וּמִתּוֹרַתְךָ תִּלְמַדְנוּ :
 לְהִשְׁקִים לֹא מִיָּמִי רַע :
 עַד-יִבְרָה לְרִשְׁעֵי שַׁחַת :
 כִּי לֹא-יִשְׁשׂוּ עִמּוֹ :
 וְנִחַלְתוּ לֹא-יַעֲזֹב :
 כִּי עַד-צָדֵק יִשׁוּב מִשְׁפָּט :
 וְאַחֲרָיו כָּל-יִשְׂרָאֵל :

Quis confurget mihi aduersus malignantes
aut qs stabit mecum aduersus operantes iniquitate
Nisi quia dominus adiuuit me:
paulominus habitasset in inferno anima mea.
Si dicebam motus est pes meus:
misericordia tua domine adiuuabat me.
Secundum multitudinem dolorum meorum in corde meo:
consolationes tue legitificauerunt animam meam.
Nunquid adheret tibi sedes iniquitatis:
qui fingis laborem in precepto.
Captabant in animam iusti:
& sanguinem innocentem condemnabunt.
Et factus est mihi dominus in refugium:
& deus meus in adiutorium spera mee.
Et reddet illis iniquitatem ipsorum: (deus noster)
& in malicia eorum disperdet eos disperdet illos dominus

Laus Cantici ipsi Dauid. XCIII.

Enite exultemus domino:
iubilemus deo salutari nostro.

Preoccupemus faciem eius in confessione:
& in psalmis iubilemus ei.

Quoniam deus magnus dominus:
& rex magnus super omnes deos:
quoniam non repellit dominus plebem suam:

quia in manu eius sunt omnes fines terre:
& altitudines montium ipsius sunt.

Quoniam ipse est mare & ipse fecit illud:
& siccam manus eius formauerunt.

Venite adoremus & proclamamus:
& ploremus ante dominum qui fecit nos:
quia ipse est deus noster.

Et nos populus pascue eius et oues manus eius:
hodie si uocem eius audieritis:
nolite obdurare corda uestra.

Sicut in irritatione secundum diem: tentationis
(in deserto)

Vbi tentauerunt me patres uestri:
probauerunt & uiderunt opera mea.

Quadraginta annis proximo fui generationi illi:

- 16 **σ**κ: ετφσδλξ: πλξτ: ληρτ:
σκ: ετφσδλξ: πλξτ: γλξτ: υσγ:
17 **δ**π: λη: ληλκ-πλξτ: ηλξτ:
δπ: ησ: ηλξτ: ετφσδλξ: φητ: λλξ:
18 **φ**π: λη: ετφσδλξ: ληξτ:
πφηλξτ: η: ληλκ: ετφσδλξ:
19 **λ**ηλκ: πησ: πηξ: ησδ: λλξτ:
εηητ: η: λητ: ληξτ: λξτ:
20 **φ**λξτφσδλξ: σξπλξτ: υσγ:
ηλξτ: ετφσδλξ: ετφσδλξ:
21 **φ**εξτφσδλξ: λξτ: ετφσδλξ:
φεξτφσδλξ: ετφσδλξ:
22 **φ**ηξτ: ληλκ-πλξτ: ετφσδλξ:
λξτ: ετφσδλξ: ετφσδλξ:
23 **φ**εξτφσδλξ: ληλκ-πλξτ: πησ: ληρτ:
φεξτφσδλξ: ληλκ-πλξτ: λξτ:
ληλκτ: ετφσδλξ: ηξτ:
1 **ξ**υ **ξ**υ: ετφσδλξ: πλξτ-πλξτ:
φξτ-πλξτ: λξτ: ετφσδλξ: ετφσδλξ:
2 **φ**ξτ-πλξτ: ετφσδλξ: ηξτ: πλξτ:
φπσδλξτ: ετφσδλξ: λξτ:
3 **λ**ησ: ληλκ: φλξτ: ληλκ-πλξτ: λξτ:
φξτ-λξτ: υσδλξτ: ηλξτ: λξτ:
λησ: ληλκ-πλξτ: ληλκ:
4 **λ**ησ: φητ: ληλκ: λξτ: φξτ:
λξτ: ετφσδλξ: ηλξτ: φλξτ:
5 **λ**ησ: λξτ: ληλκ: φητ: φλξτ: ληλκ:
φλξτ-πλξτ: ληλκ: γλξτ:
6 **ξ**υ: ετφσδλξ: φξτ: λξτ:
φξτ-πλξτ: ληλκ-πλξτ: ηλξτ: ληλκ:
λησ: φλξτ: λξτ:
7 **φ**ξτ-πλξτ: ηλξτ: ληλκ: ετφσδλξ:
φξτ: ληλκ: ηλξτ: φλξτ:
λξτ: ετφσδλξ: ληλκ:
8 **η**σ: ληλκ: φξτ: πλξτ:
φησ: ληλκ:
9 **η**σ: ληλκ: ληλκ:
φλξτ: φξτ: φξτ: πλξτ: πλξτ:
10 **φ**λξτ-πλξτ: υσδλξτ: φξτ: φξτ: φξτ: φξτ:

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or translation, running vertically down the right edge of the page.

Τίς ἀνδρῶν ἐστὶ μοι ἐπὶ πονηρομένοις·
ἢ τίς οὐκ ἀποκρίσεται μοι, ἐπὶ τοῖς ἔργοις ἀνομίαις·
Εἰ μὴ ὅτι κύριος ἐβοήθησέν μοι·

(αμ)

παραβραχὺν παρέωκισεν τῷ ἄλμυρῳ τῆς ψυχῆς μου·
εἰ ἔλεγον σε ἀλενταίω πᾶς μου·
τὸ ἔλεός σου κύριε ἐβοήθει μοι·

Κατὰ τὸ πλῆθος τῶν ὀλιγῶν μου ἐμὴ κερλίαι μου·
αἱ παρακλήσεις σου, ἐνφρανον τὴν ψυχὴν μου·
Μὴ συμπεροσέσω σοι θεῖνος ἀνομίας·

ὁ πλάσσω κόπερ ἐπὶ πρόσγυμα·
Θηξέουσιν ἐπὶ ψυχὴν δικαίων·
καὶ αἷμα ἀθώων καταδικάζονται·

καὶ ἐγένετό μοι κύριος εἰς καταφυγὴν·
καὶ ὁ θεός μου εἰς βωθρὸν ἐλπίδος μου·
καὶ ἀπολώσει ἀντις κύριος τὴν ἀνομίαν αὐτῶν·

καὶ μετὰ τὴν ποινίαν αὐτῶν, ἀφανιεῖ ἀντις κύριος ὁ θεός·
Αἶνος ὡς ἡσθεῖς λαβίλα ἀνεπίστροφος παρεβραχίαις· 5 δ.
Εὐτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ κυρίῳ·

ἀλαλάξωμεν τῷ θεῷ τῷ σωτηρῆ ἡμῶν·
προφθάσωμεν τὸ πρόσωπον ἀντις ἐμὸ ἐξομολογήσει·
καὶ ἐμὴ ψαλμοῖς ἀλαλάξωμεν αὐτῷ·

Ὅτι θεός μέγας κύριος,
καὶ βουλήν μεγάλην ἐπὶ πᾶσιν τὴν γῆν·
Ὅτι ἐμὴ τῆ χειρὶ αὐτοῦ ἴα πέρατα τῆς γῆς·
καὶ τὰ ὕψη τῶν ὀρέων αὐτοῦ εἰσὶν·

Ὅτι αὐτοῦ εἰσὶν ἡ θάλασσα καὶ ἀντις ἐποίησεν αὐτὴν·
καὶ τὴν ξηρὰν αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἐπλάσσαν·
Δεῦτε προσκυνήσωμεν καὶ προσπέσωμεν αὐτῷ·
καὶ κλάσωμεν ἐναντίον κυρίου τὸ ποιήσαντος ἡμᾶς·

Ὅτι ἀντις εἰσὶν ὁ θεός ἡμῶν·
καὶ ἡμεῖς λαὸς νομῆς αὐτοῦ, καὶ πρόβατα χερῶν αὐτοῦ·
Σήμερον ἐστὶν τῆς φωνῆς αὐτοῦ ἀκούσθη·
μὴ σκληρύνετε ἴσας κερλίαις ὑμῶν·

ὡς ἐν ἴσας παρεπικρασμῶ· Κατὰ τὴν ἡμέραν ἣς πειρασμοῦ
(ἐμ τῆ ἐξήμα)

ὃν ἐπειρασάν με οἱ πατέρες ὑμῶν·
Ἐλοκίμασάν με καὶ εἶλον τὰ ἔργα μου·
τεσσαράκοντα ἔτη προσώχθισα ἡ γενεὰ ἐκείνη·

מִי יִקוּם לִי עַם-מִרְעִים
מִי יִתְצַב לִי עַם-פְּעֻלֵי אֵין
לִוְלִי וְעֹרְתָה לִי

כִּמְעַס שִׁכְנָה דוּמָה נִפְשִׁי
אִם-אֶמְרָתִי מִשְׁתַּהוּלָה
וְחֶסֶד יִסְעֵד נִי

בָּרַב שְׂרַעְפִּי בְּקִרְבִּי
תִּנְחַמְוִיךָ יִשְׁעִשְׁעוּ נִפְשִׁי
הִתְחַבְּרָה כִּסְא הַוֹת

יִצַר עֲמַל עָלַי חֶק
יִגְדוּ עַל נַפְשִׁי צַדִּיק
וְדָם נִקְרִי יִשְׁעוּ
וַיְהִי יִטְלִי לְמִשְׁגַּב

וְאֵלֵדִי לְצוּר מַחְסֵי
וַיִּשְׁבַּע עַל יְהוָה אֱלֹהִים
וַיִּבְרַעְתֶּם יִצְמִיתֶם יִצְמִיתֶם וַיִּאֲלֵדִינוּ

כִּי נִרְנְנָה לַיהוָה
נִרְעָה לְצוּר יִשְׁעֵנו

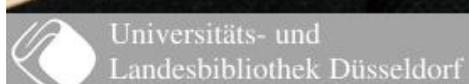
נִקְדָּמָה פָּנֵינוּ בַחֲוָה
בְּמִירוֹת נִרְעָה לִי
כִּי-אֵל גָּדוֹל יְהוָה
וּמֶלֶךְ גָּדוֹל עַל-כָּל-אֱלֹהִים

אֲשֶׁר-בָּדוּ מִחֲקֵי-אֶרֶץ
וְחֹעֲפֹת הַרִים לִי
אֲשֶׁר-לוֹ חִים הוּא עֲשָׂהוּ
וַיִּכְשַׁת יְרֵחוֹ יָצַח

כִּי אֵל גָּדוֹל וְנִבְרָעָה
נִבְרָכָה לְפָנֵינוּ עֲשֵׂנו
כִּי הוּא אֱלֹהֵינוּ

וְאֵנִי עִם מִרְעֵיהוּ וְצֵאן יָד
הַיּוֹם אִם בְּקִלּוֹ תִשְׁמְעוּ
אֶל-תְּקִשׁוּ לְבַבְכֶם
כְּמִרְיָבָה בַּיּוֹם מִסָּה בַּמִּדְבָּר

אֲשֶׁר נִסּוּנִי אֲבֹתֵיכֶם
בַּחַוּוֹנִי גַם-רָאוּ פְעֻלִי
אַרְבָּעִים שָׁנָה אֶקְוֶה בְּדוֹר



& dixi semper hi errant corde.
Et isti non cognouerunt uias meas:
ut iurauit in ira mea
si in troibunt in requiem meam.
Laus cantici Dauid quando domus edificabatur
post captiuitatem. XCV.

^c Antate domino canticum nouum:
cantate domino omnis terra.

Cantate domino & benedicite nomini eius:
annunciate de die in diem salutare eius.
Annunciate inter gentes gloriam eius:
in omnibus populis mirabilia eius.
Quonia magnus dominus & laudabilis nimis:
terribilis est super omnes deos.
Quoniam omnes domini genitum demonia:
dominus autem coelos fecit.
Confessio & pulchritudo in conspectu eius:
sanctimonia & magnificentia in sanctificatione
Afferte domino patrie gentium: (eius
afferte domino gloriam & honorem:
afferte domino gloriam nomini eius:
Tollite hostias & introite in atria eius:
adorate dominum in atrio sancto eius.
Commoueatur a facie eius uniuersa terra:
dicite in gentibus quia dominus regnauit.
Etenim correxit orbem terre qui non commouebit:
iudicabit populos in equitate.
Letentur caeli & exultet terra:
commoueatur mare & plenitudo eius:
gaudebunt campi & omnia que in eis sunt.
Tunc exultabunt omnia ligna sylvarum:
a facie domini quia uenit:
quoniam uenit iudicare terram.
Iudicabit orbem terre in equitate:
& populos in ueritate sua.
Ipsi Dauid quia terra eius restituta est ei. XCVI.
dominus regnauit exultet terra:
^d letentur in silu multae.
Nubes & caligo in circuitu eius:

ወእቤ፡ ዘለሌ፡ ይከላቲ፡ ልዑሎ።

II ወእሙ፡ ገብረ፡ ለገሊ፡ ብሔር፡ ፍጥጥ።

በከመ፡ ወሐሰ፡ ብሔር፡ በመገጥ።

ከመ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ወከተ፡ ሰሪ፡ ጥጥ።

ዘለመ፡ ተሰገጸ፡ ቤተ፡ ዘእግራ፡ ሄረ፡ ጭፍ፡ ጭፍ፡ ጭፍ፡ ጭፍ፡
ዘጸጥ፡

1 ኔቤ ከብረ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

ከብሔር፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

2 ከብሔር፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ወባር፡ ለከመ።

ወተዜ፡ ሰው፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ።

3 ወገረ፡ ሰው፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

ወለከ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ።

4 እከመ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ወብሔር፡ ለከመ።

ወገረ፡ ሰው፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ።

5 እከመ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

ወእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

6 አጸ፡ ወሠ፡ ጭፍ፡ ጭፍ፡ ጭፍ፡ ጭፍ።

ጭፍ፡ ጭፍ፡ ወሰ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ።

7 አጸ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ በከመ፡ ለጸባ፡ ለጸባ።

አጸ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

አጸ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

8 ኔሙ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ወባር፡ ለከመ።

ከገ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ በገ፡ ለገ፡ ለገ፡ ለገ።

9 ተፍ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ።

በለ፡ ሰው፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

10 ወአ፡ ጭፍ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

ወገረ፡ ሰው፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

11 ይት፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ወተ፡ ለጸባ፡ ለጸባ።

ወተ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ።

ይት፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ፡ ለጸባ።

12 ወአ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

እግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

ወገረ፡ ሰው፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

13 ወገረ፡ ሰው፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

ወለ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

ዘጸጥ፡ ዘለመ፡ ገብረ፡ ለጸባ፡ ለጸባ።

ኔሙ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

ወገረ፡ ሰው፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

2 ይመ፡ ለእግራ፡ ብሔር፡ ከብሔር፡ ሐደሰ።

Handwritten text in a different script, likely Ge'ez, visible on the right edge of the page.

Καὶ εἶπα αὐτοῖς ὡς λαλῶνται τῇ καρδίᾳ.
 ἄνθρωποι δὲ οὐκ ἐγνώσαν τὰς ὁδοὺς μου.
 Ὡς ὠμασα ἐν τῇ ὄργῃ μου.
 εἰ εἰσελεύσονται εἰς τὴν καρδίαν μου.
 Αἶνος ὡς δὴς τῷ λαβιδι ὅτι ὁ οἶκος ἀκοδομηρ μετὰ τῆμ
 αἰχμαλωσίῃ. Ἀνεπίγραφος παρ' ἑβραίοις 5 ε

Σατε ἰὼ κυρίῳ ἄσμα καινὴν.
 Ἄσατε ἰὼ κυρίῳ πᾶσα ἡ γῆ.
 Ἄσατε ἰὼ κυρίῳ ἐν λογιᾶτε τὸ ὄνομα αὐτοῦ.
 ἐναγγελίσετε δεήμερον ἐξήμερον τὸ σωτήριον αὐτοῦ.
 Ἀναγγείλατε ἐν τοῖς ἐθνεσιν τὴν δόξαν αὐτοῦ.
 ἐν πᾶσι τοῖς λαοῖς τὰ θαυμασία αὐτοῦ.
 Ὅτι μέγας κύριος καὶ αἰνεῖται σφοδρῶς.
 φοβερός ἐστὶν ὑπὲρ πάντων τῶν θεῶν.
 Ὅτι πάντες οἱ θεοὶ τῶν ἐθνῶν λαίμαυροι.
 ὁ δὲ κύριος τῶν θεανῶν ἐποίησεν.
 Ἐξομολογήσονται καὶ ἑβραίοις ἐνώπιον αὐτοῦ.
 ἀγιώσονται καὶ μεγαλοπρεπῶς ἐν ἰὼ ἀγίασματι αὐτοῦ.
 ἐνεγκάτε ἰὼ κυρίῳ αἱ ποταμοὶ τῶν ἐθνῶν.
 ἐνεγκάτε ἰὼ κυρίῳ δόξαν καὶ ἡμῆν.
 ἐνεγκάτε ἰὼ κυρίῳ δόξαν ὀνομαστικῶς αὐτοῦ.
 Ἄσατε θυσιᾶς καὶ εὐχαριστίας εἰς τὰς ἀνὰ ἄστρα αὐτοῦ.
 προσκυνήσατε ἰὼ κυρίῳ ἐν ἀληθινῇ ἀγίᾳ αὐτοῦ.
 Σαλευθήτω ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ πᾶσα ἡ γῆ.
 εἰπάτε ἐν τοῖς ἐθνεσιν ὅτι κύριος ἐβρασιλέυσει.
 Καὶ γὰρ κατὰ τὴν ἰσχυρίαν ἐκείνην ἡμεῖς οὐ σαλευθήσεσθα
 κρινθῆλας ἐν ἐνδύτην.
 Ἐνφρανεύσεσθα ὁ θεανὸς καὶ ἀγαλλιάσθω ἡ γῆ.
 σαλευθήτω ἡ θάλασσα καὶ τὸ πλοῦμα αὐτῆς.
 χαρῆσθαι ἰαπερία καὶ πάντα ἰα ἐν ἀνθρώποις.
 Τότε ἀγαλλιάσθαι πάντα ἰα ξύλα ἰσ δρυμῶν.
 ἀπὸ προσώπου κυρίου, ὅτι ἐρχεται.
 ὅτι ἐρχεται κρῖναι τὴν γῆν.
 Κρῖνθῆλας οἰκισμένην ἐν δικαιοσύνῃ.
 καὶ λαὸς ἐν τῇ ἀληθείᾳ αὐτοῦ. (παρ' ἑβραίοις 5 ε)
 Ἰσ τῷ λαβιδι, ὅτι ἡ γῆ αὐτῆς καθίσταται. Ἀνεπίγραφος
 κ Ἰσ εὐφρανεύσεσθα ἡ θάλασσα καὶ ἡ γῆ.
 ἐνφρανεύσεσθα ἡ θάλασσα καὶ ἡ γῆ.
 Νεφέλη καὶ ἰσ κλάω ἀνῆσθαι.

יאמר עם לעי לבבם
 והם לא ידעו דרכי
 אשר נשבעתי באפי
 אם יבנו אל מנחתתי
 יז

ישירו ליהוד שיר חדש
 ש שירו ליהוד כל הארץ
 שירו ליהוד ברכו שמו
 בשמו מיום יסועתו
 ספרו באים כבודו
 בכל העמים נבל אתיו
 כי גדול יסמהלל מאד
 נורא הוא על כל לאדם
 כי כל ארצי העמים אל ילגים
 ויהוד שמים עשה
 הוד והדר לפניו
 עז ותפארת במקדשו
 רבו ליהוד משפחות עם
 רבו ליהוד כבוד ועז
 רבו ליהוד כבוד שמו
 שאו מנחה ובאו לחצרתיו
 השתחוו ליהוד בהדרת קדשו
 חילו מפניו כל הארץ
 אסרת באים יס מלך
 אף תכון תכל כל תמוט
 ידון עם במישרים
 ישמחו השמים ותגל הארץ
 ירעם הים ומלואו
 יעלו שרי וכל אשר בו
 אורגנו כל עצי יער
 לפני יס כי בא
 כי בא לשפט הארץ
 ישפט תכל בצדק
 ועמים באמונתו
 יז
 חוד מלך תגל הארץ
 ישמחו אים רבים
 ענו וערכו סביבו
 q ii

δικαιοσύνην καὶ κριμὰ κατὰ ἁμαρτίας τοῦ θεοῦ αὐτῶν.

Πῦρ ἐνώπιον αὐτῶν προπορεύσεται.

καὶ φλογεῖ κύνκλω τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν.

Ἐφάναν αἱ ἀσραπαὶ αὐτῶν τῆς οἰκισμένης.

εἶλε καὶ ἔσχαλεύθη ἡ γῆ.

Τὰ ὄρη ὡσεὶ κηρὸς ἐτάκισαν.

ἀπὸ προσώπου κυρίου.

ἀπὸ προσώπου κυρίου πᾶσης τῆς γῆς.

Ἀγγελοὶ λαὸν οἰκουραντῶν τῆς δικαιοσύνης αὐτῶν

καὶ εἰλώσαν πάντες οἱ λαοὶ τῆς λέξεώς αὐτῶν.

Ἄισχυνθῆσαν πάντες οἱ προσκυνῶντες τοῖς γλυπτοῖς.

οἱ ἐγκυκλώμενοι ἐν τοῖς εἰδώλοις αὐτῶν.

Προσκυνήσατε αὐτῶ πάντες ἄγγελοι αὐτῶν.

ἠκασε καὶ ἐνφράνθισαν.

καὶ ἠγαλλιάσαντο αἱ θυγατέρες τῆς ἰσραήλ.

ἔνεκ τῶν κριμάτων σου κύριε.

Ὅτι οὐ κύριος ἕψισος ἐπὶ πᾶσιν τῆς γῆς.

σφόδρα ὑπέρυψῆς ὑπὲρ πάντας τῶν θεῶν.

οἱ ἀγαπῶντες ἧ κύριον μίσητε πονηρὰ.

φυλάσσει κύριος τὰς ψυχὰς τῶν δούλων αὐτῶν.

ἐκ χειρὸς ἀμαρτωλῶν ἔρσεται αὐτοῖς.

Φῶς ἀνέτειλε τῷ δικαίῳ.

καὶ τοῖς ἐν δέσει τῆς καρτείας ἐνφροσύνην.

ἐνφρανθήτε δικαίῳ ἐν τῷ κυρίῳ.

καὶ ἐξομολογήσθε τῆς μνήμης τοῦ ἁγιοῦ αὐτοῦ αὐτῶν.

τῷ Δαβὶδ φαλμῶς.

52.

Σατε τῷ κυρίῳ ἄσμα καίνεμον.

ὅτι θανάτωσά ἐποίησέ με κύριος.

Ἔσωσέ με αὐτῶ ἡ λεξιὰ αὐτοῦ.

καὶ ὁ βραχίον ὁ ἅγιος αὐτοῦ.

Ἐγνώρισε κύριος τὸ σωτήριον αὐτοῦ.

ἐναντίον τῶν ἐθνῶν, ἀπεκάλυψε τῆς δικαιοσύνης αὐτοῦ.

Ἐμνήσθη τοῦ ἐλέους αὐτοῦ ὡς ἰακώβ.

καὶ τῆς ἀληθείας αὐτοῦ τῷ οἴκῳ ἰσραήλ.

Ἐίλωσαν πάντα τὰ πέλας τῆς γῆς τὸ σωτήριον τοῦ θεοῦ ἡμῶν.

Ἀλλὰ λέξατε τῷ θεῷ πᾶσα ἡ γῆ.

ἄσατε καὶ ἀγαλλιάσθε καὶ φαλατε.

Ἦλάτε τῷ κυρίῳ ἐν κιθάρα.

ἐν κιθάρᾳ καὶ φωνῇ φαλμῶν.

צדק ומשפט מכון בראו

אש לפני תלך

ותלהט סביב צדקו

האירו ברכיו תבל

ראתה ותחל הארץ

הרים כדונג נמסו

מלפני יהוה

מלפני ארון כל הארץ

הגידו השמים צדקו

וראו כל העמים בכבודו

יבשו כל עבדי פסל

במתהללים באילים

השתחוה לו כל אלילים

שמעה ותשמח ציון

ותהלל בה בנות יהודה

למען משפטך יי

כי אתה יי עליון על כל הארץ

מאד נעלית על כל אלילים

אהבי יי שנאו רע

שמר נפשות חסדך

מיד רשעים יצילים

אור ורע לצדק

ולישר ללב שמחה

שמחו צדיקים ביהוה

והודו לזכר קדשו

מוסור

יהו ליהודו שיר חדש

כי תנבלאות עשה

דושיעה לו ימינו

והרע קדשו

הודיע יי שועתו

לעיני האלים גלה צדקתו

זכר חסדו

ואמנתו לבית ישראל

ראו כל אבסי ארץ את ישועת אל דינו

הריעו ליהוד כל הארץ

בצחוק ובכנותמרו

זמרו ליהוד בכבוד

בכבוד וקול זמרה

q ij

atria eius in hymnis confitemini illi.
Laudate nomē eius quoniam suavis est dominus:
in eternum misericordia eius:
& usque in generatōe & generationē ueritas eius.

Ipsi Dauid Psalmus. C.

Miseri cordiā & iudiciū: cantabo tibi dñe.
Psallā & intelligā in uia immaculata:
quoniam uenies ad me. (dño domus meę.

Perambulabā in innocentia cordis mei: in me
Nō proponēbā ante oculos meos rem iniustā:
facientes preuaricationes odiui.

Non adhæsit mihi cor prauum:
declināntem a me malignum nō cognoscebā.

Detrahētē secreto p̄ximo suo: hūc p̄sequēbar.
Superbo oculo & infatiabili corde: cū hoc non
Oculi mei ad fideles terre: (edebam.

ut sedeant mecum: (bat.

ambulās in uia immaculata hic mihi ministra
Nō habitabit in medio dom⁹ meę q̄ facit supbiā:
q̄ loq̄t̄ iniquū nō direxit in cōspectu oculorū meo

In matutino interficiebā oēs p̄cētōres terre: (rū.
ut disperderem de ciuitate domini omnes op̄e
rantes iniquitatem.

Oratio pauperis cum anxietas fuerit & corā
domino effuderit precem suam. CI.

d Omne exaudi orationem meam:

& clamor meus ad te ueniat.

Non auertas faciem tuam a me:
in quacūq; die tribulor inclina ad me aurē tuā.

In quacūq; die inuocauero te: uelociter exaudi

Quia defecerūt sicut fumus dies mei: (me.
& ossa mea sicut cremium aruerunt.

Percussus sum ut fenum & aruit cor meum:
quia oblitus sum comedere panem meum.

A uoce gemit⁹ mei: adhesit os meū carni meę.
Similis factus sum pellicano solitudinis:

fact⁹ sum sicut nichiorax in domicilio. (cto.

Vigilauī & fact⁹ sū: sicut passer solitari⁹ in teo
Tota die exprobrauerunt mihi inimici mei:

ፀፀኩት: አዕጸይሁ: በእብሐን: አመጸዎ።

5 ወሱብሐ: ለከሙ: እከሙ: ኔር: እግዚአብሔር:

እከሙ: ለሀላዎ: ወሐረቱ።

ወለተወልደ: ትወልደ: ጽድቁ።

መዘሙር: ዘደዋት።

1 P ወሐረቱ: ወፍትሐ: አሐላ: ለከ።

2 እኩወር: ወእሌቡ: ፍፍተ: ጸድሐ።

ፀእዜ: ትመጽ: ኔር።

3 ወአሐውር: በየዋህተ: ልብ: ፀእከለ: ቤት።

4 ወአረከይኩ: ቅድመ: አዕይጸት። ግብር: እኩ።

ጸላእኩ: ገበርተ: ህመ።

5 ወአተለወደ: ልብ: ጠዋይ።

ሶበ: ተግሐሠ: እኩይ: እግድ። አዋላመር።

6 ዘየሐል: ቤር: በጽድቁት: ከዋህ: ስደድኩ።

7 ስቡ። ህይ። ወሠሠ: ህልብ: አይትሀወል: ወሐሌ

8 አዕይጸት። ኔር: መሃይ። ወፍፍ: ወደር። ሠ።

ከሙ: አጸብር: ወሐሌ።

ዘየሐውር: በፍፍት: ጸድሐ: ወእቱ: ይትለእከ።

9 ወአይፍብር: ፀእከለ: ቤት። ዘይገብር: ትሰቢት።

ወአዋረት: ቅድመ: ዘይፍብር: ህመ።

10 በጽባሐ: እግድ። ለኩሎ: ኃፍአፍ: ወደር።

ከሙ: እሠርዎሙ: እግድ። እግዚአብሔር: ኩሎ

ሙ: ገበርተ: ህመ።

ጸሎተ: ባሕተዋ: ሶበ: ይቴክክ: ወይክፍ: ቅድመ: እግ
ዚአብሔር: ኩሎ: ስእለቅ።

1 P O ከወህደ: እግዚአ: ጸሎት።

ወይብጸሐ: ቅድመ: ገህር።

2 ወአትፍፍ: ገጸክ: እግድ።

በሰለተ: መጸይቤ። አጽዎላ: እከፍክ: ኔር።

3 አመ: ሰለተ: ሰይ ወህክ: ፍፍተ: ከወህደ።

4 እከሙ: ኃለቀ: ከሙ: ጠከ: መዋሰል።

ወፍፍክ: ከሙ: ህሰር: አዕጽዎት።

5 ተቀሠፍኩ: ወየብሐ: ከሙ: ህሰር: ልብ።

እከሙ: ተረከህደ: በሌህ: እክል።

6 እግድ። ገህር። ጠግላ: ሠጋ። ደበ: አዕጽዎት።

7 ወከጸኩ: ከሙ: አደገ: መረብ: ዘገደ።

ወከጸኩ: ከሙ: ገገ: ወከተ: ቤተ: ሌሊት።

8 ተጋሕኩ: ወከጸኩ: ከሙ: ስፍ: ባሕተዋ: ወከተ: ፍሕ

9 ወኩሎ: አልር: ይደእኩ: ስላእት። ሠ።



& qui laudabāt me aduersum me iurabant.
 Quia cinerem tanq̄ panem manducabam :
 & potum meum cum fletu miscebam.
 A facie ire indignationis tuę :
 quia elcuans allisisti me.
 Dies mei sicut umbra declinauerunt :
 & ego sicut fenum arui.
 Tu autem domine in æternum permanes :
 & memoriale tuū ī generatiōe & generationē.
 Tu exurgens misereberis sion :
 quia tēpus miserendi eius quia uenit tempus.
 Quoniam placuerūt seruis tuis lapides eius :
 & terræ eius miserebuntur.
 Et timebunt gentes nomen tuum domine :
 & omnes reges terrę gloriam tuam.
 Quia ædificauit dominus sion :
 & uidebitur in gloria sua.
 Respexit in orationem humilium :
 & non spreuit precem eorum.
 Scribantur hæc in generatione altera :
 & populus qui creabitur laudabit dominum.
 Quia prospexit de excelso sancto suo :
 dominus de cælo in terram aspexit.
 Ut audiret gemitus compeditorum :
 ut solueret filios interemptorum.
 Ut annūciat in sion nomen domini :
 & laudem eius in hierusalem.
 In conueniendo populos in unum :
 & reges ut seruiant domino.
 Respondit ei in uia uirtutis suę :
 paucitatem dierum meorum nuncia mihi.
 Ne reuoces me in dimidio dierum meorum :
 in generatione & generationem anni tui.
 In initio tu domine terram fundasti :
 & opera manuum tuarum sunt cœlis :
 Ipsi peribunt tu autem permanes :
 & omnes sicut uestimētum ueterascunt.
 Et sicut opertoriū mutabis eos & mutabunt :
 tu autem idem ipse es :

Θ Λ Α Ξ : Ε Η Ε Ξ : Ε Η Η Τ Ρ : Α Θ Λ Ρ ::
 10 λ η σ ο : η σ ο ρ : η σ ο : λ η α ο : φ θ η η ο ::
 Ο Η Ξ Ρ Ξ : Θ Η Α : Α Ξ Η Ο Ρ : Α Τ Ε Η ::
 11 λ φ γ κ : σ φ ω ρ τ : σ υ τ η ::
 λ η σ ο : α ζ υ λ η η ζ : ο ς κ η η ζ ::
 12 Θ σ φ ο δ ρ ζ : η σ ο : κ ο λ ο τ : γ ο λ ε ::
 Ο Α Ξ ς : η σ ο : υ ι ο ς : ρ η η η ο ::
 13 Ο Α Ξ τ η κ : λ γ η λ α : Α υ ι Α φ : τ ζ η ο ::
 Ο Η η ο η ζ : Α τ ο δ ρ : τ ο δ ρ ::
 14 τ ζ μ λ : λ γ η λ α : ο τ υ υ ο : Α κ ρ ζ ::
 λ η σ ο : γ η υ : ο λ τ : η σ ο : τ υ υ ο : ο η κ η λ ::
 15 λ η σ ο : ω φ ζ : α γ η ο ζ τ η η : λ η η υ :: μ ρ θ υ ::
 Ο Α η ο ο φ : Α σ ο λ ο τ ::
 16 Ο ε ς ο υ : Α η η η η : η σ ο η : λ γ η λ α ::
 Ο η ο ο σ : ζ γ μ τ : Α η η η ο τ η η ::
 17 λ η σ ο : ρ η ζ κ : λ γ η λ α η η ο ζ : Α κ ρ ζ ::
 Ο ρ η τ ο λ α : η η η η ο τ η ο ::
 18 Ο ς κ ζ : ο θ λ : κ ο λ ο τ : ζ ρ ε ::
 Ο λ τ φ ο λ α : η λ α τ ο σ ::
 19 Ο τ κ η λ η τ : η η : Α η ο λ α : τ ο δ ρ ::
 Ο η η η η η : η ε τ η ο ο ζ : ε η η η η : Α λ η λ α η η ο ζ ::
 20 λ η σ ο : γ ο κ : λ φ η ο ε : σ φ ρ η ο ::
 λ γ η λ α η η ο ζ : γ ο κ : λ φ η ο ε : ε η η ο ρ ζ ::
 21 η σ ο : ε η ο θ ο : γ ο ο σ ο : Α σ φ η η ζ ::
 Ο η σ ο : ρ η ε ο σ ο : Α ρ ε φ : φ τ ο ζ ::
 22 η σ ο : ε ζ γ ζ : η κ ρ ζ : η σ ο : λ γ η λ α η η ο ζ ::
 Ο η η η ο τ η ο ζ : η λ ρ ζ η ο ο ζ ::
 23 ο η : τ ο η η : Α η η η η : γ ο ζ ::
 Ο ς γ μ τ η ζ : η σ ο : ε τ φ ς κ : Α λ γ η λ α η η ο ζ ::
 24 Ο τ η η ο ο σ ο : η ο τ τ : γ ρ ο ο ::
 ζ γ ζ ζ : Ο η η ζ : Α σ φ ο δ ρ ::
 25 Ο λ τ η η ρ ζ : η σ ο ζ λ φ : υ ι σ ο τ ρ ::
 Α τ ο δ ρ : τ ο δ ρ : υ ι σ ο τ η η ::
 26 Α ζ τ : λ γ η λ α : Α φ ρ ο η : υ ι ο ζ : Α φ ρ ζ ::
 Ο γ η λ : λ ρ ε η : λ α ζ τ : η ο ρ τ ::
 27 λ α ζ τ η η : ε τ η η ο : Ο Α ζ τ η η : τ υ ο ::
 Ο η ο ο : η σ ο : Α η η η : ε η ο ο ::
 28 Ο η σ ο : φ ο η η τ : τ ο δ ρ ο σ ο : Ο ε τ η ο Α ο ::
 Ο Α ζ τ η η : Α ζ τ η η σ ο ::

[Marginal notes in a smaller, cursive script, likely a commentary or gloss on the main text.]

καὶ οἱ ἐπαινοῦντές με κατ' ἐμὸν ὠμνον.
 Ὅτι σποδὸν ὡσεὶ ἄστυ ἐφ' ἄστυ.
 καὶ τὸ πῶμα μὲς μετὰ κλαυθμῶν ἐκίενον.
 Ἀπὸ προσώπου τῆς οὐρῆς ἡς ἡς καὶ τὸ θυμὸν ἡς.
 ὅτι πᾶσας κατέβραχας με.
 Αἱ ἡμέραι μὲς ὡσεὶ σκία ἐκλίνοισάν με.
 καὶ ὡσεὶ χορτὸς ἐξηρανθήμην.
 Σὺ δὲ κύριε εἰς γὰρ αἰῶνα μένεις.
 καὶ ἡ μνημόσυνη ἡς εἰς γενεάν καὶ γενεάν.
 Σὺ ἀνάσσεις οἰκτρήσεις τὴν σιών.
 ὅτι καί τις τῶν οἰκτρήσει αὐτήν, ὅτι ἡ καὶ καί τις.
 Ὅτι ἐν δόκιμασιν οἱ δὲ λόγοι ἡς τῶν λίθων αὐτῆς.
 καὶ τὸ χόρμ αὐτῆς οἰκτρήσουσιν.
 καὶ φοβηθήσονται τὰ ἔθνη τὸ ὄνομα κυρίου.
 καὶ πάντες οἱ βουλοῦντες τῆς γῆς τὴν δόξαν ἡς.
 Ὅτι οἰκοδομησὶν κύριος τὴν σιών.
 καὶ ὀφθήσεται ἐν τῇ δόξῃ αὐτῆς.
 Ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὴν προσευχὴν τῶν ταπεινῶν.
 καὶ οὐκ ἐξέβλεψεν τὴν δόξαν αὐτῶν.
 Γραφήτω αὐτῆς γενεὴν ἡμετέραν.
 καὶ λαὸς ὁ κτιζόμενος αἰνεσάτω κύριον.
 Ὅτι ἐξέκυψεν ἐξ ὕψους ἁγίου αὐτῆς.
 κύριος ἐξ ἑρανοῦ ἐπὶ τὴν γῆν ἐπέβλεψε.
 Τὸ ἀκούσαι τὸ στεναγμὸν τῶν πεπεδημένων.
 τῶν λυθῶν τῶν νύκτων τῶν τε θανάτων ἡμετέρων.
 Τὸ ἀναγγεῖλαι ἐν σιών τὸ ὄνομα κυρίου.
 καὶ τὴν αἴνεσιν αὐτῆς ἐν ἱερὸς αὐτῆς.
 Ἐν τῷ ἐπισυναχθῆναι λαὸς ἐπὶ κανόν.
 καὶ βουλοῦντες τὸν δόξαν ἡμετέραν.
 Ἄπεκρίθη αὐτῶν ἐν δόξῃ ἰσχύος αὐτῆς.
 τὴν ὀλιγοτητα τῶν ἡμετέρων μὲς ἀναγγεῖλαι μοι.
 Μὴ ἀναγάγῃς με ἐν ἡμῶν ἡμετέρων μὲς,
 ἐν γενεᾷ γενεῶν τὰ ἔτη ἡς.
 Καταρχῆς οὐ κύριε τὴν γῆν ἐθεμελίωσας.
 καὶ ἐργασίῃ χερῶν ἡς εἰδὼν οἱ ἑρανοί.
 Ἄνθρωποι ἀπολθῶναι, σὺ δὲ διαμένεις.
 καὶ πάντες ὡς ἰμάτιον παλαιωθήσονται.
 Καὶ ὡσεὶ περιβόλαιον ἐλίξῃς αὐτῶν καὶ ἀλλαγῆσονται.
 σὺ δὲ ὁ αὐτὸς εἶ.

מהלל לך כי נשבעו
 כי אכר בלחם אכלתי
 ונשקני בדבני מסכת
 מפני ועמד וקצפת
 כי נשאתני ותשל יכני
 ימי כצל נמוי
 ואני בעשב איבש
 ואתה וט לעולם תשב
 וזכרה לדור ודור
 אמת תקום תרחם ציון
 כי עת להננה כי בא מוש
 כי רצו עבדיך את אבנך
 ואת עפנה חננו
 וייראו גוים את שם יי
 וכל מלכי הארץ את בכבודך
 כי פנה יי ציון
 בראה בכבוד
 פנה אל תפילתם הערער
 ולא כזה את תפלתם
 תכתב זאת לדור אחרון
 ועם נברא ודל ייה
 כי השקר ממרום קדש
 יהוד משמים אל ארץ הכיש
 ל שמע אנת אמת
 לפתח בני חכמה
 לספר בנין שם יי
 ותהלתו בירושלם
 בהקדש עמים יחדן
 וסמכות לעבד את יי
 ענה בדרך כחי
 קצו ימי אמר אלי
 אל תעלני בחצוים
 בדור הדורם שנותיה
 לפנים הארץ יסדת
 ומעשה ידך שמים
 ומה יאבדו ואתה העמד
 וכלם כבדו יכלו
 כלבוש תחליפם ויתלבו
 ואתה הוא

καὶ τὰ ἔτη οὐκ ἐκλείψουσιν.
Οἱ υἱοὶ τῶν δούλων σου κατασκηνώσασιν.
καὶ τὸ σπέρμα αὐτῶν εἰς τὸ αἰῶνα κατενδυνθίσεται.

Υαλμὸς τῶ Δαβὶλ.
Ἐ
Ἐν λόγῳ τῆς ψυχῆς μου ἐν κυρίῳ.
καὶ πάντα τὰ ἔργα μου ἐν ὀνόματι τοῦ ἁγίου ἀνθρώπου.

Ἐν λόγῳ τῆς ψυχῆς μου ἐν κυρίῳ.
καὶ μὴ ἐπιλανθάνω πάσαις τὰς ἀνταποδώσεις ἀνθρώπου.
Τὸ ἐνὶ λατρευόντα πάσαις ταῖς ἀνομίαις σου.
ἐν ἡμέτερον πάσαις τὰς νόσους σου.
Τὸν λυτρουμένον ἐκ φθορᾶς τῆς ζωῆς σου.
ἐν σφραγιζόντα σε ἐν ἐλέει καὶ δικαιοσύνῃ σου.
Τὸν ἐμπιπλῶντα ἐν ἀγαθῶν τῆς ἐπιθυμίας σου.
ἀνακαίνισθαι ὡς ἀεὶ τὸ ἥνεός σου.

Ποιῶν ἐλεημοσύνας ὁ κύριος.
καὶ κείματα πᾶσι τοῖς ἀλικοῦμένοις.
Ἐγνώρισε τὰς δόλους ἀνθρώπου ἐν τῷ μόνῳ σου.
καὶ οἱ υἱοὶ Ἰσραὴλ τὰ δελήματα ἀνθρώπου.
οἰκτιρῶν καὶ ἐλεῶν ὁ κύριος.
μικροδύμος καὶ πολυέλεος.

οὐκ εἰς θέλει ὀργισθῆσθαι ἕως εἰς τὸν αἰῶνα μνησθῆναι.
οὐ κατὰ τὰς ἀνομίας ἡμῶν ἐποίησεν ἡμῖν.
ἕως κατὰ τὰς ἀμαρτίας ἡμῶν ἀνταπέδωκεν ἡμῖν.
ὅτι κατὰ τὸ ἔλεος τοῦ οὐρανοῦ ἀπὸ τῆς γῆς.
ἐκράτησεν ὁ κύριος τὸ ἔλεος ἀνθρώπου ἐπὶ τοῖς φοβούμενοις αὐτόν.

Καθὼς ἀπέσχεσιν ἀνατολαὶ ἀπὸ δυνάμεως.
ἐμάκρυνεν ἀφ' ἡμῶν τὰς ἀνομίας ἡμῶν.
Καθὼς δικτεῖται πᾶσι τοῖς υἱοῖς.
δικτεῖσθε κύριος τοὺς φοβούμενους αὐτόν.
ὅτι ἀντὸς ἐγὼ τὸ πλάσμα ἡμῶν.
ἐμνήσθη ὅτι χεῖρ ἐσμέν.

Ἄνθρωπος ὡσεὶ χορτὸς αἱ ἡμέραι ἀνθρώπου.
ὡσεὶ ἄνθος τὸ ἄγρον ἕως ἐξανθήσει.
ὅτι πνεῦμα λιπλθεν ἐν αὐτῷ καὶ οὐχ ὑπάρξει.
καὶ οὐκ ἐπιγνώσεται ἐτι τὸν τόπον αὐτοῦ.
τὸ δὲ ἔλεος τοῦ κυρίου ἀπὸ τοῦ αἰῶνος καὶ ἕως τοῦ αἰῶνος.
ἐπὶ τοῖς φοβούμενοις αὐτόν.

καὶ ἡ δικαιοσύνη αὐτοῦ ἐπὶ υἱοῖς υἱῶν.
τοῖς φηλάσσοσι τὴν διαθήκην αὐτῶν.

קב

וְשִׁנְתִּיךָ לֹא יִחַמוּ
בְּנֵי-עַבְדֶיךָ יִשְׁכְּנוּ
וְרַעַם לְבַתְּךָ יִפּוֹן
לְדוֹד

וְכִי נִפְשִׁי אֶת-יְהוָה
וְכָל-קִרְבֵי אֶת-שֵׁם קִדְשׁוֹ

וְכִי נִפְשִׁי אֶת-יְהוָה
וְאֵל-תְּשַׁבְּחֵנִי כָּל-גְּמוּלָיו
הַסֵּלַח לְכָל-עֲוֹנֵי
הַרְחֵם אֶת-לִבִּי וְאֶת-לִבִּי
הַמְעַטְרֵנִי חֶסֶד וְרַחֲמִים
הַמְשַׁבְּחֵנִי בְּמִטּוֹב עֲבֹדֶיךָ
וְתַחֲרֵשׁ כְּנֶשֶׁךְ נַעֲרֵיכִי
עֲשֵׂה צְדָקוֹת יְהוָה
וּמִשְׁפָּטִים לְכָל-עֲשׂוֹקִים
יִדְעוּ עַד-רִבְבוֹת מִשְׁהָ
לְבַנְיָן יִשְׂרָאֵל עַל-יְדֹתָיו
כְּהוֹם וְחַטָּן יְהוָה

אֲרַךְ אַפַּיִם וְרַב-חֶסֶד
לֹא לַצַּחַח יִרְיֹךְ וְלֹא לְעוֹלָם יִשְׁוֹר
לֹא אֲבַחֵם אֲנִי עֲשֵׂה לְנַפְשִׁי
וְלֹא בְעֹנֵיכֶם גְּמַל עָלֵינוּ
כִּי נִקְבַּח שְׁמַיִם עַל-הָאָרֶץ
גָּבַר חֶסֶדוֹ עַל-יְרֵאָיו
בְּרַחֵם מִרַחֵם כַּמְעַרְבַּב
הַרְחִיק מִמֶּנּוּ אֶת-פְּשָׁעֵינוּ
בְּרַחֵם אֲב עַל-בָּנָיִם
רַחֵם יְיָ עַל-יְרֵאָיו
כִּי-הוּא יִדְעֵנוּ יִצְרָנוּ
זְכוֹר-יְיָ עֲשֵׂה אֲנַחְנוּ
אֲנֹשׁ כְּחֹצֵר יִמִּין
כְּצִיף הַשָּׂדֶה בֵּן-בְּצִיץ
כִּי רוּחַ עֲבָרָה בּוֹ וְאֵינֶנּוּ
וְלֹא יִכְרְתוּ עוֹד מִקוּמוֹ
וְחֶסֶד יְיָ מֵעוֹלָם וְעַד עוֹלָם
עַל-יְרֵאָיו
וְצְדָקָתוֹ לְבַנְיָנָיִם
לְשִׁמְרֵי בְרִיתוֹ

ר י

Et memores sūt mādator: ipsi: ad faciēdū ead
 Dominus in cœlo parauit sedem suam:
 & regnum ipsius omnibus dñabitur.
 Benedicite domino omnes angeli eius:
 potentes uirtute facientes uerbum illius:
 ad audiendum uocem sermonum eius.
 Benedicite domino omnes uirtutes eius:
 ministri eius qui facitis uoluntatem eius.
 Benedicite domino omnia opera eius:
 in omni loco dominationis eius:
 benedic anima mea domino.

Ipsi Dauid.

CIII.

b Ene dic anima mea domino:
 dñe deus meus magnificatus es uehes

Confessionem & decorē induisti: (mentes
 amicus lumine sicut uestimento.
 Extendens cœlum sicut pellem:
 qui regis aquis superiora eius.
 Qui ponis nubem ascensum tuum:
 qui ambulat super pennas uentorum.
 Qui facis angelos tuos spiritus
 & ministros ignem urentem.
 Qui fundasti terram super stabilitatem suam:
 non inclinabitur in seculum sæculi.
 Abyssus sicut uestimentum eius:
 super montes stabunt aquæ.
 Ab increpatione tua fugient:
 a uoce tonitru tui formidabunt.
 Ascendunt montes & descendunt campi:
 in locum quem fundasti eis.
 Terminū posuisti quem non transgredientur:
 neq; conuertentur operire terram.
 Qui emittis fontes in conuallibus:
 inter medium montium pertransibunt aquæ.
 Potabunt omnes bestię agri:
 expectabunt onagri in siti sua.
 Super ea uolucres cœli habitabunt:
 de medio petrarum dabunt uoces.
 Rigans montes de superioribus suis:

18 O. E. H. h. z. : F. l. H. H. : h. s. : e. 7. n. z. :
 19 λ. 7. H. A. - n. h. c. : A. n. + E. A. O. : s. z. n. c. : n. h. o. p. t. :
 O. n. A. : E. o. z. z. : n. s. z. 7. u. t. :
 20 n. c. n. o. : A. λ. 7. H. A. - n. h. c. : n. o. h. o. : s. o. λ. h. t. :
 K. z. u. z. : o. z. p. o. z. : λ. o. : t. 7. n. z. : o. l. e. : : u. u. :
 O. λ. A. : t. h. o. u. : o. h. : z. 7. z. :
 21 E. n. c. n. o. : A. λ. 7. H. A. - n. h. c. : n. A. : z. E. A. :
 o. λ. h. : λ. o. : e. 7. n. z. : z. o. E. :
 22 E. n. c. n. o. : A. λ. 7. H. A. - n. h. c. : n. A. : t. 7. n. z. :
 O. h. t. : n. A. : n. h. o. c. t. : s. o. n. h. t. :
 t. n. c. h. : z. f. h. p. : A. λ. 7. H. A. - n. h. c. :
 H. z. e. t. :

1 P. Γ. t. n. c. h. : z. f. h. p. : A. λ. 7. H. A. - n. h. c. :
 λ. 7. H. A. : A. o. o. h. p. : o. o. : v. n. e. h. : z. p. z. p. :
 2 A. o. z. : o. o. n. p. : h. - n. h. t. : A. n. h. h. :
 O. A. n. h. : n. c. v. z. : h. s. : o. - n. h. :
 3 O. z. n. - n. h. : A. h. e. l. : h. s. : w. z. :
 H. z. m. f. c. : n. o. e. l. : z. c. h. :
 4 O. z. h. p. : z. o. s. t. : s. o. h. p. p. :
 H. p. h. o. c. : n. h. z. l. : z. l. h. :
 5 H. e. l. h. p. s. : A. s. o. λ. h. t. u. : s. o. z. l. h. :
 O. A. λ. A. : e. t. A. h. n. o. : z. e. : λ. h. t. :
 6 h. z. c. : A. o. p. c. : o. A. z. v. :
 h. s. : A. z. z. o. o. : A. v. A. s. : u. A. o. :
 7 O. o. A. e. z. : h. s. : A. n. h. : A. z. c. :
 O. h. t. : A. p. n. c. : e. z. o. o. : o. p. t. :
 8 O. λ. o. t. 7. u. s. h. : e. z. p. :
 O. λ. o. p. o. o. : z. z. p. z. p. h. : e. p. z. 7. o. :
 9 P. v. c. t. : A. p. n. z. : o. e. o. c. e. : z. e. o. :
 O. h. t. : n. h. c. : z. n. : h. z. c. h. s. :
 10 O. w. z. o. h. s. : o. h. t. s. : λ. o. z. n. : h. e. z. o. z. :
 h. s. : λ. e. t. o. p. n. : o. h. e. n. z. p. : A. o. p. c. :
 11 H. e. l. z. : A. z. z. o. t. : O. h. t. : o. o. t. :
 O. o. λ. h. n. : A. p. n. c. : p. z. o. z. : o. p. t. :
 12 O. p. h. t. e. : A. n. A. : A. c. e. : z. e. o. :
 O. e. t. o. h. z. : h. o. h. t. p. z. t. : A. z. o. n. s. :
 13 O. p. x. h. : u. p. : A. o. p. l. : h. o. e. :
 O. e. z. z. o. : n. o. λ. h. n. : x. o. u. t. :
 14 H. e. w. z. p. s. : A. A. p. n. c. : λ. o. o. h. m. z. z. u. s. :

[Faint, illegible text from the reverse side of the page, likely bleed-through or a second column of text.]

& renouabis faciem terre
 Sit gloria domini in seculum
 letabitur dominus in operibus suis
 Qui respicit terram & facit eam tremere
 qui tangit montes & fumigant
 Cantabo domino in uita mea
 psallam deo meo quamdiu sum
 Iocundum sit ei eloquium meum
 ego uero delectabor in domino
 Deficiant peccatores a terra
 & iniqui ita ut non sint
 benedic anima mea domino

Alleluia • CIII •

Confitemini dño & inuocatenomē ei
 annūciate inter gentes opera eius
 Cantate ei & psallite ei
 narrate omnia mirabilia eius
 laudamini in nomine sancto eius
 Letetur cor querentium dominum
 querite dominum & confirmamini
 querite faciem eius semper
 Memento mirabilium eius que fecit
 prodigia eius & iudicia oris eius
 Semen Abraham serui eius
 filij Jacob electi eius
 Ipse dominus deus noster
 in uniuersa terra iudicia eius
 Memor fuit in seculum testamenti sui
 uerbi quod mandauit in mille generationes
 Quod disposuit ad Abraham
 & iuramenti sui ad Isaac
 Et statuit illud Jacob in preceptum
 & Israel in testamentum eternum
 Dicenstibi dabo terram Chanaan
 funiculum hereditatis uestrę
 Cum essent numero breuiter
 paucissimi & incolę eius
 Et terra: fuerunt de gente in gentem
 & de regno ad populum alterum

32 **Q**uoniam dñs: n̄. p̄. h̄. t̄. u. : a. l. a. n̄. h̄. c. : a. u. a. q̄. :
 33 **H**e z̄. k̄. l. : a. o. p̄. c. : o. e. l. d̄. p̄. : h̄. o. : t̄. c. u. e. :
 34 **l**ib̄. n̄. h̄. : a. l. a. n̄. h̄. c. : n̄. h̄. e. o. t̄. p̄. :
 35 **o** a. w. o. c. : f. o. p̄. :
 36 **o** p̄. a. q̄. : t̄. p̄. a. z̄. : a. o. p̄. c. :
o a. g. e. p̄. z̄. q̄. : a. e. u. a. : a. z̄. n̄. :
t̄. n̄. c. h̄. : z̄. f̄. d̄. p̄. : a. l. a. n̄. h̄. c. :

Y A A P :

1 **p**v **q**z̄. p̄. : a. l. a. n̄. h̄. c. : o. x. o. v. : h̄. q̄. :
 2 **o** z̄. t̄. c. o. s. : a. l. a. n̄. h̄. c. : o. z̄. n̄. c. :
 3 **h̄. n̄. h̄. o. : o. h̄. o. l. : a. t̄. e. :
 o. z̄. t̄. c. : h̄. o. : o. z̄. n̄. c. :
 o. t̄. h̄. n̄. c. : n̄. h̄. o. : t̄. e. h̄. :**
 4 **o** e. t̄. h̄. n̄. c. : o. z̄. n̄. c. : h̄. t̄. n̄. c. :
**t̄. a. o. z̄. u. : o. h̄. t̄. z̄. : a. a. u. :
 5 **h**c. a. : a. n̄. c. y. o. : a. t̄. n̄. c. t̄. u. :
**o. p̄. e. q̄. : p̄. o. s̄. n̄. : a. z̄. p̄. z̄. u. :
 6 **o** a. t̄. e. : a. l. a. n̄. h̄. c. : a. o. a. h̄. z̄. :
**o. h̄. t̄. h̄. a. : o. p̄. c. : h̄. t̄. z̄. u. :
 7 **o** t̄. h̄. n̄. c. : a. u. c. v. e. : h̄. a. u. a. o. :
**t̄. a. : h̄. a. h̄. h̄. : a. v. a. c. t̄. e. : o. a. t̄. : t̄. o. a. p̄. :
 8 **h**w. c. v. : a. n̄. c. y. o. :
**o. s. a. a. : a. e. h̄. h̄. q̄. :
 9 **o** a. t̄. o. : h̄. o. v. : a. p̄. o. s̄. n̄. :
**o. a. h̄. z̄. e. a. : h̄. e. z̄. : h̄. a. u. a. o. :
 10 **o** e. n̄. a. : a. h̄. : a. u. n̄. h̄. : o. p̄. z̄. : h̄. s̄. a. z̄. :
**t̄. n̄. z̄. h̄. o. : u. n̄. a. : c. h̄. t̄. h̄. o. :
 11 **a**z̄. h̄. : o. u. e. z̄. : o. p̄. : a. o. z̄. t̄. e. :
**o. e. a. p̄. z̄. : o. h̄. t̄. t̄. :
 12 **o** z̄. a. z̄. : a. o. h̄. h̄. n̄. : o. h̄. t̄. : h̄. h̄. n̄. :
o. a. o. s̄. z̄. a. u. t̄. : o. h̄. t̄. : h̄. a. l. : h̄. h̄. n̄. :****************

[Marginal notes in a smaller script, likely a commentary or gloss, partially obscured by the binding edge.]

0179... 0180... 0181... 0182... 0183... 0184... 0185... 0186... 0187... 0188... 0189... 0190... 0191... 0192... 0193... 0194... 0195... 0196... 0197... 0198... 0199... 0200... 0201... 0202... 0203... 0204... 0205... 0206... 0207... 0208... 0209... 0210... 0211... 0212... 0213... 0214... 0215... 0216... 0217... 0218... 0219... 0220... 0221... 0222... 0223... 0224... 0225... 0226... 0227... 0228... 0229... 0230... 0231... 0232... 0233... 0234... 0235... 0236... 0237... 0238... 0239... 0240... 0241... 0242... 0243... 0244... 0245... 0246... 0247... 0248... 0249... 0250... 0251... 0252... 0253... 0254... 0255... 0256... 0257... 0258... 0259... 0260... 0261... 0262... 0263... 0264... 0265... 0266... 0267... 0268... 0269... 0270... 0271... 0272... 0273... 0274... 0275... 0276... 0277... 0278... 0279... 0280... 0281... 0282... 0283... 0284... 0285... 0286... 0287... 0288... 0289... 0290... 0291... 0292... 0293... 0294... 0295... 0296... 0297... 0298... 0299... 0300... 0301... 0302... 0303... 0304... 0305... 0306... 0307... 0308... 0309... 0310... 0311... 0312... 0313... 0314... 0315... 0316... 0317... 0318... 0319... 0320... 0321... 0322... 0323... 0324... 0325... 0326... 0327... 0328... 0329... 0330... 0331... 0332... 0333... 0334... 0335... 0336... 0337... 0338... 0339... 0340... 0341... 0342... 0343... 0344... 0345... 0346... 0347... 0348... 0349... 0350... 0351... 0352... 0353... 0354... 0355... 0356... 0357... 0358... 0359... 0360... 0361... 0362... 0363... 0364... 0365... 0366... 0367... 0368... 0369... 0370... 0371... 0372... 0373... 0374... 0375... 0376... 0377... 0378... 0379... 0380... 0381... 0382... 0383... 0384... 0385... 0386... 0387... 0388... 0389... 0390... 0391... 0392... 0393... 0394... 0395... 0396... 0397... 0398... 0399... 0400... 0401... 0402... 0403... 0404... 0405... 0406... 0407... 0408... 0409... 0410... 0411... 0412... 0413... 0414... 0415... 0416... 0417... 0418... 0419... 0420... 0421... 0422... 0423... 0424... 0425... 0426... 0427... 0428... 0429... 0430... 0431... 0432... 0433... 0434... 0435... 0436... 0437... 0438... 0439... 0440... 0441... 0442... 0443... 0444... 0445... 0446... 0447... 0448... 0449... 0450... 0451... 0452... 0453... 0454... 0455... 0456... 0457... 0458... 0459... 0460... 0461... 0462... 0463... 0464... 0465... 0466... 0467... 0468... 0469... 0470... 0471... 0472... 0473... 0474... 0475... 0476... 0477... 0478... 0479... 0480... 0481... 0482... 0483... 0484... 0485... 0486... 0487... 0488... 0489... 0490... 0491... 0492... 0493... 0494... 0495... 0496... 0497... 0498... 0499... 0500... 0501... 0502... 0503... 0504... 0505... 0506... 0507... 0508... 0509... 0510... 0511... 0512... 0513... 0514... 0515... 0516... 0517... 0518... 0519... 0520... 0521... 0522... 0523... 0524... 0525... 0526... 0527... 0528... 0529... 0530... 0531... 0532... 0533... 0534... 0535... 0536... 0537... 0538... 0539... 0540... 0541... 0542... 0543... 0544... 0545... 0546... 0547... 0548... 0549... 0550... 0551... 0552... 0553... 0554... 0555... 0556... 0557... 0558... 0559... 0560... 0561... 0562... 0563... 0564... 0565... 0566... 0567... 0568... 0569... 0570... 0571... 0572... 0573... 0574... 0575... 0576... 0577... 0578... 0579... 0580... 0581... 0582... 0583... 0584... 0585... 0586... 0587... 0588... 0589... 0590... 0591... 0592... 0593... 0594... 0595... 0596... 0597... 0598... 0599... 0600... 0601... 0602... 0603... 0604... 0605... 0606... 0607... 0608... 0609... 0610... 0611... 0612... 0613... 0614... 0615... 0616... 0617... 0618... 0619... 0620... 0621... 0622... 0623... 0624... 0625... 0626... 0627... 0628... 0629... 0630... 0631... 0632... 0633... 0634... 0635... 0636... 0637... 0638... 0639... 0640... 0641... 0642... 0643... 0644... 0645... 0646... 0647... 0648... 0649... 0650... 0651... 0652... 0653... 0654... 0655... 0656... 0657... 0658... 0659... 0660... 0661... 0662... 0663... 0664... 0665... 0666... 0667... 0668... 0669... 0670... 0671... 0672... 0673... 0674... 0675... 0676... 0677... 0678... 0679... 0680... 0681... 0682... 0683... 0684... 0685... 0686... 0687... 0688... 0689... 0690... 0691... 0692... 0693... 0694... 0695... 0696... 0697... 0698... 0699... 0700... 0701... 0702... 0703... 0704... 0705... 0706... 0707... 0708... 0709... 0710... 0711... 0712... 0713... 0714... 0715... 0716... 0717... 0718... 0719... 0720... 0721... 0722... 0723... 0724... 0725... 0726... 0727... 0728... 0729... 0730... 0731... 0732... 0733... 0734... 0735... 0736... 0737... 0738... 0739... 0740... 0741... 0742... 0743... 0744... 0745... 0746... 0747... 0748... 0749... 0750... 0751... 0752... 0753... 0754... 0755... 0756... 0757... 0758... 0759... 0760... 0761... 0762... 0763... 0764... 0765... 0766... 0767... 0768... 0769... 0770... 0771... 0772... 0773... 0774... 0775... 0776... 0777... 0778... 0779... 0780... 0781... 0782... 0783... 0784... 0785... 0786... 0787... 0788... 0789... 0790... 0791... 0792... 0793... 0794... 0795... 0796... 0797... 0798... 0799... 0800... 0801... 0802... 0803... 0804... 0805... 0806... 0807... 0808... 0809... 0810... 0811... 0812... 0813... 0814... 0815... 0816... 0817... 0818... 0819... 0820... 0821... 0822... 0823... 0824... 0825... 0826... 0827... 0828... 0829... 0830... 0831... 0832... 0833... 0834... 0835... 0836... 0837... 0838... 0839... 0840... 0841... 0842... 0843... 0844... 0845... 0846... 0847... 0848... 0849... 0850... 0851... 0852... 0853... 0854... 0855... 0856... 0857... 0858... 0859... 0860... 0861... 0862... 0863... 0864... 0865... 0866... 0867... 0868... 0869... 0870... 0871... 0872... 0873... 0874... 0875... 0876... 0877... 0878... 0879... 0880... 0881... 0882... 0883... 0884... 0885... 0886... 0887... 0888... 0889... 0890... 0891... 0892... 0893... 0894... 0895... 0896... 0897... 0898... 0899... 0900... 0901... 0902... 0903... 0904... 0905... 0906... 0907... 0908... 0909... 0910... 0911... 0912... 0913... 0914... 0915... 0916... 0917... 0918... 0919... 0920... 0921... 0922... 0923... 0924... 0925... 0926... 0927... 0928... 0929... 0930... 0931... 0932... 0933... 0934... 0935... 0936... 0937... 0938... 0939... 0940... 0941... 0942... 0943... 0944... 0945... 0946... 0947... 0948... 0949... 0950... 0951... 0952... 0953... 0954... 0955... 0956... 0957... 0958... 0959... 0960... 0961... 0962... 0963... 0964... 0965... 0966... 0967... 0968... 0969... 0970... 0971... 0972... 0973... 0974... 0975... 0976... 0977... 0978... 0979... 0980... 0981... 0982... 0983... 0984... 0985... 0986... 0987... 0988... 0989... 0990... 0991... 0992... 0993... 0994... 0995... 0996... 0997... 0998... 0999... 1000...

καὶ συνέτριψε πᾶν ξύλον οὐκ ἀντῶν.
ἔειπε καὶ ἦλθεν ἀκρίς.
καὶ βίουχος οὐ οὐκ ἦν ἀντι-θμός.
καὶ κατέφαγε πάντα χορτὴν ἐν τῇ γῆ ἀντῶν.
καὶ κατέφαγε πάντα τὴν καρπὸν τῆς γῆς ἀντῶν.
καὶ ἐπάταξε πᾶν πρωτόκορον ἐν τῇ γῆ ἀντῶν.
καὶ ἐπάταξε πᾶν πρῶτον ἀντῶν.
καὶ ἐξήγαγε ἀντῶν ἐν ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ.
καὶ οὐκ ἦν ἐν ταῖς φυλαῖς ἀντῶν ὁ ἀσθενῶν.
ἐνφρανόθη αἰγυπτῶς ἐν τῇ ἐξοδῷ ἀντῶν.
ὅτι ἐπέπεσε ὁ φόβος ἀντῶν ἐπ' ἀντῶν.
διεπέτασε νεφέλην εἰς οὐρανὸν ἀντῶν.
καὶ πᾶς τὸ φῶς ἵσται ἀντῶν τὴν νύκτα.
ἠκούσθη καὶ ἠλάλησεν ὅσον γομῆτα.
καὶ ἔστη ὁ ἀντῶν ἐν πᾶσι ἀντῶν.
διεβόησε πᾶσι τῶν ἐξοδῶν ἠλάλητα.
ἐπὶ τὸν ἔθνος ἐν ἀντῶν οὐρανοί.
ὅτι ἐμνήσθη τὸ λόγος τὸ ἀγίος ἀντῶν.
τὸ πρὸς ἀβραάμ τὸν δούλον αὐτοῦ.
καὶ ἐξήγαγε τὸν λαὸν αὐτῶν ἐν ἀγαλλιάσει.
καὶ πᾶς ἐκλεκτὸς ἀντῶν ἐν ἐνφρανόνη.
καὶ ἔλαχε ἀντῶν χωρὰς ἐθνομῶν.
καὶ πόνον λαῶν κατεκλήρονομησεν.
ὅπως ἂν φυλάξωσι τὰ δικαιώματα αὐτῶν.
καὶ τὸν νόμον αὐτῶν ἐκζητήσωσιν.
Ἄλληλούϊα.
ἔξομολογεῖσθε τῷ κυρίῳ ὅτι κηρῶς.
ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ.
τίς λαλήσει τὰς δυναστείας τῶν κυρίων.
ἀκούς ποιησάτω ἀκούσας τὰς αἰνεσεις αὐτοῦ.
Μισοῦσι εἰς φυλάσσοντες κρίσιμ.
καὶ ποιοῦντες δικαιοσύνην ἐν πάντι καιρῶ.
Μνήσθητι ἡμῶν κύριε ἐν τῇ ἐνδοκίᾳ τῶν λαῶν σου.
ἐπίσκεψαι ἡμᾶς ἐν τῷ σωτηρίῳ σου.
τοῦ ἰλεῖν ἐν τῇ κηρῶν τῆς ἡμῶν ἐκλεκτῶν σου.
τὸ ἐνφρανόνη ἐν τῇ ἐνφρανόνη τοῦ ἐθνῶν σου.
τοῦ ἐπαίνεῖσθαι μετὰ τῆς κληρονομίας σου.
ἡμᾶς τοῦ μετὰ τῶν πατέρων ἡμῶν.
ἠνομήσαμεν ἠδικήσαμεν.

קד
ע

וַיִּשְׁפֹּר עַץ גְּבוּלָם׃
אָמַר וַיָּבֵא אֲרֶבֶת׃
וַיִּלְקֹטוּן מִסִּפְרֵי׃
וַיֹּאכְלוּ כָל-עֵשֶׂב בְּאֶרְצָם׃
וַיֹּאכְלוּ פְרִי אֲדָמָתָם׃
וַיִּנְדְּפוּ כָל-בְּכוֹר בְּמִצְרַיִם׃
וַיֹּאשִׁית לְכָל-אוֹנֶם׃
וַיֹּצִיאֵם בְּכֶסֶף יוֹהֵב׃
וַאֲיִן בְּשִׁבְטֵי כוֹשֵׁל׃
שָׁמַח מִצְרַיִם בְּצִאתָם׃
כִּי-נִפְלַח פְּחָדְךָ עֲלֵיהֶם׃
פָּרַשׁ עֲנָן מִסֶּךָ׃
וַאֲשׁ לְהַאֲרִי לַיְלָה׃
שָׁאֵל וַיָּבֵא שָׁלוֹן׃
וְלִחְסֵם שְׁמִים יִשְׁבִּיעֵם׃
פָּתַח צוּר וַיִּזְבּוּ מַיִם׃
הִלְכּוּ בְּצִיּוֹת נִרְרֵ׃
כִּי-זָכַר אֶת-דְּבַר קִדְשׁוֹ׃
אֶת-אֲבֹתָהֶם עֲבָדוּ׃
וַיֹּצִיא עַמּוֹ בְּשִׁוּן׃
בָּרַח אֶת-בְּחִירָיו׃
וַיִּתֵּן לָהֶם אֶרְצוֹת גּוֹיִם׃
וַעֲמַל לְאִמִּים יִירָשׁוּ׃
בַּעֲבוּרֵי יִשְׁכְּרוּ חֲקִירֵי׃
וְחֹרְמֵי יִבְצְרוּ הִלְלוּ-יְיָ׃
הִלְלוּ-יְיָ׃
וַיִּהְיוּ כִּי-טוֹב׃
כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ׃
מִי-יִמְלֵל גְּבוּרוֹת יְיָ׃
וַיִּשְׁמַע כָּל-תְּהִלָּתוֹ׃
אֲשֶׁר יִשְׁמְרֵם שִׁפְטֵם׃
עֲשֵׂי צְדָקָה בְּכָל-עֵת׃
זָכַר בִּי יְיָ בְּרִצּוֹן עֲמֶךָ׃
בְּקִדְּמֵי בִישׁוּעֶתְךָ׃
לְרֵאוֹת בְּטוֹבוֹת בְּחִירֶיךָ׃
לְשִׁמְחַת בְּשִׁמְחַת גְּיוֹרֶיךָ׃
לְהַתְּהַלֵּל עִם-נַחֲלֶתְךָ׃
חֲמֵאנוּ עִם-אֲבֹתֵינוּ׃
הַעֲיָנוּ הַרְשָׁעֵנוּ׃

Οἱ τρέφεις ἡμῶν αἰγυπῶν ὁ συνήκαμ τὰ θανμάσια σου·
 οὐκ ἐμνήσθησάν τὸ πλῆθος τοῦ ἐλέους σου.
 καὶ παρεπίκραναν ἀναβιβάνοιτες, ἐμὴ ἐρενθεῖσα σαλάσσα
 καὶ ἔσωσεν ἀνρὺς ἐνεκεμ τῷ ὀνόματος ἀνρῶν.
 τοῦ γνωρίσασιν τῆρ δυνασείων ἀνρῶν.
 καὶ ἐπελίμωσεν τῆ ἐρενθεῖσα σαλάσσα καὶ ἐξηράνη.
 καὶ ὠλίγησεν ἀνρὺς ἐμ ἀβύσσῳ ὡς ἐμ ἐρήμῳ.
 καὶ ἔσωσεν ἀνρὺς ἐκ χειρὸς μίσοῦντος·
 καὶ ἐλυτρώσατο ἀνρὺς ἐκ χειρὸς ἐχθροῦ.
 ἔκλυψεν ὕδωρ τῆρ δλίθοντας ἀνρῶν·
 εἰς ἐξυγῶν ὄυχ ὕπελείφθη.
 καὶ ἐπίσενσαν τῷ λόγῳ ἀνρῶν·
 καὶ ἤσασιν τῆρ αἰνεσίῳ αὐτοῦ.
 εἶπεν ἡμῶν ἐπε λείθοντο ἡμῶν ἐργῶν ἀνρῶν·
 ὄυχ ὕπεμειναν τῆρ βουλήν αὐτοῦ.
 καὶ ἐπέθυμωσεν τῆρ ἐπιθυμίῳ ἐμ ἡ ἐρήμῳ·
 καὶ ἐπέριεσεν τῆρ θεῶν ἐμ ἀνύλιῳ.
 καὶ ἐλώκεν αὐτοῖς ἡ αἰγύπτια ἀντῶν·
 ἐξήτεσε ἡ πλομοῖν ἡ εἰς ἡλῆς ψυχὰς ἀνρῶν·
 καὶ παρεργίωσεν ἡμῶν μωσῆς ἐμ ἡ παρεμβολῆ·
 τῶν ἀσέων τῶν ἁγίων κυρίων.
 ἠνοήθη ἡ γῆ καὶ κέλιπε σαδῶν·
 καὶ ἐκλύψεν ἐπὶ τῆρ συναγωγῆ ἀβραῶν·
 καὶ ἐξηράνη πῦρ ἐν ἡ συναγωγῆ ἀνρῶν·
 φλοὶ κατέφλεξε ἡ ἀμχρῶλῆς·
 καὶ ἐποίησαν μόσχον ἐμ χωρῆ·
 καὶ παρεκύνησαν ἡμῶν γλυπῶν·
 καὶ ἠλάξαντο ἡμῶν δόξαν ἀνρῶν·
 ἐμ οὐμῶματι μόσχῳ ἐσθίωντες χορῶν·
 καὶ ἐπέλαθον θεὸς τῶ σωζόντος ἀνρῶν·
 τῶ ποιῶντος μεγάλα ἐμ αἰγυπῶν·
 δυνάμει ἐμ ἡ χόμ·
 φοβῆσα ἐπὶ θαλάσσης ἐρενθεῖσας·
 καὶ εἶπε ἡ ἐξολοθρεῖν αὐρῶν·
 εἰ μὴ μωσῆς ὁ ἐκλεκτός ἀνρῶν·
 ἔση ἐμ ἡ θεῶν εἰ εἰώπιμ ἀνρῶν·
 τοῦ ἀπορεψαίνου ἀνρῶν·
 τῶ μὴ ἐξολοθρεῖν αὐρῶν·
 καὶ ἐξολενωσεν ἡμῶν ἐπιθυμητήν·

צדתינו במצרים לא חשבו לנו נבל אותך
 לא זכרו את רב חסדך
 זימרו על ים סוף
 זישעם למען שמו
 להודיע את גבורתו
 זיגער בים סוף ויחרב
 זיורכם בתהמות כפר בר
 זישעם מיד שונא
 זיגאלם מיד אויב
 זיכסו מים צרירם
 אחד מהם לא נותר
 זיאמנו בדברך
 זשירו תהלתו
 סברו שכחו מעשיך
 לא חסו לעצתו
 זיתאון תאוה במדבר
 זינסו אל בישמון
 זיתו להם שאלתם
 זישלח הוון בנפשם
 זיקראו למשה במחנה
 לאררון קדוש יי
 תפתח ארץ ותבלע בתן
 זתכסו על עדת אבירם
 זתקער אש בענתם
 להכה מלהט רשעים
 זעשו עגל כחרב
 זישתחו ל מסכה
 זימירו את כבודם
 בתבנית שור אכל עשב
 זשכחו אל מושיעם
 עשה גדלות במצרים
 נבלאות בארץ חם
 נורא תעל ים סוף
 ניאמר להשמידם
 לולי משה בחירו
 עמד בפרץ לפניך
 להשיב חמתו
 מהשחית
 נימאסו בארץ חמה

Non crediderunt uerbo eius:
 & murmurauerunt in tabernaculis suis:
 non exaudierunt uocem domini.
 Et eleuauit manum suam super eos:
 ut prosterneret eos in deserto.
 Et ut deherceret semen eorum in nationibus:
 & disperderet eos in regionibus.
 Et initiati sunt Beelphegor:
 & comederunt sacrificia mortuorum.
 Et irritauerunt eum in adinventionibus suis:
 & multiplicata est in eis ruina.
 Et stetit phinees & placauit: (ticiam:
 & cessauit quassatio: Et reputatū est ei ad ius
 in generatione & generationē usq; in sepiter
 Et irritauerūt eū ad aquā cōtradictionis: (nū
 & uexatus est Moyses propter eos:
 quia exacerbauerunt spiritum eius.
 Et distinxit in labijs suis:
 non disperdiderūt gentes quas dixit dñs illis.
 Et commixti sunt inter gentes:
 & didicerunt opera eorum:
 & seruiuerunt sculptrilibus eorum:
 & factum est illis in scandalum.
 Et immolauerunt filios suos: & filias suas des
 Et effuderunt sanguinē innocentē: (monijs
 sanguinē filiorū suorum & filiarum suarum:
 quas sacrificauerunt sculptrilibus Chanaan.
 Et interfecta est terra in sanguinibus:
 & contaminata est in operibus eorum:
 & fornicati sunt in adinventionibus suis.
 Et iratus est furore dominus in populo suo:
 & abhominatus est hereditatem suam.
 Et tradidit eos in manus gentium:
 & dominati sunt eorum qui oderunt eos.
 Et tribulauerunt eos inimici eorum:
 & humiliati sunt sub manibus eorum:
 sepe liberauit eos.
 Ipsi autē exacerbauerunt eum in cōsilio suo:
 & humiliati sunt in iniquitatibus suis.

25 ወላትአመጸዎ፡በቃሉ።
 ወአገጥረጥረ፡በውስተ፡ተፕይጊሆሙ።
 ወአከዋሁ፡ቃለ፡እግዚአብሔር።
 26 ወአገሥአ፡እይሁ፡ሳህሌሆሙ።
 ክሙ፡ይጸጸሱ፡በገደዎ።
 27 ወከሙ፡ይጸጸሱ፡ዘርእሙ፡ውስተ፡አሕዛብ።
 ወከሙ፡ይዘርዎሙ፡ውስተ፡በሐውረት።
 28 ወተኔጽሙ፡በብሔል፡ኔገር።
 ወበልሁ፡መሥዋዕተ፡ዋውተ።
 29 ወወህዝዎ፡በዋግባሪሆሙ።
 ወበዘኃ፡ብድብድ፡ሳህሌሆሙ።
 30 ወተገሥአ፡ኔናሕስ፡ወአድኅኖሙ።
 ወኅድገ፡ብድብድ፡ 31 ወተኅለቁ፡ጸድቅ።
 ለትውልድ፡ትውልድ፡ወእስከ፡ለህለዎ።
 32 ወአወሳዕዎ፡በኅበ፡ጸድቅ፡ቆሥት።
 ወሐሙ፡መኔ፡በእጅጉአሆሙ።
 እስከ፡አዋረርዋ፡ለኛ፡ቆሎ።
 33 ወአዘዘ፡በከኖሪሆሙ።
 ወአይሠረወ፡አሕዛብ፡ዘይደሉሉሙ፡እግዚአብሔር።
 34 ወተደመረ፡ዋስለ፡አሕዛብ።
 ወተመሀረ፡ዋግባሪሆሙ።
 ወተቆገደ፡ለግባሪሆሙ።
 ወከኖሙ፡ኔጋዎ።
 35 ወዘብሐ፡ደቂቆሙ፡ወአዋልደሆሙ፡ለአጋጃት።
 36 ወከህወ፡ደመ፡ጸጸሱ።
 ደመ፡ደቂቆሙ፡ወአዋልደሆሙ።
 ወሃሁ፡ለግባሪ፡ከኖሪ።
 37 ወተቆገደ፡ለት፡ዋደር፡በደዎ።
 ወረኹሕት፡ዋደር፡በዋግባሪሆሙ።
 ወዘመው፡በጠባቶሙ።
 38 ወተዋሁ፡እግዚአብሔር፡መህተ፡ሳህለ፡ሕዝብ።
 ወአስቆረርሙ፡ለርስቱ።
 39 ወአግብላሙ፡ውስተ፡እደ፡ፀሮሙ።
 ወቆገደሆሙ፡ጸላእቶሙ።
 40 ወአሕመዋዎሙ፡ፀሮሙ።
 ወኅስረ፡በተሕተ፡እደደሆሙ።
 ወዘለኔ፡ሃድኅኖሙ።
 41 ወእሙ፡ጸጸሱ፡አዋረርዎ፡በዋክርሙ።
 ወሐሙ፡በኃጢአትሙ።

ὄνκ ἐπίενσαν τῷ λόγῳ αὐτῶ.
 καὶ ἐγόγγυσαν ἐν τοῖς σιωνῶμασι αὐτῶν.
 ἔνκ ἐισήκονσαν τῆς φωνῆς κυρίας.
 καὶ ἔπρε τῆν χεῖρα αὐτῶ ἐπ' αὐτούς.
 τῶ καταβλεῖν αὐτοῖς ἐν τῇ ἐρήμῳ.
 καὶ τῶ καταβλεῖν τὸ σπέρμα αὐτῶ ἐν τοῖς ἔσμεσι.
 καὶ λίσσασθαι αὐτοῖς ἐν ταῖς χωαῖς.
 καὶ ἐρε λέσθασαν τῶ βεε λφεγῶς.
 καὶ ἔφαγον θυσίας νεκρῶν.
 καὶ παρῶσαν αὐτῶ ἐν τοῖς ἐπιηλενῶμασι αὐτῶν.
 καὶ ἐπληθύνθη ἐν αὐτοῖς ἡ πτώσις.
 καὶ ἐσηφινέει καὶ ἐξήλαστο
 καὶ ἐκόπασεν ἡ θυσία. καὶ ἐλογίσθη αὐτῶ εἰς δίκαι
 εἰς γενεὴν καὶ γενεὴν ἕως τοῦ αἰῶνος. (οὐνήμ)
 καὶ παρῶσαν αὐτῶ ἐπὶ ἡλιῶν ἀντιλογίας.
 καὶ ἐκώσθη μωσῆς δίκαιος.
 ἐπὶ παρεπίκραναν τὸ πνεῦμα αὐτῶ.
 καὶ λίσσει ἐν τοῖς χεῖλεσι αὐτῶ.
 ἐνκ ἐξωλόθενσαν ἵα ἐθνη, ἃ εἶπε κύριος αὐτοῖς.
 καὶ ἐμίγησαν ἐν τοῖς ἔσμεσι.
 καὶ ἔμασαν τὰ ἔργα αὐτῶν.
 καὶ ἐλέυνσαν τοῖς γλυπτῶν αὐτῶν.
 καὶ ἐγενήθη αὐτοῖς εἰς σκάνδαλον.
 καὶ ἐθυσαν ἵα τοῖς αὐτῶ καὶ ἵα τοῖς ἀλλοθῶν αὐτῶ.
 καὶ ἐξέχεσαν αἷμα ἀθώων.
 ἐπὶ αὐτῶν αὐτῶ καὶ θυγατέρας.
 ὡς ἐθυσαν τοῖς γλυπτῶν χανασῶν.
 καὶ ἐφονοκρήθη ἡ γῆ ἐν τοῖς αἵμασι.
 καὶ ἐμίγη ἐν τοῖς ἔσμεσι αὐτῶν.
 καὶ ἐπῶσαν ἐν τοῖς ἐπιηλενῶμασι αὐτῶν.
 καὶ ἐλογίσθη ἡ θυμὸς κυρίας ἐπὶ τὸ λαὸν αὐτῶ.
 καὶ ἐβλέψατο τῆν κληρονομίαν αὐτῶ.
 καὶ παρεδωκεν αὐτούς εἰς χεῖρας ἐχθρῶν.
 καὶ ἐκυρίευσαν αὐτῶ οἱ μισῶντες αὐτῶ.
 καὶ ἐβλήθησαν αὐτοῖς οἱ ἐχθροὶ αὐτῶ.
 καὶ ἐπαπεινώθησαν ὑπὸ τοῖς χεῖρας αὐτῶ.
 ὡς ἐβλήθησαν αὐτοῖς.
 αὐτοὶ δὲ παρεπίκραναν αὐτῶ ἐν τῇ βελῆ αὐτῶ.
 καὶ ἐπαπεινώθησαν εἰς τοῖς ἀνομίαις αὐτῶ.

: לא האמינו לדברו
 וירגנו באהליהם
 ולא שמעו בקול ה'
 וישארו להם
 להפיל אותם במדבר
 ולהפיל ורעם בגוים
 ולווחם בארצון
 ויצמדו לבעל פעור
 ויאכלו זבחי מתים
 ויכעסו במעלהיהם
 והפך צבם סגפה
 ויעמד פינתם ויפלה
 ותעצר המגפה : ותחשב לו לצדקה
 לדור ודור עד עולם
 ויקצפו על מי מריבה
 וירעל משה בעיניהם
 כי דברו את רוחו
 ויבטא בשפתיו
 לא השמירו את חעמים אשר אמר ה'
 ויתערכו בגוים
 וילמדו מעשיהם
 ויעבדו את עצבתם
 ויהיו להם למוקש
 ויזכחו את בנייהם ואת בנותיהם
 וישכרום בקי
 הם בבניהם ובנותיהם
 אשר זכחו לעצבי כנען
 ותחנף הארץ בפנים
 ויסמאו במעשיהם
 ויונו במעלהיהם
 ויחר אף ה' בעמ'
 ויתעב את נחלתו
 ויתנם ביד גוים
 ומשלו בהם שונאיהם
 וידל חצום אויביהם
 ויכנעו תחת ידם
 פעמים רבות יצילים
 והמה ימרו בעצתם
 וימכו בעונם :

Et uidebat cum tribularentur
 & audiuit orationem eorum.
 Et memor fuit testamenti sui:
 & penituit eum secundum multitudinem misericordiarum.
 Et dedit eos in misericordias: (die luge
 in conspectu omnium qui ceperant eos.
 Saluos fac nos domine deus noster:
 & congrega nos de nationibus.
 Ut confiteamur nomini sancto tuo:
 & gloriemur in laude tua.
 Benedictus dominus deus Israel:
 a saeculo & usque in saeculum:
 & dicet omnis populus fiat fiat.

Alleluia CVI.

Confitemini domino quoniam bonus:
 quoniam in saeculum misericordia eius.
 Dicant nunc qui redempti sunt a domino:
 quos redemit de manu inimici:
 de regionibus congregauit eos.
 A solis ortu & occasu: ab aquilone & mari.
 Errauerunt in solitudine in inaequalibus:
 uiam ciuitatis habitaculi non inuenerunt.
 Esuriētes & sitiētes: anima eorum in ipsis defecit.
 Et clamauerunt ad dominum cum tribularentur:
 & de necessitatibus eorum eripuit eos.
 Et deduxit eos in uiam rectam:
 ut irent in ciuitatem habitationis.
 Confiteantur domino misericordiae eius:
 & mirabilia eius filiis hominum.
 Quia faciauit animam inanem:
 & animam esurientem satiauit bonis.
 Sedentes in tenebris & in umbra mortis:
 uinctos in mendicitate & ferro.
 Quia exacerbauerunt eloquia dei:
 & consilium altissimi irritauerunt.
 Et humiliatum est in laboribus cor eorum:
 infirmati sunt nec fuit qui adiuuaret.
 Et clamauerunt ad dominum cum tribularentur:
 & de necessitatibus eorum liberauit eos.

42 ወርአዎ፡ከሥ፡ተመገደ።
 ወከወገደ፡ጸሎቶ።
 43 ወተከከረ፡ከደኖ።
 ወከከረ፡በከሥ፡ብከከ፡ወከከረ።
 44 ወወሀሰ፡ሀሀሎ።
 በከደ፡ከሎ፡አለ፡ወወወወ።
 45 አድኅኖ፡እግዚአ፡አዳላክ።
 ወአከተጋብአኖ፡እዳላክከ።
 46 ከሥ፡ኔገኖ፡በከወከ፡ከደከ።
 ወከወ፡ኔገኖ፡በከወከ፡ከደከ።
 47 ደተባረክ፡እግዚአ፡ብሔር፡አዳላክ፡እከራኤል።
 እዳላክ፡ሀላ፡ወአከከ፡ሀላ፡ሀላ።
 ለይበሉ፡ከሉ፡ከከከ፡ለይከኖ፡ለይከኖ።
 ሃሌሉ።

1 ሀረ ገኖ፡ለእግዚአ፡ብሔር፡እከሥ፡ኔ።
 እከሥ፡ሀላ፡ሀላ፡ወከከረ።
 2 ለይበሉ፡አለ፡አድኅኖ፡እግዚአ፡ብሔር።
 አለ፡አድኅኖ፡እዳላክ፡ፀር።
 ወአከተጋብአ፡እዳላክ፡ወር።
 3 እዳላክ፡ወአዳላክ፡ወአዳላክ፡ወአዳላክ።
 4 ወከከደ፡ወከተ፡በደወ፡ዘአለ፡ጸ።
 ወአረከከ፡ፍፍ፡ሀገረ፡ብሔር።
 5 ጸዎ፡ወር፡ወር፡ወር፡ወር፡ወር፡ወር።
 6 ወአወደደ፡ከእግዚአ፡ብሔር፡ሰበ፡ተመገደ።
 ወአድኅኖ፡እዳላክ፡ሀላ።
 7 ወመርሐ፡ፍፍ፡ር፡ሀ።
 ከሥ፡ደከረ፡ፍፍ፡ሀገር።
 8 ኔገረ፡ለእግዚአ፡ብሔር፡ወከከረ።
 ወመከከረ፡ለአረ፡እመከደ።
 9 እከሥ፡አጸገበ፡ኔፍሰ፡ር፡ብተ።
 ወመላላ፡ኔፍሰ፡ሀ፡በረከተ።
 10 ለአለ፡ደኖ፡ወከተ፡ጸሎት፡ወአለ፡ተ።
 ወመከከረ፡በከከተ፡ወከከከ።
 11 እከሥ፡አዳላክ፡አለ፡እግዚአ፡ብሔር።
 ወአዳላክ፡ወከከረ፡ሀላ።
 12 ወሀረሐ፡በከከረ፡ሀላ።
 ወደወደ፡ወከከረ፡ዘደከ፡ብር።
 13 ወአወደደ፡ከእግዚአ፡ብሔር፡ሰበ፡ተመገደ።
 ወአድኅኖ፡እዳላክ፡ሀላ።

ἔθετο ποταμὸς εἰς ἔρημον·
 καὶ λιεθόλους ὑλάτων εἰς λίψαν·
 τῆν καρποφόρον εἰς ἄλμην·
 ἀποκχίας τῶν κατοικούντων ἐν ἀντῇ·
 ἔθερ ἔρημον εἰς λίμνας ὑλάτων·
 καὶ γῆν ἀνυλθρον εἰς λιεθόλους ὑλάτων·
 καὶ κατῶκισμ ἐκεῖ πεινῶντας·
 καὶ συνείσαντο πόλεις καρικεσίας·
 καὶ ἔσπευσαν ἀγροὺς καὶ ἐφύτευσαν ἀμπελώνας·
 καὶ ἐποίησαν καρπῶν γενήματα·
 καὶ ἐνλογησάντων ἐπληθύνθησαν σφόδρα·
 καὶ τὰ κτήνη αὐτῶν οὐκ ἐσμίχεννε·
 καὶ ὠλιγάθησαν·
 καὶ ἐκακώθησαν ἀπὸ θλίψεως κακῶν καὶ δολύνης·
 ἔξεχύνθη ἕξ δλένωσις ἐπάροντας αὐτῶν·
 καὶ ἐπλάνησαν αὐτοὺς ἐμ ἀβάτω καὶ οὐχ ὀλιγά·
 καὶ ἐβλήθησε πένητι ἐκ πτωχείας·
 καὶ ἔθρεως πρὸ βατὰ πατερίας·
 ὄφονται ἐν δεῖσι καὶ ἐν φερανθήσονται·
 καὶ πᾶσα ἀνομία ἐμφράξει τὸ σῶμα αὐτῆς·
 τίς σοφὸς καὶ φηλάξει ταῦτα·
 καὶ συνήσουσι τὰ ἐλεητῶν κυρίου·

ΩΙΔΗ ΦΑΛΜΟΥ ΤΩ ΔΑΒΙΔ· ε 3
 ε Τόιμη καρδία μου ὁ θεός, ἐρίμνη καρδία μου·
 ἄσομαι καὶ φαλῶ ἐν τῇ λοξῇ μου·

ἔξεγέρθητι ἡ λοξή μου·
 ἔξεγέρθητι φαλτήριον καὶ κισάρα·
 ἔξεγέρθησομαι ὄρθρον·
 ἔξομολογήσομαι σοὶ ἐμ λαοῖς κύριε·
 φαλῶ σοὶ ἐμ ἔθνεσι·
 ὅτι μέγα ἐπάνω τῶν οὐρανῶν ῥέλειός σου·
 καὶ ἕως τῶν νεφελῶν ἡ ἀληθείά σου·
 ἕψω θηεῖ ἐπὶ τῶν οὐρανῶν ὁ θεός·
 καὶ ἐπὶ πᾶσιν ἡμῶν ἡ λοξή σου·
 ὅπως σὺ ἐνεδῶσθαι εἰ ἀγαπητοί σου·
 σῶσθαι ἡμῶν λοξή σου καὶ ἐπακούσθαι μου·
 ὁ θεός ἐλάλησεν ἐμ ἰσχυρίω αὐτῶ·
 ἠψώθησομαι καὶ λιπαμεῖν αἰκίμα·
 καὶ ἡμῶν καὶ λαλᾶ τῶν σκηνῶν διαμετήσθαι·

וישם נהרות למדבר
 ומצא מים לצמאון
 ארץ פרי למלחה
 מרעת ושבבי בה
 וישם מדבר לאדם מים
 וארץ ציה למצא מים
 וישב שם רעבים
 ויכוננו עיר מושב
 ויורעו שדות וישעו כרמים
 וישעו פרי תבואה
 ויברכם וירבו מאד
 וברמתם לא ימעטו
 וישחו מעצר רעה ויגון
 שפך כוועל גדיבים
 ויתעם כתריו לא יבדל
 וישב אביון מעוני
 וישם כצאן משפחות
 וראו ישרים וישמחו
 וכל עולה קבצה פיה
 מי חכם וישמר אלה
 ויתכוננו חסדו יהוד
 שיר מוסור לרוד
 כן לבי אלהים
 אשרה ואזמרה
 צף כבודי
 עורה הנבל וכנור
 אשרה שחר
 אודה בעמים
 ואזמנה בלאמים
 כי גדול מעל שמים חסדך
 ועד שחקים אמתך
 רומה על שמים אלהים
 ועל כל הארץ כבודך
 למען יחלצון יד ידך
 ושיעיה ימינו וענני
 אלהים ידבר בקדש
 אעלו זה אחר לקה שכם
 ועמק סכות אמוד

קח

Meus est Galaad & meus est manasses:
& effraim susceptio capitis mei.

Iuda rex meus:
moab lebes spei meę.

In Idumeam extendam calciamentũ meum:
mihĩ alienigenę amici facti sunt.

Quis deducet me in ciuitatem munitam:
quis deducet me usq; in Idumeam.

Nonne tu deus repulisti nos:
& non exhibis deus in uirtutibus nostris.

Da nobis auxilium de tribulatione:
quia uana salus hominis.

In deo faciemus uirtutem:
& ipse ad nihilum deducet inimicos nostros.

In finem psalmus Dauid. CVIII.

d Eus laudẽ meã tacueris: (pertũ est)
quia os pctõris & os dolosi super me aç

Locuti sunt aduersum me lingua dolosa:
& sermonibus odij circumdederunt me:
& expugnauerunt me gratis.

Pro eo ut me diligerẽt detrahebant mihĩ:
ego autem orabam.

Et posuerunt aduersum me mala pro bonis:
& odium pro dilectione mea.

Constituet super eum peccatoretm:
& diabolus fiet a dexteris eius.

Dum iudicatur exeat condemnatus:
& oratio eius fiat in peccatum.

Fiant dies eius pauci:
& episcopatum eius accipiat alter.

Fiant filij eius orphani:
& uxor eius uidua.

Nutantes transferantur filij eius & mēdicent:
eñciantur de habitationibus suis.

Scrutetur fenerator omnẽ substantiam eius:
& diripiant alieni labores eius.

Non sit illi adiutor:
nec sit qui misereatur pupillis eius.

Fiant nati eius in interitum:

8 ΗΛΡ:ΘΛΤ:ΓΟΥΡ:ΘΗΛΡ:ΘΥΚ::
ΘΛΦΛΦ:ΝΥΦ:ΓΛΗΡ::

9 ΘΕΥΡ:ΖΥΛΡ::
ΘΦΑ:Π:ΝΥΖ:ΤΗΖΡ::

10 ΕΝ:ΛΡΘΡΗ:ΛΗΦΗ:ΣΗΕΡΡ::
ΛΤ:ΕΥΡ:ΛΑΦΛ::

11 ΣΚ:ΕΘΗΡΕ:ΥΥΖ:ΦΦΦ::
ΘΣΚ:ΕΣΟΘΗ:ΛΗΗ:ΛΡΘΡΗ::

12 ΚΗΚ:ΑΖΤ:ΗΥΡΦΗΣ:ΛΥΗΛ::
ΘΛΤΘΘΛ:ΑΦΑΗΣ:ΦΗΑ:ΥΕΔΣ::

13 ΥΠΣ:ΖΡΛΤ:ΑΦΖΡΝΣ::
ΘΗΖΤ:ΤΑΦΣ:ΠΗΗΛ::

14 ΠΛΥΗΛΑΠΩΣ:ΖΥΠΣ:ΥΕΛΑ::
ΘΘΛΤ:ΡΥΗΣ:ΑΛΑ:ΕΥΦΡΕΣ::

ΦΧΘ:ΣΗΘΣ:ΗΡΦΤ::

1 ΡΥ ΛΥΗΛ:ΛΥΧΣΣΣ:ΗΛΑΥΡ::
ΛΗΣ:ΑΛ:ΥΕΦ:ΘΑΛ:ΥΦΛ:ΑΠΦ:ΑΘΛ

2 ΟΣΠΗ:ΑΘΛΡ:ΠΑΗΣ:ΥΣΥ:: ΠΡ:
ΘΛΥΤΣ:ΠΚΑΛ::
ΘΧΠΣ:ΠΗΖΤ::

3 ΘΗΛΦΑΦΖΣ:ΑΗΤΦΡΡΣ::
ΘΑΖΗ:ΑΧΛ::

4 ΕΡΡΣ:ΛΗΤ:ΥΡΖΤ:ΩΣΕΤ::
ΘΧΑΛΣ:ΥΡΖΤ:ΗΑΦΦΖΦΘΣ::

5 ΥΛΦ:ΑΘΛΥ:ΥΦΑ::
ΘΗΕΜΖ:ΕΦΦ:ΠΡΑΣ::

6 ΘΠΠΥ:ΕΤΦΦΛ:ΕΧΛ:ΤΣΦΛ::
ΘΧΛΤΥ:ΤΗΥ:ΥΥΡ::

7 ΘΕΥΣ:ΣΦΘΛΥ:ΥΡΜ::
ΘΥΣΦΥ:ΕΖΥΛ:ΠΘΡ::

8 ΘΕΥΣ:ΡΦΦ:ΛΥΑ:ΣΘΤ::
ΘΠΛΛΥ:ΤΗΥ:ΣΠΑΤ::

9 ΘΕΤΘΗ:ΡΦΦ:ΘΕΦΑΗ:ΘΡΗΤΦΛΣ::
ΘΕΗΡΦΘΣ:ΛΦΑΠΡΥΣ::

10 ΘΕΠΣΠΣ:ΑΘΛ:ΛΕΥΡ:ΥΡΡ::
ΘΡΗΠΑΡ:ΣΗΣ:ΗΛ:ΥΡΥΡ::

11 ΘΑΛΣΗΠ:ΗΕΥΡΑ::
ΘΑΕΦΘΣ:ΑΛΥΑ:ΣΘΤΥ::

12 ΘΑΥΖΘ:ΡΦΦ::

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or translation of the adjacent text.

ἐν γενεᾷ μιᾷ ἐξελειφθῆναι τὸ ὄνομα αὐτῶν·
 Ἀναμνηθεὶς ἡ ἀνομιὰ τῶν πατέρων αὐτῶν ἐναντίον κυρίου·
 καὶ ἡ ἀμαρτία τῆς μητρὸς αὐτῶν, μὴ ἐξελειφθῆναι.
 γεννητῶσιν ἐναντίον κυρίου διαπαντός·
 καὶ ἐξολοθρευθῆναι ἐκ γῆς τὸ μνημόσυνον αὐτῶν.
 Ἄνδρες οὐκ ἐμνήσθη ποῖνσαι ἔλεος·
 καὶ κατελίφετε ἀνθρώπων πένθητα καὶ πτωχόν·
 καὶ κατανεγγμένον τῆ καρδίᾳ τοῦ θανατώσαι·
 καὶ ἠγάπησε κατάρα καὶ ἠξεί αὐτῶν·
 καὶ οὐκ ἠθέλησε ἐν λογίῳ καὶ μακρυνθῆσθαι ἅπαντων·
 καὶ ἐνελέσθη κατάρα ὡς ἱμάτιον·
 καὶ ἐισήλασε ὡσεὶ ὕδωρ εἰς τὰ ἔγκατα αὐτῶν·
 καὶ ὡσεὶ ἔλαιον ἐν τοῖς ὀστέοις αὐτῶν·
 γεννητῶν αὐτῶν ὡς ἱμάτιον ὃ περιβέλλεται·
 καὶ ὡσεὶ ζῶνι ἡμ διαπαντός περιζῶμνυται·
 τὸ πρῶτον τῶν ἐν λιαβαλλόντων μὲ παρὰ κυρίου·
 καὶ τῶν λαλούντων πονηρὰ κατὰ τῆς ψυχῆς μῶ.
 καὶ οὐ κυριεῖς κυριεῖ ποίησον μετ' ἐμοῦ ἐνεκεν ὄνοματι σου·
 οὐ χεῖρον τὸ ἔλεός σου·
 Ἦν σοὶ με ὅτι πτωχὸς καὶ πένθης εἰμι ἐγὼ·
 καὶ ἡ καρδίᾳ μου ἠετέρα κλίαι ἐν ῥῶς μου·
 ὡσεὶ σκιά ἐν ἥω ἐκ κλίαι ἀντήρ ἀνταίησ' ἐσθ'·
 ἐξέτιναχθην ὡσεὶ ἀκρίλεθ·
 τὰ γόνατά μου ἠεθεῖν ἵκαν ἀπὸ νηθείας·
 καὶ ἡ σάββ' μου ἠλλοιώθη δι' ἔλαιον·
 καὶ γὰρ ἐγενήθη ὄνειδος αὐτοῖς·
 εἰδοσὺν με, ἐσάλευσάν κεφαλὰς αὐτῶν·
 Βαθισοῦ μοι κύριε ὁ θεός μου·
 καὶ σώσασυ με κατὰ τὸ ἔλεός σου·
 καὶ γνώτωσιν ὅτι ἡ χεῖρ σου ἀντή·
 καὶ οὐ κυριεῖς ποίησας ἀντή·
 καὶ ἀρεάσονται αὐτεὶ καὶ οὐ ἐν λογίσει·
 οἱ ἐπανισάμενοί μοι αἰσχυνθητῶσιν·
 ὁ δὲ δὸς σου ἐνφραυνθῆσεται·
 ἐνδυσάσθωσιν οἱ ἐν λιαβαλλόντες με ἐν τσπύμ·
 καὶ περιβαλέσθωσαν ὡς διπλοῖ δια αἰσχύννη ἀνθρώκ'·
 Ἐξομολογήσομαι ἥω κυρίῳ σφέλεξ ἀέμ ἥω σὸματί μου·
 καὶ ἐμ μεσῶ πολλῶν αἰνέσω ἀντήν·
 Ὅτι πρῶτον ἐκ λεξιῶν πένθης·

בְּדוֹר אֶחָד יִמַח שְׁמֵם
 וְיִזְכַּר עֵץ אֲבֹתָיו אֶל־
 וְהִשָּׂאת אִמּוֹ אֶל־תִּמְחָה
 יִהְיוּ בְּגֵד־יְיָ תִמְיָד
 וְיִכְרַת מֵאֶרֶץ זָכָר
 יֵעָן אֲשֶׁר לֹא זָכַר עֲשׂוֹת חֲסֵד
 וְיִדְוֶף אִישׁ עֵינֵי וְאֲבִיוֹן
 וְנִקְאָה לְבָב לְמוֹתָהּ
 וְיִאָּהֵב קָלְלָהּ וְתִבְאָהוּ
 וְלֹא־חָפֵץ בְּכִרְכָּה וְתִרְחַק מִמֶּנּוּ
 וְיִלְבַּשׁ קָלְלָהּ כְּמִדּוֹ
 וְתִכְאֵב כַּמִּים בְּקִרְבָּהּ
 וְכִשְׁמֶן בְּעֶצְמוֹתָיו
 תִּהְיֶה לוֹ כְּבֹד יַעֲשֶׂה
 וְלִמּוֹחַ תִּמְיָד־תִּגְרָה
 וְאֵת יַפְעֵלֶת שִׁטְנֵי מֵאֵת יְיָ
 וְהִדְבְּרוּ רַע עַל־נַפְשִׁי
 וְאִתָּהּ יְיָ אֲדַבֵּר עֲשֵׂה אִתִּי לְמַעַן שְׂמֶךָ
 כִּי־טוֹב חֲסֵדְךָ
 דַּעַל־נִי כִּי־עֵינֵי וְאֲבִיוֹן אֲבִי
 וְלִבִּי חָלַל בְּקִרְבִּי
 כְּצֶל בְּנִטּוֹתַי נִהְיֵה כְּתִי
 בְּנִעְרַתִּי כַּאֲרֵבָה
 בְּרַכִּי כִשְׁלוֹ מִצּוֹן
 וְכִשְׂרֵי בְּחַשׁ מִשְׁמֶן
 דְּאֲנִי יְהִי־תִי חֲרִפָּה לְהֵם
 וְיִרְאוּנִי יִנְעוּן רֵאשִׁים
 עֲרִנִי יְיָ אֱלֹהֵי
 הוֹשִׁיעֵנִי בְּחֲסֵדְךָ
 וְיִדְעוּ כִּי־יָדְךָ וְאֵת
 אִתָּהּ יִהְיֶה עֲשִׂיתָהּ
 וְקָלְלוּ־כִמָּה וְאִתָּהּ תִּבְרַךְ
 קְמוּ וְיִבְשׁוּ
 וְעִקְדְךָ יִשְׂמַח
 יִלְבַּשׁוּ שִׁטְנֵי כָל־מָה
 וְיַעֲשׂוּ כְּמַעִיל בְּשִׂתָּם
 אֲנִי־יְיָ מֵאֵד כְּפִי
 וְכִתּוּךְ רַבִּים אֶהְלֵנוּ
 כִּי־יַעֲמֹד לִי מִן אֲבִיוֹן

ut saluā faceret a persequētibz animā meam
Psalmus Dauid. CIX.

d Ixit dñs dño meo : sede a dextris meis
Donec ponam inimicos tuos scabellum
pedum tuorum.

Virgā uirtutis tuę emittet dñs ex sion:
dominare in medio inimicorum tuorum
Tecum principium in die uirtutis tuę
in splendoribus sanctorum:
ex utero ante luciferum genui te.
Iurauit dominus & non penitebit eum:
tu es sacerdos in æternū secundū ordinē Melchisedech.
Dominus a dextris tuis: (chifedech.)
confregit in die irę suę reges.
Iudicabit in nationibus implebit ruinas:
conquassabit capita in terra multorum.
De torrente in uia bibet:
propterea exaltabit caput.

Alleluia CX.

e Confitebor tibi dñe in toto corde meo:
in cōsilio iustoz & cōgregatiōe. Magna opa
exquisita in omnes uoluntates eius. (dñs)
Confessio & magnificentia opus eius:
& iusticia eius manet in sæculum sæculi.
Memoriam fecit mirabilium suorum:
misericors & miserator dominus:
escam dedit timentibus se.
Memor erit in sæculum testamenti sui:
uirtutem operum suorum annūciabit populo
Ut det illis hereditatem gentium: (suo)
opera manuū eius ueritas & iudicium.
Fidelia omnia mandata eius:
confirmata in sæculum sæculi:
facta in ueritate & equitate.
Redemptionem misit populo suo:
mandauit in æternū testamentum suum.
Sanctum & terribile nomen eius:
initium sapientię timor domini.
Intellectus bonus omnibus facientibus eum:

h̄so: p̄p̄: q̄s: a s̄q̄: h̄p̄: λ̄φ̄λ̄a: c̄p̄p̄:

σ̄η̄σ̄c̄: h̄p̄p̄:

π̄p̄:

1 p̄ū λ̄b̄a: λ̄q̄h̄λ̄: a λ̄q̄h̄λ̄p̄: z̄nc: n̄p̄a

2 λ̄h̄h̄: λ̄γ̄n̄λ̄σ̄: a λ̄q̄λ̄t̄h̄: t̄h̄t̄: σ̄h̄p̄p̄:
λ̄γ̄z̄h̄:

3 n̄t̄z̄: t̄x̄a: λ̄z̄z̄: λ̄q̄h̄λ̄n̄h̄c̄: λ̄φ̄p̄p̄z̄:
ōp̄z̄z̄: n̄a λ̄h̄a: x̄q̄λ̄t̄h̄:

4 φ̄h̄a h̄: φ̄z̄a p̄: n̄o a t̄: t̄x̄a:
n̄n̄c̄ȳs̄: a φ̄z̄z̄:

ōa p̄h̄h̄: λ̄φ̄h̄c̄: λ̄φ̄p̄p̄: h̄h̄n̄: x̄q̄h̄:

5 σ̄h̄a: λ̄q̄h̄λ̄n̄h̄c̄: ōλ̄z̄z̄h̄h̄:
z̄z̄t̄: h̄v̄z̄: a v̄a a φ̄: n̄h̄σ̄: ūσ̄t̄: a σ̄o h̄:

6 λ̄q̄h̄λ̄n̄h̄c̄: n̄p̄a z̄h̄:
z̄p̄m̄p̄σ̄: a z̄γ̄λ̄t̄: n̄o a t̄: σ̄v̄t̄:

7 ōz̄p̄z̄p̄: a λ̄h̄h̄h̄: ōp̄n̄h̄z̄: a n̄p̄z̄t̄:
ōz̄h̄n̄c̄: a c̄λ̄h̄t̄: n̄h̄z̄z̄: n̄z̄n̄: ōp̄z̄:

8 λ̄φ̄ōz̄h̄: h̄t̄p̄: a p̄: n̄o s̄t̄:
ōn̄λ̄z̄t̄h̄: z̄t̄a v̄a: c̄λ̄h̄:

v̄a a p̄:

9 p̄ī λ̄γ̄z̄: a h̄: λ̄q̄h̄λ̄: n̄h̄: a: a n̄p̄:
n̄o h̄z̄: z̄t̄v̄z̄: ōn̄a z̄n̄z̄: z̄ v̄n̄z̄: q̄n̄z̄: λ̄

ōt̄t̄h̄w̄: ōh̄t̄: h̄: a: z̄p̄z̄: (q̄h̄λ̄n̄h̄c̄):

3 a z̄z̄: ōo n̄p̄: h̄n̄h̄t̄: ōq̄z̄z̄:
ōx̄z̄z̄: z̄z̄n̄c̄: a v̄a a φ̄:

4 t̄h̄h̄z̄: γ̄n̄z̄: a h̄n̄h̄t̄z̄:
σ̄h̄z̄: ōσ̄h̄t̄: ūv̄a: λ̄q̄h̄λ̄n̄h̄c̄:
ōo ūo σ̄: h̄h̄p̄: a λ̄a: z̄z̄z̄p̄:

5 ōt̄h̄h̄z̄: h̄z̄z̄: h̄a v̄a a φ̄:
ōλ̄z̄p̄: a h̄h̄h̄: t̄x̄a: ōq̄z̄z̄:

6 h̄so: p̄ūo σ̄: c̄h̄t̄: a λ̄h̄h̄h̄:
q̄n̄z̄: λ̄p̄p̄: x̄p̄z̄: ōc̄t̄ō:

7 ōλ̄z̄z̄: h̄: a: t̄λ̄h̄h̄:
ōx̄z̄ō: a v̄a a σ̄: v̄a a φ̄:
ōq̄n̄c̄: n̄p̄z̄z̄: ōn̄c̄t̄ō:

8 σ̄p̄z̄t̄: z̄z̄ō: λ̄q̄h̄λ̄n̄h̄c̄: a h̄h̄h̄:
ōλ̄h̄h̄: λ̄c̄v̄t̄: h̄a v̄a a φ̄:

9 z̄z̄h̄: ōq̄z̄z̄: h̄so: h̄λ̄a:
φ̄z̄z̄v̄: a φ̄n̄: z̄z̄v̄: λ̄q̄h̄λ̄n̄h̄c̄:

10 ōφ̄h̄c̄: w̄z̄z̄t̄: a h̄: a: h̄z̄z̄z̄:

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or a different translation of the text on the opposite page.

τῶ σωσαι ἐκ τῶν κατὰ Λιουκότων τῆρ ψυχῆρ μα. εθ.

Υαλμὸς τῶ Δαείδ.

Ἰπερὸ κύριος ἰω κνείω μα κάδς ἐκ Δεξιῶρ μα.

Ἔως ἀρῶ τὸν ἐχθρὸν σου ὑποπόδιον τῶν ποδῶν σου.

Ἐβλομ Δυνάμεως ἔξαποσε λει σοι κύριος ἐκ σιῶμ.
κῆ κατακνείνε ἐμ μέσῳ τῶν ἐχθρῶν σου.

Μετὰ οὗ ἄρχη ἐμ ἡμέρα τῆς Δυνάμεως σου,
ἐμ τοῖς λαμπρότοις τῶν ἀγίων σου.

Ἐκ γαστρὸς προέωσφορὸ εὐχνησά σε.
Ὡμοσε κύριος κῆ ἰσμελιηθεταί.

Ὀν ἱερεὺς εἰς τὸν αἰῶνα, κατὰ τὴν τάξιμ μελχισεδεκ.
Κύριος ἐκ Δεξιῶρ σου.

συνέθλασεμ ἐμ ἡμέρα οργῆς αὐτοῦ βασιλεῖς.
Κενεῖ ἐμ τοῖς ἔθνεσι, πληρώσῃ τῶν ἰσώματα.

συνθλάσει κεφαλὰς ἐπὶ γῆς πολλῶν.
Ἐκ χιμάρους ἐμ ὀδῶν ῶιεται.

Δια τῶν ἰσώσῃ κέφαλήμ.
Ἀλληλουῖα.

Ἐομολογησάμ σοι κύριε ἐμ ὀλη καρδίᾳ μα.

ἐν βαλῆ ἐνθέων κῆ συναῶτῆ. Μεγάλα ἰσ ἔργα
ἔξεζητημένα εἰς πᾶντα τὰ θελήματῆ ἀνθῆ. (κνείος.)

Ἐξομολογησῆ κῆ μεγαλοπεπέια ἰσ ἔργεμ ἀντῶ.
κῆ ἰσκαίουσν ἰσ ἀνθῆ, μείει εἰς τῆ αἰῶνα τῶ αἰῶνος.

Μνῆσῆ ἐπὶ οὐρανῶ τῆ θανμασίωμ ἀντῆ.
ἐλεησῆμ καὶ οἰκτιρῆμ ὁ κύριος.

τρωπῆμ ἔδωκε τῆς φοβος μείεισ ἀντῶ.
Μνησῆσεται εἰς τῆ αἰῶνα Διαισῆσῆ ἀντῆ.

ἰσχνῆμ ἔργωμ ἀντῶ ἀνῆγγειλε τῶ λσῶ ἀντῶ.
Τῶν λουναῖ ἀντῶις κληρονομίωμ ἐδῶμ.

ἔργα χεῖρῶ ἀντῆ, ἀληθῆ καὶ κείεισ.
Γισαῖ πᾶσαι αἰ ἐντῶ λσῆ ἀντῆ.

ἔσθρηγμέναι εἰς τῆ αἰῶνα τῆ αἰῶνος,
πρωποημείει ἐμ ἀληθῆ καὶ ἐνθῆτῆ.

Αὐτρωοιμ ἀπέσῆλε τῶ λσῶ ἀντῆ.
ἐνετῆ λσῆ εἰς τῆ αἰῶνα Διαισῆσῆ ἀντῆ.

Ἄγιωμ κῆ φοβεεῖμ ἰσ ὄνομα ἀντῆ.
ἀρχη σφίσῆ φοβος κνείον.

Σύνεισ Δε ἀγαθῆ πᾶσι τῆς ποιῶειμ ἀντῆμ.

לְהוֹשִׁיעַ מִשׁוֹפְטֵי נַפְשׁוֹ
לְבֵית מוֹסוֹר

אֲסִיחַד יְלֵאדְנִי שֶׁב לְיַמֵּינֵי

עַד אֲיִבֶיךָ
הַיָּמִים לְרַגְלֶיךָ

מִשֶּׁה עַד יִשְׁלַח יְיָ מִצִּיּוֹן
יְהִי בְקִרְבֵי אֲיִבֶיךָ

עַמְּךָ נִבְרַח בְּיוֹם חַיִּלְךָ
בְּבִרְיֵי קִדְשׁ

מִרְחֹם מִשְׁחַר לְךָ שֶׁל יְהוָה יִהְיֶה
נִשְׁבַּע יְיָ וְלֹא יִנְחַם

אֶתְּךָ כִּהְיוּ לְעוֹלָם עַל־הַבְּרִיתִי מִלְכֵי צָדֵק
אֲדַבֵּר עַל יַמֵּינֶךָ

מִחֶץ בְּיוֹם אַפּוֹ מִלְכִים
יִדִין בְּיָמֶיךָ מִלֵּא הַיּוֹת

מִחֶץ רֹאשׁ עַל־אֲרֶץ רַבָּה
מִנְחָל בְּדֶרֶךְ יִשְׁתָּה

עַל־כֵּן יִרְיֵם רֹאשׁ
הַלְלוּ־יָהּ

וְהָיָה יְהוָה בְּכָל־לֵבָב
בְּסוֹר יִשְׁרִים וְעֵדָה

אֲדוֹלֵי־יָם מַעֲשֵׂי
(יְהוָה)

וְרֹדְפִים לְכָל־חַפְצֵיהֶם
הוֹדוּ וְדַרְפְּעוּ

וְצַדִּיקוֹתַי עֲמַדְתָּ לְעַד
זָכַר עֲשֵׂה לְגַפְלֵאֲתֵינוּ

חֲנוּן וְרַחוּם יְהוָה
מִרְחֶף נַחַם לְיִרְאָיו

זִכְרוּ לְעוֹלָם בְּרִיתוֹ
כִּחַ מַעֲשֵׂי וְהַגִּיד לְעַמּוֹ

לִתְּתָ לָהֶם נִחְלָח גּוֹיִם
מַעֲשֵׂי יְדִיו אֲמַת וּמִשְׁפָּט

נִאֲמָנִים כֹּל בְּקִרְבּוֹ
סִמּוּכִים לְעַד לְעוֹלָם

עֲשׂוּיִם בְּאֲמַת וַיִּשְׂר
פְּדוֹת שְׁלַח לְעַמּוֹ

צִוָּה לְעוֹלָם בְּרִיתוֹ
קְדוּשׁ וְנִרְאָ שְׁמוֹ

דְּרֹאשׁוֹת חֲכָמָה יִרְאֵת יְיָ
שֶׁכֵּל טוֹב לְכָל עֲשֵׂיהֶם

Vertical text in the left margin, likely a table of contents or index, listing various biblical references and page numbers.

laudatio eius manet in saeculum saeculi:

Alleluia.

CXI.

b Eatus uir qui timet dominum:
In mandatis eius uolet nimis.

Potens in terra erit semen eius:
generatio rectorum benedicetur.
Gloria & diuitiae in domo eius:
& iusticia eius manet in saeculum saeculi.
Exortum est in tenebris lumen rectis:
misericors & miserator:
& iustus.

Iocundus homo qui miseretur & commodat:
disponet sermones suos in iudicio:
quia in aeternum non commouebitur:
In memoria aeterna erit iustus:
ab audicione mala non timebit:
Paratum cor eius sperare in domino:
confirmatum est cor eius non commouebitur:
donec despiciat inimicos suos.
Dispersit dedit pauperibus:
iusticia eius manet in saeculum saeculi:
cornu eius exaltabitur in gloria.
Peccator uidebit & irascetur:
dentibus suis fremet & tabescet:
desiderium peccatorum peribit.

Alleluia.

CXII.

1 Audate pueri domini:
laudate nomen domini.

Sit nomen domini benedictum
ex hoc nunc & usque in saeculum:
A solis ortu usque ad occasum:
laudabile nomen domini.
Excelsus super omnes gentes dominus:
& super caelos gloria eius.
Quis sicut dominus deus noster:
qui in altis habitat: & humilia respicit
in caelo & in terra.
Suscitans a terra inopem:
& de stercore erigens pauperem.

Θη·η·θ·ε·υ·ε·ε·ς·π·ι·ε·α·υ·ι·α·φ·:

Υ·λ·α·ψ·:

- 1 ΡΙΟ η·θ·ε·π·ι·λ·η·: η·ε·λ·ε·υ·: α·λ·η·λ·α·η·
Θ·η·ε·λ·ε·φ·ε·: τ·λ·η·η·: ε·ρ·ε·ε·: μ·θ·ε·:
- 2 Θ·ε·η·ω·ε·: κ·ε·υ·: η·ε·λ·α·: ω·η·τ·: φ·ε·ε·:
τ·ω·α·ε·: κ·ε·ε·ε·: ε·τ·η·ε·:
- 3 η·π·ε·: ω·η·ε·: ω·η·τ·: ε·ε·:
- 4 ω·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·:
ε·θ·ε·: ω·ε·η·τ·: η·ε·ε·: α·λ·η·λ·α·η·θ·ε·:
ω·ε·ε·: κ·ε·ε·ε·:
- 5 η·λ·η·: ε·θ·ε·: ω·ε·η·τ·: η·ε·ε·:
Θ·ε·ε·φ·ε·: ε·λ·ε·: η·ε·ε·: ε·τ·η·ε·:
Θ·λ·ε·τ·υ·ω·η·: η·ε·ε·:
- 6 η·η·ε·: κ·ε·ε·: η·ε·ε·: ε·ε·ε·:
Θ·λ·ε·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·:
- 7 ε·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·:
ε·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·:
η·η·η·: ε·ε·ε·: η·ε·ε·ε·:
- 8 η·ε·ε·: ω·ε·ε·: η·ε·ε·:
ω·ε·ε·ε·: ε·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·:
ω·ε·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·:
- 9 ε·ε·ε·: ε·ε·ε·: ω·ε·ε·ε·:
ω·ε·ε·ε·: η·ε·ε·: ω·ε·ε·ε·:
ω·ε·ε·ε·: ε·ε·ε·: η·ε·ε·ε·:

Υ·λ·α·ψ·:

- 1 ΡΙΒ η·η·θ·ε·: α·λ·η·λ·α·η·θ·ε·:
Θ·η·η·θ·ε·: η·ε·ε·: α·λ·η·λ·α·η·θ·ε·:
- 2 Θ·ε·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·: α·λ·η·λ·α·η·θ·ε·:
λ·ε·ε·ε·: ω·λ·η·η·: η·ε·ε·:
- 3 λ·ε·ε·ε·: ε·θ·ε·: ω·λ·η·η·: ε·ε·ε·:
ε·τ·η·ε·: η·ε·ε·: α·λ·η·λ·α·η·θ·ε·:
- 4 ε·ε·ε·: α·λ·η·λ·α·η·θ·ε·: ε·ε·ε·: η·ε·ε·: ε·ε·ε·:
ε·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·:
ε·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·: η·ε·ε·:
- 5 ε·ε·ε·: η·ε·ε·: α·λ·η·λ·α·η·θ·ε·: κ·ε·ε·ε·:
η·ε·ε·ε·: ω·η·τ·: η·ε·ε·ε·: ω·ε·ε·ε·: η·ε·ε·ε·:
η·ε·ε·ε·: ε·ε·ε·ε·:
- 6 η·ε·ε·ε·: η·ε·ε·ε·: λ·ε·ε·ε·:
ω·ε·ε·ε·: η·ε·ε·ε·: η·ε·ε·ε·:

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or translation, running vertically down the right edge of the page.

ἢ αἰνεῖσιν αὐτὸ, μένει εἰς τὴν αἰῶνα τῶν αἰῶνων.

Ἀλληλουῖα.

βι.α.

Ἀκάριος ἀνὴρ φόβου μένος τὴν κνείου.

ἐν ταῖς ἐντολαῖς αὐτῶν θελήσει σφοδρῶς.

Δυνατὸν ἐν τῇ γῆ ἔσαι τὸ σῶμα αὐτοῦ.

γενεὰ ἐνθεῶν ἐν λογιζήσεται.

Δόξα καὶ πλοῦτος ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ.

καὶ ἡ δικαιοσύνη αὐτῶν, μένει εἰς τὸν αἰῶνα τῶν αἰῶνων.

Ἐξάνετει ληρ ἐν σκοτει φῶς τοῖς ἐνθεοῖς.

ἐλεῖμων καὶ ἐκτίμων.

καὶ δικαίος.

Χρησὸς ἀνὴρ οὐκ ἐργῶν καὶ κηρῶν.

εὐκονομῶν τοὺς λόγους αὐτῶν ἐν κρείσει.

ὅτι εἰς τὴν αἰῶνα οὐ σαλευθήσεται.

Εἰς μνημόσυνον αἰῶνον ἔσαι δικαίος.

ἀπο ἀκούσ πονηρῶν, ἐν φοβηθήσεται.

Ἐταμίη ἡ καρδία αὐτοῦ ἐπιζηρῶν ἐπὶ κνείου.

ἐσθρικταὶ ἡ καρδία αὐτῶν ἐν μὴ φοβησῆν.

ἕως οὐ ἐπίσθιν ἐπὶ τὴν ἐκθερῶν αὐτοῦ.

Ἐκόσπισεν ἐδάκε τὴν πνεύσιν.

ἡ δικαιοσύνη αὐτῶν μένει εἰς τὴν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος.

τὸ κέρας αὐτῶν, ὑψώσεται ἐν δόξῃ.

Ἄμαρτωλὸς οὐ φεται καὶ οργισθήσεται.

τὸν δόλον αὐτοῦ βεγγεῖ καὶ τακίσειται.

ἐπιθυμία ἀμαρτωλῶν ἀπολείται.

Ἀλληλουῖα.

βι.β.

Ἰνεῖτε πάντες κύριον.

αἰνεῖτε τὸ ὄνομα κυρίου.

Εἶχ τὸ ὄνομα κυρίου ἐν λογιζέμενον.

ἀπὸ τῶν νῦν καὶ ἕως τῶν αἰῶνων.

Ἀπὸ ἀναρῶν ἡλίας μεχεῖ δυνάμει.

αἰνεῖ τὸ ὄνομα κυρίου.

Ἰψήλως ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη οὐ κύριος.

καὶ ἐπὶ τὴν οὐρανὸν ἡ δόξα αὐτοῦ.

Τίς ὡς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν.

ὁ ἐν ὑψηλοῖς καρικῶν καὶ τὰ ταπεινὰ ἐφορῶν.

ἐν τῷ οὐρανῷ καὶ ἐν τῇ γῆ.

Ὁ ἐργῶν ἀπο γῆς πτωχῶν.

καὶ ἀπὸ κορυφῶν ἀνυψῶν πνεύσιν.

קיב

תהלתו עמדת לעד

הללויה

שכי אש ירא את

במצותיו חפץ מאד

גבור בארץ והיה זרעו

דור ודור יברך

הון ועשר בביתו

וצדקתו עמדת לעד

זרח בחשך אור לישראל

חנון ורחום

וצדיק

טוב איש חונן ומלוה

יכלכל דבריו במשפט

כי לעולם לא ימוט

לזכר עולם יהיה צדיק

משמועה רעה לא יירא

נכון לבו בטח ביהוה

סמוך לבו לא יירא

עד אשר יראה בצריו

פור נחן לאביונים

צדקתו עמדת לעד

קרנו תרום בכבוד

רשע יראה וכעס

לשניו יחרק וכמס

האות רשעים תאכזר

הללויה

לזעבדי יהוה

הללו את שם

יהוה שם מבורך

מעתה ועד עולם

ממזרח שמש עד מבוא

מהלל שם יהוה

רם על כל גוים

על השמים כבודו

מי כיהוה אל דנו

המגיבה לישבת רמשיפילי לראות

בשמים ובארץ

מקימי מעפרו

מאשפת ירים אביון

c iiij

Ut collocet eum cum principibus
cum principibus populi sui.
Qui habitare facit sterilem in domo:
matrem filiorum legentem.

Alleluia. CXIII.

I N exitu Israel de egypto:
domus Iacob de populo barbaro.

Facta est Iudaea sanctificatio eius:
Israel potestas eius.

Mare uidit & fugit:
Iordanis conuersus est retrorsum.

Montes exultauerunt ut arietes:
& colles sicut agni ouium.

Quid est tibi mare quod fugisti:
& tu Iordanis quia conuersus es retrorsum.

Montes exultastis sicut arietes:
& colles sicut agni ouium.

A facie domini mota est terra:
a facie dei Iacob.

Qui conuertit petram in stagna aquarum:
& rupem in fontes aquarum.

Non nobis domine non nobis:
sed nomini tuo da gloriam.
Super misericordia tua & ueritate tua:
nequando dicant gentes ubi est deus eorum.
Deus autem noster in caelo:

omnia quaecumque uoluit fecit.
Simulachra gentium argentum & aurum:
opera manuum hominum.
Os habent & non loquentur:
oculos habent & non uident.
Aures habent & non audiunt:
nares habent & non odorabunt.
Manus habent & non palpabunt:
pedes habent & non ambulabunt:
non clamabunt in gutture suo.

Similes illis fiant qui faciunt eas.

7 ησ: ρζ·ησ: ση·ο: σολη·ε·υ::
οφ·η·α: σολη·ε·υ: η·η·η::

8 ηρ·ς·η·ζ: α·σ·η·ζ: ω·η·τ: η·τ:
ο·ρ·η·τ·ε·μ·η: α·λ·σ: ο·α·ρ::

Υ·Α·Ο·Ρ::

1 Ρ·Ι·Γ· Α·σ: ε·ο·κ·α: λ·η·ζ·ε·δ: λ·φ·η·η·π::
ο·η·τ: ρ·ο·φ·η: λ·φ·η·η·π: ο·ε::

2 ο·η·ς: ε·υ·ε: σ·φ·ε·η::
ο·λ·η·ζ·ε·δ: ο·η·ς·ς::

3 η·η·ζ·ε: ε·λ·ρ·τ: ο·τ·ρ·τ::
ο·ρ·ε·ρ·ς·η·ζ: η·η·α: ε·α·ε·υ::

4 ο·α·ρ·η·ζ: α·ζ·ε·ε·υ·κ: η·σ: η·ζ·ε·ζ::
ο·α·ω·η·ζ: η·σ: σ·η·η·α: α·η·η·ο::

5 φ·ζ·τ: η·ζ·η: η·η·ζ: η·τ·ρ·ε·η::
ο·α·ζ·τ·ε: ρ·ε·ρ·ς·η: η·η·α·η: ε·α·ε·υ::

6 ο·α·ρ·η·ζ: η·α·ζ·ε·ε·υ·κ·η·σ: η·σ: η·ζ·ε·ζ::
η·α·ω·η·ζ: η·σ: σ·η·η·α: α·η·η·ο::

7 λ·φ·ε·ρ·σ: η·κ: α·λ·η·α·η·η·ζ: α·ρ·η·φ·η·τ:
λ·φ·ε·ρ·σ: η·κ: α·λ·φ·η·η: ρ·ο·φ·η::

8 η·ε·λ·η·ρ·α·η·η·η: α·ζ·ε·υ·τ: ε·ρ·τ:
ο·α·λ·η·η: α·η·φ·τ: ε·ρ·τ::

9 α·η: α·ς: α·η·α: α·η: α·ς:
α·η·σ: η·α·η: ζ·υ·η: η·η·η·τ::

10 η·φ·η·η·τ·η: ο·η·ε·ρ·η:
η·σ: α·ε·η·ε: α·η·η·η: α·ε·ε: ο·λ·ε: α·φ·η

11 α·φ·η·η·τ·η: ο·η·τ: η·ε·ε: α·ο·α:
η·η·ε·ε: ο·η·ε·ρ·η:
η·η·ε·ε: η·ε·ε·ε: η·η·ε·ε:

12 α·ε·ε·η·ε·υ·σ: α·λ·η·η·η: η·η·ε·φ: ο·η·ε·ε:
η·η·ε: α·ε: α·η·α: λ·σ·η·ρ·ε::

13 α·ε: η·σ: ο·α·ε·ε·ε:
υ·ε·ε: η·σ: ο·α·ε·ε·ε:

14 λ·η·ς: η·σ: ο·α·ε·ε·ε:
α·ε·ε: η·σ: ο·α·ε·ε·ε:

15 λ·ε: η·σ: ο·α·ε·ε·ε:
λ·η·ε: η·σ: ο·α·ε·ε·ε:

ο·α·ε·ε·ε: η·η·ε·ε: ο·η·τ: α·ε·ε·ε:

ο·α·ε·ε·ε: σ·ε·ε·ε: ο·η·τ: α·ε·ε·ε:

16 η·ε·ε·ε: α·ε·ε·ε: η·η·ε·ε: α·η: η·η·ε·ε·ε:

Handwritten marginal notes in Greek script, likely a commentary or translation of the Latin text. The text is dense and difficult to read due to the cursive script and some fading.

Του καθίσαι αὐτὸν μετὰ ἀρχόντων·
μετὰ ἀρχόντων λαοῦ αὐτοῦ.
Ὁ κατοικίζων σεῖσά ἐμ' οἴκῳ·
μητέρας ἐπὶ τείκνοις ἐνφραίνουμένην·

Ἀλληλουϊά·

Ν ἐξόλω Ἰσραὴλ ἐξ ἀγύπτου·
οἶκον Ἰακώβ ἐκ λαῶν βρεθείξας·

Ἐγενήθη ἰουδαία ἀγίασμα αὐτοῦ·
Ἰσραὴλ ἐξουσία αὐτοῦ·

Ἡ θάλασσα εἶλε κ' ἐφυγε·
ὁ ἰουδαῖος ἐσεσάφη εἰς τὰ ὀπίσω·

Τὰ ὄρη ἐσκίεθησαν ὡσεὶ κρηοί·
καὶ οἱ βουνοὶ ὡς ἀρνία προβάτων·

Τί σοι εἰ θάλασσα ὅτι ἐφυγες·
καὶ σὺ ἰουδαῖος ὅτι ἐσεσάφη εἰς τὰ ὀπίσω·

Τὰ ὄρη ὅτι ἐσκίεθησθε ὡσεὶ κρηοί·
καὶ οἱ βουνοὶ ὡς ἀρνία προβάτων·

Ἀπὸ προσώπου κυρίας ἐσαλεύθη ἡ γῆ·
ἀποπροσώπη τῶ θεοῦ Ἰακώβ·

Τὸ σέβειαντος τῆς πέτρας εἰς λίμνας ὑλάτων·
καὶ τῆς ἀκροτάτου εἰς πηγὰς ὑλάτων·

Μὴ ἡμῖν κύριε, μὴ ἡμῖν·

ἀλλ' ἡ τῶ ὀνόματι σου δεὸς δεξίῳ·

Ἐπὶ τῶ ἐλέει σε κ' ἡ τῆ ἀληθείᾳ σου·

μηποτε εἰπῶσι τὰ ἔθνη, ποῦ ἐσὶν ὁ θεὸς αὐτῶν·

Ὁ δεὸς ἡμῶν ἐμ τῶ ὄντα ἡμῶν κ' ἐμ τῆ γῆ·

πάντα ὅσα ἠθέλησεν ἐποίησε·

τὰ εἰλωλα τῶν ἐθῶν ἀργύριον κ' χρυσίον·

ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων·

στόμα ἔχουσι, κ' ὄν λαλῆσουσι·

ὄρθρα λήθουσιν, καὶ οὐκ ὄψονται·

ὄτα ἔχουσι, καὶ οὐκ ἀκούσονται·

εἶνας ἔχουσι, καὶ οὐκ ὁσφρανεύουσιν·

χειρὰς ἔχουσι, καὶ οὐκ φηλαφῆσουσι·

πόδας ἔχουσι καὶ οὐ περιπατήσουσι·

ὄν φωνήσουσι ἐμ τῶ λαῶν γυγιάντων·

Ὅμοιοὶ αὐτοῖς γένοιντο οἱ ποιοῦντες αὐτὰ·

ειγ·

לְהוֹשִׁיבֵם נְדִיבִים
עִם נְדִיבֵי עַמּוֹ
מוֹשִׁיבֵי עֶרְכָת הַבַּיִת
אִם הַבָּנִים שְׂמַחַה הַלֵּל לְיְהוָה
קִד

צאת ישראל ממצרים
בית יעקב מעמלעו

הִזְתָּה יְהוָה לְקִדְשׁוֹ
יִשְׂרָאֵל מִמִּשְׁלַח יָדוֹ
הַיּוֹם רָאָה וַיִּנָּס
הַיָּרְדֵן יָסֹב לְאַחֹר
הַבְּרִים בָּקְדוּ כְּאֵילִים
אֲבָעוֹת כְּבְנֵי צֹאן
כִּי לֹךְ הַיָּם כִּי תִנּוֹס
הַיָּרְדֵן תִּסָּב לְאַחֹר
הַבְּרִים מְרַקְדוּ כְּאֵילִים
אֲבָעוֹת כְּבְנֵי צֹאן
מִלִּפְנֵי אֲדוֹן חוֹלֵי אֶרֶץ
מִלִּפְנֵי אֵלֹהֵי יַעֲקֹב
הַרְבֵּכִי הַצּוֹר אֲנִים מִיָּם
הַלְמִישׁ לְמַעֲיָנוֹ מִיָּם
לֹא לָנוּ יֵשׁ לֹא לָנוּ
כִּי לְשִׁמְךָ תֵּן כְּבוֹד
עַל חֲסֹדְךָ עַל אֲמַתְךָ
לְמַה יֵאמְרוּ רַגְוִים אֵיךְ נֵא אֱלֹהִים
וְאֵלֵינוּ בְּשָׁמַיִם

כִּל אֲשֶׁר חִפֵּץ עָשָׂה
עֲצִיבֵיהֶם כְּסֶפֶר וְחֶבֶךְ
מַעֲשֵׂה יְדֵי אָדָם
כִּה לָהֶם לֹא יִדְבְּרוּ
עֵינַיִם לָהֶם וְלֹא יֵרְאוּ
אָזְנַיִם לָהֶם וְלֹא יִשְׁמְעוּ
אֶף לָהֶם וְלֹא יִרְחִיחוּ
יְדֵיהֶם וְלֹא יִמְשִׁחוּ
רַגְלֵיהֶם וְלֹא יִהְלְכוּ
לֹא יִקְוּ כְּבָרְוֹנִים

כְּמוֹתֵיהֶם יִהְיוּ עֲשִׂיהֶם

7 h...
8 h...
9 h...
10 h...
11 h...
12 h...
13 h...
14 h...
15 h...
16 h...
17 h...
18 h...
19 h...
20 h...
21 h...
22 h...
23 h...
24 h...
25 h...
26 h...
27 h...
28 h...
29 h...
30 h...
31 h...
32 h...
33 h...
34 h...
35 h...
36 h...
37 h...
38 h...
39 h...
40 h...
41 h...
42 h...
43 h...
44 h...
45 h...
46 h...
47 h...
48 h...
49 h...
50 h...
51 h...
52 h...
53 h...
54 h...
55 h...
56 h...
57 h...
58 h...
59 h...
60 h...
61 h...
62 h...
63 h...
64 h...
65 h...
66 h...
67 h...
68 h...
69 h...
70 h...
71 h...
72 h...
73 h...
74 h...
75 h...
76 h...
77 h...
78 h...
79 h...
80 h...
81 h...
82 h...
83 h...
84 h...
85 h...
86 h...
87 h...
88 h...
89 h...
90 h...
91 h...
92 h...
93 h...
94 h...
95 h...
96 h...
97 h...
98 h...
99 h...
100 h...

& omnes qui confidunt in eis.
 Domus Israel sperauit in domino:
 adiutor eorum & protector eorum est.
 Domus Aaron sperauit in domino:
 adiutor eorum & protector eorum est.
 Qui timent dominum sperauerunt in dño:
 adiutor eorum & protector eorum est.
 Domin⁹ memor fuit nostri & bñdixit nobis.
 Benedixit domui Israel:
 benedixit domui Aaron.
 Benedixit omnibus qui timent dominum:
 pusillis cum maioribus.
 Adiciat dominus super uos:
 super uos & super filios uestros.
 Benedicite uos a domino:
 qui fecit cœlum & terram.
 Cœlum cęli domino:
 terram autem dedit filiis hominũ.
 Non mortui laudabunt te domine:
 neq; omnes qui descendunt in infernum.
 Sed nos qui uiuimus benedicimus domino:
 ex hoc nunc & usq; in sæculum.

Alleluia. CXIII.

d Illexi qm̄ exaudiet dñs: uocem orationis
 Quia inclinauit aurẽ suã mihi; (mcę.

& in diebus meis inuocabo.
 Circumdede runt me dolores mortis:
 & pericula inferni inuenerunt me.
 Tribulationem & dolorem inueni:
 & nomen domini inuocani.
 O domine libera animam meam:
 misericors dominus & iustus:
 & deus noster miseretur.
 Custodiens paruulos dominus:
 humiliatus sum & liberauit me.
 Conuertere anima mea in requiẽ tuam:
 quia dominus benefecit tibi.
 Quia eripuit animã meam de morte:
 oculos meos a lachrymis :

Θñ·Λρσ: λ·Α: ε·ϕ·ε·η·δ: ρσ::
 17 ρτ: λ·η·ζ·κ·δ: τ·θ·η·δ: ρ·λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ::
 ζ·ε·λ·υ·σ: θ·λ·τ: θ·φ·λ·σ·σ·σ::
 18 ρτ: λ·ε·ζ: τ·θ·η·δ: ρ·λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ::
 ζ·ε·λ·υ·σ: θ·λ·τ: θ·φ·λ·σ·σ·σ::
 19 λ·Α: τ·ε·ζ·υ·φ: ρ·λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ: τ·θ·η·δ: ρ·λ·γ·
 ζ·ε·λ·υ·σ: θ·λ·τ: θ·φ·λ·σ·σ·σ: μ·η·λ·η·θ·δ·ζ::
 20 λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ: τ·η·η·ζ·σ: θ·η·ζ·η·σ::
 21 η·ζ·η: ρτ: λ·η·ζ·κ·δ::
 θ·η·ζ·η: ρτ: λ·ε·ζ::
 22 η·ζ·η·σ: ρ·η·ρ·σ: ρ·λ·Α: ε·λ·ε·υ·φ: ρ·λ·γ·η·λ·η·
 θ·δ·ζ: θ·λ·τ·ρ·σ: θ·λ·υ·ρ·σ:: μ·θ·δ::
 23 ε·β·η·η: λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ: α·υ·λ·η·σ::
 α·υ·λ·η·σ: θ·α·υ·λ: θ·δ·ε·η·σ::
 24 η·ζ·η·σ: λ·ε·ζ·τ·σ: ρ·λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ:
 η·η·η·ζ: η·ε·ρ: θ·φ·ε·ζ::
 25 η·ε·ρ: η·ε·ρ·τ: ρ·λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ:
 θ·φ·ε·ζ·α: θ·υ·η: ρ·λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ:
 26 η·λ·η: θ·φ·ε·ζ: ε·β·η·η·σ: λ·γ·η·λ·η·
 θ·δ·ζ: ρ·η·ρ·σ: λ·Α: ε·λ·ε·υ·φ: θ·η·τ: η·λ·δ::
 27 ζ·η·σ: η·ε·ρ·τ: ζ·η·ζ·η: ρ·λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ:
 λ·φ·ε·λ·η: θ·λ·η·η: ρ·υ·λ·φ::

Υ·Λ·Α·Ρ::

1 Ρ·Ι·Υ· Α·Φ·ε·η·δ: λ·η·σ: η·φ·υ·ε: λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ:
2 θ·λ·ε·φ·α: λ·η·σ: τ·η·ρ: μ·θ·δ: η·λ·η·τ·ρ:
 θ·ε·φ·υ·η·φ: η·σ·φ·υ·α·ρ:
3 λ·τ·η·σ: υ·υ·ζ: τ·τ:
 θ·ζ·η·η·σ: η·λ·δ:
4 η·η·σ: θ·φ·ε·ζ·η·σ: η·η·σ:
 θ·ε·φ·υ·η·φ: η·σ: λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ:
5 λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ: ρ·λ·ε·υ·φ:
 σ·η·ζ: λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ: θ·ε·φ·ε·ζ:
 θ·λ·ε·υ·φ·η·σ: σ·η·τ·υ·υ·α:
6 ρ·υ·φ·η: η·ε·ρ·τ: λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ:
 τ·σ·ζ·ε·ρ·η·σ: θ·λ·ε·υ·φ·η·σ:
7 η·η·σ: τ·τ·ρ: θ·η·τ: θ·ζ·ε·τ·η:
 λ·η·σ: λ·γ·η·λ·η·θ·δ·ζ: ζ·ε·λ·η:
8 λ·η·σ: λ·ε·ρ·τ·σ: ρ·λ·ε·υ·φ: λ·τ·ρ:
 θ·λ·ε·υ·φ·η·σ: λ·φ·ε·ζ·η·σ:

κὶ πάντες οἱ ὡς ποιῶσιν ἐπ' αὐτοῖς·
 οἶκος ἰσραὴλ ἠλπίσεν ἐπὶ κύριον·
 ἔσθως κὶ ὑπερασπίσῃς αὐτῶν ἐσὶ·
 οἶκος ἀσέων ἠλπίσεν ἐπὶ κύριον·
 ἔσθως κὶ ὑπερασπίσῃς αὐτῶν ἐσὶ·
 οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον ἠλπίσεν ἐπὶ κύριον·
 ἔσθως κὶ ὑπερασπίσῃς αὐτῶν ἐσὶ·
 Κύριος μνησθήσεται ἡμῶν ἐν λόγῳ σου ἡμῶν·
 Ἐν λόγῳ σου εἰκοὶ ἰσραὴλ·
 ἐν λόγῳ σου εἰκοὶ ἀσέων·
 Ἐν λόγῳ σου πνευμάτων φοβουμένων τὸν κύριον·
 πνευμάτων μικρῶν μετὰ τῶν μεγάλων·
 Γρασεῖν κύριος ἐφ' ἡμῶν·
 εὐνοίας κὶ ἐπὶ πνευμάτων ἡμῶν·
 Ἐνλογημένοι ἡμεῖς τῷ κυρίῳ·
 ἡμῶν ποιήσονται τὸν θυμὸν ἡμῶν κὶ τὴν γῆν·
 Ὁ θυμὸς σου ὡς θυμὸς τῶν κυρίων·
 τὴν δὲ γῆν ἐδώκε τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρώπων·
 οὐχ οὐκ ἐκεῖ ἀνέσθῃ σε κύριε·
 ἐν δὲ πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς ἄβυσσον·
 Ἄλλῃ μὲν οἱ ζῶντες ἐνλογησόμεν τῷ κυρίῳ·
 ἀπὸ τῶν νεκρῶν κὶ ἐπὶ τῶν αἰῶνων·

Ἀλληλουῖα·

εἰ δ.

Ἡ Γάσῃ καὶ οὐκ ἐπιστάσει κύριος ἡσ φωνῆς ἡσ δέ·
 ὅτι ἐκλίνε τὸν ἄνθρωπον ἐμὸν· (ἡσ ἡσ με·
 κὶ ἐμὸν ἡμέρας μου ἐπὶ καλεῖσθαι·
 Γεεῖσθον με ὡς λίνες θανάτου·
 κινδύνοι ἀδὸς ἐν ἡσ ἡσ με·
 Ὁλίβιν κὶ ὀδύνην ἐνεσθ·
 καὶ τὸ ὄνομα κύριος ἐπὶ καλεῖσθαι ἡσ·
 Ὡ κύριε ἐν ἡσ τὴν ψυχὴν ἡσ·
 ἐλεῖ ἡσ ὁ κύριος κὶ δίκαιος·
 καὶ ὁ δὲ ἡσ ἡσ ἐλεεῖ·
 Φυλάσσει τὰ νεφελὰ ὁ κύριος·
 ἐταπύνωσιν καὶ ἐσώσέ με·
 Ἐπίσθαι ψυχὴν ἡσ εἰς τὴν ἀνάπαυσθαι ἡσ·
 ὅτι κύριος ἐνεργήσῃ σε·
 Ὅτι ἐξήλετο τὴν ψυχὴν ἡσ ἐκ θανάτου·
 τὸν ἡσ ἡσ ἡσ ἀπὸ θανάτου ἡσ·

עַל אֲשֶׁר-כִּסְתָּ בְּדָם :
 יִשְׂרָאֵל בְּסַח בֵּיתְךָ
 עֲרֹם וּמְגִים הוּא :
 בֵּית אֱהֲרֹן בְּסַח בֵּיתְךָ
 עֲרֹם וּמְגִים הוּא :
 יִרְאֵי יְיָ בְּסַח בֵּיתְךָ
 עֲרֹם וּמְגִים הוּא :
 יְהוָה זָכְרֵנוּ יְבָרַךְ
 יְבָרַךְ אֶת-בֵּית יִשְׂרָאֵל
 יְבָרַךְ אֶת-בֵּית אֱהֲרֹן :
 יְבָרַךְ יִרְאֵי יְיָ
 הַקְּטָנִים עִם-הַגְּדֹלִים :
 יִסְתַּח יְהוָה עֲלֵיכֶם
 עֲלֵיכֶם וְעַל-בְּנֵיכֶם :
 בְּרוּכִים אַתֶּם לַיהוָה
 עֲשֵׂה שְׂמִים וְאַרְץ :
 בְּשֵׁמִים שְׂמִים לַיהוָה
 וְהָאָרֶץ נָתַן לְבְנֵי-אָדָם :
 לֹא הַמְתִּים יְהוָה לְיָהּ
 וְלֹא כָל-יִרְדּוּ דוֹמָה :
 וְאַנְחֵנוּ יְבָרַךְ יְיָ
 מִעַתָּה וְעַד עֲלֵם הַלְלוּ יְיָ
 קטו

הַכְתִּי כִי-שָׁמַע יְיָ אֶת-קוֹלִי ת
 כִּי-הִשְׁמָע אֲזִנֹּי לִי : (תְּחַבְּבֵנִי :
 דְּבִים אֶקְרָא :
 אֲשַׁפּוּנֵי חֲבֵלֵי-יָמוֹת
 וּמִצְרֵי שְׂאוֹל מִצְּאֵנִי
 צַרְהוּ וְזִזוֹן אֲמַצָּא :
 דְּבִשִׁים יְיָ אֶקְרָא
 אֲנִי יְיָ מִלְּטָה בְּפִשִׁי :
 חֲנוּן יְהוָה וְצַדִּיק
 וְאֵל דִּינֵי סֶרְחָס :
 שׁוֹמֵר פֶּתָאִים יְיָ
 כְּלוֹתִי וְלִי יְהוֹשִׁיעַ :
 שׁוֹבֵי בָּשָׂר לְמִנוּחֵיכֶם
 כִּי יְיָ גָּמַל עָלֵיכֶם :
 כִּי-חִלַּצְתָּ בְּפִשִׁי מִמָּוֶת
 אֶת-עֵינַי מִן-דְּמָעָה

pedes meos a lapsu.
Placebo domino in regione uiuorum.
Alleluia. CXV.

Redidi propter quod locutus sum:
ego autem humiliatus sum nimis.
Ego dixi in excessu meo: omnis homo mendax.
Quid retribuam dño pro omnib⁹ quæ retribuit
Calicem salutaris accipiam: (mihi.
& nomen domini inuocabo.
Vota mea dño reddam corā omni populo ei⁹:
preciosa in conspectu dñi mors sanctoꝝ eius.
O domine quia ego seruus tuus:
ego seruus tuus & filius ancillæ tuæ.
Dirupisti uincula mea:
tibi sacrificabo hostiam laudis:
& nomen domini inuocabo.
Vota mea domino reddam:
in conspectu omnis populī eius:
in atrijs domus domini:
in medio tui hierusalem.

Alleluia. CXVI:

1 Audate dominum omnes gentes:
laudate eum omnes populi.

Quoniam confirmata est sup nos misericors
& ueritas domini manet in eternū, (dia ei⁹:

Alleluia. CXVII.

Onfitemini domino quoniam bonus:
quoniam in sæculū misericordia eius.

Dicat nunc Israel quoniam bonus:
quoniam in sæculum misericordia eius.

Dicat nunc domus Aaron quoniam bonus:
quoniam in sæculum misericordia eius.

Dicant nunc qui timent dominum:
quoniam in sæculum misericordia eius.

De tribulatione inuocaui dominum:
& exaudiuit me in latitudine dominus:

Dominus mihi adiutor: non timebo quid faci-
at mihi homo. (meos:

Dñs mihi adiutor: & ego despiciam inimicos

ΘΑΛΓΖΡΞ: ΛΦΞΘΨ:

9 ησ: ΑΗΘΕ: ΑΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ: Π-ΠΗΛ: ΗΡΡΞ:
ΥΛΑΡ:

1 ΡΙΕ ΑΣΞΗ: ΠΗ: ΣΠ-ΠΗ:
ΘΑΞΗ: ΠΗ-Ψ: ΗΣΦΗ:

2 ΘΑΞΗ: ΛΒ: ΛΦΓΟΗΡ: Η-Α: Η-ΠΛ: ΗΗΦ: Θ

3 ΦΞΤΞ: ΑΥΔΡ: ΑΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ: ΠΛΞΤ: Η-Α:

4 ΚΡΥ: ΗΕΘΤ: ΛΤΘΠ: ΜΗΓΗΛ: ΑΤ:
ΘΗΣ: ΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ: ΛΞΘΛ:

5 ηΠΕ: ΚΤ: ΑΞΡΦ: ΠΦΡΣ: ΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ:

6 ΛΓΗΛΑ: ΑΣ: ΓΗΠΗ:
ΓΗΠΗ: ΘΑΡ: ΑΣΤΗ:

7 ΘΗΠΗ: ΣΦΦΗΤΡ:
ΑΗ: ΘΥΘΥ: ΣΜΦΥΤ: Η-ΠΗΤ:

8 ΘΛΥ-Π: ΠΘΑΤΡ: ΑΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ:
ΠΦΡΣ: Η-Α: ΗΗΠ:

ΠΥΞΡ: ΒΤ: ΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ:
ΘΠΘΛΗΛΗ: ΑΡΖΗΛΦ:

ΥΛΑΡ:

1 ΡΙΖ Η-ΠΗΘ: ΑΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ: Η-ΑΗΣ: Α
ΘΛΒ-ΠΗΘ: Η-Α: ΗΗΠ:

2 ΛΗΣ: ΧΞΥΤ: ΘΗΖΤ: ΑΘΛΣ:
ΘΧΡΦΗ: ΑΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ: ΕΥΑ: ΑΥΑΦ:

ΥΛΑΡ:

1 ΡΙΖ ΓΞΡ: ΑΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ: ΛΗΣ: ΞΕ:
ΛΗΣ: ΑΥΑΦ: ΘΗΖΤ:

2 ΞΓΖ: ΒΤ: ΛΗΖΒΔ: ΗΣ: ΞΕ:
ΗΣ: ΑΥΑΦ: ΦΗΖΤ:

3 ΞΓΖ: ΒΤ: ΑΦΞ: ΗΣ: ΞΕ:
ΗΣ: ΑΥΑΦ: ΦΗΖΤ:

4 ΞΓΖ: Η-ΑΗΣ: ΛΑ: ΤΒΕΥΦ: ΑΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ:
ΗΣ: ΑΥΑΦ: ΦΗΖΤ: ΗΣ: ΞΕ:

5 ΗΠ: ΤΣΞΡ-ΠΗ: ΧΡΦΗΘ: ΑΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ:
ΘΗΦΥΞ: ΘΑΛΥΠ: ΑΤ:

6 ΘΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ: ΕΖΡΑΞ: ΑΕΒΕΥ: ΛΓΑ: ΑΣ
ΗΡΦ: ΦΞΤ: ΕΛΑΡΞ:

7 ΛΓΗΛΑ-ΠΗΘΕ: ΕΖΡΑΞ: ΘΑΞ: ΑΛΑΡΣ: ΑΞΑ

Fragmentary text from the adjacent page, including various Greek characters and some legible words like "Alleluia" and "Πατερ".

ἡ τὸς πόλεις μὲν ἀποδιδόσθαι.
Εὐκλειῶν ἐνώπιον κυρίως, ἐμὴ χάρις ζωόντων.

Ἀλληλούϊα.

β 1 ε.

Πίστευσα δὲ ἐλάλησα.
ἐγὼ δὲ ἐταπεινώσθην σφόδρα.

ἐγὼ δὲ εἶπα ἐμὴ τῆ ἐκείνου μὲν πᾶς ἀνθρώπος φεύγει.
τί ἀναπολώσῃ ἡ κυρία περὶ πάντων, ὡς ἀναπέλωκέ
Πατήριον σωτηρίας ληΐομαι. (μοι.)

ἡ τὸ ὄνομα κυρίου ἐπικαλέσομαι.
Τὰς εὐχὰς μὲν ἡ κυρία ἀπολώσῃ ἐναντίον πάντες ἡ λαὸς
τίμιος ἐναντίον κυρίου ὁ θάνατος τῶν οἰκῶν αὐτῶν. (αὐτῶν.)
ὡς κύριε ἐγὼ δὸς σὸς.

ἐγὼ δὸς σὸς ἡ νύκτας τῆς παιδείας σου.
Διέσπασ τὸς δεισμούς μου.
οἱ θύοι θύοι αὐτῶν αἰνεσέως.

ἡ ἐν ὀνόματι κυρίου ἐπικαλέσομαι.
Τὰς εὐχὰς μου τῶ κυρίῳ ἀπολώσῃ.
ἐναντίον πάντες τῶ λαῶ αὐτῶν.

ἐν αὐλαῖς οἴκων κυρίου.
ἐμὴ μέσῳ σου ἱερουσαλήμ.

Ἀλληλούϊα.

β 1 σ.

Ἰνεῖτε ἡμὴν κύριον πάντα ἡ ἐσθὴν.
ἐπαίνεσατε αὐτὸν πάντες οἱ λαοί.

Ὅτι ἐκραταίωσεν ἡ ἐλεος αὐτῶ ἐφ' ἡμᾶς.
ἡ ἡ ἀληθεῖα τῶ κυρίου μένει εἰς ἡμᾶς αἰῶνα.

Ἀλληλούϊα.

β 1 ζ.

Ἐομολογῆσατε τῶ κυρίῳ, ὅτι ἀγαθός.
ὅτι εἰς ἡμᾶς αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ

εἰπάτω δὲ οἶκος Ἰσραὴλ ὅτι ἀγαθός.
ὅτι εἰς ἡμᾶς αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτῶ.

εἰπάτω οἶκος ἀσραὴν ὅτι ἀγαθός.
ὅτι εἰς τ' αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτῶ.

εἰπάτωσαν δὲ πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον ὅτι ἀγαθός.
ὅτι εἰς τ' αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτῶ.

Ἐκ θλίψεως ἐπέκαλεσάμην τὸν κύριον.
ἡ ἐπήκουσέν μου εἰς πλατυσμέην.

Κύριος ἐμοὶ βεβῆσεν καὶ ἐνφοβήσομαι τίς ὀνειδέσει μοι ἀν-
θρώπος.

Κύριος ἐμοὶ βεβῆσεν, καὶ ἡ ἐπόψομαι τὸς ἐχθρούς μου.

את רגלי מדתי :
את חללי לפני יי בארצות החיים :

האמת כי ארבר
אני ענתי מאד :

אני אמרתי בחפזי כל האדם כוב
מה אשיב ליהוד כל תקבולוהי עלי
כוס ישועות אשא
דבשם יי אקרא :

בדרי ליהוד אשלם נגדה נא לכל עמו
יקר בעיני יי המותה ל חסדיו
אנה יי כי אני עבדך
אני עבדך בן אמתך
פתחת למסכרי

לך אפח ובח תודת
דבשם יי אקרא
בדרי ליהוד אשלם
נגדה נא לכל עמו
בחדרות בית יי
פתוככי ירושלים הלל יהיה :

קי
ללו את יי כל גוים
שבחורו כל האמים
כי גבר על נה חסדו
ואסתו לעולם הלל יהיה :

קי
ודו ליהוד כי טוב
כי לעולם חסדו :

ה
יאמר נא ישראל
כי לעולם חסדו
יאמר נא בית אחר
כי לעולם חסדו :

ה
יאמר נא יראי יי
כי לעולם חסדו
בן המצר קראתי יה
ענני במרחב יה
יהוד לוי לא יירא מו

ה
יעשה לי אדם
יהוד לוי בעורתי ואני אראה בשנאי :

9 ολληουιαι
1 ολληουιαι
2 ολληουιαι
3 ολληουιαι
4 ολληουιαι
5 ολληουιαι
6 ολληουιαι
7 ολληουιαι
8 ολληουιαι
9 ολληουιαι
1 ολληουιαι
2 ολληουιαι
3 ολληουιαι
4 ολληουιαι
5 ολληουιαι
6 ολληουιαι
7 ολληουιαι

Bonum est confidere in domino quæ confidere in homine.

Bonū est sperare in domino quæ sperare in prin-

Omnes gentes circuierunt me: (cipibus.

& in nomine domini quia ultus sum in eos.

Circudantes circudederunt me:

& in nomine domini quia ultus sum in eos.

Circudederunt me sicut apes:

& exarserunt sicut ignis in spinis:

& in nomine domini quia ultus sum in eos.

Impulsus euerfus sum ut caderē: & dñs suscepit

Fortitudo mea & laus mea dñs: (pit me:

& factus est mihi in salutem.

Vox exultationis & salutis: in tabernaculis ius

Dextera domini fecit uirtutem: (fioz:

dextera domini exaltauit me:

dextera domini fecit uirtutem.

Non moriar sed uiuam:]

& narrabo opera domini.

Castigans castigauit me dominus:]

& mortu non tradidit me.

Aperite mihi portas iusticię:

ingressus in eas confitebor domino:

hec porta domini:

iustu intrabunt in eam.

Confitebor tibi quoniam exaudisti me:

& factus es mihi in salutem.

Lapidem quem reprobauerunt edificantes:]

hic factus est in caput anguli.

A domino factum est istud:

& est mirabile in oculis nostris.

Hęc est dies quam fecit dominus:]

exultemus & letemur in ea.

O domine saluum me fac:

o domine bene prosperare:

benedictus qui uenit in nomine domini.

Benediximus uobis de domo domini:

deus dominus & illuxit nobis.

Constituite diem solēnem in condensis

8 EZEEL: + KOT: N L 7 H A T H C: L O T A O S: N
L 2 A: L O T H P O: :

9 EZEEL: + T H O P: N L 7 H A T H C: L O T H O P: :

10 H A O S: A H H T: U L T E: : U N O A L H T: :
O N H S: L 7 H A T H C: T L H O S: :

11 V L T H: V L T E: :

O N H S: L 7 H A T H C: T L H O S: :

12 V L T E: H S: Z U T: S O U Z: :

O S P E: H S: L A T: O H T: A H P H: :

O N H S: L 7 H A T H C: T L H O S: :

13 T Z T Z H: A O R E: O L 7 H A T H C: A Z M A Z: :

14 Z E A P Z: O H H C P Z: L 7 H A T H C: :

O O L T: H S Z: S P T Z P: :

15 T A: T G M H T: O H T: U L P T U S: A X P Z: :

16 P A S: L 7 H A T H C: T T L T: Z E A: :

P A S: L 7 H A T H C: A O V O Z: :

P A S: L 7 H A T H C: T T L T: Z E A: :

7 H E S O T: H A Z P O: H A H P: :

O L S T C: T T C: A L 7 H A T H C: :

18 T M X H: T W X Z: L 7 H A T H C: :

O A T H: Q H T: L H M O Z: :

19 A C O T: A T: A S T X: P P Z: :

L A H: O H T T Z: O L 7 S E: A L 7 H A T H C: :

H A Z T X: L Z T: L 7 H A T H C: :

X P Z: E N O T: O H T T: :

20 L T Z: A H: L 7 H A T H C: L H S: H O H Z: :

O H Z H Z: S P T Z P: :

21 L T Z: H S Z T P: S P Z T: :

O O L T: H S: O H T: C L H: A L H Z T: :

22 L O T H: L 7 H A T H C: H S T: H T: :

O S H C: E L T: A A O E Z T S: :

23 H T: O A T: L Z T: T T L: L 7 H A T H C: :

Z T E W H: O Z T H W E: Q T: :

24 L 7 H A T H C: A P T Z H: :

L 7 H A T H C: W C T H: :

H L H: H E S O T: H: N H S: L 7 H A T H C: :

25 Q L H S H S: L O T H T: L 7 H A T H C: :

L 7 H A T H C: L 7 H A T H C: A H T C A P: A S: (O P: :

26 T N C: N V O: N T G M H T: N T H: L A: P H T H O

Ἄγαθόν σε ποιήσεται ἐπὶ κύριον ἢ σε ποιήσεται ἐπὶ ἄνθρωπον.

Ἄγαθόν ἐστι ἐπὶ κύριον ἢ ἐπὶ ἀνθρώπον.

Πάντα τὰ ἐθνη ἐκύκλωσάν με.

καὶ τῶ ὀνόματι κυρίου ἠμυνάμην ἄνθρωπος.

Κυκλώσαντες ἐκύκλωσάν με.

καὶ τῶ ὀνόματι κυρίου ἠμυνάμην ἄνθρωπος.

Ἐκύκλωσάν με ὡσεὶ μελισσοὶ κυρίου.

καὶ ἐξεκαύθησαν ὡς πῦρ ἐν ἀκάνθαις.

καὶ τῶ ὀνόματι κυρίου ἠμυνάμην ἄνθρωπος.

Ὡς οὖν ἀνετέραπην τὸ πνεῦμα καὶ ὁ κύριος ἀντελάβετό με.

Ἰσχύς μου καὶ ὑμνησίς μου ὁ κύριος.

καὶ ἐγένετό μοι εἰς σωτήριον.

Φωνὴ γὰρ ἀλλοσεως καὶ σωτηρίας ἐμὴ σαρκῶς δικαίου.

Δεξιὰ κυρίου ἐποίησέν μοι δύναμις.

Δεξιὰ κυρίου ἔσωσέν με.

Δεξιὰ κυρίου ἐποίησέν μοι δύναμις.

Ὀνόματι ἀνομίαι, ἀλλὰ ζήσομαι.

καὶ ἀκησομαι τὰ ἔργα κυρίου.

Γαίλευσάν ἐπαίλευσέν με ὁ κύριος.

καὶ τῶ θανάτῳ οὐ παρέλωκέ με.

Ἀντίξάτε μοι πύλας δικαιοσύνης.

εἰσελεύσεται ἐν αὐταῖς, ἐξομολογήσομαι τῷ κυρίῳ.

Ἄντη ἡ πύλη τῶ κυρίου.

Δίκαιοι εἰσελεύσονται ἐν αὐτῇ.

Ἐξομολογήσομαι σοὶ ὅτι ἐπικύρασάς με.

καὶ ἐγένου μοι εἰς σωτήριον.

Λίθου ἀπέλοκίμασάν οἱ ἐκκολομόωντες.

ὅπως ἐγενήθη εἰς κεφαλὴν γωνίας.

Παρεκύριος ἐγένετο αὐτῇ.

καὶ ἐστὶ θανμάση ἐν ἰσχυραῖς ἡμῶν.

Ἄντη ἡμέραν ἐποίησέν μοι ὁ κύριος.

ἀγαλλιάσασθε καὶ ἐνφρανθῶμεν ἐν αὐτῇ.

Ὁ κύριος ὤσασθαι.

Ὁ κύριος ἐνδύσασθαι.

ἐνλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι κυρίου.

Ἐνλογηκάμεν ἡμᾶς ἐξ οἴκου κυρίου.

Ὁ κύριος κύριος καὶ ἐπέφανεν ἡμῖν.

Συνέσασθε ἐξ ἑστέρας ἐν τοῖς πυκνάζουσιν.

טוב להסתור ביהוד

מבטח באדם

טוב להסתור ביהוד מבטח בנדיבים

כל גוים סבבני

בשם יי אלהים

סבבני גם סבבני

בשם יי אלהים

סבבני כדבורים

ועכו כאשר קוצים

בשם יי אלהים

החיה דחיתני לנפלי ויהוד עזרתי

עזרוסרתיה

דוהילי לי שועה

קולי ירנה וישועה באהלי צהיקים

ימין יי עשה חיל

ימין יי רוממה

ימין יי עשה חיל

לא אסות כיי אחיה

דאספר מעשה יה

יסו יסרני יה

ולמית לא נתנני

פתחו לי שערי צדק

אנא בם אודה יה

יה השער ליהוד

צדקים יבאו בו

אודה כיי עניתני

דתי לי לי שועה

אכן מאסו הבנים

היתה לראש פנה

מאת יי היתה זאת

היא נפלי את בעינינו

יה היום עשה יי

בגילה ונשמחה בו

אנא יי השועה נא

אנא יי הצליחה נא

ברוך הבא בשם יי

ברכנוכם מבית יי

אל יהוד ויאיר לנו

אשרו חג בעבתים

ἕως τῶν νεφελῶν τῶν θυμαίων·
σεὸς μὲς εἶ σὺ, καὶ ἐξομολογήσομαι σοί·
σεὸς μὲς εἶ σὺ καὶ ὑψώσω σε·
ἐξομολογήσομαι σοὶ ὅτι ἐσθίεις σὰς μὲς·
καὶ ἐγένετο μοι εἰς σωτηρίαν·
ἐξομολογήσομαι τῷ κυρίῳ ὅτι ἀγαθὸς·
ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ·

Ἄλληλῳία.

Ἀκχείοι οἱ ἀμωμοὶ ἐμὸ ὄλω·

οἱ πορευόμενοι ἐμὸ νόμῳ κυρίου·

Μακχείοι οἱ ἐξεννῶντες ἴα μακείρια αὐτοῦ·

ἐμὸν καρδίαν ἐκζητῶσιν ἀντὶ μου· (πορεύθησθε·

ὄντως οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ανομίαν ἐν ἴασι ὄλοις αὐτοῦ ἐ-

σὺν ἐνείλω ἴα ἐν ἰλάσσου τῶ φιλῶ καὶ σφοδρῶ·

ὄφελος καὶ γεννηθῆσιν οἱ ὄλοι μὲς·

τῶ φιλῶ καὶ ἴα λικκίω μαλάσος·

Τὸτε ὁ μὴ αἰσχυνθῶ·

ἐμὸν ἴα με ἐπιβλέψου ἐπὶ πάσας ἴα ἐν ἰλάσσος·

ἐξομολογήσομαι ἐμὸν ἐνθύμητον καρδίαν·

ἐμὸν ἴα με μαθηκέναι με ἴα κρίμα ἴα ἴα λικκίω δύννησος·

τὰ λικκίω μαλάσος φιλῶ·

μὴ με ἐγκλίνα λίπης ἕως σφοδρῶ·

ἐμὸν ἴα κακῶς νεώτερος ἴα ὄλου αὐτοῦ·

ἐμὸν φιλῶ καὶ ἴα λόγος σος·

ἐμὸν καρδίαν μὲς ἐξεζητῶσιν·

μὴ ἀπόσω με ἀπο ἴα ἐν ἰλάσσος·

ἐμὸν καρδίαν μὲς ἐκενφῶ ἴα λογίχσος·

ὅπως ἂν μὴ ἀμάρτω σοί·

ἐν ἰλάσσος εἶ κύριε ἀλλὰ ἐμὸν ἴα λικκίω μαλάσος·

ἐμὸν ἴα χεῖρές μὲς ἐξίγγηλα πένη ἴα κρίμα ἴα ἴα σόμα·

ἐμὸν ἴα ὄλω ἴα μακείρια σος ἐξερῶσιν· (τὸς σος

ὡς ἐπὶ πηνί πλάσος·

ἐμὸν ἴα ἐντολαῖς σος ἀλλολεσχίωσος·

καὶ κατανύσω ἴα ὄλος σος·

ἐμὸν ἴα λικκίω μαλάσος με λελήσω·

ὅκα ἐπιλήσομαι τὸν λόγον σος·

ἀντιπῶλος τῶ ἰλάσσος·

ζήσομαι ἴα φιλῶ καὶ ἴα λόγος σος·

ἀποκλίνω ἴα ἴα σφοδρῶ καὶ κατανύσω·

עד קרנות דמזבח

אלי אתה ואודה

אלכי צדקה

הודו ליהודי טוב

כי לעולם חסדו

קח

שרי חמימי בך

בהלכים בתורת

אשרי נצרי עמיו

בכל לב יודשוהו

אף לא פעלו עולה בדרךיו הלכו

אתה צדיקה בקרין לשמר מאד

אחלי לבנו דרכי

לשמר חקיה

אז לא אבוש

בהפטי אל כל מצותיך

אודה כי שר לבב

בלמדי משפטי צדקה

את חקיה אשר

אל תעזבני עד מאד

במה יזכה נער את אדוני

לשמר בדרךך

בכל לבי דרשתך

אל תשגני ממצותיך

בלבי צפנתי אמרתיך

למען לא אחטא לך

ברוך אתה יי למדני חקיה

בשבת ספרתי כל משפטי פיך

בדרך עותיך ששתי

כעל כל הון

בפקודיך אשר יח

ואבימה ארחתיך

בחקיה אשר מעש

לא אשר בך וברוך

אמל על עבודך

אתה ואשמנה בך

אל עיני ואבימה

u q

τὰ θανάσια ἐκ τῶν νόμων σου.
 Γάρα κος ἐγὼ εἰμι ἐν τῇ γῆ.
 μὴ ἀποκρῦψῃς ἀπὸ μου τὰς ἐντολάς σου.
 Ἐπέσθην ἡ ψυχὴ μου ἐν τῷ θανάτῳ σου.
 τὰ κρίματά σου ἐν παντί κηρύξω.
 Ἐπέτιμῃ σου ὡς ἐφάνη.
 ἐπικατάρασι οἱ ἐκλιπόντες ἀπὸ τῶν ἐντολῶν σου.
 περιελεῖ ἀπὸ ἐμοῦ οὐκ εἶδον δόξαν σου.
 ὅτι τὰ μαρτυρία σου ἐξεζητήσα.
 καὶ γὰρ ἐκείνοι ἀρχόντες καὶ κατέμαζον κατελάλον.
 ὁ δὲ λόγος σου ἠλοήσῃ ἐν τοῖς δικαιομασίαις σου.
 καὶ γὰρ τὰ μαρτυρία σου μελέτη μου εἰσι.
 καὶ οὐκ ἐσθλὴν ἔμαθον τὰ δικαιοματά σου.
 Ἐκώληθον τῷ ἁμαρτωλῷ ψυχὴ μου.
 ζῆσόν με κατὰ τὸν λόγον σου.
 τὰς ἐντολάς σου ἐξηγγείλα καὶ ἐπίκουσός μου.
 διὰ τὸν μετὰ τὴν δικαιοματίαν σου.
 Ὅλον δικαιοματίαν σου συνέτισόν μου.
 καὶ ἀλοήσῃς ἐν τοῖς θανάτοις σου.
 ἐνύσασεν ἡ ψυχὴ μου ἀπὸ ἀδικίας.
 βεβαιώσόν μου ἐν τοῖς λόγοις σου.
 Ὅλον ἀδικίας ἀποσοῦ ἀπὸ ἐμοῦ.
 καὶ τῶν νόμων σου ἐλέησόν με.
 Ὅλον ἀδικίας ἡρετισάμην.
 καὶ τὰ κρίματά σου οὐκ ἐπέλαθον.
 Ἐκώληθον τοῖς μαρτυρίαις σου κύριε μὴ με κατὰ ἁμαρτίαν.
 Ὅλον ἐντολῶν σου ἐδέξαμην.
 ὅταν ἐπλάτυνας τὴν καρδίαν μου.
 Νομοθέτησόν μου κύριε, ἦν ὁ λόγος τῶν δικαιοματίων σου.
 καὶ ἐκζητήσω ἀντὶ τῆς δικαιοματίας σου.
 συνέτισόν μου καὶ ἐξερεννώσω τὸν νόμον σου.
 καὶ φυλάξω ἀντὶ τῆς καρδίας μου.
 Ὅλον ἡγήσῃς με ἐν τῇ τριβύτῃ τῶν ἐντολῶν σου.
 ὅτι ἀντὶ τῆς ἀδικίας σου.
 κλίνου τὴν καρδίαν μου εἰς τὰ μαρτυρία σου.
 καὶ μὴ εἰς ὡλεονεξίαν.
 Ἄποσε φέρων ὁρθολογίας μου καὶ μὴ ἰδέω ματαίωτά,
 ἐν τῇ δόλῳ σου ζῆσόν με.
 Ἐπίστησόν τῷ δόλῳ σου τὸν λόγιόν σου εἰς τὸν φόβόν σου.

וְכָל אֹתוֹת מִתּוֹרָתְךָ
 אֲרָא אֲנִי בְּאָרֶץ
 אֶל-הַתּוֹרָה מִפְּנֵי מִצְוֹתֶיךָ
 אֶרְסֶה בְּנַפְשִׁי לְתוֹרָה
 אֶל מִשְׁפָּטֶיךָ כְּכֹל-עֵת
 אֲעֲרֹת יָדַי
 אֲרוּרִים הַשָּׂמַיִם מִמִּצְוֹתֶיךָ
 אֶל מַעַל הַרְפָּה בְּבוֹן
 כִּי-עֲדוּתֶיךָ נִצְרָתִי
 אֲם יִשְׁבוּ שָׂרִים בִּי נִדְבָרְךָ
 עֲבָרְךָ יִשְׁיחַ בְּחֻקֶיךָ
 אֲם עֲדוּתֶיךָ שֶׁשָּׁעִי
 אֲנִישִׁי עֲצָתִי
 הִבְרַקָה לְעַפְרֵי נַפְשִׁי
 דַּוְיָ נִדְבָרְךָ
 דַּרְכֵי כִפּוּרֹתֵי וְהַעֲנֵנִי
 לְמַדְבְּרֵי חֻקֶיךָ
 דַּרְכֶךָ פְקוּדוֹתֶיךָ בְּכִינֵנִי
 וְאִשְׁיחָה בְּנֶפֶשׁ אֹתוֹתֶיךָ
 הִרְפָּה נַפְשִׁי מִתּוֹרָתְךָ
 קִימֵנִי בְּדַבְרֶךָ
 דַּרְךְ שֶׁקָרַח הַסֵּל מִמֶּנִּי
 וְתוֹרָתְךָ חֲפָנִי
 דַּרְךְ אֲמוּנָה בְּחֻרְתִּי
 מִשְׁפָּטֶיךָ שִׁוְיָתִי
 דַּבְּרָתֵי כִפּוּרֹתֶיךָ אֶל-הַתְּבִישֵׁנִי
 דַּרְךְ מִצְוֹתֶיךָ אֲרָא
 כִּי תִרְחֹב לִבִּי
 הוֹרֵנִי וְדַרְךְ חֻקֶיךָ
 וְאֲצַרְנָה עֲקֵב
 הִבְיַנֵנִי וְאֲצַרְהָ תוֹרָתְךָ
 וְאִשְׁמַרְנָה כְּכֹל-לֵב
 הַדְּרִיכֵנִי בְּנִתְיָב מִצְוֹתֶיךָ
 כִּי-בוֹ חֲפָצִתִּי
 הֵט-לִּבִּי אֶל-עֲדוּתֶיךָ
 וְאֶל-אֵל-בְּצַע
 הַעֲבַר עֵינֵי מַדְאוֹת שְׁוֹא
 בְּדַרְכֶךָ חֲפָנִי
 הִקֵּם לְעַבְרָתְךָ אֲמִתְךָ אֲשֶׁר לִירְאָתְךָ

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

κἢ ἐπέσειψα κἄν τις πόδας μου, εἰς τὰ κρείμματα σου.
 ἢ κἢ μάστιγι κἢ ὄνκῃ ἐταράχθην.
 τὸ φιλῶσθε τὰς ἐντολάς σου.
 Σχηνία ἀμπερωλῶν περιεπλάκησάν μοι.
 κἢ τὸ νόμον σου οὐκ ἐπελαθόμην.
 Μεσονύκτιον ἐξεγέρομην.
 τὸ ἐξομολογῆσαι σοὶ ἐπὶ τὰ κρείμματα τῆς δικαιοσύνης σου
 Νέτοχος ἐγώ εἰμι πάντων τῶν φόβων μένων σε.
 κἢ τῶν φυλασσόντων τὰς ἐντολάς σου.
 Τῷ ἐλέους σου κύριε πλήρης ἡ γῆ.
 τὰ δίκαιά σου διλάξομαι.
 Χρησθήτω ἐπιείκεις μετὰ τὸν δούλόν σου.
 κύριε κατὰ τὸν λόγον σου.
 χρησθήτω κἢ καλεῖσθαι κἢ γινώσκω διλάξομαι.
 ὅτι ταῖς ἐντολαῖς σου ἐπίστευσα.
 Πρὸ τῶν με ταπεινώθηκα ἐγὼ ἐπλημμελήσασα.
 Λικτῶ τὸ λογίον σου ἐφύλοξεν.
 Χρῆτος εἶσὺ κύριε.
 κἢ ἐπὶ τῆς χρηστότητός σου διλάξομαι τὰ δίκαιά σου
 Ἐπληθύνθη ἐπέμει ἀδικία ὑπερῆφάνων.
 ἐγὼ δὲ ἐμὸν ὄλον κατέλιξα κἢ ἐξερευνήσω τὰς ἐντολάς σου
 Ἐθροῖσθαι ὡς γάλα κατέλιξα ἀντῶν.
 ἐγὼ δὲ τὸν νόμον σου ἐμελέτησα.
 Ἁγαθὸν μοι ὅτι ἐταπεινώσασ με.
 ὅπως ἂν μάθω τὰ δίκαιά σου.
 Ἁγάθος μοι ὁ νόμος τῶν σωματός σου.
 ὕπερ χιλιάδας χρυσίου κἢ ἀργυρίου.
 Αἰχμῆς σου ἐποίησάν με κἢ ἐπλάσσαν με.
 συνέτισάν με κἢ μεθόσομαι τὰς ἐντολάς σου.
 Οἱ φόβου μένω σε ὀφθαλμοί μου κἢ ἐνφρανθήσονται.
 ὅτι εἰς τὸν λόγον σου ἐπήλπισα.
 Ἐγνων κύριε ὅτι δικαιοσύνη τὰ κρείμματα σου.
 κἢ ἀληθεία ἐταπεινώσασ με.
 Γενήτω δὴ τὸ ἐλέος σου τὸν περὶ ἀκαλέσασαι με.
 κατὰ τὸ λογίον σου τῶν δούλων σου.
 Ἐλθέτω ἄρ μοι εἰδικτιμοί σου κἢ ζήσομαι.
 ὅτι ὁ νόμος σου μελέτη μου ἐστίν.
 Διοκνήτωσάν ὑπερῆφάνοι ἀλίκοις νόμοισιν εἰς ἐμὲ
 ἐγὼ ἀπολεσῶ ὡς ἐμὸν ὄλον σου.

ואשיבה רגלי אל עֲוֹנוֹתַי
 וְלֹא רָחַמְתָּהּ מִחֶמְתָּי
 לְשׁוֹמְרֵי מִצְוֹתֶיךָ
 דְּבָלִי רְשָׁעִים עֲוֹנוֹתַי
 וְהִוָּתַתְּ לֹא שְׂכָרְתִי
 חֲצוֹת לַיְלָה אֲנוֹס
 לְהוֹדוֹת לְךָ עַל מִשְׁפָּטֵי צְדָקָתְךָ
 דְּכִרְאֵנִי לְכָל אֲשֶׁר יִרְאוּךָ
 וְלִשְׁמֵרֵי פְקוּדֶיךָ
 חֲסִדְךָ עָלַי מִלְּאֵה אֲרָץ
 חֲסִדְךָ לְמִנֵּי
 טוֹב עֲשִׂיתָ עִם עַבְדְּךָ
 יְהוָה דְּכָרְךָ
 טוֹב טַעַם וְרַעַת לְמִדְּנִי
 כִּי כִמְצִיתְךָ הָאִמּוֹתַי
 טָרַם אֶעֱנֶה אֲנִי שָׂגָה
 וְעַתָּה אִמְרָתְךָ שְׁמַרְתִּי
 טוֹב אֲתָה
 וּמְסִיב לְמִנֵּי חֲסִדְךָ
 מִפְּלוֹעַי שְׁקָר וְדִים
 אֲנִי כְּכֹל לֵב אֲצַר פְּקוּדֶיךָ
 מִשְׁפָּט כַּחֲלֵב לְבָבִים
 אֲנִי הוֹרַתְךָ שְׁעֵשְׂעֵתִי
 טוֹב לִי כִּי עֲנִיתִי
 לְמַעַן אֲלַמֵּד חֲסִדְךָ
 טוֹב לִי הוֹרַת פִּיךָ
 מִזֶּל פִּי יוֹחַב וְכִסְף
 יִדְּךָ עֲשׂוֹנִי וְיִכְוֹנוֹנִי
 דְּכִינְנִי וְאֵל מִדְּהַ מִצְוֹתֶיךָ
 יִרְאוּךָ יִרְאוּנִי וְיִשְׁמְחוּ
 כִּי לְהִבְרָךְ וְחַלְתִּי
 יִדְעֵתִי וְכִי צָדֵק מִשְׁפָּטֶיךָ
 וְאִמּוֹנָה עֲוֹנוֹתַי
 יְהִי יְהוָה חֲסִדְךָ לְגַחְמִנִי
 כְּאִמְרָתְךָ לְעַבְדְּךָ
 יִכְאוּבִי רַחֲמֶיךָ וְאַחֲרָהּ
 כִּי הוֹרַתְךָ שְׁעֵשְׂעֵי
 יִכְשׁוּ וְדִים כִּי שְׁקָר עֲוֹנוֹתַי
 אֲנִי אֲשִׁיחַ בְּפִקּוּדֶיךָ

Ἐπιστράψασθε με εἰ φοβούμενοι σε.
 καὶ γινώσκοντες τὰ μακρυνεία σου.
 γενωθήτω ἡ καρδία μου ἀμώμος ἐν τῷ δικαίωμασί σου.
 Ἐκλείπει εἰς τὸ σωτήριόν σου ἡ ψυχή μου. (πῶς ἔμμη
 εἰς τοῦ λόγου σου ἐπίληψα. (αἰσχυνθῶ
 Ἐξέλιπον οἱ ὀφθαλμοί μου εἰς τὸ λόγιόν σου.
 λέγοντες ποτε παρεκκλίσεις με.
 Ὅτι ἐγενήθη ὡς ἀσκὸς ἐν παχνῇ.
 Ἥα δικαίωματά σου, οὐκ ἐπελαθόμην.
 Πίστι εἰσὶν αἱ ἡμέραι τοῦ δούλου σου.
 πῶτε ποίησός μοι ἐκ τῆς κακῆς διωκόντων με κρίσιμ.
 Δηγῶσάν μοι παρὰ νόμον ἀλλολεσχίας.
 ἀλλ' ὅς ὡς νόμος σου κύνειε.
 Πίστι αἱ ἐντολαί σου ἀληθεῖα,
 ἀδικῶς κατέλιξά μ με βουνοῦ μοι.
 Ἐπαβραχὺ συνέτελεσά με ἐν τῇ γῆ.
 ἐγὼ δὲ ὅκ ἐγκατέλιπον Ἥας ἐντολάς σου.
 Κατὰ τὸ ἔλεος σου ζῆσόν με.
 καὶ φυλάξω τὰ μακρυνεία τῆς σώματός σου.
 εἰς τὸν αἰῶνα κύνειε ὁ λόγος σου διαμένει ἐν τῷ ὄρει σου.
 εἰς γενεάν καὶ γενεάν ἀληθεία σου.
 ἐθεμελίωσας τὴν γῆν καὶ διαμένει.
 τῆς διατάξεώς σου διαμένει ἡμέρα.
 ὅτι τὰ σύνπαντα δούλου σου.
 εἰμὶ ὅτι ὁ νόμος σου μελέτη μου ἐστίν.
 τοῦ ἀπαλωθῆναι ἐν τῇ ταπεινώσει μου.
 εἰς τὸν αἰῶνα ὅ μὴ ἐπιλάθωμαι τῶν δικαιωμάτων σου.
 ὅτι ἐμάνθης ἐζήσας με.
 Σὺ εἰμι ἐγὼ, σῶσόν με.
 ὅτι τὰ δικαίωματά σου ἐξεζητήσα.
 Ἐμὲ ὑπέμνησάν ἀμαρτωλοὶ τὸ ἀπολέσασί με.
 τὰ μακρυνεία σου συνῆκα.
 Γάσας συνέτελείς εἰς ἕλεμ πέρας.
 πλατῆρα ἡ ἐντολή σου σφοδρα.
 ὡς ἡγάπησα τὸν νόμον σου κύνειε.
 ὅλην τὴν ἡμέραν μελέτη μου ἐστίν.
 Ἵπερ τοῦ εὐχέσθαι μου ἐσοφισαί με τὴν ἐντολήν σου.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἐμνήσιμ.
 Ἵπερ πάντας τῶν διδασκόντων με συνῆκα.

ישׁוּבוּ לִי יְהוָה
 וְדַע עֲדוּתְךָ יְהוָה
 יְהוָה לִבִּי תָמִיד בְּדַרְכְּךָ לְמַעַן לֹא אֲכַזֵּב
 כָּל־תְּהִלָּתְךָ לְתַשׁוּעַתְךָ נַפְשִׁי
 לְדַבְרֵךָ יְהוָה
 כִּלּוֹ עֵינַי לְאַמְרֹתֶיךָ
 לְאָמֹר מִמֵּי תַנְחַמְנִי
 כִּי הָיִיתִי כַנְּאֹד בְּקִטְוֹת
 דַּרְכְּךָ לֹא שָׁכַחְתִּי
 כַּמָּה יָמִי עָבַדְתִּי
 מִמֵּי תַעֲשֶׂה בְּרִדְפֵי מַשְׁפָּט
 כִּירוּ לִי יְהוָה שִׁחֹת
 אֲשֶׁר לֹא כִחֹרְתְךָ
 כָּל־מַצּוֹתֶיךָ אֲמוּנָה
 שָׁקֵר דַּפוּנִי עֲזַרְנִי
 כַּמַּעַס כִּלּוֹנִי בְּאַרְץ
 דַּאֲנִי לֹא עֲזַבְתִּי פְקוּדֹתֶיךָ
 כְּחֹסֶדְךָ יְהוָה
 וְאֲשַׁמְרֶה עֲדוּת פִּיךָ
 לְעוֹלָם יִטְרַכְךָ נַצַּב בְּשִׁמְסִים
 לְדַרְכֵךָ אֲמוּנָתְךָ
 כּוֹנְנֶת אֶרֶץ וּמַעֲמוֹד
 לְמַשְׁפָּטֶיךָ עַד־רֵי הַיּוֹם
 כִּי־הַפֹּד עֲבָדֶיךָ
 לְוֹלֵי תוֹרַתְךָ שְׁעִשְׂעִי
 אִו אֲבָדְתִּי בַעֲבֹדִי
 לְעוֹלָם לֹא־אֲשַׁכַּח פְּקוּדֹתֶיךָ
 כִּי־בָס חַיִּיתִנִּי
 לֵךְ אֲנִי הוֹשִׁיעֵנִי
 כִּי פְקוּדֹתֶיךָ דִרְשָׁתִּי
 לִי קוֹו רַשְׁעִים לְאַפְדֵּנִי
 עֲדוּתְךָ אֲתַבּוּנֵן
 לְכָל־תְּכַלֶּה רַאֲיִתִּי קָץ
 דַּחֲכָה מַצּוֹתֶיךָ מֵאֹד
 מֵה־אֲהַבְתִּי תוֹרַתְךָ
 כָּל־הַיּוֹם הִיא שִׁיחֹתִי
 מֵאִי־בִי תַחַמְמִי מַצּוֹתֶיךָ
 כִּי לְעוֹלָם הִיא לִי
 מִכָּל־סִלְמֵי הַשָּׁמַיִם

79 27:11-12:20:11
 80 27:12-13:20:12
 81 10 27:14-15:20:13
 82 27:16-17:20:14
 83 27:18-19:20:15
 84 27:20-21:20:16
 85 27:22-23:20:17
 86 27:24-25:20:18
 87 27:26-27:20:19
 88 27:28-29:20:20
 89 27:30-31:20:21
 90 27:32-33:20:22
 91 27:34-35:20:23
 92 27:36-37:20:24
 93 27:38-39:20:25
 94 27:40-41:20:26
 95 27:42-43:20:27
 96 27:44-45:20:28
 97 27:46-47:20:29
 98 27:48-49:20:30
 99 27:50-51:20:31

Καὶ λώσω ἐκ τῶ φόβου σου τὰς σάρκας μου·
 ἅ το γὰρ ἴωμ κριμάτων σου ἐφοβήθημ.
 Ἐπίησα κρίμα καὶ δικαιοσύνην·
 μή πτεχλώω με ἥτις ἀδικῶσι με·
 Ἐκλεξί τομ δούλου σου εἰς ἀγαθόν·
 μή συγκοφνῆσ ἰτάσσω με ὑπερήφανοι
 οἰσφραλμοὶ μου ἐξελίκομ εἰς τὸ σωτήριόν σου·
 καὶ εἰς τὸ λόγιόν τῆς δικαιοσύνης σου·
 Γοήσω μετὰ τῶ δούλου σου κατὰ ῥ ἔλεός σου·
 καὶ τὰ δικαιοματά σου ἀλάξω με·
 Δούλος σου εἰμι ἐγὼ συνέτισόν με·
 καὶ γνώσομαι τὰ μακρύνειά σου·
 καιρὸς τῶ πῆσαι τῶ κυρίῳ·
 διεσκεδάσω τὸν νόμον σου·
 Διὰ τὸν ἠγάπησα τὰς ἐντολάς σου·
 ὑπερχειρίων καὶ τοπχιζίων
 Διὰ τὸν πρὸς πάσης τὰς ἐντολάς σου κατὰ ῥῶσ μου·
 πάσω ὄλουμ ἀδικίαν ἐμίσησα·
 Οὐκ ἔμαθα τὰ μακρύνειά σου·
 Διὰ ῥῶν ἔξερεύνησιν ἀντὰ ἡ ψυχή μου·
 Ἡ ἀλήθεια τῶν λόγων σου φωτιζέ καὶ συνετιζέ νηπίου·
 Τὸ ῥῶμα κρηνοῖ καὶ ἡ ἄλκυσα ἀνευμά·
 ὅτι τὰς ἐντολάς σου ἐπεπόρευμ·
 Ἐπίβλεψόν ἐπέμε ἐλεήσομ με·
 κατὰ ῥ κρίμα τῶ ἀγαθῶν τῶ ὀνομά σου·
 τὰ δικαιοματά μου κατενόησα κατὰ ῥ λόγιόν σου·
 καὶ μή κηκτακνυριενσάτω μου, πάσα ἀνομία·
 Ἄνσωσάι με ἀπὸ συγκοφνῆσις ἀνθρώπων·
 καὶ φυλάξω τὰς ἐντολάς σου·
 Τὸ πρόσωπόν σου ἐπίφανον ἐπὶ ῥ δούλου σου·
 καὶ ἀλάξω με ἰὰ δικαιοματά σου·
 Διεξήλυν ὑλάτων κατὰ ῥ δούλου οἰσφραλμοὶ μου·
 ἐπεὶ οὐκ ἐφύλαξα ῥ νόμον σου·
 Δίκαιος εἰ κύριε καὶ ἐυθῆς αἰ κρισίς σου·
 Ἐνετίλω δικαιοσύνην τὰ μακρύνειά σου·
 καὶ ἀλάξω σφόδρα·
 Ἐξήλζε με ὁ ῥήλος σου·
 ὅτι ἐπε λήθοντο ἴωμ λόγων σου οἱ ἐχθροὶ μου·
 Πενυσιωμένον ῥ λόγιόν σου σφόδρα·

ספר מנודך בשרי
 ומשפטך יראתי
 עשיחי משפט וצדק
 כל תהיני לעשקי
 ערב עבדך לטוב
 אל יעשקני זרים
 עיני כלו לישועתך
 ולאמרת צדקך
 עשה עם עבדך כחסדך
 וחקך למדני
 עבדך אני חביבני
 ואדעה עדותך
 עת לעשות ליהוד
 כפרו תורתך
 על כן אהבתי מצותך
 מזה ומפני
 על כן כל בכוהני כל ישראל
 כל ארח שקר שנאתי
 פלאוח עדותך
 על כן נצרתם נפשו
 בתחביריך יאיר סבין פתיים
 פי בערתי ואשאפה
 כי למצותיך יאבתי
 פנה אלי וחנני
 כמשפט לאהבי שמך
 בעמי רבן באמרתך
 ואל תשלט בי כל און
 פדני מעשק אדם
 ואשמרה פקודיך
 פניך באר בעבדך
 ולאמדני את חקיך
 בלתי מים יודו עיני
 על לא שמרו תורתך
 צדיק אתה וישר משפטך
 צדית צדק עדותך
 ואמונה מאד
 צמחתי קנאתי
 כי שכחו דברך צדי
 צרופה אמרתך מאד
 x η

12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40

καὶ ὁ λόγος σου ἡγάπησέν με ἄνθρωπε.
 Νεώτερος ἐμὶ ἐγὼ καὶ ἐξον λευωμένος.
 τὰ δικαιοσύματά σου ὄνκ ἐπελοδομήν.
 Ἡ δικαιοσύνη σου δικαιοσύνη εἰς τὸν αἰῶνα.
 καὶ ὁ νόμος σου ἀλήθεια.
 Ὁλίφεις καὶ ἀνάγκαι ἐν βοσῶν με.
 αἱ ἐντολαί σου μελέτη μου.
 Δικαιοσύνητά μαρτυρία σου εἰς τὸν αἰῶνα.
 συνιτίσθη με καὶ ζήσομαι.
 Ἐκέκραξα ἐμὸν ἄλκ καρδία μου, ἐπάκουσόν μου κύριε.
 τὰ δικαιοσύματά σου ἐκζητήσω.
 Ἐκέκραξα σοὶ σωσόν με.
 καὶ φυλάξω τὰ μαρτυρία σου.
 Γενοφθασα ἐν ἀσρα καὶ ἐκέκραξα.
 εἰς τὸν λόγον σου ἐπὶ λήπισα.
 Γενοφθασόν οἱ ὀφθαλμοί μου πρὸς ὄρθρον.
 τὸ μελετῶν τὰ λογία σου.
 Τὸ φωνῆς μου ἀκούσον κύριε κατὰ τὸ ἔλεός σου.
 κατὰ τὸ κριμά σου ζήσόν με.
 Προσγγισα οἱ καταλιώκοντές με ἀνομία.
 ἀπὸ τοῦ νόμου σου ἐμακένυθον.
 Ἐγὼ εἶμι ὃν κύριε καὶ πᾶσαι οἱ ὁδοὶ σου ἀλήθεια.
 Κατὰ χάριτος ἐγὼν ἐκ τῶν μαρτυριῶν σου.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἐσεμελίωσας ἅντα.
 Ἰλε τὴν ταπεινώσιν μου καὶ ἔξελεσέ με.
 ὅτι τὸ νόμος σου ὄνκ ἐπελοδομήν.
 Κεῖνον τὴν κρισίμ μου καὶ λυτρώσάι με.
 διὰ τὸν λόγον σου ζήσόν με.
 Μακρὸν ἀπὸ ἀμαρτωλῶν σωτηρία.
 ὅτι τὰ δικαιοσύματά σου ὄνκ ἐξεζητήσαμ.
 Οἰκτιρισμοί σου πολλοὶ κύριε.
 κατὰ τὸ κριμά σου ζήσόν με.
 Πολλοὶ οἱ ἐκλιώκοντές με καὶ ἐλιβόντες με.
 ἐκ τῶν μαρτυριῶν σου ὄνκ ἐξεκλίνα.
 Εἰς ἀσρα συνετούνησ καὶ ἐξεθηκόμη.
 ὅτι τὰ λογία σου ὄνκ ἐφυλοξάντο.
 Ἰλε ὅτι τὰς ἐντολάς σου ἡγάπησα.
 κύριε ἐμ τῶ ἔλεεί σου ζήσόν με.
 ἄρχη τῶν λόγων σου ἀλήθεια.

ועבדך אדבה
 צעיר אנכי ונכזה
 פקדוך לא שכחתי
 צדקתך צדק לעולם
 ותורתך אמת
 צר ומצוק סצאונ
 מצותך שעשעו
 צדק עדותך לעולם
 הבינני ואחיה
 קראת בכל לב ענני
 חןך אצרה
 קראתך הושיעני
 ואשכרה עדותך
 קדמתי בנשך ואשועה
 לדברך יחלתי
 קדמו עני אשמרות
 לשיח באמתך
 קולי שמעה בבסודך
 יהוד כמשתפסך חניני
 קרכו רדפי ומה
 מתורחך בחקך
 קרוב אמה וכל מצותך אמת
 נדמ ידעתי מעדותך
 כי לעולם יסדתם
 דאח ענני וחלצני
 כי תורחך לא שכחתי
 ויבהר בי וגאלני
 לאמתך חניני
 בחן כושעים ישועה
 כי חקך לא אדרשו
 בחסך רבים
 כמשתפסך חניני
 רבים רדפי וצדק
 מעדותך לא נסיתני
 דאיתי כקדים נאח קוטטה
 אשר אמתך לא שמרתי
 דאח כי פקדוך ארבת
 יהוד כחפסך חניני
 דאשדברך אמת

In eternum omnia iudicia iusticie tue
 Principes persecuti sunt me gratis
 & a uicibus tuis formicauit cor meum
 Letabor ego super eloquia tua
 sicut qui inuenit spolia multa.
 Iniquitatem odio habui & abominatus sum
 legem autem tuam dilexi.
 Septies in die laudem dixi tibi
 super iudicia iusticie tue.
 Pax multa diligentibus legem tuam
 & non est illis scandalum.
 Expectabam salutare tuum domine
 & mandata tua dilexi.
 Custodi diuinit anima mea testimonia tua
 & dilexit ea uehementer.
 Scruiui mandata tua & testimonia tua
 quia omnes uice mee in conspectu tuo.
 Apertu iniquitatis deprecatio mea in conspectu tuo
 iuxta eloquium tuum da mihi intellectum. (dñe
 Intret postulatio mea in conspectu tuo
 secundum eloquium tuum eripe me.
 Erudiantur labia mea hymnum
 cum docueris me iustificationes tuas.
 Pronunciabit lingua mea eloquium tuum
 quia omnia mandata tua equitas.
 Fiat manus tua ut saluet me
 quoniam mandata tua elegi.
 Concupiui salutare tuum domine
 & lex tua meditatio mea est.
 Viuet anima mea & laudabit te
 & iudicia tua adiuuabunt me.
 Erudiu sicut ouis que perit: (oblitus
 require solum tuum quia mandata tua non sum
 Canticum graduum. CXIX.
 a Dñm cum tribularetur & exaudi me
 Domine libera animam meam a labijs iniquis
 & a lingua dolosa.
 Quid datur tibi aut quid apponatur tibi ad
 Sagittę potentis acutę: (linguam dolosam.

ΘΛΥΛΩ: η·Α·η·ΣΖ·η·ΧΡ·Φ::
 161 ΗΟ ΑΖ: ΣΟΛΛΗΤ: ΑΡΡΖ: ΠΗΖΤ::
 ΟΛΦΦΔΗ: ΕΖΓΘΖ: Α·Τ·Ρ::
 162 ΟΠΦΔΗ: ΤΔΥΙΘΗ::
 ΗΣΗ: ΖΗΠ: ΦΥΖΗ: ΠΗ·Ζ::
 163 ΨΟΘ: ΧΑΛΗ: ΟΛΛΦΖΖΗ::
 ΟΠΓΗΗ: ΑΦΗΓΗ::
 164 Η·Π·Ο: ΑΘΑΤΡ: ΟΛΛ·Π·ΘΗ::
 ΠΛΖΤ: η·ΣΖ: ΧΡ·ΦΗ::
 165 ΗΑΦ: ΠΗ·Ζ: ΑΛΛ: ΡΔ·ΦΖ: ΗΦΗ::
 ΟΛΑΡΟ: ΟΦΦΤ
 166 ΤΗΔ·ΘΗ: ΑΡ·Ζ·Τ·Η: ΛΓΗΛΛ::
 ΟΛΦ·ΠΗ: Τ·Λ·ΗΗΗ::
 167 ΨΦΠΤ: ΣΦΔΡ: Τ·Λ·ΗΗΗ::
 ΟΛΦΦΖΖ: Δ·Ρ·Ζ::
 168 ΨΦ·ΠΗ: Τ·Λ·ΗΗΗ: ΟΠΦΟΗΗ::
 ΛΗ·ΣΟ: η·Α·Ζ: ΦΣΡ: ΦΡ·ΘΗ: ΛΓΗΛΛ::
 169 ΗΒ ΤΩ: ΑΤ·ΦΖ·Π: ΗΛΑΤΡ: Ζ·ΠΗ: ΛΓΗΛΛ::
 ΟΠΗ·ΣΟ: ΦΔΗ: ΑΛ·Π·ΘΖ::
 170 Τ·Π·Ζ·Η: ΑΛ·Τ·Π·Φ·Π·ΤΡ: ΦΡ·ΘΗ: ΛΓΗΛΛ::
 ΟΠΗ·ΣΟ: ΦΔΗ: ΑΡ·Ζ·ΣΖ::
 171 Τ·Η·Α: ΗΣΦ·Ρ: Η·Π·Θ·ΤΗ::
 ΛΗ·ΣΟ: Α·Θ·Ζ: η·ΣΖ·Η::
 172 ΣΠΠ: ΑΛ·ΖΡ: ΦΔΗ::
 Λ·ΣΟ: ΧΡ·Φ·η·Α·Τ·Λ·ΗΗΗ::
 173 ΕΗ·ΣΖ: Ρ·Θ·Ζ: Η·ΣΟ: Ρ·Ρ·Ζ·ΣΖ::
 ΛΗ·ΣΟ: Τ·Λ·ΗΗΗ: Α·Φ·Φ·Η::
 174 Α·Φ·Φ·Η: Λ·Ρ·Ζ·Τ·Η: ΛΓΗΛΛ::
 ΟΠΓΗΗ: Τ·Σ·Θ·Ρ: ΟΛ·Τ::
 175 Τ·Π·Ρ·ΘΖ: ΣΦΔΡ: ΟΛΛ·Π·ΘΗ::
 Ο·Ρ·Ρ·Α·Ζ: η·ΣΖ·Η·Α·Η::
 176 Τ·Ζ·Η·Λ·Η: Η·ΣΟ: Π·Γ·Ο: Η·Τ·Ρ·Α::
 Ζ·Μ·Ψ: Α·Γ·Π·Ο·Η: Λ·ΣΟ: Τ·Λ·ΗΗΗ: Α·Ζ·Α·Η::
 Θ·Ζ·Α·Τ: ΗΠ·Ο·Υ·Ζ·Ο:: ΠΗ: ΟΠ·Θ·Η
 1 ΡΙ·Θ Ζ·Π·Η: ΛΓΗΛΛ: Χ·Ζ·Α·Η: ΑΠ: Τ·Σ·Ρ·Π
 2 ΛΓΗΛΛ: Α·Ρ·Ζ·Σ: Α·Σ·Φ·Α·Ρ: Λ·Φ·Η·Σ·Φ·Ζ: Ψ·Ο·Θ::
 ΟΛΦ·Α·Η·Σ: Χ·Α·Θ·Τ::
 3 Φ·Ζ·Τ: Ε·Υ·Π·Η: Ο·Φ·Ζ·Τ: Ε·Β·Η·Η·Η: Π·Λ·Ζ·Τ: Η·Σ·Φ
 4 Α·Π·Θ·Υ: Α·Ζ·Ρ·Α: Α·Θ·Α:: Α·Ζ: Τ·Π·Α·Τ

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or translation of the adjacent text. The text is partially obscured and difficult to read due to the angle and fading of the page.

eum carbonibus desolatorum
Heu mihi quia incolatus meus prolongatus est:
habitaui cum habitantibus Cedar,
multum incola fuit anima mea.
Cum his qui oderunt pacem
eram pacificus:
cum loquebar illis impugnabant me gratis.

Canticum graduum. CXX.

1 Euaui oculos meos in montes:
unde ueniet auxilium mihi.

Auxilium meum a domino:
qui fecit caelum & terram.
Non det in commotionem pedem tuum:
neque dormitet qui custodit te. (Israel.)
Ecce non dormitabit neque dormiet: qui custodit
Dñs custodit te dñs protectio tua: super manū de
Per diem sol non uret te: (terram tuam.
neque luna per noctem.

Domini custodiat te ab omni malo:
custodit animam tuam dominus.
Dominus custodiat introitū tuū & exitū tuū,
ex hoc nunc & usque in saeculum.

Canticū graduū. CXXI. (mū dñi i bibimus.)

1 Etate sū in his q̄ dicta sūt mihi: in dor
Stātes erāt pedes n̄ri: in atrijs tuis hierusalem.
Hierusalem que edificatur ut ciuitas:
cuius participatio eius in idipsum.
Illuc enim ascenderunt tribus
tribus domini, testimonium Israel:
ad confitendum nomini domini.
Quia illic sederunt sedes in iudicio:
sedes super domū Dauid.
Rogate que ad pacem sunt hierusalem:
& abundantia diligentibus te.
Fiat pax in uirtute tua:
& abundantia in turribus tuis.
Propter fratres meos & proximos meos:
loquebar pacem de te.
Propter domū dñi dei n̄ri que tui bona tibi:

h̄s: a f̄ h̄: h̄ f̄ d̄:

5 h̄ d̄ p̄: h̄ c̄ ū p̄: a f̄ r̄ c̄ p̄:
o s̄ r̄ c̄ n̄: o h̄ t̄: a o s̄ r̄ t̄: a h̄: a r̄ c̄:
n̄ h̄ t̄: t̄ a l̄ h̄ t̄: s̄ f̄ h̄ p̄:

6 o h̄ h̄: a h̄: e s̄ d̄ h̄: h̄ o f̄:
a z̄ h̄: h̄ o s̄ p̄: a s̄:

o h̄ h̄: a t̄ s̄ l̄ c̄ o s̄: e s̄ o h̄ h̄ z̄: n̄ h̄ z̄ t̄:

o h̄ h̄ t̄: h̄ n̄ o s̄ ū c̄ l̄ ū:

1 p̄ h̄ a z̄ ū l̄ h̄: a o e z̄ t̄ p̄: o s̄ z̄ l̄ a: a r̄ h̄ c̄:
a f̄ a e t̄: e s̄ o s̄ l̄: e r̄ h̄ t̄ p̄:

2 e r̄ h̄ t̄ p̄ h̄: a f̄ t̄ n̄: a o h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄:
h̄ l̄ n̄ l̄: h̄ o s̄ p̄: o f̄ e z̄:

3 o a e ū o s̄: ū h̄ t̄: a l̄ l̄ c̄ p̄:
o a e e s̄ h̄: h̄ p̄ a f̄ o h̄:

π h̄ d̄:

4 s̄ ū: a e e: f̄ h̄: o a e s̄ o f̄: h̄ p̄ v̄ t̄ o: a l̄ h̄ c̄

5 a o h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄: e o s̄ f̄ n̄ h̄: o a o h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄: e h̄

6 o s̄ v̄ d̄ t̄: o h̄ e: a f̄ o a h̄: e s̄ z̄ h̄: n̄ p̄ o s̄: a
o a o c̄ t̄: n̄ o a t̄:

π e ū:

7 a o h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄: e o s̄ f̄ n̄ h̄: a f̄ h̄ t̄: a h̄ e:
o e t̄ o h̄ t̄: a s̄ f̄ h̄ h̄: a o h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄:

8 a o h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄: e o s̄ f̄ n̄ h̄: n̄ z̄ z̄ e t̄ h̄: o n̄ o t̄ o
a f̄ e l̄ h̄: o a h̄ h̄: a ū o f̄:

π t̄ h̄:

o h̄ h̄ t̄: h̄ n̄ o s̄ ū c̄ l̄ ū: π n̄ h̄ c̄: s̄ h̄ o c̄:

1 p̄ h̄ o t̄ a ū i h̄ t̄: a h̄ o s̄: e n̄ h̄ z̄: n̄ t̄: a o h̄ l̄ a

2 o f̄ o s̄: a l̄ z̄ s̄: o h̄ t̄: a o s̄ r̄ e h̄: a p̄ z̄ o a f̄:

3 a p̄ z̄ o a f̄ o s̄: h̄ z̄ x̄ t̄: h̄ s̄: o ū l̄ c̄:
a h̄: h̄ o s̄: t̄ n̄ z̄: o h̄ o s̄:

4 a h̄ s̄: o ū p̄: v̄ c̄ t̄: a h̄ h̄ n̄:

h̄ h̄ n̄: a o h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄: h̄ o s̄: a h̄ z̄ h̄ d̄:

h̄ s̄: e o s̄ z̄ e: a h̄ o s̄ h̄: a o h̄ l̄ a:

5 a h̄ s̄: o ū p̄: a z̄ n̄ c̄: o s̄ t̄ n̄ c̄ t̄ ū s̄: a h̄ z̄ s̄:
o s̄ t̄ n̄ c̄ t̄: n̄ t̄: e e t̄:

6 t̄ h̄ s̄ o: e o s̄ ȳ: a l̄ p̄ z̄ o a f̄:

o f̄ a h̄ ū s̄: a l̄ a: p̄ e f̄ z̄: h̄ o s̄ h̄:

7 e h̄ z̄: h̄ o s̄: n̄ t̄ e o h̄:

o t̄ f̄ a h̄ t̄: o h̄ t̄: o h̄ z̄ e: h̄ n̄ e h̄:

8 n̄ l̄ z̄ t̄: a t̄ e p̄: o n̄ x̄ p̄:

e t̄ s̄ l̄ c̄: h̄ o s̄: n̄ l̄ z̄ t̄ a h̄: π h̄: ū s̄ e t̄ h̄:

9 o n̄ l̄ z̄ t̄: n̄ t̄: a o h̄ l̄ a n̄ h̄ c̄: a f̄ o h̄ p̄: s̄ ū a

Ωλη των ἀναβασμῶν .

εκ β

Ρος σὲ κατὰ τὸν ὄφθαλμὸν μὴ τῷ καρτικῶντα ἐμ
τῶν ἀνῶν .

Ἰλὲ ὡς ὄφθαλμοὶ δὲ λαὸν εἰς χεῖρας ἡμῶν κυρίων ἀντῶν .
ὡς ὄφθαλμοὶ παλιόκην εἰς χεῖρας τῆς κυρίας ἀντῆς .
Ὅντως οἱ ὄφθαλμοὶ ἡμῶν πρὸς κύριον τῷ θεῷ ἡμῶν .
ἔωσον οἰκτιρῆσαι ἡμᾶς .
Ἐλέησον ἡμᾶς κύριε ἔλεησον ἡμᾶς -
ὅτι ἐπὶ πολλὴν ἐπλήσθημεν ἐξολενώσεως
ἐπὶ πληρῶς ἐπλήσθη ἡ ψυχὴ ἡμῶν .
ἢ ἰνὸς τοῦ εὐθηνῶσ' κ' ἢ ἐξολένωσις τοῖς ὑπερηφάνοις .

Ωλη των ἀναβασμῶν .

εκ γ

Ἰμὴ ὅτι κύριος ἡμῶν ἡμῶν .
εἰπάτω ἡ ἰσραήλ, εἰμὴ ὅτι κύριος ἡμῶν ἡμῶν .

Ἐμ τῷ ἐσπενκῶναι ἀνθρώπων ἐφ' ἡμᾶς .
ἀπὸ τῶν ἀνκατέστη ἡμᾶς .
Ἐμ τῷ ὀργισθῆναι τῷ θυμῷ αὐτῶν ἐφ' ἡμᾶς .
ἀπὸ τῶν ὄν κατέστη ἡμᾶς .
Χεῖμα ἔσται ἡ ψυχὴ ἡμῶν .
ἀπὸ τῶν ἡμῶν ἡ ψυχὴ ἡμῶν ἢ ἰνὸς τοῦ εὐθηνῶσ' .
Ἐν λουτρῷ κυρίου οὐκ ἐλωκεν ἡμᾶς εἰς θῆσαν τοῖς ὄλοισι
σιν ἀντῶν . (εὐθηνῶσ')
Ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὡς εὐθηνῶσ' ἐξ ἡμῶν, ἐκ τῆς παγίως τῶν θυ
ἡ παγίως συνετελεσθῆναι ἡμᾶς ἐξενόθημεν .
Ἡ βλάβη ἡμῶν ἐν ὀνόματι κυρίου .
τὸ πῶς ἠσπενκῶναι τὸν οὐρανὸν κ' τὴν γῆν .

Ωλη των ἀναβασμῶν .

εκ δ

Ἰπεπαιδῶτες ἐπὶ κύριον ὡς οὐ
εἰς οὐρανόν .

Ὁ σκλενθῆσεται εἰς τὸ αἰῶνα, ὁ καρτικῶν ἰερασάλλημ .
Ὁρὴ κύκλω ἀντῆς, κ' ὁ κύριος κύκλω τὸ λαὸν αὐτῶν .
ἀπὸ τῶν ἡμῶν κ' εἰς τὸ αἰῶνος .
Ὅτι οὐκ ἔσται κύριος τὴν ἐσβλησῶν ἄμαρτωλῶν .
ἐπὶ τὸ κληθῆναι τῶν δικαίων .
Ὅπως ἂν μὴ ἐκλείνωσιν οἱ δίκαιοι ἐν ἀνομίᾳ χεῖρας ἀντῆς
ἀλλ' ἀθνην κύριε τοῖς ἀθέοις κ' τοῖς εὐθέοις τῆ καρδίας .
τοὺς δὲ ἐκκλίνοντας εἰς ἡσπραγγαλίαν .
ἀπὸ τῶν κύριος μετὰ τῶν ἐργασμῶν τῆ ἀνομίας .
εἰμὴ ἐπὶ τῷ ἰσραήλ .

שיר המעלות

עֵינַי אֶל־יְהוָה אֱלֹהֵי אֲדֹנָי
הִישָׁכֵי בַשָּׁמַיִם :

הִנֵּה כַעֲבִי עֲבָדִים אֶל־יְדֵי אֲדֹנָי
כַעֲבִי שִׁפְחָה אֶל־יְדֵי גְבוּרָתָהּ
כַּוְעֵינִי אֶל־יְהוָה אֱלֹהֵי אֲדֹנָי
עַד שִׁיחַנֵּנוּ :
הִנֵּנוּ יְהוָה חֲנֻנָּה
כִּי רַחֵם שִׁבְעֵנוּ כִּוְנֵנוּ :
רַחֵם שִׁבְעֵנוּ יְהוָה נַפְשֵׁנוּ
הַלְעָה הַשָּׂמַיִם הַפֶּהוּ לְאֵיזֵנִים :

שיר המעלות לדוד

וְלֵי יְהוָה שִׁפְחָה לְבִנּוֹ
יֹאמֶר נָא יִשְׂרָאֵל וְלֹלֵי יְהוָה שִׁפְחָה
(לְבִנּוֹ) :

בְּקוֹם עֲלֵינוּ אָדָם :
אֲזִי חַיִּים כָּל־עֵינֵינוּ
בְּחִרּוֹת אַפְסֵ בְנֵינוּ :
אֲזִי הַמַּיִם שִׁמְפִּינֵנוּ
בְּחִלְהָ עֲבָרָה עַל־נַפְשֵׁנוּ :
אֲזִי עֲבָרָה עַל־נַפְשֵׁנוּ רַמִּים חַדְוֹנִים :
בְּרִי יְהוָה שְׁלֵא־נִבְרָאנוּ
שָׂרָה לְשִׁנְהֵם :
נַפְשֵׁנוּ כַּצִּלּוֹת נִמְלָטָה מִפֶּה יוֹקְשִׁים
רַחֵם נַפְשֵׁנוּ וְאַתָּנוּ נִמְלֵטָנוּ :
עֲזָרְנוּ בַשָּׁמַיִם יְהוָה

שיר המעלות

בְּשָׁמַיִם בִּיהוָה
בְּהַר־צִיּוֹן

לֹא־זָמוּס לְעוֹלָם יִשְׁכַּח יְהוָה שְׁלֵם
הַרִים סִבִּיב לֵה נִיחָד סִבִּיב לְעַמּוֹ
מַעֲתָה וְעַד עוֹלָם :
כִּי לֹא יִנּוּחַ שִׁבְשֵׁ
הַרְשַׁע עַל גּוֹכַל הַצְדִּיקִים
לִמְעוֹ לֹא יִשְׁלַח הַצְדִּיקִים בְּעוֹלָתָהּ יְדֵי
הַיִּשְׁבִּיחַ יִשְׁכַּח וְלֹא־יִשְׁכַּח בְּלִבּוֹתָם (וְהֵם)
וְהַמַּיִם יַעֲקֹל קִוְיָתָם
וְלִיכֵם יִשְׁלַח אֶת־פְּעֻלַּת הָאֵוֹן
שְׁלֹם עַל־יִשְׂרָאֵל :

Canticum graduum. CXXV.

N conuertendo dominus captiuitatem sion: facti sumus sicut consolati.

Tunc repletum est gaudio os nostrum: & lingua nostra exultatione.

Tunc dicent inter gentes: magnificauit dominus facere cum eis. Magnificauit dominus facere nobiscum: facti sumus letantes.

Conuertere domine captiuitatem nostram: sicut torrens in austro.

Qui seminant in lachrymis: in exultatione metent. Euntes ibant & flebant: mittentes semina sua.

Venientes autem ueniunt cum exultatione: portantes manipulos suos.

Canticum graduum. CXXVI.

si dominus edificauerit domum: in uanum laborauerunt qui edificauerunt eam.

Nisi dominus custodierit ciuitatem: frustra uigilat qui custodit eam.

Vanum est uobis ante lucem surgere. surgite postquam sederitis: qui manducatis panem doloris.

Cum dederit dilectis suis somnum: ecce hereditas domini: filij merces fructus uentris.

Sicut sagitte in manu potentis: ita filij excussorum.

Beatus uir qui impleuit desiderium suum ex ipsis: non confundetur cum loquetur inimicis suis in porta.

Canticum graduum. CXXVII.

Beati omnes qui timent dominum: qui ambulant in uisibus eius.

Labores manuum tuarum quia manducabis: beatus es & bene tibi erit. (mus tue.)

Vxor tua sicut uitis abundans: in lateribus domus. Filij tui sicut nouelle oliuarum: in circuitu mensae tuae.

ΘΥΛΥ: ΗΠΟΘΥΕΥΕΥ:

1 ΡΗΕ ΑΣ: ΘΜ: ΛΥΗΛΑΘΥ: ΕΡ: ΠΡΥ: ΗΣ: ΓΩ: ΥΣ:

2 ΑΘΥ: ΣΔΑ: ΓΜΗ: ΑΔΣ: ΟΤΗΜΡ: ΔΑΖΣ:

3 ΑΘΥ: ΕΒΑ: ΑΗΗΠ: ΑΘΠΡ: ΓΠΖ: ΑΣ: ΛΥΗΛΑΠΗΘΥ:

4 ΟΗΣ: ΓΩ: ΗΣ:

5 ΘΥ: ΛΥΗΛΑ: ΕΡΥΣ: ΗΣ: ΟΣΗ: ΟΗΤ: ΑΗΠ:

9 ΛΑ: ΕΗΕΑ: ΠΑΖΠΘ: ΟΘΠΥΥ: ΡΥΕΖ:

7 ΟΡΠΠ: ΡΗΘΖ: ΟΔΖ: ΛΖΗ: ΕΠΗΕ:

8 ΟΡΠ: ΡΑΤΘ: ΣΧΑ: ΛΖΗ: ΕΤΒΜΗ: ΟΧΖ: ΗΑΠΗΤΥΣ:

ΘΥΛΥ: ΗΠΟΘΥΕΥΕΥ: 1 ΡΗΕ ΑΣ: ΛΥΗΛΑΠΗΘΥ: ΑΥΣΧ: ΠΤ: ΗΣ: ΕΧΘ: ΛΑΡΗΣ:

2 ΑΣ: ΛΥΗΛΑΠΗΘΥ: ΑΥΦΠ: ΥΠΖ: ΗΣ: ΕΤΥ: ΛΑ: ΕΥΔΘ:

3 ΟΗΣ: ΓΕΡΠΗΣ: ΤΖΜΑ: ΛΦΕΥΖ: ΣΠΕΠΣ: ΑΑ: ΤΑΠΕ: ΛΠΑ: ΠΠΣ:

4 ΡΠ: ΕΥΡΣ: ΨΠΣ: ΑΦΕΖΕΥ: ΣΥ: ΧΥΣ: ΑΛΥΗΛΑΠΗΘΥ: ΟΑΡ:

5 ΗΣ: ΑΠΠ: ΟΗΤ: ΛΡ: ΥΡΑ: ΗΠΥ: ΡΦΦΣ: ΑΣΤΑΖ:

6 ΠΠΘ: ΠΠΑ: ΗΕΔΡΘ: ΓΤΘΦΣ: ΛΦΒΥ ΟΑ. ΕΤΥΔΕ: ΡΠ: ΕΤΣΓΕΣ: ΑΡΑΛΤ: ΠΑΤ

ΘΥΛΥ: ΗΠΟΘΥΕΥΕΥ: 1 ΡΗΕ ΠΠΘ: ΠΠΑ: ΑΣ: ΛΑ: ΕΔΕΥΘ: ΑΛΥ ΑΑ: ΡΗΘΖ: ΠΦΣΥΣ: ΗΛΑΠΗΘΥ:

2 ΓΖ: ΧΠΠ: ΤΑΠΕ: ΠΠΘ: ΑΣΤ: ΟΩΣΕ: ΑΠ: ΠΠΠ:

3 ΠΠΑΠΠ: ΗΣ: ΟΕΖ: ΜΣΖ: ΟΗΤ: ΡΠΠ: ΠΠΘ: ΠΠΑ: ΗΕΔΡΘ: ΓΤΘΦΣ: ΛΦΒΥ ΟΑ. ΕΤΥΔΕ: ΡΠ: ΕΤΣΓΕΣ: ΑΡΑΛΤ: ΠΑΤ

4 ΟΑΡ: ΠΠΠ: ΗΣ: ΤΠΑ: ΗΕΔΡΘ: ΓΤΘΦΣ: ΛΦΒΥ ΟΑ. ΕΤΥΔΕ: ΡΠ: ΕΤΣΓΕΣ: ΑΡΑΛΤ: ΠΑΤ

ΘΥΛΥ: ΗΠΟΘΥΕΥΕΥ: 1 ΡΗΕ ΠΠΘ: ΠΠΑ: ΑΣ: ΛΑ: ΕΔΕΥΘ: ΑΛΥ ΑΑ: ΡΗΘΖ: ΠΦΣΥΣ: ΗΛΑΠΗΘΥ:

2 ΓΖ: ΧΠΠ: ΤΑΠΕ: ΠΠΘ: ΑΣΤ: ΟΩΣΕ: ΑΠ: ΠΠΠ:

3 ΠΠΑΠΠ: ΗΣ: ΟΕΖ: ΜΣΖ: ΟΗΤ: ΡΠΠ: ΠΠΘ: ΠΠΑ: ΗΕΔΡΘ: ΓΤΘΦΣ: ΛΦΒΥ ΟΑ. ΕΤΥΔΕ: ΡΠ: ΕΤΣΓΕΣ: ΑΡΑΛΤ: ΠΑΤ

4 ΟΑΡ: ΠΠΠ: ΗΣ: ΤΠΑ: ΗΕΔΡΘ: ΓΤΘΦΣ: ΛΦΒΥ ΟΑ. ΕΤΥΔΕ: ΡΠ: ΕΤΣΓΕΣ: ΑΡΑΛΤ: ΠΑΤ

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or a different translation of the text.

Ὡς τῶν ἀναβαθμῶν. ε κε

Ν ἴω ἐπίσεψαι κύριον ἡμῶν ἀιχμαλωσίῳ οἴωμ·
ἐγενήθημεν ὡς εἰ παρὰ κεκλιμένοι.

Τότε ἐπλήσθη χάρις τὸ σῶμα ἡμῶν·
καὶ ἡ γλῶσσο ἡμῶν ἀγαλλιᾶσθεως.

Τότε ἔρροισι ἐν τοῖς ἔσνεσιμ·
ἐμεγάλυνε κύριος ἡσ ποιῆσαι μετ' αὐτῶν.

Ἐμεγάλυνε κύριος ἡσ ποιῆσαι μεθ' ἡμῶν·
ἐγενήθημεν ἐνφραϊνόμενοι.

Ἐπίσεψον κύριε ἡμῶν ἀιχμαλωσίῳ ἡμῶν·
ὡς χεῖρα ἄερος ἐν τῶν νότῳ.

Οἱ σπείροντες ἐν δάκρυοισι· ἐμ' ἀγαλλιᾶσθε εἰς εἰ.
Πορευόμενοι ἐπορευέμεν καὶ ἐκλαίμεν·
ἐκκλοντες ἰα σπείρομεθα αὐτῶν.

Ἐρχόμενοι δεξιᾶσσιμ ἐμ' ἀγαλλιᾶσαι·
αἰετοντες τὰ δακρυμάτα αὐτῶν.

Ὡς τῶν ἀναβαθμῶν. ε κς

Ἄμ μὴ κύριος οἰκοδομησῆ οἴκομ·
εἰς μάτην ἐκοπίασσιμ οἱ οἰκοδομοῦντες.

Ἐσ μὴ κύριος φυλάξῃ πολίμ·
εἰς μάτην ἡ γέμνησσιμ ὁ φυλάσσειμ.

Εἰς μάτην ἡμῶν ἐσι τὸ ὄρθῳ ἰζῆμ·
ἐγειρεθε μετὰ τὸ καθῆσθαι.

εἰ ἐσθιόντες ἄετον ὁ δόλυνησ·
Ὅταν δὴ τοῖς ἀγαπητοῖς αὐτῶ ὕπνημ·
ἐδούη κληρονομία κυρίου νιοῖ.

ὁ μῖθος τῶ καρπῶν τῆσ γαστροσ·
Ὅσοι βέλη ἐμ χεῖρὶ δυνάτου·
ὄτως οἱ νιοῖ τῶν ἐκτεθναγμένων.

Μακάριοσ ἐσ πληρώσθ ἡμῶν ἐπιθυμίας αὐτῶ ἐξ αὐτῶ (λαίμ)
Ὅν καλαιοχυνθῆσσιμ ὅσομ λαλώσι τοῖσ ἐχθροῖσ αὐτῶ ἐμ πύ

Ὡς τῶν ἀναβαθμῶν. ε κζ

ἀκάριοι πάντες οἱ φοβῶμενοι τὸν κύριον·
οἱ πορευόμενοι ἐμ ταῖσ ὁδοῖσ αὐτῶ.

Τὸσ πόνουσ τῶν καρπῶν σὺ φάγεσσιμ·
μακάριοσ εἰ καὶ καλῶσ σοι ἐσαι.

Ἡ γυνὴ σὺ ὡσ ἀμπελος ἐν βῆνησ ἐν τοῖσ κλιῖταισ ἡσ οἰκί
οἱ νιοῖ σὺ ὡσ ἰεφύρα ἐλαῖωμ· κύ-

κλω τῆσ τραπέζησ σου. (ασ σου)

שִׁיר הַמַּעֲלוֹת

שׁוֹב וְיָשִׁיב אֶת-שִׁיבַת צִיּוֹן
הַיְיָנוּ כְּחֹל מִיָּמִים

אֲדָמָה לֹא שָׁחוּק בְּיָנֵינוּ
דָּל שׁוֹכְנוּ וְרַבָּה

אָז יֹאמְרוּ כְּגוֹיִם
הַגְּדִיל יְיָ לַעֲשׂוֹת עִם-אַלְהָה

הַגְּדִיל יְיָ לַעֲשׂוֹת עִמָּנוּ
הַיְיָנוּ שְׂמֵחִים

שׁוֹכְהָ יְיָ אֶת-שִׁבְתָּנוּ
כְּאִפְסִיקִים בְּבָגָב

הַזֹּרְעִים בְּדַמְעָה בְּרִנְהָ יִקְצְרוּ
הַלֵּךְ יֵלֵךְ יוֹב כִּה

נִשְׂאָה מִשֶּׁךְ הַזֹּרֵעַ
כִּי יָבֵא בְרִנְהָ

נִשְׂאָה אֶל-מִתְיוֹ
שִׁיר הַמַּעֲלוֹת לְשַׁלְמֵה

סִי הַיְיָ לֹא יִבְנֶה-בֵּית
שָׂוֵא עִמָּלוּ בְּבֵנוּ בְּנוֹ

אִם-יְיָ לֹא יִשְׁמַר עִיר
שָׂוֵא יִשְׁקַד שׁוֹמְרֵה

שָׂוֵא לְכֶם מִשְׁכְּבֵימִי
קוֹם מֵאַחֲרַי-שִׁבְתָּ

אֲכָלִי לֶחֶם הָעֶצְבִּים
כִּן יִתֵּן לִי יְיָ שִׁנְא

הִנֵּה נִהְלֵת יְיָ בְּנִיִם
שִׁכְרֵי הַבֶּטֶן

כְּחֻצִים כִּד-גְּבוּרָה
כִּן בְּנֵי הַנְּעוּרִים

אֲשֶׁרִי הִקְבֵר אֲשֶׁר מָלֵא אֶת אֲשַׁפְתּוֹ מִחֶם
לֹא יָבִישׁוּ כִי יִדְבְּרוּ אֶת-אוֹיְבֵימ בְּשַׁעַר

שִׁיר הַמַּעֲלוֹת
שְׁרִי כָל-יְיָ וְיֵרָא יְיָ

הַהֵלֵךְ בְּדַרְכֵיכִי
יִגְיַע עֲפִיךָ כִּי תֹאכַל

אֲשֶׁרִיךָ וְטוֹב לֵךְ
אֲשַׁתְּךָ כִּגְבֹן פּוֹרְיָה בְּיַדְכֵתִי בֵּיתְךָ

בְּנִיךָ כְּשִׁוְתֵי וְיִרְחִימֵם
סְכִיב לְשִׁלְחֶךָ

γ ι

Ecce sic benedicitur homo: qui timet dominū.
Benedicat tibi dominus ex sion:
& uideas bona hierusalem:
omnibus diebus uitæ tuæ.
Et uideas filios filiorum tuorum:
pacem super Israel.

Canticum graduum. CXXVIII.

f Aepe expugnauerūt me a iuuētute mea:
dicat nunc Israel. Sēpe expugnauerūt me a iuſ
etenim non potuerunt mihi. (uentute mea.
Supra dorsum meū fabricauerūt peccatores:
prolongauerunt iniquitatem suam.
Dominus iustus concidet ceruices peccatorum:
confundantur & conuertantur retrorsum:
omnes qui oderunt sion.
Fiant sicut foenum tectorum:
quod priusq; euellatur exaruit.
De quo non impleuit manū suā qui metet:
& sinum suum qui manipulos colliget.

Et non dixerūt qui p̄teribant b̄ndictio domini
benedixim⁹ uobis in nomine dñi. (sup uos:

Canticum graduum. CXXIX.

d E profundis clamaui ad te domine:
domine exaudi uocem meam.

Fiāt aures tuę inrēdentes. in uocem deprecatio⁹
Si iniquitates obseruaueris: (nismeę.
domine: domine quis sustinebit.

Quia apud te propiciatio est:
& propter legem tuam sustinui te domine.
Sustinuit anima mea in uerbo eius:
speraui anima mea in domino.

A custodia matutina usq; ad noctem:
speret Israel in domino.

Quia apud dominum misericordia:
& copioſa apud eum redemptio.

Et ipse redimet Israel: & om̄ib⁹ iniquitatibus eius

Canticum graduum. CXXX.

d Om̄ine non est exaltatum cor meum:
neq; elati sunt oculi mei.

5 7U: h̄oſH: ʒt̄q̄L̄N: n̄l̄k̄: H̄ĒL̄C̄U: Āl̄7H̄
6 ʒq̄C̄N: ʒ7H̄Ā-n̄h̄C̄: ʒ̄P̄P̄Z̄: ʒ̄Ā-n̄h̄C̄:
ŌT̄L̄Ā: W̄ĒF̄: ĀĀP̄L̄h̄L̄P̄:
n̄h̄Ā: ſ̄P̄ŌĀ: h̄ĒŌT̄h̄:
7 ŌT̄L̄Ā: ŌĀĒ: ŌĀĒh̄:
h̄ĀP̄: q̄ŌĀ: ʒ̄h̄C̄h̄C̄:
ʒ̄ĀL̄T̄: H̄n̄ſ̄V̄C̄L̄U: :

1 P̄T̄T̄ H̄ŌL̄: ʒ̄Ō-n̄k̄: ʒ̄P̄Z̄ʒ̄h̄P̄:
ʒ̄-n̄Ā: ʒ̄h̄C̄h̄C̄: 2 H̄ŌL̄: ʒ̄Ō-n̄k̄: ʒ̄P̄
Ōq̄h̄T̄: ʒ̄h̄ŪĀZ̄: ʒ̄Āh̄P̄:
3 ʒ̄N̄: H̄q̄Z̄P̄: H̄n̄ſ̄: ʒ̄P̄ĀZ̄:
ŌĀh̄t̄C̄h̄P̄: Āʒ̄n̄L̄ĀT̄:
4 ʒ̄7H̄Ā-n̄h̄C̄: ʒ̄P̄P̄: h̄n̄L̄: h̄ĒL̄Ūſ̄: Āʒ̄P̄Ā
ʒ̄t̄ʒ̄h̄C̄: ŌĒ7-n̄k̄: ʒ̄ĀL̄Ūſ̄: ʒ̄Ā:
h̄Āſ̄: ʒ̄Ā: ʒ̄ĒX̄ĀP̄: ĀP̄P̄Z̄:

5 ŌĒh̄Ā: h̄ſ̄: ūīŌL̄: ʒ̄T̄h̄h̄T̄:
H̄ĒP̄-n̄h̄: H̄ʒ̄n̄Ā: ʒ̄P̄h̄ŌP̄:
6 ŌĀ. ʒ̄ŌĀL̄: ʒ̄ĒŪ: ĀH̄: P̄V̄P̄Ē:
ŌĀh̄h̄P̄: ĀH̄: P̄h̄t̄ʒ̄-n̄L̄: h̄Āh̄t̄Ū:
7 ŌĀ. ʒ̄Ēn̄Ā: ʒ̄Ā: P̄ʒ̄ŌĀ: n̄L̄h̄t̄: ʒ̄7H̄Ā-n̄h̄C̄:
q̄C̄h̄h̄ſ̄: n̄h̄ſ̄: ʒ̄7H̄Ā-n̄h̄C̄: ʒ̄P̄h̄L̄:
ʒ̄ĀL̄T̄: H̄n̄ſ̄V̄C̄L̄U: :

1 P̄T̄T̄ ʒ̄ĀŌP̄P̄: ʒ̄P̄Ōh̄h̄: ʒ̄7H̄Ā:
ʒ̄7H̄Ā: h̄ſ̄V̄C̄L̄: ʒ̄ŌP̄:
2 ŌĒh̄Ā: ʒ̄h̄Z̄h̄: H̄P̄X̄Ō: ʒ̄Ā: h̄ʒ̄ĀT̄P̄:
3 ʒ̄ſ̄h̄: ʒ̄n̄L̄Āt̄Ā: ʒ̄t̄V̄P̄-n̄:
ʒ̄7H̄Ā: ʒ̄7H̄Ā: ſ̄Ā: ʒ̄P̄ŌP̄:
4 ʒ̄h̄ſ̄: ʒ̄P̄Ān̄: ŌĀT̄: ūīŪĀ:
n̄ʒ̄t̄: h̄ſ̄h̄: t̄h̄L̄. Ōh̄h̄: ʒ̄7H̄Ā:
5 t̄V̄L̄W̄T̄: ʒ̄P̄ĀP̄: n̄h̄7h̄:
t̄Ōh̄ĀT̄: ʒ̄P̄h̄P̄: n̄ʒ̄7H̄Ā-n̄h̄C̄

6 ʒ̄P̄h̄V̄t̄: ʒ̄q̄h̄: ʒ̄h̄h̄: ʒ̄ĀL̄T̄: ʒ̄-n̄h̄C̄:
ʒ̄P̄h̄V̄t̄: ʒ̄q̄h̄: t̄Ōh̄Ā: ʒ̄h̄C̄h̄C̄: n̄ʒ̄7H̄Ā
7 ʒ̄h̄ſ̄: ʒ̄P̄Ān̄: ʒ̄7H̄Ā-n̄h̄C̄: ūīŪĀ:
Ō-n̄h̄Ā: P̄ĒĀP̄: n̄Ān̄Ū:
8 ŌŌĀT̄: P̄ĒĀP̄: Āʒ̄h̄C̄h̄C̄: ʒ̄P̄h̄Ā: ʒ̄n̄L̄Ā
ʒ̄ĀL̄T̄: H̄n̄ſ̄V̄C̄L̄U: :

1 P̄Ō ʒ̄7H̄Ā: ʒ̄Ēt̄V̄n̄P̄Z̄: Ā-n̄P̄:
ŌĀ. ʒ̄ĒH̄P̄V̄: ʒ̄Ō. ʒ̄ĒZ̄T̄P̄:
ʒ̄ĀL̄T̄: H̄n̄ſ̄V̄C̄L̄U: :

2 ŌĒh̄Ā: ʒ̄h̄Z̄h̄: H̄P̄X̄Ō: ʒ̄Ā: h̄ʒ̄ĀT̄P̄:
3 ʒ̄ſ̄h̄: ʒ̄n̄L̄Āt̄Ā: ʒ̄t̄V̄P̄-n̄:
ʒ̄7H̄Ā: ʒ̄7H̄Ā: ſ̄Ā: ʒ̄P̄ŌP̄:
4 ʒ̄h̄ſ̄: ʒ̄P̄Ān̄: ŌĀT̄: ūīŪĀ:
n̄ʒ̄t̄: h̄ſ̄h̄: t̄h̄L̄. Ōh̄h̄: ʒ̄7H̄Ā:
5 t̄V̄L̄W̄T̄: ʒ̄P̄ĀP̄: n̄h̄7h̄:
t̄Ōh̄ĀT̄: ʒ̄P̄h̄P̄: n̄ʒ̄7H̄Ā-n̄h̄C̄

6 ʒ̄P̄h̄V̄t̄: ʒ̄q̄h̄: ʒ̄h̄h̄: ʒ̄ĀL̄T̄: ʒ̄-n̄h̄C̄:
ʒ̄P̄h̄V̄t̄: ʒ̄q̄h̄: t̄Ōh̄Ā: ʒ̄h̄C̄h̄C̄: n̄ʒ̄7H̄Ā
7 ʒ̄h̄ſ̄: ʒ̄P̄Ān̄: ʒ̄7H̄Ā-n̄h̄C̄: ūīŪĀ:
Ō-n̄h̄Ā: P̄ĒĀP̄: n̄Ān̄Ū:
8 ŌŌĀT̄: P̄ĒĀP̄: Āʒ̄h̄C̄h̄C̄: ʒ̄P̄h̄Ā: ʒ̄n̄L̄Ā
ʒ̄ĀL̄T̄: H̄n̄ſ̄V̄C̄L̄U: :

1 P̄Ō ʒ̄7H̄Ā: ʒ̄Ēt̄V̄n̄P̄Z̄: Ā-n̄P̄:
ŌĀ. ʒ̄ĒH̄P̄V̄: ʒ̄Ō. ʒ̄ĒZ̄T̄P̄:
ʒ̄ĀL̄T̄: H̄n̄ſ̄V̄C̄L̄U: :

2 ŌĒh̄Ā: ʒ̄h̄Z̄h̄: H̄P̄X̄Ō: ʒ̄Ā: h̄ʒ̄ĀT̄P̄:
3 ʒ̄ſ̄h̄: ʒ̄n̄L̄Āt̄Ā: ʒ̄t̄V̄P̄-n̄:
ʒ̄7H̄Ā: ʒ̄7H̄Ā: ſ̄Ā: ʒ̄P̄ŌP̄:
4 ʒ̄h̄ſ̄: ʒ̄P̄Ān̄: ŌĀT̄: ūīŪĀ:
n̄ʒ̄t̄: h̄ſ̄h̄: t̄h̄L̄. Ōh̄h̄: ʒ̄7H̄Ā:
5 t̄V̄L̄W̄T̄: ʒ̄P̄ĀP̄: n̄h̄7h̄:
t̄Ōh̄ĀT̄: ʒ̄P̄h̄P̄: n̄ʒ̄7H̄Ā-n̄h̄C̄

Handwritten marginal notes in a smaller script, likely a commentary or a second translation of the text on the opposite page.

Ἰλὺς δὲ ἔως ἐν λογιῶσι καὶ ἀνθρώπων· ὁ φοβέμενός τ' ἐκείνου·
Ἐν λογιῶσι σε κύριος ἐκ οὐρανῶν·
καὶ ἰλοῖς τὰ ἄλλα· ἰερὰ σαλιμ,
πῶς τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου·
καὶ ἰλοῖς υἱοῦς τῶν υἱῶν σου·
ἐγέννη ἐπὶ τῷ Ἰσραὴλ·

Ὡς τῶν ἀναβηθῶν· ε κ η.

Λεονάκις ἐπολέμησάν με ἐκ νεότητός μου·
ἐπάτησάν με ἰσραὴλ· Πλεονάκις ἐπολέμησάν με
καὶ γὰρ οὐκ ἔβλησάν μου· (ἐκ νεότητός μου.)
Ἐπὶ τῶν ὤμων ἐτέτανον οἱ ἀμχρηλωτοί·
ἐμάκρυναν τὴν ἀνομίαν ἀντῶν·
κύριος δὲ ἰσραὴλ ἐπέσχετο ἀμαρτωλοῦς·
ἀποκτείνων καὶ ἀποσχεφάτωσάν, εἰς τὰ ὀπίσω·
πάντες οἱ μισούντες σὺν·

Γενήτωσάν ὡς ἡ χορτὸς ἰσραὴλ·
ὅς ποτὸ τὸ ἐκ οὐρανόθεν ἐξῆλθεν·
Ὁν οὐκ ἐπλήρωσε τὴν χεῖρα ἀντὸς ὁ θεοῦ·
καὶ ἔλαττον ἀντὸς ὁ ἰσραὴλ ἀμαρτωλοῦς·
καὶ οὐκ εἶπαρ οἱ ἀποσχεφάτωσάν, ἐν λογιῶσι κύριον ἐφύμας·
ἐν λογιῶσι καμῶν ἐμὸν ὄνοματι κύριον·

Ὡς τῶν ἀναβηθῶν· ε κ ζ.

Κεχθῶν ἐκέκραξά σοι κύριε·
κύριε εἰσάκουσον τῆς φωνῆς μου·

Γενήτω ὡς ἡ φωνὴ σου προσέχουσα εἰς τὴν φωνὴν τῆς λεισέως·
Ἐξ ἀνομίας ἀποσχεφάτωσάν· (μσ.)
κύριε, κύριε τίς ὑποσέεται·
ὅτι ἀπὸ σοῦ οἰλασμός ἐστιν·
Ἐνεκεν τοῦ ὀνόματός σου ὑπέμεινά σε κύριε·
ὑπέμεινε ἡ ψυχὴ μου εἰς τὸν λόγον σου·
ἡ λεισέω ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ κυρίῳ·
Ἀποφυλακίς πρῶτος μέχρι νυκτός·
ἀποφυλακίς πρῶτος ἐλπίσά μου ἰσραὴλ ἐπὶ τῷ κυρίῳ·
Ὅτι ἀπὸ τῶν κυριῶν ἔλεος·
καὶ πολλὴ ἀπὸ τῶν κυριῶν ἀντιλογία·

Ὡς τῶν ἀναβηθῶν· ε λ.

Ἦν ὁ κύριος ὡς ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ κυρίῳ·
καὶ ὁ κύριος ὡς ἡ ψυχὴ μου ἐπὶ τῷ κυρίῳ·
ὅτι ἐμὴ ἐλεος· ε λ.

Ὡς τῶν ἀναβηθῶν· ε λ.

דָּבַר לִי כִּן יִכְבַּד אֱלֹהֵי יִשְׂרָאֵל
יִבְרַךְ יְהוָה מִצִּיּוֹן
וְרָאָה בְּטוֹב יְרוּשָׁלַם
כָּל יוֹמֵי חַיֵּינוּ
וְרָאָה בְּנֵים לְבַבְךָ
שְׁלוֹם עַל יִשְׂרָאֵל
שִׁיר הַמַּעֲלוֹת

קכ

בַּת צְרוּרֵי מִנְעוֹרָי
יֹאמֶר נָא יִשְׂרָאֵל רִבַּת צְרוּרֵי מִ
(מִנְעוֹרָי)
עַם לֹא אֵיכָלֹ לִי
עַל-גַּפִּי חָרְשׁוּ חֲרָשִׁים
הֶאֱדַיְכוּ לְמַעַנְתֶּם
יְהוָה צִדִּיק קָצַץ עֲבוֹת רְשָׁעִים
יִבְשׁוּ יַסְגֵּי אֲחֹר
כָּל שֶׁנְּאִי צִיּוֹן
יְהוָה בַּחֲצִיר גִּיּוֹת
שִׁיר הַמַּעֲלוֹת
שְׁלֹמֹה מֶלֶךְ יִשְׂרָאֵל
שָׁלֹמֹה מֶלֶךְ יִשְׂרָאֵל
וְחָצְנוּ מֵעַמָּר
וְלֹא אָמְרוּ הַעֲבָרִים בְּרַבְּתֵי אֱלֹהֵיכֶם
בְּרַבְּנוּ אֶתְכֶם בְּשֵׁם יְהוָה
שִׁיר הַמַּעֲלוֹת

קכט

מֵעַמָּקִים קָרָאתִיךָ יְיָ
צְדִיקִי שִׁמְעָה בְּקוֹלִי
תְּהִי נָה אֲזִינָה קְשׁוּבוֹת לְקוֹל תְּחִנּוֹתַי
אִם-עֲוֹנוֹת תִּשְׁמַר
יְהִי אֲדֹנָי מִי-עַבְדִּי
כִּי עַמְּךָ הַסֵּלִיחָה
לְמַעַן תִּבְרָא יְיָ
קִדְמָה נַפְשִׁי וְלִדְבָרוֹ
הוֹחֵלְתִי וְנַפְשִׁי לְאֲדֹנָי
מִשְׁמָרִים לְבַבְךָ
שְׁמָרִים לְבַבְךָ יְיָ
כִּי-עַם יְיָ הַחֲסֵד
וְהַרְבֵּה עֲמוּכָדוֹת
וְהוּא יִפְתָּה אֶת-יִשְׂרָאֵל מִכָּל עֲוֹנוֹתָיו וְקוֹל
שִׁיר הַמַּעֲלוֹת לְדָוִד

קל

וְהוּא יִפְתָּה אֶת-יִשְׂרָאֵל מִכָּל עֲוֹנוֹתָיו וְקוֹל
שִׁיר הַמַּעֲלוֹת לְדָוִד
יְיָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ
וְלֹא רָמוּ עֵינֵינוּ
y ii

Vertical text in the left margin, likely a commentary or index, containing various Greek letters and numbers.

Nec ambulavi in magnis:
 nec in mirabilibus super me.
 Si non humiliter sentiebam: (matre sua:
 sed exaltaui animam meam. Sicut ablactatus est super
 ita retributio in anima mea.
 Speret Israel in domino:
 ex hoc nunc & usque in seculum.

Canticum graduum. CXXXVI.

in Emetho domine David & omnis mansuetus
 Sicut iuravit domino: uos (dinis eius.
 tum uouit deo Iacob.

Si introiero in tabernaculum domus mee:
 si ascendero in lectum strati mei.
 Si dederō somnum oculis meis:
 & palpebris meis dormitationem.
 Et requiem temporibus meis
 donec inueniam locum domino:
 tabernaculum deo Iacob.
 Ecce audiuiimus eam in effrata:
 inuenimus eam in campis silyug.
 Introibimus in tabernaculum eius:
 adorabimus in loco ubi steterunt pedes eius.
 Surge domine in requiem tuam:
 tu & archa sanctificationis tue.
 Sacerdotes tui induantur iusticia:
 & sancti tui exultent.
 Propter David seruum tuum:
 non auertas faciem christi tui. (in eum:
 Iurauit dominus David ueritatem & non frustrabitur
 de fructu ueritatis tui ponam super sedem tuam.
 Si custodierint filii tui testamentum meum:
 & testimonia mea hec que edocet eos.
 Et filii eorum usque in seculum: sedebunt super sedes
 Quonia elegit dominus sion: (dem tuam.
 elegit eam in habitationem sibi.
 Hec requies mea in seculum seculi:
 hic habitabo quoniam elegi eam.
 Viduam eius benedicens benedicam:
 pauperes eius saturabo panibus.

2 ΘΑΗΟΗ:ΘΗΑ:ΥΠΕΡ:
 ΘΑΗΟΗ:Α:Α:ΕΗ:ΠΕ:ΑΦΕΡ:
 3 ΗΛΑΠΟ:ΗΑΥΗΗ:ΕΛΑΡ:
 ΘΗΟΗΗ:ΠΦΟΡ: 4 ΗΣ:ΗΑΥΕΡΦ:ΥΠ:
 ΗΣ:ΥΛΗΥ:ΑΥΕΡ:
 5 ΤΩΗΑ:ΛΗΕ:Α:ΠΛΥΗΑΗΗ:
 ΑΦΕΛΗΗ:ΘΛΗΗ:ΑΥΑΦ:
 ΘΥΛΗ:ΗΠΣΥΕΖΥ:
 1 ΡΩΟ ΤΗΗΕ:ΑΥΗΑ:ΑΡΕΥ:ΘΑΥΗ:ΡΦΥ
 2 ΗΗΣ:ΣΗΑ:ΑΛΥΗΑΗΗ:ΘΠΕΑ:ΑΛΦΑ
 Η:ΥΟΦΗ:
 3 ΗΣ:ΑΡΠΘΛ:ΘΗ:ΡΑΥ:ΠΕΡ:
 ΘΗΣ:ΑΥΥΕΡ:ΘΗ:ΥΕ:ΘΗΗΠ:
 4 ΘΗΣ:ΑΕΥΡΕ:ΥΡΣ:ΑΑΟΕΥΡ:
 ΘΑΡΕΦΗ:ΑΦΕΥΗ:
 5 ΘΑΛΕΥ:ΑΟΟΥΗ:
 ΛΗΗ:ΘΥΗΗ:ΣΗΕ:ΑΛΥΗΑΗΗ:
 ΘΥΕΡΕ:ΑΑΦΑΗ:ΥΟΦΗ:
 6 ΣΥ:ΗΘΕΣΥ:ΠΕΦΕ:
 ΘΥΗΥΣΥ:ΘΗ:Α:ΥΕΡ:
 7 ΖΠΘΛ:ΛΖΗΗ:ΘΗ:ΥΠΡΕΥ:
 ΘΥΗΥΡ:ΘΗ:ΣΗΕ:ΥΠ:ΦΣ:ΑΥΕ:ΑΥΗ
 8 ΤΥΜΑ:ΑΥΗΑ:ΘΗ:ΑΥΕΥΗ:
 ΑΥ:ΘΥΡ:ΣΦΕΗ:
 9 ΗΥΣΗΗ:ΕΑΥΗ:ΡΕΦ:
 ΘΥΕΡΕΥΗ:ΥΕΗΗ:ΕΥΕΜΗ:
 10 ΠΛΥ:ΕΥ:ΥΥΗ:
 ΘΑΥΕΥ:ΥΕΗ:ΛΣΑΗΗ: ΠΛΗ:
 11 ΣΗΑ:ΑΥΗΑΗΗ:ΑΡΕΥ:ΠΡΕΦ:ΘΑΕ
 ΛΗΣ:ΑΦΕΥ:ΗΕΜΗ:ΑΣΠΕ:ΕΠ:ΣΥΠΕ:
 12 ΘΑΛΣ:ΥΦΠ:ΕΦΕΗ:ΗΥΡ:
 ΘΗΣΥ:ΗΥ:ΗΛΕΥΕΣ: ΠΥΗ:
 13 ΘΥΕΦΕΥ:ΛΗΗ:ΑΥΑΦ:ΕΥΠΕ:ΕΠ:ΣΥΠ
 14 ΛΗΣ:ΥΥΡ:ΑΥΗΑΗΗ:ΑΡΕΥ:
 ΘΑΥΕΥ:ΗΣ:ΥΗΕ:ΘΥΕ:
 15 ΗΕ:ΕΛΕ:ΦΕΥΕΡ:ΑΥΑΦ:
 ΘΥΡ:ΑΥΕ:ΛΗΣ:ΥΥΕΥ:
 16 ΑΥΠΕΥΥ:ΥΕ:ΥΕ:ΑΥΕΥ:
 ΘΑΣΕΥΥΥ:ΑΥΕΥ:ΛΗΗ:

Handwritten marginal notes in Greek script, including phrases like "Επι της μεγαλειότητος", "Επι της μεγαλειότητος", and "Επι της μεγαλειότητος".

ὄντες ἐπορεύθη ἐν μεγάλοις.

ἔλε ἐν θανάμοις ὑπὲρ ἐμέ.

Ἐἰ μὴ ἐταπείνωσάν με,

ἀλλὰ ὑψώσα τὴν ψυχὴν μου ὡς ῥ' ἀπογεῖα λακκισμένῃ

ὡς ἀναπολώσῃς ἐπὶ τὴν ψυχὴν μου. (ἐπὶ τὴν μητέρα ἀνῆλθ)

Ἐλπισάτω ἰσραὴλ ἐπὶ τὸ κύριον.

ἀπὸ τῶ νῦν καὶ ἕως τῶ αἰῶνος.

Ὡς τὴν ἀναβασμῶν.

ε λ α.

Νῆσθητι κύριε τῶ λαβὶλ καὶ πάσης τῆς περὶ σὺν

ὡς ὡμοσε τῶ κυρίῳ ἠνέξατο τῶ θε-

(αὐτοῦ

ὡ ἰακώβ.

Ἐἰ εἰσελεύσομαι εἰς σκηνώμα οἴκου μου.

Ἐἰ ἀναβιώσωμαι ἐπὶ κλίνῃς σεραμνῆς μου.

Ἐἰ λώσω ὑπνῆρ τῶ σφθαλμοῖς μου.

ἢ τῶν βλεφάρων μου νυκταγῶν.

ἢ ἀνάπυσσιν τῶν κρατῶν μου.

Ἐὼς ὅ ἐννευ τόπερ ἡμεῶν κενεῖω.

σκηνώμα τῶ θεῶ ἰακώβ.

Ἰλὺς ἠκούσα με ἐν τῇ ἐμ φρεσίν.

ἔννευ ἐν τῇ ἐμ πελίοις τῶ λευκῶ.

Ἐἰσελεύσομαι εἰς τὰ σκηνώματα ἀντῶ.

προσκυνήσω μεν εἰς τὸ τόπερ ὅ ἐσησῃ οἱ πόλεις ἀντῶ.

Ἀνάσθη κύριε εἰς τὴν ἀνάπυσσιν σου.

ὃν καὶ ἡ κιβωτός τῶν ἀγιάσματος σου.

οἱ ἱερεῖς σου ἐνλύθονται λικκισύνην.

καὶ οἱ οἰκτοῖ σου ἀγαλλιάσονται.

Ἐνεκ τῶ λαβὶλ τῶ λούλου σου.

μη ἀποσείψῃς τὸ πρόσωπον τῶν χειρῶν σου.

Ὡμοσε κύριε τῶ λαβὶλ ἀληθῶς καὶ μὴ ἀθεήσῃς ἀντήν.

ἐκ καρπῶν τῆς κοιλίας σου θήσωμαι ἐπὶ τῶν θερῶν σου.

Ἐν μου λαβῶνται οἱ υἱοὶ σου τὴν διαθήκην μου.

καὶ ἡ μαρτυρία μου τάντα ἀληθῶς ἀντήν.

καὶ οἱ υἱοὶ ἀντῶ ἕως τῶν αἰῶνων καθιούνηται ἐπὶ τῶν θερῶν σου

Ὅτι ἐξελέξατο κύριος τὴν σιών.

ἠρεθίσαν ἀντήν εἰς καρικίσμ ἐαντῶ.

Ἄνθη κατὰ πικρῶν μου εἰς αἰῶνα αἰῶνος.

ὡς κατὰ πικρῶν ὅτι ἠρεθίσαν ἀντήν.

τὴν χεῖρα ἀντῆς ἐν λόγῳ ἐν λόγῳ σου.

τῶν πτωχῶν ἀντῆς κατὰ πικρῶν ἀντῶ.

ὄλα ἡ δόξα σου

ὡς ἐκ τῶν οὐρανῶν

κλα

ὡς ἐκ τῶν οὐρανῶν

γ ιη

Sacerdotes eius induam salutari:
& sancti eius exultatione exultabunt.
Illuc producam cornu David:
parauit lucernam christo meo.
Inimicos eius induam confusione:
super ipsum autem effloreat sanctificatio mea.

Canticum graduum. CXXXII.

Cec quod bonum & quod iocundum:
habitare fratres in unum. (barbana)

Sicut unguentum in capite quod descendit in
barbā Aarō. Quod descendit in orā uestri. eius
sicut ros hermon: qui descendit in montē sion.
Quoniam illuc mādauit dñs benedictionem:
& uitam usque in sæculum.

Canticum graduum CXXXIII.

Cec nunc benedicite domino:
omnes serui domini.

Qui statis in domo domini:
in atrijs domus dei nostri.
In noctibus extollite manus uestras in sanctas:
& benedicite domino.
Benedicat te dominus ex sion:
qui fecit coelum & terram.

Alleluia. CXXXIII.

Audate nomen domini:
laudate serui dominum.

Qui statis in domo domini:
in atrijs domus dei nostri.
Laudate dominū quia bonus dominus:
psallite nomini eius quoniam suaue est.
Quoniam iacob elegit sibi dominus:
Israel in possessionem sibi.
Quia ego cognoui quod magnus est dominus.
& deus noster prae omnibus dijs.
Omnia quæcumque uoluit dominus fecit:
in caelo & in terra
in mari & omnibus abyssis.
Educens nubes ab extremo terre:
fulgura in pluuiam fecit.

17 0 A H U S T V Z: A A P H S: H L O T:

0 X P P Z V Z: T F H H T: E T L M N:

18 0 N U P: A N P A: P C S: A P P T:

0 A H T L A: G A T T: A S S L H N:

19 0 A A P H S: S F Z T: A X O L T:

0 R T: E L L: P P A T P:

G A L T: H N S O V I C Z U:

1 P O B S U: W S E: O S U: A P P:

H N: E Y A O: A T O: G N L: P H: X H S:

2 H S: O F Z T: H L O G H: A P C L A H: A H P H:

X G S: A A C Z: 3 H L O C P: E N: G G Z: S O A N

H S: M A: A C P Z L O: H L O C P: E N: A P Q L X

4 A H S: A H H: A G H A P H C: N L H T: M P Z:

0 H L O T: A P E L H: O A H N: A V I A P:

G A L T: H N S O V I C Z U:

1 P O P S U: E Q C H O: A A G H A P H C:

H A S: A G P C T: A G H A P H C:

2 A A: E P O S: O H T: N T: A G H A P H C:

0 H T: V X P: N T: A P O H S:

3 N O A T: A Z W A: A P P H S: N O T: S P P H:

0 Q C H O: A A G H A P H C:

4 E Q C H: A G H A P H C: A P P P Z:

H G P L: H A P: O P P Z:

Y A A P:

1 P O P H P H: A H S: A G H A P H C:

H P H O: A G P C T U: A A G H A P H C:

2 A A: E P O S: O H T: N T: A G H A P H C:

0 H T: A X P: N T: A P O H S:

3 H P H O: A A G H A P H C: A H S: S C: A G H A

0 H O C: A H S: A H S: W S E: M P H C:

4 A H S: A P O P H: H L P: A G H A P H C:

0 A A H C L A: A P: A C H T:

5 A H S: A S: A A S O C H: H S: V N L: A G H A P H

0 A P O H S Y: A P H A: A A A P T: M C:

6 H A: H A P P: G P L: A G H A P H C:

N H A L Z: O N O P C Z:

N Q H C Z: O N H A: P A P T:

7 P V C G: E S S T: A P A S T A: O P C:

0 G P L: S P L P: A Z H: H S P:

Τὸν ἱερεῖς ἀντὶς ἐν λυσιω σῶτηραίμ.
ἢ οἱ οἰοῖ ἀντὶς ἀγγελλίκοι ἀγγελλιάσονται.

Ἐκεί ἐξανατελῶ κείρας τῷ Δαβὶλ.
ἢ ἰμάσα λυχνερ τῷ χριστῷ μς.

Τὸν εχθρὸν ἀντὶς ἐν λυσιω αἰσχύνημ.
ἐπὶ δὲ ἀντὶς ἐξανθίος ἢ ἀγίκομα μς.

Ὡς λη τῶν ἀναβασμῶν ε λ β.

Δὸν λη τί καλὸν ἢ ἴτερον.
ἀλλ ἢ ἢ κατὰ κείμ ἀλεφονὺς ἐπὶ ἢ ἀνρ.

Ὡς μῦθον ἐπὶ κεφαλῆς ἢ κατὰ βῆχινον ἐπὶ πῶγων.
ἢ πῶγων ἢ ἀαρώμ. Τὸ κατὰ βῆχινον ἐπὶ τῆμ ἄαμ τδ ἐν-
ὡς λυσιω ἀεμῶμ, ἢ κατὰ βῆχινον ἐπὶ ἢ ἄαμ σιῶμ. (λυ-
ὸτι ἐκεῖ ἐνετεῖλατο κύριος τῆμ ἐν λογιῶμ. (ματὶ ἀντδ.
ζῶμ ἔως τῶ αἰῶνος.

Ὡς λη ἀναβασμῶν ε λ γ.

Δὸς λη ἐν λογιῶν τῶν κύριου.
πάντες οἱ λῶλοι κύριος.

Οἱ ἐσῶτες ἐμ οἴκῳ κύριος.

ἐμ ἀνλαῖς οἴκῳ δεξ ἢ μῶμ.

Ἐν ταῖς νυξίμ ἐπάρατε ἢ ας χείρας ἢ μῶμ εἰς τὰ ἀγία.

ἢ ἐν λογιῶν τῶν κύριου.

Ἐν λογιῶν σε κύριος ἐκ σιῶμ.

ὁ ποιῶν τῶν ὄντων ἢ τῆμ γῆμ.

Ἀλληλῆῖα ε λ δ.

Ἰνεῖτε τὸ ὄνομα κύριος.

ἀνεῖτε λῶλοι κύριου.

Οἱ ἐσῶτες ἐμ οἴκῳ κύριος.

ἐμ ἀνλαῖς οἴκῳ δεξ ἢ μῶμ.

Ἀνεῖτε τῶν κύριου ὅτι ἀγαθὸς κύριος.

ψάλατε τῶ ὄνομα ἢ ἀντδ, ὅτι καλὸν.

Ὅτι τῶν ἰακῶβ ἐξελέξατο ἑαυτῶ ὁ κύριος.

ἰσραὴλ εἰς περιουσιασμον ἑαυτῶ.

Ὅτι ἐγὼ ἐγνώκα, ὅτι μέγας ὁ κύριος.

ἢ ὁ κύριος ἢ μῶμ πάρα πάντας ἢ ας δεξ.

Πάντα ὅσα ἢ θε λησεν ὁ κύριος ἐποίησεν.

ἐμ τῶ ὄντων ἢ ἐμ τῆ γῆ.

ἐμ ἢ αῖς θαλάσσαις, ἢ ἐμ πάσαις ἢ αῖς ἀβύσσους.

Ἀνάγωμ νεφέλας ἐξ ἐσοχῶμ τῆς γῆς.

ἀναγάγας εἰς νετὸμ ἐποίησεν.

ὅτι ἐξ ἀβραάμ ἦν ἰσραὴλ

קל ב

קל ג

קל ד

ὁ ἐξαγωγὴν ἀνέμυσεν ἐκ θησαυροῦ αὐτῶν
 εἰς ἐπαλαξίαν τὰ πρωτότοκα αἰγύπτου,
 ἀπὸ ἀνθρώπων ἕως κτηνῶν.
 Ἐξάπεψεν ἡ ψυχή μου ἐν μέσῳ σου αἰγύπτου.
 ἐμπαροῦσα ἐν πᾶσι τοῖς δούλοις αὐτῶν.
 Ὅσοι ἐπαλαξίαν ἐθήνησαν πολλαί.
 καὶ ἀπέκτανεν βασίλειος κραταίως.
 τῶν σκῶν βασίλειος τῶν ἀμοιβῶν αὐτῶν.
 καὶ τῶν ἄλλων βασίλειος τῆς βασίλειος.
 καὶ πάσας τὰς βασίλειος χανανάμ.
 καὶ ἐδωκε τὴν γῆν αὐτῶν κληρονομίαν.
 κληρονομίαν ἰσραὴλ λαῶν αὐτῶν.
 Ἐνθὺν ἡ ὀνομασία εἰς τὸν αἰῶνα.
 καὶ ἡ μνημόσυνη σου εἰς γενεάν καὶ γενεάν.
 Ὅτι κρινῆς κύριος τὸν λαὸν αὐτῶν.
 καὶ ἐπὶ τοῖς δούλοις αὐτῶν παρεκλήθησεται.
 τὰ ἐδωκε τῶν ἐθνῶν ἀργύριον καὶ χρυσίον.
 ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων.
 στόμα ἐχέσει καὶ ὄν λαλήσουσιν.
 ἔφαθον ἡμῶν χρυσίον καὶ ὄνκ εἰσὶν.
 ὧσα ἔχουσιν καὶ ὄνκ ἐνώτισθησονται.

ἄλλο γὰρ εἰς πνεῦμα ἐν τῷ σώματι αὐτῶν.
 Ὅμοιοι ἀντις γένοντο οἱ ποιοῦντες αὐτά.
 καὶ πάντες οἱ πεπειθότες ἐπ' ἀντις.
 οἶκος ἰσραὴλ ἐυλογῆσατε τὸν κύριον.
 οἶκος ἀσράμ ἐυλογῆσατε τὸν κύριον.
 οἶκος λευὶ ἐυλογῆσατε τὸν κύριον.
 οἱ φοβούμενοι τὸν κύριον ἐυλογῆσατε τὸν κύριον.
 ἐυλογῆσατε τὸν κύριον ἐκ σιῶν.
 ὁ καρικῶν ἱερεῶν σαλήμ.
 ἀλληλεῖα.
 ἐξομολογήσθε τῷ κυρίῳ ὅτι ἀγαθός.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ.
 ἐξομολογήσθε τῷ θεῷ ἡμῶν δεῶν.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ.

ε λ ε

ὁμοίαν ἡμῶν ἀντις
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ
 ἐξομολογήσθε τῷ θεῷ ἡμῶν δεῶν
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ
 ὁμοίαν ἡμῶν ἀντις
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ
 ἐξομολογήσθε τῷ θεῷ ἡμῶν δεῶν
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ
 ὁμοίαν ἡμῶν ἀντις
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ
 ἐξομολογήσθε τῷ θεῷ ἡμῶν δεῶν
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ

ἄρα ἀντις ἡμῶν ἀντις
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ
 ἐξομολογήσθε τῷ θεῷ ἡμῶν δεῶν
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ
 ὁμοίαν ἡμῶν ἀντις
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ
 ἐξομολογήσθε τῷ θεῷ ἡμῶν δεῶν
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ
 ὁμοίαν ἡμῶν ἀντις
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ
 ἐξομολογήσθε τῷ θεῷ ἡμῶν δεῶν
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ἡ ἐλεος αὐτοῦ

8
 9
 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

Confitemini domino dominorum:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Qui facit mirabilia magna solus:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Qui fecit coelos in intellectu:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Qui firmavit terram super aquas:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Qui fecit luminaria magna:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Solem in potestatem diei:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Lunam & stellas in potestatem noctis:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Qui percussit ægyptū cū primogenitis eorum:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Qui eduxit Israel de medio eorum:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 In manu potenti & brachio excelsio:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Qui diuisit mare rubrum in diuisiones:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Et eduxit Israel per medium eius:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Et excussit pharao. & scutē ei⁹ in mari rubro:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Qui traduxit populum suū per desertum:
 quoniam in æternum misericordia eius.

Qui percussit reges magnos:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Et occidit reges fortes:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Scion regem amorreorum:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Et Og regem Basan:
 quoniam in æternum misericordia eius.
 Et dedit terram eorum hereditatem:

3 25P: Aλ 2HΛ: A 2λ H 2:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 4 H 2 Γ Π ζ: V Π P: Φ σ σ 2 η λ: Π η ζ τ:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 5 H 2 Γ Π ζ: η σ P τ: Π Ϝ Π η:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 6 H A X 2 A: A Φ P ζ: P η: σ λ:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 7 H 2 Γ Π ζ: Π ζ 2 2 τ: V Π λ τ: Π η ζ τ:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 8 A θ η λ: A η 2 2 σ: σ V Δ τ:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 9 A θ ζ 4: O A η P η Π τ: A η 2 2 σ: A λ τ:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 10 H φ τ A σ: A 2 Γ Π X: Φ η λ: Π η C σ:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 11 O λ θ ε λ σ: A λ η ζ η δ: λ σ λ η A σ:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 12 Π λ P: θ 2 θ τ: O Π σ H ζ θ τ: Δ V Δ:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 13 H 2 λ φ: A η η λ: λ C τ ζ: O η λ ο:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 14 O λ θ ε λ σ: A λ η ζ η δ: λ 2 τ: σ λ η ο:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 15 H 2 θ η: A λ C Π 2: O 2 λ P: O η τ: η η λ: λ C τ
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ: 16:
 16 H O λ θ ε λ σ: A η H η: O η τ: 2 λ φ:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 H A θ ε λ: σ P: λ φ η η η:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 17 H φ τ A: 2 Γ λ τ: V Π λ τ:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 18 O φ τ A: 2 Γ λ τ: θ 2 V 2:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 19 A η φ 2: 2 2 λ: A φ λ φ 2:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 20 O A Π 2: 2 2 λ: η η 2:
 λ η σ: A V I A Φ: Φ η λ ζ τ:
 21 O θ V η: φ P C σ: A C η τ:

[Marginal notes in a smaller script, likely a commentary or translation, partially obscured by the binding.]

Ἐξομολογήσθε ἰσὺς κυρίῳ τῷ κυρίῳ.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Τῷ ποιῶσιν θανμάσια μεγάλα μόνῳ.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Τῷ ποιῶσιν τὸν οὐρανὸν ἐν συννεφί.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Τῷ σερεῶσιν τὴν γῆν ἐπὶ τῶν ὑλάτων.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Τῷ ποιῶσιν φῶτα μεγάλα μόνῳ.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Τὸν ἥλιον εἰς ἔξοισίμῃ τῆς ἡμέρας.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Τὸν σελήνην καὶ τὸν ἀστέρας εἰς ἔξοισίμῃ τῆς νυκτός.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Τῷ πατάξαντι αἰγυπτὸν ἐν τῆς πρωτοτόκοις αὐτῶν.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Καὶ ἐξαγαθόντι τὸ ἰσραὴλ ἐκ μέσος αὐτῶ.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Ἐμ χεῖρας κραταῖῳ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῶ.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Τῷ καταλιελόντι τὴν ἐρυθθαλάσσαν εἰς λιαιρέας.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα τὸ ᾠέλει αὐτῶ.
 Καὶ λιαιγαγόντι τὸν ἰσραὴλ λιαι μέσος αὐτῶ.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα τὸ ᾠέλει αὐτῶ.
 Καὶ ἐκτινάξαντι φαραῶν καὶ τὴν σύναμιμ αὐτῶ εἰς θάλασσαν.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ. (σαμ ἐρυθθαλάσσαν)
 Τῷ λιαιγαγόντι τὸν λαὸν αὐτῶ ἐν τῆ ἐρημίᾳ.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα τὸ ᾠέλει αὐτῶ.

Τῷ παλάξαντι βασιλῆς μεγάλους.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Καὶ αποκτείναντι βασιλῆς κραταίους.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Τὸν σὺν βασιλείᾳ τῶν ἀμορραίων.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Καὶ τὸν ἄν βασιλείᾳ τῆς βασάν.
 ὅτι εἰς τὸν αἰῶνα ᾠέλει αὐτῶ.
 Καὶ δύναντι τὴν γῆν αὐτῶ κληρονομίᾳ.

יהוה לְאֲדֹנֵי הָאֲדֹנִים
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 לַעֲשֵׂה נִפְלְאוֹת אוֹת גְּדוֹלוֹת לְבָרוּךְ
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 לַעֲשֵׂה הַשָּׁמַיִם בְּתַבְנִיחַ
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 לְרַקַּע הָאָרֶץ עַל-הַמַּיִם
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 לַעֲשֵׂה אוֹרִים גְּדוֹלִים
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 אֶת-הַשֶּׁמֶשׁ לְמַשְׁלַח בְּיוֹם
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 אֶת-הַיָּרֵחַ וְכוכְבֵּים לְמַשְׁלַח בְּלַיְלָה
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 לְמַכַּה מִצְרַיִם בְּכַוְנֵיהֶם
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 וְיוֹצֵא יִשְׂרָאֵל מִתּוֹכָם
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 בְּיַד חֹקֵה וּבְכוֹרֵעַ נְטוּיָה
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 לְגִזְרֵים-וּמִסְדֵּי לְגִזְרִים
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 וְהַעֲבִיר יִשְׂרָאֵל בְּתוֹכָהּ
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 וְנָעַר פְּרִיעָה וְחִילּוֹ בַּיּוֹם-סֻף
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 לְמִוִּיד עַמּוֹ בְּמִדְבָּר
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ

לְמַכַּה מַלְכִּים גְּדוֹלִים
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 וְיַהֲרֹג מַלְכִּים אֲרִירִים
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 לְסִיחוֹן מֶלֶךְ הָאֲמֹרִי
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 וְלַעֲוֹג מֶלֶךְ הַבְּשָׁן
 כִּי לְעוֹלָם חֲסִדוֹ
 וְנָתַן אֶרֶץ לְנַחֲלָה

ὅτι κενὸν ἔστιν πάντα τὰ ἑνὸς τῶν σώματός σου.
 Καὶ ἡσυχάζου ἐν ταῖς ὁδοῖς κυρίου.
 ὅτι μεγάλη ἡ δόξα κυρίου.
 Ὅτι ὁ ψῆλος κυρίου καὶ τὰ ταπεινὰ ἐφορεῖ.
 καὶ τὰ ὑψηλὰ ἀπὸ μακροῦ ἰσχυρῶς γινώσκει.
 Ἐὰν πορευθῶ ἐν μέσῳ θλίψεως, ζήσεις με.
 ἐπὶ ἄγρυπνον ἔχθρῶν μου ἐξέτεινας χεῖράς σου.
 καὶ ἐσώσες με ἡ δεξιὰ σου.
 Κύριος ἀνταποδώσει ὑμῶν ἐμῶς.
 κύριε ἡ δόξα σου εἰς τὸν αἰῶνα.
 τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου μὴ παρίλησ.
 εἰς ἡλίου ἰσχύος Δαβὶδ φαλμὸς ζαχαρίας ἐν ἡλίῳ Λιχσοποῦ.
 ἕρπε ἐλοκίμασάς με καὶ ἐγνώσες με. ε λ η.
 οὐκ ἐγνώσες τὴν καρδίαν μου καὶ ἡμῶν ἐγερσὶν μου.
 Σὺ συνῆκας ἡμῶν λιχλογοισμῶς μου ἀπὸ μακροῦ ἰσχυρῶς.
 τὴν τριβὴν μου καὶ τὴν σκωδὸν μου οὐκ ἐξίχνισσας.
 Καὶ πάσας τὰς ὁδοὺς μου προσείλες.
 ὅτι οὐκ ἐστὶν ἄλλος ἐν τῇ γλῶσσῃ μου.
 Ἰλὺς κυρίου οὐκ ἐγνώσες πάντα τὰ ἔσοχα καὶ τὰ ἀεχθαῖα.
 οὐκ ἐπλασάς με καὶ ἐθῆκας ἐπὶ ἐμὲ τὴν χεῖρά σου.
 Ἐθανμασώθη ἡ γνώσις σου ἐξ ἐμῶν.
 ἐκραιώθη, ὅχι μὴ λύνωμαι πρὸς ἀνῆμ.
 Πῶς πορευθῶ ἀπὸ τῶν πνεύματός σου.
 καὶ ἀπὸ τῶν προσώπων σου πῶς φύγω;
 Ἐὰν ἀναβῶ εἰς τὸ ὄρανον, οὐκ ἐκεῖ εἶ.
 ἐὰν καταβῶ εἰς τὴν ἄβυσσον, πάρεῖ.
 Ἐὰν ἀναλάβωμι τὰς πτερυγὰς μου καὶ ὄρθωμαι.
 καὶ κατασκηνώσω εἰς τὰ ἔσοχα τῆς θαλάσσης.
 καὶ γὰρ ἐκεῖ ἡ χεῖρ σου ὀδηγήσει με.
 καὶ κατέξει με ἡ δεξιὰ σου.
 καὶ εἶπα ἄρα σκοτὸς καταπατήσει με.
 καὶ νύξ φωτισμὸς ἐν τῇ τρυφῇ μου.
 Ὅτι σκοτὸς ὁ σκοτισθῆσεται ἀπὸ σου.
 καὶ νύξ ὡς ἡμέρα φωτισθῆσεται.
 ὡς ὁ σκοτὸς ἀντὶς, ὅστις καὶ ὁ φῶς ἀντὶς.
 Ὅτι οὐκ ἐκτίσω ἡμῶν νεφροὺς μου.
 ἀντελάβου μου ἐκ γαστρῶν μητρῶν μου.
 Ἐξομολογησάμην ὅτι φανερώσῃς ἐθανμασώθης.
 θανμάσια τὰ ἐξ ἡσυχίας καὶ ἡ ψυχή μου γινώσκει σφόδρα.

כִּי שָׁמַעוּ אֲמֵרֵי פִיךָ ו
 וְיִשְׁירוּ בְּדַרְכֵי יְיָ
 כִּי גָדוֹל כְּבוֹד יְיָ
 כִּי רָם יְיָ וְשִׁפְלֵי יִרְאֶה
 וְגִבּוֹת מִמָּרְקַי יִדַע
 אִם אֵלֶיךָ יִבְקָרֵב צָרָה תַחֲנִי
 עַל אֵף אֲבִי הַשְׁלַח יָדְךָ
 וְתוֹשִׁיעֵנִי יְמִינְךָ
 יְהוָה יִגְמַר בְּעוֹי
 יְהוָה חֲסִדָּה לְעוֹלָם
 מִעַשְׂי יְדִיךָ אֵלֵי הַרְף
 לְמַצָּח לְיָדְךָ מוֹמֵר
 הוֹדוּתְךָ תִּקְרָא וְתִדַּע
 אֶתְּךָ יִדַּעַת שְׂכָמִי וְקוֹמִי
 בְּנִתָּה לְרַעֵי מִרְחוֹק
 אֲרָחִי וְרַבְעֵי וְרִית
 וְכָל דַּרְכֵי הַסִּבְנָתָה
 כִּי אֵין מַלְאָךְ בְּלִשְׁוֹנֵי
 הַן יְיָ יִדַּעַת בְּלִיךָ אַחֲרֵי וְקָדְם
 צַרְתָּנִי וְתוֹשִׁיעַ עָלַי בְּפִכָּה
 פֶּלֶא אֵיהֶ דַּעַת מִמֵּנִי
 נִשְׁגָּבָה לֹא אֹכֵל לָהּ
 אֵנָה אֵלֶיךָ מִרְחֹק
 וְאֵנָה מִפְּנֵיךָ אֲבָרַח
 אִם אֶסְקֶשׁ שָׁמַיִם שֵׁם אֶתְּךָ
 וְאֶצִּיעָה שְׂאוֹל הַרְבֵּךְ
 אֶשְׂא כְּנָפַי שָׁחַר
 אֶשְׁבֶּנָה בְּאַחֲרֵית יָם
 אִם שֵׁם יָדְךָ תִּנְחַנֵּי
 וְתִאחֲזֵנִי יְמִינְךָ
 וְאִמַר אֵלֶיךָ חֲשֵׁה יְשׁוּפְנֵי
 וְלִילָה אֹרֵךְ כַּעֲדֵנִי
 אִם חֲשֵׁה לֹא יִחַשְׁיֵךְ מִמֶּךָ
 וְלִילָה בְּיוֹם יִאֲוִר
 בְּחִשְׁיִכָּה בְּאוֹרָה
 כִּי אֶתְּךָ קָרִית כְּלִיתִי
 תִּסְבְּנִי בְּכֶסֶן אֲמִי
 אֹרְךָ עַל כִּי תִרְאֹת נִפְלִיתִי
 נִפְלֵאִים מִעַשְׂיֵךְ וְנִכְפְּשֵׁי יִדַּעַת מֵאֵד
 ה
 ה

קלם

6
 7
 8
 9
 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

ὄνκ ἐκένθη ῥ' ὄσον μὲ ἀπὸ σὸν, ὃ ἐποίησας ἐν κενφῇ.
 καὶ ἡ ὑπόστασις μου ἐν τοῖς καλώγιας τῆς ἡγῆς.
 τὸ ἀκατέργαστον μὲ, εἰς ἅπαντας ὀφθαλμοὺς σου.
 καὶ ἐπὶ τὸ βιβλίον σου πάντες γασφρήσονται.
 ἡμέτερον πλάσθουσιν, καὶ οὐβέεις ἐν ἀνθρώποις.
 ἔμοι δὲ λίον ἐτιμώθησθαι οἱ φίλοι σου ὁ θεός.
 λίον ἐκείσται ὡς ἄσπαστοι ἀνθρώπων.
 ἔξαρθισσομαι ἀνθρώπος καὶ ὑπὲρ ἀμμου πληθυνθήσονται.
 ἐξ ἡγεθῆν καὶ ἐτι ἐμί μετὰ σὸν.
 ἔργον ἀπεκτείνης ἀμαρτωλὸς ὁ θεός.
 ἀνθρώποις αἱμάτων ἐκκλίνετε ἀπ' ἐμοῦ.
 ὅτι ἐρεῖσαι ἐσεῖς εἰς διαλογισμούς.
 λήθονται εἰς μαλαίτην τὰς πόλεις σου.
 οὐχὶ ἄνθρωπος μισοῦντάς σε κύριε ἐμίσησα.
 καὶ ἐπὶ τὸν ἐχθρὸν σου ἐξέτηκόμη.
 τέλος μίσους ἐμίσησιν ἀνθρώπος.
 εἰς ἐχθρὸν ἐγένοντό μοι.
 δοκίμασόν με ὁ θεός, καὶ γινώθι τὴν καρδίαν μου.
 ἔτασόν με καὶ γινώθι τὰς τρίβους μου.
 καὶ ἴδε εἰ ὁ δὸς ἀνομίας ἐν ἐμοί.
 καὶ ὁ δὸς ἡγῆσόν με ἐν ὁδῷ ἀγωνίας.

Εἰς τὸ τέλος ψαλμὸς τῷ Δαβὶδ. ε λ θ
 ἐξελθὼν με κύριε ἐξ ἀνθρώπων πονηρῶν.
 ἀπὸ ἀνθρώπων ἀδικῶν ἐν σάϊ με.
 οἱ ἴνες ἐλογίσαντο ἀδικίαν ἐν καρδίᾳ.
 ὅλην τὴν ἡμέραν παρετάσσον πολέμους.
 ἠκόνησάν γλώσσῃσιν ἀνθρώπων ὡς εἰ ὄφρας.
 ἰσάσπιδων ὑπὸ τὰ χεῖρα ἀνθρώπων.
 φύλαξόν με κύριε ἐκ χείρας ἀμαρτωλῶν.
 ἀπὸ ἀνθρώπων ἀδικῶν ἐξελθὼν με.
 οἱ ἴνες διελογίσαντο τὸν ὑποκελίσαι ἡμᾶς διαβήματα μὲ
 ἔκρυψαν ὑπὲρ ἐφάνοι παγίδια μοι.
 καὶ οὐκ ἔβουλο ἰδέσθαι παγίδια τῶν ποσῶν μου.
 ἐχόμενα τρίβους, σκάνδαλα ἔθεντό μοι.
 εἶπα τῷ κυρίῳ θεός μου εἰ σὺ.
 ἐνώτισαι κύριε τὴν φωνὴν τῆς δέησέως μου.
 ἐνείκε κύριε δύναμις τῆς σωτηρίας μου.
 ἐπεσκίασας ἐπὶ τὴν κεφαλὴν μου, ἐν ἡμέρα πολέμου.
 μή παρὰ ἡμᾶς με κύριε ἀπὸ τῆς ἐπιθυμίας μου ἡμᾶς ἀμαρτωλῶν.

לא נכחד עשמי ממך אשר עשיתני ב
 רקתך בתקותי ואתך (בפתח
 אלמי ראוי עיניך
 ועל ספרך כלם יכתבו
 ימים יצרו ולא אחד בהם
 ולי מה יקר רעדך אל
 מה עצמו ראשיהם
 אספרם מחול ירבוך
 הקצתי ועודי עמך
 אס תקשול אלודי רשע
 ואנשי רמים סודו מני
 אשר יסרוך למומה
 בשוא לא שוא עריך
 הלא אדם שבאיד וי אשנא
 ובתקומתך אתקושט
 תהליית שנאה שנאתים
 לאיבים היו לי
 הקרני אל ודע לבכי
 בתנני ודע שרעפי
 וראה אם דרך עצב בי
 ונחני בדרך עלים
 למנצח סומור ליהוד
 לצני ים מאדם רע

מאיש חמסים תנצנני
 אשר חשב רעות בלב
 כל יום יגורו מלחמות
 שגנו לשונם כמו נחש
 חמת עשוב תחת שפתים סלה
 שמרני ים מדי רשע
 מאיש חמסים תנצנני
 אשר חשב לרחות פטעמי
 סמנו גאים יפח לי
 וחקלים פרשו רשת
 ליד מעל מקשים שתו לי סלה
 אסרתו ליהוד אלי אתה
 האזינה ים קול תנצנני
 יהוד ארבי עז ישועתי
 סלתה לראשי ביום נשק
 אל תתן ים מאודי רשע

4 ολ...
 5 ολ...
 6 ολ...
 7 ολ...
 8 ολ...
 9 ολ...
 10 ολ...
 11 ολ...
 12 ολ...
 13 ολ...
 14 ολ...
 15 ολ...
 16 ολ...
 17 ολ...
 18 ολ...
 19 ολ...
 20 ολ...
 21 ολ...
 22 ολ...
 23 ολ...
 24 ολ...
 25 ολ...
 26 ολ...
 27 ολ...
 28 ολ...
 29 ολ...
 30 ολ...
 31 ολ...
 32 ολ...
 33 ολ...
 34 ολ...
 35 ολ...
 36 ολ...
 37 ολ...
 38 ολ...
 39 ολ...
 40 ολ...
 41 ολ...
 42 ολ...
 43 ολ...
 44 ολ...
 45 ολ...
 46 ολ...
 47 ολ...
 48 ολ...
 49 ολ...
 50 ολ...

Διελούσαν καθεμὸν μὴ ἐγκαταλίπῃς με, μήποτε ὕψω-
Η κεφαλή τῶ κυκλώματος ἀντῶν. (Ἐωσῆμ.

κόπος τῶν χειλέων ἀντῶν καλύψει ἀντὸς.
Προσῦνται ἐπάντες ἀνδρακες
ἐμπυρί, καταβλεῖς ἀντῶν
ἐμπταλαίπωραϊς, κῆδον μὴ ὑποσῶσιμ.
Ἄνῃς γλωσσῶλης ὄν κατενθύνθησθαι ἐπὶ τῆς γῆς.
ἀνδρα ἄλικον κακὰ θηρένσει εἰς Δίαφθοράμ.
Ἐγὼμ ὅτι ποιήσει κύριος τῆν κρῖσιν τῶν πλωχῶν, καὶ τῆν
Δίκην τῶν πενήτων.

Πλήν Δίκαισι ἐξομολογήσονται τῶ ὀνόματί σου.
κῆ κακίαι σου εἰν ἐν εἰς σὺν τῶ προσώπῳ σου.

Υαλμὸς τῶ Δαβὶλ. ε μ α (πρὸς σέ.
Υῖε ἐκέκραξα πρὸς σέ, εἰσάκκασίμ με. (ναί με
πρόσχεσ ἦν φωνῆ ἦς Δεσσεῶς μ, ἐμ τῶ κεκεχάε-

κατενθύνθησθαι προσυχίμ με ὡς θυμιάμα ἐνώπιόν σου.
ἐπαρεῖς τῶν χερῶν με θυσιὰ ἐσωτερινή.

Θοῦ κύριε φυλακὴν τῶ σώματί μ.
κῆ θυερεν περιοχῆς περὶ τὰ χεῖλη μ.

Μὴ ἐκκλίνῃς τῆν καρδίαν με εἰς λόγους πονηρίας.
τὸ πρῶταίριζεσθαι προσάσει εἰς ἐμ ἄμαρτίαις.

Σὺν ἀνθρώποις ἐργαζομένοις τῆν ἀνομίαν.
κῆδον μὴ συνδύνασω μετὰ τῶν ἐκλεκτῶν ἀντῶν.

Πικρὸν εἶ με Δίκαιος ἐμ ἐλεεί.
κῆ ἐλέξῃ με, ἐλαίον δὲ ἄμαρτωλῶ, μὴ λιπανάω τῆν κε-

Ὅτι ἐμ κῆ προσυχίμ με ἐμ ἦαις ἐν Λοκίαις ἀντ. (φαλιν με
κατεπῶθησιν ἐχομένα πέτρας, οἱ κριταὶ ἀντῶν.

Ἄκούσονταὶ ἡ εἰμὰτὰ με ὅτι ἠλύνθησάν.
ὡσεὶ πάχος γῆς ἐξέσθῃ ἐπὶ τῆς γῆς.

Διεσκορπίσθῃ τὰ ὀσά ἀντῶν παρὰ τὸν ἄδην.
ὅτι πρὸς σέ κύριε κύριε οἱ ὀφθαλμοί μ.

ἐπὶ σέ ἠλπίσα, μὴ ἀντανέλῃς τῆν ψυχὴν με.
Φύλαξόν με ἀπὸ πᾶσι ἰλοσῆς συνεχῆσάν μοι.

κῆ ἀπὸ σκανλάλων τ' ἐργαζομένων τῆν ἀνομίαν.
Γεσῶνται ἐμ ἀμφιβλήσων ἀντ' οἱ ἄμαρτωλοί.

καταμόνας εἰμὶ ἐγὼ, ἕως ἄμ πᾶσέ λδω.
Συνέσεως τῶ Δαβὶλ ἐμ τῶ εἰναὶ ἀντῆμ τῶ σων λαίω
πρὸς εὐχόμενον. ε μ α.

φ Ὡνῆ με πρὸς κύριον ἐκέκραξα.

ὁμοῦ ἀλ-τῆμ κῆ ἰσομὸν σῆλ
ראש מסבך

עמל שפתומו יכסומו
ימיטו על ידם גתלים
פאש יפילם

במהרות כל יקומו
איש לשון בל יכון בארץ
איש חסר רע יצורנו לסדפת

יגעה כפי יעשה יתגור
עני משפט אביונים
אך צדיקים יהיו לשמך

קמ ישובו שרים את פניך
מסור לדור
הנה קראתיך חושה לי

האזינה קולי בקראי לך
תפן תפילתי קצרת לפניך
משאת כפי מנחת ערב

שיתקע שטרך לפי
בצרה על דל שפתי
אל תת לב לי לרבר רע

לחתעו לל על לות ברשע
את אישים פעלי און
ובל אל חס במנעמיהם

יהל מני צדיקי חסד
דיוכיתני שמן ראש אל יני ראשי
כי עוד ותפילתי ברעותיהם

גשמו בדי סלע שפטיהם
דשמעו אמרי כפי געמו
כמו פלח ובקע בארץ

בפור עעמינו לפי שאול
כפי אלקי יי ארבי עיני
מכה חסיתי אל תער בפשי

שמרני מיהי פח יקשו לי
דמקשות פעלי און
יפלו במחמיו רשעים

יחד אנכי ער אעבור
משבילי
במערה תפילה

ק ולי אל-וי אועק
בקהיותו

Vertical text in the left margin, likely a commentary or index, containing various Greek and Latin characters and words.

uoce mea ad dominum deprecatus sum.
 Effundo in conspectu eius orationem meam:
 & tribulationē meam ante ipsū pronuncio.
 In deficiendo ex me spiritum meum:
 & tu cognouisti semitas meas. (um mihi.
 In uia hac qua ambulabā: absconderunt laquei
 Considerabam ad dexteram & uidebam:
 & non erat qui cognosceret me.
 Perijt fuga a me:
 & non est qui requirat animam meam.
 Clamaui ad te domine dixi tu es spes meat
 portio mea in terra uiuentium. (nimis.
 Intēde deprecationē meā quia humiliatus sum
 Libera me a psequētib⁹ me: quia cōfortati sūt
 Educ de custodia animā meā: (super me.
 ad confitendum nomīni tuo:
 me expectant iusti donec retribuas mihi.

Psalmus Dauid quando persequeretur
 eum filius suus Absalom. CXLII.

Omīne exaudi orationem meam:
 d auribus percipe obsecrationem meā: in
 exaudi me in tuā iusticia. (ueritate tuas
 Et non ineres in iudiciū cū seruo tuo:
 quia nō iustificabit in cōspectu tuo oīs uiuēs.
 Quia persecut⁹ est inimicus animā meam:
 humiliatū in terra uitam meam. (culi:
 Collocauit me in obscuris sicut mortuos sep̄
 & anxiat⁹ est super me spiritus meus:
 in me turbatum est cor meum.
 Memor fui dierum antiquorum:
 meditatus sum in omnibus operibus tuis:
 in factis manum tuarum medirabor.
 Expandi manus meas ad te:
 anima mea sicut terra sine aqua tibi.
 Velociter exaudi me dñe: defecit spiritus meus.
 Non auertas faciem tuam a me:
 & similis ero descendentibus in lacum.
 Auditā fac mihi mane misericordiam tuam:
 quia in te domine speraui.

1 ΦΔΡ: 4 Π: Λ 2 Η Λ Π Θ Γ: Η Λ Δ Η::
 2 Θ Λ Η Γ: Φ Δ Γ Ο: Η Λ Α Τ Ρ::
 3 Θ Λ Σ Γ Γ: Φ Δ Γ Ο: Η Γ Ο Ρ::
 4 Η Π: + 4 Δ Φ: Σ Γ Η Ρ: Π Ο Ο Λ Ρ:: Π Γ +::
 5 Α Ζ +: Λ 2 Η Λ: + Α Φ Γ: Γ Σ Τ Ρ::
 6 Π Η Γ: Γ Σ Τ: Λ Ζ +: Η Γ Γ: Ο 4 Π Λ: Λ +: Σ Μ 2
 7 Θ + Σ Ρ Γ Γ: Σ Σ Γ Λ: Ρ Ο Ζ Ρ: Θ Λ Γ Λ Η::
 8 Θ 3 Μ Λ Η: Η Ρ Α Φ Ζ::
 9 Θ 4 Π Γ: Λ Σ Η Γ: Λ Α Π Ρ::
 10 Θ Λ Δ Π: Η Λ 2 4 Μ: Π Λ Ζ +: Σ Γ Η Ρ::
 11 4 Β Η: Λ 2 Η Λ: Χ Ζ 4 Η: Θ Λ Β Ο Η: Α Ζ +: + Η
 12 Θ Λ Ζ +: Σ Η Λ Δ Τ Ρ: Π Ο Δ Ζ: Η Ρ Φ Ζ:: 4 4 Ρ::
 13 Σ Γ Γ: Η Λ Ο Τ Ρ: Λ Η Σ: Η Σ Ο Ρ: Δ Ρ 4 Ρ::
 14 Α Ρ 4 Σ Ζ: Λ Φ Λ Α: Γ Ρ Ζ: Λ Η Σ: Ε Ψ Ε Η Ζ::
 15 Θ Λ Θ Θ Α: Λ Γ Φ Η: Α Σ Γ Η Ρ::
 Η Σ: Λ 2 Σ Ε: Α Η Φ Η: Λ 2 Η Λ:
 Η Ρ Ρ: Ε Θ Ζ Η: Χ Ρ Φ Ζ: Λ Η Η: Η Π: + Λ Η Ρ Ζ:
 Σ Η Σ Γ: Η Ρ Φ Ζ: Η Λ Σ: Ε Η Ζ:
 Θ Δ Ε::

1 Ρ Ο Β Λ 2 Η Λ: Η Φ Ο Ζ: Χ Λ Τ Ρ::
 2 Θ Λ Κ Φ Α Ζ: Η Λ Α Τ Ρ: Π Κ Ρ Φ Η::
 3 Θ Η Φ Ο Ζ: Π Γ Τ Ο Η::
 4 Θ Λ Τ Ο Λ: Θ Η +: Φ Μ Τ: Φ Η Α: Γ Π Γ Η::
 5 Λ Η Σ: Λ Ε Κ Ρ Φ: Η Γ: Η Ρ Φ: Π Φ Ρ Ο Η::
 6 Λ Η Σ: Γ Ρ: Χ Ο Λ: Α Σ Γ Η Ρ::
 7 Θ Λ 4 Η Γ: Θ Η +: Φ Ρ Γ: Α Η Ε Ο Τ Ρ::
 8 Θ Λ Ζ Π Γ Ζ: Θ Η +: Χ Δ Σ Τ: Η Σ: Φ Θ Τ: Τ Η
 9 Θ Φ Π Χ + Ζ: Σ Γ Η Ρ: Π Ο Ο Λ Ρ:: 4 4 Τ::
 10 Ε Ρ Ζ Γ Θ Ζ: Α Π Ρ: Π Θ Η Μ Ρ::
 11 Θ + Η Η Γ Γ: Σ Φ Θ Α: Τ Η Τ::
 12 Θ Λ Ζ Π Π: Π Η Α: 2 Π Γ Η::
 13 Θ Λ Σ Π Π: 2 Π Γ: Λ Ε Ρ Η::
 14 Θ Λ Ζ Η Λ Η: Λ Ε Ρ Ρ: 4 Β Η::
 15 Σ Γ Η Ρ Ζ: Η Σ: Φ Ρ Ζ: Π Ρ Θ: Χ Ρ Α + Η::
 16 Γ Μ Σ: Η Φ Ο Ζ: Λ 2 Η Λ: 4 Η Λ Τ: Σ Γ Η Ρ::
 17 Θ Λ Τ Ε Γ: Γ Χ Η: Λ Φ Ζ Ρ::
 18 Θ Λ Ε Η Ζ: Η Σ: Λ Α: Ε Ο Γ Ρ: Θ Η +: Α Η Φ Τ::
 19 Η Ε Η Γ Ο: 2 Π Γ: Λ +: Φ Η Ζ Τ Η: Π Χ Η Η::
 20 Λ Η Σ: Η Ρ Η: + Θ Η Δ Η: Λ 2 Η Λ::

φωνῆ μου πρὸς τὸ θεὸν ἐλέηθημ.
 ἔκχεω ἐνώπιόν σου τὴν λήθειάν μου.
 τὴν ἰλιψίαν μου ἐνώπιόν σου ἀπαγγελάω.
 ἐν τῷ ἐκλείπειν ἐξ ἐμοῦ τὸ πνεῦμά μου.
 καὶ οὐκ ἐγνώσθησαν τὰς τριβύνας μου.
 ἐν ὄλω τὰν τῶν ἡ ἐπορευομένων, ἔκρυψα παργύλα μου.
 κατενόησιν εἰς τὰ λεξικά καὶ ἐπέβλεπον.
 καὶ ὄνκην ὁ ἐπιγινώσκων με.
 ἄσώλεον φυγὴ ἄσώμα.
 καὶ ὄνκην ὁ ἐκζητῶν τὴν ψυχὴν μου.
 ἔκχευε πρὸς σὲ κύριε, εἶπα, οὐκ εἶ ἡ ἐλπίς μου.
 μερίς μου εἶ ἐν γῆ ζώντων.
 γρόσχος πρὸς τὴν λήθειάν μου ὅτι ἐλάττεινά σου σφόδρα.
 ῥύσαι με ἐκ τῆς κατὰ λικαιῶν μου, ὅτι ἐκράβια ὄνησάν μου ὑπέβ
 ἔξχαγε ἐκ φυλακῆς τὴν ψυχὴν μου. (ἐμέ.)
 τὸ ἐξουλολογῆσαι τῷ ὀνόματί σου.
 ἐμὲ ὑπομνηνοῦσι λικαῖοι ἕως οὐ ἀνταποδῶσται.
 Χαλμὸς ἰσὺ Δαβὶδ ὁπότε κατελίπερ ἀντὸν ἄβε-
 σαλὼμ ὁ υἱὸς αὐτοῦ. ε μ β.
 Ὑγίει εἰσακκοῦσθαι πρὸς εὐχῆς μου.
 ἐνώπιόν σου τὴν λήθειάν μου ἐν τῇ ἀληθείᾳ σου.
 εἰσακκοῦσθαι μου ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου.
 καὶ μὴ εἰσελάθῃς εἰς κρίσιν μετὰ τοῦ λούλου σου.
 ὅτι οὐ δικαιοθῆσθαι ἐνώπιόν σου πρὸς ζωῆν.
 ὅτι κατελίπερ ὁ ἐχθρὸς τὴν ψυχὴν μου.
 ἐταπεινώσθαι εἰς γῆν τὴν ζωῆν μου.
 ἔκαθιστό με ἐν σκοτεινοῖς ὡς νεκροῦς αἰῶνος.
 καὶ ἡ δικαιοσύνη ἐπέμειν τὸ πνεῦμά μου
 ἐν ἐμοὶ ἐλάττειν ἡ καρδίαν μου.
 ἐμνήσθην ἡμερῶν σκευαίῶν,
 ἐμελέτησα ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου.
 ἐν ποιήμασίν σου χερῶν σου ἐμελέτησα.
 διεπέτασα πρὸς σὲ τὰς χεῖράς μου.
 ἡ ψυχὴ μου ὡς γῆ ἀνυδρὸς σοί.
 ταχὺ εἰσακκοῦσθαι μου κύριε, ἐξέλιπε τὸ πνεῦμά μου.
 μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπόν σου ἀπὸ μου.
 καὶ οὐ μνησθῆσθαι κατὰ βαίνον ἐν εἰς λάκκον.
 ἄκουσον ποίησόν μου τὸ πρῶτον τὸ ἔλεός σου.
 ὅτι ἐπὶ σοὶ ἠλπίσα.

קולי אל יט אתה פן
 אשפך לפניו שיתי
 צרתי לפניו אגיד
 בהתעשר עלי רוחי
 ואתה ידעת בתיבת
 בארח או אהלך ממנו פה לי
 הכיס ימין וראה
 ואין לי מכיר
 אבר מנוס ממני
 אין רש לנפשי
 ועקתי אלהי אמתתי אתה מחס
 הלקי בארץ בחיים
 בקשיבה אל רגלי כי דלתי מאד
 האילני מרדפי כי אמצו ממני
 הוציאה ממסגר נפשי
 להודות את שמך
 כי יכתרו צדיקים כיהגלו עלי קמג
 מזמור
 לדוד
 הוד שמע תפילתי
 בארונה אל תחנוני באמתתך
 ענני בצדקתך
 ואל תכא במשפט את עבדך
 כי לא יצדק לפניך כל דני
 כי רדה אויב נפשי
 דבא ל ארץ ביתי
 הושיבני במחשבים כסתי עולם
 ותתעשר עלי רוחי
 בתוכי ישתומם לי כי
 זכרתי ימים מקדם
 דגתי בכל פעלך
 כמעשי ידך אשותח
 פרשתי ידי אלהיך
 נפשי כצור עיפה לך סלה
 כחר ענני יט בלתי רוחי
 אל תסתור פניך ממני
 ונמשלתי עם ירדי בור
 השמיעני בבקר תסדך
 כי דך בשקתי

2 φωνῆ μου πρὸς τὸ θεὸν ἐλέηθημ.
 3 ἔκχεω ἐνώπιόν σου τὴν λήθειάν μου.
 4 τὴν ἰλιψίαν μου ἐνώπιόν σου ἀπαγγελάω.
 5 ἐν τῷ ἐκλείπειν ἐξ ἐμοῦ τὸ πνεῦμά μου.
 6 καὶ οὐκ ἐγνώσθησαν τὰς τριβύνας μου.
 7 ἐν ὄλω τὰν τῶν ἡ ἐπορευομένων, ἔκρυψα παργύλα μου.
 8 κατενόησιν εἰς τὰ λεξικά καὶ ἐπέβλεπον.
 9 καὶ ὄνκην ὁ ἐπιγινώσκων με.
 10 ἄσώλεον φυγὴ ἄσώμα.
 11 καὶ ὄνκην ὁ ἐκζητῶν τὴν ψυχὴν μου.
 12 ἔκχευε πρὸς σὲ κύριε, εἶπα, οὐκ εἶ ἡ ἐλπίς μου.
 13 μερίς μου εἶ ἐν γῆ ζώντων.
 14 γρόσχος πρὸς τὴν λήθειάν μου ὅτι ἐλάττεινά σου σφόδρα.
 15 ῥύσαι με ἐκ τῆς κατὰ λικαιῶν μου, ὅτι ἐκράβια ὄνησάν μου ὑπέβ
 16 ἔξχαγε ἐκ φυλακῆς τὴν ψυχὴν μου. (ἐμέ.)
 17 τὸ ἐξουλολογῆσαι τῷ ὀνόματί σου.
 18 ἐμὲ ὑπομνηνοῦσι λικαῖοι ἕως οὐ ἀνταποδῶσται.
 19 Χαλμὸς ἰσὺ Δαβὶδ ὁπότε κατελίπερ ἀντὸν ἄβε-
 20 σαλὼμ ὁ υἱὸς αὐτοῦ. ε μ β.
 21 Ὑγίει εἰσακκοῦσθαι πρὸς εὐχῆς μου.
 22 ἐνώπιόν σου τὴν λήθειάν μου ἐν τῇ ἀληθείᾳ σου.
 23 εἰσακκοῦσθαι μου ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου.
 24 καὶ μὴ εἰσελάθῃς εἰς κρίσιν μετὰ τοῦ λούλου σου.
 25 ὅτι οὐ δικαιοθῆσθαι ἐνώπιόν σου πρὸς ζωῆν.
 26 ὅτι κατελίπερ ὁ ἐχθρὸς τὴν ψυχὴν μου.
 27 ἐταπεινώσθαι εἰς γῆν τὴν ζωῆν μου.
 28 ἔκαθιστό με ἐν σκοτεινοῖς ὡς νεκροῦς αἰῶνος.
 29 καὶ ἡ δικαιοσύνη ἐπέμειν τὸ πνεῦμά μου
 30 ἐν ἐμοὶ ἐλάττειν ἡ καρδίαν μου.
 31 ἐμνήσθην ἡμερῶν σκευαίῶν,
 32 ἐμελέτησα ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου.
 33 ἐν ποιήμασίν σου χερῶν σου ἐμελέτησα.
 34 διεπέτασα πρὸς σὲ τὰς χεῖράς μου.
 35 ἡ ψυχὴ μου ὡς γῆ ἀνυδρὸς σοί.
 36 ταχὺ εἰσακκοῦσθαι μου κύριε, ἐξέλιπε τὸ πνεῦμά μου.
 37 μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπόν σου ἀπὸ μου.
 38 καὶ οὐ μνησθῆσθαι κατὰ βαίνον ἐν εἰς λάκκον.
 39 ἄκουσον ποίησόν μου τὸ πρῶτον τὸ ἔλεός σου.
 40 ὅτι ἐπὶ σοὶ ἠλπίσα.

Quorū filij sicut nouelle plātatiōes: in iuuentu
 Filij eorum compositę: (tute sua
 circumornate ut similitudo templi.
 Promptuarĩa eorum plena:
 eructantia ex hoc in illud.
 Oues eorum fetosę:
 abundantes in egressibus suis:
 boues eorum crassę.
 Non est ruina macerias
 neq; transiens:
 neq; clamor in plateis eorum.
 Beatum dixerunt populum cui hec sunt:
 beatus populus cuius dominus deus eius.

Laudatio Dauid. CXLIII.

Xaltabo te deus meus rex
 & benedicam nnnini tuo
 in sæculum: & in sæculum sæculi.
 Per singulos dies benedicam tibi:
 & laudabo nomen tuum
 in sæculum: & in sæculum sæculi.
 Magnus dominus & laudabilis nimis:
 & magnitudinis eius non est finis.
 Generatio & generatio laudabunt opera tua:
 & potentiam tuam pronuntiabunt.
 Magnificentiã glorię sãctitatis tuę loquentur:
 & mirabilia tua narrabunt.
 Et uirtutem terribilium tuorum dicent:
 & magnitudinem tuam narrabunt.

(bunt.

Memoriam abundantię suauitatis tuę eructa
 & iusticia tua exultabunt.
 Misericors & misericors dominus:
 patiens & multum misericors.
 Suauis dominus vniuersis:
 & miserationes ei⁹ super omnia opera eius.
 Confiteãtur tibi domine omnia opera tua:
 & sancti tui benedicant tibi.
 Gloriam regni tui dicent:
 & potentiam tuam loquentur.

13 ጸሎ: ደቆቹ ስሙ: ተክሎ: ሕይወት: ጸሎ: ጸሎ: ጸሎ:
 14 ወለዋልደሆ ስሙ: ርሱ: ያት: ሕይወት: ጸሎ: ጸሎ:
 15 ወለቢ ያት ስሙ: ወሉ: ስሙ: ስሙ: ስሙ:
 16 ወለባግራሆ ስሙ: ብዙ: ኃ: ደት: ዋለደ: ስሙ:
 17 ወለባሆ ስሙ: ስሙ: ስሙ: ስሙ:
 18 አስተብሰዕዎ: ለዘ: ስሙ: ስሙ: ስሙ: ስሙ:
 አኩፍት: ስሙ: ስሙ: ስሙ: ስሙ:
 1 ዋህግ አሌዕለክ: ንጉሥ: ወለባሊዎ:
 ወለባሊዎ: ለስዎ:
 2 ኩሉ: አሊ: አሊ: ስሙ:
 ወለኤብሕ: ለስዎ:
 3 ህቢይ: አግዚአብሔር: ወብዙሕ: አኩፍት:
 ወለባሊዎ: ጸኔ: ሰባ: ዘሊሆ:
 4 ተወልደ: ተወልደ: ደኃይ: ወግሪክ:
 ወደዘኃው: ኃይላክ:
 5 ወደኃይ: ሰባ: ክብረ: ስብሐት: ቆዳሳት:
 ወደደሆ: ስሙ:
 6 ወደብሉ: ግሪክ: ኃይላክ:
 ወደኃይ: ኃይላክ: ግሪክ:
 ወደደሆ: ጸኃይ:
 7 ወደጉሥ: ተክሪ: ብዙ: ወሕረት:
 ወደትሐዌ: በጸደቅ:
 8 መሐሪ: ወመስተሀህዳ: አግዚአብሔር:
 ርሱ: ሰባ: ወብዙሕ: ወሕረት: ወጸደቅ:
 9 ኄር: አግዚአብሔር: ለእሉ: ደት: ህገሰ:
 ወሀህሉ: ሰባ: ኩሉ: ተግሪክ:
 10 ደገደ: ለክ: አግዚአ: ኩሉ: ተግሪክ:
 ደባርክ: ጸደቅ:
 11 ስብሐት: ደብሉ: ለመኃደላት:
 ወደኃይ: ኃይላክ:

Ut notā faciāt filijs hominum potētiam tuam:
 & gloriā magnificentię regni tui.
 Regnum tuum regnum omnium sæculorum:
 & dominatio tua in omni generatione & ges
 Fidelis dñs in om̄ibus uerbis suis: (nerationē
 & sanctus in omnibus operibus suis.
 Alleuat dominus omnes qui corruunt:
 & erigit omnes elisos.
 Oculi omnium in te sperant domine:
 & tu das eſcā illorum in tempore oportuno.
 Aperis tu manū tuā: & implet oē animal bñdī
 Iustus dñs in omnib⁹ uij⁹ suis: (ctione
 & sanctus in omnibus operibus suis:
 Prope est dominus omnibus inuocātib⁹ eum:
 omnibus inuocantibus eum in ueritate.
 Voluntatem timentium ſc faciet:
 & deprecationē eorum exaudiet & ſaluos faciet
 Custodit dominus om̄es diligētē ſc: (cos:
 & omnes peccatores disperdet.
 Laudationem domini loquetur os meum:
 & benedicat omnis caro nomini ſancto eius:
 in ſæculum & in ſæculum ſæculi.
 Alleuia Aggæi & Zachariæ. CXLV.
 Audā anima mea dominum:
 laudabo dominum in uita mea:
 pfallam deo meo q̄dū fuero.
 Nolite confidere in principibus:
 in filijs hominum in quibus non eſt ſaluſ:
 Exhibet ſpiritus eius & reuertetur in cenā ſuam:
 in illa die peribunt omnes cogitationes eorum:
 Beatus cuius deus iacob adiutor eius:
 ſpes eius in domino deo ipſius:
 qui fecit coelum & terram:
 mare & omnia que in eis ſunt.
 Qui custodit ueritatem in ſæculum:
 facit iudiciū iniuriā patientibus:
 dateſcam eſuriētibus.
 Dominus ſoluit compeditos:
 dominus illuminat cecos.

12 ከመ፡ ደጃግርዎ፡ ለይገለ፡ እመሕያዎ፡ ጸይሰ
 ወዕበዎ፡ ክብረ፡ ከብሐተ፡ መገገሙትክ፡ ሄክ፡
 12 መገገሙትክ ስ፡ መገገሙት፡ ዘለኩ ሉ፡ ህለፍ፡፡
 ወወኩ ፍጻኔ፡ ለተወልደ፡ ተወልደ፡፡
 14 መእመን፡ እግዚአብሔር፡ በኩሉ፡ ቻሉ፡፡
 ወጸደቅ፡ በኩሉ፡ ወግባራ፡፡
 15 ደሠወቆሙ፡ እግዚአብሔር፡ ለእለ፡ ተገተ፡፡
 ወዖያሥእሙ፡ እግዚአብሔር፡ ለእለ፡ ወደቁ፡፡
 16 ህይኖ፡ ኩሉ፡ ፍጻኔ፡ ደኤ፡ ከዖክ፡፡
 አጎተ፡ ትሁቦሙ፡ ኢሰዮሙ፡ በጊዚህ፡ ፒሥርገትክ፡፡
 17 ትሰፍሕ፡ የመገን፡ ወታጸግብ፡ ለኩሉ፡ እጎሰሰ፡ ዘበ
 18 ጸደቅ፡ እግዚአብሔር፡ በኩሉ፡ ፍጻኔህ፡፡
 ወኔር፡ በኩሉ፡ ወግባራ፡፡
 19 ቅረብ፡ እግዚአብሔር፡ ለኩሉሙ፡ እለ፡ ደጸወ
 ወለኩሉሙ፡ እለ፡ ደጸወዕዎ፡ በጸደቅ፡ ሠዎ፡፡
 20 ወይገብር፡ ኔቆዶሙ፡ ለእለ፡ ደኔርህዎ፡፡
 ወይሰዎሽሙ፡ ጸሎትሙ፡ ወዖያሥ፡ ላይ፡፡
 12 የህቅቦሙ፡ እግዚአብሔር፡ ለኩሉሙ፡ እለ፡ ደኔር
 ወደሠርዎሙ፡ ለኩሉሙ፡ ጎፍአጎ፡ ሠዎ፡፡
 22 ከብሐተ፡ እግዚአብሔር፡ ደጃግር፡ አፋዮ፡፡
 ወኩሉ፡ ዘሥጋ፡ ደባርክ፡ ለከመ፡ ቅደስ፡፡
 ለህለፍ፡ ወለህለመ፡ ህለፍ፡፡
 ሂሉ ሉዮ፡ ዘከረ፡ ወዘከርዮስ፡፡
 1 የህር፡ ተአኩቶ፡ ፍጻኔዎ፡ ለእግዚአብሔር፡፡
 እኔብሐ፡ ለእግዚአብሔር፡ በሕይወትዮ፡፡
 ወእዜፍር፡ ለአፍላካዮ፡ በአፍጠኛ፡ ህለወኩ፡፡
 2 ወሊትትእመኔ፡ በመላእክት፡፡
 ወለበእገለ፡ እመሕያዎ፡ እለ፡ እይክሉ፡ አዮላ፡፡
 3 ተወዕለ፡ ፍጻኔሙ፡ ወይገብሉ፡ ወከተ፡ መሬትሙ፡፡
 ወእተ፡ አፈረ፡ ደጠፍለ፡ ኩሉ፡ ወክርሙ፡፡
 4 ብፁዕ፡ በእሌ፡ ዘእፍላካ፡ የዕቆብ፡ ረደለሁ፡፡
 ወተወክሎቱ፡ ሳዕለ፡ እግዚአብሔር፡ አፍላካ፡፡
 ዘገብረ፡ ስጠይ፡ ወወደገ፡፡
 ወባሕረ፡ ወኩሉ፡ ዘወስቱቱ፡፡
 5 ዘየህቅባ፡ ለጸደቅ፡ ለህለፍ፡፡
 ወይኔትሕ፡ ሉሙ፡ ለግፋህኛ፡፡
 ዘይሁቦሙ፡ ኢሰዮሙ፡ ለርኔባኛ፡፡
 6 እግዚአብሔር፡ ደኔትሐሙ፡ ለሙቂሕኛ፡፡
 እግዚአብሔር፡ ዮያሥእሙ፡ ለእለ፡ ወደቁ፡፡

τὸ γνωσθῆναι τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνθρώπων τὴν δυνάμειά σου
 καὶ τὴν δόξαν, τῆς μεγαλοπρεπειᾶς τῆς βασιλείας σου.
 Ἡ βασιλεία σου, βασιλεία πάντων τῶν αἰώνων.
 καὶ ἡ δεσποτεία σου ἐν πάσῃ γενεᾷ καὶ γενεᾷ.
 Πίστες κύριος ἐν πάσῃ τῆς λογισ αὐτῶ.
 καὶ ὅσοις ἐν πάσῃ τῆς ἐργασίας αὐτῶ.
 Ὑψωσθεὶς κύριος πάντας τοὺς καταπιπτόντας.
 καὶ ἀνορθοῖ πάντας τοὺς κατεστραμένους.
 οἱ ὀφθαλμοὶ πάντων εἰς σὲ ἐλπίζουσι.
 καὶ ὃν λίλιωσ τὴν τροφήν αὐτῶ ἐν ἐνκαί.
 Ἄνοιξον σου τὴν χεῖρά σου καὶ ἐμπλάσῃς πᾶν ζῶον ἐν λοκίᾳ σου.
 Δίκαιος κύριος ἐν πάσῃ τῆς ἐργασίας αὐτῶ.
 καὶ ὅσοις ἐν πάσῃ τῆς ἐργασίας αὐτῶ.
 Ἐγγὺς κύριος πᾶσι τῆς ἐπικλησμένοις αὐτῶ.
 πᾶσι τῆς ἐπικλησμένοις αὐτῶ ἐν ἀληθείᾳ.
 θελήματ' ὀφείδων αὐτῶ ποιῆσθαι.
 καὶ τῆς δεξιῆς αὐτῶ εἰσακίσειται καὶ σωθήσονται αὐτούς.
 φυλάσσει κύριος πάντας τοὺς ἀγαπῶντας αὐτῶ.
 καὶ πάντας τοὺς ἀμαρτωλοὺς ἐξολοθρεύσει.
 ἄνεσιμ κύριος λαλήσει τὸ ῥῆμα σου.
 καὶ ἐν λογιῶν πᾶσα σὰρξ τὸ ὄνομα τὸ ἄγιον αὐτῶ.
 εἰς τὸ αἰῶνα καὶ εἰς τὸ αἰῶνα ἰς αἰῶνος.
Ἄλληλῆῖα. Ἀγγαίς καὶ Ζαχαίῖς.
 Ἰνεὶ ἡ ψυχὴ μου καὶ κύριον,
 ἀνέσω κύριον ἐν τῇ ζωῇ μου.
 Ἰαλῶ τῶν θεῶν μου, ὥσπερ ὑπέροχος.
 Μὴ πεποιθήσατε ἐν ἀρχαῖς.
 ἐπὶ υἱοὺς ἀνθρώπων οἱς οὐκ ἐστὶ σωτηρία. (ῥῶν.)
 Ἐξελεύσεται τὸ πνεῦμα αὐτῶ καὶ ἐπιστρέψετε ἡμῖν ἡμῶν
 ἐν ἐκείνῃ ἡμέρᾳ ἀπολοῦνται πάντες οἱ διὰ λογισμοὺ
 μακαρίους ὃν ὁ θεὸς ἰακώβ θεοῦ αὐτῶ.
 ἠελώεις αὐτῶ ἐπὶ κύριον καὶ θεῶν αὐτῶ.
 τῶν ποιησάντων καὶ οὐρανὸν καὶ γῆν καὶ ἡμῶν.
 καὶ θαλάσσαν καὶ πάντα ἅλα ἐν ἡμῶν.
 τῶν φυλάσσοντων ἀληθείαν ἐν ἡμῶν αἰῶνα.
 ποιῶντων κρίμα τῆς ἀδικησάντων,
 ἀλλοτρίων τροφῆν τῆς πεινῶσι.
 κύριος λυεὶ τὸν πεδωκέντων.
 κύριος σφοδρὸν τρυφῶσ.

ε μ ε

לְהוֹדִיעַ לְבָנֵי הָאָדָם זְכוּרָתְךָ
 זְכוּרָתְךָ מִלְּכֹחַתּוֹ
 מִלְּכֹחַתְךָ מִלְּכֹחַת כָּל־עַלְמִים
 וְדַמְּשֶׁלְּחֶךָ בְּכָל־דֹּר וְדֹר

סוּמְךָ יְיָ לְכָל־הַנְּפִלִים
 וְזוֹקֵךְ לְכָל־הַכְּפוּפִים
 עֵינֵי כָל־אֱלֹהֵי יִשְׂרָאֵל
 וְאַתָּה נוֹתֵן לָהֶם אֶת־אֲכֹלֵם בְּעֵתוֹ
 בּוֹתְחֵת אֶת־יָדְךָ וּמַשְׁבִּיעַ לְכָל־חַי רֶצֶן
 צְדִיק יְיָ בְּכָל־דְּרָכָיו
 וְיָחִסֵּד בְּכָל־מַעֲשָׂיו
 קְרוֹב יְיָ לְכָל־קְרָאֵיו
 לְכָל־אֲשֶׁר יִקְרָאֵהוּ בְּאֵמֶת
 רֶצֶן יִרְאֵהוּ יַעֲשֶׂה
 וְאֶת־שׁוֹעֲתֵם יִשְׁמַע וְיִשְׁעֵם
 וְשׁוֹמֵר יְיָ אֶת־כָּל־אֲהַבָּיו
 וְאֶת־כָּל־הַרְשָׁעִים יִשְׁמַד
 וְהַחֲלֵת יְיָ יִדְבַר פִּי
 וְיִבְרַךְ כָּל־בְּשָׂר שֶׁם־קִדְשׁוֹ
 לְעוֹלָם וָעֶד

קמ

הַלְלוּ־יְיָ
 לְלִי נַפְשִׁי אֶת־יְיָ
 אֱהִי לֵה יְיָ בְּחַיִּי
 אֲמַרְהָ לְאֵלֵי דִי בְעוֹתִי
 אֶל־תִּבְטְחוּ בַּנְּדִיבִים
 בְּכֹחַ אָדָם שְׂאִין לֹא תִשׁוּעָה
 תִצַּא רֹחוֹ יִשָּׁב לְאֲדָמָתוֹ
 צִיּוֹן הִיא אֲבֹדוֹ עֲשֵׂתְנָתוֹ
 אֲשֶׁר יִשְׂאֵל יַעֲקֹב בְּעוֹרֹ
 שִׁבְרוּ עַל־יְיָ אֱלֹהֵינוּ
 עֲשֵׂה שְׂמִים וְאַרְץ
 אֶת־הַיָּם וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־בָּם
 וְהַשׁוֹמֵר אֵמֶת לְעוֹלָם
 עֲשֵׂה מִשְׁפָּט לְעַשְׂוֹקִים
 בּוֹתֵן לֶחֶם לְרַעֲבִים
 וְדוֹרְמֵת יִרְאֵם
 וְהוֹרֵי פִקְחֵי עֵוְרִים

ε η

Dominus erigit elisos:
dominus diligit iustos.
Dominus custodit aducnas
pupillum & uiduam suscipiet:
& uias peccatorum disperdet.
Regnabit dominus in seculum:
deus tuus sion: in generatione & generatione.

Alleluia Aggae & Zacharie. CXLVI.

Audate dñm quoniam bonus est psalmus:
deo nostro sit iocunda decoraque laudatio.

Aedificans hierusalem dominus:
dispersiones israel congregabit.
Qui sanat contritos corde:
& alligat contritiones eorum.
Qui numerat multitudinem stellarum:
& omnibus eis nomina uocans.
Magnus dominus noster & magna uirtus eius:
& sapientie eius non est numerus.
Suscipiens mansuetos dominus:
humilians autem peccatores usque ad terram.
Precinuite domino in confessione:
psallite deo nostro in cythara.
Qui operit celum nubibus:
& parat terre pluuiam.
Qui producit in montibus fenum:
& herbam seruituti hominum.
Qui dat iumentis escam ipsorum:
& pullis coruorum inuocantibus eum.
Non in fortudine equi uoluntatem habebit:
nec in tybijs uiri beneplacitum erit ei.
Beneplacitum est domino super timentes eum:
& in eis qui sperant super misericordia eius.

Alleluia Aggae & Zacharie. CXLVII.

Auda hierusalem dominum:
lauda deum tuum sion.

Quoniam confortauit seras portarum tuarum:
benedixit filiis tuis in te.
Qui posuit fines tuos pacem:
& adipe frumenti satiat te.

7 እግዚአብሔር: የጠብቦ ስሙ: ለህወረዳ።

እግዚአብሔር: የፈቅሮ ስሙ: ለጸድቃ።

8 እግዚአብሔር: የገባ ስሙ: ለፈላጊዎች።

ወይትወከ ስሙ: ለእቤራት: ወለእገላ: ሰው።

ወያሌክኛ: ፍፍተ: ኃጥአኛ።

9 ደናገሥ: እግዚአብሔር: ለህላዎ።

አጭላክኪ: ጸድቃ: ለተወልደ: ተወልዶ።

ሃሌሉዎ።

1 የህገ ስብሐት: ለእግዚአብሔር: እስመ: ሠናደ

ወለአጭላክኛ: ስዋዝ: ስብሐት። ለሰዘሎር።

2 የሰንጠረዥ: እግዚአብሔር: ለአዋረሳሌ።

ወያስተጋብእ: ዝርወቶ: ለእስራኤል።

3 ዘይኔ ወሰሙ: ለቀሱላኛ: ልብ።

ወይጸዎ: ሞስሎ።

4 ዘይኔ ልቆ: ለስዋዝ: ስብሐት።

ወይጸ ወሰሙ: ለኩሎ: ስብሐት።

5 ህቢይ: እግዚአብሔር: ወህቢይ: ኅይሉ።

ወአወሰ: ኅልቆ: ጥበቢህ።

6 ያናሥአሙ: እግዚአብሔር: ለየሁዎ።

ወያኅሮሙ: ለኃጥአኛ: እስከ: ወደር።

7 ስብሐት: ለእግዚአብሔር: በአዲኛ።

ወዘሎረ: ለአጭላክኛ: በሰዘኛ።

8 ዘይገላብሶ: ለሰዘኛ: በደና።

ወያስተይሉ: ክረዎተ: ለወደር።

9 ወያበቀላ: ህህረ: ወሰተ: አደባር።

ወሰመልላላ: ለቆኔ: እገላ: እመሰዎ።

10 ዘይሁሶ: ሲሰዎ: ለእኛስላ።

ወለእጥላ: ቆህት: እላ: ደጃወህዎ።

11 እይኔቆዶ: ኅይሉ: ፈረክ።

ወእይሠዎር: በአቀዳጽ: ስለኔ።

12 ደሠዎር: እግዚአብሔር: በእላ: ደረረህዎ።

ወኩሎ: እላ: ደትግሎ: ስብሐት።

ሃሌሉዎ።

1 የህገ ጥቅም: እዋረሳሌ። ለእግዚአብሔር።

ስብሐት: ለአጭላክኛ: ጸድቃ።

2 እስመ: አጸኛ። ሰናከት: ኅኅት።

ወባረኮሙ: ለወልደክ: በወስቴት።

3 ወረከዎ: ስላሙ: ለበሐውርት።

ወአጸገበክ: ቆቆሐ: ስርኛ።

Qui emittit eloquium suum terræ:
uelociter currit sermo eius.

Qui dat niuem sicut lanam:
nebulam sicut cinerem spargit.

Mittit crystallum suam sicut buccellas:
ante faciem frigoris eius quis sustinebit.

Emitte uerbum suum & loquetur eis:
stabit spiritus eius & fluent aquæ.

Qui annunciat uerbum suum iacob:
iustitias & iudicia sua israel.

Non fecit taliter omni nationi:
& iudicia sua non manifestauit eis.

Alludia Aggæi & Zacharię. CXLVIII.

1 Audate dominum de caelis:
laudate eum in excelsis.

Laudate eum omnes angeli eius:

laudate eum omnes uirtutes eius.

Laudate eum sol & luna:

laudate eum omnes stellæ & lumen.

Laudate eum caeli caelorum:

& aquæ omnes que super caelos sunt:

laudent nomen domini.

Quia ipse dixit & facta sunt:

ipse mandauit & creata sunt.

Stauit ea in sæculum & in sæculum sæculi:

præceptum posuit & non præteribit.

Laudate dominum de terra:

dracones & omnes abyssi.

Ignis grando nix glaciés spiritus procellarum:

quæ faciunt uerbum eius.

Montes & omnes colles:

ligna fructifera & omnes cędri.

Bestiæ & uniuersa pecora:

serpentes & uolucres pennatæ.

Reges terræ & omnes populi:

principes & omnes iudices terræ.

Iuuenes & uirgines:

senes cum iunioribus:

laudent nomen domini.

4 H E L E S : F A : A P P E : :

Q F M S : E L O P : S N R : :

5 H E U . N : N L R : H S : O P C : :

O E H C O : A L R : H S : H S P : :

6 O P O C P : N L R : H S : F T T : :

O S S : E T P O P : A P C : :

7 E L E S : F A : O E S H P : :

E S F H : S Z L R : O E O H : A P T : :

8 H S L C : F A : A P O P N : :

F T H : O H S S U : A L H C S A : :

9 O A L N L : H S U : A P O P : A H H N : :

O A S L C S : F T H : :

V L A P : H H S : O H H C P H : :

1 P U T H . N . H P : A L G H A . N . H C : A P P P T : :

E S . N . H P : N A C P P : :

2 E S . N . H P : H A S : S O A L H T U : :

E S . N . H P : H A : S L A : :

3 E S . N . H P : O H S : O O C S : :

E S . N . H P : H A : H P H N T : O N C Y Z : :

4 E S . N . H P : H A P T : H A P T : :

O A E S : H S O A O A T : H A P T : :

E S . N . H : A H S : A G H A . N . H C : :

5 A H S : O A T : E N : O H S : :

O O A T : A H H : O T A P C : :

6 O A P P S : A U A P : O A U A S : U A P : :

T A H H : O U R S : O A S A C : :

7 H . N . H P : A L G H A . N . H C : A P P C : :

A H E H T S : O H A : F A P T

8 A H T : O N L R : A H H T P : O H S S E : S Z L R : U O

H E L N C : S N R : :

M S : :

9 A P O C S : O H A : A O G C : :

O O P S : H E S L : O H A : A C H : :

10 A C P T S : O H A : A S H A : :

H E T H O H S : A O P P : H E W C C : :

11 S L M T : O P C S : O H A : A H H N : :

S O A L H T S : O H A : S O A S T T : O P C S : :

12 O C H T S : O P S G A : :

A P S T S : O S H H T : :

E S . N . H : A H S : A G H A . N . H C : :

quia exaltatum est nomen eius solius
Confessio eius super caelum & terram:
& exaltauit cornu populi sui.
Hymnus omnibus sanctis eius:
filijs Israel populo appropinquanti sibi.

Alleluia CXLIX.

Ante domino canticum nouum:
laus eius ecclesia sanctorum.

Letetur Israel in eo qui fecit eum:
& filie sion exultent in rege suo.
Laudent nomen eius in choro:
in tympano & psalterio psallant ei.
Quia beneplacitum est domino in populo suo:
& exaltauit manus in salutem.
Exultabunt sancti in gloria:
letabuntur in cubilibus suis.
Exultationes dei in gutture eorum:
& gladij accipites in manibus eorum.
Ad faciendam uindictam in nationibus:
inreparationes in populis.
Ad alligandos reges eorum in compedibus:
& nobiles eorum in manicis ferreis.
Ut faciant in eis iudicium conscriptum:
gloria haec est omnibus sanctis eius.

Alleluia. CL.

Audate dominum in sanctis eius:
laudate eum in firmitate uirtutis eius.

Laudate eum in uirtutibus eius:
laudate eum secundum multitudinem magnitudinis
Laudate eum in sono tubae: (eius.
laudate eum in psalterio & cythara.
Laudate eum in tympano & choro:
laudate eum in chordis & organo.
Laudate eum in cymbalis benesonantibus:
laudate eum in cymbalis iubilationis:
omnis spiritus laudet dominum.

Finis.

እኩሙ: ተለግሎ: ስሙ: ለባሕቲቱ::

13 ደገደደ: ሎቱ: በክብሩ: ወበወደር::

ወያሌዕል: ቅርጽ: ሕዝቡ::

14 ወስብሐት: ኩሎ: ጸድቃኑ::

ለደቂቅ: እስራኤል: ሕዝብ: ዘቆረብ: ሎቱ::

ሃሌሎዎ::

1 የህዛዝ ስብሐት: ለእግዚአብሔር: ስብሐት: ሐዲ
ስብሐቲሁ: በመሳባሪ: ጸድቃኑ:: ሠላ::

2 ደቲፊ: ህዝብ: እስራኤል: በኢጣሪሁ::
ወደቂቅ: ጸድቃኑ: ደቲሐወደ: በጌጌሃሙ::

3 ወደጌብሐት: ለስሙ: በጌጌሃሙ ሕት::
በከበር: ወበመዘሙር: ደዜወረ: ሎቱ::

4 እኩሙ: ሠወረ: እግዚአብሔር: በሕዝቡ::
ወያሌዕሎሙ: ለየሃሁኑ: በእደሳደቱ::

5 ደቲግዝህ: ጸድቃኑ: በክብሩ::
ወደቲሐወደ: በደብ: ወስካህህሁሙ::

6 ወያሌዕልወ: ለእግዚአብሔር: በጌረዒቶሙ::
ስደቶ: ዘክልኤ: እራሁ: ወስተ: እደዋሁ::

7 ከሙ: ደግበር: በቀለ: ወስተ: ለሕዝብ::
ወከሙ: ደዘለፎሙ: ለእሕዝብ::

8 ከሙ: ደህእሮሙ: ለጌጌሃሙ: በመዋቅሕት::
ወለክሮረጊህሙ: በእደ: ስናስለ: ጎደጎ::

9 ከሙ: ደግበር: ኩረጽ: ዘጸሐቶ: ለህሌህሙ::
ክብር: ደእቲ: ዘቲ: ለኩሎ: ጸድቃኑ::

ሃሌሎዎ::

1 የሃ ስብሐት: ለእግዚአብሔር: በቅደስኑ:
ስብሐት: በጸገሁ: ጎደጎ::

2 ስብሐት: በክሃሎቱ::

ስብሐት: በከሙ: በክጎ: ህበዩ::

3 ስብሐት: በቀለ: ቅርጽ::

ስብሐት: በመዘሙር: ወበመሠገጥ::

2 ስብሐት: በከበር: ወበጌጌሃሙ ሕት::

ስብሐት: በእወቲር: ወበእጌዘራ::

5 ስብሐት: በጸገሁ: ዘሠገደ: ቆሎ::

ስብሐት: በጸገሁ: ወበደባህ::

ኩሎ: ጎደጎ: ደጌብሐት: ለእግዚአብሔር

ተኔጸሙ: ደዋቲ::

ጊዕዱ

ὅτι ὑψώθη τὸ ὄνομα αὐτῶν μόνου,
ἢ ἐξομολογήσῃς αὐτῶ ἐπὶ γῆς καὶ ὕδατος.
καὶ ὑψώσῃ κέρας λαοῦ αὐτῶ.
ἕμνος πᾶσι τοῖς ὀσίοις αὐτῶ.
τοῖς υἱοῖς Ἰσραὴλ, λαῶ ἐγγιζόντι αὐτῶ.

Ἀλληλεΐα.

Σατε τῶ κυρίῳ ᾠμα καινόν.
ἢ ἀινεοῖς αὐτῶ ἐκ κλησίου ὀσίου.
Ἐν φρεσίν αὐτῶ Ἰσραὴλ ἐπὶ τῶ ποιήσαντι αὐτόν.
καὶ νύκτι οἶον ἀγαλλιάσθωσαν ἐπὶ τῶ βασιλῆῳ αὐτῶν.
ἀινεσάτωσαν τὸ ὄνομα αὐτῶ ἐν χορῶν.
ἐν τυμπάνῳ καὶ ψαλτηρίῳ ψαλτάτωσαν αὐτῶ.
Ὅτι ἐν Λοκῇ κύριος ἐμ ἡμῶν λαῶ αὐτῶ.
καὶ ὑψώσῃ περὶ ἐμ σωτηρίᾳ.
Καυχίονται ὀσίοι ἐμ Λοξῆ.
καὶ ἀγαλλιάσονται ἐπὶ τῶν κοιτῶν αὐτῶν.
Αἰνέσῃς τῶ θεῶ ἐμ τῶ λαῶν γιγνῶντων αὐτῶν.
καὶ εὐφραΐα λίσομαι ἐν ταῖς χερσὶν αὐτῶν.
τῶ ποιῆσαι ἐκλίσειν ἐμ τοῖς ἐθνεσιν.
ἐλεγμὸν ἐμ τοῖς λαοῖς.
τῶ ἀἰσχιῶν βασιλῆῶν αὐτῶν ἐμ πέλας.
καὶ τοῖς ἐν Λοξῆ αὐτῶν ἐμ χερσὶν πέλας οἱ ἀληθεῖς.
τῶ ποιῆσαι ἐμ αὐτοῖς κρίμα ἐγγυραπτοῦ.
Λοξῆ αὐτῆ ἐσὶ πᾶσι τοῖς ὀσίοις αὐτῶ.

Ἀλληλεΐα

Ἰνῆτε ἡμῶν ἐμ τοῖς ἁγίοις αὐτῶ.
ἀινῆτε αὐτῶ ἐμ στερεώματι δυναμείας αὐτῶ.
Ἀινῆτε αὐτῶ ἐπὶ ταῖς δυναστείαις αὐτῶ.
οἰνῆτε αὐτῶ κατὰ τὸ πλῆθος τῆς μεγαλωσύνης αὐτῶ.
Ἀινῆτε αὐτῶ ἐμ ἠχώ σάλπιγγος.
Ἀινῆτε αὐτῶ ἐμ ψαλτηρίῳ καὶ κιθάρᾳ.
Ἀινῆτε αὐτῶ ἐν τυμπάνῳ καὶ χορῶν.
ἀινῆτε αὐτῶ ἐν χορδαῖς καὶ ὄργάνῳ.
Ἀινῆτε αὐτῶ ἐμ κυμβάλοις ἐν ἠχοῖς.
οἰνῆτε αὐτῶ ἐμ κυμβάλοις ἀλαλαγμῶ.
πᾶσα πνευ ἀινεσάτω ἡμῶν κύριον.

ΤΕΛΟΣ.

כִּי נִשְׁבַּח שְׁמוֹ לְבָרֵךְ
הַדּוֹעַל אֶרֶץ וְשָׁמַיִם
וְיָרֵם קוֹרְן לְעַמּוֹ
תְּהִלָּה לְכָל חַסִּידוֹ
לְבָנֵי יִשְׂרָאֵל עִם קִרְבּוֹ הַלְלוּ יְיָ
הַלְלוּ יְיָ

שיר ליהוד שיר חדש
תהלתו בקהל חסידים

יִשְׂמַח יִשְׂרָאֵל בְּעֵשֶׂיךָ
בְּבִנְיָמִן יִגְדֹלוּ בְּמִלְחָמָם
יִהְיֶה לָּם שְׁמוֹ בְּמַחֲוֹל
בְּתִרְחֻמָּה וּבְנִרְחֻמָּה לֹא
כִּי רִוְצָה יִשְׁבַּח בְּעַמּוֹ
וַיִּפְאֵר עַנּוּיִם בִּישׁוּעָה
וַיַּעֲלוּ חַסִּידִים בְּכָבוֹד
וַיִּרְנְנוּ עַל מַשְׁכָּבוֹתָם
לְוַמְסוֹת אֶל בְּקָרוֹנָם
וַיַּחֲרִב פִּיפּוֹת בְּיָדָם
לְעֵשׂוֹת נִקְמָה בְּגוֹיִם
הַיּוֹכְחוֹת בְּלִאֲמִים
לְאַסֵּר מִלְכֵיהֶם בְּזִיקִים
וּנְכַבְּדוּהֶם בְּכָבֹד בְּרוֹז
לְעֵשׂוֹת בְּרוֹסוֹ שֶׁפֶט פְּתוּב
הַרְרָה הוּא לְכָל חַסִּידוֹ הַלְלוּ יְיָ
הַלְלוּ יְיָ

קב

הַלְלוּ וְהוּא בְּקוֹרְתוֹ
הַלְלוּ וְהוּא כְּרֹב גְּדֹלוֹ
הַלְלוּ וְהוּא בְּתַקְעַ שׁוֹפָר
הַלְלוּ וְהוּא בְּנִבְל וּבְנֹר
הַלְלוּ וְהוּא בְּתִרְחֻמָּה
הַלְלוּ וְהוּא כְּמַנִּים וְעֹגֵב
הַלְלוּ וְהוּא בְּצִלְצִי שֶׁמַּע
הַלְלוּ וְהוּא בְּצִלְצִי תְרוּעָה
כָּל הַנְּשַׁמָּה תְּהִלָּה לְיְיָ הַלְלוּ יְיָ

חוק ונתחוק

Io. Potken Præpositus Ecclesiæ Sancti Georgii Coloniensis
Peregrinarum literarum studiosus. S.

Udum Romæ in animo reuoluens cognitionem peregrinarum & externarum literarum fore profita
dei catholice propagatione, & obedientie Sedis Apostolice (cuius ab ea tempestate qua adulescens esse
uix desij, fui alūnus) dilatatione, per necessaria cupiēsq; (ob causam inter mortales uni mihi notā) nō
solum redire Diui Leonis papæ tempora, de quibus in quodam sermone meministi: Quāuis (inquens) multis
o Roma aucta uictorijs, sus imperij tui, terra mariq; prætulit: minus tamen est, quod tibi bellicus labor subdit
dit, q̄ quod pax Christiana subiacet. sed & impleri quod Dauid Rex tuba prophetica de CHRISTO cecinit
Venient ad te qui detrahebant tibi, & adorabūt uestigia pedum tuorū. Statui iam senex linguas externas alia
quas disceret: & per artē impressoriam, quam adulescens didici, edere: ut modico ære libri in diuersis linguis, for
mis enæis excusi emi possint. Cuncq; maximam Indiæ maioris, quæ & Aethiopia sub Aegypto est, regis (quē
vulgo Presbyterum Iohannem appellam⁹) a puero audissem esse potentiam: eumq; & populos sibi parentes,
CHRISTVM humani generis redemptorē colere: & nō ignorās q̄ alij septuaginta Reges Christiani ipsius Ind
iæ maioris primario regi, cui ad præsens Dauid nomē est, & Noad hoc est Noe patrē, ac Schendri idest Alexan
driū autē, eū in regno præcedentes habuit, uasalli, omnes in tot regnorum ecclesijs, Monasterijs, & alijs pijs locis
Chaldæa in eorum sacris uterentur lingua: magno desiderio dictorum regnorum diuersorum ordinū Monas
chos, & fratres mendicantes, qui tum Romæ peregrinationis causa erant, adh; assiduoq; labore non sine temporis
factura quom idoneū interpretem reperirē minime, linguā ipsam Chaldæam ab eis ad tantam sufficientiam
didici, ut mihi psuaderē me posse Psalteriū Dauid arte impressoria edere, ut & quinquēnio uix exacto Romæ
edidi, Sed cū homo Germanus in patriā post multa lustra reuersus: patrię me fatear debitorē: Psalteriū ipsum,
non modo in hac Chaldæa, per me in Europam importari coepit: sed & Hebræa & Græca, ac Latina, linguis,
imprimi curauit, uos interim admonens q̄ in uersiculorū diuisione Chaldæorū morem sum imitatus: anōdo
enī per ciphras quotusquisq; cuiuslibet Psalmi more latino sit uers⁹, q̄q; prima primæ & ultima ultimæ lineę
lineis: & sic de alijs lineis medijs in quatuor linguis Psalterij ipsius foliū quodlibet uoluēdo in sentētia quantū
ingenio nō fieri potuit correspondēt: retegēs etiam q̄ Græca, Latina, & Chaldæa, tralatiōes: ex Septuaginta in
terpretib⁹, nō ex Hebraica ueritate, descenderunt. Adiutorē in his habui Iohannē Soter aß Heyl affinem meū
charissimū harum Quatuor linguarū studiosum: cuius etiam auxilio me curaturū spero: ut literę Arabicę qui
bus & non alia q̄ Arabica lingua Turcæ & alij Mahumetana secta decepti iam fere per Noningentos in eorum
templis seu Mesquitis usi sunt annos, in vulgus edantur: si ingenuos adulescētes & iuuenes, externarū lingua
rum cupidos & studiosos comperero. Bene ualete.

ABSOLVTVM COLONIAE AGRIPPIN
NAE ANNO DOMINI.
MDXVIII.
III. IDVS
IUN.

INTRODUCTIV
IN TRES LI
EXTERN
HEBRAEA
GRAECA
CHALDAE

LANDES-
UND STADT-
BIBLIOTHEK
DUISBURG



INTRODVCTIVNCVLAE
IN TRES LINGVAS
EXTERNAS.
HEBRAEAM
GRAECAM
CHALDAEAM.



| | | | |
|--------------------------|------------|---------------------------------------|-------------|
| caeli | pleni sunt | exercituū | deus |
| Camajm | maleu | zeuaoth | elohe |
| שמים | מלאו | צבאות | אלוהי |
| excellis | adiuues | gloria tua | & terra |
| bammarmom | hofahana | cheuodach | uaarez |
| במרומ | הושענא | כבודך | וארץ |
| deus meus | deus meus | deus | laudate deū |
| eli | eli | el | halleluia |
| עלי | עלי | על | הללויה |
| Enoch | Adam | dereliqui me | quare |
| | | hazautani | lama |
| חנוך | אדם | עזבתני | למה |
| Bethem | Ierusalem | rex me ⁹ iust ⁹ | Vnctus |
| | | malchizedech | Mesiah |
| בתלחם | ירושלם | מלכיצדק | משיח |
| Iahacob | Iizac | Abraham | Helia |
| יעקוב | יצחק | אברהם | אליה |
| Magister me ⁹ | Magister | Mariam | Mose |
| רבי | רב | מרים | משה |
| Zecharia | Jonathan | Dauid | Saul |
| זכריה | יונתן | דוד | שאול |
| | | Hezra | Daniel |
| | | עזרא | דניאל |

TITVLVS Hebraice Grace Latine
& Chaldaice in Cruce Domini.

iehudim melech nozri Iesuah
ישוע נוצרי מלך יהודים

Ἰησοῦς ὁ ναζωραῖος ὁ βασιλεὺς τῶν Ἰουδαίων.

Iesus Nazarenus Rex Iudæorum.

ܝܫܘܥ ܢܘܨܪܝ ܡܠܟܐ ܝܗܘܕܝܡ

FINIS.

Hirik cum consonantibus.

mi li ci ii ci hi zi ui hi di gi bi i
א ב ג ד ה ו ז ח ט י כ ל מ
ci ssi ri ki zi pf hi si ni
נ ס ע פ צ ק ר ש ת

Holem cum consonantibus.

lo co io to ho zo uo ho do go bo o
א ב ג ד ה ו ז ח ט י כ ל מ
to scho ro ko zo po ho so no mo
נ ס ע פ צ ק ר ש ת

Surek cum consonantibus.

mu lu cu iu tu hu zu uu hu du gu bu u
א ב ג ד ה ו ז ח ט י כ ל מ
tu ssu ru chu zu pu hu su nu
נ ס ע פ צ ק ר ש ת

Kibuz cum consonantibus.

mu lu chu iu tu hu zu uu hu du gu bu u
א ב ג ד ה ו ז ח ט י כ ל מ
tu ssu ru chu zu pu hu su nu
נ ס ע פ צ ק ר ש ת

Hatephcanez cum consonantibus.

mo lo co io to ho zo uo ho do go bo o
א ב ג ד ה ו ז ח ט י כ ל מ
to sso ro cho zo po ho so no
נ ס ע פ צ ק ר ש ת

Hatephpathah cum consonantibus.

na ma la cha ia ta ha za ua ha da ga ba a
א ב ג ד ה ו ז ח ט י כ ל מ
ra ssa ra cha za pa ha sa
נ ס ע פ צ ק ר ש ת

Hatephsegol cum consonantibus.

me le che ie te he ze ue he de ge be e
א ב ג ד ה ו ז ח ט י כ ל מ
re sse re che ze pe he se ne
נ ס ע פ צ ק ר ש ת

| | | | |
|---------|---------|---------|---------|
| dominus | sanctus | sanctus | Sanctus |
| adonai | cados | cados | cados |
| אדוני | קדוש | קדוש | קדוש |

Handwritten marginal notes on the right page, including: "Hirik cum consonantibus", "Holem cum consonantibus", "Surek cum consonantibus", "Kibuz cum consonantibus", "Hatephcanez cum consonantibus", "Hatephpathah cum consonantibus", "Hatephsegol cum consonantibus", and "CONSONANTIBUS".

Characteres uocalium, quę punctis ac lineis notantur, sunt duodecim: ut $\bar{\text{c}}$ camez, $\bar{\text{p}}$ pathah $\bar{\text{z}}$ zere. $\bar{\text{f}}$ segol. $\bar{\text{s}}$ sceua. $\bar{\text{h}}$ hirik. $\bar{\text{h}}$ holem. $\bar{\text{f}}$ surek, quod & melopum. $\bar{\text{k}}$ kibutz. $\bar{\text{h}}$ hatephcamez. $\bar{\text{h}}$ hatephpathah. $\bar{\text{h}}$ hatephsegol.

Quorū $\bar{\text{c}}$ camez, & $\bar{\text{p}}$ pathah faciūt a. $\bar{\text{z}}$ zere $\bar{\text{f}}$ segol, & $\bar{\text{s}}$ faciunt e. $\bar{\text{h}}$ hirik facit i. $\bar{\text{h}}$ holem facit o. $\bar{\text{f}}$ schurek, & $\bar{\text{k}}$ kibuz faciunt u.

Ex uocalibus fiunt diphthongi tres, $\bar{\text{h}}$ hatephcamez. $\bar{\text{h}}$ hatephpathah. $\bar{\text{h}}$ hatephsegol. Quorum $\bar{\text{h}}$ facit o. $\bar{\text{h}}$ facit a. $\bar{\text{h}}$ facit e.

COMBINATIONES VOCALIVM CVM CONSONANTIBVS.

$\bar{\text{c}}$ Camez cum consonantibus.

la ca ia ta ha za ua ha da ga ba a
 לַ כַּ אַ יַ תַּ הַ זַ וַ אַ הַ דַ גַּ בַּ אַ
 ta scha ra ca za pa ha sa na ma
 תַ שְׁכַרַ כַּ זַ פַּ אַ עַ סַ מַ אַ

$\bar{\text{p}}$ Pathah cum consonantibus.

la ca ia ta ha za ua ha da ga ba a
 לַ כַּ אַ יַ תַּ הַ זַ וַ אַ הַ דַ גַּ בַּ אַ
 ta scha ra ca za pa ha sa na ma
 תַ שְׁכַרַ כַּ זַ פַּ אַ עַ סַ מַ אַ

$\bar{\text{z}}$ Zere cum consonantibus.

le ce ie te he ze ue he de ge be e
 לֵ כֵ יֵ תֵ הֵ זֵ וֵ אֵ הֵ דֵ גֵ בֵ אֵ
 te sche re the ze pe he se ne me
 תֵ שְׁכֵרֵ כֵ זֵ פֵ אֵ עֵ סֵ מֵ אֵ

$\bar{\text{f}}$ Segol cum consonantibus.

le ce ie te he ze ue he de ge be e
 לֵ כֵ יֵ תֵ הֵ זֵ וֵ אֵ הֵ דֵ גֵ בֵ אֵ
 te sche re che ze pe he se ne me
 תֵ שְׁכֵרֵ כֵ זֵ פֵ אֵ עֵ סֵ מֵ אֵ

$\bar{\text{s}}$ Seua cum consonantibus.

le ce ie te he ze ue he de ge be e
 לֵ כֵ יֵ תֵ הֵ זֵ וֵ אֵ הֵ דֵ גֵ בֵ אֵ
 te sche re che ze pe he se ne me
 תֵ שְׁכֵרֵ כֵ זֵ פֵ אֵ עֵ סֵ מֵ אֵ

I HEBRAEAS LITERAS INTRODVCTIVNCVLA. ALPHABETVM HEBRAEVVM.

| | | | | | | | | |
|------|------|--------|------|-----|--------|-------|------|-------|
| teth | he | zain | uau | he | daleth | gimel | beth | aleph |
| ט | ח | ז | ו | ה | ד | ג | ב | א |
| pe | hain | famech | nun | mem | lamed | caph | iod | |
| פ | א | ס | נ | מ | ל | כ | י | |
| | rau | scin | rees | cof | zadi | | | |
| | ר | ש | ר | ק | צ | | | |

Præter has duas & uiginti literas, sunt alię quinque, quę non ponuntur, nisi in fine dictionis, ut

| | | | | |
|------|-----|-----|-----|------|
| zadi | phe | nun | mem | caph |
| צ | פ | נ | מ | כ |
| ז | ך | ן | ם | ך |

Ex superscriptis literis, quatuor pronunciantur palato, ut $\bar{\text{g}}$ gimel. $\bar{\text{i}}$ iod. $\bar{\text{c}}$ caph. $\bar{\text{p}}$ cof.

Quinque pronunciantur lingua, & dentibus, ut $\bar{\text{d}}$ daleth. $\bar{\text{t}}$ teth. $\bar{\text{l}}$ lamed. $\bar{\text{n}}$ nun. $\bar{\text{r}}$ rau.

Quatuor pronūciātur gutture, ut $\bar{\text{a}}$ aleph. $\bar{\text{h}}$ he. $\bar{\text{h}}$ heth. $\bar{\text{y}}$ hain.

Quinque pronunciantē dentibus tantū, ut $\bar{\text{z}}$ zain. $\bar{\text{s}}$ famech. $\bar{\text{r}}$ rees. $\bar{\text{s}}$ schin. $\bar{\text{z}}$ zadi.

Quatuor proferuntur labris, ut $\bar{\text{b}}$ beth. $\bar{\text{u}}$ uau. $\bar{\text{m}}$ mem. $\bar{\text{p}}$ pe.

Itē sunt sex literę, quę si habuerint supra se uirgulam hanc $\bar{\text{~}}$ quę raphe dicitur, remittunt sonum, ac diminuunt, ut $\bar{\text{b}}$ beth. $\bar{\text{g}}$ gimel. $\bar{\text{d}}$ daleth. $\bar{\text{c}}$ caph. $\bar{\text{p}}$ phe. $\bar{\text{r}}$ rau. quę continentur in his duabus dictionibus $\bar{\text{b}}\bar{\text{g}}$ begad $\bar{\text{c}}\bar{\text{p}}$ cephath. Præterea fere omnes literę ex supradictis admittūt intra se paruum punctum, qui dicitur $\bar{\text{d}}$ dagges, & tunc augent sonum. ut $\bar{\text{b}}$ beth. $\bar{\text{g}}$ gimel. $\bar{\text{d}}$ daleth. $\bar{\text{m}}$ mem. & sic ceterę.

ALPHABETVM GRAECVM.

Litterae apud Graecos sunt quatuor & uiginti.
A α Ἄλφα Alpha. a **B β Βῆτα** Beta. b
Γ γ Γάμμα Gamma. g **Δ δ Δέλτα**
 Delta. d **Ε ε Εφίλωρ** Epsilon. e **Ζ ζ Ζήτα**
 Zeta. z **Η η Ηῆτα** Eta e, longum. θ **Θῆτα**
 Theta th **Ι ι Ἰῶτα** Iota. i **Κ κ Κάππα**
 Cappa c **Λ λ Λάμβδα** Lambda. l **Μ μ Μῦ**
 Mu. m **Ν ν Νῦ** Ny. n **Ξ ξ Ξί** Xi. x **Ο ο**
 Omicron Omicron. o **Π π Πί** Pi. p
Ρ ρ Ρῶ Rho. r **Σ σ Σίγμα** Sigma f
Τ τ Τᾶν Tau. t **Υ υ Υφίλωρ** Upsilon. y
Φ φ Φί Phi. ph **Χ χ Χί** Chi. ch **Ψ ψ Ψί**
 Psi. pf **Ω ω Ωμέγα** Omega. o, magnum.
 Vocales sunt septem. α ε η ι ο υ ω.

Diphthongi Propriæ sex.

æ af i ef i u
 αι αυ ει ευ οι ου

Impropriæ item sex.

a i o y if of
 α η ω υ ι η υ ω υ

Abbreviatiōibus quas uocant, perraro usi sumus,
 in eorum maxime, qui Graecis literis operam nauas
 re incipiunt, gratiam. Inueniet tamen ut interim ad
 moneatur Lector, ϑ pro δν. ~ pro ων. ~ pro ωρ.
 ρ pro τδ. ῥ pro τδρ. φ pro ει. ϑ pro στ. ~ pro ος.
 ~ pro ορ. & alia id genus admodum pauca.

Non ignoramus Candidi Lectores, esse cōplurima
 quæ ad Græcæ atq; Hebraicæ Linguarum cognitio
 onē, oportere precium fuisse adnotasse; Vbi tamen eam
 rem iusta exposcere Volumina nedum Isagogen ani
 ma duertimus, non grauate abstinuimus: Satius fore
 æstimantes, Prima elementa paucissimis obtulisse
 q̄ in re infiniti laboris, atq; adeo nostris impari uiris
 bus, παρὰ τὸ λέον, multum operæ perdidisse: quan
 do a præclarissimis ingenijs ea in re uel foelicissime
 est desudatum Vos interim ea, quæ tanq; præcedenti
 um Auctaria addidimus, boni consulite, atq; Valere.

ΕΥΧΗ ΚΙΡΙΑΚΗ.

Ἄτε ἡμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐρανοῖς, ἄγιος, θ̄ς
 τῶ τοῦ ὀνόματός σου, ἐλθέτω ἡ βασιλεία σου,
 γενήτω τὸ θέλημά σου ὡς ἐν οὐρανοῖς καὶ ἐπὶ τῆς
 γῆς. τὸν ἄετον ἡμῶν ἕπιούσιον λέσῃ μὴ σήμε
 ρον· καὶ ἀφεσὲ μὴ τὰ ὀφειλήματα ἡμῶν, ὡς καὶ ἡ
 μεῖς ἀφίεμεν τοῖς ὀφειλέταις ἡμῶν· καὶ μὴ εἰσ
 νέγκῃς ἡμᾶς εἰς πειρασμόν, ἀλλὰ ἑνθάτις ἡμᾶς ἀ
 πο τοῦ πονηροῦ. Ἄμήν.

ΑΣΠΑΣΜΟΣ ΤΟΥ ΑΓΓΕΛΟΥ ΠΡΟΣ
 ΤΗΝ ΑΓΙΩΤΑΤΗΝ ΓΑΡΘΕΝΟΝ

Ἄρε κεχαριτωμένη Μιχαῖ, ὁ κύριός με
 τὰ σοῦ, ἐν λογιμῆν σου ἐν γυναικί, καὶ
 ἐν λογιμῆν ὁ κεχρὸς τῆς κοιλίας σου, ὅτι σωτήρ
 ἔτεκες τῶν ψυχῶν ἡμῶν. Ἄμήν

ΣΥΜΒΟΛΟΝ ΤΩΝ ΑΓΙΩΝ
 ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

Ἰσένω εἰς θεόν πατέρα παντοκράτορα, πα
 τῆρ ὀυρανοῦ καὶ γῆς, καὶ εἰς Ἰησοῦν χρι
 στὸν υἱὸν αὐτοῦ ἑνὰ μόνον κύριον ἡμῶν, συλληθέν
 τὰ ἐκ πνεύματος ἁγίου, γεννηθέντα ἐκ Μαρ
 τίας, τῆς παρθένου, παθόντα ἐπὶ ποντίῳ Γιλιάτῳ,
 θνήσκοντα καὶ ταφέντα, κτελθόντα εἰς ἄλμ, τῆ
 τρίτῃ ἡμέρᾳ ἀναστάντα ἐκ νεκρῶν, ἀνελθόντα εἰς
 οὐρανοῦς, καθεζόμενον ἐν δεξιᾷ τοῦ πατρὸς παν
 τοκράτορος, ὃ ἐμὲ μέλλει εἰσελθεῖν καὶ ζῶντα
 καὶ νεκροῦς. Πιστενῶ εἰς πνεῦμα ἅγιον, εἰς
 ἄγιον ἐκκλησίαν καθολικὴν, ἁγίον κοινωνίαν,
 ἀφείπον ἁμαρτιῶν, Σαρκὸς ἀνάστασιν, ζῶν ὡ
 σίον. Ἄμήν.

ΩΙΔΗ ΣΥΜΕΩΝ.

Υμᾶ πολύνεις τὸν λουλοῦσος λέσποτα,
 κατὰ τὸ θέμα σου ἐμ εἰθνή. Ὅτι εἶλον
 οἰοφθαλμοί μου τὸ σωτήριόν σου. Ὅ ἡτοίμασθ
 κατὰ πρόσωπον πάντων τῶν λαῶν, φῶς εἰς ἀ
 ποκάλυψιν ἐθνῶν, καὶ λύσιν λαοῦ σου Ἰσραὴλ.
 Δόξα πατρί, καὶ υἱῶ, καὶ ἁγίῳ πνεύματι. Ὡς ἡ
 ἐμ ἀρχῆ, καὶ νῦν, καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν
 αἰῶνων. Ἄμήν.

Alphabetum, seu potius Syllabarium literarum Chaldaearum.

| | | | | | | |
|------------------------|------------------------|------------------------|------------------------|------------------------|------------------------|------------------------|
| 𐤀 𐤁 𐤂 | 𐤃 𐤄 𐤅 | 𐤆 𐤇 𐤈 | 𐤉 𐤊 𐤋 | 𐤌 𐤍 𐤎 | 𐤏 𐤐 𐤑 | 𐤒 𐤓 𐤔 |
| U ha | U hu | U hi | U ha | U he | U ho | U ha |
| 𐤕 la | 𐤖 lu | 𐤗 li | 𐤘 la | 𐤙 le | 𐤚 lo | 𐤛 la |
| 𐤜 ha | 𐤝 hu | 𐤞 hi | 𐤟 ha | 𐤠 he | 𐤡 ho | 𐤢 ha |
| 𐤣 ma | 𐤤 mu | 𐤥 mi | 𐤦 ma | 𐤧 me | 𐤨 mo | 𐤩 ma |
| 𐤪 sa | 𐤫 su | 𐤬 si | 𐤭 sa | 𐤮 se | 𐤯 so | 𐤰 sa |
| 𐤱 ra | 𐤲 ru | 𐤳 ri | 𐤴 ra | 𐤵 re | 𐤶 ro | 𐤷 ra |
| 𐤸 fa | 𐤹 fu | 𐤺 fi | 𐤻 fa | 𐤼 fe | 𐤽 fo | 𐤾 fa |
| 𐤿 ka | 𐥀 ku | 𐥁 ki | 𐥂 ka | 𐥃 ke | 𐥄 ko | 𐥅 ka |
| 𐥆 ba | 𐥇 bu | 𐥈 bi | 𐥉 ba | 𐥊 be | 𐥋 bo | 𐥌 ba |
| 𐥍 ta | 𐥎 tu | 𐥏 ti | 𐥐 ta | 𐥑 te | 𐥒 to | 𐥓 ta |
| 𐥔 ha | 𐥕 hu | 𐥖 hi | 𐥗 ha | 𐥘 he | 𐥙 ho | 𐥚 ha |
| 𐥛 na | 𐥜 nu | 𐥝 ni | 𐥞 na | 𐥟 ne | 𐥠 no | 𐥡 na |
| 𐥢 a | 𐥣 u | 𐥤 i | 𐥥 a | 𐥦 e | 𐥧 o | 𐥨 a |
| 𐥩 cha | 𐥪 chu | 𐥫 chi | 𐥬 cha | 𐥭 che | 𐥮 cho | 𐥯 cha |
| 𐥰 wa | 𐥱 wu | 𐥲 wi | 𐥳 wa | 𐥴 we | 𐥵 wo | 𐥶 wa |
| 𐥷 a | 𐥸 u | 𐥹 i | 𐥺 a | 𐥻 e | 𐥼 o | 𐥽 a |
| 𐥾 za | 𐥿 zu | 𐦀 zi | 𐦁 za | 𐦂 ze | 𐦃 zo | 𐦄 za |
| 𐦅 ia | 𐦆 iu | 𐦇 ii | 𐦈 ia | 𐦉 ie | 𐦊 io | 𐦋 ia |
| 𐦌 da | 𐦍 du | 𐦎 di | 𐦏 da | 𐦐 de | 𐦑 do | 𐦒 da |
| 𐦓 ga | 𐦔 gu | 𐦕 gi | 𐦖 ga | 𐦗 ge | 𐦘 go | 𐦙 ga |
| 𐦚 tha | 𐦛 thu | 𐦜 thi | 𐦝 tha | 𐦞 the | 𐦟 tho | 𐦠 tha |
| 𐦡 pa | 𐦢 pu | 𐦣 pi | 𐦤 pa | 𐦥 pe | 𐦦 po | 𐦧 pa |
| 𐦨 za | 𐦩 zu | 𐦪 zi | 𐦫 za | 𐦬 ze | 𐦭 zo | 𐦮 za |
| 𐦯 za | 𐦰 zu | 𐦱 zi | 𐦲 za | 𐦳 ze | 𐦴 zo | 𐦵 za |
| 𐦶 fa | 𐦷 fu | 𐦸 fi | 𐦹 fa | 𐦺 fe | 𐦻 fo | 𐦼 fa |
| 𐦽 pa | 𐦾 pu | 𐦿 pi | 𐧀 pa | 𐧁 pe | 𐧂 po | 𐧃 pa |
| Finiunt in
a paruum | Finiunt in
u longum | Finiunt in
i longum | Finiunt in
a longum | Finiunt in
e longum | Finiunt in
o paruum | Finiunt in
a longum |

Vides (o lector) supra Vigintifex characteres primo loco Septem Stantiarū descriptos: qui omnes in a paruum terminantur, & quid illi apud nos ualeant: syllabis Latinis proxime ad dexteram additis: tibi indicauit. Idem feci de alijs characteribus Sex aliarum Stantiarum: indicādo similiter: quid quilibet apud nos significet. Seruaui ordinem Chaldaeorum: ut quisq; facile etiam ab ipsis discere ualeat. Carent Chaldaei c, q, x, & y, literis.

Loco c, more græcorū: utunt̄ k, Et simili more scribunt & legunt k̄sar, k̄adar, & similes dictiones. Loco x, utunt̄ tribus characteribus latinis, scilicet chf. Vides insup tres apud eos esse aspiratiōis notas, in quo cum Hebræis concordare uidentur: qui habent ח he, ח heh, ח hain. Habent etiā duo s, & tria z, & Septem uocales dupliciter: ac duo p. Vtroq; p, rarissime utuntur. Hæc uarietas & Vocaliū & Cōsonātū apud ipsos

malam causet Orthographiam: si quis unum charactere
 rem pro alio posuerit. Vidi tñ in aliquib⁹ id cōs
 fundi: & usq; quaq; in eorum libris nō seruari. quod
 partim uitio Scriptorum accidisse existimam.
 φ Græcum non habent. nec illud more Latino ex di
 uersis elementis faciunt: sed eius loco ponunt, f,
 Omnes syllabę apud Chaldeos in principio, medio,
 & fine, dictionum omniū, sunt lōgę: exceptis a, par
 uo, & o, paruor: & omnibus alijs Syllabis: quę retro in
 Prima & Sexta Stantijs Chaldaice ponūt. Inspiciens
 quęlibet characterē: subito intelligis quāta quęq; sit
 syllaba. I, crebro: u, uero nūq; apud eos sit cōsonās
 Syllabę quę in o, puū terminātur: & in Sexta Stātia
 Chaldaea sunt positę: quoties necessitas ingruit: per
 Chaldeos in cōsonatē resoluūt, abiecto enim o puo
 pronūciat solū cōsonatē. hoc modo:

ⲚⲘⲏⲛⲉⲛ ⲘⲘⲓⲓⲓⲓ ⲘⲘⲓⲓⲓⲓ ⲘⲘⲓⲓⲓⲓ ⲘⲘⲓⲓⲓⲓ

Chrostas Maroiam Pehrōs Patulos Tōmas
 In singulis enim dictionib⁹ harū quinq; ultim⁹ cha
 racter abiecto obreui resoluūt in cōsonatē Idē in pri
 mis & medijs syllabis sepe accidit: put facile patebit
 diligenti studio perquirenti. & supra patet in hac di
 ctione ⲚⲘⲏⲛⲉⲛ: Nam ut prim⁹ character eiusdē di
 ctōis abiecta o, breui ch, designat & ⲛ primū in ea
 dē dictione, nō aliud q̄ s simplex denorat, & similiter
 ⲛ ultimū ut legēdū sit ⲚⲘⲏⲛⲉⲛ: hoc est Chrostas
 nō autē Chorosotaso & sic de alijs.

Nixus sum hanc tollere difficultatem per simplicia
 pūta sub characterib⁹ Sexti ordinis edita, auifando
 uidelicet q; quoties sub characterē Sexti ordinis repe
 rit pūta q; syllaba eiusdē ordinis in simplicē resolu
 tur cōsonatē Sed ut ueram ingenue fatear duabus de
 causis me de negligētia uel temeritate notari nō pos
 to, Vna q; Aethiopes ipsi hac Chaldea Lingua uten
 tes: tanta accelerātia a puero imbibita, p̄nūciāt: q;
 ex eorū ore difficile sit cognoscere an character Sex
 ti ordinis in simplicem resoluat cōsonantē, nec ne.
 Altera q; alijs nuper Romę occupatus: non per ipsū
 mesed per alios hanc rem experiri decreui.

Infrascripti characteres Chaldei importat quę infra

| | | | | |
|------|------|------|------|------|
| Ⲛ | ⲛ | ⲛ | ⲛ | ⲛ |
| chuo | chuu | chui | chua | chue |
| ⲓ | ⲓ | ⲓ | ⲓ | ⲓ |
| guo | guu | gui | gua | gue |
| ⲓ | ⲓ | ⲓ | ⲓ | ⲓ |
| kuo | kuu | kui | kua | kue |
| ⲓ | ⲓ | ⲓ | ⲓ | ⲓ |
| huo | huu | hui | hua | hue |

In p̄xime p̄cedētib⁹ uolui Chaldaeos morē imitā
 ri: licet ab his quę supra tradidi discrepēt. ponūt autē
 primo Chaldaei characteres & sub ipsis eorū signifi
 cat⁹. Nec telateat q; Chaldej inter singulas fere di
 ctōes duplici pūcto secernūt eo modo quo Latini
 pleriq; cōmata designant ita uidelicet: Perfectā tñ
 sententiā iterato hoc pūcto claudūt hoc pacto ::
 Præpositionem præterea, plerumq; suo casu: ac &
 qui, alijs dictionibus sub unico complexo iungunt:
 quod cū Hebręis cōmune habēt: iungūt tamē & ne
 gationē nō, in quo Hebręis sunt multo fecūdiore.
 Vides supra Septē syllabas Stācias: quarum Prima
 appellat̄ Gooz. Secūda Chaab. Tertia Sals. Quarta
 Orabo. Quinta, Hams. Sexta, Sads. Septima, Sabo
 Hęc pro Modo legēdi edere uolui, Dictionarium &
 alia editur⁹: nisi per hęc litt⁹ arasse me cōperero.

Io. Porken peregrinarum Literarū Studiosis.

Nō me fugit (o Lectores) q; ij qui lras Hebręas &
 vulgares Chaldeas, a religione seu poti⁹ secta Hebrę
 is didicere, mei erūt cēsores, q; nō uerā Chaldea nup̄
 Romę ediderim nec nūc edā Linguā; Meā tñ opini
 onē, q; hęc uera Chaldea sit linguā solū LXX. Re
 gnorū Aethiopię sub Aegypto, utriusq; Cleri, hoc
 est reglaris & secularis testimonio: Sed & citata Sacra
 scriptura, & bo. me. Roberto Epō Licieñ. harū re: so
 lerrissimo indagatore. quē dudū Romę senē, sui tēpō
 ris alter; Paulum, uerbum Dei ad Clerum, & popu
 lum declamantem, iuuenis audiui. contra cecos Iu
 dęos & eorū in hoc auscultatores defendere pro uirili
 & sine pertinaciā conabora. Valere

Vertical text in the left margin, likely a library or archival stamp, containing names and dates.

